

2 2] 221 नई दिस्सी, शनिवार, जून 1, 1985 (ख़्येष्ठ 11, 1907)

NEW DELHI, SATURDAY, JUNE 1, 1985 (JYAISTHA 11, 1907)

ाम भाग में भिन्न पूष्ठ संख्या वी जाती है जिससे कि यह अलग संश्रलन के रूप में रखा जा सके (Separate paging is given to this Part in order that it may be filed as a separate compilation)

भाग III-- **पन्म** 1

(PART III—SECTION 1)

उँच्य न्यायाल में, नियम्ब्रक और पहालेखावरीक्षक, संघ लोक सेवा आयोग, रेल विभाग और भारत सरकार के संलग्न और अधीन कार्यालयों द्वारा जारी की गई अधिसूचनाएं भेगिटबार हो issue I by the High Courts, the Comptroller and Auditor General, the Union Public Service Commission, the Indian Government Rullways and by Attached and Subordinate Offices of the Government of India)

कार्मिक श्रीर प्रशिक्षण, प्रशासनिक सुधार श्रीर लोकशिकायत नथा पेंकन मन्नालय, कार्मिक श्रीर प्रशिक्षण विभाग, कें अ ब्यूरो, नई दिल्ला, दिसाक 8 मई 1985

मं० 3/15/85-प्रका० 5—श्री बीज्यम् गरूडाचार अपराध सहायक, के० अ० ब्यूरो की दिनाक 1 मर्ड, 1985 के पूर्वाह म अगले आदेश होने तक के० अ० ब्यूरो में स्थानापन्न कार्यालय अधीक्षक के रूप में नियुक्त किया जाता है।

दिनाक 9 मई 1985

स० ए-19036/8/76-प्रशा०-5-केन्द्रीय अन्वेषण ब्यूरो में मुनिन खपाधीक्षक श्री केवल मिह सेवाए दिनाक 20 अप्रैल 1985 के अपराह्म से भाग्नीय खाद्य निगम, चण्डीगड को, प्रतिनियुक्ति पर उन्हें उप-प्रबंधक (मतर्कता) के रूप में नियम्न करने के लए, सीपी जाती है।

प्राप्तः एसः नागपानः
प्रभामानाः अधिकाराः (स्थारः)
केन्द्रीयः अस्वैषणः व्यूरो

(कार्मिक श्रीर प्रशिक्षण विभाग) लाल बहादुर णास्त्री राष्ट्रीय प्रशासन अकादमी,

मसूरी, दिनाक 22 अप्रैल 1985

म० 2/7/81-ई०एस०टी०—श्रीमती मजुलिका सिंह, म्थाई हिन्दी अनुदेशक श्रीर जो इस समय तदर्थ रूप से महायक श्राचार्य के पद ५४, लाल बहादुर शास्त्री राष्ट्रीय प्रशासन अकादमी, मसूरी में कार्य कर रही हैं, की नियुक्ति नियमित रूप में महायक हिन्दी आचार्य (ग्रुप "बी" राजप्रित) के पद ५४, दिनाक 1-4-85 में, रू० 700-40-900-ई० बी-40-1100-50-1300 के वैतनमान में, जगले आदेश मिलने नक, की जानी है।

एस० के० सेन इप निदेशक (वॉरष्ठ)

। महानिदेणालय, केन्द्रीय (गृह मवानय) रिजर्व पुलिस बल नई दिल्ली-110003, दिसाक 7 सई 1985

स० श्रो०2-899/76-प्रशाज-3---महानिदेशानय, केन्द्रीय रिजर्व पुलिस वल के श्री एम०आर० लखेडा, प्रशासन अधि- कारी को दिनांक 28 फरवरी 1985 (अपराह) से बल के वेतन व लेखा कार्यालय में संयुक्त सहायक निदेशक (लेखा) के पद पर पक्षोन्नन किया गया है।

सं० श्रो० दौ-903/77-प्रशा०-3—महाँनिदेशक केन्द्रीय रिजर्य पुलिस बल के श्री उमराव सिंह, अनुभाग अधिकारी को दिनाक 26 अप्रैल, 85 (पूर्वाहर) से नेखा परीक्षा अधिकारी (आन्तरिक लेखा परीक्षा दल, उत्तरी क्षेत्र दिल्ली) के पद पर तदर्थ रूप से नियुक्त किया गया है।

ब्रिनांक 8 मई 1985

सं० भ्रो०दो-4/85-प्रशासन-3—केन्द्रीय रिजर्व पुलिस बल के श्री आर० डी० शर्मा, महायक को बल के महानिदेशालय में दिनांक 30 अप्रैल, 1985 (पूर्वाह्र) में अनुभाग अधि-कारी के पद पर पदोन्नन किया गया है।

> किशन लाल उपनिदेशक (प्रणासन)

नई दिल्ली 110003, दिमांक 7 मई 1985

मं० श्रो० दो-2009/85-स्था०---महानिदेशक, के०रि० पु० बल ने डाक्टर बी०बी० रामना को 19-4-85 पूर्वाह में केबल 3 माह के किए अथवा उस पद पर नियमित नियुक्ति होने तक इनमें में जो भी पहले हो, उम तारीख तक केन्द्रीय रिजर्व पुलिस बल किन्छ चिकित्सा अधिकारी के पद पर नदर्थ रूप सं सहर्ष नियुक्त किया है।

ए.जार० माहीपति महायक निदेशक (स्थापना)

पुलिस अनुसंधान एवं विकास ब्यूरो नई दिल्ली, दिनाक 7 मई 1985

सं० 3/10/85-प्रशा०-1—राष्ट्रपति, श्री रामकृष्ण राय आई०पी०एम० (पं० बंगाल, एम०पी०एम०) को केन्द्रीय गुप्तचर प्रशिक्षण स्कूल कलकत्ता में दिनाक 18 अप्रैल, 1985 (पूर्वाह्य से अगले आदेशों तक उप-प्रधानाचार्य के पद पर नियुक्त करते हैं।

दिनांक 9 मई 1985

मं० 3-11-85-प्रजा० 1—-राष्ट्रपति, श्री आर एस० महाय, आई०पी०एस० (यूटी०-1968) को पुलिस अनुसंधान एयं विकास ब्यूरो नई दिल्ली में दिनांक 3 मई 1985 (अपराह्र) में अगले आदेशों तक 2000-2250 हु० के वेतनमान में उपनिदेशक के पद पर नियुक्त करते हैं।

एम के भारतक, महानिदेशक

भारत के महार्गजस्ट्रार का कार्यालय नई दिल्ली -110011, दिनाक 10 मई 1985

ेसं 10/5/82-प्रणा०-1—विभागीय पदोन्नति समिति की सिफारिश पुर राष्ट्रपति श्री के॰आर॰ उन्नी, उपितदेणके (प्रीग्राम) को, जो इस समय भारत के महारिजिस्ट्रार के कार्यालय, नई दिल्ली में सयुक्त निदेशक (प्रोग्राम) के पद पर तदर्थ आधार पर कार्य कर रहे हैं, उसी कार्यालय में अगले आदेशों तक 24 अप्रैल, 1985 के पूर्वाह्र से अस्थायी क्षमता में नियमित अधार पर संयुक्त निदेशक (प्रोग्राम) के

 श्री के०आर० उन्नी का मुख्यालय नई दिल्ली होगा।

पद पर पदोन्नति द्वारा सहर्ष नियुक्त करते हैं।

वी०एस० वर्मा भारत के महार्राजस्ट्राय

रैक्षा लेखा विभाग नई दिल्ली, दिनांक 3 मई 1985

मं० प्रणा०/II/2606/84—रक्षा लेखा महानियंत्रक, श्री जी० णंक्ष्यानारायणन स्थायी लेखा अधिकारी (0/234) के दिनाक 14-4-85 (अपराह्र) को हुए निधन को दुख महिन अधिमूचिन करने हैं।

श्री जी॰ शंकरानारायणन को इस विभाग के संख्या-बल से उक्त तारीख से हटाया जाता है।

नई दिल्ली -110066, दिनाक 09 मई 1985

मं० प्रशा०/1/1402/4/जिल्द-II—राष्ट्रपांन, भारतीय रक्षा लेखा नवा के निम्नलिखन अधिकारियों को उक्त सेवा के वरिष्ठ समयमान (रुपए-1100-50-1600) में स्थानापन्न के चप में कार्य करने के लिए उनके नामों के समक्ष दर्शाई गई नागोंको सु, आगामी आदेश पर्यन्त, सहर्प नियुक्ति करते हैं:—

~~~~~ ऋ०सं० न	·। म	नियुक्ति की नारीख
	वी०पी० <b>जै</b> न	02-04-1984
	एस०के० चारी	02-04-1984
	क्री <i>भ्</i> ष्म क्रनीजिया	30-06-1984
4. প্রী	एन० सुभाहर्माणयम	17-09-1984
5. श्री	बी० भ <del>कर</del>	01-10-1984
6. শ্ব	निहार रंजन दाश	30-01-1985
7. श्री	राकेण र्जन	05-01-1985
८ श्री	बन शरी स्वरूप	19-03-1985
9 र्घा	मुत्रा लाल वं.प	16-01-1985

मृब्देव योष

रक्षा लेखा अपर महानियंत्रक (प्रशा०)

## इस्पात और खान मंत्रालय (खान विभाग) भारतीय भूवैज्ञानिक सर्वेक्षण

कलकत्ता-700016, दिनांकु 10 ग्रश्रेल 1985

> श्रमित कुमारी निदेशक (कामिक)

## भारतीय खान ब्यूरो नागपुर, दिनांक 3 मई 1985

सं० ए-19012(207)85-स्था० ए० संघ लोक सेवा प्रायोग की सिफारिश पर श्री तपन एच० बनर्जी को दिनांक 18 प्रप्रैल 1985 के पूर्वाह्म से भारतीय खान ब्यूरों में स्थानापन्न रूप में सहायक ग्रनुसंधान ग्रिधकारी (ग्र०५०) के पद पर निष्कत किया गया है।

सं ए-19012(210)/85-स्था ०ए०--संघ लोक सेवा भ्रायोग की सिफारिश पर श्री शीवा कुमाद्ध गड्डाम को, 18 श्रप्रैल 1985 के पूर्वाह्म से भारतीय खान ब्यूरों में स्थानापन्न रूप में सहायक श्रनुसंधान अधिकारी (अ०४०) के पद पर नियुक्त किया गया है।

#### विनांक 7 मई 1985

सं० ए-19011(18)/स्था०ए०—निवर्तन की आयु पूर्ण कर सेवानिवृत्त होने पर श्री अमीर सिंह, क्षेत्रीय खान नियं-त्रक को 30 अप्रैल 1985 के अपराह्म से भारतीय खान ब्यूरों के कार्यभार से मुक्त कर दिया गया है और तद्नुसार उनका नाम इस विभाग की प्रभावी स्थापना से काट दिया गया है।

सं ० ए-19011(54) | 85 | स्था ० ए० | पी ० पी ० पा न्यार्यंत खे के साथ सूचित किया जाता है कि श्री सी ० एम० दोशी, क्षेत्रीय खनम भूविज्ञानी का दिनांक : 5 श्रप्रैल 1985 के अपराह्म में दुखद निधन हो गया । श्रतएव भारतीय खान ब्यूरो के श्रधिकारियों की सूची में से उनका नाम निकाल दिया गया है।

मं० ए:19012(209)/85-स्था०ए०--संघ लोक सेवा श्रायोग की सिफारिश पर श्री एम० इनायथ हुसैन को, दिनांक 22 प्रप्रेल 1985 के पूर्वाह्म से भौरतीय खान ब्यूरी में स्थानापन्न रूप में सहायर्क ब्रनुसंधान ग्रधिकार्र रिप्रब्या के पद पर नियुक्त किया गया है।

> सी० शर्मा सहायण तसन प्रधिकारी कृते महानियंत्रक भारतीय खान ब्यूरी

## श्राकाणवाणी महानिदेशालय नई दिल्ली, दिनांक 9 मई 1985

सं० 4-7-84-एम०आई०—महानिदेशक, आकाशवाणी एतद्दारा श्री पी०के० झा को 22-4-85 से श्रगले आदेश तक 650-30-740-35-810-द० रो०-880-40-1000-द० रो०-40-1200 रुपये के वतनमान में, श्राकाशवाणी दरभंगा में, श्रस्थाई रूप में कार्यक्रम निष्पादक के पद पर नियुक्त करते ह ।

हरीशचन्द्र जयाल प्रशासन उपनिदेशक कृते महानिदेशक

## सूचना और प्रसारण मंत्रालय फिल्म प्रभाग

बम्बई-400026, दिलांक 3 मई 1985

सं० ए-32014/2/84-ब्रार०सी०—विभागीय प्रवीक्षति समिति की संस्तृति पर सक्षम प्राधिकारी ने, श्री एम०एस० पटवारी स्थानापन्न कैमरामैन फिल्म प्रभाग बम्बई को, १० 840-40-1000-द० रो०40-1200 के वेतनमान में १० 1040 प्रतिमाह के वेतन पर पूर्वाह्म 15-4-1985 से ब्रगला ब्रावेश होने तक, उसी कार्यालय में ही कैमरामैन (सी० एफ०यू०) के रूप में नियुक्त किया है।

> एन० एन० शर्मा प्रशासनिक अधिकारी कृते मुख्य निर्माता

कृषि और ग्रामीण विकास मंत्रालय कृषि और सहकारिता विभाग धर्थ एवं सांख्यिकी निदेशालय नई दिल्ली, दिनांक 3 मई 1985

सं० 7-1/79-स्था०(1) प्र०सा०—श्री ए०के० विश्वास, विषणन प्रामुचना अधिकारी (नदर्थ) ने पदोखन होने पर श्रपने नियमित पद वरिष्ठ विषणन श्रासूचना निरीक्षक पर 18-3-85 (श्रपराह्म) से नियुक्त हो गर्ये हैं।

> एस० पी० मल्होत्रा मुख्य प्रशासनिक श्रधिकारी कृते श्राधिक एवं सांख्यिकीय सलाहकार

## विषणन एवं निरीक्षण निदंशालय फरीदाबाद, दिनांक 7 मई 1985

सं०ए०-12026/2/84-प्र० [II—रक्षा लेखा नियंत्रण कार्यालय, एस०सी० पुणे के लेखा अधिकारी श्री राम कवर को अपने मूल कार्यालय से कार्यमुक्त होने की तारीख अर्थात 21-3-85 (अपराह्न) से इस निदेशालय के अधीन फरीदा-बाद में सामान्य प्रतिनियुक्ति की गर्तों के अनुसार 1-4-85 (पूर्वाह्न) से प्रतिनियुक्ति आधार पर लेखा अधिकारी के रूप में नियुक्त किया गया है।

#### दिनाक 10 मई 1985

संव ए०-19025/20/81-प्र० 111—विभागीय पदोन्नति सिमिति (वर्ग "ख") की मंस्यतियों के प्रमुसार कृषि विपणन सलाहकार, भारत सरकार कारा श्री के० टी० राजुरकर, वरिष्ठ निरीक्षक को इस निदेशालय में 17-4-85 (पूर्वाह्म) से प्रगले ग्रादेश होने नक नियमित ग्राधार पर स्थानापन्न सहायक विपणन ग्रिधकारी (वर्ग 1) के रूप में पदोन्नत किया गया है।

जे० क्रुप्णा निदेशक, प्रशासन कृते कृषि विपणन सलाहकार

#### भाभा परमाणु श्रनुसंधान केन्द्र कार्मिक प्रभाग

बम्बई-400085, दिनांक 3 मई 1985

सं० के/2115/सी डब्लू/एस/स्था०-1/1254--श्री साइ-रस कावस कलापेसी ने वैज्ञानिक ग्रिधकारी/इंजी०/ग्रेड एस० बी० पद का पदभार 29-3-1985 श्रपराह्म को त्याग पत्न देने पर छोड़ दिया।

> के० वेंकट कृष्णन उप स्थापना ग्रिधिकारी

परमाणु ऊर्जाविभागं न्यूक्लियर विद्युत बोर्ड बम्बई--5, दिनांक 21 मार्च 1985

मं० एत० पी० बी०/3(283)-स्थापना 4479---निदेशक (अभियांत्रिकी) न्यूक्लियर विद्युत बोर्ड, अम्बर्ष एतद्द्वारा इस बोर्ड क एक स्थायी सहायक लेखा अधिकारी श्री बी॰ बी॰ व्यापारी को फरवरी 15, 1985 के पूर्वाह्न आदेण जार होने तक उसी बोर्ड में लेखा अधिकारी 2 के पद पर अस्था य रूप से नियुक्त करते हैं।

#### दिनांक, 9 मई 1985

मं० एत० पी० बी०/3(262)/83—स्थापना/1/4576— कार्यपालक निरंशक (आर) न्यूक्लियर विद्युत बोर्ड, बम्बई एतदहारा इस बोर्ड के एक स्थायी प्रवरण कोटिलिपिक श्री एस० ए० भेले को इसी बोर्ड में मार्च 25, 1985 के पूर्वाह्म से अप्रैल 26, 1985 के अपराह्म तक महायक कार्मिक अधिकारी के रूप में अस्थायी रूप में नियुक्ति करते हैं। यह नियुक्ति श्री टी० एस० अमवाल महायक कार्मिक अधिकारी के स्थान पर की गई जो मामान्य प्रशामन अधिकारी की पदोक्षति पर थे।

#### दिनांक 7 मई 1985

सं० एन० पी० बी०/3(262)/83-स्थापना 1/4478-कार्यपालक निदेशक (आर) न्यूक्लियर विद्युत बोर्ड, बम्बर्ष, एतदद्वारा इस बोर्ड के एक स्थायी महायक कार्मिक अधिकारी श्री टी० एम० असवाल, को इसी बोर्ड में मार्च 25, 1985 के पूर्वाह्म से अप्रैल 26, 1985 के अपराह्म तक मामान्य प्रशासन अधिकारी के रूप से अस्थायी रूप में नियुक्त करते हैं। यह नियुक्ति श्री आर० व्ही बाजपेयी सामान्य प्रशासन अधिकारी के स्थान पर की जा रही है, जो छुद्टी पर चले गए थे।

> आर० व्ही बाजपेयी, सामान्य प्रशासन अधिकारी कार्यपालक निदेशक (आर)

### परमाणु खनिज प्रभाग

हैदराबाद-500 016, दिनांक 9 मई 1985

स० प ख प्र-16/1/85-भर्ती—निदेशक, परमाणु खिनिज प्रभाग, परमाणु ऊर्जा विभाग एतदद्वारा परमाणु खिनिज प्रभाग के स्थायी वरिष्ठ आशुलिपिक, श्री ग्रो० भार्थन को उसी प्रभाग में 16 अप्रैल, 1985 के पूर्वाह्म से अगले आदेश होने तक स्थानापन्न रूप में सहायक कार्मिक अधिकारी नियुक्त करते हैं।

> एस० पदमनाभन, वेरिष्ठ प्रशासन एव लेखा अधिकारी

## तारापुर परमाणु विजलीघर

महाराष्ट्र-401 504, दिनांक 3 मई 1985

सं० टी० ए० पी० एस०/1/34(1)/76-आर० (खड 13)-तारापुर परमाणु विजलीघर के मुख्य अधीक्षक, तारा-पुर परमाणु विजलीघर के अस्थायी वैज्ञानिक महायक (सी) श्री एम० मुख्ली को इसी विजलीघर में 1 फरवरी, 1985 की पूर्वाह्म से अगसे आदेशों तक के लिए अस्थायी क्षमता में वैज्ञानिक अधिकारी/अभियंता ग्रेड 'एस बी' के तौर पर नियुक्त करते हैं।

वी० पी० नाईक, प्रशासनिक अधिकारी–II

## महानिदेशक नागर विमानन का कार्यालय नई दिल्ली, दिनांक 18 अप्रैल 1985

सं० ए० 38013/1/85-ई० ए०—नियंद्रक विमानक्षेत्र, नागपुर के कार्यालय के श्री एम० एल० पाल, वरिष्ठ विमानक्षेत्र अधिकारी निवर्तन आयु प्राप्त कर लेने पर दिनांक 31-3-85 से सरकारी सेवा से निवृत्त हो गए हैं:

> ्रजी० बी० लाल सहायक निदेशक प्रशासन, कते महानिदेशक नागर विमानन

#### नई दिल्ली, दिनांक 26 अप्रैल 1985

सं० ए० 32013/2/84-ई० सी०—राष्ट्रपति ने श्री अरुण तलवार, वरिष्ठ संचार अधिकारी को दिनांक 31-1-*
1985 से छ: मास की अविध के लिए अथवा पद के नियमित आधार पर भरे जाने तक, इनमें से जो भी पहले हो, सहायक निदेशक संचार के ग्रेड में तदर्थ आधार पर नियुक्त किया है श्रीर उन्हें महानिदेशक नागर विमानन नई दिल्ली के कार्यालय में वैमानिक संचार निदेशालय में तैनात किया गया है।

#### दिनांक 27 अप्रैल 1985

सं० ए० 32013/6/83-ई० सी०—राष्ट्रपति ने नागर विमानन विभाग के निम्नलिखित अधिकारियों को प्रत्येक के नाम के सामने दी गई तारीख से और अन्य आदेश होने तक उपनिदेशक/नियंद्रक संचार के ग्रेड में नियमित आधार पर नियंक्त किया है —

ऋ० नाम ईं सं०	तैनाती स्टेशन	कार्यभार ग्राहण करनेकी तारीख
सर्व० श्री 1. वी० के० चौधरी सहायक निदेशक संचार	वैं० सं० स्टेशन, कलक <b>त्ता</b>	4-3-1985 (पृथाह्न)
<ol> <li>सुशील कुमार सहायक निदेशक संचार</li> </ol>	वै० सं० स्टेशन, नागपुर	26-2-1985 (अपराह्म)
<ol> <li>आर० के० सूद सहायक निदेशक संचार</li> </ol>	क्षेत्रीय नियंत्रक संचार का कार्यालय वै० सं०्रस्टेशन, मद्रास	28-2-1985 , (पूर्वाह्न)

#### दिनांक 2 मई 1985

सं० ए० 32013/4/84-ई० सी०--राष्ट्रपति ने नागर विमानन विभाग के निम्नलिखित तकनीकी अधिकारियों को प्रत्येक के नाम के सामने दी गई तारीख से छः मास की अविध के लिए अथवा पद के नियमित आधार पर भरे जाने तक, इनमें से जो भी पहले हो, वरिष्ठ तकनीकी अधिकारी के ग्रेड में तदर्थ आधार पर नियुक्त किया है ग्रीर उन्हें प्रत्येक के सामने दिए गए स्टेशन पर तैनात किया गया है —

		<del></del>
ऋ० नाम सं०	जिस स्टेशन पर तैनात किया गया है	नियुक्ति की तारीख
सर्वश्री		
<ol> <li>एम० के० वर्मा, ना० वि० प्रशि ० इलाहाबाद :</li> </ol>	वै० सं _, ०स्टेशन, द्विवेन्द्रम	9-2-85 (पूर्वाह्न)
2. बी ०एन० चयाला, वै० सं० स्टेशन, मगलौर ।	वै० सं० स्टेगन, दिल्ली ।	11-3-85 (पूर्वाह्र)
<ol> <li>के० गणेशन,</li> <li>वै० सं० स्टेशन,</li> <li>कलक्ता।</li> </ol>	क्षेत्रीय नियंत्रक, संचार का कार्यालय, कलकत्ता ।	17-1-85 (पुर्वाह्न)
4. अर्जुन सिंह, ना० वि० प्रशि० केन्द्र, इलाहाबाद ।	वै० सं० स्टेशन, तिरुचिरापल्ली	8-2-85
<ol> <li>एम० एल० चक्रवर्ती वै० सं० स्टेशन, कलकत्ता ।</li> </ol>	वै० सं०स्टेशन, कलकत्ता ।	17-1-85

#### विनाक 3 मर्ह, 1985

सं. ए. 35018/15/83-हें 1(1)—केन्द्रीय रिजर्व पुलिस बल के श्री के सी.एस. नेगी, कम्पनी कमान्डर को प्रतिनियुक्ति के आधार पर दिनांक 12-3-1985 (पूर्वाह्न) से तीन वर्ष की अवधि के लिए नागर विमानन विभाग के नागर विमानन सुरक्षा संगठन में वरिष्ठ सुरक्षा अधिकारी के पद पर नियुक्त किया गया है। उनकी प्रतिनियुक्त की शतें समय-समय पर संशोधित विस्त मंत्रालय (व्यय विभाग) के दिनांक 7-11-1975 के कार्यालय जापन सं. एफ. 1 (11) ई 91(वी)/75 के अनुसार नियन्तित होंगी।

सं० ए०-35018/15/83-ई I(II)— इस कायलिय के दिनांक 23-1-1985 की प्रधिसूचना सं० ए०-35018/15/83-ई० I के अभ में, श्री एस०एन० भ्रार्थ की वरिष्ठ

सुरक्षा अधिकारी के थेड में प्रतिनियुक्ति की अवधि चौथे वर्ष के लिए दिनांक 24-4-85 से 23-4-86 (श्रपराह्म) तक एक और वर्ष के लिए श्रामें बढ़ाई जाती है।

> वी० जयचन्द्रन सहायक निदेशक प्रशासन

#### विदेश संचार सवा

#### बम्बई, दिनांक मंई 1985

कः 1/421/85-स्था०—मधास के सहायक प्रशियन्ता श्री डी॰पी॰ कन्नन, 2 फरवरी, 1985 के मध्याह्म के बाद प्रभावी, स्वेच्छ्या सेवा-निवृत्त हो गए हैं।

#### दिनांक 6 मई 1985

क्र० 1/357/85-स्था०—मद्राम के सहायक अभियन्ता श्री बी०बी० वरदन, 20 फरवरी, 1985 के मध्याह्न के बाद प्रभावी, स्वैच्छया सेवा-निवृत्त हो गए हैं।

> र०का० ठक्कर उपनिदेशक (प्रणा०) कृते महानिदेशक

## वन श्रमुसंधान पंस्थान एवं महाविद्यालय देहरादून, दिनाक 8 मई 1985

सं 16/436/85-स्थापना——अध्यक्ष, वन अनुसधान संस्थान एवं महाविद्यालय, देहराहून, श्री टी०बी० चट्टरजी वन राजिक, श्रण्डमान निकोबार वन विभाग को 22 मार्च 1985 की पूर्वीत से श्रागामी आदेशों तक सहर्ष सहायक शिक्षक, पूर्वी वन राजिक महाविद्यालय, कुर्सीयाग में नियुक्त करते हैं।

> जे०एन० सक्सेना, कुलर्साचव वन प्रवृसधान सस्थान एवं महाविद्यालय

## केन्द्रीय उत्पादन और सीमा णुल्क वडोदरा

#### बडोदरा, दिनाक 30 अप्रैल 1985

सं० 2/1985—श्री ग्राई०एच० वैध, लेखा-परीक्षक, केन्द्रीय-उत्पादन और सीमा णुल्क (वर्ग "ख") (लेखा-परीक्षा) बडोदरा वृधावस्था में पेन्सन श्रायु प्राप्त होने पर दिनांक 30-4-1985 के श्रपराह्म से निवृत्त हो गये हैं।

#### विनांक 1 मई 1985

सं० 3/1985—श्री एम०वीं० वसईकर, लेखा-परीक्षक, केन्द्रीय-उत्पादन और मीमा शुल्क (वर्ग "ख") (लेखा-परीक्षा) धडोदरा वृधावस्था में पेन्णन की ग्रायु प्राप्त होने पर दिनाक 30-4-1985 के अपराह्म में निवृत्त हो गये हैं।

सं० 4/1985—श्री सी०एम० नायक, प्रशासनिक श्रिष्टि , कारी, केन्द्रीय-उत्पादन और सीमा शुल्क (वर्ग "ख") मण्डल-1, वडोदरा वृधावस्था की श्रायु प्राप्त होने पर दिनाक 30-4-1985 के श्रपराह्म से निवृत्त हो गये है।

> ना० बं० सोनावणे समाहर्ता, केन्द्रीय उत्पादन और सीमा शुल्क, नखोदर[ा]

## केन्द्रीय उत्पाद शुल्क बंगलौर, दिनाक 10 अर्थ्रेल 1985

क्र० सं० 1/85—केन्द्रीय उत्पाद भुल्क नियम, 1944 के नियम 5 द्वारा मुझे प्रदत्त यक्तियों का प्रयोग करते हुए, में, एनव्द्वारा संलग्न सारणी के कालम 4 में उल्लिखित केन्द्रीय उत्पाद भुल्क प्रधिकारियों को उनके क्षेत्रा-धिकार में केन्द्रीय उत्पाद भुल्क नियम के प्रावधानों के प्रधीन सारणी के कालम 2 में उनके ग्रामे दिशत समाहर्ता की गक्तियों का, सारणी के कालम 5 में निदिष्ट सीमा निर्धारण के ग्रधीन रहते हुए शक्ति प्रदान करता हूं।

त्र केन्द्रीय सौपी गई ग्रधिकारी सीमा सं उत्पाद शुरूक शिक्तयों की जिन्हें निर्धारण नियम प्रकृति सौपा गया  1 2 3 4 5  1. 173 एल (ि) वस्तुओ ग्रपर और 173 के समाहर्ता/ एम संग्रहण उप समाहर्ता में शिका- यत देने की श्राक्तियां  (ii) वस्तुओं की ी चपसी उप समाहर्ता के लिए समया- विध बढ़ाने । भी शिक्तया						
1 2 3 4 5  1. 173 एल (f) वस्तुओ अपर और 173 के समाहती/ एम संग्रहण उप समाहती मे शिका- यत देने की श्राक्तियां (ii) वस्तुओ की ! वापसी उप समाहती के लिए समया- विध बढ़ाने	€i o	उत्पाद शुस्क	शक्तित	यों की	जिन् <b>हे</b>	
और 173 के समाहर्ता/ एम संग्रहण उप समाहर्ता मे शिका- यत देने की श्राक्तियां (ii) बस्तुओ की ः वापसी उप समाहर्ता के लिए समया- विध बढ़ाने हैं		2		3	4	5
	1.	और 173		के संग्रहण में शिका- यत देने की शाक्तियों करायसी उप सम्	समाः उप गहुर्ता	हर्ता/

1	2	3	4	. 5
		(iii) समा-	सहायक	
			समाहर्ना	
		<b>1</b> 7⊕		
		य्रन्य		
		<b>शक्ति</b>	रां	
2. 192		(i) अनु-	श्रधिसूचन	
			छूट में	
		प्रदान		
		करने की	ग्रधिकारी	
		शक्तियां		
			श्रन्यथा	
			सहाय <b>क</b>	
			समाहर्ता	
		(ii) लाई-	लाईसेंस	
		सेंस जारी	देने वाला	
		करने	प्राधिकार	
	•	और बाण्ड		
		रकम और		
		प्रतिभू		
		निर्धारण		
		करने की		
		<b>ग</b> िकतयां		

धर्म पाल ग्रार्थ समाहता, केन्द्रीय उत्पाद शुल्क ंबंगलौर

## नौबहन परिवहन मंत्रालय नौबहन महानिदेशालय

बम्बई 400038, दिनांक 6 मई 1985

सं० 11-टीम्रार (7)/81—राष्ट्रपति महोदय ने, श्री ए० के० भट्टाचार्य इंजीनियर ग्राधकारी, मरीन इंजीनियरिंग प्रशिक्षण निदेशालय, कलकत्ता का त्यागपत (ग्रपराह्न) 16-4-1984 को स्वीकार कर लिया।

> डी डी जी ग्रमिताभ चन्द्र

(भोत निर्भाण एवं पोत-मरस्मत अभाग)

नई दिल्ली दिनांक 8 मई 1985

सं एस उडक्यू ०/एस ० बी ० एस ०/1(10)/85--भारत सर-गर उद्योग नंबानय (भारी उद्योग विभाग) की प्रियुत्त सं० 16-11-76 एच०एम०-11—दिनांक 25 फरवरी 1980 का ग्रांशिक संशोधन करते हुए मेसर्ज मझगांव डाक लिमिटेड के स्थान पर नेमर्ज गोवा शिपयार्ड लिमिटेड, गोवा को वेस्ट कोस्ट कंसीशियन श्राफ ट्रालर विल्डर्स का नेना नियुक्त करने का निर्णय किया गया है।

कुमारी सोमी टन्डन निदेशक

#### केन्द्रीय जल स्नाथोग

#### नई दिल्ली-66 दिनांक 3 मई 1985

सं० ए-19012/1084/85-स्थापना वी—विभागीय पदोश्रांत समिति (समूह-ख) की सिफारिणों पर, श्रध्यक्ष, केन्द्रीय
जल, श्रायोग, श्री बी॰सी॰ सहा॰ पर्यवेक्षक को केन्द्रीय जल श्रायोग
में श्रांतरिक्त सहायक निदेशक/महायक इंजीनियर के ग्रेड में
650-30-740-35-810-द० रो॰-35-880-40-1000-द०
रो॰-40-1200 के वेतनमान में 18-4-85 की पूर्वाद्व से
श्रन्य श्रादेशों तक नियमित श्राधार पर नियुक्त करते हैं।

(2) उपरोक्त अधिकारी केन्द्रीय जल आयोग में अति-रिक्त सहायक निदेशक/सहायक इंजीनियर के ग्रेड में उप-रोक्त तारीख में दो वर्ष की अवधि के लिए परिकीक्षा पर रहेंगे।

#### दिनांक 8 मई 1985

सं० ए-19012/1082/85-स्थापना वी—विभागीय पदोन्नति समिति (समूह-ख) की सिफारिकों पर, प्रध्यक्ष, केन्द्रीय जल ग्रायोग, श्री अरूण कुमार, ग्राभकल्प सहायक को केन्द्रीय जल ग्रायोग में अतिरिक्त महायक निदेशक/सहायक इंजीनियर के ग्रेड में 650-30-740-35-810-द० री०-35-880-40-1000-द० री०-40-1200 के वित्तमान में 30-3-1985 पूर्वाह्म में ग्रन्थ प्रादेशों नक नियमित ग्राधार पर नियुक्त करते हैं।

(2) उपरोक्त अधिकारी केन्द्रीय जल आयोग में आति-रिक्त सहायक निदेशक/महायक इंजीनियर के ग्रेड में उपरोक्त नारीक से वो वर्ष की धर्वाध के लिए परिवीक्षा पर रहेंगे।

> मीनाक्षी श्ररोड़ा अवर सचिव, (समन्वय) केन्द्रीय जल आधीग

## निर्माण महानिदेशालय केन्द्रीय लोक निर्माण विभाग नट्ट दिल्ली विनाक 15 ग्राप्टैल 1985

मं । 12/3/84-ई०क्षी०व9—निर्माण महानिदेशक सहर्ष निम्नित्वित प्रधिकारियों को सहायक नास्यक/तकनीकी प्रधिकारी (रुपये 650-30-740-35-810-दं रो०-30-880-40-1000-दं रो०-40-12000) के नाते केन्द्रीय सेवा प्रुप

('' के लो०नि०ौंब० निम्नलिखित निथियं ।	ों से इत्थाई करते
ुभं० नाम (सर्वश्री) सूच सहायक वास्तुक	ीबद्ध की निश्चि
1. जेपी सक्सैना	1-4-1971 ही (सेवा निवृत)
2 बाई० पीँ० पोपली	ट (
3. ए० गंगुली	वहीं वही
4. ए० श्रार० करन्दीकर	वही
5. एम॰ वी० दास	वही
6. ए० सन्थाल	वही
7. वी० एस० महाजन	वही
8. एस० के० वालिया	वही
9. एस० बी० केलकर	वही
10. ए० के० गुप्ता	7-5-1977
11. श्रार० के० कक्डउ	वही
12- के० थी० कुलकरनी	वही
13 म्रार० एच० खोबङगर्ड (म्रानु० जा	o) 19 <del>-</del> 5-77
14. एम० एम० एल० शर्मा	वही
15. देव० दत्त (श्रनु० जा०)	1-4-1978
16, ए०एन० देवीकर (श्रनु० जा०)	1-9-1978
17. ए० प्रार० जोशी	्, वही
18. बी० भ्रार० लोकेन्दर (भ्रनु० जा०	) वही
19. ए० के० सूद	21-2-1979
20. एस० पी० सिंह० (ग्रनु० जा०)	वही
21 राम०प्रसाद० (भ्रनु० जा०)	वही
22. ओ० पी० भारद्वाज	7-1-1980
23. एस० सी० महेण्याम (भ्रनु० जा०)	12-4-1980
24. वाई० एस० सरदार	29-4-1980
25, टी० भ्रार० भ्रान्तद	29-4-1980
26. जी० सी० शर्मा	वही
27. एस० कें० वासु	वही
28 ग्राई० के० पोपली	वही
29. डी० श्रीनिवासुलु	17-8-1981
30. श्रार० एन० कानीजिय तकनीकी श्रधिकारी	17-8-1981
31. जी० एस० भोगल	1-4-1980
32. श्रार०कें० सेक्सेना	1-9-1980

दक्षिण मध्य रेलवे

## महाप्रबंधक का कार्यालय कामिक शाखा

#### सिकंदराबाद, दिनांक 30 ग्राप्रेस 1985

सं० पी० राजपात्रत/185/लेखा—इस रेलवे के लेखा कि विभाग के निम्नालिखत स्थानापन्न श्रेणी-II (मुप बी) म्राधिकारियों का प्रत्येक के सामने सूचित तारीख से उसी विभाग की श्रेणी-2 सेवा में स्थायीकरण किया जाता है:—

ऋ०सं०	नाम	किस	श्रभ्यु वित
	*	तारीख से	
		स्थायी	
सर्वश्र	îτ		
1. एस	० विष्यताथन	1-4-80	सेवा निवृत्त
2. एस	° वेंकय्या	1-4-80	भारतीय
		ĺ	रेल लेखा
			सेवा में
			स्थायीकृत
			और सेवा 
			निवृत्त
	नागराजराव	17-5-80	सेवानिवृत्त
	वी० मन्नारक्रध्णत	27~5-80	सेवानिवृत्त
5. वाई	० मत्यनारायण	27~5-80	भारतीय रेल
		•	लेखा २ - २
			सेवा में
			स्थायीकृत और
			े सेवानिवृत्त
e un	० सुम्रमणियन	27-5-80	सवासिकृत सेवानिवृत्त
	त्रार <b>े सुत्रमणियन</b>	1-7-80	सेवानिवृत्त
	श्रारण पुत्रमागमा बी॰ राजनरसिम्हा	1-7-80	
	० मुक्रमणियन		सेवानिवृत्त
=	वी० राधवाचारी	1-12-84	
	० लक्ष्मणन	1-7-81	सेवानिवृत्त
	वैधीम्बरन	14-7-81	सेवानिवृत्त
	० त्यागराजन	2-9 81	सेवा निवृत्त
=	० बलराम	24-7-82	सेवाजिन्स
	वी० काशीकार	1-9-82	
16. एम	०एस० रामन	1-12-82	<del></del>
17. भ्रार	र० वरदराजन	23-3-83	
18. एस	० बाल सुक्रमणियन	1-4-84	
		-+ e	

एम० एम० दास प्रशासन उपनिदेशक

गुलगनराय महा प्रबन्धः

## उद्योग भीर कम्पनी कार्य मझालय (कम्पनी कार्य विभाग) कम्पनी लॉ बोर्ड

कम्पनियों के रजिस्ट्रार का कार्यालय

कम्पनी अधिनियम, 1956 और मैं० इन्टरनेणनल इमेन्स राजेन्द्रम् प्राइवेट लिमिटेड के विषय में।

नई दिल्ली, दिनांक 23 श्रप्रैल 1985

सं० 1737/14779—कम्पनी अधिनियम, 1956 की धारा 560 की उपधारा (3) के अनुगरण में एनव्हारा यह सूचना थी जाती है कि इस तारीख में तीन मास के अवसान पर मैं० इन्टरनेणनल इमेक्स एजेन्ट्स प्राईवेट लिमिटेड का नाम इसके प्रतिकृत कारण दिणन न किया गया तो रिजस्टर पे ६८८ दिया जिथेगा और उक्त कम्पनी विद्यादित कर दी जायेगी।

सत्येन्द्र सिह सहायक कम्पनी रजिन्द्रौर दिल्ली एवं हरियाणा

#### श्रायकर विभाग

श्रायकर श्रायुक्त का कार्यालय कोचीन, दिनांक 6 मई 1985 (श्रायकर)

श्रादेश स० 1/85-86—श्रापकर श्रधिनियम 1961 (1961 का 43) की धारा 124 की उपधारा (1) व (2) द्वारा प्रदत्त गिक्तयों का प्रयोग करते हुए कोचिन श्रायकर श्रायुक्त में एतद्धारा एरणाकुलम में निम्नालिखन मिकल समाप्त करता हूं।

- (1) कम्पनी सर्किल
- (2) एरणाकुलम सकिल
- (3) स्पेशल सकिल
- (4) सर्वे सर्किल
- 2. यह अधिसूचना दिनांक 10-5-1985 में लागू होगी।

आदेश सं० 2/85-86—आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) की धारा 124 की उपधारा (1) द्वारा प्रवक्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए कौचिन आयकर 2-86GI/85

द्यायुक्त में एतद्धारा निदेश देता हू कि निम्नाकित अनुसूची में दिए वार्षी महित एरणाकुलम में निम्नलिखित नए आयकर कार्यालयो का सूजन किया जाएगा:---

अनुसूची		
क्रम०मं० श्रीकल का नाम	वार्डथा	नाम नि०स० ग्रायुक्त का रेंज
ारणाकुलम  2. ग्रायकर कार्यालय, सर्किल-11, ग्र ग्रायकम  परणाकुलम  ग्र	ध्रायकर कार्यालय, ए-वार्ड) प्रायकर कार्यालय, बी-वार्ड) प्रायकर कार्यालय, धी-वार्ड) प्रायकर कार्यालय, प्रायकर कार्यालय, प्रायकर कार्यालय, प्रायकर कार्यालय, धी-वार्ड) प्रायकर कार्यालय, धी-वार्ड) प्रायकर कार्यालय, धी-वार्ड) प्रायकर कार्यालय, धी-वार्ड) प्रायकर कार्यालय, धी-वार्ड)	एरणाकुलम रेज नि०स० श्रायकर श्रायक्त एरणाकुलम

2. यह श्राधमुचना दिनांक 10-5-1985 से लागु होगी

एम०५० भात्तन कोचिन स्रायकर स्रायक्त

### प्रकप बाइ , दी, एन, एस, ------

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अर्धान समान

#### भारत सरकार

#### कार्यालब, सहायक भायकर आयुक्त (निरीक्षण)

जर्जन रेंज, अमृतसर

अमृतसर, दिनांक 20 अप्रत 85

निदेश न० अमृतसर्/84-86/4--अल मुझे, एम० सी० कपिल आई० जार० एस०

इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारों को यह विश्वास करने का **बा**यकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 1,00,000/- रतः मे अधिक **ह**ै

श्रीर जिसकी सं० एक जायदाद है तथा जो लारेंग रोड़, अमृतमर में स्थित है (जॉर इसरे: उपाइड इन्मुचं। रे ग्रीप पूर्णम्प में वर्णित है), रजिस्ट्रीक्सी अधिवारी के वायलिय, अमृतगर में रजिस्ट्रीकरण आधितियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख सितम्बर 1984

को पूर्वोक्त सम्मत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के इध्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित गर्इ की यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंत-रिकियों) के बीच एसे अंबरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्मैलिखित उद्दर्भ से सक्त अंतरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) अंतरण से हुई किसी आय की बासत, उक्त अधिकीनसम के अभीन कार दाने की जौतरक औ दायित्व में कभी करने या उससे बचने में मितपा अप्रे लिए; और/बा
- (ब) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय वायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उत्त अधिनियम, या धन्तः कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के क्योजनार्थ अन्तरिती द्वारा क्ट नहीं किया गया भा या किया हाना चाहिए ता, देख्या है हिन्द्रा ने सिए।

अतः भवः उक्त अधिनियम की भारा 269-ए के अनसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपाएए (1) 🕸 प्रधीन , निम्नलिसित व्यक्तियों , कर्यात :----

(1) श्री साम सुन्दर कपूर पुत्र, श्री रतन चन्द 224 कवीन्ज रोड, अमृतमर

(अन्तरक)

(2) श्री मनावनद्र सिह पुल, भापन्द्र सिह नं० 53, आर्० बा० प्रकाश चन्द रोड नम्नसम

(अन्तरिती)

(3) जैसा ऊपर सं० 2 भ कोई किरायेदार हो (बहु व्यक्तिर जिसके जावभोग में सम्पात्त है)

(4) श्रीर कोई

(यह व्यक्ति, जिसके बारे भे अधी-हम्नाक्षरो जानता है कि यह सम्पत्ति में हितवद्ध 흥) +

कांग्रहस्चना अपरी करके पूर्वोक्त सम्पन्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियं करता हो।

उक्त सम्पन्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस स्वाना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी व से 45 दिन की अविधि या तत्मम्बन्धी व्यक्तियों पर स्चनाकी सामील से 30 दिन्को अवधि, जो भौ अविध बाद में समाप्त हाती हो, के भीतर पृत्रित व्यक्तियो मा संकिसी व्यक्ति द्वारा,
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 बिन का भागर अंतर स्थारर सम्पत्ति मा हिनाबदर किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास चित्रं पत्र मा किस् का सका हर

स्पद्धासरणः ---इसम प्रयुक्त जरहा गीर पदा का, जा उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया धाम हुन।

#### अनुसची

1/5 भाग जायदाट खसरा नं० 1123 जो लारेंस रोड, अमृतपर में है जैसा सेलडीड नं० 4376/28-9-84 राजस्टी में अथारिटी अमृतसर में दर्ज है।

> एम० सी० कोपिल सक्षम प्राधिकारी महायक आयकर आयक्त (निरीक्षण) वर्जन रेंज, अमृतसर

नारीख: 20-4-85

महिर :

#### प्रक्ष भाइं.टी.एन.एस------

## भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-च (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कायालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, अमृतसर

अमृतसर, दिनाक 20 अप्रैल, 85

निदेश न अमृतसर/85-86/5----जि मजे, एफ सी किपल, आई आर एस अगयकर अधिनियम, 1061 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की भार 269-स के अभीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 1,00,000 -- रा से अधिक हैं

सर्वा स० एक जायदाद है तथा जो निमव मर्डी अमृतस्य में क्थित है (ग्राप त्रके उपाद्ध उपस्ति में ग्रीर पूर्णस्य स वर्णित है) रिजस्ट्रीयरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख अक्तूबर, 1981

का पूर्विकत सम्पत्ति के उचित बाजार मृल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गर्द हैं और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्विकत सम्पत्ति का उचित बाजार मृल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल स, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक हैं और अन्तरक (अन्त को और अतिरित्ति (अतिरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाता गया प्रतिफल, निम्नितिखन उद्देश्य में उक्त अतरण लिखित में बास्तिवक रूप में किंवन नहीं किया गया हैं ——

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक कां दामित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा केलिए; और/मा
- (स) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों का', जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उकत अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के अयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, कियाने से मुविधा के लिह;

(1) श्री हीरा लग्ल पुत्त, श्री मुकद ताल गली कंघारिया वाली, निमक मंड़ी, अमृतसर

(अन्तरक)

(2) श्री मदन लाल वोहरा पुत बिहारी लाल वोहरा, गली कधारिया वाली, निमक मड़ी, अमृतसर

(अन्तरिती)

- (3) जैसा ऊपर स॰ 2 में कोई किराएदार हो। (वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति हैं)
- (4) श्रीप कोई (बह व्यक्ति, जिनके बारे मे अधीहस्ताक्षरी जानना है कि बह सम्पत्ति मे हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वों क्ल सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यनाह्यां शुरू करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के वर्णन के संबंध में कोई भी भाक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपश्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील में 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख है 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हिल् बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पप्टीकरण:---इसमं प्रयक्त गब्दो और पदों का, को उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क मे परिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उम अध्याय में दिया गया है।

## **य**नुसूची

जायदाद न० 679/8 श्रौर 1056/8 जो कंश्रारिया बाली, निमक मडी, अमृतसर  $\theta$  है जैसा सेलडीड न० 5099/30-10-84 रिजस्टर्ड अथारिटी अमृतसर में दर्ज हैं।

> एस ० मी ० कोपिल स**क्षम प्राधिकारी** स**हायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)** अर्ज न रेज, अमृतसर

अतः अव, उक्त आधिनियमं की धारा 269-श के अन्सरण में, में, उक्त अधिनियमं की धारा 269-थ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिश्वित व्यक्तियों, अर्थात ;---

तारीख: 20-4-85

मोहर:

#### इस्प् बाद'. टा. एन्. एस.....

नायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-व (1) के अधीन सूचना

#### भारत् धरकार

#### कार्यालय, सहायक भायकर बाब्स्स (निर्दाक्षण)

अर्जन रेंज, लखनऊ

लखनऊ, दिनांक 20 अप्रैस 1985

निर्देश सं० ए० एस० आर० सं० 85-86/6— यत: मुझे, एस० सी० कपिल श्राई० ग्रार० एस०

नामकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसमें पश्चात् जिस्ता अधिनियम कहा गया है), की धारा 269-च के स्भीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है, कि स्थादर सम्पत्ति, जिसका उचित नाजार मृत्य 1,00,000/~ रा. से अधिक हैं

धौर जिसकी सं० एक जायदाव है तथा जो न्यू प्रताप नगर ध्रमृतसर में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्त्ता अधिकारी के कार्यालय ध्रमृतसर में रजिस्ट्रीकरण मधिनियम, 1908 (1908 का 16) के मधीन, तारीख भक्तुबर 1984

को प्रोंक्स सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के क्ष्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई और मुक्ते यह विद्वास

करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्परित का उचितं बाजार भूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक हैं और जंतरक (जंतरकों) और अस्तिरती (जन्तिरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्निलिखित उद्वेषय से उक्त अ एण लिखित में वास्तिवक रूप से किथा नहीं किया गया है:—

- (क) बन्शरण से शुद्र किसी वाम की वाबत, उक्त सिंपनियम के वधीन कार दोने के अनारक के दाबित्स में कवी कड़ने या उक्के वचने के बृविधा के सिए; मांद्र/या
- (ब) ऐसी किसी जाय या किसी भन या जय आगिट यो की बिन्हुं भारतीय नाय-कर निभिन्यम, 1922 (1922 की 11) या उक्त अधिनियम, या भन-कार अधिनियम, 1957 (1957 की 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपान में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) ले स्थीन, भिम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :— (1) श्री इन्द्रजीत सिंह पुत्र, श्री जसमंत सिंह गैट घोरा वाला, असृतसर

(अन्तरः)

(2) श्री कवलजीत सिंह बजाज पुत्न, श्री शांती लाल, श्रीमती जसबीर कीर पत्नी, कवलजीस सिंह, 40⊶रानी का बाग समृतसर

(ग्रन्तरिती)

- (3) जैसा उपर स० 2 में काई िराएदार हो। (वह व्यक्ति, जिसके ग्रांबिभोग में सम्पत्ति है)
- (4) और काई

(बहु व्यक्ति, जिसके बारे में श्रधाहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

का यह सूचना बारी करके पूर्वोक्त सम्परित के अर्थन के दिश् कार्यवाहियां शुरू करता हु।

उन्दर्भ सम्मत्ति के कर्जन के संबंध में काहें भी आक्षेप :----

- (क) इस स्वाना के राजपत्र में प्रकाशन को तारीख से 45 दिन की बनीध मा तत्सम्बन्धी क्यांक्तयों पर स्वान की तामील से 30 दिन की बनिध, जो भी अभी बाद में समाप्त होती हां, के भीतर पूर्वीक्ट व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति हुवारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक में 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पन्ति में हिन्द- बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास निर्देश में किए का नकीं।

स्यक्कीकरण — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, भा उक्त अभिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गुवा हैं।

#### अन्स्की

जायवाद नं० 59-60 जा न्यू प्रताप नगर, ममृतसर मे है जैसा सेल डीड नं० 5124/31-10-84 रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी समृतसर में दर्ज है।

> .एस० मी० कांपल, ग्राई० ग्रार० एस सक्षम श्राधिकारी, सहायक श्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण), ग्राजैन रेंज, ग्रामृतसर

तारीख 20-4-19**85 मोहर**ः

### श्रुच्य साह¹. टी. ए**र**् **एस**. ---

आयकः मधिनियम, 1961 (1961 का 43) की गाउ 269-म (1) के मधीन मुचना

#### भारत् सुरकाह

### कार्यासर, बहारक वायकर भावका (दिशीयक)

पर्जन रेंज, ममृतसर

मनुतसर, दिनान 20 मप्रैल, 85

निदेश नं ० ए० एस० आई 85/86/7---श्वन: मुझे, एस० सी० कपिल शाई० झाए० एस०,

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चान (नक्त कि नियम) कहा गया है), की भारा 260-क के अभीन सक्षम पाधिकारों की, यह विकास धारने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी स० भूमि का प्लाट जो कि इस्ट मोहन नगर में स्थित है और यू०/एस० 269 ए०बी० ग्राफ श्रायकर एक्ट 1961 के श्रीन सक्षम श्रीधिसारी है तथा जो श्रमृतसर के कार्यालय से 13-12-84 को रजिस्टई हुशा, से रजिस्ट्री-करण श्रीधिनियम, 1908 (1908 भा 16) के श्रीधीन, तारीख 13-12-1984

को पृत्येक्त मध्यसि को उचित बाजार मूल्य से कम के सश्यमान पितफल को लिए बल्तरिन की गर्द है और मूफ्ते यह विश्वास करन का कारण है कि मध्यपूर्विक सम्मित्त का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान पितफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिकृत से अधिक ही और अंतरिक (अंतरिकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के स्पित्य पाना प्या प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण जिक्ति में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किमी बाय की बाबत, सामत बीध-निसस के अधीन कर दोने के बन्तरक को बाबित्य में कमी करने या सससे बचने में सुविधा के लिए; बॉर/या
- (का) एशी किना आग या किसी अम या जन्म जास्तियों को जिन्ही भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या जक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के अयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में मुविधा के लिए;
- अत , अब, उक्त अभिनियम की भारा 269-म के अमूसरक में, में, उक्त अधिनियम की भारा 269-म की उपधारा (1) के अभीन, निस्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :---

(1) श्री मनूप चन्द कपूर
माल रोड़, भ्रमतसर
श्री सुरिन्द्र नाथ कपूर,
रिंग रोड़, बंबई
श्री दिवन्द्र कपूर,
श्री वरिन्द्र कपूर,
श्री विपन कपूर
नरिन्द्र कपूर और विकम कपूर,
कपूर रोड़, भ्रमृतसर

(**भ**न्तरक)

(2) श्री हरदयाल सिंह पुत्र, श्री मोहन सिंह सुलतान विड राड, भ्रमृतसर

(भ्रन्तरिती)

(3) जैसा ऊपर म० 2 में कोई तिराएदार हो। (बह व्यक्ति, जिनके श्रादिभोग में सम्पत्ति हैं)

(4) और कोई

(वह व्यक्ति, जिनके बारे में स्रघा-हस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

का गई गुपना जारी कारके पूर्वोक्त संपक्ति के अवन के बिए बार्यवाहिया कारता हो।

उक्त सम्पत्ति के अर्थन के सम्बन्ध में कोई भी जाक्षेप :---

- (क) इस मुचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस सं 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की सामील से 30 दिन की सर्वाभ, को भी स्विध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोत्तर स्वित्तरों के से किसी स्विध स्वादा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र मं प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित- बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास किहित में किए या सकेंगे।

स्वक्रीकरण :- इसमें प्रयुक्त प्रस्तों और पदों का, जो उजरा विभिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, बहा अर्थ होया जो उम्म अध्याय में दिवा यश हैं।

#### ननुसूची

भूमि वा प्लाट 2000 वर्ष गर्जा 100 फुट रोइ, इस्ट मोहन नगर, अमृतसर में हैं जैसा नंद सक्षम प्रधिकारी के आईर नंद 37ईई/15 निथि 13-12-84 द्वारा रजिस्टर्ड हुआ।

एस० सी० कपिल आई० आर० एस० सक्षम प्राधिकारी सहायक भ्रायकर स्नायुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, स्नमतसर

तारीख: 20-4-85

मोहर 🖫

प्ररूप आई. टी. एन. एस. -----

मायकर मधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के जधीन सुमना

#### भारत सरकार

कार्पालय, सहायक त्रायकर आयुक्त (निरोक्षण) श्राजन रेज, श्रीमृतसर श्रामृतसर, दिनाक 20 श्राप्रैल, 85

निदेश न० अमनलर/85-86/8--श्रत मुझे, एस० सी० कपिल श्राई० श्रार० एम०,

भायकर मधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसम इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी मन एन जायधाद है तथा जो तरन तारन रोड़ धमृतसर में स्थित है (और इमने उपाबद अनुसूची में और पूर्ण रूप से विणित है), रिज्स्ट्रीहर्ता प्रधियारी के नायोलट प्रमृततर में एजिस्ट्रीहरण प्रवित्यम, 1908 (1908 : 16) के प्रथीन, तारीक दिसम्बर 1984

को पूर्वाक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के ध्रयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुभे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापवोंकत सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल सं, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरको) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तर्ण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्विध्य सं उक्त अन्तरण लिंगित से बास्तिविक रूप से किथत नहीं किया गया है ---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधि-निगम के अधीन कर दोने के अंतरक के दायित्व मो कमी करने या उससे अचने में सुविधा के लिए; और/गा
- (क) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य बास्तियों को जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, मा धनक्तर अधिनियम, मा धनक्तर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अंतरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सृविभा के लिए;

अतः जब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुपरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिकित, अधिकायों, अर्थातु:— (1) श्री हरजीत सिंह पुत्र,
 श्री परदुमन सिंह
 1473/7 टाख बस्ती राम,
 श्रमृतपर

(ग्रन्तरक)

(2) श्री दलजीत सिंह पुत्र, श्री पुर्ण सिंह तरन नारन राह, अमृतसर

(अन्तरिती)

- (3) जैना अपर स० 2 मं भोई जिलाएदार हो 1 मैं को नीरन्द्र गाइकिल वस्से, अमृतपर 40/- महीना 2 श्री सोहन सिंह, अमृतस 100/- सहीना (बह व्यक्ति, जिसके श्रीधभोग में सम्मत्ति हैं)
- (4) और जोई (वह व्यक्ति, जिसेक बारे मे अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में पितबद्ध हैं)

को यह सूचना आरी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हो।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सबंध में कोई आक्षेप :---

- (क) इस् सूचना के राजपत्र मा प्रकाशन की तारीख 'से 45 दिन की अविध या गत्सम्बन्धी व्यक्तियाँ पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीकत व्यक्तियों में स किसी व्यक्ति व्यक्ति व्
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबब्ध किसी अन्ध व्यक्ति व्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में से किए जा सकोंगे।

स्मध्दोकरणः -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उस्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

#### वनुसूची

जायदाद जो तरन तारन रोड, श्रमृतसर में हैं सेलडीड न० 6724/26-12-84 रजिस्ट्रीकर्ती श्रधिकारी श्रमृतसर में दर्ज है।

एस० सी० कपिल, आई०आर० एस सक्षम प्राधिकारी यहायक ग्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण), ग्रजन रेज, श्रमृतसर

तारीख: 20-4-1985

मोहर.

प्ररूप बार्ड. टी. एन. एस.-----

## आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) की धारा 269-म (1) के बधीन सुमता

#### भारत बहुकार

कार्यालय, महायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेज पूना

पूना, दिनाक 12 अप्रैल, 85

निदेश मं७ 37ईई/डिफस्स एस० डी०/84-85—अतः मुझे, अनिल कुमार

बायका ब्रुविधिनियम, 1061 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चार 'उक्त बिधिनियम' कहा गया हैं), की भारा 269-269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 1,00,000/- रन. से अधिक हैं

ग्रीर जिसकी में मर्वे ने 47. हिस्सा नं 3, ब्रह्मपुर गांव वसई. जिला थाना है तथा जो वसई में स्थित हैं श्रीर इसम उपाबद्ध अनुसूची ये ग्रीर पूर्णरेप से विणत हैं), र्राजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, सहायक आयकर त्युक्त निरीक्षण, जिन रेज में र्राजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के नधीन, नारीख अप्रैल, 1984 को पूर्वें कर सम्पत्ति के उचित राजार पूल्य से कम के द्रश्यान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुभे यह विश्वास करन का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित नाजार पूल्य सुल्य, उपाके द्रश्यमान प्रतिफल से, एसे द्रश्यमान प्रतिफल का पन्तद प्राप्ति से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और (अन्तरिश्वा) के बीच एसे अन्तरक (अन्तरकों) और (अन्तरिश्वा) के बीच एसे अन्तरक के निष्ण तम पाया प्राप्ति प्रतिफल, निम्नलिखित उच्चें क्या में उच्के जन्तरण लिखित अधिक हो स्थित कर से उच्के जन्तरण लिखित

- (क) अन्तरण से हुई किसी आम की बाबत उक्त अधि-नियम की लधीन अन दाने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या जससे अचरे में सुविधा के लिए, जॉर/का
- (क) एमी किसी आय या, किसी धन या अन्य आस्तियों की जिल्हों भागतीय अध्यक्तर अधिन्त्रधम, 19? १ १९७२ का 11) या उक्त अधिनियम, बा धन कर अधिनियम, 1957 (1957 की 27) की प्रयोजनाथ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं विजया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए, और /ए।

लतः अब. १४७ अधिनयम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) संजन्म निम्निजिबित स्वितिया एधीत --- (1) श्री जीन ऑटान डिसाजी ग्रीर अन्य भानदार माडीवाडी नं० 7 वडवंसी, भनोडीवाडा

(अन्तरक)

(2) श्रा पीमावर अन्द्रैयानात खातेर 711, विक्षिम राज, खान बस्बद्ध।

(अन्निरिती)

का यह सुमना जारी करके पूर्वोक्स सम्परित के अर्थन के लिए कार्यवाहिया शुरू करना हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के मण्ड में काई भी बाधाप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक रूप 45 दिन की अवधि या तत्सवंधी व्यक्तियों द्रा सूचना की तामील में 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में में किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस मूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख़ स 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्मत्ति में हितबक्ध बक्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अभोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

न्यच्टीकरणः---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पद्यों का, जो उक्त किंपिलसमारे अध्याय 20-ऊ में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ हिंगा को उस अध्याय में दिया लका हैं!

#### अनुसूची

(जैसा कि र्रावस्ट्रीकृत कः 37ईई/नं० डिफन्स एस० डो०/84→85 अप्रैल, 84 को सहायक आयकर आयुक्त निरीक्षण, प्रजेन रेंज पूना के दफ्तर में लिखा गया है।)

> ं अनिल कुमार सक्षम शाधिकारी पहायाः आयक्ष आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेज, पूना

नारीख ' 12-4-1985

मोहर:

#### प्ररूप आई. टी. एन. एस. -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की थारा 269-व (1) के अधीन सूचना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, पूना पूना, विनांक 12 अप्रैल, 85

ति देश सं० 37ईई/डिफ्क्स/एस० डी०/84-85--अतः मुझे, अतिल क्षुमार

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) जिसे इसमें इसके परकात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है'), की भारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का आरण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 1,00,000/- रा. से अधिक हैं

ग्रीर जिसकी सं० मर्वे नं०, 47, हिस्सा नं० 3 बहापुर, गौव वसई, थाना है तथा जो थाना में स्थित है (ग्रीर इससे उपावड़ जनुसूची में ग्रीर पूर्णेरूप से वणित है), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त निरीक्षण, अर्जन रेंग में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अवीन नारीख अप्रैल 1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उपित बाजार मूल्य से कम के स्वयमान प्रतिकल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथा पूर्वोक्त संपत्ति का उपित बाजार मूल्य, उसके स्वयमान प्रतिकल से, एसे स्वयमान प्रतिकल से, एसे स्वयमान प्रतिकल से पन्तर प्रतिकल से अधिक है और अंतरित (अंतरितयों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिकल, निम्निलिखत उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्त्विक रूप से किया गया है :---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बजने में सृविधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय औष-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अस्तरिती ब्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए:

उत अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्निसिक्षत व्यक्तियमें, अर्थात् :--- (1) श्री जॉन ऑटान इंडसोजा श्रीर अन्य गरदार माडीवाडा नं० 7, वडवली मलोडीवाडा

(अन्तरक)

(2) श्रीपीताबंर कर्न्हेयहिलल ननमल खातेर ग्रार अन्य 711, लिकिंग रोड़, खाट बम्बर्ड

। अन्नि(एती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्स संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूर्यना के राजपत्र में प्रकाशन की लारील से 45 दिन की अविध या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा:
- (क्ष) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थागर संपत्ति में हितबद्ध किसी जन्म व्यक्ति द्यारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पव्यक्तिरण:---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा,जो उस अध्याय में दिया गया है।

#### जनसूची

जैसा कि र्जिस्ट्रीकृत कि 37ईई/डिफन्स/एस० डी०/ 84-85 अप्रैंस, 84 को सहायक आयुक्त निरीक्षण अर्जन रैंज, पूना के दफ्तर में लिखा गया है।)

> अनित कुमार नक्षमे प्राधिकारी सहायक जायकर जायका (निरीक्षण) जजेंग रेंज, पूना

नारीख: 12-4-1985

मोहर 🌣

प्रक्ष जाडे.टी.एन.एस. -----

नाथकर अभिनियम, 1961 (1961 की 43) की भारा 269-भ (1) के नभीन सुभा

#### भारत तरकार

कार्यालय, सहायक आयक्त आय्क्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, पूना पूना, दिनाक 12 अप्रैल, 1985

निर्देश सं० 37ईई/10230/84-85—अत: मुझे, अंगिल कुमार,

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिले इसमें इसके पश्चात 'उसत अधिनियम' कहा गया हैं), की भार 269 ज के अधीन तकम प्राधिकारी को यह विकास करने का नारण हैं कि स्थानर सम्मति, जिसका उचित बाबार मून्य 1,00,000/~ रहे. से अधिक हैं

ग्रीर जिमकी सं० फ्लैंट नं० 155, अधीनाथ की-आपरेटिय हाउसिंग सोसायटी, पूना 37 है तथा जो पूना में स्थित है (ग्रीर इसन उपाबद्ध अनुमूची में ग्रीर पूर्णक्प ने विणत है), रिजिस्ट्रीकर्ना अधिकारी के जार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त निरीक्षण, अर्जन रेंज में, रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, नारीख फरवरी 1985

को पृथानित संपत्ति के उपित बाबार भूक्य से कन के प्रकाशन प्रतिफल के लिए बंतरित की गई और मूक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि सथापूर्वोक्त सपीन का अध्या बंधार मूल्य, उपको क्ष्ममान प्रतिफल से, एसे क्ष्ममान प्रतिफल का प्रकाश प्रतिकत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरक के लिए तब पाना बना प्रतिकत, निन्नितियितः उपकाश से उपकाशन के लिए तब पाना का प्रतिकत, निन्नितियितः अमुद्देश्य से उपकाशन के जिल्ला में वास्तिवक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) अंतरण ते हुई किसी जाय की बाबत, उक्त अधि-बीधनियम के बभीन कर दोने के अन्तरक के स्वियरच के कनी करने या उससे यचने के स्विधा के निष्; बीर/वा
- (वा) एसी किसी आम या किसी अन, या बन्य आस्तियां को, चिन्हें भारतीय आय-कर विधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या अनग्रेट विधिनियम, 1957 (1957 को 27) के प्रयोजनार्थ अंतरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना नाहिए था, छिपाने में सुविधा की निष्

अबः अबः, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण मो, मी, उक्त अधिनियम की धारा 269-ध की उपधास्त (1) के अधीन. निम्निलिखित व्यक्तियों, अर्थातः ---3---86GI|85 (1) श्रोमती मृदुलबेन उत्तनचंद पुजानी आदीनाथ को-आपरेटिव हाउमिंग मोसायटी, पूना 37

(अन्तरक)

(2) श्रो प्रियाननाल रामनाल स्रोबल आदीनाथ की-आपरेटिव हाउमिंग सोनायटी पूर्वा 37

(अन्तरिती)

को वह सूचना चारी करके पूर्वोक्त तम्मित के कर्वन के लिए कार्यवाहियां करता हो।

उन्न सन्तरित के नर्पन के सम्बन्ध में बौद्दी भी वाक्षेत्र :---

- (क) इत सूच्ना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीय से 45 दिन की अविधि या उत्सम्बन्धी क्यक्तियों पर सूचना की तामीश से 30 दिन की श्विध, जो मी विष्णि भाष में समाप्त होती हो, के भीतर पर्नोक्ड व्यक्तियों में से किसी स्थित द्वारा;
- (व) इब सूचना के राजपण में प्रकाशन की तारीय वें 45 विष् के गीतर उक्त स्थावर श्रम्पीत में शितवड़्थ किसी ब्रम व्यक्ति ब्वास कथोहस्साक्षणी के पांच सिधित में किए या सकोंगे।

स्पन्धिकरण:---इसमें प्रयूक्त शब्दों और पर्यों का, जो उच्च वर्देशिवन के बश्चाय 20-क में परिभाषित है, बही अर्थ होगा, जो उस बश्याय में दिया गवा है।

#### मगुजुर्थी

(जैसा कि रजिस्ट्रीक्टन कः 37ईई/10230/84-85 फरवरी 85 को पढ़ायक आयक्तर आयुक्त निरीक्षण, अर्जन रेंज, पूना के दफ्तर में लिखा गया है।) अनिल कुमार

> सक्षम प्राधिकारी (ामक आमकर आयुक्त (निरीक्षण)

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, पूनः

नारी**ख**: 12—4—85

मोहर 🌣

### प्रकार बार्य : दी : प्रमात प्रमात :----

#### नायकः निभित्तियस, 1961 (1961 का 43) की भाडा 269-म (1) के नभीन स्वना

#### RIES SERVE

#### कार्याक्षय, सहायक मायकर मायुक्त (निर्दाक्षण)

अर्जन रेंज, पूना पूना, दिनाक 12 अप्रैल, 85

निर्देश सं० 37ईई/9451/84—85—अतः मुझे, 'अनिल कुमार,

नायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (चिसे इसमें इसमें इसमें पश्चात् 'उन्त अधिनियम' महा नवा हैं), को भारा 269-च को नधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विद्यास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उजित बाजार मृत्य 1,00,000/- रु. से अधिक हैं

स्रीर जिसकी सं० फ्लैंट नं० 25, मात्रक्षकी, सुभाष रोड, विष्णु नगर, डोम्बीवली, (डब्ल्यू) कल्याण जिला थाना में है तथा जो थाना में स्थित है (स्रीर इससे उपात्रद्ध अनुसूची में स्रीर पूर्ण रूप मे वर्णित है), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय सहायक आयकर आयुक्त निरीक्षण, अर्जंट रेंज में, रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख अक्टूबर, 1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उनित बाबार मृस्य से कम के स्थमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुफ्ते यह जिल्लास करने का कारण हु कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उनित बाजार मृज्य उसके स्थमान प्रतिफल से, ऐसे स्थमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तथ पाया गया प्रतिफल निम्मिनिस्त उद्देश्य से उक्स अन्तरण लिखित में वास्तिक रूप से किथत नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कार दोने के जन्तरक के वायित्व में कमी करने या उससे वचने में सुविधा के लिए; और/या
- (भ) एसी किसी नाय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आयकार अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकार अधिनियम, शा धनकार अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अंतरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सविधा के लिए;

अतः अब, उक्तः अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उपात अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (१) के अधीन निम्मिनिसिस, स्यम्तियों, अर्थात् ह— (1) मैससं पटेल कन्सट्रमशन कंपनी, 66, नगीनदास मास्टर रोड़, 9, पारेख श्रोरा चेंबर्स, पह्ली मंजिल फोर्ट, बम्बई।

(अन्तरक)

(2) श्री कृष्ण हरजी पटेल 11, प्रीबका भवन, निव मार्किट, एल०-बी० शास्त्री मार्ग, घाटकोपर बम्बई-86

(अन्तरिती)

को यह सूचना चार्ती करके पूर्वोक्त स्मिति के अर्थन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

जबस सम्पत्ति को अर्जन को संबंध में कोई भी बार्श्वप :---

- (क) इस सूत्रना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस स 45 हिन की जनिंध या तत्सम्बन्धी स्वीत्रत्यों घर सूत्रना की तानीस से 30 दिन की जनिंध, जो भी जनिंध बाद में समान्त होती हो, के भीतर पूर्वोत्रत व्यक्तियों में से किसी व्यक्तित ह्वारा;
- (व) इस सूचना के राजपन में प्रकाशन की तारीय वे 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी बन्च व्यक्ति द्वारा सभोइन्साक्षरी के पास निक्षित में किए जा सकोगं।

स्थलतिकरण: ---इसमें प्रयुक्त वाब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनिवम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में विया अया है।

#### श्रनसूची

(जैसा कि रिजिस्ट्रीकृत कि 37ईई/9451/84-85 अक्टूबर 84 को सहायक आयकर आयुक्त निरीक्षण अर्जन रेंज, पूना के दफ्तर में लिखा गया है।)

> अतिल कुमार मक्षम प्राधिकारी महायक आयकर अधुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, पूना

तारीख: 12-4-85

मोहर:

प्ररूप बाद'. टी. एन. एस. -----

# नायकर निभिन्यम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-म् (1) के नभीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक जायकर आयुक्त (निरीक्ण)

भ्रजीन रेंज, पूना पूना, दिनांक 12 श्रप्रैल 85

निर्वेश सं ० 37ईई/308/84-85--श्रतः मुझे, श्रानल कुमार,

बायकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की भारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी की यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 1,00,000/-रा. से अधिक हैं

और जिसकी मं० देवलाली गांव में स्थित मालमत्ता दत्त मंदिर रोड़, नासिक म्युनिसिपालिटी के हृद्द के अंदर नासिक सर्वे नं० 36/2 है तथा जो नासिक में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्णरूप से विणत है), रिजस्ट्री-कर्ता प्रधिकारी के कार्यालय, महायक ग्रायकर ग्रायक्त निरीक्षण, श्रर्जन रेज में, रिजस्ट्रीकरण ग्राधिनयम, 1908 (1908 का 16) के ग्रधीन, नारीख ग्रगस्त 1984।

को पूर्वोक्त सम्मत्ति के उपित बाजार मृत्य से कम के स्वयमान प्रतिफल के लिए अस्तरित की गई है और मुझे यह विश्वाध्य करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का जानत बाबार मृत्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिपात से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और बन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया वया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य, से उन्त अन्तरण निकित्त से बास्तविक कप स कवित नहीं किया गया है:——

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त बिध-नियम के अभीन कर दोने के अन्तरक के दाबित्य में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; बाँड/या
- (क) एंसी किसी आय या किसी धन या जन्य आहिसवाँ को जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उन्तर विधिनियम, या धन-कर विधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ जन्दद्विती ब्रवाह्म प्रकट नहीं किया गया था या किया बाना चाहिए था, कियाने में स्विधा के निए;

ज्ञाः ज्व, उक्त जिभिनियमं की भारा 269-ए के जनुसरण में, मैं, उक्त जिभिनियमं की भारा 269-च की उपभास (1) को अभीन, जिस्तिसिंखत व्यक्तियों, ज्यादि ज्ञान  श्री संपत लक्ष्मण गायकवाड़, बीठ बीठ श्रार्ठ सीठ के पास, गायकवाड़ मौला, नासिक रोड़,

(भ्रन्तरक)

(2) मैंसर्स जय गणेश लान्ड डे डेबलपमेंट कंपनी, नित्यानन्द दीप नजदीक, पी० ई० स्कूल, नासिक रोड़,

(श्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वाक्त सम्परित के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हुं।

#### उन्त सम्पत्ति को कर्णन को संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस स्वान के राजपण में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अविध या तत्संबंधी व्यक्तियों पर स्वान की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्स व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख स 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी जन्म व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए आ सक्तें।

स्यक्कीकरणः — इसमें प्रमुक्त शब्दों और पदों का, जो उन्हा अधिनियम,, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

#### प्रनुपृची

जैमा कि रजिस्ट्रीकृत कें० 37ईई/308/84-85 ग्रगस्त 84 को सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त निरीक्षण, ग्रर्जन रेंज पूना के दफ्तर में लिखा गया है।

> श्रनिल कुमार सक्षम प्राधिकारी महायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, पूना

नारीख: 12-4-1985

मोहर 🖫

प्ररूपः नाइ^कः ट्वीः एतः **एसः** ----

## भागकर विभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-म (1) के मधीन स्वनः

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक जायकर कार्यक्त (निरीक्रण)

स्रजन रेंज, पूना

पूना, दिनाक 11 श्रश्रेल, 85 निर्देश सं० 37ईई/10901/84-85--श्रत: मुझे, श्रनिल कुमार,

अध्यकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उनत अधिनियम' कहा गया हैं), की भारा 269-व में अधीन सक्षम शिधिकारी की यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित्र वाजार मृत्य 1,00,000/- रह. से अधिक हैं

और जिसकी संव पलैट नंव एफा-1, पहला मंजला, सर्वे नंव 411, एरन्डवना पूना है तथा जो पूना में स्थित है (और इससे उपाबक श्रनुमूची में और पूर्णरूप में वर्णित है), र्गजस्ट्रीकर्ता ग्रधकारी के कार्यालय, में र्राजस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, नारीख

को पूर्वोक्त सम्मित के उचित बाजार मूँस्य से कन के दृष्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है जार मूं बह दिस्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपित्स का उचित बाजार सूस्य उगके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का पत्त्वह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरका) और अन्तरिती (अन्तरितियाँ) के बीच एसे अन्तरण के लिए तब वाया गया प्रतिफल निम्निलिखत उच्चेष्य से उच्छ अन्तरण निम्निलिखत अन्तरण निम्निलिख उच्चेष्य से उच्छ अन्तरण निम्निलिख अन्तरण निम्निलिख उच्चेष्य से उच्छ अन्तरण से अन्तरण निम्निलिख अन्तरण निम्निलिख जा विकास विकास स्था से उच्छ अन्तरण से अन्तरण निम्निलिख से अन्तररण से अन्तररण निम्निलिख से अन्तरर निम्निलिख से अन्तरर निम्निलिख से अन्तर निम्निलिख से अन्तरर निम्निलिख से अन्तर निम्निलिख से अन्तरर निम्निलिख से अन्

- (क) बन्तरण से हुइ किसी नाय की बाबत उक्त निधनियन के बधीन कर दोने के बन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सृविधा के सिए, नौर/या
- (क) ऐसी किसी जाम या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयाजनार्थ अन्तिरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में मुनिधा के सिए;

कतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) के अधीन, निम्नतिखित व्यक्तियों, अर्थातः :--- (1) श्री प्रानत पुरुषोत्तम जोगी, शरद ग्रपार्टमेंट, पहला मजला, माडेल कालोनी के नजदीक, पोस्ट ग्राफिस, शिवाजी नगर, पूना-16

(भ्रन्तरक)

(2) में सर्स ग्राकार एन्टरप्राइजेस फ्लैट न० 23, ग्रनामाया ग्रपार्टमेट्स ग्रायाडयल कालोनी, सं० नं० 129, कोथरूड पूना ।

(मन्तरिती)

को यह सुपना जारी करके पूर्वीक्त सम्मित्त के नर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उस्त बन्हरित के सर्चन के बन्धरण में कोई भी बाक्षेप .----

- (क) इस सूचना के रायधन में प्रकासन की तारीय है 45 बिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर मूचना की तामील में 30 दिन की अवधि, जा भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्स व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति स्वारा;
- (ण) इस स्थान के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस स 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरों के पास निश्वित में किए जा सकोंगे।

रपब्दीकरण:—इसमे प्रयम्त सम्बो और पर्यो का, जो उच्छ जीभीत्यम को जध्याय 20-क में परिभाषित हैं, बही जर्भ होगा जो उस अध्याय में दिशा प्या हैं ∰

(जैमा कि राजिस्ट्रीकृत कः 37ईई/10901/84-85 मार्च 85 को महायक आयकर श्रायुक्त निरीक्षण, श्रर्जन रेज पूना के दफ्तर में लिखा गया है।

> श्रनिल कुमार सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर श्रायुख्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेज, पूना

तारीख 11-4-1985

महेहर ॥

प्रकृष कार्ड, टी. एन. एस_{ं स}न - ----

शायकर विधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-म (1) के वधीन सूचना

#### भारत बहुकार

कार्याक्य, तहायक नायकर कानुक्त (निरीक्षण) ग्रजंन रेंज, पूना

पुना, दिनाक 11 अप्रैल, 1985

निर्देश सं० 37ईई/12118/84-85---- धन : मुझे, धनिल

कुमार कावकर गोंधीनयम, 1961 (1961 का 43) (चितं इसमें इतको परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की भारा 269-क के अधीन रक्षाम प्राधिशारी को, एउ विश्वास करने रक्ष कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उच्चित बाजार मूल्य 1,00,000/- रुठ. से बंधिक है

और जिसकी सं० फ्लैंट नं० 21, बिल्डिंग नं० ई० गणेश निवास को-प्रापरेटिव हाउसिंग सोसायटी जोधाली बाग चाटी थाना है तथा जो थाना में स्थित है (और इस उपावड़ प्रनुसूची में और पूर्णरूप से विणत है), रजिस्ट्रीकर्ता प्रधिकारी के कार्यालय, सहायक श्रायकर श्रायुवत निरीक्षण, श्रर्जन रेज में, रजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, तारीख जनवरी 1985

का पूर्वोक्त संपत्ति के उचित नाजार मृत्य से कम के क्ष्रममान प्रतिफान के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह निरुधास अरने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके इक्समान प्रतिफाल का पन्तह प्रसिद्धत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के भीष एसे अन्तरण के लिए तय पामा गया प्रविक्षन, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण चित्तिस में वास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरम संहुई किसी नाय की वायत-, उपव अभिनियम के अभीन कर दोने के अन्तरक के वायित्व म कमी करने या उसके अपने में ब्रीन्था के लिए; अंद/या
- (५) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आरितओं क्यों, जिन्हों भारतीय जाय-कर अधिनिजम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनिजम, या भनकर अधिनिजम, या भनकर अधिनिजम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा अकट नहीं किया गया धा वा किया जाना चाहिए था, किया में सुविधा के लिए;

अन्द्रश्र अन्त, उक्त ऑभिनियम की धारा 269-ग के बनुसरण अर्ज जर्न, उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) राक्ष अधीन, निम्निविद्या व्यक्तियों, क्षमींत् क्ष्य- (1) श्री एस० रवी
21, मिटानी नगर, कोपटी कालोनी
थाना

(ग्रन्तरक)

(श्री दिनेश वेलजी शाह किंग टेलर्स, एस० टी० जान स्कूल के पास, थाना

(श्रन्तरिती)

को बहु सूचना जारी करके पूर्वेक्ति संस्पत्ति के अर्थन के लिख् कार्यवाहियां करता हु।

#### इन्स सम्मत्ति के नर्जन, के संबंध में कोई भी नाक्षेप :----

- (क) इत सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीश से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धों स्थानतार्थों पर बूचना की तामील से 30 दिन की अवधि थों भी नवीं नाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वेक्त व्यक्तियों में से किसी स्थानत द्वारा.
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की सारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पति में हित के बहुभ किसी अन्य क्यक्ति हुनारा अधाहस्ताक्षरी के पास निवित्त में किए का सकीने।

The the bear of an art of commen

क्ष्मक्किरण — इसमें प्रमुक्त शब्दों और पदों का, कां उक्त विभिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित ही, बही वर्ष होगा, को उस अध्याय में किया क्षा है।

#### द्ममुसूची

(जैसा कि राजिस्ट्रीकृत कि 37ईई/12118/84~85 जनवरी 85 को सहायक ग्रायकर श्रायुक्त निरीक्षण, ग्रर्जन रेंज पूना के दफ्तर में लिखा गया है।

> र्म्यानल कुमार सक्षम प्राधिकारी सहायक भ्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण) भर्जन रेंज, पूना

तारीख '11-4-1985

नोहर 🖫

प्ररूप आद्दै.टी.एन.एस.-----

# मायकर मिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-म (1) के अभीन सूचना

#### भारत संस्कार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, पूना

षूना, दिनांक 19 क्रिप्रेल, - 9 85

निर्देश सं० 37ईई/7005/84-85--**शतः ।** मुझे, ेश्रनिल कुमार

मायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (विसे इसर्वे इसके पश्चाप् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं) की भाज 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित वाजार मृस्य 1,00,000/- रु. से अधिक हैं

और जिसकी संव फ्लैंट नंव टीव-5, निसरें मंजल पर, 42 एव/18, यरन्डबना पूना में तथा जो पूना में स्थित हैं (और इससे उपाबद्ध अनुभूची में और पूर्णस्प से विणत हैं) रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, सहायक आयकर आयकत निरीक्षण, अर्जन रेंज में, रिजस्ट्रीकरण अधिनयम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, नारीख अक्टूबर, 1984 को पूर्विक्त सम्पत्ति के उधित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और कुछ का स्थान करने का कारण है कि

कृष्ण वह गणकार करने का कारण हो कि कि सभा पूर्णनेत सम्मरित का उचित वाजार मूल्य, उसके असमान प्रतिकास से, एसे असमान प्रतिकास के पन्त्रह प्रतिकात से किथक है कौर अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिकाल, निम्नीलियत बहुदोस्य से उच्यत अपनरण लिखित में वास्तिक रूप से किथित प्रहीं किया गया है :---

- (क) अन्तरण से हुई िकसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सृविधा दायित्व के लिए; और/या
- (क) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य वास्तियों को जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, का धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रैयोजनार्थ अन्तरिसी ब्वारा प्रकट नहीं किया गया का या किया जाना वाहिए था, कियाने के सुविधा के लिए:

अतः अवः, उक्त अधिनियम की धारा 269-म के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--- (1) श्री नाटेकर गांधी और कंपनी
 1206 बी/15 शिवाजी नगर,
 डक्कन जिमखाना,
 पूना 4

(ग्रन्तरक)

(2) श्री श्रीनिवास रामचन्द्रा मेनोलिकर और ग्रन्य, 699/2 शिवाजी नगर डक्कन जिमखाना, पूना-4

(ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के वर्जन के तिए कार्यवाहियां भूक करता हुं ।

उक्त सम्पत्ति के कर्जन के तंबंध में कोई भी आसीप ह----

- (क) इस सूचनां के राजपत्र में प्रकाशन की तारीय से 45 दिन की जबीध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियाँ पर सूचना की ताजीस से 30 दिन की वयीथ, जो भी अविध बाद में सजान्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियाँ में से जिसी व्यक्ति क्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित- बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकींगे।

स्पष्टीकरणः — इसमें प्रमुक्त खब्दों और पद्दों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20 क में परिभागितः इ⁸, बही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

#### वन्तुनी

जैमा कि रजिस्ट्रीकृत कि 37ईई/7005/84-85 ग्रक्टूबर 84 को सहायक ग्रारकर ग्रायुक्त निरीक्षण ग्रर्जन , रेंज पूना के दफ्तर में लिखा गया है।

> ग्रनिल कमार सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज, पूना

तारी**ख**: 19-4-85

नोहर 🛭

#### 

#### BISE WEEK

#### क्रावांसय, सहायक आयकर आयुक्त (निर्धेक्षण)

अर्जन रेंज, पूना पूना, दिनांक 19 अप्रैल, 84

निर्देश सं० 37ईई/6932/84-85-अतः मुझे, अनिल कुमार,

नायकर निधिनयम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसने परकात् 'उन्त मिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-स के नधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाबार मृस्व 1,00,000/~ रु. से अधिक हैं

श्रीर जिसकी सं० फ्लैट तं० 13, दूसरा जमंला, सर्वे तं० 129, फ्लैट तं० 35, आयडियल कालोनी, कोथस्ड है तथा जो पूमा सें स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में श्रीर पूर्णरूप से बर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, महायक आयकर आयुक्त निरीक्षण, अर्जन रेंज में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख अक्तूबर, 1984:

को प्रविक्त सम्पत्ति के उचित बाबार मूल्य से कम के क्यानान प्रतिफल को लिए रिजस्ट्रीकृत विलेख के अनुसार अंतरित की गई है और मुक्ते यह विक्यास करने का कारण है कि यथाप्योंक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके रूबमान प्रतिफल से, एसे रूबमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरिक (अंतरिकों) ओर अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण निक्तित में बास्तिवक रूप से किथन नद्वीं किया गया है :—

- (क) जन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधि-नियस के अधीन कर दोने के अंतरक के दायिस्व में कमी करने या उससे व्यने में सुविधा के लिए; और/वा
- (क) ऐसी किसी आय या किसी भन या अप्य कास्तियों का, जिन्हों शारतीय आयकर अभिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अभिनियम, वा भन-कर अभिनियम, वा भन-कर अभिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती व्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था ख्याने में सुविधा के निए:

बत: अब, उक्त अधिनियम की भारा 269-ग के बनुब्रहण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों अधृति कच्च

(1) श्री चोपड़ा सुहास यशवंत मालक, चोपड़ा डजीनियर्स और कन्ट्राक्टर्स, सदाणिव पेट, पूना-30

(अन्तरकः)

(2) श्री एस० जे० पाटणकर श्रौर अन्य 13, पंसायदान यवला, गिरीजा शकर हार्जसव सोसायटी, धनकटूडा पूना 43

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहिया करता हूं।

#### उनत सम्पत्ति के अर्थन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप ह---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीच से 45 दिन की बनिध या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अनिध, जो भी जबिध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तिकों में से किसी व्यक्ति ख्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हिलबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधाहस्ताक्षरी के पास निधित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

#### नप्तुन्

जैमा कि रिजिस्ट्रीम्रित के 37ईई/6932/84-85 अक्टूबर 84 को महायक आयकर आयुक्त निरीक्षण, अर्जन रेंज, पूना के दफ्तर में लिखा गया है।

> अतिल कुमार सक्षम प्राधिकारी सहायक आयक्ष आयुक्त (गिरीक्षण) अर्जन रेक, पना

नारीख: 19-4-1985

मोहर 🛭

प्रश्नव आध्र . टी . प्न . प्त . -----

## भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-भ (1) के अभीन सुचना

#### भारत सरकार

कार्यालय सहायक बायकर बायक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, पूना पूना, दिनांक 19 अप्रैल, 85

निर्देश सग 37ईई/84-85/12197--अत प्रमुझे, अनिल कुमार

बायकर बिधिनियम, 1961 (1961 का 43) (विसे इसमें इसके पहचात् 'उक्त बिधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-क के अधीन सक्षम प्रधिकारी को यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका जीवत नाकार मृत्य 1,00,000/- का से अधिक हैं

श्रीर जिमकी मं० फ्लैंट न० 6, बिल्डग, नं० ए०/ पहला मंजला रघुवीर पार्क, भगीरथी जगनाथ अपार्टसेंट, अत्तर साहेर थाना (क्षेत्रफल 587.5 वर्गफीट) है तथा जो थाना में स्थित है (ग्रीर इससे उपाश्वद्ध अनुसूची सें श्रीर पूर्णक्ष्य मे वर्णिन है), रिजस्ट्रीकर्ना अधिकारी के कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त निरीक्षण, अर्जन रेंज में, रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, नारीख जनवरी 1985

कें पृथे कित सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के स्वयमान शितप्त को लिए अंतरित की गई है जीर मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापृत्रों कत संपत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके रश्यमान प्रतिफल से, एसे रश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और (अंतरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिक्त कि निम्निसित उद्देश्य से स्वत्त अन्तरण निश्लित में वास्त्रिक रूप से किथित नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण में हुइ किसी भाव की बाबत, उक्त विविद्य के अधीन कर शेने के अन्तरक के वासित्व में कमी करने या उत्तरी वधने में सृधिया के सिक्; वार/मा
- (क) एनि किसी आय ए किसी अन या कन्य आस्तियहं करे, जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 1!) या उन्त अधिनियम, या अनकर अधिनियम, या अनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्भ कन्तरिती ब्वारा प्रकट नहीं । एक्सा भा या किया जाना भाहिए था, क्रियाने के स्थिभ से जिए:

बत: बब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण बे, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अधीत ह—— (1) श्री एम० ए० पालेकर केयर आफ सावंत फिशरीं मजीवाडा धाना

(अन्तरक)

(2) श्री बलराज आग्न पाटील भागीरथी जगनाथ अपार्टसेंट, रघुवीर पार्क, सावंत बाडी अत्तरेक्ष्वर फ्लैंट नं० ए० 1/6, थाना

(अन्तरिती)

(वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति हैं)

को बहु सूचना बारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के वर्षक के तिए कार्यवाहियां करता हुं।

#### बक्त सम्मारित के सर्वत के सम्बन्ध में कोई थी जासेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख ं है 45 विन की जनिथ या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अनिध, जो भी क्यों बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पृत्रों कर व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक से 45 दिन के भीतर उक्त स्थानर संपरित में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्टाक्षरी के पास लिकित में किए जा सर्जोंने।

स्पट्टीकरण: — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो जक्त अभिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, बही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

यदमुची

जैसा कि रिजिम्ट्रीकृत क० 37ईई/12197/84-85 जनवरी 85 को महायक आयकर आयुक्त तिरीक्षण अर्जन रेंज, पूना के दफ्तर में लिखा गया है:

> अनिल कुमार् सक्षम प्रोधिकारी महायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) -अर्जन रेज, पूना

नारीख: 19-4-1985

मोहर 🛭

प्रक्रम नाड दी एन एस ------

### वायकर मधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-थ (1) के नधीन सूच्या

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक जानकर त्रायुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेज, पूना

पूना, दिनाक 19 अप्रैल, 85

निर्देश सं 37ईई/6927/84-85--श्वतः मुझे, अतिल कुमार,

णायकर्विधिनियम, 1961 (1961 का 43) (विन्ते इक्सर्गे इसके पश्चान् 'उक्त अपिनिमम' कहा गरा हैं), अर्गे भारा 269 अब को अधीन सन्धम प्राधिकारी को यह विश्वास कारने का **कारण** है कि स्था स्थापित जिसका उचित बाजार मुल्य 1.00,000 ∕ - रु. से बीधक हैं

ऋौर जिसकी स० फ्लैट नं० ६, पहला मंजला, पिछाड़ी बंगला, (क्षेत्रफल 770 सक्वेयर कीट है तथा जो प्रमा में स्थित है (और इससे उपाबड़ अनसूची से ग्रीर पूर्णस्प से बर्णित है), रजिस्टी हर्ना अधिकारी वः हार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त निरीक्षण, अर्जन रेज में, रजिस्ट्रीकरण अधिसियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख अक्ट्बर, 84 को पूर्वित सम्पत्ति के उचित बाबार मृत्य से कम के दयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई हैं और मफ्ते यह जिस्सास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति को उचित बाजार म्ल्य, उसके क्ष्यभार गीनका मी, एमि अध्यमान अतिपाल का पन्द्रह प्रतिक्षत से अधिक है और अतरक (अंतरकारें) और अंत-रिती (अतरितियों) के अंच एमें असरण के लिए तथ पाया नया प्रतिफल निम्नलिखित उद्दोश्य से उक्त संतरण लिखित में नाम्नविक ४१ र, बीधन नहीं किया गया है :---

- (क) अंतरण से हुई किसी नाय की बाबत, उक्त अभिनियम के अभीन कर दोन के अंदरक के वामित्व में कमी करने या उससे बच्चने में सुविभा के सिए; आर्टर्या
- (छ) ऐसी किसी अगय या किसी भन या जन्य आस्तियों का जिन्हों भारतीय जण्यकार अभिनिष्म, १७३३ (1922 का 11) या उक्त विधिनियम, या **4न-कार अधिनियम, 1957 (1957 का 27)** को प्रयोजनार्थ बंतरिती ब्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, क्रियाने में मिष्या के निए;

अतः अव, उक्त अधिनियम की भारा 269-ग के अनुसरण मं, मं, उक्त अधिनियम की भारा 269-म की उपभारा (१) 📽 बापीन निप्तिसिक्ति स्वित्वर्वी, बर्धात 🚌 . 4 --- 86G1[85

(1) श्री डी० जा० सामन्द ग्रीर अन्य, 8/2 भनी निल्ड, सदाणित्र, प्रना ३०

(अन्तरक)

(2) डा० आर० वाद मुके और अन्य, 232, शकर नवर, पुना 9

(अन्तरिती)

का यह सुचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यनाहियां करता हु।

#### बन्त सम्मत्ति के बर्चन के संबंध में कोई भी बाक्षेप :--

- (क) इस नृत्यता के गाजपन मा प्रकाशन की तारीख सं 45 दिन की अवधिया तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की मनिध, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त क्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस स्चना के राजपत्र में प्रकाशन की तारील क्र 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिक्सित मंकिए जासकों गे।

स्पन्धीकरण:---इसमें प्रमुक्त अब्दों और पदों का, जो उसत अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा को इस अध्याय में दिया गया है।

#### सन्दर्भा

जैसा कि रजिस्ट्रीकृत ऋ० 37ईई/3927/84-85 अक्टूबर 84 को महायक आयकर आयुक्त निरीक्षण, अर्जन रेंज, पूना के दफ्तर में लिखा त्रया है।

> अनिल कुमार सक्षम प्राधिकारी महायक आपकर आयुत (निरीक्षण) अर्जन रेज, पुना

नारीख : 19-4-1985

नोहर 🕸

#### प्रकष् बाह्रं 🗸 दी - प्रन् ु प्रब 🕾 🚥

**बायकर अधि**नियम, 1961 (1961 का 43) की धारा '269-ध (1) के अधीन सुचना

> भारत सरकार अर्जन रेंज, पूना

पुन दिनाक 20 अप्रैल 1985

निर्वेण स० 3.7ईई/675.1/84-85-37: मुझे, अनिल कुमार

आसकर माधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसमें परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्भत्ति, जिसका उचित बाजार भूस्य 1,00,000/-रा. से अधिक है

श्रीर जिसकी स० दुकान 143/4, पर्वती पूना 9 है तथा जो पूना से स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से विणत है), रजिस्ट्रीकर्ना अधिकारी के कार्यालय, महायक आयकर आयुक्त निरीक्षण अर्जन रेज में, रजिस्ट्री-करण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अयीन, नारीख अक्टूबर, 1984

को पूर्वों कत संपत्ति के तिमत बाजार मूल्य से कम के रक्ष्यमान प्रतिफल को लिए बंतरित की गई है मुक्ते यह जिल्लास करने का कारण है कि यह पूर्वों कत सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके इद्यमान प्रतिफल से, एसे इस्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल दिश्नलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित में वामयिक रूप से किश्नत नहीं किया मवा है:

- (क) बन्धरण तं हुई किसी बाय की बाबत, उक्त विधिनियम को अधीन कर दोने को अंतरक को दासित्व वा सकी करने वा उसके बचने माँ सुविधा को निष्; और/वा
- (ब) एंसी किसी बाय या किसी धन या बन्क जास्तियों की, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 की 11) या उन्त जिसिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 की 27) के प्रयोजनार्थ अन्तारती देवारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, स्थिपाने में सुविक्षा के निए:

अतः अब, उथल अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में उक्त अधिनियम की धारा 269-ध की उपधारा (1) के अभीन निम्नीलिखित व्यंक्तियों, अर्थात :--- (1) मैंसर्स खिबसारा फ्रीव्हाण किजय अधार्टमेटर्स,22 मुकुदनवर,पुना 37

(अरुएक)

(2) श्री पीपट्याल जसराज डांगी स्नौर, गांविद पोपट्याल डागी 484/31, मिस्र मडक कालोनी, पूनाब9

(अन्तरिती)

का यह सूचना जारी करके पूजींक्त सम्पत्ति के अर्जन के निष् कार्यनाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के वर्जन के सम्बन्ध में कोई भी बाक्षेप :---

- (क) इस सूचना को राजपत्र में प्रकाशन की तारीश स 45 दिन की अमिथ या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वों कर व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति दुवारा;
- (स) इस सूचना के राजधन मो प्रकाशन की 'तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थाबर संपत्ति मा हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित मों किए जा सकोंगी।

स्थब्दोकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जा उक्त किपिनयम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, मही अर्थ होगा को उस जध्याय में दिया गया है।

#### धनुसूची

जैमा कि रजिस्ट्रीकृत क० 37ईई/6754/84-85 अक्तूबर 84 का सहायक आयकार आयुक्त निरीक्षण, अर्जन रेज पूना के दफ्तर में तिथा गया है ।

> अतिल कुमार सक्षम प्राधिकारी सहायर आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, पूना

तारीख: 20-4-1985

मोहर:

प्रक्रम कार्डः, टी. एन., युद्धा, -----

आयकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारत 269-भ (1) के अभीन स्चना

#### भारत सहकार

कार्यालय, सहायक जायकर वायक (निरक्षिण) अर्जन रेज, पूना

पूना, दिनाक 22 अप्रैल, 85

निर्देश स० 37ईई/7421/84-85---अन: मुझे, अनिल कुमार

नायकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) (श्विस इस्तर्जे इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की भारा 269-च के अधीन सक्षम प्राधिकारी की यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाबार मून्च 1,00,000/-रा. से अधिक हैं

श्रीर जिसकी स० सर्वे त० 1180, आखरी प्लाट त० 558 स० प्लाट त० 1 शिवाजी नगर पूना है तथा जो पूना में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में श्रीर पूर्णस्य से विणित है) रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय महायक आयकर आयुक्त निरीक्षण, अर्जन रेज में, रिजस्ट्रीकरण, अधिनयम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख नवस्वर 1984 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य में कम के इत्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्के यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके इत्यमान प्रतिफल में, एमे इत्यमान प्रतिफल का पद्म शिवास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके इत्यमान प्रतिफल में, एमे इत्यमान प्रतिफल का पद्म शिवास के रोच एस अन्तरण के लिए तथ पाया गया प्रतिफल, निम्निलिमित उद्दरस्य में उक्त अन्तरण निवित्र में बास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है '—

- (क) अन्तरण सं हुई किसी बाय की बाबत, उसके अभिनियम के अभीन कर दोने के अन्तरक की वाजित्व में कमी करने या उससे अधने में सुविधा के लिए; औदु/या
- (ख) ऐसी किसी बाय या किसी धन या अन्य आसियों को, जिन्हों भारतीय आयकर किभिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयाजनार्थ जति स्ती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था कियाने में स्विभा के निए;

कतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण मे, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) हैं अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् ६—- (1) मैंसर्स नवयुग प्रोमोटमं20/2 नवी पेठ,पूना-30

(अन्तरक)

(2) कुमारी शैला महादेव रेशपाडे751 (तथा) मदाशिव भटवाडा पूना-30

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्विक्त सम्पत्ति क क्रमंत की शिक्ष कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सबध म कोई भी आक्षप ---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस सं 45 दिन की अविधि मा तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त हाती हो, के भीतर पूर्वोक्त श्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा,
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख हैं 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बहुभ किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पाम लिखिन में किए जा गकरेंग।

स्पष्टिकरणः --- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

#### वन्त्याँ

जैमा कि रजिस्ट्रीकृत क० 37ईई/7421/84-85 नवम्बर 84 को महायक आयकर आयुक्त निरीक्षण अर्जन रेज पूना के दफ्तर में लिखा गया है।

> अनिल कुमार सक्षम प्राविकारी सहायक आयक्तर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेज, पूना

नारीख 22-4-85 मोहर ध प्रस्त्य आह्र , टी , एन , एस . - ----

भागकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-म (1) के अभीन सुचना

#### भारत सरकार

कार्या**नय, सहायक आयक्तर आय्**क्त (निर्**क्षण)** अर्जन रेंज, पूना पूना, दिनाक 22 अप्रैल, 85

निर्देश मं० 37ईई/8955/84-85—अत: मुझे, अनिल कुमार

शायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परभात् 'उनक अधिनियम' कहा गया हैं), की भारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी की वह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्परित, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रहा में अधिक हैं

श्रीर जिमकी स० मर्वे नं० 3 एग, हिस्सा नं० 5 मर्वे न० 19, हिस्सा न० 1, सर्वे न० 64, हिस्सा न० 3 पार्ट डोम्बी-वली (पूर्व) टिलक नवर टेलग कष्याण, जिला थाना है तथा जो थाना में स्थित है) और इसमें उपाबद्ध अनुमूची में और पूर्णच्ल में विणित है), रिजिस्ट्रीकतो अधिकारी के कार्यौलय, सहायक आयकर आयुक्त निरीक्षण, अर्जन रेज, यूना में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, नारीख अक्टूबर, 1984

क्ष पूर्विक्त सम्बन्धित को जीवत बाजार मूल्य से कम के स्वामान भित्कन के लिए अन्तरित की गई हैं और मूले यह विश्वास करने का कारण है कि समाव्यक्ति सम्मन्ति का बीवत बाजार मूल्य, उनके स्वमान प्रतिकत तं, एसे स्वमान प्रतिकत का बन्दा प्रतिकत से क्षिक हैं और जनरक (अंतरकों) और अंतरिती कालारिकियों) व शीक ऐसे मन्दर के निए स्य पाका गया प्रतिकाल निम्मिविकित उप्रवेशक से स्वन्त मन्तर सिक्ति में व्यवक्षिक रूप से सिकत में

- (क) वश्वप्रण ने दुष्ट्रं किसी बाद की वावत , उन्तर वरिधीयन के ज्योन कर दोने के बन्तरफ के दामित्य को कमी करने का स्वतं वसके में सुविधा में लिए। बीप/या
- (ख) एंसी जिस्सी जाय या किसी यन या बन्य बास्तियाँ को, जिन्हें सारतीय नायकर विधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त विधिनियम, या भन-कर विधिनियम, 1957 (1957 का 27) के बणोजनार्थ पंतरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया बाना चाहिए था, छिपाने में हित्या के निष्:

ार का प्रमान की का की पास १६०-म की क्रम्सरक की मी. उस्ता अधिनियम की भारा 269-म की उपधारा (1) के मणीम, निस्तिविक्त मिनिसमी, अभीम, निस्तिविक्त मिनिसमी, (1) श्री बी० आ४० मन्ति भारयोदय विल्डिंग, रामनवर डोम्बीवली, (पूर्व) जिला थाना

(अन्तरक)

(2) मैसर्स पटेल करण्ट्रवशन कपनी 56, एन एम राइ, 9 पारेख श्रारा चेब्रस, पहली मजला फोर्ट बम्बई

(अन्तरिती)

की बहु सूचना चारी करके पृद्धांचल सम्पत्ति के अर्थन के जिए कार्यमहिन्दे करता है।

उक्त सम्मत्ति के मुर्चन के सम्बन्ध में कांद्र' श्री माध्येष्य-

- (क) द्व प्यना के राभवभ में प्रकारन की दारीय में 45 दिन की जनभि का तत्में की व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की जनभि, जो भी नगीम बाद में समान्य होती हा, के भीतर प्रांक्त ज्वाधिक स्थारा
- (क) अब श्वना के राज्यन के प्रकाबन की तारीच से 45 बिन के भीतर उक्त न्यावर सम्पत्ति में दित-बव्ध किसी बन्च व्यक्ति ब्वारा, बभोहस्ताकरों के पास लिखित में किये जा सकींगे।

स्थव्यक्तिकरणः ---इसमें प्रमुक्त सम्बा और पदा का, जो जन्त जीधीनसभ के अध्याय 20-क में परिभावित हीं, वहीं अर्थ होगा जा उस अध्याय में विका नवा ही।

### बन्स्याँ

जैसा कि रजिस्ट्रीकृत कि० 37ईई/8955/84-85 अक्टूबर 81 को पहायक आयक्तर आयुक्त निरीक्षण अर्जन रेंज पूना के दफ्तर में लिखा गया है।

> अनिल कृमार सक्षम प्राधिकारी सहायक आयक्त (निरीक्षण) अर्जन रैंज, पूना

सारी**ख: 22-4-**85

मोहर 🖫

प्ररूप बाइ. टी. एन. एस -----

नायकर किंपिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-च (1) के नभीन सुचना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक बायकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेज, पूना

पूना, दिनाक 22 अप्रैल 85

निर्देश संग 37ईई/6215/84-85—अत मुझे, अनिल कुमार

कायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके प्रथात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-च के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उधित बाजार मृत्य 1,00,000/- रु. सं अधिक है

शौर जिसकी मग स्थेज न० 3, दूसरा मजला, बिल्डिंग न० 2, भैरवनाथ नगर, प्लाट न० 1, 2 स्रॉर 4, सी० टी० एस० न० 737/738 स्रोर 740 पूना है तथा जो पूना से स्थित है (स्रोर इससे उपाबद्ध अनुसूची में स्रीर पूर्णच्य में विश्वत है), रिजस्ट्रीकर्ता अधि हौरी के कायोलय, महायक 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख सितम्बर 84 को प्लेक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के इश्त्यान प्रतिकल के निए अन्तरित की गई है और मूमे यह विश्वास करने का कारण है कि यथाप्योंक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके क्यमान प्रतिकल में, ऐसे स्थानन प्रतिकल का पत्त्रह प्रतिकत से अधिक है और अनरक (अतरकों) आर अतरित (अतिरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिक्का, जिन्नीनिकत उद्देश्य से स्थल अन्तरण सिविश में बाका-विक स्प से कियत नहीं किया गया है:---

- (क) बन्तरूप वे दूर् किसी । जाव की वाधत , बन्त बीचीचवज् के अभीन कर दोने के बन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; क्षीत/वा
- (क) एसी किसी जाय या किसी अने अने अन्य अपिनार्थ को, जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) वा उक्त अधिनियम, या भनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) क प्रवोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया वा वा किया बाला वाहिए जा हिमाने में सुविधा के टिल्हा

कतः अव, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण मे, मै, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) कु अधीन, निम्निल्चित व्यक्तियों, वर्षात् के (1) महाजन मिलोर एसोमिण्टस' 180, नारायण पेट पूना 30

(अन्तरक)

(2) श्री अशोक शकर पुडे पार्वती निवास, नेहहत्तगर निपरी पूना 18

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यनाहियां करता हुं।

डाक्त सम्परित को अर्थन को सम्बन्ध माँ कोंद्र भी आक्षोष स÷

- (क) इस सचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियां पर स्वना की तामील से 30 दिन की अवधि अवधि अव में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्ट स्वित्तयों में से किसी स्वित्त प्रवास:
- (क) इस नुजना के राजपत्र मा प्रकाशन की तारीस से 45 बिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवहंभ किसी कन्य व्यक्ति व्याग अशहस्ताक्षरी के गाइ । इसाम ।

स्पष्टीकरण: ---इसमे प्रयुक्त धब्दों और पदों का, जो उक्त अभिनियम के अध्याय 20-क मे परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में विया गया

#### अनुसूची

जैमा कि रिजम्द्रीकृत कि 37ईई/6215/84-85 मितम्बर 84 को महायक आयकर आयुक्त निरीक्षण, अर्जन रेज पुना के दफ्तर में लिखा गया है।

> अनिल कुयार मक्षम प्राधिकारी महायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, पूना

गागीख: 22-4-1985

मोहर 🛭

प्ररूप आई. टी. एन. एस. ------

नायकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-म (1) के अधीन सुचना

भारत सरकार

#### कार्यालय, सहायक आमकर बायुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज, 'पूना

पुना, दिलाक 22 अप्रैल 85

निर्देश म०  $37$\frac{$1/6214/84-85--- 37}{5}$  सुक्षे, अनिल कुमार

बायकर आधिनियम, 1961 (1961 का 43) (चिस इसमें इसमें परचात 'उचत अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी की यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 1,00,000/- रु. से अधिक हैं

भीर जिसकी संख्या फ्लैंड नं० 6, दूसरा मंगला, बिल्डिंग नंग 2, भैरबनाथ नगर, फ्लैंट नंग 1, 2 और 4 सी० टी० एस० नं० 737/738 और 740 पूजा है नथा जो पूजा में स्थित है (और इसरो उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्णस्य में बॉणत है), रिजिस्ट्रीकतो अधिकारी के कायोलय, महायक आयकर आयुक्त निर्राक्षण अर्जन रेंज में, रिजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, नारीख मितम्बर, 1984:

कां पूर्वोक्त सम्पित के उचित बाजार भूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुभ्ने यह विश्वास अरने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पित्त का उचित क्ल्यार मूल्या, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल के पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंत-रिती (अंतरितियों) के बीच ऐसे बंतरण के निष्ट तय पाया गया प्रतिफल निम्निलिखत उद्देश्य से उक्त अंतरण निक्ति में बास्तिक रूप से किथत नहीं किया गया है:---

- (क) बन्तरण से हुई किसी बाव की वाबत, उक्त अधिनियम के अभीन कार दोने के अन्तरक के बायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के निह; बार/वा
- (क) एसी किसी आय या किसी अन या कन्य आस्तियाँ कारे, जिन्हें भारतीय नाय-कर अधिनियस, 1922 (1922 का 11) या उकत अधिनयस, या धन-कर अधिनायस, या धन-कर अधिनायस, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिली द्वारा प्रकट नहीं किया गया था किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा सुविधा के लिए,

जतः अवः, उक्त वीधनियम की भारा 269-ग के जनसरण भें, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) के अधीत, निम्निलिख व्यक्तियों, अधीत् (1) महाजन मिलसोर एसोमिएटस 180, नारायण पेठ, पूना 30

(अन्तरक)

(2) श्री नारायण द्विहल महाजन, एकनाथ कुरेक चाल, कुरेल इजीनियरिंग वर्कस के पीछें, पिपरी गाव, पूना 17

(अन्तरिती)

को ग्रह सूचना जारी कारके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के सिए कार्यवाहियां सूक्त करता हूं।

जनत सम्परित के अर्थन के संबंध में कोई भी बाक्षेप :--

- (क) इस स्वाना के रावपत्र में प्रकाशन की तारींख से 45 विन की जबिध या तत्संबधी व्यक्तियों पर स्वान की तामील से 30 दिन की जबिध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सपत्ति में हिल्बद्ध किसी अन्य स्थिक्त द्वारा अथोहस्ताक्षरों के पास लिखित में किए जा सकती।

#### भन्सूची

जैमा कि रिजर्म्ट्रीकृत कि 37ईई/6214/84-85 सितम्बर 84 को महायक आयकर आयुक्त निरीक्षण अर्जन रेंज, पूना के दफ्तर सें लिखा बया है

> अनिल कुर्मौर सक्षम प्राधिकारी महायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेज, पूना

तारीख: 22-4-1985

मोहर 🛭

प्ररूप आई.टी.एन.एस.-----

बासकर विभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-म (1) के अभीन सुचना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक कायकर वायुक्त (निरीक्षण)

श्रर्जन रेंज कार्यालय, पूना

पूना, दिनांक 22 अप्रैल 1985

निर्देण सं० 37 ई०ई०/8919/84-85---यतः मुझे श्रनित्र कुमार,

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पण्यात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), को धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित्र बाजार मूल्य 1,00,000/- रा. से अधिक है

श्रौर जिसकी सं० प्लैट सं० 22, दूसरी मंजिल, कुबेर बिल्डिंग, प्लाट नं० 43, सेक्टर 17, पिडको, वासीन, नया वस्बर्ध है तथा जो नया वस्बर्ध से स्थित है (श्रीर इसमें उपावड़ श्रिन्सूची में श्रीर पूर्ण रूप से विणत है), रिजस्ट्री-कर्ना श्रीधकारी के कार्यालय सहायक श्रीयकर श्रीयुक्त निरी-क्षण, प्रर्जन रेंज में, रिजस्ट्रीकरण श्रीधनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रिधीन तारीख सितस्बर 1984 को

का 16) क अवान ताराख स्तरकर 1984 का कि पूर्वीक्त सम्पत्ति के उपित बाजार मृत्य स कम के इश्यमान प्रतिफल के लिए असी एत को एई हैं और एक यह विकास करने का कारण हैं कि अथाप विकास सम्पत्ति का उपित बाजार मृत्य उसके दश्यमान प्रतिफल स, एमें दश्यमान प्रतिफल का पन्तह प्रतिकात में अधिक हैं और अन्तरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल कि निम्निलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) बन्तरण से हुइ किसी जाय की बाब्त उक्त मधिनियम के अभीन कर दोन के अन्तरक के बायित्व में कसी करने वा उत्तसे वचने में सुविधा के किए; और/वा
- (क) ऐसी किसी आय या किसी भग या अन्य आस्तियों करें, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या भनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना जाहिए था, जियाने में सुविधा के निए;

अत: अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखिल स्यक्तियों, अर्थात् :---

(1) मैससं विल्लामोरिया कन्स्ट्रक्शन प्रा० लि०, वानखैड स्टेडियम, नाथं स्टैण्ड, र्डा रोड, चर्च गेट, बस्वई-20।

(भ्रन्तरक)

(2) श्रीमती श्ररुणा एस० सहाल, बिल्डिंग नं० 213/5755, चौश्रा मंजिला, 'श्ररुण''
 90 फीट राड, घाटकोपर (पूर्व), बम्बई।

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में काई भी जाक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की सारीस से 45 दिन की वर्वीय या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की वर्वीय, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर प्रविकत स्वित्यों में से किसी व्यक्ति व्वाय:
- (च) इस स्चना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य ज्यक्ति द्वारा अधाहस्ताक्षारी के पास लिखित में किए जा सकींगे।

स्वक्षतिकरण: --इसमें प्रयुक्त सक्यों और पर्वो का, को उक्त हैं, बही कर्भ होगा जो उस अध्याय में दिया अभिनियम, को अध्याय 20-क में परिभाषित नवा है :

#### मनसर्ची ।

जैसा कि रजिस्ट्रीकर्ता ऋ० 37ई०ई०/8919/84-85 मितम्बर 1984 को महायक श्रायमर स्रायुक्त निरीक्षण स्रर्जन रेंज पूना के दफ्तर में लिखा गया है।

> श्रतिल कुमार संक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायकत (निरीक्षण) श्रकीर हैंज, पूना

तारीख: 22-4-1995

मोहर:

### प्रथम्य वार्षः, दौ. एन , एष् ; ------

TOP TO THE PROPERTY OF THE PRO

बायकार अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-म (1) के अभीन सुमना

#### बारत ब्रकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयक्त (निरीक्षण) श्चर्जन रेंज पूना

पूना, दिनाक 22 अप्रैल 1985

निर्देश म० 37 ई० ई०/8920/84-85---यन: मुझे, श्रनिल कुमार

आयकार अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (विसे इसमें इसके परकात 'उक्त निधनियम' कहा गया हैं), की भाग 269-व के बधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, विश्वका उषित वाचार मृत्य 1,00,000 / - रत., से अधिक **ह**ै

ग्रीर जिसकी स० फ्लैंट न० 14. फ्हली मजिल, कुबेर प्लाट न० 43, भैक्टर 17, लिइको, वनई, नई वम्बई है तथा जो बसई नयी बम्बर्ट में रिधन है (श्रीर इससे उपाबद ग्रनसूची मे श्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रीधकारी के कार्यालय सहायाः ग्रायकर श्रायका निरीक्षण श्रर्जन रेज में रजिस्ट्रोकरण प्रधिनियम 1908 (1908 का 16) के ष्प्रधीन तारीख सितम्बर 1984

को पूर्वोक्त सर्मात्त के उचित बाजार मृत्य से कम से कम दश्यमान पतिकल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने कारण है वह पूर्वाकत सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य, उसक दृश्यमान प्रतिफल सं, एसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अतरक (अंतरकों) और अतरिती (अन्तरितियों) के बीच एंसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिकल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित में वास्तिवक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) बन्दरम संहूर्य किथी बाथ की दासदा, उसक विभिनियम के अभीप कार दोने के बन्तरक अ राजित्य में कमी करने वा उससे बचने में सुविजा के थिए; और/बा
- . 🐿 ) ए सी किसी अध्याया किसी धन या अन्य अहास्तय! को, जिन्हों भारतीय बाय-कार बीधनियम, 1922 र्वे 1922 का 11 या उन्तर अधिनियम, या बन-कार अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अंतरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, खिपाने में सुविधा के लिए.

अत. अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण र, में भ्यत अधिनियम की धारा 269-च की **उन्ह**रा (1) के वधीन , निम्नलिखित व्यक्तियों , वर्षांस् 🏣

(1) मैं बिल्लीमोरिया कन्स्ट्रक्शन प्रा० लि०, वानखेडे स्टेडियम, नार्थ स्टैण्ड, डी० गोड चर्च गेट, बम्बई-20

(भ्रन्तरक)

(2) श्रीमती एल० ए० व्ही० नार्देन, 5 मुर्यालय कोग्रापरेटिव हाऊसिंग सोमायटी, मायन (ईस्ट), बम्बई-22

(भ्रन्तिका)

को यह समाजारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुई ।

-**उक्त** सम्पत्ति को अर्जन को सम्बन्ध हों को**इ** भी आक्षेप :----

- (क) इस स्वाना के राजपत्र में प्रकाशन की दारीय में 45 विन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तिया पर सम्बना की तामील से 30 दिन की अवधि, को भी अविश्वाद में समाप्त हांती हो, के भीतर पूर्वोक्त ुध्यक्तियाँ में से किसी व्यक्तित ब्वारा;
- (अर्थ) इस सूच्यना को राजपत्र में प्रकाशन की तारीख स 45 दिन के भीठर उक्त स्थावर सपित में हितबब्ध किसी अन्य व्यक्तिर दुबारा अथाहरूताक्षरी के पास विक्तित में किए वा सकेंगे।

**स्वक्टीकरण:---इस**में प्रस्वत इन्दों और पदों का, जी उक्ट बिभिनियम, के अध्याम 20-क में परिभावित है, बहु निर्ध होगा जो उस अध्याय में दिया क्स 👫

जैसा कि रिजम्टीकृत कः 37ई०ई०/8920/84-85 सितम्बर 1984 को सहायक स्नायकर स्नाय्क्त निरीक्षण भ्रर्जन रेंज पूना के दफ्तर में लिखा गया है।

> ग्रनिल कुमार सक्षम प्राधिकारी सहायक द्यायकर ग्राय्क्त (निरीक्षण) श्रजंन रेज, पुना

22-4-1985 तारीख मोहरू 🖫

## इसम आहें, टींय एक्य एकं व्यास्त्र

## भागकर गीर्पनियम, 1961 (1961 का 43) की भाग 269-म (1) के गर्पीय स्थाना

#### भारत सरकार

#### कार्यानयः सहायक नायकर नायुक्त (निरीक्षण)

ग्रार्गन रेंग कालगांय

पुना, दिनाक 22 अप्रैल, 1985

निर्फेंग सं० 37ई० है०/10362/81-85---यतः मसे, श्रनिल कुमार,

बानकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (बिस इसमें इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), को कि धारा 269-च को अधीन मक्षम प्राधिकाणी को, यह विश्वास करने का काण्या है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 1,00,000/- रह. से अधिक है

श्रौर जिसकी सं० यूनिट नं० 19, दीवान शाह इन्टिस्ट्रियत काम्पलैक्स न० 1, बालीन वसर्ट (पिक्सि) सर्वे मं० 74 है तथा जो वसई में स्थित हैं (श्रौर टमसे उपाबद अनुसूची में श्रौर पूर्ण रूप से विणित हैं), रिजस्ट्रीकरी अधिकारी के कार्यालय सहायक श्रायकर ग्रायकर ग्रायकर ग्रायकर ग्रायकर १९०८ (1908 का 16) के श्रीन नारील नवम्बर 1984 को

को पूर्वेक्त सम्पति के उणित बाजार मूक्य से कम के प्रथमान शितफल के लिए अंतरित की गर्थ है और मुक्ते यह किवास करने का कारण है कि स्थाप्योंक्त सम्पत्ति का उणित बाजार मूक्य, उनके दृष्यमान अतिफल से, एंसे दृष्यमान प्रतिफन का पन्द्रह प्रतिशत में अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अंतरण के बीच तय पासा गया प्रति-फल, निम्नतिचित उद्दोष्य से उक्त अंतरण निचित में वास्त्र-जिक्क रूप से कथित नहीं किया गया हैं:——

- (क) बन्तरण कुं हुन्दं किसी आन की बाबसा, उक्क जीपीनयज्ञ के मधीन कर दोने के जन्तरक के दामित्य में कभी करने या उद्यक्ष बचने में सीनिधः के सिक्; जीर/या
- (क) ऐसी किसी आय मा किसी भन या नम्य नास्तिवाँ को, जिन्हों भागतीय नाम-कर नीभनियम, 1922 (1922 को 11) या उक्ल निभिनियम, या अनकर नीभनियम, 1957 (1957 को 27) के प्रमिन-नार्च मन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया भा भा किया पाना चाहिए था स्थिपान में स्विधा के सिए,

अतः अव, उक्त अधिनियम् की भारा 269-ग के अनुसरण में, भें, उक्त अधिनियम की धारा 269-व की उपधारा (1) के अधीर, निम्मिलिबत व्यक्तियों अभात् :--- मैं में प्युचरा उन्टरपाइनेज,
 29 केणबजी नाईक रोड,
 द्भरा मजिल,
 वम्बई-9

(अस्तरकः)

(2) मैसर्भ नैशनल इंजीनियरिंग इन्टर्स्ट्रीज, प्रा० नवनातलाल जीननलात णाह, 3 जयभारत मीसायटी, 5वा मजिल, पार्थ, गर्भई।

( प्रन्ति रिती )

को यह सूचना जारी कारके पूर्वोक्त सम्पत्ति के सर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

#### उक्त सम्मास के कर्षन के संबंध में कोई भी काक्षेप क्र---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की सारीध से 45 दिन की अमिश्र या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, वो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पृश्वें कह व्यक्तियों में स दिल्ली व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस भूमना के राजपत्र में प्रकासन की तारीस से 45 दिन के नीतर उक्त स्थावत सम्मात में हितमद्दश किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी की पान लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पण्डीकरणः इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उच्या अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषिक हूँ, वहीं सर्थ होंगा, जो उस अध्याय में किया नया है।

#### अनुसूची

जैसा कि रिजिस्ट्राका ए० 37 हैं० ईं०/10362/84-85 नवसार 1934 का सहायह ग्रायकर सायका निरीक्षण ग्रार्थन रेज पुता के दक्तर में तिया गया है।

> अनिज कुमार सक्षय प्राधिकारी सहायक शायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेज, पना

तारीख: 22-4-1985

मोहर :

प्ररूप आई.टी.एन.एस -----

आयंकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-थ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार कार्यालय, महायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जनरेंच वार्यालय

पूना, दिनाक 22 श्रप्रैल, 1985

निर्देण सं० 37ई० ई०/7502/84-85—-यतः सज्जे, धनिल कुमार

जायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिस इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह जिस्लाम करने कर कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित निजार मृत्य 1,00,000/- रा. से अधिक है

स्रोर जिसकी मं० फ्लैंट न० 52, एफ० पी० न० 3,3 मब प्लाट नं० 18/बी गुलटेकडी, पूना-37 हैं तथा जा पना में स्थित है (प्रांग इनमें जावद्ध प्रत्यूची में भाग पूर्व मन विजित है), रिजिस्ट्रीकर्नी प्रिधिकारों के बार्यात्य एटाया प्रायक्त प्रायक्त निरीक्षण प्रजन नेव पना में रिजिस्ट्रीकरण प्रिधिकारों के अर्थान जिस्ट्रीकरण प्रिधिकारों के अर्थान जिस्ट्रीकरण प्रिधिकारों के प्रश्चीन जिस्से प्रायक्त निरीक्षण प्रजन नेव पना में रिजिस्ट्रीकरण प्रिधिकारों के प्रश्चीन जिस्से प्रायक्त विकास 1984

को पूर्वीक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के द्रश्यमान प्रतिफल के लिए रिजम्ट्रीकृत विलेख के अनुसार अल्प-रित की गई है और मुभ्ने यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके द्रश्यमान प्रतिफल से एमे द्रश्यमान प्रतिफल से एमे द्रश्यमान प्रतिफल की प्रमे द्रश्यमान प्रतिफल की प्रमे अन्तरक (अनतरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एमे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निलिखित उद्यदेश्य से उक्त अन्तरण लिखित मे वास्तविक रूप से कथित नहीं किया रूप है ---

- (क) अन्तरण में हुई किसी आय की बाबत, उक्त बिधिनियम के अधीन कर दोन के अंतरक के दायित्य में कमी करने या उससे उचन में मृथिधा क तिए; और/या
- (क) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अंतरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में मृतिधा के लिए;

नत: नन, उन्त अधिनियम की भारा 269-ग को जनुमरण में, में, उन्त अधिनियम की भारा 269-घ की उपधारा (1) के अभीन, निम्निस्ति व्यक्तियों, अर्थात् :---  (1) वैची सठा फ्राइंमटम "हिम्मिनि" 322/11, जक्षण्याठ राड, पूरा-१

(अन्तरक)

(2) श्रा भनोग कुमार नयमक जैन, 68, तथा टिस्वर मार्हेट, युना-2।

(भ्रन्तरिनी)

को यह भिचना जारी करके प्रवाक्त सपत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हुं।

उक्त मम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कांई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की न तारीस से 45 दिन की अर्वाध या तत्मम्बन्धी व्यक्तियां पर सूचना की तामील स 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (य) इस म्बना के राजपय मा प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति मा हितबस्थ किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास निवित्त मां किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ हांगा जा उस अध्याय में दिया गया हैं।

#### अनुसूची

नैपा कि रिजिस्ट्रीकृत के 37 ई० ई०/7205' 81-85 नेबारर 1984 की सहायक आयक्त आयुक्त निरी-क्षण अर्जन रेज पूना के इपन्र में लिखा गया है।

> श्वनिल कुमार सक्षम पाधिकारी सड़ायक धायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण) र स्र्जन रेज, पुना

तारीख 42-4-1985 मोहर •

## o अकर शार्ष श्री ६५ एड ------ (1) था स

भायकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-घ (1) के अधीन मुखना

#### भारत सरकार

#### कार्यालयः, सहायक शावकार वाय्यस (निरीक्रण)

न्तिन रेश, प्ला

पूरा, विनार ३२ अर्थन्ते 1985

निर्देश म० ३७६६/१०३६७/४४-४२ जन पुरा, जिस

भायकर विधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परवात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्तम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पित्म, जिसका उचित बाजार मृल्य 1,00,000/- रु सं अधिक है

श्रीर जिसकी से पलट न 5, फ्येट के (1 5 स्व त 88/1/5) धननी प्ता-9 ह तथा जा एता क स्वित है (प्रार्ट इसन उपावद्ध अनुस्वा के सार प्रार्थ विणित है), श्रीकरी कर्ता अधिकारी के नार्यालय, सहायक अधिक अधिक, निराक्षण अर्जन रेज के, दिजस्ट्रीकरण अधिकाम 1908 (1908 का 16) के अवीन, नारीख परवर्ग 1985

को पूर्वोंक्त सम्पत्ति के उभित नाजार मूल ते कम के दृश्यान बतिफल के लिए जतिरत की गई हैं और मुक्ते यह विश्वास करन का कारण हैं कि यथापूर्वाक्त सम्पत्ति का उभित नाजार मुक्त बसके दृश्यान प्रतिफल छ, एसं दृश्यान प्रतिफल का, पत्सह नित्तित से अभिक हैं और जन्तरक (जतरकां) और बतिरतीं (जन्तितियों) के बीच एसे बन्तरण के लिए तक बाबा बया बतिफल, जिन्निस्ति उद्वोदयों से उक्त जन्तरण कि लिए से बात की कार्तिक से बाहतिक स्प से किथा नहीं किया गया हैं:—

- (फ) सन्तरण में झूम फिली याथ की बादत, उद्यक्त जिथितियम के अधीर कर दोने के बन्तरक के दासित्य के उन्नी करने या उन्नों से बन्तरक के के निष्, वरि/भा
- (स) एसी किसी बाय या किसी धन या बन्य कास्तियों को, जिन्हों भारतीय बायकर लिधिनियनम, 1922 1922 का 11) या उनने उत्ति र ल भन-कर किधिनियम, 195% (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ बन्तरिती द्वारा प्रयट नहीं किया प्रया का का किया बाना जोत्य बा, क्लान मा लाक्या के लिए;

, जातः अन, उनत अधिनियम की भारा 269-न के अनुसरक्ष को, मी, उनत अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) की अधीन - निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् --- (।) या माठ गाडम 🥬 1214, गावाणित्र पेठ, पूरा—30

(अन्तरक)

(2) था मर्जाब एम० दशपाउँ 19/281, लाजमान्य नगर, प्ना-30

(अन्तरिती)

का बढ़ स्थनः आरी करके पूर्वाघरः, सम्मरित को वर्जन को किथ कार्यनाहियां करता हुं।

#### अवत वरपरित के सर्वन के सम्बन्ध में **कोई ही शासीप्**र--

- (क) इस मुक्ता कं राजपत्र में प्रकाशन को तारी खं कं 45 दिन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तिकों पर स्कान की मामील से 30 दिन की अविध, वो भी अविध साद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त को कराया में स किसी व्यक्ति क्वारा;
- (व) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीच के 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर क्लारित में दितवपूष् किसी बन्य व्यक्ति व्वारा, मभोहस्ताक्षरी के पाद लिखित में किए वा क्लोमे।

स्पध्दीकरणः - इसमें प्रयुक्त शब्दों और पतों का, को जनत विभिनिषम के अध्याय 20-क में परिभाषिक है, वहीं अर्थ होगा, जो उस मध्याय में दिया गया है।

#### अनुसूची

नगा कि र्जिन्तिक कः 37ईई/10267/84~95 फर्नम ४४ हा सहायक नायनार संयुक्त निरीक्षण, जनक रूरि द्वा के दक्तर संजिद्या गया है।

> र्जानल कुगार सक्षम प्राधिकारी सहायक ब्रायकर यास्कृत (निरीक्षण) अर्जन रेज, पूना

ारोग 22-4-1985 मोहर प्रस्थ साइ े दी व एन , एस , -----

नायकर मिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा भारा 269-न (1) के व्यान स्थना

#### भारत परकार

कागालग , महायक आयकर आयक्त (निरीक्षण) अर्जन रेज, पूना

पूना, दिनाक 22 अप्रैल, 85

निर्देण स० 37ई\$/10705/81-85—अत . मुझ, अनिल कुमार

भायकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त अभिनियम', कहा गया है), की भाग 269-इ क अभीन सक्षम प्राधिकारी को यह विकास करन का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्ब 1,00,000/ रह में अधिक है

सार नियवा ग० युनिट न० 17, दिवान एन्ड शाह इडिस्ट्रियल काम्प्लन्म न० 1, वालिय मर्वे ग० 21 बालिय नर्यई है तथा जा यगर में रियत है (यार इसने उपावक जनसूची में सार पूण गण में गणित है), र्राजन्द्रीकर्ती अधिमारी के कामीलय, सहाया जायकर जायान निरीक्षण क्रवंन रेज, मूना में, र्राजर्ट्री-करण क्रांतिनयम, 1908 (1908 (196) के जवान, तारीख नवस्वर 1985)

का पूर्विता सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य सं कम के दृण्यमान पितिफल के लिए अन्तरित की गद्दें हैं और मूओं यह विद्वास करने का कारण हैं कि यथापूर्वितन सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उपके क्ष्ममान प्रतिफल में एमें दृष्यमान प्रतिफल के पंत्रह प्रसिद्धत से अधिक हैं और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितिया) के बीच एसे अन्तरण के लिए तम पामा गया प्रतिफल, निम्नलिचित उद्दश्य सं उक्त अन्तरण लिखित में अस्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है:----

- (क) अन्तरण मंद्गुर्क किसी आय की बाबन, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने को अन्तरक के दायित्व मों कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (क) एँसी किसी आय या किसी धन या जन्य आस्तियों को जिन्हों भारतीय जाय-कार अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या अनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) को प्रयोजनार्थ जन्तरिती ब्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने मन्स्विधा को लिए;

क्स त्रज. पक्त अधिनियम को धारा 169-ए क अनुप्रण ए की स्क्रम अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) के नधीरा, जिम्मीलिखिस व्यक्तियाँ, नभीत् १---

 (1) मलम युनियन आउन्ध्य 102, आगड़ पेवस, 132, डा० अनी बी० रोड, बर्मा, बम्बई-18

(भन्तरः)

(2) गगम नमन्त्र इज्ञानियरिंग इड्डांस्ट्रज, प्रा० नवनीतनाल जावनलाल शाह. (एच० य्० एफ. एभ०), 3 जयभारत सोमायटी, भ्वा मजना, खाट, वस्वई-52

(अन्तरिती)-

का नह स्वना कारी करके पूर्वांक्त सब्परित के वर्जन के तिथ कार्यनाहियां करता हूं।

तकत संपरित के वर्जन के समध में कोड़ भी बाधाय :---

- (क) इस नुषता के राषपण में प्रकाशन की शारीस है 45 दिन की समिश वा तत्सम्बन्धी व्यक्तिया वर सृषता की तामील से 30 दिन की बबाध, जो भी अवधि नाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वित व्यक्तियों में में किसी व्यक्तित द्वारा;
- (क) इस सूचना को ट्राज्यत्र में प्रकाशन की तार्शक क्ष 45 दिन को भौतर उक्त रथावर सम्पत्ति में हितबक्ष किसी अन्य व्यक्ति त्वारा अधोहस्साक्षरी को पास निक्षित में किए जा सकोंग।

स्पाक्तीकरण .---इसमा प्रयुक्त शब्दों और पदों का, भी उक्त अधिनियम के सध्माय 20 के में परिभाषित है, वहीं अर्थ हांगा को उस सध्याद में विका स्वाहै।

#### अनुसूर्घा

जैसा कि र्राजस्ट्रीकृत कर 37ईई/10705/81-85 नवस्वर 81 का सहक्ष्मक जायकर आयक्त निरीजण क्र्यंत क्रिज, पूना के दफ्तर में लिखा गया है।

> अनित हुमार सक्षम प्राविकार। सह्यक्ष भाष हर अयुक्त (निहीक्षण) अर्जन रेज, पूना

स्राज्य 22-4-1995 **गहर**ः

## प्रसम्म नाह^र्ट हो _य सून्_य प्रसा_{ल अस्तासम्बद्धारमञ्जास}

नायकार निधितियम, 1961 (1961 का 43) करी भारत 269--व (1) को संभीत स्वता

#### मारत सहस्रार

कार्यालय, सहायक आयकर बागुक्त (निरीक्षण)

जर्जन रेंज, पूना पूना, दिनाक 2.2 अप्रैल, 1985

निर्देश मे० 37ईई/11392/84-85--अन मुझे, अनिल कुमार

कासकार किथिनियम, 1961 (1961 का 43) (विसे इसमें इसमें इसमें परवाद 'उन्त अधिनियम' कहा गया हैं), की भारा 269 के अधीन सक्षम प्राधिकारी की, यह विस्थान कारने का कारण हैं कि स्थायर सम्यास, जिसका उविस बाबार मृत्य 1,00.000/-रा. से अधिक हैं

श्रीर जिल्ली गंज सर्वे गंज 681/4. बी-1 विववे बाही, पूना-37 है तथा जो पूना म स्थित है (श्रीर इसने उपाजह अनुसूची में श्रीर पूर्ज रूप ने विणित है), रिजरट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, महायक आयकर आधुक्त निरीक्षण, अजन रैंज पूना में रिजरट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अश्रीन, नारीख अश्रैल 1985

करे पूर्वोक्त संपत्ति के उभित बाजार मृत्य सं कम के इश्यमान प्रतिकश के लिए जन्ति ति की गई है जार जुने यह जिस्तास करने का कारण है कि यनापूर्वोकन सम्पत्ति का उजित बाजार मृत्य, उसके क्यमान प्रतिफल से, एसे इश्यमान प्रतिकल का मन्द्रह, प्रतिस्त से जिभिक है और जन्तरक (जन्तरकों) और जन्तिरती (अन्तिरितियाँ) के बीच एसे बन्तरण के सिए तय पावा गया प्रतिफल निस्नितिस्त उद्योक्त से उक्त जन्तरण जिश्वत में नाम्तिरिक क्य से कांधित वहाँ किया गया है:----

- (का) नम्बरण ही हुए किसी नाम की बावड प्रवस अधिक-त्रियम की कसीन कार वाने के ब्यूनरफ के बाविस्थ की सभी करने या उत्तसे नमने में सूनिया को सिए; स्ट्रीप्रका
- (वा) एंसी किसी बाव या किसी वन वा बच्च बास्ताकी की, विन्दू बाइतीय बायकर निवीचयम, 1922 (1922 का 11) या उंक्त अधिनियम या वन कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोध-नार्थ बन्धीद्रती दुवार नक्ट नहीं किया नया वा वा किया जाना जातिए था कियान में सुविधा का किया जाना जातिए था कियान में सुविधा का किया

बतः जबं, उन्त बर्विनियम की धारा 269-म के बनुकरण कों, कों. सक्त विधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) को अधीन, निम्नविधित व्यक्तियों, अविध् क्र— (1) श्रीमती पार्वतीयाई डा॰ वीवेय ग्रीर अन्य 446, कमबा पठ, पूना।

(ग्रन्तरक)

(2) मैसस यूनिटी विल्डर्स 108/6, गुलट्**ड**टी शट शास्त्री चेबर्स, पुरा–37

(ग्रन्तरिती)

की नह सूचना जारी करके पृत्रोकत सम्परित के नर्बन के लिए कार्यवाहियों करता हुए।

उन्हा संप्यतित को अर्थान का सम्बन्ध में कांड्र भी नाक्षेत्र ह---

- (क) इस नुषता के राजपत्र में प्रकाशन की तारीश से 45 दिन की अविध् मा छत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सृषता की हामील से 30 दिन की अविध, जो भी वसिष भाद में समाप्त होती हो., के भीतर पूर्वेक्ट व्यक्तियों में में किसी स्थित दुवारा;
- (क) इस भूकना के शक्यत्र में जनावन की तारीस से 45 दिन के भीतर उनक स्थावर सम्पत्ति में हितबक्ष किसी वन्य व्यक्ति व्याय स्थाहिस्ताकारी के पास लिखित में किए जा सकोंने।

स्वव्यक्तिकारण - इसमें प्रयुक्त करों और पदों का, जो उक्त अधिनियम को अध्याय 20-क में परिधाणित ही, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया ही।

## मन्स्ची

जैसा कि र्राजस्ट्रीकृत कः 37६६/11392/84-85 अप्रैल 85 को महायक आयकर आयुक्त निरीक्षण, अर्जन रेंज पूना के नम्तर में लिखा गया है।

> अतिल कुमार सक्षम प्राधिकारी, सहायक आयकर भ्रायुवत (निरीक्षण) अर्जन रंज, पूना

तारीख 22-4-19**8**5 **मोहर** छ

# त्ररूप नार्डं दी . एक . एस . -----

# अन्यकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-म (1) के अभीन सूचना

#### भारत सरकार

## कार्यालय, सहायक भायकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, पूना पूना, बिनाक 22 अप्रैल 1985

निर्देश सं०  $37 {\rm fe}^2/11393/84 - 85 - - अत: मुझे, अनिल कुमार$ 

बाधकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (बिसे इसमें इसके पर्यात् 'उसत अधिनियम' कहा गया हु"), की धारा 269- व को अधिन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण हु कि स्थायर तस्पत्ति, जिसका उचित नाजार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक हु

श्रीर जिसकी सं० 681/1-बी०, विबवेवाडी पूना-37 हं तथा जो पूना में स्थित हैं (श्रीर इससे उपावद अनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप / में विणित हैं), रिजस्ट्रीवर्मी अधिकारी के कार्यालय सहायक आयकर आयुक्त निरीक्षण, जर्जन रेंज में, रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख अप्रैल. 1985

को प्वोंक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के इश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूझ यह विश्वास करने का कारण है कि सभापृबंकित सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके इश्यमान प्रतिफल से एसे इश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए सय गया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उब्बेश्य से उक्त अन्तरण निक्ति में वास्तिबक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्ट अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक क वायित्व में कमी करने या उससे बचाने में सुविधा के लिए; और/या
- (क) ऐसी किसी आय या किसी, धन या अन्य आस्तियाँ को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अव, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग्व के अन्सरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिक्ति व्यक्तियों, अर्थात् :— (1) श्रीमनी पार्वतीबाई धर्भराज विववे और अन्य - 446, कसवा पेट, पुना ।

(अन्तरक)

(2) मनर्स प्रुनिटी बिल्डमं, 408/6, गुलटेकडी राड, शास्त्री चेबसं, पूना-38

(अन्तरिती)

को यह सुमना जारी करके पूर्विक्स सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त संपत्ति को अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख सं 45 दिन की जनभि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्वना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हों, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस स्चना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर मम्पत्ति में हितबद्ध किसी जन्य व्यक्ति इवारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पाद्धीकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदा का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, कहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया हैं।

## नन्स्ची

जंमा कि रिजम्हीकृत %० 37ईई/11393/84-85 अप्रैल 85 को महायक आयकर जायुक्त निरीक्षण अर्जन रेज पूना के दक्तर से लिखा गया है।

> र्जानल कुमार सक्षम प्राधिकारी, महायक श्राधकर श्रायुक्त (निरीक्षण), जर्जन रेंज, पूना

तारीख: 22-4-1985

मोहर:

प्ररूप आहूर.टी.एन.एस. ------

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धार 269-व (1) के अधीन स्थना

भारत सरकार

कायलिय, तहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, पूत्र

पूना, दिनाह 22 अप्रैल, 85 निर्देश मं० 37ईई/11394/84-85--यन मझे, अनिल कुमार,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पित्त, जिसका उचित बाजार मृत्य 1,00,000/- रुसे अधिक हैं

अगैर जिसकी में 678/11, बिबंधे बाड़ी, पूना 37 है तथा जो पूना, में स्थित है (और इसमें उपाबद्ध अनुसूची से और पूण रूप से बणित है), रिजस्ट्रीक्ती श्रीधकारी के कार्यालय महायव आयवर श्रायुक्त निरीक्षण, अर्जेस रेज में, रिजस्ट्री-वरण अधिनियम, 1908 (1908 वा 16) के अधीन, नारीख अर्येल, 1985

को पूर्वेक्ति सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के दश्यमान श्रीतफल के लिए अन्तरित की यह है और मृश्ने यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह श्रीतश्रत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरका) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के निए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नितिश्वित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित के बास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है कि

- (क) अन्तरण से हुक किसी बाग की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (भ) ऐसी किसी बाय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आसकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उँक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट रही किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अज, उक्त अधिनियम की भाग 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की भाग 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् क्र—  (1) श्रीमती प.वर्तीघ.ई डी विवेब और अन्य के 446, कमबा पेठ, पूना-11

(अन्तरक)

(2) मैं मर्स यातिटी बिल्डमी, 408/6, मुलटेकडी रोड़, णाम्बी चेबमी, प्रना-37

(अन्तरिती)

को यह सुचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के जिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के कर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र मों प्रकाशन की तारीख से '45 दिन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद मों समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों मों से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबव्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पात लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरणः ----इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, ओं उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-के में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा ओ उस अध्याय में दिया गया है।

# नग्स्ची

ं जैमा वि रिजम्ट्रीकृत कि० 37ईई/11394/84-85 अप्रैल 85 को सहायक आयहर आयुक्त निरीक्षण अर्जन रेंज पूना के दक्तर में लिखा गया है।

> अनिल कुमार सक्षम प्राधिकारी, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण), अर्जेक रेज, पूना

तारीखः 22-4-1985 मोहरः प्ररूप जाहाँ, दी, धन, धन, पन,

कायकर किथिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-भ (1) के अधीन स्थान

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक बायकर बायक्त (निरीक्षण)

जेन रेंज, पूना

प्नाः दिवांक 22 अप्रैल, 85

निर्देश म० 37ईई/10725/84--75--- যत: मुझे, সানিত্ত কুমাখ,

वायकर अधिनियस, 1961 (1961 का 43) (जिल्के इसमें इसके प्रवाद 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षण प्राधिकारी को यह विद्यास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मृल्य 25,000/- राज्ये से अधिक है

और जिपको से लाड प्राप्ट ने 12-बीं , बल्याल भिवंडी रोड़, एडिप्ट्रियन एरिया, एमें आया है है कि भिवंडी किला थाना है तथा है। भिवंडी से थिया है (और इससे उपांबड अनुसूची में और पूर्तिस्प से बिणत है), जिल्ट्री-कर्ना अधिशारी के कार्यालय, सहायक आयतर आयुक्त निरीक्षण अर्जन रंज में, रिजिस्ट्रीकरण अपितिस्म, 1908 (1908 का 16) के श्रीन, तारीख दिश्स्वर, 1985

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए रिजस्ट्रीकृत विलेख के अनुसार अन्त-रित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृन्य, उसके क्रयमान प्रतिफल से, एसे क्रयमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत से अधिक हो और जन्तरक (जन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरित्यों) के बीच एमें अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिकात, निम्निजिसन उद्धारें से उक्त जन्तरण निवित में बाक्शिय नहीं किया गया है हम्म

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बावत, उक्त अधिनियस के अधीन कर दोने के जन्तरका के दायित्य मो कर्मा करने या उससा बंधने भी मृत्रिया के लिए: और/आ
- (६) एंगे किसी आय का किसी धन या अन्य आस्तियों का, जिल्हों अपर्यंत आयकर अधिनियंत, 1922 (1902 का 11) या उक्त आधीनयम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के अतंत्रका जीतियों सुराय प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा है सिए;

बतः बब, उक्त अधिनियमं की धारा 269-य के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) के अधीन, निम्निलिखित न्यवितयों, अर्थाह्य :---

(1) महाराष्ट्रः स्टेट फाइनेना वापेरिशन नया एकश्वायित्रः विहिड्ग, श्रमृत केणव नायक मार्ग, फोर्ट बम्बर्धः,

(अन्तरक)

(2) मेसर्म म्रजंठा इंटरनेजनल प्रा० लि०, गोपाल भवन, वीथा मंजला, 199, भागलदास गाधी भाग, वस्वई- 2

(अन्तरिनी)

को यह सुखना जारी कारके पृथीकत सभ्यति के अर्थन के लिए कार्यवाहियां शुरू करना हुं।

उनत सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी शास्त्र :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीब से 45 दिन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर मूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध नाव में समाप्त होती हों, के भीतर पूर्वक्त व्यक्तिकों में से किसी व्यक्ति क्वारा;
- (ख) इत सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख स 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किमी अन्य व्यक्ति द्यारा अधोहस्ताक्षणी के पास निवित्त में किमो जा सकरी।

स्पाद्धीकरणः - इसमें प्रयुक्त शब्दों और पढ़ों का, को स्वक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभावित हैं, यहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया यस हैं।

# बन्द्र,

तैसा कि रिजर्स्ट्राइन कर 37ईई/10725/84-85 दिसम्बर 84 को सहायक आयकर आयुक्त निरीक्षण अर्जन रित पुना के दफ्तर में िखा गया है।

> श्रनित कुमार सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) श्रजैत रैंज, पना

नारीख 22-4-1985

मोहर:

# प्रक्ष आहुं दी एन एव - वनकार

आयकार अभिनियस, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-व (1) के अभीव सूचना

### भारत सरकार

# कार्बास्य, बहायक वायकर काय्**पर (विरोधान)** ग्रार्जन रेज, पूना

पूना, दिनांक 22 ग्रजैल 1985

निर्देश सं० 37ईई/11612/84-85---मनः, मुझे, ग्रनिल कुमार,

आयकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिले इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अभिनियम' कहा गया हैं), की भारा 269-क के अभीन सक्षम प्राधिकारों को, यह विश्वास करने का कारक है कि स्थावर सम्मत्ति, जिसका उचित बाजार मून्य 1,00,000/- रहे. से अधिक ही

और जिनको म० फ्लैंट नं० 2, बिह्हिंग जिनामण नगर सर्वे नं० 128/1, औध पूना नि है तथा जी पूना मे स्थित है (और इससे उपाधद अनुसूची में और पूर्णरूप में बीणत है), रिजस्ट्रीक्ती श्रिधनारी के कार्यालय, सहायव श्रायकर श्रायकर निरीक्षण अर्जन रेंज में, रिजस्ट्रीक्रण श्रिधनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रिधीन, नारीक्ष फरवरी 1985

को पूर्वोक्त संपरित के उचित बाजार मूस्य से कव के क्ष्मशान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और जूओ वह विश्ववात करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपरित का क्षित बाबार मूल्य, उसके क्ष्यमान प्रतिफल से, एोसे क्ष्मशान प्रविक्षण का चंद्रह प्रतिकृत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितिवों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तब गांचा गवा प्रति-फल निम्मलिखित उद्दोश्य के उच्ह अन्तरण चिवित में बालाविक रूप में करियत नहीं जिला गवा है है

- (क) अन्तरण वं शुद्र पिक्षी बाग की बावदः, अवदः विधितिकवा के अधीन कर दोने के जन्तरक को दावित्वा में कवी करूने वा उन्हें वचने में क्ष्मिमा के निष्पः बॉर/वा
- (क) ऐसी किसी काल या किसी धन या बस्य अस्टियों को, जिन्हों भारतीय जावकर मधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) की प्रयोजनाथ जन्तरिती द्वार प्रकट नहीं किया गया या वा किया जाना चाहिए जा, जिनाने में सविधा की विद्यु;

बसन बन सन्त भीभीनवमं की भारा 269-न में अनुसरक में, में, सन्त अधिनियम की भारा 269-न की उपभारा (1) के अधीन, निम्नतिकिस व्यक्तियों, अर्थात् :--- (1) मैंसमं निखील एन्टरप्राइजेज, 14. बम्बई पूना रोड, बनाज क्राटी में। रूम के पास, बाकडेवाडी णिवाजीनगर, पूना।

(मन्तरक)

(2) श्री उमेश खशा, पत्तेष्ट नं० डी०/10, 3 औंग्र रोड, पूना~3

(मन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्परित के अर्जन के लिये कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के सर्वत के सम्बन्ध में कोई नाक्षेप :---

- (क) इस स्थान के राजपत्र में प्रकाशन की तररीय से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर स्वान की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी जविधि याद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति प्रवादत;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक से 45 दिन को भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में दितकष् भ किसी अन्य व्यक्तित द्वारा अभोहस्ताक्षरी के पास तिक्षित में किए का सक्यो।

स्पद्धीकरण - इसमें प्रयुक्त शब्दों और पद्दों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में यथा परिभाषित है, वहीं कर्ष होंगा को उस अध्याय में दिना सवा है।

## अनुसूची

जैमा नि रजिस्ट्रीगृत क० 37ईई/11612/84-86 फरवरी 85 का सहायक आयकर श्रायकर निरीक्षण श्रर्जन रेज, पना के दफ्तर में लिखा गया र।

> श्रीतल कुमार सक्षम प्राधिकारी महायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंग, पूना

तारीव : 22-4-85

मोहर

प्ररूप आई.टी.एन.एस.----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारत 269-भ (1) के अधीन सूचना भारत सरकार

कार्यां लय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) श्रजीत रेज, पूना

पूना, दिनांक 22 श्रप्रैल, 1985

निर्देश सं॰ 37ईई/11935/84-·85---म्रतः, मुझे, श्रनित कुमार,

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है, की धारा 269-स के अधीन सक्ष्म प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थायर सम्पत्ति, जिसका उचित वाजार मूल्य 1,00,000/- रा. से अधिक है

और जिपकी संख्या पर्नेष्ट नं० 7 'मीं ि' बिल्डिंग चिंतामण नगर, नर्ने नं० 128/1, औंध, पूना--7 है तथा जो पूना में स्थित है (और इनले उपाबद अनुसूची में और पूर्ण रूप से विणित है), रिजिल्डी उनी अधि गरी के हार्योग्य नद्यानक आप जर आपुक्त निरीक्षण अर्जन रेंज में, रिजिल्डी हरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख फरवरी 1985

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मल्य में कम के स्प्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई हैं और मभ्ने यह विश्वास करने का कारण हैं कि ग्रथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृल्य, उसके स्थ्यमान प्रतिफल से, एसे स्थ्यमान प्रतिफल का पन्द्रह् प्रतिष्त से अधिक हैं और अंतरक अंतरकों) और अंत-रिती (अंतरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण विखित में बास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया हैं:—

- (क) अंतरक से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधि-नियम के अधीन कर दोने के अंतरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सृविधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्ही भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अंतरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के लिए;

अतः अव, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्तरण में, में उक्त अधिनियम की धारा 269-थ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) मैं पर्म निश्वीन एन्टरप्राइजेज 14, बम्बई पूना राड, बजाज प्राटा था रूम, वाकडेवाडी, शिवाजीनगर, पूना ।

(मन्तरक)

(2) श्री ए० जी० पाटील, नियर्ग, 13वीं, लाइन, राजारामपूरी, कोल्हापुर

(ग्रन्तरिनी)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्थन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

- '(क) इस स्वता के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्यवंधी व्यक्तियां पर सूचना की तामील में 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त हाती हो, के भीतर पूर्वेक्ति व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हिनबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा नकोंगे।

स्पष्टीकरण:---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधि-नियम, के अध्याष 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

## अनुसूची

जैसा कि रिजिस्ट्रीगृत कि 37ईहै/11935/84~85 फरतरी 1985 को सहायक श्रायक्त श्रीयुक्त निरीक्षण ग्रर्जन रेंज, पूना के दश्तर में निजा गया है।

> श्रनित कुमार सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रजैन रेंज, पूना

तारीख: 22-4;1985

मोहर :

षरूप वाह . टी. एन. एस. -----

नायकर जिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-भ (1) के नधीन सूचना

### भारत सरकात

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरक्षिण) ं अर्जन रेंज पूना

पूना, दिनांक 22 अप्रैल 1985

निर्देश स० 37-ई०ई०/6689/84-85---अतः, मुझे, अनिल कुमार

आधकर लोधनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसमें इसमें पश्चात् 'जनत अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-क के अधीन सक्षम प्राधिकारी की यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति.. जिसका खेंचत बाबार मून्य 1,00,000/- रु. में अधिक हैं

ग्रीर जिसकी संव फ्लैट नंव ई-8, चौथा मंजिला, हरमस पार्क कोआपरेटिव हाऊसिंग सोसायटी लिव, 30 बन्ड गार्डन रोड, पूना है तथा जो पूना में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप से विणत है), रिजस्ट्रीफर्ती अधि-कारी के कार्यालय सहायक आयकर आयुक्त निरीक्षण, अजेन रेंज पूना में, र्राजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख अक्तूबर 1984 को

- (क) अन्तरण से हुई किसी बाय का बाबत, उक्त विशिष्टक के अधीन कर दोने के अन्तरक के सम्बद्ध के आजी कहने का उक्त क्षाचे में सुविधा क लिए; स्टिश
- (ख) एंसी किसी बाव या किसी धन या अन्य कास्तियों को, जिन्हों सारतीय वाय-कर विधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर विधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोधनार्थ संतरिती ब्वारा प्रकट नहीं किया गढ़ा था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अस: अब, उत्थल अधिनियम की भारा 269-म की अनुसरक में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) की अभीन, निम्नसिखित अधिसत्यों, मर्थाह ए---  मैससं रमेश कन्स्ट्रक्शन कम्पनी, धीरज चेम्बर्स,
 वडबई रोड,
 वम्बई।

(भन्तरक)

(2) श्रीमती डाली आर० इंजीनियर, 2 मंगलदास रोड, पूना।

(भन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके प्वाक्त सम्परित के अर्जन के निष्

उक्त रूक्पित के अर्थन के सम्बन्ध में कोई भी बाक्षेप :---

- (क) इस स्थना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी सं से 45 दिन की अविध या तत्संबंधी व्यक्तियों पर स्थना की तामीस सं 30 दिन की अविध, जो भी सर्विध नाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्ति सं के किसी न्यांकत त्यारा.
- (क) इस स्था के राजपत्र में प्रकाशन की 'तानीक से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबस्थ किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अभोहस्ताक्षरी के पास निर्मास में किस जा सकों ।

स्पष्टिकरण: - इसमं प्रयुक्त शब्दों और पद्यों का, भी उक्क श्रीपनियम, के बन्याय 20 क में प्रिशाण्ड है, यहीं वर्ष होगा को उस अन्याय में विमा गमा है।

# **अन्**स्ची

जैसा कि रजिस्ट्रीकृत कि 37 ई० ई०/6689/84-85 अक्तूधर 1984 को सहायक आयकर आयुक्त निरीक्षण अर्जन रेंज, पूना के दफ्तर में लिखा गया है।

> अनिल कुमार सक्षम प्राधिकारी सहावक **धा**यकर ब्रायुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, पूना

तारीख: 22-4-1985

मोहरू 🖫

# प्रकृष कार्यं, दी .एन . एस ......

# बायुकार विधिनियम्, 1961 (1961 का 43) की भाग 269-य (1) के नधीन सूचना

#### भारत सुरुकानु

## कार्यालय, सहायक नायकार बाब्यक (निरीक्षण)

अर्जन रंज, पूना

पूना, दिनाक 23 अप्रैल 1985

निर्देश मु 37-ई०ई०/11908/81-85---यन **मुने,** अनिल क्सार

आयकर विधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परभात् 'उनता अभिनियम' कहा गया हैं), की भारा 269 के अभीन समम प्राधिकारी की यह विश्वास करने का भारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उनित बाजार मृत्य 1,00,000/- रा. से अधिक हैं

श्रीर जिसकी मं० टीका न० 2, मी० एस० न० 317, थाना है तथा जो थाना में स्थित है (श्रीर इसमे उपाबद्ध अनुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप में विणा है), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यात्वय सहायक आयकर आयुक्त निरीक्षण अर्जन रेज, में रिजर्स्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, नारीख जनवरी 1985

को प्रविक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के क्यमान प्रतिफल के लिए बंदरित की गई हैं और मुफ्ते यह विश्वास करने का कारण हैं कि यथाप्रविक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके त्र्यमान प्रतिफल से, एसे दरयजान प्रतिकल के पन्द्रह प्रतिशत सं पिक हैं और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नतिचित उच्चेष्य से उनत अंतरण निचित में बास्तिक रूप से किथत नहीं किया गया है:—

- (क) सन्तारण सं हुइ किसी शाय की बाबता, उपत अधिविस्म के सभीन कार दोने के अंतरक के दारिया में कभी करने या उसते बचरे के नृधिका क लिए; और√या
- (क) ऐसी किसी भाग या किसी भन या अन्य वास्तियों को, जिन्हों भारतीय नायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, 1927 भन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ संतरिती व्यारा प्रकट नहीं किया नया या या मा किया जाना वाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अबः, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण ,मो, मो उक्त अधिनियम की धारा 260-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्मीलिसित ध्विकियों, अर्थात् (1) मैंसमं साहस बिल्डर्स,रतन हाउस,थाना रेलवे स्टेशन के सामने,थाना।

(मन्तरक)

(2) श्री रमेश पोपटलाल शाह
 (एच० यू० एफ०),
 कर्ता आर० पी० राजा,
 11/2, गिरिराज हाउसिंग सोसायटी,
 नवपाड़ा, थाना ।

(श्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के मर्जन के निए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के वर्षान के संबंध में कोई भी वाक्षेप ८---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की जबिध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी विविध साद में स्माप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त स्मिक्तयों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपन में प्रकाशन की तारोब से 45 विन के भीतर उक्त स्थानर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति व्वारा, अधाहस्ताक्षरी के पास विविद्य में किये था सकेंगे।

स्पृष्टीकरण: ---इसमें प्रमृतत बन्दी और पदों का, को उक्त विशिधम् के अध्याम् 20-क में परिभावित ही, वहीं कर्य होगा वो उस अध्याम में दिया ग्वा ही।

#### नन्स्ची

जैमा कि रजिस्ट्रीकृत , १० 37-ई०ई०/11908/84-85, जनवरी 1985 का महायक आयकर आयुक्त निरीक्षण अर्जन रंज, पूना के दफ्तर में लिखा गया है।

> अतिल कुमार सक्षम प्राधिकारी महायक खायकर खायुक्त (निरीक्षण) अजन रेज, पुना

नारीख 23-1-1985

भादर :

प्ररूप बाहै, दी. एन. एस. -----

# बायकद्र अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-भ (1) के अभीन सूचना

#### भारत सरकार

## कार्यालय, सहायक जायकार आयक्त (निर्दाक्षण)

अर्जन रेजि, पुना

पुना. दिनाक 23 अप्रैल 1985

निर्देश स० 37-इं ई०/10345/84-85---यतः, मुझे,

अतिल कुमार, बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी का, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

ग्रीर जिसकी सं० फ्लैट नं० 202, दूसरा मंजला, नीलगिरी अपार्टमेंट्स 42ए/1 बी, एनंडवणा, पूना-4 है तथा जो पूना में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद्ध अनुभूची में ग्रीर पूर्ण रूप से विणित है), रिजस्ट्रीकर्ती अधिकारी के कार्यालय, सहायक आयकर आयकत निरीक्षण अर्जन रेंज पूना में, रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख फरवरी 1985

को पूर्वोंक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के स्वयमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मूझे यह विस्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोंक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके स्वयभान प्रतिफल से एसे स्वयमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिश्वत से अधिक हैं और अंतरक (अंतरकाँ) और अंतरिती (अन्तरितियां) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्येक्य से उक्त अन्तरण जिखित में बास्तिविक रूप से जिथत नहीं किया गया है।

- (क) बन्तरण से हुए किसी बाय की बायत, उच्च विधानियम के बधीन कर दोने के बन्तरक के खिरल में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (क) एसी किसी जाव वा किसी धन वा अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय जायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उन्तर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती ब्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया बाना बाहिए था, छिपाने में सुविधा के निए;

अत: अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्सरण में, मैं, उक्त निधिनियम की धारा 269-ण को उपभारा (1) के अधीन, निम्निनिश्चित व्यक्तियों, निधित हैं— (1) मैसर्स नाटेकर गांधी ग्रीर कंपनी, 1206/बी-15, शिवाजी नगर, इनकृत जिमखाना, पूना-41

(मन्तरक)

(2) श्री नारायण गोविन्द गाङ्गिल पर्लंट नः 202, नीलगिरी अपार्टमेंट्स, 42 ए/1 वी कर्वे रोड, गुना-38।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्परित के वर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

## उक्त सम्परित के अर्थन के सम्बन्ध में कोई भी बास्नेष :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी खंसे 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अविध बाद में समाप्त होता हो, के भीतर पूर्वीकत स्यक्तिया में संकिती क्यों के व्यक्तिया में संकिती क्यों के विश्वास के विष
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधाहस्ताक्षरी के पास किसी अन्य भारतका जा सकता ।

स्पष्टीकरणः --- इसमा प्रयुक्त हान्दों और पदा का, वो उक्त शिक्षितियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं वर्ष होना, को उस ब्ध्याय में विका नवा है।

## अनुमुची

जैसा कि रिजस्ट्रीकृत कि 37-ई०ई०/10345/84-85 फरवरी 1985 को सहायक आयकर आयुक्त निरीक्षण अर्जन रेंज पूना, के दक्तर में लिखा गया है।

> अनिल कुमार गलम प्राधिकारी गहायक स्रायकर सामृत्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, पूना

तारीख: 23-4-1985

माहर 🐞

## प्रकर्, मार्ड हो. एकः एस , व्याप-व्याप-व्याप

भागकड अधिनियस, 1961 (1961 का 43) की धोरा 269-भ (1) के अभीन सुभना

#### भारत दरकाड

कार्याक्षय, सहायक बायकर वायुक्त (निरक्षिण)

अर्जन रेंज पूना

पूना, दिनाक 23 अप्रैल, 1985

निर्वेश स॰ 37 ई॰ई॰/6917/84-85---यत. मुझे, अनिल कुमार

कायकर विधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त विधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269- क के मधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारक हैं कि स्थावर सम्मत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 1,00,000/- रु. से अधिक हैं

श्रीर जिसकी स० 2010-ए, गाफर बाग रट्टीट, कम्प पूना प्लाट न० 7, छठी मंजिला है तथा जो पूना में स्थित हैं (ग्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप मे विजित हैं), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यांक्य सहाय्क आयवर आयुक्त निरीक्षण अर्जन रेज मे, रिजर्ट्र वरण अर्धिन्यम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख अक्तूबर 1984

को पूर्वाक्त सम्मित्त के उचित बाजार मृत्य से काम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई हैं और मुक्ते यह निश्वाम करने का कारण हैं कि यभापूर्वोक्त सम्मित्त का उचित बाजार भूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, ऐस दश्यमान प्रतिफल का पन्नह प्रतिशत से अधिक हैं और अन्तरक (अन्तरकों) और बंतरिती (अंतरितियों) के बीच ऐसे बतरण के लिए तय पाया वया प्रतिकल निम्निसिवात स्व्यवस्य ने स्वय अंतरण निवित्त में बास्तिकक हैं में किया गया है :—

- (क) ब्लाइम सं हुई किसी जान की वाबत ; उन्तर जिथानियम के लुभीन कुद दोने के अन्तह्रक के व्यक्तिक में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; बाँद/या
- (क) एसी किसी बाब या किसी धन या अन्य जास्तियाँ को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में मृतिधा के लिए,

अतः अष , उक्त विधिनियम की भारा 269-ग के अनुसरण भें , में , उक्त अधिनियम की भारा 269-च की उपधारा (1) भें अभीन , किम्निलिखित व्यक्तियों , अर्थात् ।--- (1) मैसर्स जैन सर्मा विल्डर्स 547, गुरुवार पेठ, बदिवान माती के सामने, पूना ।

(भ्रन्तरक)

(2) श्रीमती रसीदा तोहर कापाडिया, मार्फत र्ष्ट्र एन० कापवाला, 604, रविवार पेठ, पूज-2।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करकं पूर्वीक्त सम्पत्ति के अपन क निए कार्यवाहियां शुरु करता हु।

उक्त सम्पत्ति के बर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सुचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीं है वे 45 दिन की अवधि या तत्सवधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्विक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस स्थना के राजपत्र मं प्रकाशन की तारीख सं 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अक्षेष्ट्स्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरण: — इसमें प्रयुक्ता शब्दों और पदों का, या उक्त अधिनियम को अध्याय 20-का में परिभाषित है, बही अर्थ होगा को उस अध्याय में दिया गया है।

# अनुसूची

जैसा कि रजिस्ट्रीकृत ऋ०स० 37ई०/6917/84-85 अक्तूबर 1984 को सहायक श्रायकर आयुक्त निरीक्षण अर्जन रेंज पूना के दफ्तर में लिखा गया है।

> आंनल कुमार सक्षम प्राधिकारी, महायक स्नायकार स्रायुक्त (निरीक्षण), अर्जनरेज, पून्य ।

तारीख: 23-4-19**85** 

मोहरः

प्रकृष काइं, टौ. एन. एस. ------

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-व (1) के बधीन सूचना

#### भारत सरकार

# कार्यालय, सहायक आयश्वर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, पूना पूना, दिनांक 23 अप्रैल, 85 जिटेंग संब 378वै/6920/84-85---अत: स

निर्देश सं० 37ईई/6920/84**~85**~~अतः मुझे, **भ**निलं

आयकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसमें इसमें पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा नया है), की भारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विद्यास करने का कारण है, कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उज्जित बाजार मृल्य 1,00,000/~ रा. से अधिक है

और जिन्नी सं० 2010-ए०, गकार बेग रस्ता काम्य पूना पनैदं सं० 7 छटा मंजला है तथा जो पूना में स्थित है (और इस्से उपावड़ अनुसूची में और पूणहप ने विणित है, रिजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के वायलिय, राहायम अर्थप आयुक्त निरीक्षण, अर्थन रेंज में. रिजिस्ट्रीकर्ण अधिनियम, 1908 (1908 सा 16) के अधीन, नारीख अक्तूबर, 1984

(1908 का 16) के अधीन, तारिक अक्तूबर, 1984 की पूर्वीकन सम्पन्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के दश्यमार प्रतिफर्ल के लिए अन्तरित की गई है और मृत्रे कह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वीक्त संपत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके दृश्यमान प्रतिफाल से, एसे दृश्यमान प्रतिफाल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरित (अन्तरितयों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तथ पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्वेषय से उक्त अन्तरण लिखित यो वास्तिक रूप से किया गया है है—

- (क) स्राप्त से हुई किसी नाय की बाबत, उक्त सीधनियम के अधीन कर दोने के अस्मरक के दायित्व में कमी करने या नससे वजने में स्विधा के निष्; बार्/पा
- (क) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों का जिन्हों भारतीय आयकार अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकार अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयाजनार्थ अन्तरिती स्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सूरिक्स के लिए;

अत: अब, उक्त अधिनियम की बारा 269-म के बनुसरण कें, भी, उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपभारा (1) के अधीन, विम्नतिस्थित व्यक्तियों, अर्थात् है—

(1) मैं अस जैन शर्मा बिल्डर्स, 549, गुरूवार पेठ, बंदीवान मास्ती के सामने पूना ।

(भ्रान्तरकः)

(2) श्री फिरोज क्तूकाई कांचवाला, 323, रिववार पेठ, पूना।

(मन्तरिक्षी)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्स सम्पर्हेस्स के अर्थन के लिए कार्यवाहियां करता ह**ु**।

## उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी बाक्षेप रू---

- (क) इस सूचना को राजपत्र में प्रकाशन की तारीश से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, को भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से फिसी व्यक्ति ब्यक्ति ब्वारा;
- (का) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी का से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्द किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के शस लिखित में किए जा सकरें।

स्पष्टीकरण: -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, भो उक्त अधिनियम, के बध्याय 20-क में परिभाषित हु⁵, वहीं अर्थ होगा जो उस बध्याय में दिया गया ह⁶।

### शनसची

जैसा कि रजिस्ट्रीकृत ऋ० 37ईई/6920/84-85, अक्टूबर 84 को सहायन आयक्त आयुक्त तिरीक्षण, अर्जन रेंज पूना के वक्तर में लिखा गया है।

अतिल कमार सक्षम प्राधिकारी महायक धामकर धामुक्त (निरीक्षण) धनन रेंज, पूना

विनोक : 19-3-1985

म्रोहर 🖫

## ध्रम्य प्राप्त_{ः स्र}ीत एकः, एम्र_ीन्यवस्थानस्थ

# कायकार निर्धानमम, 1961 (1961 व्य 43) वर्ष भारा 269-व (1) के नुभीत सूचनः

#### ब्राया सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरक्षिण)

धर्मन रेंज, पूना

पुना, दिनांक 23 धरील, 85

निर्देश सं० 37ईई/9940/84-85---यत: मुझे, श्रानिल

कृमार कायकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परवात 'उक्त अभिनियम' कहा गया हैं), को भारा 269-क के अभीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थानर सम्पत्ति जिसका उजित बाजार मृत्य 1,00,000/- रुत से अधिक हैं

और जिन्ती सं० पर्नेट नं० 3, 'विशाल दर्शन' प्लैट नं० 33 सर्वे नं० (10) (11) और (12) पार्ट माई नगर हि.म व ई (वे) जिना थाना है तथा जो थाना में स्थित है (और इससे उपाबद्ध श्रानुसूची में और पूर्णस्प से विणित है), रिजस्ट्रीवर्ता श्रीधनारी के वार्यालय सहायव श्रायवर श्रायवर निरीक्षण श्रानंत रेंज में, रिजस्ट्रीवरण श्रीधनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रीचीन, नारीख नवम्बर 1984

को पूर्णोक्स सम्मिति के उचित बाजार मून्य है काम के क्ष्यमान प्रतिफल के लिए जन्तरित की गई है और मूफे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्मिन का उचित बाजार मून्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का पंदह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और जंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे जन्तरण के लिए एस पामा गया प्रतिफल कन निम्निलिशत उद्देश्य से उक्त अन्तरण निस्तित में वास्त-विक कम से क्षित महीं किया गया है ह

- (क) बन्दरण सं हुई किसी बाम की बामत उकत बिध-नियम की बमीन कर दोने के अन्त्रक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सविधा के लिए; बॉर/बा
- (क) एकी किसी जाय या किसी भन वा अन्य आस्तिकों को, जिन्हों भारतीय जात-कार लिभिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त लिभिनियम, या भव-कार अभिनियम, या भव-कार अभिनियम, या भव-कार अभिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया भा या किया जाना चाहिए था, कियाने में सुविधा के सिए:

कतः सव, उक्त विधिनियम की भारा 269-ग कें, अनुसरम में, में, उक्त विधिनियम की भारा 269-भ की उपधारा (1) के अधीन, निस्तिचित व्यक्तियों, वधीत :--- (1) त्रिणालं कन्स्ट्रक्शन कंपनी
 37, जवाहर नगर,
 गोरेगाव (च),
 बम्बई-62 ।

(मन्तरक)

(2) के० ए० मंगलोरवाला
35 घाई० एम० मर्चंट रोड़,
"सहीत मन्शत", खडक
बम्बई--9।

(भन्तरिती)

स्त्री बहु सूचना चारी करके शृशीक्त सम्परित के वर्षन के टिनए कार्यवाहियां सूक करता हुं।

जयत सम्परित के वर्षय के सम्बन्ध में कोई भी बाक्षेप्त⇔

- (क) इस स्वा के रावपण में प्रकाशन की तारीक से 45 दिन की जबीच या तत्सम्बन्धी स्मक्तियों वर स्वान की तामील से 30 दिन की सबीच, को भी वर्षीय बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पृत्रोंक्त स्मक्तियों में से किसी स्मक्ति बुवारा;
- (व) इस क्या के रावपण के प्रकाशन की तारीय से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवपुष किसी कम्य व्यक्ति द्वारा सभोहस्ताक्षरी के पार लिखित में किए या सकेंगे।

स्पष्टीकरणः -- इसमें प्रयुक्त सन्दों और पदों का, जो उनत अभिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस सध्याय में दिया गुवा है।

## मन्स्यी

जैसा कि राजिस्ट्रीकृत कः 37ईई/9940/84-85 नवम्बर 84 को सहायक ग्रायकर श्रायुक्त निरीक्षण श्रर्जन रेज, पुना, के दफ्तर से लिखा गया है।

> श्रमिल कमार सक्षम प्राधिकारी सहायक श्राधकार श्राधकार श्राधकार श्राधकार श्राधकार श्राधकार श्राधकार श्राधकार श्री स्वा

तारीख: 23-4-1985

मोहर :

THE WAY OF DO . THE .....

# ारित अधिनियमा, 1961 (1961 का 43) की नाम 69-थ (1) के अधीन स्थया

#### MARINE MARINE

# कामांजय, सहामक जामकर वायुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेत पत

पुना, दिनाक 23 अप्रैल 85

निर्देश म० 37ईई/9911/84-85--यत मझे, ग्रनिल कुमार

नायकार निधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके प्रकाम 'जिल्ल निधिनियम' कहा गया हैं), की भारा 269-ज क अभीन के प्राधिकारी की, यह निश्वास करने का कारण हैं कि स्थान महाणि, जिल्ला विश्वास वाजार मुख्य 1,00,000/- राज्य संजितिक हैं

और जिनकी संस्था पर्नेट न० 7, "विष्याल दर्णन" प्लाट न० 33 वि न० (10) (11) और (12) पार्ट पार्ड नगर ि म, बाई (व) िता तथा है तथा जो थाता में स्थित है (और उ० प्पानट ग्रनसूची से और पूर्णक्य से विणा है), जिल्हा वि ग्रांचित रामिता, रहाय ग्रास्थार ग्रायुक्त निरीक्षण श्राधीन रेड म, रिजर्स्ट्रीकरण ग्राधितम 1908 (1908 व 16) व ग्राधीन, नारीख नवस्वर 1984

- (म) अल्पण में हुई किसी भाव की बास्त, उक्त बीधोमवध के अभीन कर देने के जन्तरक के शामित का कभी करने मा उससे समने में स्िधा में निक्क और/का
- ा तहीं नाम ११ कि ने धन या बन्ध आस्तियी ं नरीं तमनीय आस्तिन अधिनियंश १९३३ त्र ११ वह उपल अधिनियंश, त्रा सनकार श्रीविव्या १६५७ (१९५७ का २७) के व्योजनार्थ १९१० हु। १३० ही रकता मेरा था घर किया कारा सर्वाक्ष भार विवास के स्थाप के विद्या

अत अब उनन अभिनियम की भारा 269-म के अनुसरक में, याँ, रक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपभारा (1) के अधीन, निम्निलियन व्यक्तिसमा, अर्थात् :——

(1) मैं स्थितिकात ज्य्यूकात स्पनी, उ.७. जनात् त्राप, गारमाय (व) बस्बई-७३ ।

(भ्रन्तर ( )

(2) व्हेराली गुनाम हुमन मगनारवाला, 246, निणानपाडा रोड़, क्षाबर मन्णन, खड़क वस्वर्ड ।

(अन्सरिती)

को यह सूचना आरो करके पूर्वक्त अम्पत्ति के कर्जन के लिए कार्यवाहिकां व्यक्त करखा हूं।

वयस सम्बद्धि के अर्थन के सम्बद्ध में कार्य भी नामांप :----

- (क) इस स्थान के राज्यत में प्रकाशन की तारींथ ध 45 विन की नर्तांथ या उत्पानधी ज्यानिन्यों पन स्थान की तामील से 30 दिन की अवधि, वां जी अवधि नाम में सामान होती हों, के भीतर प्रतिस्थ स्थानकों में सिक्सी अधीनस इकारा;
- (क) बस स्वाम के राजधम में प्रकाशन करे तर्गांव । 45 विस को भीतर एकत स्थायर सम्बंध में हिंद बस्य किली महा स्थायन तुनारा, अधोक्षम्नाकारी के याम निवित में किए सा तकोंग।

्रक्षितिकरणः --- असम प्रमुक्तः १ वर्षः कार्यः पदाः काः अस्य उत्तरः अस्य प्रमुक्तः का अध्याय 20-कः में परिभाषित हुँ, शहुः अर्थः (१४६ : - - - - - - - - - १६, ।

#### असम की

जैसा कि रजिस्ट्री के कि 37ईई/9941/84~85 नवस्बर 94 का महाया श्राम र श्रामुक्त तिरीक्षण श्रर्जन रेज पुना के दफ्तर में लिखा है।

> स्रतिल कुमार स्थम प्राधिकारी महायत स्रायक्त सायक्त (निरीक्षण) स्रजैन रेत, पुना

नागीव: 23-4-1985

मोहर 🤢

प्रस्प महि. टा एवं. एसं. ----

नायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-व (1) ४ अधीन ग्चना

#### भारत सरकार

# कार्यालय, सहायक आयकर आवक्त (निरक्षिण)

अर्नेत रेत, पना प्ना, दिना- 23 श्रीः, 85

निर्देश सं० 37ईई/10439/84-85--यत : मझे, म्रनिल कुमार

भागकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पक्षात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा 269-ए के वाधीन सक्षम प्राधिकारा है। यह किल्लाम करक का arm of the water third fairly of and 1,00,000/- रा. से अधिक हैं।

ओर जिसकी तख्या पताट नं 38, वर्षे नं 26 पारण्यर शालीनी, कीथरूड पता- १५ फ्लैट न् ४, वि रा मजता है तथा जो पना में निधन है (और इनमे उनाबद्ध श्रनभूनी में और पूर्णस्य से बिणिड है), रिजस्ही-र्ना ग्रांट के ार्यालय, पहायश स्रायनर स्रायनत तिरीक्षण स्रर्जन रेज मे. रिजस्हीशरण श्रिविद्यम, 1908 (1908 त्र 16) के श्रिवीत, तारीख फरवरी 1985

को पूर्वोक्त सम्परित के उष्णित आकार मृत्य में कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की **गर्ड** कीर प्रझे यह विद्वास

करने का कारण है कि मथापूर्वोक्त सम्मित का उचित बाजार म्ल्य, उत्तके दृष्यमान प्रतिकृत से, एसे दृष्यमान प्रतिकृत का पन्द्रह प्रतिकत से अधिक ही और अंतरक (अंदरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) में बीच एमें अन्तरण के लिए तय गांग गए। परिफल, निम्नसिक्ति उद्देश्य से जनत अन्तरण निश्चत में मान्तरिक मा से वर्णिन पेही दिशा गया है 🛶

> (को जन्तरण से हुई किसी आग को बाबत. हक्त अभिनियम को अभीन का होने के अन्तरक की वासित्य में कमी करने मा उससे बचने में शांबाध। के लिए: और/मा

ं भारता वा रामि या या अन्य अनुसन्धार को, जिल्हे भाग्यांय आयका अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम सा े पार की पन्तियों ब्याम प्रकट महोता हिल्ला गया भा या किया भाग साहिए था स्थित हो यविधा के सिए.

सतः अब उक्त वधिनियम की धारा 269-ग के जनसरण में, में उक्त अधिनियम की धारा 26 - व की उपप्रास (1) के वाधीन, निम्नलिमित व्यक्तियाँ अर्थात ---

(1) मेन्स श्रम् भन्दरपाइजेस उ। उस दिवार शानाना, '**ऋ**तर रे" पाइक हा 471 1

(**\$**4€5€∂)

(2) मा क्षित्र स्टब्स बहिन्द न स्टर् आफ मार्ग एतव पादेखि गान्सा **श्र**माटमेटल् 'বাট ধেও 3, भ्रापंडियतः चालालाः, काथकड 1 82 - 17 P

(श्रन्थरियी)

का बहु सचना जारा करके पर्वाकत सम्पत्ति के अर्जन के लिए शार्ववाहिक भारता है।

न्तरा गम्बरा के अर्जन के मस्बन्ध में काई भी आक्षत :---

- (क) इस स्वना के राज्यक है । कालन की तारीख स - दिं े प्रतिस ए - सम्बद्धी व्यक्तिको पर सुचना का तामान में 30 दिन का अगाध, को भी अविधि बाद य समाल शासी हा, वे भीतर पूज न अवस्थित भाग । असी वर्षा । जाता,
- (स) इस संचना के राजपन ता 'प्याकार वर्ग ताराम स 45 विस हि भीतर बन्न र मा सम्मान मा दिन-बद्द कियों किया कार्य की किया का कार्य पास ग्लाकन सा क्लिश भा समारा।

त्मण्डीकारण :--इसरा राष्ट्री राष्ट्री गाँउ पदी यत सी उपस बीधीनयम के अध्याय 20 क में परिभावित है, वहां वर्ष होता, का उस अध्यार में विया गदा है ।

#### 3' · [ \$4 48 4

जैस ि प्रतिस्टी ा कार 3 ईई/10439/84-85 फ्राइंकी 85 का उड़ाएँ आपता आयुक्त निरीक्षण अजन रेंत्र पता के दफ्तर से जिला गया है।

> अवित रामार नक्षम पाधिः गी न्हाइ: गुक्र**ण ग्राय**क्त (तिरीक्षण) ग्रावीन रेंग पता

नारीख: १५ 1-1985

गोहर :

प्रकार कार्ड . टी. प्र. एक् ु-----

आयकर आंधनियम, 1961 (1961 का 43) की राज 260 सम (1) का अवार श्रुजा

机甘油 知天哪年

कार्यालय , सहायक जायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेज पुना

पूना, दिनांक 23 ग्राप्रैल, 85

निर्देश सं०  $37 \hat{\xi}\hat{\xi}/12705/84 - 85 -$ ्त . मुझे, ग्रानिल कु मार,

अधिकर विधिनियम, 1951 (1997) ना 237 (जिस इसमें इसके पश्चाल 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावन स्थाल जिसका प्रतिन वाजार क्ला 1,00,000/- रहा से अधिक हैं

और जिसकी सुरु प्लाट सुरु 10, पाट नुरु 84 | 5 सुरु नुरु 88/1/5, पूर्वनी प्ला-9 है तथा को पूना में स्थित है (और इसन उपायक अनुपूची ने व्यक्ति न बीणण है), जीतस्ट्रीकर्वा अविकारी क कार्यात्रम, नाम्मक पायकर आयुक्त निरीक्षण, अर्घन रिंग से, जीतन्द्रीकरण अविनियम, 1908 (1908 का 16) क अभीत, नारीक फरवरी 1985

की पूर्वास्त सम्भास्त के उपवन बाकार प्रुप्य र रूप के इश्यमण प्रतिफल के लिए अतिरित की गई है और मूक्ते यह विश्वास अस्य कर कार्या। जिल्ला मूल्य, उसके इश्यमण प्रतिफल से, एसे इश्यमण प्रतिफल का गई इंग्यमण प्रतिफल का गई कलारिती (अन्तरित्यों) के बीच एसे बन्तर्य के निए ६४ पामा गया प्रतिफल, निम्नितियत उब्देश्य से उन्त अन्तरण विश्वास से स्थापण का विश्वास से स्थापण का निष्य स्थापण का निष्य

- १७०) अशर्थ में हुई किसा थान की वाचस, उका सिप्रीम्यम के अभीन कार दोने की अदारक के सामित्य में क्षी करने या उससे वचने में समित्र।

अक्ष: अध. उक्त अधिनियध को धारा 269 म के अनुसरण भी, मी, उक्त अधिनियम को धारा 269 म की उपधारा (1) के अधीन, निम्नर्टिकत अभितायों, अधीत मे— (1) श्री माठे गोडसे1244, मदाशिव पेठ,पूना-30 ।

(अन्तरक)

(2) श्रीमती विदुला ६म० देशपाडे
 19/284, लोकमान्य नगर,
 पुता-30 ।

(ग्रन्तरिती)

का यह सूचना आरों करके पूर्वाक्त सम्पादन का अर्थन के लिए रायनीहिया करता हु।

उक्त सम्पत्ति के वर्षन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप ,---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस है 45 दिन की अनीभ मा तत्संबंभी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर प्रविक्त व्यक्तियों में स किसी व्यक्ति स्वार;
- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारींव से 45 बिन् के भीतर उक्त स्थावर सम्मत्ति में हितबब्ध किसी जन्म परिता प्राता, आपाहस्थानरा के प्रात्म विकास के किस जा सकेंगी।

*पश्चीकरण: --इसम प्रयुक्त शब्दों और पद्मा हा, आ उद्या ऑधितियम, के अध्याय 20-क में परिभाषिद, है, वहीं अध हागा जा उस अभ्याय में दिया गया है।

## अनुसूची

जैसा कि राजस्ट्रीकृत के० 37ईई/12705/84-85 फरवरी 85 को सहायक आयकर आधुक्त अर्जन रेंज, पूना के दफ्तर में लिखा गया है।

> श्रनिल कुमार मक्षम प्राधिकारी सह्यक स्रायकर स्रायुक्त (निरीक्षण) स्रर्जन रेंज, पुना

तारीख: 23-4-1985

भोहर .

प्ररूप आई.टी.एन.एस.-----

# कायकर किंधनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-ख (1) के अभीन सूचना

#### भारत सर्पन्त

भार्यालय सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेज पूना

पूना, दिनाक 23 भ्रप्रैल, 1985

निर्देश स० 37ईई/10264/84-85--- ग्रत मुझे, ग्रानिल कुमार,

भागकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिस इसमें इसके प्रकार 'उन्तर अधिनियम' कहा गया हैं). की चार 269-क के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थापर सम्पंतिस, जिसका उचित बाजार मृस्य 1,00,000/- रुट से अधिक हैं

और जिसकी संख्या रहने का पर्लेट तं 302/ए, तीसरें मजिल पर भी दी है। एस वं 16/भी-2 और 15/भी वेल्सले रोड, पूना-1 है तथा जो पूना में स्थित है (और इसस उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से विणत है), रिजस्ट्री-कर्ता अधिकारी के कार्यालय महागक ग्रायकर आयुक्त निरीक्षण प्रार्जन रेज रिजस्ट्रीकरण श्रिधनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रिधीन, नारीख फरवरी 1985

को पूर्वोक्त संपत्ति के सिलत बाबार मून्य से कम के क्यामान शितकल के लिए अंतरित की गई है जोर मुके यह दिखात करने का कारण है कि अथाप्बॉक्त सम्मित्त का उपित बाबार मून्य उमके स्थ्यमान पित्तमान मा, एमें क्यामान गित्कल का पत्यह शितकत से अधिक हाँ और अन्तरक (अन्तरको) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तब पाया भया शितकत, निम्नतिकत उद्देश्यों से उक्त अन्तरण विकित में बास्तिक क्य से कवित नहीं किया गया है

- (क) जल्लनक में हाई किसी भाग की नामत, अवस् जिमित्यम के जभीन का प्रीने के अन्तरक की वायित्य में कभी करने या तससे वचने में मृतिभा के सिष्ट; अभि/शा

अतः अवं, उक्त अधिनियम की भारा 269-ग के अन्सरण में, मैं, उक्त अधिनियम की भारा 269-भ की उपभारा (1) को अधीन,, निम्नलिखित व्यक्तियों, अभितृ:— (1) भैसमं रोजरा साफिछाद 191, एस० जी० राट कैम्प, पूना—1

(ग्रन्तरक)

(2) श्री मुरली जीउ मायानी आर प्रन्य 8/7, नवजीवन कालोनी मोरी रोड, माहिम बम्बई ।

(ग्रन्तरिती)

को यह स्वना थारी करके प्रान्त गड़ारेन है अपन का कि कार्यवाही शुरू करता हु।

उक्त सम्मित के अवंत के सब्ध म काई भी वाक्षेप .---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीं हैं हैं 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी क्येंक्सियों क्यें सूचना की तामील में 30 दिन की अविधि, जो भी अविध बाद में समाध्य उत्तों है . के भीगर पर्याक्त व्यक्तिया पार्व के किया निर्माण कार्या
- (स) इस मृत्ता क राजा । या ता ता तरी कर से किस के 45 दिन के भीनर उपात कर भशासि का हिस्स बद्ध किसी ज्यादा द्वारा कराया कराया है।

स्पन्ध करिं। --- इसमें प्रजात १००० का धर्म का अन्य १००० का परिभाषिण है अन्य १००० का परिभाषिण है अझी अध्य १००० व १००० का एके

## धनुसु वी

जैसा कि र्राजस्द्रीकृत के० 37ईई/10264/81-85 फरारी 85 को सहायक रायक्तर प्रापुक्त निरीक्षण प्रजीन रेंज पूना के दफ्तर में लिखा गया है।

> श्रीतल कुमार सक्षम प्राधिकारी महायक प्रायक प्रायुक्त (निरीक्षण) प्रार्वन रेज, पूना

तारीखा: 23-4-1985

मोहर 🗓

प्ररूप आई.टी.एन.एस.-----

जायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सुमना

#### भारत सरकार

कार्यात्रम, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, पूना

पूना, दिनाक 24 श्रप्रैल 1985

निर्वेश मं० 37ईई/10347/84-85--- प्रतः मुझे, प्रानिल कुमार,

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

और । जलकी पंख्या प्लाट नं अ, प्लंट नं 35 सर्वे नं 129, प्रायांडल कालानी, कोधना पूना-29 है तथा जो पूना में स्थित है (और इस उनाबद्ध प्रनुसूची म और पूर्ण रूप में विणत है), रिजस्ट्रीकर्ता ग्राधकारी के कार्यालय महायक ग्रायकर ग्रायुक्त निरीक्षण ग्रर्जन रेंज में, रिजस्ट्री-करण ग्राधिनयम, 1908 (1908 का 16) के ग्राधीन, नारीख फरवरी 1985

का पूर्वोक्त सम्पत्ति के डिचित बाजार मृल्य म कम के दश्यमान अतिफल के लिए अन्तिरत की गई है और भूके यह विश्वास करने का कारण है कि यथा पूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से पन्द्रह प्रतिक्षत से अधिक ही और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (पंतिरितिपां) के बीच एमें अन्तरण के लिए तय पाया भ्या प्रतिफल, निम्निलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण निश्चित में वास्तिवक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (स) ऐसी किमी आय या किसी अन या अन्य आस्तियों का, जिन्हों भारतीय आयकार अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) की , िम्हिसित व्यक्तियों, अधित्:—

(1) मैसर्स चोपका प्रोप्राइटर्स, योगका इंजीनियर्स एण्ड कन्ट्रक्टर्स, 1622, सदाणिव पेठ, पूना-30

(अन्तरक)

(2) श्री बी० बी० पाहणकर और ग्रन्य 879/80 बुधवार पेठ, पूना-2

(ग्रन्तरिती)

को यह सूमना जारी करके पूर्वीक्त सम्परित के अर्जन के लिए कार्यवाहिया करता हो।

उक्त संपत्ति के अर्जन के सबंध में कोई भी आक्षंप :--

- (क) इस कुचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 4.5 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबक्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहम्साक्षरी के पास लिखित में किए जा मकंग।

स्पष्टीकरणः - इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

## अनुसूची

जैसा कि रिजिम्हीकृत के० 37ईई/10347/84-85 फरवरी 85 को महायक प्रायकर ख्रायुक्त निरीक्षण धर्जन रेंज पूना के दफ्तर में लिखा गया है।

> ग्रनिल कुमार सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज, पूना

तारीख: 24-4-1985

मोहर:

भक्त अपूर्व को उ

व्यायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269 (1) के लगा मुक्ता

#### WING WAIP

कार्यानय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

श्राप्त रेज, प्ता

पूना, दिनाक 24 अप्रैल 85

निर्देश २० ८७६^{-६}/8876/81-85—शत मुझे, ग्रानिन कुभार

बायकर क्रिमिनयम (९)६१ /१६६१ का 43) (जिस् बस्में इसके परचात 'उक्त अधिनियम' कहा गमा है), को बारा 269-का क जनाम सक्षम पाध्या । ा वह जिल्हाम कारन का कारण है कि स्थाप कारन का कर कारण है कि स्थाप कारन का कर कारण है कि स्थाप कारन की

आर जिसकी पख्या नर्षे 10 101, हिन्सा 10 5 आर 3 कर्ना गांव थारा र नरा जा नार व । नर व । नर व । कर्मा उपावक अन्यूची में जो ए पार्म गण्य है), रिजिट्टी कर्ता प्रतिकारी र स्तित्व सहाप्र सामज्ञ सामज्ञ नाथन्त्री निर्ण अजन्त रेख में, रिजिटीन्स प्रिवित्म, 1908 (1)08 का 16) क प्रवीत, तारोंव निर्मा 1984

का पूर्वाक्त सम्मत्ति के उचित बाजार मूल्य सं कस के खश्यमान प्राप्त र र र

- (क) अन्तरण स हुई किसी जाब की बहुकर, उक्त अधिनियम को अधीप कर दोने को अस्तरक को बाबित्व में अन्ति करने या उत्तस बचन में सुविधा को निए; और/बा
- ात) एसी किसी अभ या किसी दन या अन्य भारित्य।

  क जिल्ला भी किसी के जीवीन के
  (1972 की 17) कि जीवीन के
  स्वरूप्त अर्थान या 1957 (1957 वा 27
  के प्रमाजनार अर्थित किसी काना चाहिए था, छिपाने में
  स्विभा के लिए

जत जब, उवन अधिनियम की धारा 269 ग क अन्यरक मा, माँ, उवन अधिनियम की ग्रारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नोलिक्त व्यक्तियां, व्यक्ति — (1) त्यम शिव को शिवन हेर्र आके, रेमन अञ्चल प्रमान कोर पत्स रुप्पात थांड, धाना

(अन्तरक)

(2) मैगम जीराम जिलास, 25, तथा मुद्र बाडी मान्छाया जावेरा हाउस, बमबई

(उन्मरतो)

का यह मुजन। जारा कारक प्रांका सम्पन्ति के अर्जन की जिल

उत्तर मेंग्रीहर के कहर है। केश्री के काई, मी मिल्ल -

- शक्त इस सूचना क राजपत्र म प्रकाशन का ताराम स 45 दिन की अनिध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियां पर सचना की तामी न न । दिन का अनिध, भाभी अनी न नाद का निस्त का स्वाप्त का प्रतिस्था गाँ । वें प्रतिस्था का स्वाप्त का
- (ख) इस मूचना व. राजपन म ।।।यान चौ ताराख रा 45 दिन भ भानार उक्षार रना ।।यान २ ।०० बद्ध किसी अच्य न्यां क्रिकार राहरणाला पास १०१४० स १००० व

स्पण्टीकरण --- इसमा प्रयुक्त शब्दा और पदा का, जा उक्त । रान्यम, । । । । । । । । र प्राप्त है

#### ग्रन्मनी

जैसा वि रिजम्ट्रीकृत २० 37ईई/8876/84-85 सिनम्बर 84 को सहायक श्रायसर श्रीपृक्त निरीक्षण प्रजन रज पूना क दक्तर म तिया गया है।

> श्रतिल चुमार सक्षम प्राविकारी सहायक श्रायकर श्रावृत्त (तिरीक्षण) (श्रर्जन रज, पूना)

तारीषः 24-4-1985 **माह**र **प्रकार शार**े, डी जून , गुर्स , प्रकार कर र

नायकर निधनियम, 1961 (1961 का 43) सी धारा 269-घ (1) के अधीन स्चना

#### शारक सरकार

बार्वास्य, स्कायक आयकर आयक्त (निरीक्षण)

ग्रर्जन रेज, पूना

पुना, दिनाया 24 अप्रैल 1985

निर्देश सं० 37ईई/6935/84-85---यतः मझे, प्रनिल कुमार,

अभ्यक्तर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिस्से इक्सों **अ्थकं प**रवात् 'स्कत अर्धि' उमम' क**क्षा पमा ह**ै), अर्थी भा**र**ा 269- ब के गणीन, सक्तम प्राधिकारों को, यह विक्वास करने का कारण है कि स्थापर सुम्बस्ति, थितका उपित वामार मुख्य 1,00,000 ∕- रु. से अभिक हैं।

श्रीर जिसकी संख्या प्लाट नं० 5 ए०/ए० 3 नवा स्जाता, की-ग्रापरेटिव हाउरिंग सोसायटी तिल बन्ड गार्डस रीड पुना-- । है तथा ारे पूना में स्थित है (शार इपमे उपायद्व अनुसूची। में और पूर्णकप से वर्णित है), रिजिस्ट्रीकतो अधिकारी के कार्याजय, बहासक भाष*्र* प्राप्यक निरक्षण क्रर्जन रेज में, र्याबस्ट्रीकरण ऋषिवियम, 1908 (1908 दर 16) के श्रधीन, तारीख अन्द्वर 1984

का पूर्विक्त सम्पत्सि के उपित राजार मृत्य है कम के स्थामान विकास के निष् भन्दिया की पक्ष है और मूर्स प्र निक्यस्य सप्ते का स्वरण ही कि नवत्रकांक्त संगीति की जीवत समार म्ल्य , रासकं अपगान गौरफा में एसे दरवाना परिष्टा का पह अरिकार स अधिक है और अन्तरक (बनरका) बार अस्तरिको (अन्बरिकिया) के कीच राज जा ११० की रिकार अप पाना स्था क्षीकामानः, रेमानारी नेपासः । अध्यापसः सं अवसः प्रान्तपादः (निर्माणकः ी बाल्लाविक रूप सं काधित लड़ी किया नवा है :---

- ्रिक) क्**न्यपम् से हुई कि**सी माम की वासस उन्ह विभिन्नम के अभीन कर योगे के सम्बद्धा के दामित्व में कमी करने या उससे बचने मी सुविधा के लिए; बहु/४१
- **क्ष्म) एरेनी किसी आ**ख या किसी। धर ३। अन्य काहिन्या ा, जिल्हा नह को से आसा नाम जी बोबवाम 👍 📑 (1922 का 📳 श उक्त नीक्षीतया, ६, जन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोखनाथं अन्तरिती ब्वारा प्रकट नहीं किया नया था वा किया जाना चाहिए था कियाने में सुविधा वी विषय्;

तन अब , उनल अधिनिजय की बारा १६9 न के अनुसर्ण **बी. मैं उक्त विभिन्यम** को भारा 269-व की उपापन 🕕 कं वाक्षीर : 'कार-नावांकल व विकास , मधाव - -

- (1) খাং আত তাত নাৱ 5 mo/mo 3, नवा स्ताना को-आपंतरब हाउसिय मोसायर्टा विमिटेय, अन्ड गार्डस राइ, 7.77-- 1 (अन्तरक)
  - (2) श्री इस्मायल पाहेबद्दान मुलजी और अन्य, बॉ-12 विजय अपार्टभेटम, पैट्रांल पंप नजदांक । (श्रन्तरिती)

का मह सूचना बारों करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के वर्षन के सिप वागर्यवारिका ४,६ वास्ता 🕻 ।

इक्क सुक्षकित के अवस्य के सम्बन्ध में कोई भी जाना :--

- (क) इस सूचना कं धक्कान में तकायन की ताडींस सं 45 विम को क्याँच या शरहम्बन्धी क्याँ शरर क्षरा की राषील है 30 दिन की अवधि, जो भी मका व नाद में पाला कोती हा, के भीतर प्यासिए व्यक्तिसको में है जिली काविस बुवास;
- ्बा) इस सामगा के शासाम व गासाम की तारीय स 45 दिन के भीतार उन्हें त्यावर सकारित में दितनहम किली बन्ध व्यक्ति स्थारा अधारताभारों के वास इंक्स्प्रकृति राज्या भारतासी है।

स्परम्भित्रका:--इसम् प्रथमस मध्यों गौर पर्या का, जो उन्त जिभिनियम, के अभ्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं कथ द्वारेगा जो उस अध्यास में दिशा गया है ।

# असम्बर्ग

जैसा कि रजिस्ट्रोकृत क॰ 37ईई/6935/84-85 ग्रक्ट्वर 84 को सहायक ग्रायकर ग्रायकत निरीक्षण ग्रर्जन रेज पुना के दगनर में लिखा गया है।

> श्रतिल कुमार अक्षम अधिकारी महायक ग्रायकर भ्राक्कत (निरोक्षण) अर्जन रंज, पूना

तारीख: 24-4-1985

मोहरा :

प्ररूप आई.टी.एन.एस.-----

_____

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की पारा 269-म (1) के अधीन सुचना

#### भारत सरकार

# कार्यालय, सहायक बायकर वाय्क्त (निरीक्षण)

श्रर्जन रेंज, पूना

पूना, दिनाक 24 अप्रैल 1985

निर्देश म० 37ईई/6448/84-85---थन: मुझे, श्रानिल कुमार,

ग्रौर जिसकी संख्या प्रेमलोक पार्क, प्लाट न० 5, बिल्डिंग न० 65, प्लाट नं० 65, ए० टाईप चिचवड, अकुर्डी रोड, पूना—33 है तथा जो पूना में स्थित है (ग्रौर इग उपाबद्ध अनुसूची मे ग्रौर पूर्णव्य ने विजित है), रिजस्ट्री हर्ती अधिकारी के कार्यालय नहांसक प्रायक्तर ग्रायुक्त निर्शक्षण अर्जन रेज, में रिजस्ट्रीकरण ग्रिधिनयम, 1908 (1908 वा 16) के अधीन, नारीख नितम्बर 1984

को पूर्वावत संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के खरमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करन का फारण है कि मथापर्कावत सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल सं, एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत स अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिति (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए हम पामा गया प्रतिफल, निम्नीसिक उच्चोध्य से उन्तर अन्तरच नेअधित में श्रामिक क्ष्म से कवित नहीं किया गया है:——

- (क) अन्तरण से **हुई किसी ज़ाय की बाबत, उक्त** आधिनायम के अभीन कर दोश के अप्तरक औ राहित्य में कामी कारने या उससे वकते से महित्या भागा भी का
- (क) स्मा किसी अन्य या किसी धन या अन्य आस्तियों का, जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1912 (1922 का ११) या उल्ला अधिनियम, 1912 वर्ण अधिनियम, 20 अन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) हे प्रयोजनार्थ अन्तरिती स्वारा प्रकट नहीं किया गया या वर्ष किया जाना चाहिए था, कियाने में परिचया की निकर.

अत: अय. उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, भैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-श की उपधारा (१) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात:—

(1) अरवन लान्ड श्रीर हाउँ-मिंग पा० लि०, निरकार, पहला मेजला,
 1133/5, एफ० सी० राड, शिवाजी नगर,
 पूना-16 ।

(अन्तरक)

(2) श्री वी. पी० श्रोधरन भेयर श्राफ धर्माक्य प्रा० लि०, हीट रिकब्हरी डिबीजन, चिचबड पुना-19।

(ग्रन्तरिती)

को मह मुचना जारी कारके प्रशासन सर्पात के अवध्य के अवध्य कार्यवाहिया शुरू करता हो।

अक्त संपरित के अर्थन के सर्वंभ में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की बनिभ या तस्त्रंबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तानील में 30 दिन की अविध, जो भी बनिध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पर्वक्ति व्यक्तियों में में किसी व्यक्ति प्रवास
- (क) इस मूचना के राजपक मा प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति मा हितबद्ध किसी जन्य व्यक्ति द्वारा अभोहस्ताक्षरी के पास किसीस में किए या ककांधे

स्पब्दोकरण — इसमें प्रयुक्त क्षस्वा और पदो का, को उक्क अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही कर्थ होगा जो उक अध्याय में दिया इया हैं।

#### वनस्थी

बैसा कि रिजम्ट्रीमृत क० 37ईटी/6443/84-85 सितम्बर 84 को महायक ग्रायहर खायुक्त निरीक्षण ग्रर्जन रेंज पूना के दक्तर में लिखा गया है।

> श्रनिल कुमार सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायक्त (निरीक्षण), श्रर्जन रेंज, पूना

तारीख: 24-4-1985

भाष्ट्रर 🖫

प्ररूप बार्ड . टी . एन . एस . ------

बायकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-भ (1) के अभीन सुभना

## भारत सरकार

कार्यालय, महायक जायकर जायक (निरक्षिण) अर्जन रेंज, पूना पूना, दिनांक 24 अप्रैल 85

मत्यकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिले इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की भारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थायर सम्परित, विसका उपित बाजार मृत्य 1,00,000/- रा. से अधिक है

ग्रीर जिसकी संख्या प्लाट नं० 4, हैंडे पार्क, सर्वे न० 106 2 ए०/11, सब प्लाट नं० 4 ग्रीर 5 चतृष्वंगी काम्बुरडा, पूना—16 है तथा जो पूना में स्थित है (श्रीर इससे उपावड़ अनुसूची में ग्रीर पूर्णकर से वर्णित है), रिजस्ट्रीकर्ना श्रीधकारी के कार्यालग, सहायक श्रायकर श्रायक्त निरीक्षण अर्जन रेंज यें, रिजस्ट्रीकरण श्रीधनियम, 1908 (1808 का 16) के श्रीचन, तारीख नवम्बर 85

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उषित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुफ्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपरित का उषित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल सं, एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रष्ट प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अंतरितियों) के बीच एसे बंतरण के लिए तब पाया यया प्रतिफल, निम्नोंसित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिवक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी बाय की बायत उक्त अभिनियम के अधीन कर याने के बन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के निए; बार/मा
- (ग) गमी िह ही आय या किसी धन या बन्य, जास्तियों की जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिसी द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में मुनिधा के निए।

अतः अव, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अगुसरण कों, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-गे की उपधारा (1) के अधीन, निम्नसिखित व्यक्तियुक्कें, अर्थात् ः (1) श्री कृष्णाराय एस० कुलकर्णी,
 4, मुगंधर हाउसिंग सोशायटो,
 233 बी०4/1, पर्वेती,
 पना--9

(भ्रन्त रक)

(2) श्री मुहास ग्रार० वर्षे ग्रीर भ्रन्य, केयर ग्राफ श्री के० एन० देमाई, 759/118 ए०, डक्कन जिमखाना पुना-4

(ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के वर्जन के लिए सम्प्रीत करता हैं।

उक्त सम्पत्ति को अर्जन को सम्बन्ध में कोई भी बाक्षेप हुनन

- (क) इस सुचना के राजपण में प्रकाशन की तारील स 45 दिन की अविधि या तरसम्बन्धी व्यक्तियों पर सुजना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो : अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतार पृथिक व्यक्तियों में में किसी क्यक्ति द्वारा.
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक्ष स 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपरित में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा जधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरणः इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, को उक्त विभानियम, के अध्याम 20-क में परिभावित हैं, यही अर्थ होंगा को उस अध्याम में दिया। गया है।

जैसा कि रजिस्ट्रीकृत ऋ० 37ईई/7520/84-85 नवम्त्रर 84 को सहायक भ्रायकर भ्रायुक्त निरीक्षण धर्जन रेंज पुना के दफ्तर में लिखा गया है।

> प्रतिल कुमार . सक्षम प्राधिकारी महायक आयक्षर आयुक्त (निरोक्षण) धर्जन रेंज, पूना

सारीख: 24-4-198**5** 

मोहर :

8---86GI]85

## श्रुक्त प्राह्म" .टी. एवं .एस 🖯

# मानकर विभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भाड़ा 269-व (1) व्ये वभीन स्थाना

#### HISTO SHAFE

कार्याक्रयः, सहायक कायकर जाव्यक्त (निर्देशक)

म्पर्जन रेंज, पुना पूना; दिनांक 24 ग्रप्रैल, 85 निर्देश सं० डिफैन्स 37ईई/2017/83-84--- ग्रत: मुझे,

श्रनिल कुमार,

शायकर विभिन्तियम, 1961 (1961 का 43) (विसे इसमें इसके परचात् 'उक्त बीधनियम' कहा गया है), की धारा 269- के अधीन सक्षम प्राधिकारी की यह विकास करने का **कारण है कि स्थायर संपरित्र, जिसका** उत्तित बाजार भाव 1,00,000/- रत. से अधिक है

श्रीर जिसकी संख्या फ्लैंट नं० डी०-- 5, श्रशोका को-श्रापरेटिव हाउसिंग सोसायटी, सी० टी० एम० 3/1, और 3 (पार्ट) नायलार 'रोड़, (क्षेत्रफल 1000 चौ० फूट) पूना है तथा जो पूना में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में भ्रौर पूर्णरूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता भ्रधिकारी के कार्यालय, सहायक श्रायकर श्रायकत निरीक्षण श्रर्जन रेंज में, रजिस्द्रीनरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन. तारीख मार्च, 1985

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के धर्यमान प्रीचफल के लिए , अस्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके क्षममान प्रतिकत से, एसे क्षप्रधान प्रतिकत क पन्द्रह प्रतिशत से अभिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियाँ) के बीच एसे अन्तरण के लिए तथ पाया गया प्रतिफल, निम्निविवित उद्दोष्य से उक्त अन्तरण निसित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की नावस, उट ह जिमियम के अभीन कर दोने के अन्तरक के वायिए में कभी करने या उससे बचने में सुविधा को मिए; बीर/या
  - (क) ऐसी किसी आगया किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आय-कर अभिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-**कर अभिनियम, 1957 (1957 का 27)** के प्रबोजनार्थ बन्सरिती दुवारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, जियान में **श्रुविधा के जिए**

अत: अव, उर्व त अधिनियम की धारा 269-व के अनुसरण में. 🔧, उक्त अधिनियमं की भाषा 269-व की उपभारा (1) क अभीत, निम्नीलिखत व्यक्तिकों, अर्थात्---

(1) श्रीमती सीता जै० केमवानी ग्रोर ग्रन्य, 3 मुजाबर ऋपार्टमेंटस्, प्लाट नं० 473, गुलदेकडी. पुनाभ1

(अन्तरक)

(2) श्री भने।हर होलाराम मखिजा. 174, महात्मा गांधी रोड, पुना-1

(अन्तरिती)

को यह स्थाना बारी करकी प्रावेशन सम्परित को अर्थन को बिह्य कार्यवाहियां शरू करता हां।

उभत सम्पत्ति के बर्धन के सम्बन्ध के कार्रा भी कार्यण :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तार्यीख से 4.5 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियाँ पर स्चना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होशी हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तिकों में में किसी व्यक्ति इजारा;
- (स) इस स्थान के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस सं 45 विन को भीतर उक्त स्थानर संपत्ति में हिसाबद्ध किसी अन्य व्यक्ति ववारा अभोहस्ताक्षरो के शस लिखित में किए जा सकों गे।

स्पष्टीकरणः--इसमें प्रयुक्त शुक्यों और पदों का, भां उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में यथा परि-भाषित हों, बही नर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गमा है।

## अनुसूची

जैसा कि रजिस्ट्रीकृत कः 37ईई/2017/83-84 मार्च 85 को सहायक आयकर आयुक्त निरीक्षण अर्जन रेंज पूना के दफ्तर में लिखा गया है।

> 🍶 श्रनिल कुमार सक्षम प्राधिकारी महायक आयवार आय्वत (निरीक्षण) अर्जन रेन, पुना

तारीख: 24-4-1985

महिर 🕄

प्रसम्ब बाह्री, टी. एन्. एस., ----

नायकर निभिनित्रम, 1961 (1961 का 43) की बारा 269-व (1) के नगीन स्थान

#### HISE CHAIN

कार्यालय, सहायक वायकर आयुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, पूना

पूना, दिनांक 25 श्रप्रैल 1985

निदेश सं० 37ईई/10518/84-85--श्रृतः मुझै, श्रनिल कुमार,

नायकर निधितियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसमें वस्ताध् 'उन्त अधितियम' कहा गवा हैं), की धाक 269 से ने जधीन सक्तम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थायर उंचतिए, जिसका उचित वाजार गृल्य 1,00,000/- रु. से अधिक हैं

और जिसकी सं० प्लाह नं० 9, 3री मंजिल सी० टी० एम० नं० 257/258, एरडंबणा, पूना-4 है तथा जी पूना सें स्थित है और इससें उपाद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से विणत है) रिजस्ट्रीमर्नी श्रीत्वारी के नार्याक्य प्राप्त श्रायमर श्रायुक्त श्राज्ञ के रिजस्ट्रीकरण श्रीधिन्यम 1908 (1908 का 16) के श्रीधीन नारीख फरवरी 1985

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के क्रममान प्रतिपाल के लिए अन्तरित की गृह है और मृत्रों यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके दश्यमान प्रतिपाल से एसे क्रयमान प्रतिपाल का पन्तह प्रतिचात से अभिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिपाल, निम्नलिकित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में अस्तिवक क्रय से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी जाग की बाबत, उक्त अभिनियम के जभीन कर बोने के अन्तरक कें शायिस्य में अभी अपने या अवने बचने में ब्रॉडिश: फो सिष्ट; और/सा
- (क्ष) ऐसी किसी जाय या किसी भन या अन्य आस्तियों को जिन्ही भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) को प्रयोजनार्थ अन्तिरिती व्यारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, खिपाने में स्रोधशा को निए;

्रे मतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) के अधीन, निम्मलिखित व्यक्तियों, अर्थात् ६--- (1) श्री एम० श्रार० जोणी पार्टनर मैसर्स ओम जिल्डर्स, 43/4, एरण्डवणा, पूना-4

(भ्रन्तरक)

(2) श्रीमती एच० ए० दीवान संजीवन हास्पिटल, कर्वे रोड़, पुना -4

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना खारी करके पूर्वोक्स सम्पत्ति के अर्थन को लिए कार्यनाहियां सूरू करता हुं।

उन्त सम्पत्ति के अर्थन के सम्बन्ध में कोई भी वाक्षेप :---

- (क) इस मुचना के राजपण में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की जबिंध या तत्संबंधी व्यक्तियों वर् सूजना की दामील से 30 दिन की सुबंधि, जो भी जबिंध नाव में समाप्त होती हो, के भीसर पूर्वीक्य व्यक्तियों में से किसी अनित बुवारा;
- (क) दस स्पान के राज्यत में प्रकादम की ताड़ीय से 45 विन के भीतर जनत स्थानर सम्परित में हित-बहुध किसी नम्य व्यक्तित स्थारा, अधोहस्ताक्षरी में पास निवित में किए वा संबंधि ।

स्वक्तीक रण:---इसमें प्रयुक्त शक्तों और पदों का, जो उच्छ बिध-निसंस के सम्बाय 20-क में परिभाषित हूं, वहाँ अर्थ डांगा, जो उस अभ्याय में दिया ग्राप्ट है।

# अभूसूची

जैभा हि रिजिस्ट्रीकृत सं० 37**६६**/10518/84--85 फरवरी 1985 को महायक आयहर ग्रायुक्त निरीक्षण ग्रर्जन रेंज पूना के दफ्तर सें लिखा गया है।

> श्रनिल कुमार सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, पूना

दिनां र 25-4-1985

मोहर :

प्ररूप बाइर्. दी. एन. एस. -----

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-च (1) के अधीन सुचना

#### भारत सरकार

कार्यालय, महायक वायकर वाय्वत (निडीक्षण) भर्जन रेंज, पूना

पूना दिना । 25 ग्रप्रैल 1985

निदेग म० 37ईई/1046/84-185 --- ग्रन मुझे, भ्रतिल कुमार,

कायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिस इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हो), अर्थ धारा 269-थ के कधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थायर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रा. से अधिक है

और जिसकी स० बी-12 हरमस नगम्पनेषा एफ० पी० न० 203. सर्वे न० 349 और 349/ए भाग वंगा न० ६, डारफर रोड, पूना है, तथा जा पूना में स्थित है (ऑग इसने उपाबद श्रृनुस्ती में अरिपूर्ण मग से विणित है) रिजस्ट्री-सर्वाश्रिक्ष में रिजर्स से स्थाप स्थाप स्थाप स्थाप स्थाप श्रिक्ष श्रृजेन रेग, में रिजर्ट्री-सर्थण श्रिक्षिम 1908 (1908 का 16) के श्रिधीन तारीख फरवरी 1985

को पूर्विक्त सम्पत्ति को उष्यत बाजार मूल्य शं कम के स्थमान क्रिनम् के निए अन्तरित की गई है और मूमं यह विश्वास करने कर कारण है कि यथाप्योंकन सम्पत्ति का उज्जिन बाजार मूल्य, शक्षके स्थमान प्रतिफल सं, एमें स्थमान प्रतिफल का पंत्रह प्रतिश्वत से अधिकं है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरिशिया) के बीच एसे अन्तरण के निए तय पात्रा गया प्रतिफन, निम्निनिस्त उद्यक्षेत्रों से उद्यन अन्तरण निस्तित में बास्तिक स्प से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण में हुन्दं फिली आब की बाबत, उक्क अधिनियम के अधीन कर दोन के अन्तरक के वामित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए, मीर/या
- (भ) लमी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों की, जिन्हों भारतीय आयकार अधिनियम, 1922 पाएट का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयाजनार्थ अन्तिरती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, कियाने में सविधा के निए,

मत: सब, उस्त अधिनियम की धारा 269-भ के अनुसरण मं, मं, उक्त अधिनियम की धारा 269-भ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नुनिवित व्यक्तियों, अधिन :--- मैससं हरमन एजेन्सीज
 93, फैमिली हाऊम,
 जे० जे० रोड़, अम्बई-14

(अन्नरः)

(2) श्री रामचन्द्र भ्रात्माराम और ग्रन्य फेडर रोड़, 22 दोप बिल्डिंग, बम्ब€-26

(ग्रन्थरिती)

की यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहिया शरू करता हु।

उत्तत समार्ग न के अर्जन के संबंध मा काई भी वाक्षण ---

- (क) इस स्थान के राजपत्र में प्रकाशन की तारांख से 45 दिन की अन्धि या तत्मम्बन्धी व्यक्तिया पर सुजना की तामील में 30 दिन की अन्धि, जा भी अन्धि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोंकत क्यम्तियों में स किसी व्यक्ति ह्वारा,
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस री 45 दिन के भीतर उपन न्यावर एम्पान की हिनबद्व फिसी अन्य व्यक्ति द्वार अधाहण्ताक्षण के पत्थ निस्ति में किए जा सकींगी।

स्वव्योकरण : -- इसमें प्रयुक्त कब्दा और पदों का, जा उक्त अधिनियम के अन्याय 20-क म परिशापित हैं, वहीं अर्थ हाया को उस अध्याय मा दिया गया है।

## मन्स्यी

जैसा कि 'जिस्ट्रीकृत स० 37ईई/10461/84-85 फरवरी 1985 का नहायक श्रायनार श्राप्यत निरीक्षण शर्जन रेज पूना के दपतर से लिखा गया है।

> ग्रनित हुमार सक्षम प्रा**थक खै** सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रजैस रेज, पूना

विनोक 25-4-1985 मोहर : NEW WIE CT. QT. QU. ----

पहिल्लेर अधिनियस, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-ण (1) के अभीत स्पना

घारत सरकार

कार्याज्य, सहायक नायकर आयुक्त (निरक्षिण)

श्रर्जन रेज, पूना 🕟

पूना, दिनाक 25 मधैन 1985

निदेश स० 37ईई/10157/84-85--श्रतः मुझे। श्रनिल कुमार,

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा 269-इस के अधीन मक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने कर कारण है कि स्थावर संपीत्त जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/-रा. में अधिक है

और जिनकी स० सर्वे त० 199, दिग्मा त० 1, 2, 3, 4, 5ए, 5वो, 5मी, 6, 7, और 8, भर्वे तं० 204, हिम्सा तं० 1, 2ए, 4, 3ए, एस० त० 205 तर्वे त० 206, हिम्सा तं० 1, सर्वे त० 209, हिम्सा त० 1 लाह्गाय है तथा जा लोहगाव में स्थित हैं (और इभम जानद अनुसूत्री से और भूर्ण रूप से वर्णित हैं) रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के वार्यालय नहायक आयगर आयुक्त मर्जन रेव, में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख फरवरी 1985

को पूर्वोयत संपरित के लिक् बाजार शृत्य सं कम के सम्बाह श्रीक्षण के लिए बन्हिरत की गई हैं और मुर्के वह विश्वास करने का कारण हैं कि यभाग्वित्त सम्परित का लिक्त बाजार ब्रूच, उसके स्थमान प्रतिकत सं, एसे स्थमान प्रतिकत का पदाह प्रतिकात सं अधिक हैं और बन्तरक (अन्तरकों) और अलिरती (अन्तरिदियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पावा गया प्रतिकत के न निम्नितिसत उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्त-

- (क) बन्तरण थं हुई किसी काम की बावत, इक्क विभिनियम के बर्धान कर दमें के बन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के सिए; बार्डि/या
- (क) एसी किसी बार या किसी धन या बन्य आस्तियां का, जिन्हों भारतीय आयक्तर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) क प्रयाजनाथ अन्तिरिती इवारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना जाहिए था खियाने में सुविधा के लिए;

कतः वन, देवतं व्योजनियम की पारा 269-म के अनुसरक म, में, उक्त कीधनियम की पारा 269-च की उपधारा (1) के अधीन, निम्निसिस व्योक्तयों, अर्थात् ॥— (।) भेरा रिश्तर्ट आ० जि० 8/352, बोर मनब रोड़, पूनाचा।

(भ्रन्भरक)

(2) विग कमाङर पारकर प्रेमकुमार, केयं/श्राफ श्री वी० के० नाय, 36सी/H, ग्राई० ए० सी० वालोनी, इलीना, वस्वई-29

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हो।

उक्त सम्पत्ति को अर्थन को सम्बन्ध को काई भी आक्षेप :---

- (क) इस स्थान के राजपण में प्रकाशन की तारीक से 45 दिन की अविध मा तत्संबंधी अधितायों पर स्थान की तासील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध नाय में समाप्त होती हो, के भीतर पृथींक्स क्षीं लियों में से किसी व्यक्ति स्वार,
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक से. 45 दिन के भीतर अक्स स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किमी अन्य व्यक्ति ध्वार अधाक्तिताकरी के पास लिक्स में किए जा स्केंगे।

रपष्टीकरणः - इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्वों का, जो उकत निधिनयम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

#### मन्यू परि

जैमा कि रजिन्द्रीयून म० 37ईई/10157/84-85 फरवरी 1985 का हामा ग्राम्यार श्रायुक्त निरीक्षण अर्जन रेज, पूरा के दफ्तर में किखा गया है।

> श्रीतन नुमार सक्षम श्राधिकारी, महायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण), श्रुजैन रेज-1, पूना

तारीख ' 25-4-1985 मोहर ः प्रस्य बाह् . टी. एन. एस . -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूधना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, पूना

पूना, दिनाक 25 अपैन 1985

निदेश स० 37ईई/9735/84-85---श्रनः मुझे, श्रैनिज कुमार

कावकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परफाद् 'उमत अधिनियम' कहा गया हैं), की भारा 269-क के अधीन सक्षम प्राधिकारी की यह विश्वास करने का कारण है कि स्थायर कम्पत्ति, जिसका उचित वाजार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक हैं

और जिन्न ही संव हार्जे नं ० 2 284/1, प्लाप्ट नं ० 10 चिचवड प्रान-30 है तथा जो पूना में स्थित है (और इसमें उपाबद्ध अनुसूची से और पूर्ण क्य संविधित है) रिजिस्ट्रीकर्ता श्रिधशारी के कार्याप्य महाय इस्रायक्षत श्रायक्षत श्रीकर में रिजिस्ट्री-स्राय श्रीवियम 1908 (1908 का 16) के श्रीवीन तारीख जनवरी 1985

को प्रेंकित सम्पत्ति के उपित बाजार मृत्य से कम के स्वामान प्रतिपाल के लिए अन्तरित की गई हैं और मृभे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वीक्त सम्पत्ति को उपित बाजार मृत्य, उसके स्वयमान प्रतिपाल से, एसे स्वयमान प्रतिपाल का पन्द्रह प्रतिपाल से अधिक है और अन्तरक (बन्तरको) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिपाल, निम्नलिखित उद्विषय से उसत अन्तरण लिखित में बास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) बन्तरण से हुई किसी बाय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायिला में कमी करने या उससे बचने में मृविधा के लिए; और/या
- (ख) एंसी किसी बाय या किसी धन या अन्य बास्तियां को, जिन्हूं भारतीय बायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तिरती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिमान में सुविधा के लिए;

कर: मभ, उक्त जीवनियम की भारा 269-ण के बनुसरण मों, मों, उक्त मीधनियम की भारा 269-ध की उपज्ञार (1) के सभीन, निम्मीलीबरा व्यक्तियों, सभीतु:---- (1) श्री गजानन दामोदर गरेड, सहस्त्र विल्डिंग, लैंले झाली, विनायक प्रिंटिग प्रेंस, तिलक चौक, कल्याण।

(भ्रन्तरक)

(2) मैसर्स कुलरुणी और कुलरुणी
2153, सदासिवपेठ,
विजयनगर कालोनी, पूना-30

(भ्रन्तरिती)

का यह सूचना जारी करके पूर्वोक्स सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्ववाहियों करता हुं।

उन्नत सम्मरित के अर्थन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राज्यत्र में प्रकाशन की तारीक से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उसत स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्वक्तीकरणः — इसमें प्रमुक्त शब्दों और पदो का, जो उक्त अभिनिधम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, बही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

## अपूर्वी

जैरा कि रजिस्ट्रोहन मं० 37ईई/9735/84-85 जनगरी 1985 को महायक अध्यक्तर सायुष्टत निरीक्षण अर्जन रेंक पूना के दफ्तर मानिखा गया है।

> श्रीतल कुमार सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, पूना

दिनॉक ः, 25,-4-1985

सहर 🖫

Amt Sigt 27. 194 . 194 . ---

# भावकार अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-म (1) को सभीन सुकता

#### भारत सरकार

# कार्यालय, सहाबक बायकर बायुक्स (निर्धाक्त)

अर्जन रेंज, पूना

पुना, दिनांक 25 अप्रैल, 1985

निर्देश सं० 37ईई/11611/84-85---अत: मुझे, अनिल कुमार,

बाबकार मिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इस्के बहुनात 'उन्त अधिनियम' कहा नया हैं), की भारा 269-ब के नभीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 1,00,000/- रूट. से विधिक हैं

ग्रीर जिसकी सं० ष्लाट नं० 1, बी—1 बिल्डींग चितामणनगर सर्वे नं० 128/1, श्रीर पूना—7 (क्षेत्रफल 535 चौ फुट) है तथा जो पूना से स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद अनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से बर्णित है) रिजस्ट्रीकता अधिकारी के कागोलय सहायक आयकर आयुक्त अर्जन रेंज में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीत तारीख फरवरी 1985

को पूर्णेक्स सम्मिति के सिंपत बाजार मृत्य से कम के स्वयमान प्रतिफल के सिए अन्तरित की गई और मूफे यह निश्वास करने का कारण है कि यथा-पूर्वेक्स सम्पत्ति का उजिल बाजार मृत्य, उसके दश्यमान प्रति-फल से, एते दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिश्वत से अधिक हे और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियाँ) के बीच एसे अंतरण के सिए तय पावा ज्या प्रतिफल निकासिक्स उद्वेश्य से उक्क अंतरण लिक्सि में बाल्तिक रूप से किथत नहीं पावा गया है है—

- (क) बन्तरण से हुए किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियस के अधीन कर देने के अन्तरक के दावित्व में कबी कड़ने या उससे बचने में स्विधा से दिख; बाह/बा
- (थ) ऐसी किसी जाय या किसी घन या बन्य आस्तियों की, विक् भाइतीय बावकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या बद-सर विविध्यम, 1957 (1957 का 27) के प्रवोचनार्थ अस्तिहिती व्याद्ध प्रकट नहीं किया गया था वा किया बाना वाहिए था, कियाने में सुनिधा ध्यांस्थ.

क्लक थव, उपस विधित्तियम की धारा 269-ग के अनुसर्थ भी, भी, उपरा विधितियम की धारा 269-थ की उपधारा (1) के अधीन, निम्निलिसित व्यक्तियों, अर्थात् :--- (1) श्री निखिल एन्टरप्राइजेस 14, धम्बई पृना रोड, बजाज श्रंटा शोरूम के पास घाकडेवाडी, शिवाजीनगर, पृना :

(ग्रन्तरक)

(2) श्री आर० जी० देसाई श्रीर अन्य 217, श्रीछगांव, टाटा कैम्प, पूना-7

(भन्तरित)

की यह स्थान जारी करके पूर्वाक्त सम्बंधित के अर्थन के विक् कार्यवाहियां सुरू करता हुं।

उन्स सम्पत्ति को अर्जन को संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोदर व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (का) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास कि तिक्ति में किए जा सकत्यो।

स्पव्यक्तिकरण .—इसमे प्रयुक्त गव्यों और पदों का, जो उक्त श्रीधिकका, के शभ्याय 20-क मा परिज्ञाधित हैं, नहीं वर्ष होना को उस अभ्याम मा विका गवा हैं।

## नन्स्थी

जैसा कि रिजस्ट्रीशत म० 37ईई/11611/84-85 जनवरी 1985 की सहायक आयकर आयुक्त न अर्जन रेंज पुना के दस्तर में लिखा गया है:

> अनिल कुमार सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायहर मासुष्त (निरीक्षण) मर्जन रेंज, पूना

दिनांक : 25-4-1985

मोहर :

## प्ररूप आई.टी.एन.एस.-----

भागकर बॉधनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ध (1) के व्यथित अपरा

#### भारत सरकार

वश्यन्तिय, सहायक जायकर आयुक्त (गिरीकाण) अर्जन रेंज, पुना

पुना, दिनाक 25 अप्रैल 1985

शिर्देश म० 37ईई/7158/84-85--अन: मुझे. अनिल कुमार,

आयकर अभिनियम, 1961 (1961 वा 43) (जिसे इसमें इसके परवात् 'उन्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ल के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण ह कि स्थावर गम्पति, जिसका अन्तित याजार मूल्य 1,00,000/- रु. स अधिक है

ग्रीर जिसकी स० प्याप्ट स० 14, ती-3, बिल्डिंग चितामण नगर सर्वे त० 138/1, श्रीष्ठ १०.1-7 है तथा जो पृता में स्थित है (ग्रीर इसमे उपायद्ध अनुपूषा से श्रार पूर्ण स्था ने विष्या है) रिजस्ट्री उर्जा अधिकारी के कार्योप्रस सहाया आयक्त आयुक्त अर्जा, रेज मे रिजस्ट्री उर्ण अधिनियम 1908 (1908 ता 16) के अधीन नारीख अक्ट्रवर 1984

का प्रकार नित्त का उपनत बाजार पृथ्य से काम क दश्यमान प्रतिकात के निष्ण अन्तरित की महाँ हो आँच सभने यह विश्वास करन का कारण है कि सथापृत्रोंकत सभ्यति का उपित बाजार मूल्य, उसके एश्यमान प्रतिकत से एशे उस्ममान प्रतिकत से पर्दह प्रतिकात से अधिक हो और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरित (अन्तरकों) के बीच एमें अन्तरण के लिए तम पाया गया प्रतिकात, निम्नितिश्वत उपूर्व स उपन अन्तरण जिन्तर में वान्तिक रूप से किंगत नहीं किया गया है —

- (क) जन्तरण स हुई किसी आम को बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दन के अन्तरक के दायित्व में कभी करने के उनसे मचन में सिन्धा के लिए; बार/बा
- (ख) एसी किसी आय या किसी धन या बन्य आस्तियो नहीं, जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 192? (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, दें धनकर अधिनियम, दें धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के धनकर अधिनियम कर्तारती द्वारा अध्य नहीं किया गया था या किया जाना चाहिये था दिवाने में खें जिए;

क्षत अब, अल अधिनियम की धारा 269 ग के अनुमरण में, में, उक्त अधिनिय की धारा 269 म की उपधारा (1) के अधीन, निम्निलिखक व्यक्तियों, अर्थात् ध—  (1) निश्चिल इन्टरप्राइजेंस
 14, अम्बई पूता रोड,
 अजाज आटो शो रूम के पास वाकडबाडी, शिवाजीनवर, पूना

(भ्रन्तरक)

(2) श्री सुष्टाम बी पाटिल श्री गुभमंगन को ग्रोपन हा निव मोसायटी विल्डिय न० 1, ब्लाक न० 1 नेनापनि रोड बान्ट रोड पुना-16

(भन्नरिता)

को यह सूचना जारी करक पूर्नाचन सपत्ति के अर्जन क लिए कार्जनाहिया शरता हा।

जक्त संपीत्त के अर्जन संजन में काई भी बाक्षेप :---

- (भा) इस स्थान के राजपत्र सं प्रकाशन की तारीख सं 45 किन को अवधि पो तत्सम्बन्धी व्यक्तियाँ पर स्थान की जनभि । पो को जनभि जनभि । को भी सन्धि तद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्योक्त व्यक्ति में में किसी व्यक्ति दुवारा,
- (ब) इस मृज्या के राज्यत्र में प्रवासन की तारीस स 45 दिन के पीतर डक्न म्थावर सम्पत्ति में हित्यव्य विसी क्रम ध्यापत तुनारा अधोहस्ताक्षरी के पाम निम्पा म किए ना मकरेंगे।

स्पद्धते बरण -- उस्का प्रकार शब्दों और पद्धों का, जो अक्स अभिनियम, के अभ्याप 23 का मा परिभाषित हो, बहुर करी गना, जा मा स्थाय मा दिया क्या

# धन्स् 📢

जैसा कि रिजस्ट्रीगृत स० 37ईई/7168/84-85 अक्टूबर 1984 हो महाया आयतर आयुक्त अर्जन रेज पूना के दक्तर में लिखा गया है:

> अनिल कुमार सजम प्राधिकारी यज्ञयक श्रासकर धागुक्त (निरीक्षण), अजन रेज, पुना

दिना" . 25-4-1985 मोहर

## प्ररूप आई. टी. एन. एस. कार्यान्यान

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-म (1) को अधीन स्चना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरोक्षण) अर्जन रेंज, पूना

पूना, दिनांक 25 अप्रैल 1985

निर्देश सं० 37ईई/6536/84-85--अत: मुझे अनिल कुमार

अयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त विधिनियम' कहा गया हुं), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर मर्म्पात्त, जिसका उचित बाजार भूल्य 1,00,000/- रा. से अधिक हैं

श्रीर जिसकी स० प्लाट नं 1, बी-1, बिल्डिंग चितामणी नगर, सर्वे नं 128/1, श्राध पूना है तथा जो पूना से स्थित है (श्रीर इसने उपाबद्ध अनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप हे वर्णिन है रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय सहायक आयकर आयकर निरोक्षण अर्जन रेज से रिजस्ट्रीकरण अधिनयम 1908) (1908 का 16) के अधीन नारीख सितम्बर 1984 को पूर्वोंक्त सम्पत्ति के उचिन बाजार मूल्य से कम के द्ध्यमान प्रतिफल के निए अन्तरित को गई है और मूक्षे यह विश्वास करने का कारण है कि यथाप्योंक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, असके प्रयमान प्रतिफल से, एसे प्रयमान प्रतिफल का प्रमु प्रतिकृत से विश्वास करने का प्रमु प्रतिकृत से विश्वास है और अंतरक (अंतरकाँ) और अंतरिक का प्रमु प्रतिकृत से विश्वास है और अंतरक (अंतरकाँ) को बीच एसे अंतरण के मिए तम पाया गया प्रतिकृत के विश्वास से विश्वास के विश

- (क) बन्तरण मं धुई किसी बाय की बाबत, ठबल श्रीपितिथम के अधीन कर दोने के बन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (क) एती किसी आम मा किसी घन या कन्य बाहित्यां का जिन्ह भारतीय वाय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उन्नु विधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया वया था या किया जाना चाहिए था, न्त्रिपाते मा मुनिष्धा के लिए;

अत अब, अवत अधिनियम की धारा 269-क क अजनगण में, में उक्त अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) के अधील, निस्तिखिद व्यक्तिकों, अर्थात् :--- (1) निधिल इन्टरप्राइजेस ,
 14, वम्बई-पूना रोड , ,
 (जाज आटो यो छम के सामने,
 वाजडेवाडी, शिवाजीनगर, पुना :

(अन्तरक)

(2) श्रीमती माधुरी एस अरम453, श्रनीट्ठाएपेठ, पृता-30

( भ्रन्तरिती)

# करें कुछ कुछना चारी करके पूर्वोक्त सम्मृतित के वर्षन के जिल

उक्त सम्पत्ति के अर्थन क सम्बन्ध में कोई भी बाधोद :--

- (क) इस सूचना के राज्यात्र में प्रकाशन की तारीख सं 45 दिन की अविभ या तत्सवंधी व्यक्तियों पर सूचना की ताबील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर प्रवेक्ति व्यक्तियों में से किमी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस स्थान के राज्यम में प्रकाशन की तारीश सं 45 दिन के भीतर उनत स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास विश्वित मैं किए जा सकी।

स्थव्यीकरणः --- इसमें प्रयूक्त कव्यों और पर्यों का, जो उनक अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभारिकत हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में विया गमा हैं।

#### अन्त्यी

जैसा कि रजिस्ट्रीकृत सं० 37ईई/6536/84-85 मिनम्बर 1984 को महायक आरकर अधुक्त निरीक्षण अर्जन रेंज पूना के दक्तर में लिखा गया है।

> अनिल कुमार सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण), अर्जन रेंज, पूना

दिनांक : 25-4-1985

मोहर 🖟

## प्रकल बाह्र टी. एस. एस.----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-थ (1) की अधीन सुचना

### धारत त्रकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्स (निरक्षिण) अर्जन रेज, पूना

पुना, दिनाच 25 अप्रैल 1985

निदेश स० 37ईई/10483/84-85--अन: **मुझे** अनिल

शायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (विसे इसमें ६सके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की बारा ±69 के के अधीन मक्त्रम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रा से अधिक है

श्रीर जिसकी स० सर्वे न० 24/1ए-3 श्रीर 1-बी खुली जगर मेक्जन 21, यू० एल० सी० कानून 1976 क्षेत्रफल 2773304 वर्ग भीटमं में है तथा जो नासिक में स्थित हैं (श्रीर उपन उपाबद्ध अनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप संवर्णित हैं) रिक्ट्रीजना र्राध्यापी है कार्याचन सह्यक्षत्र आयकर आयुक्त निर्देक्षण जर्जन रेड में रिजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 वर्ष 16) के अधीन नारीख नवस्बर 1984

का पूर्वांक्स सम्परित के अभिन्न साकार मूल्य ते अन के क्रायमान प्रतिक्रक के लिए अन्तरित की गई है और मूक यह निश्वास करने का कारण है कि प्रथापृत्रोंक्स सम्बक्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके क्रायमान प्रतिकाल से, एसे क्रायमान प्रतिकाल का पन्त्रह प्रतिमात से बिधिक है और अंतरक (अन्तरका) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरका के निए त्य वाया गया प्रतिकाल निम्निविधित उद्देश्य से उक्त अंतरण निम्निया म्या मुक्तिया न्या मुक्तिया क्या मुक्तिया का स्थास नहीं किया नया है

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबस, उथस अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दाधित्व में कमी करने या उससे अधने में सुविधा के लिए; और/या
- १९६१ किसी आय या किसी भव या कन्य आस्कियां को जिन्हें भारतीय आयकर अभिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तं भ्री द्यारा शकट नहीं किया गया था या किया अला पालिस्ए था, स्थिपाने मा मुविधा के लिए,

(1) श्री केंग जेंग म्हाब्रे, अटमन्ड सरस्वित कानोन्नी, शाताकुज (डब्ब्युमे बम्बई-54 :

(बन्तरक)

(2) श्री शायलाल गुप्ता श्रीर अन्य गुत्ता विल्डर्स प्राग लिग 1363, शाती सदन गुप्ता मार्ग नीम्मेंक रोड़, नासिए

(अन्तरिती)

को यह सूचना बारी कारके पूर्वाक्त सम्पत्ति को जर्बन को लिए जिए कार्यवाहियां करता हो।

उक्त सम्पत्ति के वर्षन के सबभ 🖈 कांड् भी बाक्षेप 🕌

- (क) इस सूचना के ट्राजपत्र में प्रकाशन की तारीश सं 45 दिन की नविध मा तत्सम्बन्धी व्यक्तियों कर सूचना की तामील से 30 दिन की नविध, जो भी नविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्स क्योंकियों में से किसी क्योंक्त हवारा,
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशित की तारीब है 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हिंत- बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

मिकरण: --- इतमें प्रमुक्त सन्तों बाँद पर्यो का, जो उक्त वृषिनियम के मध्याय 20-के में परिभाषित है, वहीं मर्थ हांगा, जो उस अध्याय में विका मुंबा है।

## अनुसूची

जैसा कि रिजस्ट्रीकृत स० 37ईई/190483/84-85 नवम्बर 1984 को सहायक आयकर आयुक्त निरीक्षण अर्जन रेंज पूना के दफतर में लिखा गया है :

> अनिल कुमार सद्यम प्राधिः एरी सहायक भायतर भायुक्त (निर्देक्षण) भर्जन रेज, पूना

क्त अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-म की अनुसरम भें में, उक्त अधिनियम की धारा-269-म की उपभारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :---

दिनांक 1 25-4-1985 मोहर # प्रसम बार्ड . टी . एन . एस . . . . . . . . . . . . .

शायकर श्रीभितिसम्, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-म (1) के अभीन स्थाना

#### भारत करकाह

भार्यात्तय, सहायक वायकर वायक्त (निरक्षिण) अर्जन रेंज पूना

पूना, दिनांक 25 अप्रैल 1985

निर्देश सं० 37ईई/9755/84-85--अतः मुझे, अनिल कुमार

जावकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की भारा 269-स के अधीन सक्षत्र प्राधिकारी की वह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्मित्त, जिसका उपात वाजार मृक्य 1,00,000/- रहा से अधिक हैं

ग्राँर जिसकी सं० फ्लैंट नं० 202, हिव लाज बिल्डिंग, कायदर (W) जिला थाना है तथा जो थाना में स्थित है भीर इमसे उपाबद्ध अनुसूची में ग्राँर पूर्ण रूप से वर्णित है रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय सहायक आयकर आयुक्त अर्जन रेंज में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख

को पूर्वेक्स सम्पत्ति के उचित बाकार मून्य से कम के क्रममान शितफल के लिए बन्सरित की गई है और मूझे यह विश्वास कश्ने का कारण है कि यथापूर्वोक्स संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके द्रममान प्रतिफल से, एसे क्रममान प्रतिफल के पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (बंतरकों) और अंतरिती (अन्तरित्तयों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-फल, विस्नित्ति उद्योध्य से उक्स अन्तरण निवित में बास्त-विक रूप से काथित नहीं किया गया है:——

- (क) जन्तरण से हूवं किसी जाव की बावत, स्वतः जिम्मित्यम के अभीन कर दोने के जन्तरक को बायित्य में कमी कहने वा स्वससे ब्यूने में स्वीत्था के लिए: व्यार/मा
- (क) ऐसी किसी आय या किसी भन या जम्य आस्तियों कर्त, जिन्हों भारतीय नाव-कर अभिनिवस, 1922 (1922 का 11) या उन्तर् अभिनिवस, या धन-कर अभिनिवस, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ जन्तिरती ब्वारा प्रकट नहीं किया क्या या किया आहाना चाहिए चा, क्रियान में सुविधा औं तिए;

अतः जब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की उपधारा (1) के अधीन, निम्निशिक व्यक्तियों, वर्णात् क्र---  मैसर्स जय कन्सद्रवशन, कायदर, जिला थाना।

(अस्तर्क)

 श्री इष्ण कुमार एन० अग्रवाल, आरसेन रोड, कायदर, जिला थाना ।

(अनारिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वांक्त सम्पर्ति के अर्थन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उन्त संपंति के नर्धन के सबभ में कोई भी आक्षप

- (क) इस स्थान के रायपण में प्रकाशन का सारांश से 45 दिन की जनिंश या सत्संबंधी व्यक्तियां पर स्थान की समित से 30 दिन की अवधि, को भी जनिम बाद में समाप्त होती हो। अ की राजनिंश व्यक्तियों में में किसी व्यक्ति द्वारा,
- (ब) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख छ 45 दिन के भीतर इनत स्थावर मगीता में किनवहुए किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोकरणायानी राजार सिखित में किए जा सकेंगी।

स्माचीकरणः—इसमें प्रयुक्त गुन्दों और पदो का, को उक्ष विभिनियम के अध्याय 20-7 में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जी उस अध्याय में विशा मना है।

## अनुसूची

जैसा कि रजिस्ट्रीकृत स० 37ईई/9755/84-85 टूबर 1984 को महायक आयकर आयुक्त निरीक्षण अर्जन रेंज पूना के दफ्तर में लिखा गया है:

> त्रनित कुमार सक्षम प्राधिकारी, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, पूना

दिनाक: 25-4-1985

मोहर 🖫

प्रक्ष काइं.टी.एन.एस.-----

नायकर विभिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सुचना भारत सरकार

कार्यासय, सहायक बायकर बायकत (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, पूना

पूना, दिनांक 25 अप्रैल 1985

निवेश सं० 37ईई/8922/84-85-अतः मुझे अनिल कुमार

भागकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है'), की धारा 269- स को बधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह थिश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार ध्ल्य

1,00,000 ∕- रु. से अधिक **ह**ै श्रीर जिसकी सं० सेक्टर 17, फ्लैट नं० 43, सिडको वसई शिद्व धम्बई फ्लैट नं० 66 छटा मंजला, कुबेर बंगला (क्षेत्रफल 1850 वर्ग मीटर्स है) तथा जो वसई में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है) रिनस्टोकर्ता अधिकारी के कार्यालय सहायक आयकर जायक्त निरीक्षण अर्जन रेंज में रजिस्द्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख सितम्बर 1984 का पूर्विक्त सम्परिस के उपित वाजार मृत्य से कम के बश्यमान प्रतिफल के लिए रिवस्ट्रीकृत दिलेख के अनुसार अन्त-रित की गई है और मुक्ते वह विद्यास करने का कारण है कि यथापूर्वीयत सम्पत्ति का उचित गाजार मूल्य, उतक ध्यमान प्रतिफल से एसे स्थमान प्रतिफल पन्मह प्रतिभात से अभिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंकरिती (अंतरितियाँ) के बीच एंसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रति-कल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बाम्तविक रूप से किथत नहीं किया गया है :---

- (क) जन्दरण से हुई किसी बाद की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उसके बच्छे में सुविधा के सिए; और/या
- (श) ऐसी किसी जाय या किसी घन या अन्य कास्टियों को, जिन्हें भारतीय जावकर अभिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अभिनियम, या धन-कर **ब**िधनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती बुवास प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए:

कत: अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनसरण मं, में उक्त अधिनियम की भारा 269-ध की उपभारा (1) क अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :---

1 मैसर्स बिल्लीमोरिया कन्सदृक्शन कं० प्रा० लि० वानखेडे स्टेडियम, 'ही' रोड चर्चगेट, बम्बई,

(अन्तरक)

2 श्रीमती रीतादेवी शामसुंदर भसीन, 107/102, शिव श्रोम 10वां रोड, खार (पं०) बम्बई :

(असरिती)

का यह सूचना जारी करकी पूर्वोक्त सम्परित के अर्जन के निए कार्थवाहिमा करता हु।

उक्त सम्पत्ति के कर्जन के सम्बन्ध में कोई नाक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस 45 विन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों स्थना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अमिष बाद में समाप्त होती हा, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में सं किसी व्यक्ति द्वाय;
- (स) इस स्थना को राजपत्र में प्रकाशन की तारीस सं 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षारी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पच्छीकरण --इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्दों का, जो उक्त अभिनियम के अध्याय 20-क में पी।भाषित हैं, बहा वर्ष होंगा जो उस अभ्याय में दिया नया 🗗 🕽

#### मन्स भी

जैसा कि रजिस्ट्रीकृत सं० 37ईई/8922/84-85 सितम्बर 1984 को सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज पूना के दफ्तर में लिखा गया है।

> अनिल कुमार सक्षम प्राधिकारी, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण), अर्जन रेंज, पुना

दिनांक : 25-4-1985

मोहर:

अस्म काई.टी.एन.एस.-----

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-च (1) के बंधीन सूचना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर बाय्क्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, पूना पूना, दिनांक 26 अप्रैल 1985 निदेश सं० 37ईई/16240/84—85—अतः मुझे अनिस कुमार

जायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की भारा 269-क के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थायर समंत्रि, जिसका उमित बाजार मृस्य 1,00,000/- रा. से अधिक हैं

भोर जिसकी सं० खुली जगह 430 चौ० गज सर्वे नं० 46/1, 46/3, 46/4, 61/3, भौर 62/2 जी बी पायरली हिका नं० 42, सी एस० नं० 9906 से 9913 कल्याण स्युनिमिपल कार्पोरेणन कल्याण है तथा जो कल्याणा में स्थित है (श्रीर इससे उपाद्यद्ध अनुसूची में भ्रोर पूर्ण रूप से विणत है ) रिजस्ट्रीकर्ती अधिकारी के कार्यालय सहायक आयकर आयुक्त निरीक्षण अर्जन रेंज में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन मार्च 1985

को पूर्वोक्त संपर्तिस के उसित वाजार मृत्य से कम के स्वयमान प्रतिफ ल के लिए अन्तरित की गई है और मृभे मह विश्वास करने का कारण है कि वथाप्वोंक्त सम्पत्ति का उसित बाजार पृत्य, उसके द्रायमान प्रतिफल से ऐसे स्थ्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिश्वत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरका) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफ ल, निम्निलिसित उद्देश्य से उसत अन्तरण लिसित भें वास्तविक रूप से किथत नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण ते हुई किसी बाय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे क्वने में स्विधा के लिए; और/या
- (क) ऐसी किसी या किसी भन या अन्य आस्तियों को जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या जन्त अधिनियम, या भन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया या या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए।

बह: अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में में, उक्त अधिनियम की भारा 269-ग की उपभाग (1) के बाधीन. निकालिकित व्यक्तियों, अर्थात:—

1.श्री जी० वी० पाठक और अत्य बाटवे बिल्डिंग, मनपाड़ा रोड । डोम्बीवली (पू०)

(अन्तरक)

 मैससं महागिरी एन्ड कम्पनी शांतीसागर अपार्टमेंटस, म्युनिसिपल गार्डन के सामने, नेहरु रोड, डोम्बान्लीटुशी (पू०)

(अन्तरिती)

को यह स्थाना जारी करके पृथींक्त सम्परित के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हु।

## उक्त सम्पत्ति को अर्थन को संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस सं 45 दिन की अवधि या तत्मम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, को भी अवधि साथ में समाप्त होती हो, को भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति व्यक्ति व्
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक क 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्द्रक किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अभोह्स्ताक्षद्री के पास लिखित में किए का सकेंगे।

स्पष्टीकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो सक्त अधिनियमं, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

## वन्स्ची

जैसा कि रजिस्ट्रीमृत सं० 37ईई/16240/84-85 मार्च 1985 को सहायक आयकर आयुक्त निरीक्षण अर्जन रेंज पूना के स्प्तर में लिखा गया है।

अनिल कुमार सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, पना

किंगिक : 26-4-1985

मीप्रर

# प्रकृप साइ . टी एन . एच . -----

कावकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) करी धारा 269-म (1) के अधीन स्थान

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक जामकर जामुक्त (निरोक्तण) अर्जन रेंज, पूना पूना दिनांक 26 अप्रैल 1985

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिने इसमें इसके परवास 'उसत अधिनियम' नहा गया हैं), की भारा 269-क के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर गम्पति, विसका उजित बाबार मृस्य 1,00,000/- रु. से अधिक हैं

प्रीत जिसकी सं० कोठारी फैमिली ट्रस्ट चितलासर मनपाडा नारोख प्रौर जिला थाना (क्षेत्रफल 19,920 वर्ग की) है तथा जो थाना सें स्थित है (ग्रीर इसने उपाबद्ध अनुसूची में ग्रौर पूर्ण क्य से वर्णित है) रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कायोलय सहायक आयकर आयुक्तिरीक्षण अर्जन रेंज में रिजस्ट्री हरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख जून

को पूर्वोक्त सम्परित के उधित बाजार मूल्य से कम के अवसान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई और मूम्से यह विश्वात करन का कारण हो कि यथ्यपूर्वेकः सम्परित का उधित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल के ऐसे अवसान प्रतिकल का पढ़ प्रतिशत से अधिक ही ४% अंतरक (अंतरका) और अंतरिती (अंतरितियाँ) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तम पाया गया प्रतिफल, निम्नलिकित उब्देश्य से उक्त अन्तरण कि कि क में बास्तिक रूप में कि शित नहीं कि बा गया है :---

- (क) बन्तरण से हुई किसी बाय की बाब्त, उक्त बीध-अधिनियम के अधीन कर दोनं के बन्तरक के वायित्व में कभी करने मा उक्तसे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (स) एसी किसी आय था किसी धन या सन्य आस्तियां स्त्रो, जिन्हों भारतीय नायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उन्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1757 (1957 का 77) के पंगाजनार अभिनियम काराजित व्याप प्रकट नहीं किया गया, था या किया जाना महिला थर, छिपान में स्विधा के लिए;

अतः अन, चमत अधिनियम की भारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उस्त अधिनियम की भारा 269-च की उपधारा (1) के स्थीम, निम्नतिविश्व स्थितवार्ग, अर्थात् ४--- श्री एन० कोठारी भीर अन्य,*
 कोठारी फैमिली ट्रस्ट,
 एलोरा सापिव सेंटर,
 दफ्तरी रोप्र बम्बई-97।

(अन्तरक)

2. शीला प्रोप्राइटर्स, ⁶ 199, गुजरात सोसायटी, लीला निसास सायन, अम्बई—22।

(अन्तरिती)

की यह श्याना वाशी कश्यो प्योक्त नज्यक्ति के कर्णन के लिक्

उक्त मन्पास्त के मर्जन के मन्नभ में कोइ' भी अक्षिप ...

- (क) इस स्थान के राज्यन में प्रकाशन की सार्थित से
  45 दिन की जनभि या सम्सङ्कर्ण अंतिकां दर
  स्वान की सामील से 30 दिन की सर्वित, यो ती
  सर्वित बाद में समान्य होती हो, के बीतर प्रवेतिस कालितवों में के किसी स्वस्ति वकारा
- (क) इस सूचना को राजपत्र में श्रकाखन की तारीश के 45 दिन को भीलर उसल स्थापर माना लेल में किनवाध कि कि साम की तारीश के 19 कि कि की कि साम की तारी कि साम की तारी कि साम की तारी कि साम की तारी की किए जा सकी लें।

स्थला किरणः — इसमा प्रयुक्त कर्वो और पर्वो का, जा उक्ता किर्मियम के कृष्णाय 20-कः पोरकारिक्छ हाँ, वहाँ कर्य छात्रा छो: उस १४याम मी दिया गवा है।

#### वसम्ब

(जैसा कि रजिस्ट्री सं० 37ईई/176/84-85 जूम 1984 को सहायक आयकर आयुक्त निरीक्षण अर्जन रेंज, पुना के दफतर में लिखा गया है:

> अनिल कुमार सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, पूना

विनांक : 26-4-1985

मोडर 🖫

# नक्ष वार्दं दी एम ्एस ्नन्न-----

# आयकर निधिनियस, 1961 (1961 का 43) की भूका 269-म (1) के अभीन सुमना

#### भारत सरकार

कार्यासय, सहायक आयक्त सायुक्त (निरक्षिण) गर्जन रेंज, यूना

पूना दिनाक, 27 अप्रैल 1985

निर्देश सं० 37ईई/10154/84-85--- ग्रतः मुझे ग्रनिल कुमार्

कायकार अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-क के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विकास कारने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाणार मूल्य 1,00,000/- रा. से अधिक हैं

श्रीर जिसकी संव फ्लैंट नंव 11. विल्डिंग "ए" हरमस काम्सलेक्स फ्लैंट नंव 203, निव सर्वे नं. 34डी भंडारक रोड़, पूना है तथा जो पूना में स्थित हैं (मौर इससे उपायद अनुसूची में और पूर्ण रूप से विणित हैं), रिजस्ट्रीकर्ता मिश्वकारी के कार्यालय सहाय ह आयरूर आयुक्त निरीक्षण श्रर्जन रेंज में रिजस्ट्रीकरण अधिनयम 1908 (1908 का 18) के अधीन तारीख फरवरी

को प्रविक्त सम्परित को उचित बाजार मृह्य से कम को कर्यभान प्रितिफाल को लिए अन्तरित की गई है और मुभ्ने यह विकास कारने का कारण ही कि यथापूर्वीक्त सम्परित का उचित बाबार मृह्य, उसके इक्यमान प्रितिफाल से एसे इक्यमान प्रितिफाल को पन्छह प्रतिकात से अधिक है और अन्तरक (अन्तरका) कौर अन्तरिती (अन्तरितियों) को बीच एसे अन्तरण को निए तब बाबा गया प्रतिफाल, जिम्निसिक्त उद्देश्य से उक्त अन्तरण की

- (क) अन्तरण से हुई किसी बाब की बाबत, उक्त अधिनियम के अभीन कर होने के अधारक के दायित्य में कमी करने या उसते बचने में बृष्टिभा के लिए; और/या
- (अ) ऐसी किसी या किसी भन या जन्य बास्साबों को जिन्हों भारतीय जायकर अभिनियम, 1922 (1922 का 11) या उन्तर अभिनियम, वा भन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) की प्रयोजनार्थ जन्तरिती युवारा प्रकट नहीं किया बबा का वा किया जाना चाहिए था, कियाने वो सुविवा के सिक्द;

अब: अब, उन्ता माँभौनवन की भारा 269-ग के अनुतरण में, में, उन्ता निधिनयन की भारा 269-ए की उपभारा (1) के लक्षील, लिक्ष्णीलीयत स्वीतक्यों, मर्मात् :--- (1) मैसर्स हमेस एजेन्सीज, 793, फैमिली हाउस, जामे जमसेद रोड़, बम्बई-14

(भन्तरक)

(2) मनीशा भार० गोपांलानी, पलैट नं० 201, करपक्रप्रस्पेन, बांद्रा, बस्बई।

(भन्तरिती)

को यह सुचया वारी करके पूर्वोक्स सम्मरित के वर्णन के तिक् कार्यवाहिया करता हो।

जनत सम्मत्ति को वर्षन को संबंध में कोई भी नाश्रेष :---

- (क) इस ब्याना के राजपत्र में प्रकाशन की-तारीस से 45 दिन की मनीभ ना तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की क्यभि, यो भी अवभि नाद में समाप्त होती हों, के भीतर पूर्विका व्यक्तियों में से किसी व्यक्तित व्यक्तियों में से किसी व्यक्तित व्यक्तित व्यक्तित में
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक से 45 दिन को भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितकक्ष पित किसी जन्म व्यक्ति द्वारा अधीहस्पाक्षरी के पास किसी ज में किमे जा सकरी।

स्थाकीकरण: -- इसमें प्रयूक्त शब्दों और पदों का, जो उसस अभिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, बही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया। ससा है।

## बन्स्ची

जैसा कि रजिस्ट्रीकृत सं० 37ईई/10154/84-85 फरवरी 1985 के महायक श्रायकर श्रायक्त (निरीक्षण) धर्जन रेंज पूना के दफ्तर में लिखा गया है।

भनिल कुमार सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, पूना

दिनाक: 27-4-1985

मोहर :

## प्रकृष आहे. दी. एत. एस. ५०००

आयक्तर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-भ (1) के अभीन स्थना

#### भारत सरकतर

कार्यालय, सहायक बायकर बाय्यल (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज, पूना पूना, दिनांक, 27 ग्रप्रैल 1985

निदेश सं० 37ईई/थाना/84-85--श्रतः मुझे **श**निल

कुमार

बायकर मिनियम, 1961 (1961 का 43) (विश्वे इसमें इसमें पण्यात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हो), की भारा 269-श्व के अधीन सक्तम प्राधिकारी की, वह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृस्य 1,00,000/- रु. से अधिक हो

श्रीर जिसकी सं० नं० 59/(पार्ट) 59/21, 59/17, 59/28, 59/29, 59/22, 59/24 चितलसर मनपाडा, जिला थाना है तथा जो थाना में रियत है (श्रीर इससे उपाव अपनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से बर्णित है) रिजिस्ट्रीकर्ता श्रिधकारी के कार्यालय सहायक श्रायकर श्रायक्त निरीक्षण श्रर्जन रेंज में रिजिस्ट्रीकरण श्रिधिनियम 1908 (1908 का 16) के श्रिधीन सारीख श्रक्त 1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान शितफक्ष के लिए अंतरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सपित का उचित बाजार मूल्य, इसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्यह प्रतिचात से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्वेदियों से उक्त अन्तरण लिखित वे बास्तिबक रूप से कथित नहीं किया गया है :--

- (क) अंतरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधि-निवन के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उक्त वचने में मृतिका के लिए बीर/मा
- (क) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य अस्तियों को, जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के अयोजनार्थ अन्तिरिती क्षारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, क्षिणने में सुविधा के लिए:

सतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) ➡े अधीन, निम्नलिखिल व्यक्तियमें, अर्थात् :—— (1) ए० पी० एन० कोटारी और भ्रन्य 9, एलोरा शांपिग सेंटर, दफ्तरी रोड़, मल्लाड (इ) बम्बई

(भ्रन्तरक)

(2) मैसर्स पारेख प्राईटर्स , 112-सी मेकर टावर्स, बम्बई-5

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कर्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 विन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियां पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, आंभी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्विकत व्यक्तियां में से किसी व्यक्ति बुकारा;
- (क) इस सूचना के राजपश में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास चिक्ति में किए शा नकार्य।

स्पाकिरण ६—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उत्तर अभिनियम के अध्याय 20-क में परिभाजित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया स्था हैं

## धनुस्धी

जैसा कि रजिस्ट्रीकृत सं० 37ईई/9793/84-85, भ्रक्तूबर 84 को सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) भ्रजेन रेंज पूना के दर्भतर में लिखा गया है।

श्चनिलकुमार सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरोक्षण) श्रर्जन रेंज, पुना

दिनांक : 27-4-1985

महिद्य 🖰

परूप शार्ष टी एन एस ---- (1) श्री

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ध (1) के बभीन स्चना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक बायकर बायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, पूना पुना, दिनाक, 27 श्रप्रैल 1985

कुमार

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पर्यान अवत अधिनियम कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का आरण है कि स्थावर सम्पतिन, जिसका उचित बाजार मृल्य, 1,000,000/- का से अधिक है

श्रीर जितको सं० सर्वे न० 76-ए, फ्लैट न० 4, टी० पी० स्कोम नं० 2पचगनो , जिला मतारा है तथा जो मतारा पचमनी में ियत है (श्रीर इससे उपावस श्रमुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से विणित है) रिजिस्ट्री । ति अधिकारी के कार्यालय सहायक श्रीयकर श्रायुक्त निरीक्षण श्रवंग रेंग में रिजिस्ट्रीकरण श्रिधिनियम 1908 (1908 का 14) के श्रीम जारीख श्रीर 1985

का प्राप्त अवर्षत जे पिया बाहर हाया से कह के दश्यमान प्रतिकल के लिए अन्तरित की गई ही और मुझे यह विश्वास करने का कारण ही कि यथापूर्विकत सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिकल से, ऐसे दश्यमान प्रतिकल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक ही और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती अर्तारितियों) के श्रीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिकल निम्नितिस्ति उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में अम्तरिक स्प से गिथान नहीं किया गया है :---

- (क) अन्तरण स क्ष्मं किसी बाय की बाधल, उजल अधिनियम को अधीन कर बने को अन्तरक को दायिए मां कमी करने या उससे बचने का लावधा को लिए; और,'का
- ा एन किसी अप मा किसी पन मा जन्स जास्तियों को किस्ते भागतीय आयक्तर मिनियम, 1927 (1972 का 11) या उन्त जिनियम, या भने-कर मुक्तिसमा, 1957 (1957 का 27) के प्रमोजनार्थ जन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया का या किया अन्य गाहिए था, कियाने में सुजिय को सिए;

अतः अवः जनतः अधिनियम की भारा 269-म के अनुसरण कृतः, मा, जनत अधिनियम की भारा 269-म की उपधारा (1) के अधीनः, निम्नलिखिल व्यक्तियों, अर्थात् :---10 --86GI85 (1) श्री जे० एव० ग्रीर पी० सी० पारेख 408-ए, धोरपडीपैट पुणे 2

(भ्रन्तरक)

(2) अहिंग्वरय हाँटेलस (प्रा०) लि० पचगनी , जिला थाना । पचगनी, जिला पनारा ।

(अन्तरिती)

को यह स्थना कारी करके पृथीक्त सम्पत्ति के वर्षन के लिए कार्यवाहिया गुरू करता हूं।

उन्स सम्पत्ति को वर्धन की सम्बन्ध में कांह्र' भी भाश्येय :---

- (क) इस स्वता के राजपत में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविध मा तत्सम्बन्धी क्यिक्तमों पर स्वान की तामील में 30 दिन की अविध, जो जी अविध बाद में ममाप्त हाती हो, के श्रीतर प्रविक्ष ज्यविन्यों में में किमी व्यक्ति ह्याग,
- (ख) इस स्वान वे राजपण में प्रकाशन की तारीब से 45 दिन के शीतर उक्त स्थानर सम्पत्ति में हितबब्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास निकास में किसा शास्त्रमें।

स्पद्धीकरण :---इसमें प्रमुक्त शब्दों और पदों का, जो उपदे अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हों, बही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया हैं।

#### जनस्पर्

जैमा कि रजिस्ट्रीकृत स० 37ईई/1807/84-85 अप्रैन 1984 की महायक श्रायकर ग्रायुक्त निरोक्षण अर्जन रेंज पना के दफ्तर में लिखा गया है।

> ग्रनिल कुमार मक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेज, पूना

दिनाय : 29-4-1985

बोहर 🖇

प्ररूप आई.टी.एन.एस.----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-व (1) के अधीन सूचना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक भायकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेज पूना

पूना दिनाक 29 अप्रैल 1985

निरेश संग 37-ईई०/16166/84-85--अतः **मुझे** अनिल कुमार,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसकें इसके पश्चात् 'उक्त अभिनियम' कहा गया हैं), की भारा 269- के अधीन सक्षम प्राधिकारी को बद्द विद्वात करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित नाजार मूल्ब 1.00 000/- रु. से अधिक हैं

श्रीर जिसकी सं० टिठ्ठका नं० 8, सी० टी० एस० नंग 194 श्रीर 195 थाला है तथा जो थाना में स्थित है (श्रीर इसमे उपाबद अनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्री-कर्ती अधिकारी के कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त निरीक्षण, अर्जन रेज में, रजिस्टी=क्या अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, गारीय मार्च, 1985

को पूर्वेक्ति मम्पित्स को उजित बाजार मृत्य से कम के सममान प्रतिफल के लिए जंतरित की गई है और मुक्ते यह विषमान करने का कारण है कि ग्रथाप्यक्ति मम्पित का उजित बाजार मृत्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे क्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक ही और अंतरक अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पामा गमा प्रतिफल, निम्नीलखित उद्देश्य से उक्त अंतरण कि बिस्त में वास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अंतरक से हुई किसी आय की बाबत, उसत अधि-नियम के अधीन कर दोनें के अंतरक के बारियल में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (श) ऐसी किसी आय या किसी भन या अन्य आस्तिओं की जिन्ही भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या जन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) की प्रयोजनार्थ अंतरिती द्वारा प्रकट नहीं फिया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के रिक्ष;

अत. अब, उक्त अभिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण गो, मी, अक्त अधिनियम की धारा 269-ग की उपभारा (1) के अधीन. निम्निसित व्यक्तियों, अर्थात् :---

- मेसर्स गुरुकुपा बिल्डर्स, "शत ताटकाड बाजी प्रभू देशपाडे मार्ग, बिष्णु नवर; नब्बाडा, थाना: (अन्तरक)
- 2. मेसर्स राज राजेश्वरी बिल्डर्स, सी-14, महावीर ज्योत, बल्ल वाग लेन, घाटकोपर बम्बई-77। (अन्तरिती)

को बहु सूचना बारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति को अर्जन के लिए कार्ववाहिया करता हुं।

उन्त सम्मत्ति को कर्णन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सुमान के राजपत्र में प्रकाशन की तारील से 45 बिन की अग्रीधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अबधि, जो भी अबधि बाब में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की सारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबङ्ग किसी बन्य क्वितित द्वारा बधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए था सकोंगे।

### वनुसूची

जैसा कि राजस्ट्रीज़िक कि 37-ईई०/16166/84-85 मार्च 85 को सहायक आयकर आयुक्त निरीक्षण अर्जन रेंज, पूना के दस्तर में लिखा वया है:

> अतिल कुसार सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) न रेंज, पूना

तारीख: 29-4-1985

मोहर:

प्ररूप बाइ. टी. एम. एस.------

आयकार अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-व (1) के अधीन सुषमा

#### भारत तरकार

कार्यानय, सहायक बायकर बाब्बल (निरक्षिण)

अर्जन रेंज, पूना पूना, दिनांक 29 अप्रैल 1985

निवेश सं० 37-ईई०/16308/84-85-अत: मुझे, अनिल कुमार,

कामकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इतके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 2'69-ख, के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का धारण हो कि स्थापर सम्पत्ति, जिसका उधित बाजार मुख्य 1,00,000/-रु. से अधिक हैं

श्राँर जिसकी संग ब्लाक नं एच-10, आदित्य शिल्पा कोआपरेटिव हाउसिंग सोसायटी लिं , मुरबाद रोड, कल्याण, जिं थाना है तथा जो थाना में स्थित है (ग्राँर इससे उपाबद्ध अनुसूची में ग्राँर पूर्ण रूप से विणत है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, महायक आयकर आयुक्त, निरीक्षण, अर्जन रेंज, में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अवीत, नारीख मार्च 1985

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उपित बाजार मृत्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण हो कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उपित बाजार अल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दश्यमान प्रतिफल का उन्द्रह प्रतिशत से अधिक हो और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निचित उस्पेय से अधित अन्तरण जिल्हित में बास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) बंतरण से हुर्द किसी जाय की बायस, उक्त अभिनित्त के स्पीन कर दोने के अंतरक के शायित्व में कभी करने या उससे क्याने में सुविभा के निष्; और√वा
- (स) एसी किसी बाय या किसी धृत या बन्य जास्तियों को, जिन्हों भारतीय अस्मकार अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उन्त अधिनियम, या चन-कार श्रीतियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयाजनार्थ अत्रिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था वा किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;
- हि कि हो। एक स्थापक है कि कि है। एक है। एक

- श्री एम० पी० ठक हार, प्रो० सुभाप बिल्डर्स, आदित्य शिल्पा कोआपरेटिव हाउसिंग सोसायटी लि०, मुरबाद रोड़, कल्याण, जि० थाना । (अन्तरक)
- 2. श्री अलेक्जान्डर आवम डिसोजा, सवम विला, महादेव पाटिल वाडी, घटाला, चेबूर, बम्बई--21। (अन्तरिती)

को यह स्थाना जारी करके पृत्रीक्त सम्पत्ति क अर्जन क लिए कार्यवाहियां करता हु।

उक्त सम्पत्ति के वर्षन के सम्बन्ध मा कोई' भी बाक्षप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र मा प्रकाशन की तारीश है 45 दिन को अनित या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की शामील से 30 दिन को अविभि, जो भी अविध शाह मा समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वांकल व्यक्तियाँ में म जिसी व्यक्ति वृतारा,
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक्ष सं 45 दिन के भातर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधाहुस्ताक्षरों वे पास लिखित में दिये जा सकरेंगे।

स्पन्धीकरण .— इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदा का, जा उक्छ कितानयम के अध्याय 20 के में परिभाषित हैं, वहा अथ हामा, जा उस अध्याय में रिका स्था हैं।

#### अनुसूची

जैसा कि रिजस्ट्रीकृत कि 37-ईई०/16308/84-85 मार्च 85 को सहायक आयकर आयुक्त निरीक्षण, अर्जन रेज, पूना के दत्तर में लिखा है:

> अनिल कुमार सक्षम प्राधिका**री** सहायक अध्यकर अध्युक्त (निरीक्षण) अर्जन रेज, प्रना

·तारीख: 29--4-198

मोहर 🤢

प्रकप बार्ध.टी.एन.एस.-----

अत्यक्तर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) के अधीन सुखना

#### भारत सरकार

कार्यासक, ल्हांबक जायकर बायकत (निरीक्तण)

र्जन रेज, पूना

पुना, दिनाक 30 अप्रैस 1985

निदेश सग 37--ईई॰/10503/84-85--अतः मुझे, अनिल कुमार,

आवकर मिधिनयम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परवाद 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-का के बधीन सक्षम पाधिकारी को यह विश्वाम करने का कारल है कि स्थावर सम्पत्ति, जितका उचित बाजार मृत्य 1,00,000/-रु. से अधिक हैं

श्रीर जिसकी स० पलैंड न० 9, दूसरा मजिला, सर्वे न० 271, पलैंड न० 24, श्रीधर नवर, चिचट्टड, पूना हे तथा जो पूना से स्थित है (श्रीर इपने उपावद्ध अनुसूची से और पूर्ण रूप से वणित है), रिजिस्ट्रीजर्जा जिधिशारी के रायिलय सहायक आयकर आयुक्त निरीक्षण, अर्जन रेज मे, रिजिस्ट्री-करण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख फरवरी 1985

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मून्य से कम के क्ष्यमान मितफल के लिए अन्तरित की गर्दे हैं और मफी यह निक्जाम बच्च करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मून्य, उसके रहयमान प्रतिकल से, एसं हश्यमान प्रतिकल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक हैं और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तम पाया गया प्रतिकल, निम्नलिखित उद्यश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किशा गवा हैं:—

- (क) जन्तरण से हुई किसी आय की, बावत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने वा उससे बचने में सुनिधा के लिए; और/वा
- (सं) एसी किसी आय या किसी धन था अन्य आस्तियों को जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, वा धन- कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तिरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए,

जतः अब, उक्त अविनियम की धारा 269-ग के अनुमरण कों, मी, उक्त अधिनियम की धारा 269-य की उपभारा (1) को अधीन, निम्नलिकित व्यक्तियों, अर्थात —— 1. मेसर्स खिवसारा चौहान, 22, मुकुद नगर, पूना-37 l (अन्तर ह)

 श्री गोपीणद खडूजी काबडे, हीरा स्मृति, जीवन नगर, चिचवाडा, पूना-33।

(अन्तरिती)

को यह सूचना आरी करकी पूर्वीक्त सम्पर्ति के अर्थन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हो।

जनत सम्पत्ति को वर्षात को सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप '---

- (क) इस सूचना के राज्यात्र वा प्रकाशन की तारीक से 45 दिन की अविधि या तत्सवधी व्यक्तियाँ पर सूचना की तामील से 30 दिन की व्यक्ति जो भी अविधि शद में समान्य होती हो, के भीतर पूजीकत व्यक्तियाँ में किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इसस्पना के राजपत्र मा प्रकाशन की तारीधा ते 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हिल्डब्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पाच लिखित में किए जा सकरेंगे।

स्पच्छीकरण :—इसमें प्रयुक्त शक्यों और पर्यों का, जो उक्त विधिनियम को उध्याय 20-का में परिभाषित है, बहुी अर्थ होगा जो उस अध्याय में विद्या गवा है:

#### धन् स्की

जैसी कि रिजस्ट्रीकृत ऋ० 37-ईई०/10503/84-85 जो फरवरी 1985 को सहायज आयकर आयुक्त निरीक्षण, अर्जन रेज, पूना के दफतर में लिखा गया है:

> अनिल कुमार सक्षम प्राधिकारी सहायक सायकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, पूना

तारीख : 30-4-1985 मोहर : प्रकृप बाह् . टी. एव. एव -----

अञ्चलर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा १६० घ (1) के अधीन स्थना

भारत सारकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेज, पुना

पूना, दिनाम 30 अप्रैल 1985

निदेश स० 37--ईई०/7539/84-85--अत. **मु**प्ते, अनिस नुमार,

शायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) ( विसे इसमें इसमें इसमें परवात 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269 स के अधीन सक्षम आधिकारी की यह विश्वास करने का आदिल हों के स्थानर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 1,00,000/- रह. से अधिक ही

ग्रांग जिसकी स० पर्लंट एफ० बी०-1, छठा मजिले पर, पैरामाउण्ड हाउँ गि सोमायटी, 1981 कार्नेट स्ट्रीट, पूजा है तथा जो पूना में स्थित है (ग्रांग इसमें उपावढ़ अनुसूची में ग्रांग पूर्ण रूप ने विणा है), प्रजिस्ट्री ग्रां अधिकारी के नार्यालय, महाय ह जायकर जायुक्त, निरीक्षण, प्रजीन रेज, में, प्रजिस्ट्री करण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीय जवम्बर, 1985

कां पूर्वावत सम्पत्ति के उचित बापार मृत्य में कम के हरयमान असिकात को लिए अन्तरित को गई है और मृज यह विश्वाम मार्ग का अरुश है कि यक्षापूर्वावत सम्पत्ति को उचित बाजान मृत्य उसके दश्यमान प्रतिफल से एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंख-रती (अन्तरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाम गया प्रतिफल, निम्निसित उद्देश्यों से उन्त अन्तरण कि सिवत में जस्तिक रूप से कि शवत नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरम सं शुड़ें भिक्षी नाय की नावत, उत्थः न मिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दामित्व में कभी करने या उससे वचने में सुविधा

णना । कर्न टेंट क्लिनी घन या अन्य खास्तियाँ कार, पिन्हीं भारतीय प्रायकार विधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उत्तत अधिनियम का धनकार संघान है, 1957 (1957 का 17) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती व्यास प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने अस्तिधा के लिए;

कतः, जब, उक्त विधितियम की धारा 269-ग के अनुसरण तः, मै, सकत अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) कं अधीर निम्नितिसित व्यक्तियों, अर्थात :--- श्री राज कुमार मेठ, ए०-8, अशोका अपाटमेटंस,
 असलार शेड, पूना।

(अन्तरक)

अभिती जीयत मीताक्षी हार्ट, फ्लैंट न० ए०-5, पहला मिजला, पैरामाउण्ट कोआपरेटिव हाउसिंग सोसायटी, 1981, कान्वेट स्ट्रीट, पूना। (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके प्रविश्व नम्पत्ति के अर्थन के जिए कार्यशिक्ष्य करता हूं !

उसस सम्पत्ति के बार्वन के सम्बन्ध में बार्ड भी अध्यव -

- (क) इस सूचना के राजपण मो प्रकाशन की तारीन न 4.5 दिन की नवींचे का तत्सवंधी व्यक्तिमा पर सूचना का तामील में 30 दिन की अविधि, जो भी अवं बाह र पहान हानी ना, ने भातार प्रविका व्यक्तिमार्ग मा स किसी व्यक्ति क्वाना;
- (अ) इस स्वता के राजपत्र में त्रकाशन की तारीस है 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पन्ति में हिट-बस्थ किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अथोहस्ताक्षरी के पास निस्ति में किए जा सकर्षी।

स्यस्त्रीकारणः ----इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, वो उपक अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा, वो उस अध्याय में विचा गया है।

#### जनसचीं

जैमा कि रिजस्ट्रीया कि 37-ईई०/7539/84-85जी नवम्बर 84 को पहायक आयकर आयुक्त निरीक्षण, अर्जन रेंज, पुना के दफतर में लिखा गया है:

> अतिल कुमार सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, पूना

वारीख: 30-4-1985

मोहर:

प्ररूप आह्र .टी.एन.एस.------

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-व (1) के अधीन स्चना

भारत सरकार

कार्यालय, महायक आयकर आयक्त (गिरीक्षण)

यर्जन रेंज, प्रतिकार सदन, 60/6, ऐरांखवाने, पूना-4

पूना, दिनाँक 30 अप्रैल 1985 निदेश सं० 37ईई/75/2/84-85—यतः ृमुझे, भ्रनिल मार.

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें धाके परुवात 'उकन अधिनियम' कहा गया है), का धारा 260-स के अधीन सक्षम प्राधिकारों को, यह विश्वसर कारने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार बुक्य 1,00,000/- रह. से अधिक है

और जिसकी सं० है तथा जो पूना में स्थित है (और इससे उपावद्ध अनुसूचा में और पूर्ण रूप में विणित है) के अधीन तारीख नवम्बर 1984

को पूर्वोक्स सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के अपमान प्रितिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्स सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिक्स का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकाँ) और अंतरिती (अन्तरितियां) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पासा गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्विष्य से उक्स कन्तरण लिक्सि में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) बस्तरण से हुई किसी अस्य की बाबूत, उत्पट अभिनियम के अभीन कार दोने के अस्टरक की क्षियित्य में कभी करने या उत्तस वचने में सुविधा भी लिए।
- (का) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य अपिस्तरों को, जिन्हें भारतीय जायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती व्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा औ लिए;

अत: अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-श की उपधारा (1) के अधीन, निम्निजिखित व्यक्तियों, अभित् :--

1. मेसर्स भूषा भ्रपार्टमेंट्स, 322/11, शंकर सेठ रोङ् पूना-2।

(अन्तरक)

2. श्री शांतीलाल नथमल जैन, 68, न्यू टिम्बर मार्केट, पूना-2।

(अन्तरिती)

को सह सूचना धारी करने पूर्वोक्त सम्पत्ति को अर्थन को लिए कार्यवाहियां कारता हुं।

सनत संपत्ति के जर्बन के सक्छ में काइ भी जाक्षप ---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारित्र स 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की जबिध, जो भी अवधि बाद में ममाप्त होती हो, के श्रीतर पूर्वों से व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति सूवारा;
- (द) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-स्वूच किसी अन्य व्यक्ति हुवारा अधाहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोगे।

स्पाकीकरणः --- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, बही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

#### **धन्**सूची

जैसा कि राजस्ट्रीकृत कः 37-ईई/7512/84-85 जी नवस्वर 84 को सहायक भ्रायकर म्रायुक्त निरीक्षण, म्रजन रेंज, पूना के दफ्तर में लिखा गया है।

> र्श्वानल कुमार सक्षम प्राधिकारी सहायक भ्राम्कर प्राथुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, पूना

सारीख: 30-4-1985

मोहर :

मक्य साम् . हो . एवं . एक . -----

भागकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा ंहल-व (1) के अधीन स्वना

#### भारत चरकाड

कार्यालयः, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
यर्जन रेंज, प्रतिकार सदन, 60/6 ऐरांडावाने, पूना-4
पूना, दिनांक 30 अप्रैल 1985

निदेश सं० 37-ईई/9194/84-85---म्रतः मुझे, प्रतिन कुमार,

आध्कर अधिनिधन, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके वश्काल प्रश्न जीविविधन कहा गया है), की वारा 268-व के जिल्हों कर अधिकारी की, यह विश्वास करने का कारण है कि अधिक संपत्ति जिस्ता उल्लिक नाजार मुख्य

1.00,000/- रा. में अधिक हैं और जिसकी मं० 1-20, प्लाट नं० 62/16, 87/2, कुल-गांव है, तथा जो कुलगांव में स्थित हैं (और इससे उपाबद प्रमुस्ची में और पूर्ण रूप से विणत है), रिजस्द्वीकर्ता प्रधि-कारी के कार्यालय महायक ग्रायकर ग्रायक्त निरीक्षण रेंज में, रिजस्ट्रीकरण ग्राधिनियम, 1,908 (1908 का 16) के ग्रवीन, तारीख श्रमतूबर 1984

कं प्रवान, ताराख अन्तूबर 1984
को प्रवेक्ति संम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के क्यमान
प्रतिकाल के लिए अंतरित की गई है और मृष्ट यह विकास करने
का कारण है कि यथाप्तिकत संपत्ति का उचित बाजार
पून्य, उसके क्यमान प्रतिकाल से, एसे क्यमान प्रतिकाल का प्रमुख्
प्रतिकाल से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिकी
(अन्तरिक्ति) व वीच ऐसे अन्तरक के लिए तम पामा नया प्रतिक्षत्र निक्निचित्त उद्देश्य से उन्त अन्तरण लिखित में बान्तिक का से किशन नहीं किया गया है.—

- (क) अंतरण से सुद्दें कि ती आय की बावस, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अंतरक के दासित्व में कथी करने वा उससे बचने में सृविधा के सिए; और/बा
- (ज) ऐसी किसी जाय या किसी धन या बन्य बास्तियों कर अस्ति पारतीय पायकर धिसिनयम, 1922 कि 11) या उक्त अधिनियम, या अन कर अधिनियम, या अन कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिसी वृंबाड़ा प्रकट नहीं कि। मुगा अह या जिला बालाए कालिए का, छिपा से प्रतिस्था के लिए।

्रतः अब डक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, भें, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की उपधास (1) के अधीन, निम्निलिखत व्याक्तयाँ, अधीत ह— 1. मेसर्स रेणुका बिल्डर्म, गुलगांव पोस्ट, ता० उल्हास-नगर, जि० थाना।

(भ्रन्तरक)

2. श्री सुरेश माधवराव रूपाजी, 336, जे० एस० रोड़ ठाकुरक्षार, बम्बई-2।

(श्रन्तरिती)

को यह सूचना जाश करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहिया सुरू करता हुं।

**उत्पर प्रमालित को अ**र्थन की सम्बन्ध में काई भी काईप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन को अगीध दा तत्मबधी ज्योक्तया १३ सूचना की नामील से 30 दिन की सबधि, को भी अबिध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्सक व्यक्तिया में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस स 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हिस-बब्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वाग, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए का सकरा।

स्पन्दिकरणः ----इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त बीभविदम, के अध्याय 20 के में यथा परिमाधित हैं, वहीं अर्थ होता जो उस कथाय में जिल्हा स्वा हैं।

#### क्ष**म्**सूची

जैसा कि रजिस्ट्रीकृत कः 37-ईई/9104/84-85 और को प्रक्तूबर 1984 को सहायक ग्रायकर श्रायुक्त निरीक्षण ग्रजैन रेंज, पूना के दफ्तर में लिखा गया है।

> श्रनिल कुमार सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रापुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, पूना

तारीख: 30-4-19885

मोहर:

प्रकल कार्ष . हो . एन . वह

रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भाग 269-भ (1) के सधीर सुचना

#### भारत सरकार

कार्यालय, महायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) भर्जन रेज, प्रतिकार सदन, 60/6, ऐराडायाने पुना-4

पूना, दिनाक 30 अप्रैल 1985

निदेश सं० 37-ईई/9101/84-85---श्रतः मुसे, धनिल बुमार,

शायकर शिंपिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चर्स 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की भारा ₹269-ख को अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 1,00,000/- रु. से अधिक हैं

और जिसकी सं० 1/21, प्लाट नं० 82/7, कल्याण है, तथा जो कलवन में स्थित है (और इसमें उपाबद्ध अनुभूची में और पूर्ण हप से विणत है), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, सहायक आयकर आधुवत (निरीक्षण), अर्जन रेंज में, रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 18) के मधीन, तारीख अक्तूबर, 1984

को प्वींक्त सम्पत्ति के जीवत बाजार मृल्य में कम के रूर्यमान श्रीतफल के लिए अन्तरित की गई है और मुफ्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उजित बाजार मृल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का यह प्रतिकात से अधिक है और अंतरक (अतक्कों) और अतरिती (अतरितियों) के बीच एम अतरण के लिए तय पाया गया प्रति-कल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अतरण लिखित में वास्तिवक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी जाय की बाबत उक्स अधि-अयन के जभीन कर दोने के अन्तरक के दासित्य में कभी करने वा उससे अध्ये भें सुविधा के लिए; अन्तर्भाः
- (स) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आफ्तियों की, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कार अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती स्वारा प्रकट नहीं किया गया का चा किया जाना चाहिए था. हिस्सान में स्विधः के लिए,

अतः अव, उक्त अधिनियम की धारा 269 न के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269 -- घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :---

1. मेसर्स रेणुका बिल्डर्स, पोस्ट कल्याण तह० उत्हासनगर जि॰ थाना।

(थ्रन्तरक),

2. श्री देवेन्द्र महादेव रूपजी, 336, जो० एस० रोड़ ठाकुरद्वार, बम्बई-21

(भ्रन्त(रती)

**व्यायह स्पना भारी करके पृत्रा क्ला सम्मात्स क अर्बन** के नेबर कार्यवाहियां सूरक करता हुं।

बक्त सम्पारत के वर्जन के सम्जन्म में कोड़े भी अक्षेप -

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी सासे 45 विस की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की सामील से 30 विन की अवधि, लो भी अवधि साव में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में संवित्तरी स्थावित इसारा,
- (भ) इस स्चना के राजपत्र में प्रकाशन की तारील । 45 दिन के भीता क्या स्थान क्यां के कि व ब्या किसी अन्य व्यक्ति प्यारा जधोहरूका के गम सिक्षित में किए का इकती।

स्पद्धीकरणः -- इसमे प्रयुक्त शब्दों और पद्यों का, श्रो उक्क अधिनिधम के अधाय १० % भिर्माधित हैं, वहीं अर्थ हाना ने उस अध्यास में दिया स्था है।

#### श्रमसूत्री

र्जैसा कि रिजस्ट्रीकृत कः 37-ईई/9101/84-85 जो अक्तूबर 84 को सहायक आयकर आयुक्त निरीक्षण, अर्जन रेंज, पूना के दफ्तर में लिखा गया है।

> श्रनिल कुमार सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, पूना

तारीख: 30-4-1985

मोहर:

### प्रकल् नार्था हों । एता सुबात के के व न क

शायकर जीभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-म (1) के अभीन सूचना

#### भारत सरकार

### कार्यासय, सहायक वायकर वाय्वत (निर्धासन)

ग्रर्जन रेंज, पूता

पूना, दिनांक 29 अप्रैल 1985

निदेश संव 37-ईई/6966/84-85--प्रतः मुझे, ग्रनित कुमार,

नामकर निर्मानयम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसमें इसमें परचात् 'उक्त मधिनियम' महा गया हैं), की भारा 269-च के अभीव सक्षम प्राधिकारों को यह विश्वास करने का करण हैं कि स्वावर सम्पत्ति, विसका दियत वाचार मून्य 1,00,000/- रा. से अधिक हैं

और जिसकी मं० पर्लंट नं० 11, पर्लंट नं० 645 और 646 सदाशिय पेठ, ग्रार० बी०, कुमठेकर रोष्ट्र, पूना है, तथा जो पूना में स्थित है (और इससे उपावद्ध श्रनुसूची में और पूर्ण रूप से विज्ञत है), रजिस्ट्रीकर्ला श्रिष्ठकारी के कार्यालय, सहा-यक ग्रायकर श्रायकर श्रायकत (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज, में, रजिस्ट्रीकरण श्रिष्ठनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, नारीख श्रमत्वर 1984

को वृत्रोंकत तमपील के जिल्हा बाजार मूख्य से कम के क्यामान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई हैं और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथाप्योंकत सम्परित का उणित बाजाड़ मूख्य उसके क्यामान प्रतिकल से, एसे क्यामान प्रतिफल का पंकापित से अधिक है और अंतरक (अंतरका) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रति-फल निम्द्रीलिकत उन्देश्य से उक्त अन्वरण निक्ति में अक्तिक्क क्य से कथित नहीं किया गया हैं:——

- (क) बन्तरण ते हुइं किसी बाव की वानत, उक्त व्योधीनयम के बधीन कर दोने के बन्तरक के खरित्य में क्रवी कर्डने या उससे बजने में सुनिया के जिए; बहि/वा
- (स) एरेसी किसी आय या किसी धन या अन्य जास्तियों की, चिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या चन- कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) खें प्रयोजनार्थ अन्तिरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया वा या किया जाना चाहिए था, जिल्लाने में सुविधा के लिए ।

वतः वव, उक्त विधिनियम की भारा 269-व के वनुकरण में, में. उक्त विधिनियम की भारा 269-व की उपभारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :---  श्री हिर्गिवजय प्रह्माद भोगी,मात्रक मेसर्थ एवं पी० जोगी और क्रांनी 674, सदाणित पेठ, प्रता-30।

(ग्रन्तरक)

2. श्रीमती जयश्री जतादीत मुर्वे "मात्कृता", ब्लाक न० 20, 962, सदाजिब पेठ, नागताथ पार, पुणे— पणे—30।

(ग्रन्नरिधी)

को बहु स्थना भारी करक पृत्रेक्स सम्मित के वर्षन के लिए कार्यनाहियां करता हूं।

जनत सम्पत्ति के वर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षण हुन्न

- (क) इस जूचना के राजभन में प्रकाशन की तारीस के 45 दिन की अवधि का तत्सम्बन्धी व्यक्तियों वर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, को धी अवधि वाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीवश व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति इवारा;
- (ब) इस सूचना के राजपण में प्रकाशन की तारीब ते 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हिस्बन्ध किसी अन्य व्यक्ति च्वारा अधाहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्वक्षित्यः :---इसमें प्रयूक्त सम्बों और पत्नों का भो अवस् अधिनियम् के अध्याय 20-क में प्रिभाषित है, वहीं वर्ष होगा, जो उस अध्याय में विद्याः यग है।

#### मन्स्या

जैसा कि राजिस्ट्रीकृत कि 37-ईई/6966/84-85 श्रक्तूबर 1984 को सहायक श्रायकर प्रायुक्त निरीक्षण, श्रज्त रेंज, पूना के दक्तर में लिखा गया है।

> श्रनित कुमार र्वः सक्षम प्राधिकारी महायक श्रायकर श्रायुक्त (िरीक्षण) श्रजैन रेंज, पूना

तारीख: 29-4-1985

मोहर 🙎

11-86GI|85

### प्रकृष कार्ड , ट<u>ी.</u> ६५ . एस .-----

# भागकर विधिनियम्, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) के अधीन स्थना

#### नारत चरकार

कार्यालय सहायक आयकर आयक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, बंगलूर

बंगलूर, दिनाम १ अप्रैन 1985

निदेश स० 902/84-85------श्रतः मुझे श्र.र० भारदारज सहायक आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया गया है), की धारा 269-ध के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उधित वाजार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी न 139 है, तथा जो गलबर्गा में स्थित है (और जिसमें उपाबद श्रनमूत्री में और एणं क्य ने वर्णित है रिजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालया, गुलबर्गा में रिजिस्ट्री उरण श्रिधित्यम 1908 (1908 ह 16') के अधीन नारीख 22-9-1984

को पूर्विवत सम्पित्त के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मूभ्ने यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्विवत सम्पित्त का उचित बाजार मल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उच्त अंतरण लिखिन में वास्तियक रूप में कथित नहीं किया गया है:——

- (क) मलारण से हुई किसी भाग की गावत उपस् विधिनियम के अभीन कर दोने के बन्तरक वे दायितव मों कभी कारने या उससे दणने में सुविध के निष्कृ वारि/वा
- (क) ऐसी किसी नाम या किसी भन या अन्य अस्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उत्तत अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 वा 27) के अयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा चे निए।

अतः अव, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग क अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-श की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थीत् :----

- (1) अजितकुमार, बाप शिवलाल मेहता,
  - (2) इदर ती, बाप शिवलाल महता,
  - (3) मजीवकुमार, बार्स शिवलाल महतः। गजीपुर, गुलबर्गा।

(भ्रन्तरकः)

(2) ग्राज्यस्त्रितियान बाप, मृहम्मद शत्मग्रतिखान । मकान नं० 1/125, स्टेशन रोड बाजार, गुलबर्गा ।

(ग्रन्तरिनी)

को यह सूचना जारी करके पूर्विक्त सम्पत्ति के वर्जन के लिए।

जक्त संपत्ति के अर्जन के सबंध में कोई भी नाक्षेप :---

- (क) इस मूचना ह राजपत्र में प्रकाशन की तारीख है 45 दिन को अवधि या तत्मम्बन्धी व्यक्तियाँ पर सूचना की तामील में 30 दिन की अवधि, जो भी जबिध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीकत व्यक्तित्यों में से किसी व्यक्ति दुशरा;
- (स) इस सुचना के राजपत्र में अकाशन की शाश म 4.5 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितवक्ष किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित भ किए जा सकी।

स्पद्धाकिरण: ---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस. अध्याय में दिया गया है।

#### क्त्सूची

(दस्ताीज सं० 1600, तारीख 22-9-1984) जी सम्पत्ति श्राणिकगज, गुलवर्गा में है, इहमका मुन्गीपव नं० 3-139 है और इपका क्षेत्र 18181 वर्ग फीट हैं।

> श्रार० भारहाज मक्षम प्राधिकारी महायक आयक्षर आयुक्त (निरीक्षण) स्रर्जेन रेंज, बंगलूर

दनांकः 9-4·19**8**5

र्माहर:

प्ररूप साइं, टी. एव. एस., ------

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-ण (1) के अधीन सुचना

#### भारत तरकार

आर्यासय, सहायक ज्ञायकर आयुक्त (निरौक्षण) श्रर्भन रेंग, बंगलूर

बंगलूर, दिनाकः 9 श्रप्रैलं 1985

निर्देश स० 903/84-85---अत मुझे श्रारं भारहाज भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर संपित्त, जिसका उचित बाजार मृत्य 1,00,000/- रु. से अधिक हैं

और जिसक सं० 18 है, तथा जो छावणगेर में स्थित हैं (और इसमें उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से विणित हैं) एजिस्ट्रीकर्ती अधिकारी के कार्याक्ष धावणगेरे से रिजस्ट्री- जरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन नारीख 12-19 11984

का पूर्वत्यत सपितत कं जिन्त बाजार मूल्य सै कम के हस्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूझे यह विश्वास करने का जारण है कि यथापूर्वेक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके इस्यमान प्रतिफल से एंगें इस्यमान प्रतिफल के बन्दह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एस जन्तरण के लिए तय गया गया शितफल, निम्निलिखित उद्देष्य में उक्त अन्तरण निष्ति में वास्तिवक रूप से कथित नहीं किया गया है:----

- (क) अन्तरण से हुई किसी बाय की वायत, उक्त विध-नियम के अभीन कर दानेके अन्तरक के दायित्व को कमी करने या उससे वचने में सुविधा के लिए; वरि/स्व
- (क) एंसी किसी भाग या किसी भन या अन्य अस्तियों को जिन्ही भारतीय आयकर अभिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) अं प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिएलो में सुविधा के निए;
- अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्सरण मा, मी, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपभारा (1)

के अधान, शिम्नलिसित व्यक्तियों, अर्थात् :--

- (1) सन्नम्भा कृष्वन्त्रभा गडगीमठ
  - 2. श्री विश्वमनाथ बाप मत्प्पा गडगीमठ
  - श्री शत्म्तप्या बाप, सन्तप्या गजगीमदः
  - मृर्गण बाप सन्तया गडगीम ।
     मिडिल फ्लाम कालानी दावणगेरगी ।

(ग्रन्तरक)

(2) ए० आहेप्पा, बाप अधानूर चन्नप्पा । चौथा बाडे छठा, डिबीजन, दावणगेरी (सिटी) ।

(भ्रन्तरिती)

को यह स्चना जारी करके पूर्वोक्त संपरित से धर्णन के सिष् कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त तम्परित के अर्थन के संबंध में कोई भी बाक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीं वें 45 दिन की बनिध या तत्संबंधी व्यक्तियों पर मूचना की तामील से 30 दिन की अनिध, जो औं अनिध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्विक्ट व्यक्तियों में से किसं। व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस सं 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितकस्थ किसी अन्य व्यक्ति द्वार अभोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकांगी।

स्पष्टीकरणः--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, को उनक अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित इ. बही वर्ष होंगा की उस अध्याय में विका गया है।

### सन्स्ची

(इस्तावेज मं० 3275 तारीख 12-9-1984) बंगला विजयलक्ष्मी शेट शेष्ठ नं० 18 है, इसका क्षेत्रफल 12'7-4' है।

> आर० भारताज सक्षम प्राधिकारी महायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) प्रजंग रेंज, बंगलूर

दिनाक 9--4--1985

मोहर :

### प्रकृष कार्ष की . थ्य . द्रश् . व्यवकार क्रमान

कार ६२ अधिनियम 1961 (1961 का 43) की बाह्य 269-म (1) के स्थीन स्मना

#### भारत सरकार

### कार्यालय, सहाबक आयकर बागुक्त (निरोक्तण)

अर्जन रेज, बेगलूर

वगत्र , दिनाक 9 अपेल 1985

निवम स० 904/84 - 85 - अन मझे आर० सारद्वाज

नायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) हिंबले इसमें इसमें इसमें परवात जिल्हा नियनिवर्ध कहा गया हैं), की धारा 269-का के अधीन सक्षप प्रशिकारी को वह नियनात करने का आहल हैं कि स्थावर संपरित, विस्का उचित्र वाजार मृत्य 1,00,000/- रा. से अधिक ही

और जिनकी सुन् 200/1 है तथा जो बेलगाव में स्थित हैं (और इन्में उपाबद्ध अनुभूची से और पूर्ण रूप से विणित हैं) र्जिस्ट्रीयती अधिकारी के लायालय वेलगाव में रिजिट्रातरण अधिनियम 1908 (1908 ना 16) के अधीन नारीख 20-9:1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के स्वयमान प्रतिफल के जिए बन्तिरित की गई है और मुन्ने यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके स्वयमान प्रतिफल से, एसे स्वयमान प्रतिफल का बल्यह प्रतिभृत से बिध्य, है बीर बन्तरक (बंतरकों) और अंखरिती (बन्तरितियों) के बीच एसे बन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-क स निम्नतिचित उद्देश्य से उसते अन्तरण निचित में बास्त्-विक क्य से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अभ्यरण संहूव किसी वाथ की नावत, अपन अभिनयम के अधीन कर दोने को अन्तरक के बामिस्य में कमी करने मा उच्छा अपने के स्वाप्त के लिए; और/मा
- (स) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों का, जिन्हों भारतीय आय-कर किथिन्यम, 1922 (1922 का 11) या अन्त अधिनियम, या अनकर विधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रसंखनार्थ मन्तिरती इकारा प्रकट नहीं किया गया वा सा किया बाना वाहिए था कियाने में विश्वा के स्थित के स्थित के स्थित

भतः अश्र, शक्त व्यधिनियम की भारा 269-म को, बन्भरण वी, मी, उक्त अधिनियम की भारा 269-म की उपभारा (1) की अधीन निम्नतिसित व्यक्तियों अर्थातः :---

(1) श्रीमता मकुन्तना भाष्ती यादव , निवरसी 1228, कातवास मलो, बेलगाव ।

(श्रन्तरः)

(2) श्री शताराम दामोदर बेश्नेकर, कोरे गली, शहापुर, बेलगाथ।

(ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्परित के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हो।

### सकत बरमरित को बर्धन को सम्बन्ध में कोई भी नाक्षेत्र ३००

- (क) इस स्वता के राजपत्र में प्रकाशन की सारीब से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्वान की सामील से 30 दिन की व्यक्ति जो मी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति प्रवास;
- (क) इस स्थान के राजपत्र में प्रकाशन की हारीस के 45 दिन के भीतर उत्तत स्थावर सम्पत्ति में हित- बद्ध किसी व्यक्ति द्वारा, अधाहम्ताक्षरी के पास तिसित में किए जा सकेंगे।

स्पन्नीकरणः - इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्क अधिनियम, के मध्याय 20-क में परिभाषित हैं, सही अर्थ होनेन जो उस अध्याय में दिया गया है।

### ्यन्स्की

(दस्तावेज सं० 2375 तारीख 26-9-84) खुली जगह, नोदवाडी, बेलगाव में है, इसका ग्रार् एम० न० 220/1 है, प्लेट न० 74 औं क्षेत्रफल 5124 वर्ग फोट है।

> श्चार० भारद्वाज सक्षम प्राधिकारी तहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्चर्जन रेंज, बगलूर

दिनाकः 9-4-1985 मोहरः

### प्रस्प बाह् दी पन एस . -----

नामध्यस् अधितियम्, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-म (1) के सभीत् सूम्पा

#### भारत तरकार

कार्यालय, सहायक बायकर मामृक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, बंगलूर विगलूर, दिनाक ९ श्रप्रैल 1985

निर्देश स० 905/84--85---ग्रतः मुझे धार०

गण्हाज

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिस इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-क के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिनकी मं० 3 है तथा जो बायणगेरे में स्थित है और इनमें उपायद्व अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है रिजस्ट्रीक्ती श्रधितारी के व्ययंत्वयं बाणवणगेरे में रिजस्ट्री-करण श्रधिनियम 1908 (1908 को 16) के श्रधीन नारीख 13-9-1984

को पूर्वोक्स सम्परित से उचित बाजार मृज्य से कम कैं दश्यमान प्रतिकल के लिए अन्तरित की गए और मुक्ते यह विश्वास

करने का कारण है कि यथायूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्ब, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिक्षत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के नीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निलिखित उथ्दोध्य से उक्त अन्तरण लिखित मं बास्तिक रूप से कशित नहीं किया गया है है—

- (क) अन्तरण से हुद्द किसी आय की बाबत उक्त अधि-निवम के स्थीन कर दोने के अन्तरक के बायित्व में कसी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए और/बा
- (अ) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों करों, जिन्हों भारतीय नायकर खिधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धन कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रवोधनार्थ अन्तिरती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था किसा थाना चाहिए था, ख्याने में सुविधा ने किसा

अत. अब, उक्त अधिनियमं की धारा 269 ग के बनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269 म की उपधारा (1) के अधीन, निम्नुसिवित कारिकारों, अधीन ह

- (1) 1. सुनाचना सगप्पा कुपामद
  - 2 राजकुमार कुष्पसद,
  - 3. नदराज कृष्यसद
  - 4. मल्ली कार्जुन कुप्पासद ) मैनर गाजियन बाय

  - 7. श्रीमती राजेश्यरी शंकरणा

जी ० पी ० ओ ० आण श्रीमती सुलोचना कुष्पासद, बंगलूर

(भ्रन्तरक)

(2) श्री ए० एम० वीरत्ना बाप अथनी गैता वीरप्पा, एम० एम० सी० ब्लाक B 'बी' डार सं० 2877, दावणगेरे।

(भ्रन्तरती)

की यह सूचना जारी करके पृत्रोक्त सम्पत्ति को जर्जन के निष्

उन्त सम्परित के नर्जन के सम्बन्ध में कोई भी साक्षेप :---

- (क) इस स्थान के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 विन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्थान की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त हाती हो, के भीतर प्रवेक्द व्यक्तियों में संक्रित क्यों क्यों कर विकास
- (अ) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीय वे 45 दिन के भीत्र उक्त स्थावर संपत्ति में हित-बब्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताकारी ब्रे पास निवित में किए जा सुकेंगे।

स्पव्योक्तरणः ----इसमं प्रयुक्त शब्दों और पर्शे का, जो उक्त अभिनियम के अध्याय 20-क में परिमाणिक हैं, बही अर्थ होगा थां उस अध्याय में विधा गया है।

#### अन्सूची

(दम्नावेज मं० 3236 तारीख 13-9-1984) खुला जगह एम० सी० सी० ब्लाब नं० 'ए' दावणगेरे सीही में हैं। इसवा क्षेत्र 95' / 142' है।

> श्चारः भारद्वाज सक्षम प्राधिकारी सहायक आपकर आपुक्त (निरीक्षण) श्चर्यन रेज, बंगलूर

दिना । 9·4·1985

मोहर :

प्ररूप आइ. टी. एन. एस

कार्यकर विभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भाड़ा भारा 269-च (1) के वभीन सुचना

#### शास्त्र स्टब्स

### कार्यांनय, सहायक नायकर नायक्त (नि.रीक्षण) अर्जन रेज, बगलुर

बगलूर, दिनाक 9 अप्रैल 1985

निदंश स० 906/84-85--अतः मुझे आए० भागद्वाण बायकर विधिनियम 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी का, यह विध्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

श्रीर जिसकी सं० 612 है तथा जो दावणगेरे में स्थित है (श्रीर इमसे उपावद अनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप में विजित है) रिजिस्ट्रीकर्ती अधिकारी के कार्यालय दावणगेरे में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख 17-9-84

को पूर्विक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के दृश्यमान प्रतिकल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास कर

कि यथा पूर्वीयत सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान मान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिद्यत् से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रविफल, निम्न-लिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित में बास्तिविक रूप से कथित नहीं किया गया है :——

- (क) मन्तरण से हुई फिसी बाय की बाबता, उक्स ब्रिशित्यम से ब्रुपीन कर दोने के जन्तरक से श्रीवरण में कमी करने वा उत्तस वचने में श्रीवथा के निष्ट; मौरू/या
- (क) ऐसी किसी बाय या किसी धन या अन्य बास्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनं- कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ बन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गय था या किया जाना वाहिए था, छिपाने में स्विधा के सिए;

- (1) बीक्कीकट्टी एच० चौडण्या, बाप बी० हनुमन्तप्या, आर०/ओ० 5वाध्वाई बीनोभा नगर हाउसिंग क्वाटर्स दावणगेरे । (अन्तरक)
- (2) चन्द्रशेखरप्पा, बाप लेट मीवप्पा, उप्पीत 2 इश्वरप्पा बाप लेट सीवप्पा उप्पित 3 चन्दाप्पा बाप लेट सीवप्पा उपिप्त 1वाई कायपिठ दावणगेरे ।

(अन्तरितो)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सञ्यक्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हू

उक्त सम्मत्ति को अर्जन को सम्बन्ध में कोई बाक्षेप ह-

- (क) इस स्वान के राजफल में प्रकाशन की तारीख से 45 विन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्वान की तामील से 30 विन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त म्यक्तियों में से किसी व्यक्ति इवार;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीब से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबब्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पाश लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरण :---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्यों का, भो उक्त जिथितियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं कर्ष होगा को उस अध्याय में विमा गया है !

### **अन्**स्ची

(दस्तावेज स० 3368 तारीख 17-9-85) एक बंगला फस्ट डिबीजन काइपेठ दावणगेरे में है इसका म्युनिसिपल नं० 612 और क्षेत्र 2125 वर्ग फीट  $\left(135'\times151'\right)$   $1^{\frac{1}{2}}$  है ।

आर० भारद्वाज सक्षम प्राधिकारी सहायकआयकरआयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, बंगलूर

नतः नम, उक्त मधिनियम की धारा 269-ग के नन्सरण में, में, उक्त निधनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) के नधीन, निम्निलिखिट व्यक्तियों, नथित् 6--

दिनोंक : 9-4-1985

मोहर:

प्रकप काई टी.एन,एस.-----

भायकर ग्रीभनियम, 1961 (1961 का 43) की भाष 269-म (1) के ग्रामीन सुमना

#### धार्व ररकार

कायत्विय, सहामकं भागकर आयुक्त (निरक्षिण) अर्जन रेंज, बंगलुर

बंगलुर, दिनाक 9 अप्रैल 1985

निदेश सं० 907/84-85-अतः मुझे आर० भारताज नायकर मिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धार 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्मित, जिसका उजित बाजार मृत्य 1,00,000/- रु. से अधिक हैं

स्रीर जिसकी मं० 3332/3748 है तथा जो भद्रावली में स्थित है (स्रीर इससे उपाधद्ध अनुसूची में भ्रीर पूर्ण रूप से बिणत है) रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय भद्र बली में रिजस्ट्री-करण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन नारीख 5-12-1985

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उपित बाजार मूल्य में कम के क्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुके यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य' उसके दश्यमान प्रतिफल से एसे दश्यमान प्रतिफल के पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरि-तियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) जन्तरण से हुई किसी बाय की बाबत, उक्त जीभीनयम के अधीन कर दोने के बन्तरक कें श्रीवरण में क्यी करने वा उससे अपने में श्रीजपा के लिए; बीर/बा
- (क) एसी किसी नाम मा किसी भन मा अन्य आस्तिमों करों, किन्हों भारतीय नाम-कर विभिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त विभिनियम, मा भनकर विभिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ जन्तरिती ब्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया वाना जाहिए था, खिनाने में सुविधा के लिए;

क्तः भव, उक्त अभिनियम की भारा 269-ग के अपूतरण भें, में उक्त अभिनियम की भारा 269-ग की उपभारा (1) के अभीन, जिल्लिकिक व्यक्तिकों, अर्थात् —— (1) श्री के० टी० लोकनाथन, बाप लेट तगबेलु, निवासी डोर सं० 621डी, हुडको कालोनी भद्रावली ।

(अन्तरक)

(2) डी ब्रिगें पि गिनेंग वाप जी व्याहित के के क्रींव शारदा क्लीनिक स्पीर नेबोरेट्रीज, के जें जें नगर, झडावणे, दावणगेरे।

(अन्तरिती)

को यह सुचना जारी करके पूर्वीक्त सम्परित के अर्थन के निए कार्यवाहियां कुरू करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी बाक्षेप :---

- (क) इस स्वानः को राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अविध या तत्संबंधी व्यक्तियों पर स्वान की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी जबिभ बाद में समाप्त होती हो, को भीतर प्रोंक्ड क्यित्यों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबक्ष किसी बन्य व्यक्ति व्नाय कथोहस्ताक्षरी के पास तिस्ति में किए जा सकेंगे।

स्पच्छीकरण :— इसमें प्रयुक्त कव्यों और पवों का, जो उक्त निधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित इं, वहीं नर्भ कृता, जो उस अध्याय में दिया नया है।

#### अनुपूची

(दस्तावेज सं० 494 तारीख 5-12-1984) ्वगला वी एच० रोड भद्रावली टाउन में है । इसका खाता सं० 3333 है और क्षेत्र 121½'×95½' है।

> आर० भारद्वाज सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, बंगलूर

दिनांक : 9-4-1985

नोहर ह

प्ररूप बार्ड, टी., एन., पुस., -----

भागकर अधिनियस, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-ए (1) के अधीन सुचना

#### मारत वरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आय्क्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, बंगलूर

बंगलुर, दिनांक 15 अप्रैल 1985

निदेश सं० आर० 1614, 37ईई, 84-85- अतः मुझे आर० भारदाज

नायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पर्वात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की भारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित नाजार मृत्य 1.00.000/- रा. से अधिक है

1,00,000/- रु. से अधिक हैं
और जिसकी सं० आर० एम० 607 है तथा जो होमाबेहु पंचायन
होसाबेहु विलेज मंगलूर नालूक में स्थित है और इमसे
उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण म्या में विणित हैं) रिजस्ट्रीकर्ता
अधिकारी के कार्यालय बंगलूर में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम
1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख 15-4-84
को पूर्वोक्स सम्पत्ति के जिपत बाजार मृल्य से कम के स्थ्यमान
प्रतिफत के लिए अन्तरित की गई है और मृझे यह विश्वास
करने का कारण है कि स्थाप्वेंक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मृज्य, उसके स्थ्यमान प्रतिफत से, ऐसे स्थमान प्रतिफत का
पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरिक (अंतरिकों) और अंतरिती
(अन्तरितयों) के बीच ऐसे अन्तरिण के लिए तय पाया गया
प्रतिफत्त, निस्नलिखित उद्वेस्य से उक्त अन्तरण लिखित से
बास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है 4---

- (क) बंतरण से हुई किसी जाय की बाबत, जनता बिभिनियम के बभीन कर दोने के अंतरक के दायित्या में कमी करने या उससे अचन में सुविधा के लिए; और/वाः
- (च) एसी किसी बाब या किसी धन या बन्य कास्तियों की, जिन्हों भारतीय आयकार अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कार बीधिनियम, 1957 (1957 का 27) की प्रयोजनार्थ अन्तरियी द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः जब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण क्रॉ, क्रॉ, उक्त अधिनियम की धारा 269-म को उपधारा (1) क्रॅ अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् क्र⊸  (1) मेमर्स सर्दन ट्रेडिंग कंपनी लिमिटेइ नं 19/2, कर्जागहाम केमेंट रोड, बंगलुर-560001

(अन्तरक)

(2) मेसर्स असफा आफसेट, पिटसं प्रा० लि० 214/33 VII मैन बहसन्तनगर बंगलूर-560052

(अन्तरिती)

को यह सूचना चारी करके पूर्वोक्त सम्पृतिह के अर्थन के सिए कार्यनाहियां करता हूं।

जबत सम्परित के बर्जन के सम्बन्ध में कोई भी वाक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की जनिध, को भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त स्थावित स्वादा;
- (क) इस स्वना के ख्वपत्र में प्रकाशन की तारीं से 45 दिन को भीतर उक्त स्थावर सम्मत्ति में हितबब्ध किसी अन्य स्थावत द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के शास विस्ता में किये जा सकींगे।

स्पष्टीकरण: --इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अभिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होंगा को उस अध्याय में दिया पता हैं।

#### अन् सूची

(दस्तावेत्र सं० 1384/85-86 तारीख 15-4-1985) सम्पति है जिसका स० आर० एस० नं० 60-7 जो होसबेहु पंचायत होमबेहु विलेग मंगलूर तालुक, सौन केनरा में स्थित है।

> आर० भारद्वाज सक्षम प्राधिकारी सहायक भ्राय हर स्रायुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, बंगलूर

दिनांक: 15-4-1985

भोहेरु 🛭

प्रक्रम बाहै. टी. एन. एस . ------

### बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-च (1) के वधीन स्चना

#### भारत सरकार

### कार्यालय, सहायंक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, बेंगलुर

बेंगलूर, दिनांक 11 अप्रैल 1985

निदेश मं० नं० 80 1/84-85--अनः मुझे, आए०

नायकर अभिनियम, 1961 (1951 का 43) (जिसे इसमें इसको पश्चात् 'उन्त अधिनियम' कहा गया है।, की भारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी की यह विस्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्परित, जिसका उचित बाजार मुख्य 1,00,000/- रत. से अधिक हैं।

श्रीर जिसकी सं० सर्वे नं० 20/1 तथा जो कारिकम विलेज गोवा में स्थित है (श्रीर इसभे उपाबद्ध अनुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय इलहास, गोवा में राजिस्दीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख 15-8-1984

का पूर्विक्त संपरित के उचित बाजार मृल्य में कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि सथाप्योंक्स संपरित को उचित बाबार मृल्य, उसके दश्यमान प्रतिफाल से, एसे दश्यमान प्रतिफाल का पन्प्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (बन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के निए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित भें वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :---

- (क) अन्तरण से हुन्द किसी बाय की बाबता, उक्त अधिनियम को अधीन कर देने को जन्सरक की बायित्व में कमी करने या उससे अवने में सुविधा के लिए; और/या
- (अ) एंसी किसी माय या किसी धन या मन्य जास्तियों को जिन्हों भारतीय आय-कर विधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम,, या धन-कर ब**धिनियम,, 1957 (1957 का 27)** की प्रयाजनार्थ जन्तरिती बुवारा प्रकट नहीं किया गया भायाकिया जाता भाहिए था, क्रियाने में समिभा के किए:

जतः अव, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त विधिनियम की भारा 269-व की उपभारा (1) हे अधीन, निस्तिसिखित व्यक्तियों, वर्धात :---12-8601185

(1) श्री डोबिन्गीसजोम किंगन्टो, चिलिस फर्नान्डीज और उसकी पत्नी श्रीमती अना संबेरिना फर्नान्डीज, वामीन बाह कांडोलिम वापहेज, गोवा ।

(अन्तिश्क)

(2) श्री मन्बिन्यास गविल डी डी० मेनेजिंग एच नं० 304, गोवानकार कार वाङ्क्रबेहिम इलहास, गोवा ।

को यह स्चना कारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्थन के निए कार्यवाहियां शुरू करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के वर्णन के संबंध में कोई भी बाक्षेप :----

- (क) इस स्थना के राजपत्र में प्रकाशन की बारीय से 45 दिन की जबिध या तत्संबंधी व्यक्तियाँ पर सुचना की तामील से 30 दिन की भविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वे बत क्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वाराः;
- (बा) इ.स. सूचना के राजपन में प्रकायन की तारीख से 4.5 विन के भीतर उक्त स्थावर सम्मत्ति में हितबब् किसी अन्य व्यक्ति प्वारा अभोहस्ताक्षरी के पास निचित में किए का सकेंगे।

स्थक्ष्यीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा को उस अध्याय में दिया गया 👸 i

(दम्नावेज सं० 764/201तारी**च** 15-9-1984)

मब सुप्पति है जिसका 1 ग्रार नापना 729-25 स्क्वेयर मीटर्म, जो "चौबो श्रोइटरल नाम मे परिचित है, भर्वे नं० 20/1 नं० है, जो इला पारिश आफ मेंट लूसिया ग्राम पंचायत आफ कोरलिम विलेज तिसवाडी तालुक, सब डिस्ट्विट आफ इल्हास, गोवा मेस्थित है।

> आरं० भारद्वाज सक्षम प्राधिकारी महायक आयकर श्रायक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, बेंगल्य

दिनांक :11-4-1985

मोहर :

### प्ररूप बाह्र . टी . एव . एस . -----

### नायकर विधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-न (1) के वधीन स्पना

#### भारत सरकार

### कार्यासय, सहायक कायकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, बंगलूर बंगलूर, दिनाक 11 अप्रैल 1985

निवेश मं० आर 358/37ईई/84-85--अतः मुझे आर०भारक्राज,

नायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (चित इसमें इसके पश्चात 'उनत अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-च के नधीन तकन प्राधिकारी के यह निकात करने का कारण है कि स्थानर संगीत, चितका जीवत नावार मूस्य 1,00,000/-रु. से अधिक हैं

और जिसकी सं० 15 सर्वे नं० 3ए है तथा जो माकसा बारडेज, गोवा में स्थित है (ग्रीर इसमे उापाबद्ध अनुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप में वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी कि को कार्यालय बंगलूर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख 24-9-1984

को पूर्वोक्त संपरित, को उचित बाजार मूल्य से कन के स्वनान प्रतिफल को लिए अन्तरित की गई है और मूक नह निकास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके स्थमान प्रतिफल से, एसे स्वनान प्रक्रिक्त का नंदा प्रतिकत से मिथक है और मन्तरक (मन्तरकों) नौक मन्तरिती (बन्तरितियों) के बीच एसे मन्तरण के लिए तथ पाना नया प्रतिफल, निफ्निकित उद्देश से उसते बन्तरण कि सिक्टों में बास्तिक रूप से कथित नहीं किया नवा है:---

- (क) जनतरण से हुई किती आब की बावत, उक्त जभिनियम के वभीन कर दोने के अन्तरक के बार्डिक्स में कन्ती करने या उसने वचने में सुनिधा के लिए; और/या
- (क) एसी किसी भाग या किसी भन या बन्य जास्तिकों को जिन्हों भारतीय जागकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या भनकर अधिनियम, या भनकर अधिनियम, १०५७ (1957 का २०) के जनेकनार्थ अन्तरिती क्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपान में स्विधा के सिए।

नतः अन, उक्त निधीनयम, की धारा 269-घ के जनसरण में, में, उक्त निधनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निध्नलिक्ति व्यक्तियों, अर्थात् :—— मोहर : (1) श्री जोमेफ मैकियल परेरा, सियोलिम, बारडेज, गोबा।

(अन्तरक)

(2) श्री रजनीकान्त रामा बारकर, सलवडर डी मुन्डी, बारडेज, गोबा ।

'अन्तरिती)

को यह सूचना बारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के वर्षन के लिए कार्यवाहियां करता हू"।

उक्त सम्पत्ति के वर्षन के संबंध में कोई भी बाक्षेप 🏣

- (क) इंड ब्रुचना के उपचित्र में प्रकायन की ताड़ींच हैं
  45 दिन की नविभ या तत्त्वस्वन्धी स्पत्तिमों पर
  सूचना की तानील से 30 दिन की नविभ, को भी
  नविभ बाद में सनान्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्स
  " व्यक्तियों में से किसी स्वनित द्वारा;
- (क) इस सूचना को राज्यन में प्रकाशन की राष्ट्रीय से 45 दिन को भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवक्थ किसी काम क्यक्ति द्वारा कथोहस्ताक्षरी के पास लिकित में किए का सकोंगे।

#### सम्बद्धी

(दस्तिवेत्र म० 1250/84-85 तारीख 24-9-1984) पलाट न० 15, जिमका नापना 390 स्कवेगर मीटर्स है, कोमो मोडो नाम में परिचित है, जो टाउन आफ माकसा सब डिस्ट्रिक्ट आफ बारडेंग तानुक सर्वे नं० 30, गोवा डिस्ट्रिक्ट में स्थित है।

आर० भाग्द्वाज सक्षम प्राधिकारी सहायक आयक आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, बंगल्र

दिनांक : 11-4-1985

मोहर

### प्ररूप नार्ह. दी. एन. एस. -----

### क्रसंक र विभिन्नियन, 1961 (1961 का 43) की भंडा 269-व (1) के विभीत स्वता

#### भारत सरकार

### कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज, बंगलूर

बंगलूर, दिनाक 11 अप्रैल 1985

निदेश सं० आर० 1591/37ईई/84-85--अत. मुझे, आर० भारदाज,

नायकर निधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् उन्तर मिनियम कहा गया है), की भारा 269-क के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 1,00,000/- रा. से अधिक है

स्रीर जिसकी सं प्राट न ए 9 फ्लोर है तथा जो 28 सपाकी रोड़, बंगलूर में स्थित हैं ( स्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में स्रीर पूर्ण रूप से वर्णिन हैं)रजिस्ट्रीकर्ती अधिकारी के कार्यालय बंगलूर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908(1908 का 16) के अधीन तारीख 23-2-1985

को पुना कित सम्मत्ति के विचत बाजार मृत्य से कम के द्रवसमान प्रतिफल को लिए अन्तरित की गई है आर मुझे यह विक्वास करने का कारण है कि यथापूर्वों कत सम्पत्ति का उजित बाजार मृत्य, उसके द्रवमान प्रतिफल से एसे द्रवमान प्रतिफल का बन्तह प्रतिचात से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया मया प्रतिफस, निम्निलिखित उद्देश्य से उन्त अन्तरण सिचित के बास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की वाबत, उक्त अधिनियम के अभीन कर दोने के अन्तरक के श्रीयत्त्र में कभी करने या उत्तसे अचने में सुविध्य के शिए; बीड़/बा
- (क) एसी किसी नान या किसी भन या नन्य नास्तियों को, जिन्हें भारतीय नाय-कर निभिन्नय, 1922 (1922 का 11) या उन्त निभिन्नयम, या भनकर निभिन्नयम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोज-नार्थ अन्तरिती ब्वारा प्रकट नहीं किया गया भा या किया जाना नाहिए था, कियाने में स्विभा को किए:

अत: अब, उक्त अधिनियम ही भारा 269-ग के जनसरण कों, मीं, उक्त अधिनियम की भारा 269-गि की उपभारा (1) को अधीन, निम्निलिखित क्यीक्तयों, अर्थात् :--- (1) मससं राजेश इन्टरप्राससः,
 मेनेजिग डायरेक्टर श्री एल श्रीचण्द,
 834, माट रोड़ मद्रास-600002

(अस्तरक)

 (2) अन्दुल नाजिर ,
 भौर श्री अन्दुल कालिक नं० 11, आडी रोड़, शांतीनगर,
 बगल्ए—27

अन्तरिती

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्जन के विक् कार्यवाहियों करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्थन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख के 45 दिन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पूर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध नाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति व्यक्तियों
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीका से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पन्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा क्योहस्ताक्षरी के पास निकास में किए जा सकींगे।

स्वयद्यीकरण: ---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्यों का, जो जक्त विभिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है वही वर्थ होगा, को उस अध्याय में दिया नवा है।

#### ग्रनुसूचो

(दस्तावेज सं० 1377/84-85 तारीख 32-2-85) सप्म्पित है जिसका सं० 9 फ्लोर, में प्लाट नं० सी जो "गालक लिक" अपार्टमेंटस नं० 28 सथा की रोड़ बंगलूर में स्थित है।

> आर० भारद्वाज सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, बगलूर

दिनांक : 11-4-1985

मोहर:

प्रकृपः बाह्रः टी. धनः एसः - - - -

कारकार अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-थ (1) के नभीन स्थना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सङ्गायक आयकर जायुक्त (निरक्षिण)

जर्जन रेज, बगलूर

बगलूर, दिनाक 29 अप्रैल 1985

निवेश स० 61/iसतम्बर/84/रेज-2—अत सुझे, श्रीमती एम० साम्बेल,

नायकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-क के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 1,00,000/- रहा से अधिक है

श्राँर जिनकी मं० आ४० एम० न० 4266/2, है तथा जा मलापुर में स्थित है (श्राँर इसन उपाबद्ध अनुसूची में श्राँर पूर्ण रूप में वर्णित है) रजिस्ट्रोक्ती अधिकारी के वार्यालय, मद्रास सेंद्रल लेख में> 889/84 में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख सितम्बर 1984

का पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूस्य से कम के रश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुफ्ने यह विश्वास कारने का कारण है कि यथापुनोक्त सपित्त का उचित बाजार मूस्य, उसके रश्यमान प्रतिफल स, एसे रश्यमान प्रतिफल का बन्त्रह प्रतिषति से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अंत-रिली (अतरितियों) के बीच एस अन्तरण के लिए तय पामा गया अतिफल, निम्नीसित्त उद्वोध्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) मन्तरण ते हुई किसी नाम की बाबस, अक्ट नियम के नभीन कर दोने के मन्तरक के वासित्य में कभी करने मा उससे बचने में सूबिधा के लिए; बॉर/या
- (का) एसी किसी आय या किसी अन या जन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या अनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जीनी चाहिए था, छिपान में सविधा के लिए.

बतः अब, उक्त अभिनियम की धारा 269-ग को जनुसरण को. भी. उक्त अधिनिक्षम की भारा 269-व की उपभारा (1) को अभीग, निम्निलिबित व्यक्तियों, अर्थात् ंच⊷ (1) श्री एस० पी० एस० एस० पिच्याण.

(अन्तरक)

(2) श्री बी० जें० रूबन,

(अन्मिरती)

- का ग्रह सूचना जारी करके पूर्वोक्स सम्पत्ति के वर्जन के हिए कार्यवाह्यां ग्रुक करता हुं।

उन्त तम्पत्ति के बर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी ह सं 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी क्यत्रितमों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी कविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वेक्स व्यक्तियों में से कियी व्यक्ति ब्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीब स 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास निचित में किए वा सकत्ते।

स्थक्कीकरण : इसमें प्रयुक्त शब्दों कौर पर्दों का, जो उक्त जिथिनियम, के अध्याय 20-क मा परिभाषित है, नहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

### धनुसूची

भूमि - प्रारंश एमा नाम 4266/2, मलापुर, मद्रास सेट्रल लेख नाम 889/84।

> एम० सामुवेल सक्षम प्राधिरगे सहायक आयक्तर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेज-2, मद्रास

दिनाक . 29-4-1985 मोहर .

### प्रकृप कार्ड . दी . एम . एस . -----

आयकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-च (1) के अभीन सूचना

#### भारत तरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेज-2, मदास

मद्रास, दिनाक 29 अप्रैल 1995

निदेश स० 8/सितम्बर 84/रेज-2-अतः मुझे, श्रीमती एम० सामुबेल,

आयकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अभिनियम' कहा गया है'), की भारा 269-ख के अभीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 1,00,000/- रा. से अधिक हैं

श्रीर जिसको में भूमि प्लाट ने 18, सर्व नं 6144 पालवाक्कम गांव है तथा जो श्रांधापेठ तालूक में स्थित है (श्रीर इसन उपावद्ध अनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से विणित है) रिजिस्ट्रीकर्ती अधिकारी के जायिलय मद्रास सेंट्रल लेख सं 907/84 में राजस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अथान नारीख सितम्बर 1984

को पूर्विकत सम्मत्ति के उचित बाजार मूल्या से कम के रहममान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुभ्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथा पूर्वोक्त सम्मत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके रहममान प्रतिफल से, एसे रहममान प्रतिफल के पंद्रह प्रतिशत से अभिक है

अरैर अंतरक (अंतरकों) आर अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अरूरण के लिए तय पाया गया प्रतिकत, निम्नितियक हिष्किय से उधन अन्तरण सिचित में वास्तियक रूप से कथित छी किया गया है।—

- (क) अन्तरण संहुई किसी आय की बाबस, उक्त अभिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में अभी करने या समसे बचने में सुविधा के लिए; और/वा
- (क) एसी किसी भाग मा किसी धन मा अन्य आस्तियों करें, जिन्हें भारतीय आयक्तर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या भनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रमाजनार्थ अन्तिरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, कियाने में सुविधा के लिए;

अतः जब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के जनूतरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-ज की उपधारा (1) के अधीन, निम्निनिक्षित व्यक्तियों, अर्थात् :--- (1) अकिला बालन

(अन्तरक)

(2) श्री बी० के० अशीक

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के अजन के लिए कार्यनाहियां करता हूं।

उक्त संपत्ति के अर्फन के संबंध में काई भी जाक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि के बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वेक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस स्चना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस स 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबब्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिस्ति में किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरण: ---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित ही, वहीं अर्थ होंगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

#### अनुसूची

भूभि :---प्लाट नं० 18 मर्वे नं० 614ए, पालवस्कम गाव मधापेठ तालूक मद्रास, सेंट्रल लेख सं० 907/84।

> एम० मामुबेल सक्षम प्राधिकारी महायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज~2, मद्रास

विनास : 29-4-1985

मोहण :

### प्रकष बाही, दी, एन ु एस. -----

भावभर नियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-व (1) के अधीन स्थना

### (2) श्री ए० राजामणी।

(1) श्री पी० प्रमाकर ग्रीर अन्य ।

(अन्तरक)

(अन्तरिती)

#### मारत रहकाड

## कार्याजय, सहायक भागकर बाब्क्त (निर्द्वीक्षण)

अर्जन रेंज-2, मद्रास

मद्रास, दिनाक 29 अप्रैल 1985

निदेश स० 10/सितम्बर 84/रेज-2--ा मुझे, श्रीमती एम० सामुबेल,

जायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'जुक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा 269-ख के अभीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का भारण है कि स्थानर सम्परित , जिसका सन्ति वाबार मृत्व 1,00,000/- रा. से निभक है

श्रीर जिसकी म० 7 उत्तर गोपालपुरम 1 स्ट्रीट, है नथा जो मद्रास-86 में स्थित है (और इससे उपाबढ़ अनुसूची में श्रीर पूण रूप से वर्णित है) रिजस्ट्रीकर्ती अधिकारी के कार्यालय मद्रास मेदृल लेख स० 978/84 में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख सितम्बर 1985 का पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के इत्रयमान पतिफल को लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने के कारण है कि प्रथापुनों क्त सपरित का उचित नाजार मुख्य इन्सको इत्यवान प्रतिफल से एेसे इत्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिकात सं अधिक है और अन्तरक (अंतरकाँ) और अंतरिसी (बन्तरितियों) के बीच एंसे अन्तरण के सिए तब पावा सवा शितिफल निम्नलिखित उद्योग्य से उन्त अन्तरण निवित . को बास्सियिक रूप से कथित नहीं किया गया है 🏻 🖚

- (क) जन्तरण से हुइ किसी बाब की बाबत, उक्त मिशिनियम के मधीन कर दोने की सन्तरक के बायित्व में कमी करने या उत्तरों बचने में सुविधा के किए; बरि/वा
- (क) ए'सी किसी आय या किसी भन या अन्य वास्तिको को, जिन्ही भारतीय जाय-कर अभिनियम, 1922 (1922 का 11) या उच्छ विधिन्यमं, वा भनुकर सभिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती श्वारा प्रकट नहीं किया नया था या किया जाना जाहिए था, क्रियाने में स्विभा के सिए;

बतः जब, उक्त अधिनियम की धारा 269-न के अनुसरण , मैं, उक्त अधिनियम की भारा 269-व की उपभारा (1) 🐗 मधीन, निम्तरिचित्त व्यक्तियों, वर्णाह्य अस्त

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के वर्णन के लिए कार्यवाहियां करता हुः।

### बक्त सम्बद्धि के बर्धन के सम्बन्ध में कोई भी बाक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपन में प्रकाशन की तारीं सं 45 विन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्वनाकी तामील से 30 दिन्की जनिष, यो भी वनिष बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वों बन् क्यक्तियों में से किसी व्यक्ति बुवाय;
- (ब) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीच से 45 विन के भीतर जक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबब्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सर्कोंगे।

स्पच्छीकरण:--इसमें प्रयुक्त शह्यों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परि-भाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याव मे विया गया है।

#### जन्त्र

भूमि ग्रार मकान .--7, नार्थ गोपालपुरम 1 स्ट्रीट मद्रास-86, मद्रास सेट्रल विलेख स० 978/84

> एम० साम्बेल सक्षम प्राधिकारी महायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज~2, मद्राम

दिनाक . 29-4-1995

मोहर 🛭

प्रक्रम् भादः .टी . एन . एस . ********

मासकर मिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-म(1) के अभीत स्माना

#### 🚓 भारत सरकार

### कार्यासय, सहायक नायकर मायुक्त (निरीक्षण)

अर्डन रेंज-2, मद्राम

मद्रास, दिनाक 29 अप्रैल 1995

निदेश सं० 58 सिनम्बर 84/रेंज/2--अन: मुझे श्रीमती एस• सामबेल,

नायकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उनत अधिनियम' कहा गया है), की भारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बंग्जार मृज्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

श्रीर जिसकी सं० 5, 1म्ट लूग स्ट्रीट मदबेलिप्पाक्कम मद्रास-28 है तथा जो आर० एस० नं० 4131 में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद अनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय मलापुर लेख मं० 1225/4 में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन नारीख सितम्बर 1984

कों पूर्वोक्त सम्परित के उचित बाजार मून्य से कम के क्षयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूफ्ते यह विश्वाम करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिकात से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियाँ) के बीच एसे अंतरित के सिए तब पाया गया प्रतिकल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिक रूप से कथित तहीं किया गया है दन्न

- (क) बन्तरण से हुइ निज्ञी बाय की बाबस, इच्छ अभिनियत के अधीन कर दोने के जन्तरक के दाजित्व में कजी कारन या उत्तरों बचने में मृजिभा के निष्ठ और/वा
- (क) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधि-नियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तिरिती ब्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया बाना चाहिये था, कियाने में स्विधा वे लिए;

अतः अतः, उक्त अधिनियम की भारा 269-म को अनुसरक को. मी, उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) को अधीन, निम्निजितिक व्यक्तियों, अधीत् ह— (1) श्री आर्० जयरामन ।

(अन्तरक)

(2) श्रीमती एन० पावंती अम्माल।

(अन्तरिती)

का वह सूचना धारी करके पूर्वीयन सम्परित के अर्थन के लिए कार्यवाहिया करता हूं।

उक्त संपरित के कर्पन के संबंध में कोई भी बाक्षेप :---

- (क) इस त्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीब से 45 दिन की बर्बीश या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्वान की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति बुनारा;
- (क) इस स्थान के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस ते 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबक्ष किसी जन्म व्यक्ति क्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास निवित्त में किए जा सकींगे।

#### प्रपृत्ता

भूमि श्रीर मकान :—डोर नं० 5, फस्ट लूप स्ट्रीट, मदवेलिपप्पास्कम, मद्रास-28, मलापुर, लेख सं० 1225/84

> एम० सामुबेल सक्षम प्राधिकारी सहायक आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-2, सद्राम

दिनाक : 29-4-1985

मोक्ट्र ;

### प्ररूपः आहें. टी. एन. एसः ----

लायकर मित्रिनियस, 1961 (1961 का 43) की एटा 269-ए /1) के लभीन सूचना

#### भारत सरकार

### कार्याल्य, सहायक नाथकर भायुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज~2 , मद्रास

मद्रास, दिनाक 29 अप्रैल 1985 ,

निदेश मं $\circ$  59/मितम्बर  $84/रेज<math>\sim 2$ —अतः मुझे, श्रीमती एम० सामुबेल,

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचाल 'उकत अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-ख के अधीन संक्षम प्राधिकारी की, यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित नाजार मृत्य 1,00,000/-रा. से अधिक हैं

ग्रीर जिनकी सं० 21, मर्रासहपुरम सवा कालोनी है तथा जो मद्राम-4 में स्थित है (ग्रीर इसमें द्रपाबद अनुमूची में श्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है) रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय मलापुर लेख सं० 1257/84 में र्राजस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन नारीख सितम्बर 1985

को पूर्के क्स सम्पत्ति के उचित नाजार मूल्य से कम के क्षरयमान प्रतिफल को लिए अन्तरित की गई है और मूम्झे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिष्क से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरित्यों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निन्ति खित उद्देश्य से उक्त मन्तरण लिखित में नास्तिक रूप से कियत नहीं किया गया है।

- (क) जन्तरण तं शुद्र कियो वाय की सन्त, सनक किपिनियम के सभीन कर दोने से मुख्यहरू में शायरण में कमी करने या जबसे बच्चे में सुविश्वा के लिए; और/या
- (क) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों का, जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तिरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था किपाने में स्विधा से लिए;

अतः मथ जनतः ऑफिनियमः की भारा 269-न के अनुकरण में, में, अवतः अधिनियम की भारा 269-च की उपभारा (1) कें अधीनः निम्नीलिवितः व्यक्तियमों, अमित्राः---- (1) श्री ए० आर० कृष्णत, ए० अ१र० श्रीनिवासन, श्री ए० अ१र० गोपाल, श्री ए० अ१र० वरवाराजन।

(अन्तरका)

(2) श्री एम० एन० अय्यर ।

(अन्तरिती)

को यह सुचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

#### जनत सम्पत्ति के वर्णन के सम्बन्ध में कोई भी वाक्षेप :---

- (क) इस स्वाना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तिया पर स्वाना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तिया में से किसी व्यक्ति द्वारा,
- (क) इस सूचना के राजपत्र में श्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी बन्य स्थावत द्वारा अभोहस्ताक्षरी के पात लिखित में किए जा सकेंगी।

स्वक्षिकरण: --इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदा का, जो उक्त जिभिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होंगा, जो उस अध्याय में दिया। गया है।

### भग्स्थी

भूमि ग्रीर मकान —— 21, तरसिहपुरम सवा कालोनी, मदास-4, आर० एस० न० 3584/1, मलापुर, तेख स० 1257/84 ।

एम० सामुबेल लक्षम प्राधिकारी भहायक आसकर आसुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेज-2, मद्राम

दिनाक . 29-4-1985

मोहर :

### प्ररूप बार्ड.टी.एन.एस.-----

आयकर रुधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन स्वना

#### भारत मरकार

कार्यालय, सहायक आयमर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेज-II, मद्रास

मद्रास, दिनाक 29 अप्रैल 1985

लर्देश म ८ 62/भितास्य 84/रेज-II-नात , मुझे ,श्रीमती एम० माम्बेल,

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गय( है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विकास करने का कारण है कि स्थावर समाति, जिसका उचित बाजार मृत्य 1,00,000/- रा. से अधिक हैं।

श्रीर जिसकी सर पर एसर नर 2561 है तथा जी मैलापुर गान में स्थित है (ग्रीर इस र उपावड जनम्बी से धीर पुर्ण रूप से प्रणित है) प्रजिस्टी ती विकारी के ागिल्यः, मैलापुण--लेख म० 1282/84 मे रजिस्ट्रीकरण अंधनियम, 1908 (1908 वा 16) के अधीन **मित्रवर** 1984

का प्रांक्त सम्पत्ति के उचित वाजार मृत्य से कम के स्रयमान प्रतिकल के लिए अगरित की गई है और मफे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्जीक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मुल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रनिशत से आधक है और अंतरक (अंतरकों) और अत-रिती (अतरितियाँ) के बीच एंसं अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त बंतरण निक्ति भे वास्तविक रूप में कथित नहीं किया गया है:---

- (क) अंतरण से हाई किसी आप की बाबत, उक्त अधि-नियम के अधीन कर दोने के अतरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए, और/या
- (ख) एेसी किसी आप या किसी धन या अन्य आस्तियाँ को जिन्हें भारतीय अध्यकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अतरिकी द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के लिए;

ङतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्मरण में, में उक्त अधिनियम की धारा 269-त्र की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित ध्यिनतयों, अर्थात ---13--86GI]85

(1) अ१४० रगराजन भौए रामराजन ।

(अन्तरक)

(2) श्री धन**े जगर्दी**सन् ।

(अनःरिती)

का यह स्चना जारी कण्के पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता है।

उक्त मम्पत्ति के अर्जन के सबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस स्कता के राजपत्र में प्रकाशन की ताराख में 45 दिन की अवधि या तत्सभ्यन्धी व्यक्तियाँ पर मूचना को तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के शीतर पर्वोक्त व्यक्तियाँ में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ल) इस स्वता के राजपत्र में प्रकाशन की तारील में 45 दिन के भीनर स्थावर सम्पत्ति में जितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधाहम्लाक्षरी के पाम लिमित में किए जा सकेंग।

स्पष्टीफरण:---इसम प्रयक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधि-नियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

to

#### जन्सूची

मिम और पंतात --मैलापुर गांव, आर० एस० तव 2561, मैरायु--रेब सः 1282/84 ।

> एम० नाम्बेल सक्षम प्राह्मकारी महाधक्त आयक्तर आयुक्त (होराक्षण) अर्जन रेंज-11, मश्रस

दिनाक , 29-1-1985

मोहर 🚜

वक्त नार् , टी , ह्व , एस ------

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सुचना

#### भारत सरकार

### कार्यालय, सहायक बायकर वायक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-I^I मद्रास

मद्रास दिनाक 29 अप्रैल 1985

निदेश सं० 64/सितम्धर/84/रेंज-11--अतः मुझे, श्रीम सी एम० साम्बेल,

कायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसमें प्रकात (उक्त अधिनियम कहा गया है), की भारा 269- ख को लधीन सक्षम शिधकारी को, यह विद्वास करने का कारण है कि स्थायर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000 का से अधिक है

स्रोर जिसकी सं० 484, मंदवेली, मैलापुर है, जो मद्रार, में स्थित है (श्रोर इससे उपावद्ध अनुसूची में श्रोर पूर्ण रूप से वर्णित है), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय; मैलापुर लेख सं० 13/8/84 में भारतीय रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख सितम्बर 84 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उपित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित को गई है और मुन्ने यह विश्वास करने का कारण है कि स्थापुर्वोक्त सम्पत्ति का उजित सावार मूल्य, वसके स्थानन प्रतिफल के लिए अन्तरित को गई है और मुन्ने यह विश्वास करने का कारण है कि स्थापुर्वोक्त सम्पत्ति का उजित सावार मूल्य, वसके स्थानन प्रतिफल के लिए अन्तर्भ से अधिकत के लिए अन्तरित को स्थापिक के लिए अन्तर्भ से सारतिक के निर्मा प्रतिफल के निर्मा से सारतिक से सारतिक के प्रतिफल के निर्मा से सारतिक से सारतिक के स्थाप से किया गया है के स्थाप से किथत नहीं किया गया है के स्थापत से सारतिक से सारतिक से सारतिक के स्थापत नहीं किया गया है के स्थापत से सारतिक स

- (क) कल्डक से हुई सिम्बी बाय की शावत उपत किया कि विभीत कार दोने के अंतरक की दायित्व में कार्य कार्य कार्य कार्य कार्य कार्य पा उसमा कवार्य में स्विधा की निगर कार्य क
- (व) प्रेसी निकती वाय ना विक्रशी थय ना कन्य जासित्यों क्ये, विन्हों नास्तीय लायकर मधिनियन, 1922 (1922 का 11) या उक्त निर्मानयन, या अल-कर मधिनियन, या अल-कर मधिनियन, 1957 (1957 का 27) जे प्रयोधनार्क जन्तरिती ब्यारा प्रकट नहीं किमा गया का या किया वामा बाहिए ना, किमाने में मृथिया के सिए;

जतः शव, उक्त अभिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अभिनियम की धारा 269-ग की उपधारा (1) के अधीन, निम्नितिकित व्यक्तियों, अर्थात् क्रिक्ट ं 1. श्री एस० रामचन्द्रन।

(अन्सरक)

2. श्रीमती रेवती रामकृष्णन ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना धारी करके पूर्वोक्स संपरित के अर्धन के लिए कार्यवाहिया शुरू करता हु।

### उक्त संपर्तित के वर्जन के संबंध में कोई भी वाक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारील से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी अविस्तरों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, को भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी अविस्त द्वारा;
- (स) इस मुचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक्ष से 45 दिन के भीकर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अपोहस्ताक्षरी के, पास लिक्ति में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, को उक्त विधितियम के वध्याय 20-क में परिभावित है, बही वर्ष होना को उस अध्याय में विधा नमा है।

#### अनुसुखी

भूमि और मकान 484, मंदवेली मेलापुर—मेलापुर लेख स० 1318/84।

> श्रीमती एम० सामुवेल सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-II, महास

तारीख: 29-4-1985 मोहर ध

### श्रुक्म आर्ड्-दरी. एत . एस . ------

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-घ (1) के अधीन सुचना

#### भारत सरकार

### कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज-2, मद्रास

मद्रास, दिनांक 29 अप्रैल 1985

निदेश सं० 72/सितम्बर 84/रेज-2-अतः मुझे, श्रीमती एम० साम्यल,

बायकर बिधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त बिधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-च के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विध्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिस्का उणित बाजार मृत्य 1.00,000/- रुठः से अधिक है

भौर जिसकी सं० 11, बब्न क्तसलम नगर-III स्ट्रीट, अडयार है, जो मझास-20 में स्थित है (और इससे उपाबद अनुसूची में भौर पूर्ण रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ती अधिकारों के कार्यालय, अडपार लेख सं० 2413/84 में भारतीय रजिस्ट्रीकर्तण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख सितम्बर 1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उपित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल को लिए अन्तरित की गई है और मूफे यह विद्यास करने का कारण है कि यथा पूर्वोक्त सम्पत्ति का उपित बाजार एसे दृश्यमान प्रतिफल को पन्तह प्रतिशत से बिश्क है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एते अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नुलिखित उद्देश्य से हक्त अन्तरण निखत में नास्तिक रूप से किया नहीं किया प्रा है हन्न

- (क) अन्तरण सं हुइ किसी जाय की बाबत, जैक्स अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के सिए; और/वा
- (क) ऐसी किसी आप या किसी भन या अन्य अस्तियों करे, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ जन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसर्ण में, में उक्त अधिनियम की धारा 269-ण की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखिङ व्यक्तियों, अर्थात् :--- 1 श्रीमती महिलका रमन

(अन्तरकः)

2 श्री पी॰ बी॰ अरावामुदा अय्यगार अभेर ए० जगन्नाथन।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी धाक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपण में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अवधि मा तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि के बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त क्षिक्तयों में है किसी व्यक्ति इवार;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी स से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हिसबद्भ किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अभोहस्ताक्षरी के पास निधित में किए जा सकींगे।

स्पष्टीकरण:---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होंगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

### ववृश्वी

भूमि और मकान—सं० 11, बब्तवतमलम नगर— $I^{II}$  स्ट्रीट अडयार, मद्रास -20 टी० एम० न० 46, अडयार (लेख सं० 2413/84)

एम० सामुयल सक्षम प्राधिकारी ज़िहायक आयकर आमुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-2, मुद्रास

दिनांक 29-4-1985

ALES D

प्रमय बाहें. हो, इस, एसं, -----

आधकर अभितियस, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-ण (1) के अभीत स्पन्त

#### मारत सरकार

आवीलय, महायक आवकार आगृहत (निरीक्षण) अर्जन रेंज-2, महास दिनांच 29 अप्रल, 1985

निदेश सं० 77 सितम्बर 81/रेंज-2--प्रतः मुझे श्रीमती। एम० सामुक्षल,

जामकर जिथिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिस इसमें इसके प्रकान 'उक्त जिथिनियम' कहा गया है), को पाय कि क के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मृत्य 1,00,000/-क. से अधिक है

भौर जिसकी सं० 102, है तथा जो लारिस विज रोड़ अडयार है तथा जो महास-20 में स्थित है (भौर इससे उपाधद अनुसूची में भौर पूर्ण रूप से विजत है) रिजस्ट्रोकर्ता अधिकारी के वार्यालय अडयार लेख सं० 2467/84 में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख सितम्बर 1984

को पूर्वेक्ति सम्मित्ति को उचित बाबार युक्य के काम को दश्यमान प्रतिफाल को लिए अन्तरित की गई ही और मुक्ते यह निश्वास कारने का कारण है कि स्थानुवाँक्त संबंदित का वाँक्त बाबार मृत्य, उसके दश्यमान प्रतिफाल से, ऐसे दश्यमान प्रतिफाल का मन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरिक (अंतरकों) और अंतरिकी (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के निए तथ पाया गया प्रतिक्ति कि निम्निवित उद्वर्षक से उन्तर अन्तरण कि कि वर्ष के वास्तिक क्ष्म निम्निवित उद्वर्षक से उन्तर अन्तरण कि कि वर्ष के वास्तिक क्ष्म निम्निवित उद्वर्षक से उन्तर अन्तरण कि कि वर्ष के वास्तिक क्ष्म निम्निवित उद्वर्षक से उन्तर अन्तरण कि कि वर्ष के वास्तिक क्ष्म निम्निवित उद्वर्षक से उन्तर अन्तरण कि कि वर्ष के वास्तिक क्ष्म निम्निवित उद्वर्षक से उन्तर अन्तरण कि कि वर्ष के विश्व नहीं किया गया है :—

- (क) बन्बरण से हुई किसी बाय की बावस उक्स की क निमंच की कपीन कर दोने के बन्तरक की दार्थिश्व की कभी करने या दमसे बचने में सुविधा की सिए. कींड्र/या
- (था) एंसी किसी बाब वा किसी धन का का का का का का का, जिन्हीं भारतीय नायकार अधिनयम, 1922 (1922 का 11) या जानत अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रवोचनाचे जन्तीरती ब्वार प्रकट नहीं किया गया या किया बाना बाहिए था, खिपान में सुविधा के खिन्ह;

अत: अथ, उवत अधिनियम की धारा 269-म के अनुसरण मं, में उवत अधिनियम की धारा 269-म की उपधार (1) के अधीन, निम्मलिखित स्थितिमों, अर्थात्:—

- (1) श्रीमती दिवनायिक अलियास विस्तिमाल । (अन्तरक)
- (2) श्री पी० पी० कुन्हयरन ग्रीर अन्य (अन्तर्रिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहिया कारता हु।

उक्त सम्पत्ति के वर्जन के सम्बन्ध में कीई भी वाशीय ---

- (क) इस स्वा के राजधन में प्रकाशन को तारीस में 45 दिन की बबीभ या तस्मान्त्री व्यक्तियाँ पर स्वा की सामीण से 30 दिन की नवधि, वो भी कविथ साथ में सभाष्त इति हो, के भीतर पर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति ब्वारा;
- (क) श्रम सूचना के राजपत्र गं प्रकाशन भी तारील से 45 दिन के भीतर उन्कर स्थावर संघाला भी हिसान बद्दा किसी अन्य क्यांक्ट व्याप अधीहस्ताक्षरी के यास लिखिल मा जिला जा एकानी।

### बन्स्ची

भूमि और मकान :-102, लाटिस बिज राड़ अडयौँर, मद्रास-20, अडराय लेख स० 2467/84

> एम० नामुवल सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-2, मद्रास

दिनांक: 29-4-1985

मोहर ३

### प्रस्य आइ. टी.एन.एस.----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ध (1) के अधीन सुधना

#### भारत सरकार

कार्यालय, महायक आयकर आयक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-2, मद्रास

मद्रास, दिनाक 29 अर्थेल 1985

निदेश गं० 88 सिनम्बर 84 रेंज-2--अतः मुझे, श्रीमती एम० सामयल.

आयकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके प्रधाः 'उन्त अधिनियम' बहा गया है), की धारा 269-म के अधीन सक्षम प्राधिकारी वो यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 1,00,000/ का में अधिक है

ग्रौर जिसकी सं० 4 टी० पी० काउल स्ट्रीट, है तथा जो मद्रास में स्थित है (ग्रीर इससे उपाधड अनुसूची से ग्रौर पूर्ण रूप से विणा है) राजिस्ट्रीकर्ता अधिवारी के कार्यालय द्रिग्लिकेन लेख सं० 598,84 में राजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख सितस्बर 1984

को पूर्वाकित सम्मित्ति की उत्तित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल का लिए अन्तरित की गई है और मुक्के यह विश्वास करने का नारण है कि यथा पूर्वाक्त सम्पत्ति का उचित वाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एमे दश्यमान प्रतिफल के पंद्रह प्रतिशास से अनिक है और अंतरिक (अंतरिकों) और अंतरिती (अंतरितींयों) के बीच एमें अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निटिश्चित उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखिन में वास्तिवक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की वाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के इन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे वचने में मृविधा के लिए; और/या
- (ख) एसी किसी आय या किसी धव या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती स्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के लिए;

अभः अपः, उक्त अधिनियम की धारा 260-ग के अनुसरण में, में उत्थ अधिनियम की धारा 260-च की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अधीत् :--- (1) श्रीमली एष० लक्ष्मी अस्माल ।

(अन्सरक)

(2) थां बी० कस्तूरो।

(जन्स(रती)

कां यह स्वान जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के वर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त संपत्ति के कंचन के संबंध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीच सं 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियाँ पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि के बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियाँ में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस मूचना के राजपत्र में त्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबस्थ किसी अन्य व्यक्ति द्वारा कथाहस्ताक्षरी के पास विश्वित में किए जा सकींगे।

स्यव्हीकरणः - इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उकत अधिनियम, के अध्याद 20-क में परिभाषित ही, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याद में दिया गया है।

#### अनुसुधी

भृमि श्रीर मकान:-- 41 टी॰ पी॰ काउल स्ट्रीट, मद्राम ।द्राष्ट्रिककन, लेखे स॰ 598/84 ।

> एम० सामुयल सक्षम प्राधिकारी स**हा**यक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-2, मद्रास

दिनांक : 29-4-1985

मोहर :

प्रकृप बाइ . टी. एन. एस.-----

भावकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-व (1) के अधीन सूचना

#### भारत बहुकार्

कार्यालय, सहायक जायकर जायकत (निरीक्षण) अर्जन रेंज-11, मद्रास

मद्रास, दिनाक 29 अप्रैल 1985

निदेश सं० 128/सितम्बर 1984/रेंज-II--अत: मुझे, श्रीमती एम० मामुबेल,

श्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम', कहा गया है, की भारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृज्य 1,00,000/- रु. से जिधक हैं

जिसकी सं० सर्वे नं० 138/2ए, वेलटयेरी गांव, माम्बलम है, जो गिडी तालूक में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूत्री में श्रीर पूर्ण- रूप से विणत है), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, गैदापेठ लेख सं० 930/84 में भारतीय रिजस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन दिनांक सितम्बर 1984 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के विचत बाजार मृत्य से कम के ग्रश्यमान प्रतिफल के लिए जन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (जन्तरकों) और अन्तरिती (जन्तरितियाँ) के बीच एसे अन्तरण के लिए नय पाया गया प्रतिफल, निम्निशियत उपदेष्य से उक्त अन्तरण लिखत में वास्तिक रूप से किथत नहीं किया गया है:---

- (क) बन्तरण से हुई किसी आय को कार्य विध-नियम के अभीन कर दोने के कार्या के दायित्य में कमी करने या उससे बचन महः अख्यायधा के लिए; बार/या
- (का) एसी किसी आय या किसी भन या अन्य वास्तिकों करो, जिल्हों भारतीय जायकार अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, 1922 का भा पा उक्त अधिनियम, या भा भनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रणाजनाथ अधारणी द्वारा प्रकट तहीं किया गया था या किया जाना वाहिए था, छिपाने में सुविधा के सिए;

श्रत: अब, अबत अधिनियम की भारा 269-ग के अनुसरक कों, कीं, अबत अधिनियम की भारा 269-व की उपभारा (1) को जभीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अधित् च—— (1) डा० हमीद हुसैन ।

(अन्तरक)

(2) में सर्स विजय इण्डिया कन्स्ट्रक्शन्स, रिप्रैचर्गटड बाय भी बीठ गुणशेकरन ।

(अन्तरिती)

को यह सुजना जारी करके पूर्वोक्त सम्मत्ति के वर्जन के सिए कार्यवाहियां सुरू करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के वर्जन के सम्बन्ध में कांई भी वाक्षेप :---

- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीय ।
  45 दिन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियाँ पर
  स्वना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी
  अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
  व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी इस 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी बन्य व्यक्ति द्वारा अक्षेत्रस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्मक्कीकरण:----इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उस्त व्योभनियम के अध्यास 20-क में संधापरिभाषित है, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्यास में दिवा गंगा है।

#### वनुसूची

भूमि ग्रीर मकान :- 10,226.वर्ग फीट में सर्वे नं० 138/ 2ए वेलटयेरी गांव मांम्बलम गिण्डि तालूक शैदापेठ- जे०एस० आर०-II लेख सं० 930/84।

> एम०सामु**बे**ल सक्षम प्राधिकारी स**हायक आयक**र आ**यु**क्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज—ी मद्रास

विनोक : 29-4-1985

नोहर 🗈

### THE RELEASE STATES

बायकार अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की बाक 269-थ (1) के बंधीन क्षाना

#### HIST TOWN

कार्यात्तय, तहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-II मदास

मद्रास, दिनांक 29 अप्रैल 1985

निवेश सं व 188|सितम्बर 84/रेज-।।--अतः मुझे, श्रीमती एम० सामुवेल,

बायकर ग्राधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके प्रचात् जिस्त निर्मातमा क्या ग्या हो), की भाउ 269-व के सभीत बक्रम प्राधिकारी को, यह विक्यास करने के कारण ही कि स्थापर सम्पत्ति, जिसका जिसका ग्राधिक है।

ग्रीर जिसकी सं० आर७ एस० पुरम है, जो कोयम्बतूर एक्सटेंन्शन में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद अनुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप से र्वाणत है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, कोयम्बतूर लेख में ज 4204/84 तथा 4207/84 में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन दिनॉक 16 सिसम्बर 1984 को पूर्वोक्स सम्पत्ति के उभित बाजार मृत्य से कम के धनवनान नी नद्व प्रतिकल को लिए अन्तरिस विद्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्स सम्पत्ति का उचित काजार भूल्व, उसके दृष्यभान प्रतिफल से,, एसे दृष्यभान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिश्वत से अभिक है और अंतरक़ (अंतरकों) और अंतरिती (अंत-रितियाँ) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिबित उद्वेक्य से उक्त अंतरण मिबित में बास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :--

- (क) जन्तरण से हुई किसी जाय की बाबत, उक्त कथिनियम की अभीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के सिहरी कोट का
- (क) एसी किसी भाव या किसी भन् या जन्म आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आसकार विभिनित्रम, 1922 (1922 का 11) वा सक्त अधिनित्रम, या भनकर स्विभिन्नम, या भनकर स्विभिन्नम, 1957 (1957 का 27) के प्रवोचनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया नवा था वा किया बाना थाहिए वा कियाने में सुविधा में विद्रः

कतः वतः, उक्त अधिनियम की भारा 269-ग के मन्सरक हो, मी, उक्त अधिनियम की भारा 269-व की उपभारा (1) के सभीन, निम्नसिवित व्यक्तियों अर्थात् हा— (1) श्री श्यामजी जमनादास दूणिया।

(अन्स रक)

(2) श्रीमती चन्द्रा अशोक डागा, श्री अशोक दामजी डागा।

(अन्तरिती)

को यह सूचना बारी कारके पूर्वांक्स सम्पत्ति के 'ब्र्सन् के निष्ट्र कार्यशाहिमां करता हूं।

बन्द ब्रम्परित के अर्थन के सम्बन्ध में काई भी वाक्षेत्र :---

- (क) इस ध्वना के राजपत्र में प्रकाबन की तारीं बें 45 दिन की अपिप या तत्त्वं ने व्यक्तियों पर स्वना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि नाद में समाप्त होती हों, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में के फिसी क्यक्ति वृकारा;
- (क) इस तृषना के राज्यम में प्रकाशन की तारीश से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबक्ष किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए का सकी

स्पच्छिक्षणः — इसमे प्रधूनस शब्दों और पदों का, जो उक्त अभिनियम, के अध्याय 20 क में परिभाषिस ही, बही वर्ष होगा जो उस अध्याय में दिया स्था है।

### बन्स्की

भूमि और मकान :-- पुराना वार्ड नं० 8 न्यू वार्ड मं० 19 टी० एसर्०नं० 349 प्रार० एस० पुरम कीयम्बतूर 2, कीयम्बतूर लेख सं० 4204/4207/84 ।

> एम० सामुवेल सक्षम प्राधिकारी स**हायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)** अर्जन रेंज—II मन्नास

दिनांक : 29-4-1985

महिर ः

प्रकृप बाइं.डी.च्न.एश्च. --- ------

वायकर अधितियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-भ (1) के नधीन सुभना

#### भारत सरकार

### कार्यालय, सहायक वायकर बायक्त (निरोक्षक)

अर्जन रेज- सद्र(स

मद्र भ (दनाक 29 अप्रैल 1985

ीदश स० 213/तात+बर 84/रेज-1्री--अत मुझे, श्रीमर्त। एम० सामुबेल,

नायकर संधितियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमा इसके प्रथम 'ठब्स अधितियम' कहा करा हैं। जी बाद 260 व के नधीन सक्षम प्राथिकारों की, बढ़ विकास अरहे का कारण है कि स्थानर संघीत निकास शिका बाजार संग

1,00,000/- रत. से अधिक है

श्रीर िसकी स० एस० एफ० न० 143, 144 सेंट न० 84 कोयम्बतूर तालूक है, जो उन्पुष्पपालयम गाव में स्थित हैं (श्रांश इससे उपावद्ध अनुसूची में श्रीश पूर्ण रूप में पिलून है), रिश्ट्रीवती अधिकारी के कार्यालय, कोयम्बत्र लेख म० ३५46/84 में भारतीय रिजस्ट्री रूप अधिनयम, 1908 (1908 का 16) के अधी, दिनांक सतम्बर 1984,

को पूर्वोक्त सपरित को उपित बालार बृत्य में कम के दश्यमाम प्रतिकल को लिए बन्तरित को गरी ही की प्रमुख्य नह कि उपास करने का कारण ही कि व्यथापुर्वोक्त सम्मत्ति का जीवत बाजार मृत्य, उसके दृश्यमान प्रतिकल के, एपे क्ष्यमान प्रतिकल का पंदह प्रतिक्षत में अधिक ही और वंतरक (अंतरकों) और वंतरिती (अंतर्वेहिता) के बीच एपे मतरण के लिए तम पाना प्रया प्रतिकल कम निम्नितिकत उद्देश्य से उनल बन्तरण निष्ति में नाम्त विक कम से कथित नहीं किया गया है ---

- (क) अन्तरण से हुई किसी जान की बाबत उपक अधिनियम के अधीन कर विने के सम्बद्ध दायित्व में कमी करने था उससे बचरे में सुनिचा के लिए; और/या
- (स) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, बिन्हें भारतीय आयक र अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या अक्त मॉंधिनियम, ता धन धन अधिनियम, ता धन धन अधिनियम, 1957 (1957 का 27) को प्रयाजनार्थ जन्तरिती क्यारा प्रकर नहीं विया मधा था का किया जाना चाहिए चा. कियार म' स्थिधा के लिए।

लक्षः सद, उक्त आंधिनियम की धारा 269-म के अनुसरभ में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) फें सथीन, निज्नीलिखत स्थानकार्यों, अर्थाच् (1) श्री कें नूर मोहम्मद।

(अन्तरक)

(2) श्री एम० ए० कुडास ।

(अन्स(रती)

को बहु सूचना चारी करके पृथाँकता संपरि के सर्वन के किए कार्यनाड़ियर करना हो।

**एक्स सम्परित को अर्थन के सम्बन्ध में कोड़" भी बाह्येप** :----

- (क) क्या स्वाम को राजपत्र में प्रकाशन की नारी का 45 दिन की तर्गा का तत्यकाची त्राधितामा पर स्वाम की लग्गीत स 30 दिन की जबींथ, मां की अविध ग्राप्त का ममाप्त हाती हो, का भारार प्रांत व्यक्तियों भी किसी व्यक्ति व्यवस्थ,
- (स) इस सूचना के राजपण में प्रकाशन की तारीस स 45 दिन के भीतर तकत न्यार, सम्बन्ति में हितबद्ध किमी कत्य व्यक्ति दक्षारा अधोहम्साक्षरी के पास मिलिस में किए जा सक्ष्यों।

स्पष्टीकरण — इसम पणकन शब्दों और पदों का, जा उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में अथा परिभाषित है, बही अर्थ हाना जा उस अध्याय में विया नेसा है।

#### क्षमुखी

भूमि —एम० एफ० न० 143 तथा 144 नेट न० 84 अनुप्पर पालयम गांव नीयम्बतूर तालक, नीयम्बत्र लेख म० 3946/84 ।

एम० सामुबेल यक्षम प्रधिकारी महायक आयकर आयक्त (विरीक्षण) अर्जन रेज-11 महार

दिनाक 29-4-1995 **बोह**र प्रस्त्य बाइं. टी. एन. एस.----

अध्यक्तर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-थ (1) के अधीन सुचना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक जायकार आयुक्त (निरक्षिण) अर्जन रेज-II, मद्राय

मद्राम दिनाक 29 अप्रैल 1985

निदेश स० 237/सिनम्बर 84/रेज-II-अतः मृष्टे, श्रीमनी एम० सामुवेल,

कायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परवात् 'उकत अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूस्य 1,00,000/- र से अधिक हैं

प्रीर जिसको म० 19वा वार्ट, कामराज रोइ, है जो तिम्प्यूर में स्थित है (प्रीर इसमें उपायद्ध प्रत्मूची में और पूर्ण रूप रूप से विणित है), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, तिरुप्पूर लेख स० 1643/84 में भारतीय रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, दिनांक मितम्बर 1984,

को प्रविक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य में कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अतरित की गई है और मुक्ते यह बिश्वास करने करने का कारण है कि यथापूर्योक्त सम्पत्ति का उचित बाजार उसके धृश्यमान प्रतिफल से एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्दृह प्रतिशत से अधिक है और अतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे जन्तरण के लिए तय पाया, गया प्रतिफल, निम्नलिसित उद्देश्य स उक्त अन्तरण लिसित में बास्तिबक रूप से किथा गया है :—

- (क) अन्तरण न हुई किसी अय की बाबत, उपल क्षिनियम के अधीन कर दने के अन्तरक के वाियर में कमी करने या उसस क्षने में मिविधा
- (क) एसे किसी आय या जिसी धन वा क्य जान्त्रया की, जिन्हें भारतीय आधकार अधिनियम 1922 (1922 का 11) या उन्त अधिनियम, वा धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयाजनार्थ सनरिती द्यारा प्रकट नहा किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपान व सिवधा के निष्ट:

बत अब, उन्न अधिनियम को धारा २६६ म का अनुनगण माँ, माँ, उक्त अधिनियम को धारा २६५ म का उपभाग (1) के अधीन, निज्ञिनिसित व्यक्तिमाँ प्रशांत :----

(1) श्री एम० ए० कादर

(अन्तरक)

(2) श्री के० सँयद हरण रशीद श्रीर अन्य

(अन्तरिती)

का मह स्थना जारी कारके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहिया करता हूं।

उन्त सम्पत्ति क वाजन क सब्ध में काहें भी आक्षेप :---

- (क) इस स्थान के राष्यित्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविभि या नत्सबंधी व्यक्तियों पर स्थान की लामीब से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, से भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियां में से किसी व्यक्ति दवारा,
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की सारीस से 45 दिन के भीतर उदन स्थावर सम्पत्ति में हित- नव्य किसी व्यक्ति द्वारा, अभोहम्नाक्षरी के पास लिकित में किसा का राकेंगे।

स्पष्टीकरण:---इसमे प्रमुक्त शब्दों और पदों का, जो जक्त अधिनियम को अध्याय 20-क में परिभाणित हैं, तहीं । में होगा ना तम अध्याप में दिया

### श्रम् स्र

भूमि श्रीर मकान —19वा वार्ड कामराजरोड, पल्लउम ताल्क, तिरूपुर गाव तिरूपुर । तिरूपुर ख म० 1643/84 ।

> ण्स० सामुबेल सञ्जम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेज-II, मद्राम

दिनाक 29-4-1985 **मोहर ध**  HEM MAR, EL. HA THE COMMUNICATION

माजकार सर्वितंत्रसम् १५६३ (1961 का ४२) की एए 269-स (1) के क्षीन सूचना

#### भारत सरकार

भार्यालय, महायक बायकर काय्क्त (निरीक्षण) अर्जन रेज-11 महास

मद्र!स, दिनाक 27 अर्प्रल 1985

निदेश म० 156/*समम्बर 84/रेज— $\Pi$ —अतः मञ्जे. श्रीमती एम० सामुत्रेल,

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिस इसमे इसके पश्कात 'कात अधिनियम' कहा गया हैं), की भारा 269-स के बंधीन सक्षम प्राधिकारों को, यह जिल्लाम कारने का कारण है कि रहावर संस्थीत, जिसका गणित बाजार मूल्य 1,00,000/- रह से अधिक हैं

श्रीर जिसकी म० एस० त० 242/1-ए.स० एफ० त० 41/1ए है, जो संगन्तर गाव, कोयम्बन्दर तालुक में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप में विणित है) व र्राजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, गांधीरपुरम लेख सं० 3347/84 में भारतीय रिजर्स्ट्रीकरण,अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, दिनाक सितम्बर 1984,

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गेडें हो और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण हो कि अभापविण संपत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके दश्यमान प्रतिफल से एसे दश्यमान प्रतिफल का पंदाइ प्रतिशत से अधिक हो और अंतरक (अंतरकों) और (अंतरितियों) के यीच एसे अन्यण के लिए तय पाया गया प्रतिक्त, निन्निलिखत उद्योध्य से अक्त अन्तरण निचित में बान्त-

- क्ष्म) अन्तर्यक में हुई किली बास की बासता, तक्ष्य शीर्थाल्यम की कभीन कर वाने की कल्लाक ली बामिल्य में कमी करन या उससे बचने में प्रविधा ३. लिए; और/बा
- (क) ऐसी किसी आय या किसी धन या जन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 को 11) या उक्त अधिनियम या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 को 27) के प्रयोजनार्थ अतिरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में स्विधा के लिए;

ं धर ', अब , उक्क निधीनमा, की धारा 269-न की अनुसरक र म तकन अधिनियाल की भारा 269-म की उपधारा (1) की अधीन, निम्निनिधित व्यक्तियों , जर्मात ह— (1) श्री एम० वीराप सदिलयार

(अन्तर्क)

(2) श्रामती आर० मब्बुलक्ष्मी

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त मंपरित के अर्जन के शिष् कार्यवाहियां करता हु।

जबत संपत्ति के अर्बन के प्रथम में कांड भी माक्षेप :---

- (क) इस सृष्या के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस सं
  45 दिन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
  स्थान की तामील से 30 दिन की व्यक्ति, जो भी
  अविध बाद में नमाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोंकत
  व्यक्तियों में में किसी व्यक्ति हवारा;
- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस सं 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी बन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरणः -----इसमे प्रयुक्त शब्दों और पर्दों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

#### समस की

भूमि प्रौर मकान —एस० न० 242/1 एस० एफ०-41/1ए सगनूर गाव, कोयम्बन्द नाल्क, गाधीपुरम लख म० 3347, 84।

श्रीमती एम० सामुबेल सक्षम् प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेज--II, मद्रास

दिनाक : 27-4-1985

मोहर:

प्रकृप आहु . दी . एन . एस . ------

नायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-च (1) के अधीन सुचना भारत सरकार

कार्यानय, सहायक आयकर वायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेज-2, महास

मद्रास, दिनांक 27 ग्रप्रल 1985

निदेश सं० 157/सितम्बर 84—-ग्रतः मुझे, श्रीमती एम० सेम्यल,

मायकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा मना हैं), की धारा 269-च के अभीन सक्षम प्राधिकारी को यह विकास करने का कारण है। कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 1,00,000/- रहा. से अधिक ही

और जिसकी सं नायकतूर गांव कोयम्बतूर है, जो गांधीपुरम लेख मं 3382/84 में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुमूची में और पूर्ण रूप से बणित है), रजिस्ट्रीकर्ता ग्राधकारी के कार्यालय, गांधीपुरम लेख मं 3382/84 में भारतीय रजिस्ट्रीकरण ग्राधिनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्राधीन, दिनांक सितम्बर 1984,

का पूर्वोक्त सम्पत्ति के उधित बाजार मृत्य से कम के दश्यमाम प्रीतफल के लिए अन्तरित की गई और मृझे यह विश्वास करने का कारण है कि यभापुर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके दश्यमान प्रतिपत्त से एसे दश्यमान प्रतिपत्त का पन्तर प्रतिपत्त का पन्तर प्रतिपत्त का पन्तर प्रतिपत्त के अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और जन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पामा गया प्रतिपत्त, निम्निवित्त उद्देश्य से उक्त अन्तरण किसत मं वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) जन्तरण ते हुन् भिती आय की भावत, उक्त गर्हभट्टिंग्यस के सभीन कर दोने के अन्तरण के बारियल में कमी करने या उत्तरे क्याने में त्रिया। के लिए; और/या
- (स) एसी किसी आय या किसी धन वा अन्य आस्सिकों को, जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, 1927 धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती ब्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा की लिए;

(1) संकेटरी, दी० चिंतामणि एम्पलाईस को० आपरेटिच बिल्डिंग सोसायटी—श्री पुरुषोत्तमन

(ग्रन्तरक)

(श्रन्तरिती)

(2) श्री के० नारायणन् स्पेणल ग्राफीसर दी० कोयम्बतूर डिस्ट्रिक्ट कन्स्यूमर्स कोग्रापरेटिव होलसेल स्टोर्स लिमिटेड स० के० 881

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्स सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां हुरू करता हूं।

उक्त सम्पन्ति के जर्जन के संबंध में कोई भी जासीप :---

- (क) इस सुचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तानील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ब) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीब सं 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधाहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सर्कोंगे।

स्पष्टीकरणः इसमे प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जा उक्त विभिन्नियम के अध्याय 20-क में परिभाष्ति हैं, वहीं कर्ष होगा, को उस अध्याय में दिया गका

#### मन्त्र्या

भूमि :---एस० न० 407, 399, नायकनूर गांव, कोयम्बतूर गांधीपुरम लेख सं० 3382/84 ।

> एम० सामुयल सक्षम प्राधिकारी महायक प्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण), ग्रजन रेंज-2, मद्रास

सत: सब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-च की उपभाग (1) के अधीन, निम्नलिकित व्यक्तियों, अधीत :---

दिनांक : 27-4-85

मोक्टर:

धक्षम् आप्तः, टी एन्. एवः, ----

आमकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की पारा 269-भ (1) वें अभीत सुचना

#### शारत संस्कार

### आर्थानक, बहायक बायकर बाय्क्ट (पिरीक्षण)

ग्रजंन रेंज-2, मदास

मद्रास, दिनांक, 27 अर्थल 1985

निदेश सं० 172/मितम्बर् 84/रेज-2--ग्रतः मुझे, श्रीमती एम० सामुबेल,

भाषकर आंधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसम इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हो), की भारा 269-इ को अधीन तक्षम प्रश्लेषकारी को यह निर्मास करमें का कारण हो कि न्वायर सम्बीम, जिसका उम्बत बाकार मृख्य 1,00,000/- रह. ते निधक हो

और जिसकी सं० भूमि पोश्नेरी गांव है, जा पोश्नेरी गांव में स्थित है (और इसमें उपाबद्ध श्रनुसूची में और पूर्ण इस से बिणत है), रिजस्ट्रीकर्ती अधिकारी के कार्यालय, उडुमलपेठ लेख मं० 202320 2024, 2025/84 में भारतीय रिजस्ट्रीकरण अधिनयम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, दिनांक सितम्बर 1984, का पूर्वेम्स सम्पक्ति के बीचत बाजार मूल्य से कर क क्यमान प्रतिकत के लिए अंतरित की गई है और मूझे यह विश्वास करने का कारण है कि सवाप्नीकत सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके स्थ्यमान प्रतिकत से, एसे स्थ्यमान प्रतिकत का पत्त्व भीतिक है और अन्तरक (अन्तरकां) और अन्तरिती (अन्तरित्यों) के बीच एसे बन्तरक के तिए तथ पाना गया प्रतिकत, निम्मीवृधिक उद्योगमां से उक्स अन्तरक कि विष्

- (क) बन्दरम् हे हुन्द्रे किसी बाय क्षाँ शक्ता, उक्त बाधित्वम् के बधीन कर दर्भ के अन्तरक के दायित्व को क्ष्मी करने वा उक्के क्ष्मने में सुविधा के लिए; और/गा
- (ण) एंची किसी भाग या किसी थन या अन्य आस्तिओं को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उन्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ जन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना था, खियाने में सन्विधा के लिख्ड

अतः अव उसर अधिनियम की भारा 269-ए को अनुसरण मं, में उसर विविज्ञ की भारा 269-ए की उपभारा (1) के अभीन, निक्निविधित व्यक्तियों, अर्थाह् :---

(1) श्री बी० श्रीनिवासन

(भ्रन्तरक)

(2) श्री बी० विद्यासागर चेयरमैन, दी० एस० ए० एम० ए० काटन डेबलपमेंट एण्ड रिसर्च एसोसिएशन, कोयम्बतूर टाउन । (श्रन्तरिती)

को सुद्ध सूचना जारी अवस्त वृज्ञींकत संवत्ति के वर्षन के जिस् कार्यवाहियां सुरू कारता हुं।

उक्त संवत्ति के अर्जन के संवंध में कोई भी गार्थप :---

- (ह) इस सूचना के राजपत्र में प्रवश्यान की तारीस से 45 दिन की जबिंध वा तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तानीस से 30 दिन की अविंध, जो भी अविंध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्तिस ह्वारा;
- (स) इस स्वना को राजपन में प्रकासन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थायर सम्प्रीत में हिसबबुध किसी बन्ध व्यक्ति द्वाय अर्थाहस्ताक्षरी के पास निमित्त में किए जा सकींगे।

स्याचीकरणः --- इतमें प्रमुख्य शब्दों बीड पदी का, को सक्त विधिनियन के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, मही वर्ष होंगा जो उस अध्याय में विका चया हैं।

#### वन्स्वी

मूमि:—पोन्नेरी गांव, मं० 221/8, 221/7ए, 221/11, उडुमलपेट्टै—लेख मं० 2023, 2024, 2025/84 ।

एम० सामुबेल सक्षम प्राधिकारी महायक श्रायकर प्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज-2, मद्रास

दिनांक : 27-4-1985

महिर :

प्रकृष आहे. दी. एन. एस . -----

नायकर विधिनयम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-थ (1) के वधीन सुचना

#### भारत तरकार

# कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

श्रर्जन रेंज-II, मद्रास

मद्रास, दिनांक 27 श्रप्रेल 1985

निदेश सं० 195/सितम्बर 84/रेंज-!!--अतः मुझे, श्रीमती एम० साम्बेल,

नायकर निर्मानयम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसमें प्रकार निर्मा (उन्हें निर्मा कहा गया है), की भारा 269- के अधीन सक्षम प्राधिकारों को, यह विश्वास वास्तें का कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- स. संविक है

और जिसकी सं ० तेल गुपालयम तालुक एस० एफ० नं० 498/ 181 है, जो कोयम्बतूर तालुक में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुमूची में और पूर्ण रूप सं वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी के कार्थालय, कोयम्बतुर लेख सं ० 3399/84 में भारतीय र्जिस्ट्री-करण ग्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्रधीन, दिनांक सितम्बर 1984

की पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के व्ययमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूझे यह विश्वास कर ने का कारण हूं कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिकात से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकारें) और अन्तरिती (अन्तरितियाँ) के बीच एसे अन्तरण के लिए तम पाया गया प्रतिफल, निय्नलिकित उद्वर्षय से उक्त अन्तर्म मृद्धित में आस्विक रूप से किया गया है:——

- (क) बन्तरण से हुई किसी आप की बाबत सकत बहैंप-निवन के अभीन कर दोने के बंतरक के दायित्व में कभी करने वा उदसे बचने में सविधा के बिए; बीळ/का
- (क) इसी किसी बाज या किसी धन या अन्य आस्थियों की, चिन्हा भारतीय जायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) का उनक अधिनियम, या चन-कर अधिनियम, वा चन-कर अधिनियम, वा चन-कर अधिनियम, वा चन-कर विद्या प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपान में सुविधा के लिए;

भतः सम, उसत मिनियम की भारा 269-ग ने मन्भद्रभ में, में, उसत मिनियम की भारा 269-ध की उपधारा (1) को अधीन, निम्निसिस्त व्यक्तियों, अर्थातः——

- (1) मैंसर्स प्रोसेस सिस्टम्स एण्ड कन्ट्रोलस प्राइवेट लिमिटेड । (ग्रन्तरक)
- (2) मैसर्स लक्ष्मी एसोसिएटस । (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यमाहिमां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्थन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस क्ष्या के राष्ट्रपत्र में प्रकाश की तारीक न 45 दिन की अवधि या तत्सक्वकी अवितयो पर स्चना की तामील से 30 दिन की अवधि, को भी अवधि बाद में समान्त होती हो, के भीतर प्रविक्त व्यक्तिमों में से किसी व्यक्ति स्वारा;
- (क) इस सुनना के रावधन म प्रकाशन की तारोब से 45 दिन के भीतर अवत स्थावर खपरिन म हिस-बद्ध किसी अन्य स्थिति इसारा अधोहस्ताक्षरी के पास निर्मित में किस था सर्मन.

ल्ल्ब्बीकरणः -- इसमें प्रयुक्त क्षश्चों और पदा हत. ही उपल स्थितियम् के मध्याय 20 क में परिभाषित हैं, बही अर्थ होगा को उस अध्याय में दिया स्वा हैं।

### थनुसूची

भूमि: - एस० एफ० नं० 498/181, एक्सटेंशन 1.28 एकड़ तेलुंगपालयम गांव, कोयम्बतूर, कोयम्बतूर लेख सं० 3399/84।

एम० सामुवेल सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर आयुक्त (निरीक्षण) श्रजंन रेज-11, मद्रास

दिनांक: 27-4-1985 ,

मोहर:

# प्रस्त्र सार्वे थी. प्रस्तु इस व - - -

# नासकर जिपिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269 ज (1) के सभीत सुचना

#### भारत सहकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-11, मद्रास

मदास, दिनांक 27 अर्थन 1985

बायकर अधिनियम, 1961 (196: का 43) (जिसं इसमें इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 2/69-ख को अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उपित बाबार मृज्य 1,00,000/- रा. में अधिक हैं

और जिसकी सं ० टी० एस० नं ० 8/1423, ज्ञष्णस्वामी मृदिलियार रोड, है, जो कोयम्बतूर टाउन में स्थित है (ओर इसमें उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप में विणित है), रिजम्ट्रीकरी अधिकारी के कार्यालय कोयम्बतूर लेख मं ० 3566/84 3568/84 में भारतीय रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, दिनांक सितम्बर 1984.

को पूर्वोक्स सम्पत्ति के अनित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मूक्षे यह विश्वास करने का कारण, है कि यथापूर्वोक्त मंपत्ति का उचित बाजार प्ल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्त्रह प्रतिक्षत से अधिक है है और अन्तरक (अन्तरका) और अन्तरिती (अन्तरितिया) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निलिखत उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिवक रूप से किश्रत नहीं किया गया है:—

- (क) बन्तरण से हुइ क्षिणं अभ्य की वायस, उक्त जिथिनियम के अभीन कर दोने के करतरक के दारित्स में कामी करने या समझे बजने में अभिषा के लिए मोड/बा
- (स) एसी किसी जाथ या किसी धन या जन्य जास्तियों को, जिस्हों भारतीय आय-कर विधिनयम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोज-नार्थ जस्तिरती इवास प्रवट नहीं किया गया भा या किया जाना चाहिए था छिपाने में स्विधा के लिए;

भतः मन्, उक्त जिथिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण भं, भें उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपभारा (1) के अभीन, निम्मुनिक्ति क्वेंबसम्हें अर्थान् क्वि (1) मैंसर्स देवी बिल्डर्स बाये मंजिल पार्टनर्स पी० सी० तिरूभृति।

(ग्रन्तरंक)

(2) पट्टीफिल्स को-प्रापरेटिव लिमिटेड ।

* (अन्तरिती)

का यह सूचना जारी करके प्रतिबत्त संपत्ति क अर्थन के नित्र कार्बवाहियां करू करता है।

उक्त सम्मित्य के अर्थन के संबंध में कीए भी आक्षप :---

- (क) इस सूचना के राजपथ मं प्रकाशन की तारीक सं
  45 दिन की अविधि या नत्सम्बन्धी व्यक्तियों अर
  सूचना की तामील मं 30 दिन की अनिधि, जां भी
  अविधि बाद में समाप्त हांती हो, के भीतर पृशिकत
  व्यक्तियों में सं किसी व्यप्ति द्वारा;
- (स) इस स्वना क राज्यान वा प्रवासन की नारीस स 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य न्याबन दवाच म्याइन्नाक्षर। के याम निस्ति सा किए भा सकींगे।

स्थाद्यीकरण — इसमें प्रमुक्त शब्दों और पर्यों की, जो उक्स अधिनियम के अध्याय 20-क में पीरभाषित है, नहीं अर्थ हाथा, के इस अध्याय में दिया गमा है।

# प्रनुभू ची

भूमि :-कृष्णस्वामी मुदलियार राड, टी० एस० न० 8/ 1423, प्लाट ये० 7, कोयम्बत्र टाउन कोयम्बतूर लेख स० 3566/843568/84 ।

> एम० सामुबेन, मक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर प्रायुक्त (निरीक्षण) प्रजन रोज-11, मन्नास

दिनोंक : 27-1-1985

मोहर 🛭

प्रकथ आहें, टी एर एस ----

क्षायकार अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-म (1) के अभीन स्थना

#### भारत सरकात

कार्यालय सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज-, मदास

मद्राम, दिनाक 27 ग्रप्रैल 1985

निदेश म० 199/मिनम्बर ८४/रेज-II---ग्रत म्झे, श्रीमती एम० सामुबेल,

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) किसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया हुनै) की धारा 269-च की अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण ह[े] कि स्थावर सम्पन्ति, जिनका उचित नाजार मृत्य 1,00,000/- स अधिक है

और जिसकी म० टी० एस० न० 7/139/1, सर्वे न० 3100, 3101 है, जो कुमारपालयम में स्थित है (और इसस उपाबड अम्मुची मे और पूर्ण रूप स वर्णित है), र्राजस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी वे कायलिय, कोयम्ततूर, लेख २० 3708/84 मे भारतीय राजस्ट्री करण श्राधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, दितनक सितम्बर 1984

को पूर्वोक्त सपरित के उभित शजार मूल्य से कम के स्वश्मान प्रतिफल के मिए अन्तरिन की गुद्दे हैं और मम्हे यह विस्तास करने का छारण है कि यथापत्रीक्ट सम्मन्ति का उचित बाधार भूल्य, उसको इस्यमान प्रतिफल में, ऐसे ध्यममान प्रतिफल का पदह प्रतिकास से अधिक हैं और अन्तरक (अन्तरकाँ) और वसरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के निल तब बाया बया प्रीय-कल निम्तिनिक्षण तक्ष्योध्य से नल्स खरमण्या जिल्लिस मी वास्त्रिकार रूप में कथित नहीं किया गया है ---

- (क्र) जनारण से हुई किसी जाब की बाबत, उक्त अधिनियम को अभीन कर दोने ने अंतरत को दाशिला । में कसी करने बा उसमें बचने में समिधा के निए लाहि। या
- (क) एंभी किसी बाय या किसी धन या अन्य झास्तियाँ को, जिन्हें भारतीय जायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या अस्त अधिनियम, या भनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) व्यंद्रशासन्तर्भ अन्तरि विजया स्वरंग स्वरंग स्वरंग धदा । या किया जाना चाहिए पा, छिपाने भी मिया के जिल

अन अब अवन अधिनियम की धारा 269-ग के अनसरण को में, उक्त विधिनियम की धारा 269-व की उपधारा (1) के बधीन कि मिलकित व्यक्तियाँ, अर्थातुः ---

- (1) श्री एप० वैद्यनाथकुष्णन् और प्रन्यो (ग्रन्तरक)
  - (2) श्री धार० बंद्यनाथन्

(ग्रन्तरिती)

का यह सुचना जारी करके प्रविक्त सम्पत्ति के वर्जन के लिए कार्यवाहिया करता हुए।

उक्स सम्बंधि के अर्थन के सम्बन्ध में अंदेर भी बाबाप् ---

- (क) इस स्थान के राज्यन में प्रकाशन की तारीय से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियां पर सुमनाकी तामील से 30 दिन की अविभि, जो मी अविध दाद मा समाच्य होती हो, के भीसर पूर्वोक्स व्यक्तियाँ में से किसी व्यक्ति दुवाय,
- (का) इस स्थना व एजपन म नकाशन की तारीख छ 45 दिन क तिर उचत स्थानर सम्पति में हित-बद्ध निसी अन्य व्यक्ति द्वारा नधोहस्ताम्बरी के पास निर्मित य किए जा सकींगे।

स्पष्टीकरण ----दमम प्रयुक्त शर्बे और पर्दों का जो उक्त अर्थभिनय , के अध्याय 20 क में परिभाषित ही, वहां नथ हाशा जा उस लध्याय में दिया

# अन्स्ची

भूमि --- टी॰ एस॰ १० 7/139/1 सर्वे स॰ 3100, 3101, कुमारपा नयम नायम्बन्र शाउन विवासकत्र लेख स० 3708/ 84

> एम० साभ्वेल मभम प्राधिकारी गटाया स्रायकर स्रायुक्त (निरीक्षण) म्रजन रेज-II. मद्राम

27-4-1985 दिनाक

मोहर :

प्ररूप आहूर. टी. एन. एस. -----

अध्यक्षर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-घ (1) के बभीन सुमना

#### पाइत सरकाड

कार्यांचय महायक कायकर कायकत (निरोक्षण) भू अर्जन रेंज-II, मदास मदास, दिनांक 27 स्रप्रैल 1985

निदेश सं० 200ि/सतम्बर 1984—अतः मुझे, श्रीमती एम० सामुबेल,

बायकर गिधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है),, की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपरित जिसका उचित बाजार मुख्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सर्व मर्बे तर 3100, 3101, न्यू मर्वे तर 139/ 1-386 सेट्स कुमारपालयम गाव है, जो कोयम्बतूर में स्थित हैं (और इसमें उपाबद्ध अनुमूची में और पूर्ण रूप से वर्णित हैं), रजि-स्ट्रीकर्ता श्रिधकारी के कार्यालय, कोयम्बतूर, लेख सं र 3709/84 में भारतीय रजिस्ट्रीकरण श्रिधनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रिधीन, दिनांक मितम्बर 1984

को प्रविकत सम्मित्त के उपित बाजार मृत्य से कम के ध्रममान शितफल के लिए अन्तरित की गई हैं और मृत्रों यह विश्वास अरने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपरित का उपित बाजार मृत्य, उसके दश्यमान प्रतिफल सं, एसे दश्यमान प्रतिफल का नन्द्रह प्रनित्रत से अधिक हैं और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरित (अन्तरित्रों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पामा गमा प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिवक रूप में कथित नहीं किया गया हैं:——

- (क) बन्तरण से हुई किसी नाय की बाबत उनत मिन-नियम के अभीन कर देने के बन्तरक के बायित्य में कमी करने या उनसे बचने में सुनिधा के लिए, और/या
- (क्ष) एसी किसी आथ या किसी धन या अन्य आस्तियों की, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या जक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विभा के लिए

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के, अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियमों, अर्थात् :— (1) श्री एस० वैद्यनाथक्रण्णन और ग्रन्थो

(अन्तरक)

(2) श्री एस० रामचन्द्रन ।

(ग्रन्तरिती)

को यह स्थना जारी करके प्रवेक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हो।

जनत सम्पत्ति की अर्जन के सम्बन्ध में कोंड़ें भी आक्षेप ----

- (क) इस मूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील मं. 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीनर पर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति दवारा,
- (ख) इस मूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित- के किसी अन्य ज्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

ल्प स्टीकरण. — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदी का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20 क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया भवा हैं।

नम् सूची

भूमि :—सर्वे नं । 139/1-3.86 सेंट्स कुमारपालयम गाव, कोयम्बतूर -कोयम्बतूर/नेख सं । 3709/84 ।

एम० सामुबेल सक्षम प्राधिकारी सहायक भ्रायकर म्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन' रेज⊸II, मद्रास

दिनांक 27-4-85

मोहर:

— in the control of t

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-व (1) के अधीन स्वना

शरत सरकार

कार्यालयः, मझयक आगकर आगुक्त (निरीक्षक)

धर्जन रेज-II, मद्रास

मद्रास, दिनांक 27 श्रद्रैल 1985

निदेश सं० 201/सितम्बर 84/रेज-11--ग्रतः मुझे, श्रीमती ए म० साम्बेल,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिस इसमें इसमें एक्के एक्काल 'उन्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-म के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का अरण है कि स्थावर नागीन, जिसका उमित बाजार मृत्य 1,00,000/- रु. से अधिक हैं

और जिसकी सं टी० एस० रं 175/10, 176/1, प्लाट तं 70, है, जो कृष्णरामपुरम में स्थित है (और इससे उपावड़ अनुसूची में और पूर्ण रूप से विणत है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रीक्षकारी के कार्यालय, कोयम्बतूल लेख सं 3725/84 में भारतीय रिजस्ट्री वरण श्रीक्षित्रयम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, दिनांक सितम्बर, 1984

को पृष्ठीक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मून्य में कम के दश्यमान प्रितिफल के लिए अन्तरित की गई है जार मूम्मे यह जिल्लास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मून्य उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिकात से अधिक है और अंतरक (अंतरका) और अंतरित (अन्तरितियाँ) के बीच एसे अन्तरण के लिए तथ पाया गया प्रति-फल, जिन्निलिखन उद्देष्य से उक्त अन्तरण निश्चित में बान्त-जिका कथ में किथा नहीं किया गया है :——

- (क) अन्तरण से हुई किसी बाय को बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोते के अन्तरक के द्यायित्व में कमी करने या उसमें अचने के अधिका र भिक्क मार्थिया
- (२०) श्रुमी किसी आय या फिसी धन या जन्य जिल्ला किसी की अप का का जन्य जिल्ला की सिनाम की किसी आय का किसी प्राप्त की श्रुप्त का 11) या जन्म अधिनियम, या अन्य अधिनियम, या अन्य अधिनियम, या अन्य अधिनियम, विकास अधिनियम, विकास के प्राप्त की जिल्ला की सिनाम की

(1) श्री जीव रामचन्द्रन

(अन्तरिती)

(.2) श्रीमती के० शारदा और ग्रानन्दकुमार

(भन्तरक)

स्त्रे वह सूचना करदी करकी पृत्रानिस कम्परिस के अर्थन के लिए भार्थमिक्रिया करता हो।

वणा नगरित को सर्जन को सम्बन्ध में कांग्री भी अस्तिप :----

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीत से 45 दिन की अविधि या तस्संबंधी स्पक्तियों दर स्वान की लागील से 30 दिन की अविधि, को भी अविधि नाद में समापा होती हो, को भीतर पूर्वोकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्तित द्वारा;
- (ख) इस स्वनां के राजपत्र मो प्रकाशन की शारील के 45 दिन के भीतर उक्त स्थायर सम्पण्ति हो गईन बद्द्य किसी अन्य प्यक्तित होता अस्माहस्ताकारों के पास लिखित मी फिला का भारती ।

स्पष्टीकरण :--इसमी प्रमानन शब्दों और पदों का, जो जक्त अधि नियम के अध्याय 20-क मी परिभाषित हैं, बही अर्थ होता, जो जस अध्याय मी दिया गर्या हैं।

धनपुची

भूमि—ही अस्म के 175/1ए, 176/1 प्लाट सं ० 70, इंब्लरायपुरम/कोयस्वनूर/लेख सं ० 3725/84 ।

्म०सामुवेल लक्षम प्राविकारी सहायक प्राविकर ाधुक्त (निरीक्षण), प्रजेत रेज-II, महास

दिनांक : 27-4-85

महिर:

# प्रकार नाहरू, टी. एनः एड.,-----

# सायकार मिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-म (1) के सभीन सुचना

#### भारत सरकाड

# कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरोक्षण)

प्रर्जन रेज-II, मद्रास

मब्रास, दिनांक 27 ग्रप्नेल 1985

निदेश स० 202/सितम्बर 84/रेंज-II--श्रतः मुझे, श्रीमती एम० सामुबेल,

कायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चाल 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा 269-ख के अधीन सभम प्राणिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित वाजार मूल्य के 00,000/- रुप्त से अधिक है

और जिसको सं विशेष एस० वार्ड नं विश्व है कृष्णस्वामी मुदलियार रोड, है, जो कोयम्बतूर में स्थित है (और इससे उपावत में और पूर्ण रूप से विणित है), रजिस्ट्रीकर्ता प्रधिकारी के कार्यालय, कोयम्बतूर केख सं 3731/84 में भारतीय रजिस्ट्रीकरण मधिनियम, 1908 (1908 का 16) के प्रधीन, दिनांक सितम्बर 1984,

का पूर्वोक्स सम्मित्त के उचित बाजार मृत्य से कम के स्वयमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्मित्त का उचित बाजार मृत्य, उसके द्वयमान प्रतिफल, से एसे दवयमान प्रतिफल का पन्नह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरका) और अंतरिती (अंतरितिया) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नितिसत उद्देष्य से उक्त अंतरण लिसित में वास्त्विक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) बंदरण सं हुई किसी बाब की बाबत, उन्नष्ट किसीनयम के बधीन कर दने के बंदरके के बायित्य में कभी करने वा उससे बचने में स्विधा के लिए। और/या
- (क) ऐसी किसी आय या किसी धन या अल्य आस्तिय की जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 1) या उक्त अधिनियम, या वन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) की प्रयोजनार्थ अन्तरिती वृद्धा पक्त नहीं किया प्रयो या किया जाना बाहिए था, छित्रार्थ के लिए।

नतः नय, उक्त निर्मित्यम की भारा 269-म की सन्मन्भ में, में, उक्त निर्मित्यम की भारा 269-म की उपधारा (1) के निर्मितिकत, व्यक्तियों, अर्थातः

- (1) मेसर्स देवी बिल्डर्स ग्रटनि और मेनेजिंग पार्टनर श्री पी० सी० ति**रुम्**ति (ग्रन्तरक)
  - (2) श्रीमती कोमला रत्नम और श्रीजे० एस० रत्नम

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हुं। उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस स्चना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख रो 45 दिन की बनिध या तत्संबंधी व्यक्तियों पर स्चना की तामील भे 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वे कित व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (खं) इस सूचना हो राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उपत स्थावर सम्पत्ति में हित- बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पाम लिसित में किए जा सकोंगे।

स्पच्छीकरणः - इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उसर अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषिक हैं, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

# मन्स्चीं

भूमि :-- टी० एस० त० 8, क्रध्णस्वामी, मुदलियार रोड, कोयम्बत्र -- कोयम्बत्र - लेख सं० 3731/84 ।

श्रीमंति एम० सामुनेल सक्षम शाधिकारी महायक ग्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण), ग्रर्जन रेंज-11, महास्

दिनांक : 27-4-85

गोन्र:

प्ररूप बाह्र . टी. एन . एस . -----

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-म (1) के अधीन सुभना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरक्षिण) अर्जन रेज--II, महास

मद्रास, दिनाक 27 श्रप्रैल 1985

निवेश म० 205/सितम्बर 84/रेंज-11--श्रतः मुझे, श्रीमती एम० सामुबेल,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परुवाह 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विरुवास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० त्यू टी एम नं० 8/173 सेंट न० 2, डोर नं० 28/40, स्नार० एस० पुरम है, जो पेरियमामि रोड, कोयम्बतूर में स्थित है (और इसमे उपावड़ अनुसूची मे और पूर्ण रूप से विणत है), रजिस्ट्रीकर्ना अधिकारी के कार्यालय, कोयम्बतूर लेख मं० 3770/84 में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, दिनांक सिनम्बर 1984, को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित को गई है और मूर्ण यह मिश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल में एसे दश्यमान प्रतिफल का पंदह प्रदिश्त से अधिक है और एसे कंतरक (अन्तरकों) और अंतरित (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के निए तय पाया गया श्रतिफल, निम्नलिखित उद्वेष्य से स्थत अन्तरण लिखिए में बास्तिक रूप में कथित नहीं किया गया है दिन्न

- (क्र) अंसरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधि-नियम के अधीन कर दोने के अंतरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों, को जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त विधिनियम या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अंतरिती द्धारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अतः अतं अधिनियमं की धारा 269-गं के अनुसरणं में, मैं, उक्त अधिनियमं की धारा 269-घं की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिश्वित व्यक्तियों, अधीन;—

(1) श्रीमती श्रन्तपूर्णि

(अन्तरक)

(2) मेसर्स जी० के० पेरियसामि, प्रोधाइटर, श्री जी० के० पेरियसामि

(भ्रन्तरिती)

कां यह तृष्यना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के बर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी बाक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की ताराख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, को भी वर्षी बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर स्थावर सम्पत्ति में हितबह्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिसित में किए जा सर्कोंगे।

स्पब्दीकरणः — इसमं प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधि-नियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं कर्ष होगा जो उस अध्याय में विमा गया है।

## नवस्त्री

भूमि और मकान ::-न्यू टी० एस० नं० 8/173 सैठ न० 2, डोर सं० 28/40, पेरियसामि रोड, आर० एस० पुरम, कोयम्बतूर, कोयम्बतूर लेख सं० 3770/84।

एम० सामुबेल सक्षम प्राधिकारी सहायक भ्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण), श्रजैन रॅज्ना, मद्रास

दिनांक : 27-4-85

मोहर :

प्रकार कार्ड. टी. एन. एस -- ----

भारम्कार व्य**धिनियम, 1961 (1961 का 43) की** भारा 269-घ (1) के अधीन स्वना

#### नारत सहस्रार

# कार्यात्तय, सङ्गवक भागकर नाम्क्स (निरक्षिण)

यर्जन रेज-II, महास

मदास, दिनाक 27 अर्थल 1985

निदेश सं ० 207/सितम्बर 84/रेंज-II-श्रत मुझे, श्रीमती एम० सामवेल.

बाबकर जिभिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चाल 'उक्स अभिनियम' कहा गया हो), की धारा 269-ब के अभीन सक्षम प्राधिकारी की, मह जिस्तास करने का कारण हो कि स्थावर सम्भीत, जिसका द्वार ग्राजर मृत्य 1,00,000/- रा. से अधिक हो

और जिसकी मं ० गणपित गाय, टी० ए.स० तं ० 165/1, 166/3, है, जो कोयम्बतूर में स्थित हं (और इससे उपावक अनुसूची में और पूर्ण रूप के विणत है), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यानय, कोयम्बतूर लेख सं ० 3814/84 में भारतीय रिजस्ट्रीरण अधिनयम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, दिनाक सितम्बर 1984

कां पृष्वित सम्पत्ति के विचित बाजार मूल्य से काम के स्वयमान श्रीतिष्यम के लिए जन्हिरित की गई है और मुख्ये यह जिल्लास के रने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके सम्यमान प्रतिफल का पहिस प्रतिसत्त से विच्छा है बीर अंतरक (अंतरकों) और अंतरित से विच्छा है बीर अंतरक (अंतरकों) और अंतरित (अंतरितयों) के बीच एप अंतरित के लिए तय पाया गया प्रतिक्षा , निम्मानियत उद्देष्य से उस्ते अन्तर्य निवित्त में वास्तिक क्ष्म में क्षित नहीं किया गया है:—

- (क) बन्तरण से हुई किसी, बाब की बाबस, उन्ह अधिनियम के लधीन करें दाने के कत्तरक के दारित्व मा कमी करन या उससे बचन भा सुविधा के । लए, भार, सा
- (क) एसी किसी काय था किसी धन या अन्य आस्तिया का, जिन्ही भारतीय जायकर किशिनियम, 1922 (1922 का 11) या उत्तर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) क प्रयोजनाथं अन्तरिती ध्वारा प्रवट नहीं किया गया था ता विश्वा अना कोहए था, छिपान में मुविधा के लिए;

जतः जब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीम, निम्नलिखित स्थितमा, अर्थात् :---

(1) श्री एस० जगदीशन और ग्रन्थो

(मन्तरक)

(2) श्री एंल० भी० निस्यानन्य

(भ्रन्तरिती)

का बहु सुचना बारा करने पृथीनत सर्पात्त के अबन के लिए। कार्यवाहियां करना हुः

उपरा सम्मत्ति को अर्थन को सम्बन्ध में कोई भी आक्रोप ---

- (क) इस सूचना को राजपत्र मो प्रकाशन की तारीस से 45 दिन वन कर्जान राजपत्र मो प्रकाशन की तारीस से 45 दिन वन कर्जान राजपत्र सूचना की तामील से 30 दिन की कविष, जो भी कविष शह मों समस्त हाती हो, को भीतर प्रविकत का कराया में से किसी व्यक्ति स्वारा;
- (क) इस सूचना वे राजपत्र में प्रकाशन की तारी है व 45 दिन के मीलर उन्त स्थावर अध्यक्ति में हिंधबद्ध किसी जन्म व्यक्ति द्वारा अधाहस्थाकरों के पास जिल्ला में 'कार वा सर्वास ।

स्परक्षित्रण :--- इसमा प्रयुक्त शब्दों और पदी का, भा उनत अधिनियम की अध्याय 21,-ना मा परिभाषित हो, वहीं अर्थ होगा दा उस अन्यार में दिया स्या है।

# मन्स्यी

भूमि और महान :--शि० ५२० त० 165/1, 166/3, गणपित गाव, कोयम्बतूर, कोयम्बतूर, तथा सं० 3814/84 ।

श्रीमती एम० सामुबेल मक्षम प्राविकारी सहायक प्रायकर प्रायुक्त (निरीक्षण), ग्रर्जन रेज-II, मद्राम

दिनांक : 27-4-85

भोहर:

प्रका बाद'. टी एन एस ------

कायका निर्मातम् । 1961 (1961 का 43) की भारा 269-भ (1) के नभीन सुभता

#### मारत सरकार

कार्यान्वय महायन प्रायकर आयुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेज-2, महास

मद्रास, दिनाक 27 पर्देल 1985

निवेग म० 209/सितम्बर 84/रेंज --- I प्रमे मुनै श्रीमती एम० मामवेल

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उन्त अभिनियम' कहा गमा है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राणिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 1,05,000/ रु में अधिक है

ा,00,000/ रु म आवक ह और जिसकी सक है, जो नीणम्बदूर में स्थित है (और इसमें क उपावढ़ में आर पूर्ण रूप में प्रांशत है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय जोयम्बदूर लेख सक 3875/84 में भारतीय रजिस्ट्री-करण अधि।यस, 1908 (1908 जा 16) क अधीन सितम्बर 1984

को पूर्वावत सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य स कम के स्थ्यमान प्रितिकान के लिए अन्तरित की गई हैं और मुक्त यह जियाम करान का वारण हैं कि यथाभूयित सम्पत्ति की उचित बाजार मृत्य, उसके स्थ्यमान प्रतिकान हैं और बंतरक (अंतरकों) और जतिरती (अंतरितियों) के बीच एसे जतरण के लिए तय पाया वया प्रतिकान, निम्नितिवित उद्योग्य से जन्त अन्तरुक निम्नितिवित स्थानिक में जन्म करा के लिए तथ पाया वया प्रतिकान, निम्नितिवित उद्योग्य से जन्त अन्तरुक निचित म्

- (क) अन्तरण से हुइ किसी भाग की बाबत, उक्क बीधीनया के विशेष कर दी के अन्तरक का दर्शिय के कसी पाल ए उक्स उक्स के बादिश के सी, कीर/मा

थतः वर्गे, उन्ते अधिनियम का भारा 269-म क अन्तरक भा, में अन्त विधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) के अभीत, जिल्लामा व्यक्तियों, अभीत .— (1) श्री बी ः एसः ना न्विमुतु चेद्दियार

(मन्तरक)

ness and a six behinder

(2) श्री कें रामसार्म

(भन्तरिती)

की यह सुभा बारी शाक्ष पूर्वावन संशोध के बचन के जिस् कार्यवाहियां करता है।

बक्त सम्परित के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षप ---

- (क) इस सुजना के राजपत्र मा प्रकाशन की तारिश स 45 दिन की अवधि या तत्यम्बनती कि नियों क सुजन की नामील से 30 दिन की अवधि, जो भी, अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर प्रवेक्त व्यक्तियों में से कियी व्यक्ति द्वारा.
- (ख) इस सूचना को राजपत्र में प्रवाशन का तारास र 45 दिन को भीतर उक्त स्थावर मध्यक्ति में हिलबद्ध किसी बन्य व्यक्ति दुआर। अधार प्रशास किस निस्ति में किए जा स्कोंगे।

स्मथ्योकारणः ---- तममें प्युक्त शब्दों और पदों का, जो उम्स्थ अभिनियस के रूपाय 20-क मा परिभाक्ति। हुँ, बही तथे होगा जो उस अध्यास मा प्राप्त गया है।

# धनुसूची

> एम० सामुबेल सक्षम प्राधिकारी सहायन भायकर भायुक्त (निरीक्षण) भर्जन रेंज-2, महास !

ीर हर - '-मोहर :

# प्रकृप बार्ष. ही. एक् ह एक् हु-----

भागकर अभिनियमं, 1961 (1961 का 43) की भाड़ा 269-म (1) के तथीन श्रूमना

#### बारक ब्रेसकर

कार्यालय, सहायक बायकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-2, मक्षास

मद्रास, दिनांक 27 श्रप्रैल, 1985

निदेश सं० 214/मितम्बर, 84/रेंज 2--श्रतः मुझे,श्रीमती एम० सामुवेल

बायकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अभिनियम' कहा गया हैं), की धारा 26% के अभीन सक्षम प्राधिकारी की यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रह. से अधिक हैं

और जिसकी सं ० जी० एस० 3/12ी० एस० न० 390, अनुष्परपालयुम गांव है, जो कोयम्बट्टर में स्थित है (और इसमें उपाबक्ष अनुसूची में और पूर्ण रूप सं विणत है), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय कोयम्बट्टर लेख सं ० 3957/84 में भारतीय रिजस्ट्रकरण अधितियम, 1908 (1908 का 16) के अधीत सितम्बर 1985

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उत्तित काकार मून्य से कम के खबमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उपित बाजार मूल्य उसके ख्रयमान प्रतिफल से, ऐसे ख्रयमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निलिखित उद्देशिय से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिवक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

- (क) बन्तहण से हुई किसी बाव की बावत उक्ष अधिनियम के बधीन कर देने के बन्तरक के समित्य में कमी करने या उसने बचने में सुविधा के लिए; भीर/यः
- (या) एसी किसी नाम ना किसी मन या जन्म नास्तियों की, जिन्हों भारतीय सायकर समिनियम, 1922 (1922 का 11) या उनत निष्टियम, या भन-कर समिनियम, या भन-कर समिनियम, 1957 (1957 का 27) के जमोजनार्थ अन्तिरती बुनारा प्रकट नहीं सिया नथा या निया जाना चाहिए था, किनाने में सुनियम से सिए;

जतः अय, उक्त अधिनियम की भारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की भारा 269-श की उपधारा (1) के अभीन, निर्म्निसित व्यक्तियों, अर्थात् :— (1) श्रीमती सूनू सोरक्जी और ग्रन्थों

(श्रम्तरक)

(2) श्री ग्राडेक्कलम चेटियार और श्रीमती पोश्नम्माल (ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके प्वॉक्त सम्पंतित के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हुं।

वक्त बन्मत्ति के बर्चन के बन्दरभ में कोई भी नाक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राज्यक के प्रकारन की तारी है 45 बिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी बवधि बाद में समाप्त होती हो के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस स्थान के राजपत्र में प्रकावन की तारीक ते 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण : --इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त बीधीनयम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, बही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

# अनुसूची

भूमि और मकान :---जी० एस० 3/2 टी, एस० नं० 390, अनुधर पालयम गांत्र कोयम्बतूर। कोयम्बतूर लेख सं० 3957/84

एम० सामुबेल सक्षम श्राधिकारी सहायक स्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रजैन रेंज-2, महास

तारीख: 27-4-85

मोहर 🛭

प्रकथ बाइं.टी.एन.एड.-----

नाव्यत्र मर्पिन्यम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-म (1) के सभीन सुमना

#### शारत सहस्राह

कार्यासय, सहायक आयकर आवृक्त (निरीक्षण) अर्जन रॅज-2, मद्रास

मद्रास, दिनांक 27 घप्रैल 1985

निदेश सं ० 226/मितम्बर 84/रेंज 2--श्रतः मुझे, श्रीमती एम० साम्बेल,

आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हो), की धारा 269-स के अधीन सक्तम प्राधिकारी की यह विश्वास करने का कारण है कि स्थापर सम्परित, जिसका उचित वाजार मूल्य 1,00,000/- रा. से अधिक हैं "

और जिसकी सं ० गस्पा पोलाय्यी ठाँन, एस० नं ० 5, पोल्लाय्यीठाँन है, जो तिकप्पूर टाउन में स्थित है (और अससे उपाबक अनुसूची में और पूर्ण रूप से वणित है), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, पोल्लाय्ची लेख सं ० 1927/84 में भारतीय र्गजस्ट्रीकरण अधि- नियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन सितम्बर 1984

का प्रविकत संपरित के उतित नाकार मूल्य में क्रम के दश्यमान प्रतिकल के लिए जन्ति दिन की गई हैं और मुक्ते वह विश्वास करने का कारण हैं कि यथापूर्वों कर सम्पत्ति का उचित बाजार स्कूब, उसके दश्यमान प्रतिकास के एपे दश्यमान प्रतिकास के प्रविक्रमान प्रतिकास के विश्व प्रतिकार के विश्व के विश्व के विश्व के विश्व प्रविक्रमान प्रतिकार के विश्व तथा पामा गया प्रतिकास, निम्निमिखित उद्देश्य से उनत जंतरण निवित्त में शास्त्रिक रूप से किथत नहीं किया गया है।

- (क) अन्तरण से हुई किसी बाय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अंतरण के दायिस्व मों कमी करने या उससे बचने मों सूरिया के लिए; और/या
- (क) ध्रेसी किसी साब या किसी धन या जन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय जायकर जिल्हों सारतीय जायकर जिल्हों सार 1922 (1822 का 11) या जक्य जिल्हों का 271 के असीवार्ज जन्तिरही द्वारा प्रकट नहीं किया भवा था वा किया जाता वाहिए था, कियाने में सुविभा के निए;

(1) श्री लांडवम् ति गौडर और श्रन्य

(भ्रन्तरक)

(2) श्री के० मुख्यानंदम।

(ग्रन्तरिती)

का यह सूचना जारी करके पूर्वोकत संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहिया शरू करता हु।

उक्त सम्पत्ति को अर्जन को सम्बन्ध में कोई भी बाक्षेप :----

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की सारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सेवंधी व्यक्तियों पर सूचना की सामील में 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो के भीतर पूर्वेक्त स्थितना में से किसी व्यक्ति ब्वारा;
- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की सारीच से 45 दिन के भीतर उक्त स्थायर सम्पन्ति में हिस-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अथोहस्साक्षरी के पास निकास में किए जा सकाँगे।

स्वक्टीकरणः — इसमें प्रयुक्त शन्तों और पदों का, जो उक्त बीधिकक् के अध्याम 20 क में परिभाषित हैं, बहु कर्ष होगा जो उस अध्याम में विका नवा हैं।

# अनुसची

भूमि और मकान गस्पा पोल्लाथ्यी, सर्वे वार्ड नं० 5, पोल्लोय्यी तिरुप्पर, पोल्लाय्वी लेख मं० 1927/84

> एम० सामुवेल सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेज 2, महास

अतः अवः, उक्त अधिनियमं की भारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नतिस्ति व्यक्तियों, अर्थात् :---

तारीख: 27-4-85

मोहर :

प्ररूप बाह .टी.एन.एन -----

सायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-भ (1) के अभीन भूचना

#### भारत सरकार

कार्यालय, महाजक आयक्य प्रायक्य (निर्दाक्षण) ग्रर्जन रेज-2, मधाम

मदास, दिनांक 27 ग्रप्नैल 1985

निदेश सं० 238/सितम्बर 84/रंग 2---ग्रत मुने श्रीमशी एम० सामुबेल,

त्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) किसे एममें एक परवान (उक्त प्रशिनियम) कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर रामानि जिसका तिचत वाजार मन्य 1,00,000/- राज्य से अधिक ही

और जिसकी सं० पलगरे गाव, ग्रवनाणि है, जो कोयम्पत में स्थित है (और इसमे उपाबद अनमूर्ची ये और पूर्ण रूप से बागत है), रिजम्ट्रीकर्ता ग्रीधकारी के कार्यालय ग्रवनाणि लेख ५० 1239/84 1238/84 में भारतीय रिजम्ट्रीकरण ग्रीधिनयम, 1908 (1908 का 16) के ग्रवीस मिनम्बर 1980

को पृथींका सम्पत्ति के उचित योजार मन्य मं कर के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की नर्ड और मुझे यह विद्याप करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति को उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से एमे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत में अधिक है और अन्तरक (अन्तरको) और अन्तरित (अन्तरितयों) के बीच एमें अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नितिखत उदश्य म उत्तर कराण लिखत में बास्तिबक रूप से कथित महीं रिजा गया है --

- (क) ब्रन्तरण से हुई िकसी नाय की बाबत, उक्त इिंगिनयम के अधीन कर दोन के अंतरक के दासिल्य में कमी करन या उसमें बचने में मुविधा के लिए, और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों की, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 को 11) या उक्त अधिनियम, का धन-अर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तिरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया धा या किया अरना चाहिए था, खिपाने में म्विधा के निए;

(1) श्री नाज्यिमुलुगौडर

(श्रन्तरक) -

(१) श्रीमती पलनियस्मान और अप्यो

(ग्रन्निरती)

को यह स्वना जारी करके प्वोंक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहिया शुरू करता हु।

उक्त मम्पत्ति क अर्जन के त्रांथ में कांध्रं भी आक्षंप --

- (क) इस म्बना वं राजगत्र में प्रवाहन की तारीख में 45 दिन की जबींच या गत्मम्बन्धी व्यक्तियां पर यूचना की सामील म 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में ममाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति स्वारा;
- (स) इस सूचना के राजात्र मा प्रकाशन की तारीस में 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-विधासी जन्म व्यक्ति दवारा, अधारण्यात्रा के गास कि सिन भी किए जा सकीं थे।

स्पट्टीकरण:-- इसमे प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क मे परिभाषिक है, बही अर्थ होगा, जो कि अध्याय में दिया गया है।

# मगुस्**ची**

मूमि:—पलंगरे, प्रवनाशि तालुक कोयम्बतूर ठीन, प्रवनागि, लेख स० 1239 और 1238/84

> एम० सामुबेल सक्षम प्राधिकारी सहायक प्रायकर स्त्रायुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-2, मद्रास

वन वन, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1), उधीन, जिस्ति विकास समितमा, प्रथान '---

नारीख 27--4-85 सोहर ॥ प्रस्प बाइं.टी.एन.एस-----

शायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) के अचीन सृचना

भारत सरकार

# कार्यास्य, सहायक आयकर सायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जनरेंज 1, महास

मद्रास, दिनांक 22 सितम्बर 1985

निदेश सं० 7/सिनम्बर/85—-अतः मुझे, श्रेम मालिनि वासन आयकर विधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की भार 269-ख को अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह निरंशास करने का कारण हैं कि स्थात्रर सम्पत्ति, जिसका लिखन बाजार मुल्य 1,00,000/~ रु. में अधिक हैं

कीर जिसकी सं ठोर सं 3 है, जो फस्ट, मेन रोड, श्रक्षानगर, में स्थित है (और इसमें उपावक में और पूर्ण रूप से वणित है) रिजस्ट्रीकर्ता श्रीक्षारी के कार्यालय जे० एस० श्रार० 1, वेलूर एस० सं० 3135/84 में भारतीय रिजस्ट्रीकरण श्रीकिनयम, 1908 (1908 का 16) के श्रीन सितम्बर 1985

को प्रतिकत सम्मित के उपित बाजार मृत्य से कम के कायमाण प्रतिकाल के लिए अन्तरित की नई है और मृत्ये वह निक्याम करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्मित का उपित बाकार मृत्य, उसके दरयमान प्रतिकत से, ऐसे क्यमान प्रतिकत का उन्तरह प्रतिकात से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकारें) और बंतिकती (अंतरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तम पामा गमा प्रतिकात, निम्निविद्या उक्षेत्रक से उपत अंतरक निविद्या में वास्तिविक हम से अधिक ह

- (क) अन्तरण से हुन्हें किसी आय की बावत, बावकर जिथिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक को दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ख) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 वा 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती दवारा प्रकट नहीं किया गरा धा या किया जाना वाहिए था छिपान में मिनिया अर्लिश

अत्तः शब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुनरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्मिलिखित व्यक्तियमों, अर्थातः :--16---86GI[85

(1) श्री ग्रार० कुरूदेवन

(अन्तरक)

(2) श्रीमती एम० ग्रार० रूपावदी।

(श्रन्तरिती)

को यह सूचन जारी करके पर्वाक्त सम्मत्ति के अर्जन के लिए कार्बवानियां करता हूं।

उक्त सम्पर्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस स्वता के राजपक में प्रकाशन की तारीख से 45 रित की जबिध या जत्सम्बन्धी व्यक्तियाँ पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वेक्ति व्यक्तियाँ में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस क्षाना के राजपण में प्रकाशन की तारीख में 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोह्म्लाक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

ल्पप्रक्रिक्षाः—इस्सः प्रयुक्त जन्दी और पर्यो का, जो उक्त अपिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, कहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में विष्या गया

#### अनुस्की

भूमि और निर्माण मं० 3, फसट मेन रोड भ्रक्षा नगर, वेल्र (एस० मं० 3135/84)

> (प्रेम मलिनिवासन) सक्षम प्राधिकारी, सहायक स्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण), स्रर्जन र्रेज 1, मद्राम

तारीख : 22-4-1985

मोहर :

# प्रकृत कार्क . टी . एत . एवं . ------

(1) श्रीमती सिन्नपोन्नम्मान्।

(अन्तरक)

(2) श्रीमती अमुदवली ।

(अन्तरिती)

आवकर मधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-भ (1) के नभीन स्मना

#### भारत तरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

ूर्जन रेज-1, मद्राम

मद्रास, दिनाक 22 नप्रैल 1985 निदेश स० 25 सितम्बर/84 - नत मुझे, प्रेम मालिन वायन.

नामकर किंपिनिमम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चारा 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की बारा 269-स की मधीन मक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृख्य 100,000/- स्म से अभिक हैं

ग्रीर जिसकी मं० टी o गरा o मा 69, डोर मा 30 है तथा जो भोलम गाव म निया है (ग्रीप इससे उपाबक अनुस्वीमे भ्रौर पूर्ण रूप ो वणिन है) रिजर्सीकर्ता अधिकारी के कार्यालय जे० एस० अर नाम सलम, दस्तावेज स० 1001/84 मे र्राजस्ट्रीवरण -र्यधानयम 1908 (1908 क्या 16) वे जधीन तारीख भिनम्बर 1981

को पुर्वेक्त सम्बक्ति को उपित बाबार मृत्य से कन के रक्यमान प्रीतिफल के लिए अन्दरित की गर्ड और मझे यह विश्वाब करने का कारण ही कि यथापुर्वक्ति सम्पत्ति का उचित बाबार मृत्यः, उसके अध्यमान प्रतिफल से एसे व्यथमान प्रतिकत का पन्नाह प्रतिकास से अधिक है और अन्तरक (अन्तरका) और अन्तरित (अन्तरितियाँ) के बीच एस अन्तरण के लिए तप नावा नवा प्रतिकत, निम्नीसिकत उपुरोप हे उपत मन्तरम सिक्त में बास्तिकिक कप से किथत नहीं जिला पना है ---

- (का) जन्तरण में हुई फिसी बाय की नामत, उक्त अर्थिनशत के अभीन कर होने के प्रत्यारण के बारियत्व मी कमी करने या जमये बचने में सुविधा में सिए, और मा
- (क) एरेडी कियी जाय या किसी भग वा अभ्य आस्टिकों को, विका भारतीय बाब-कर व्यक्तिग्वम, 1922 (1922 का रा) मा उन्त कविनिवन, या वन-कर अ^क्षनियम, 1957 (1957 का 27) को प्रशासनार्थ सन्तरिसी कुनाना प्रकट मुद्री सिना क्या का का किला जाना भारिता था. जिमाने के सीवधा के चित्रः

कण बाल, पक्त अधिनियम की धारा 269-ग को अनुसरण में, मैं नक्तन मिनियास की धारा १६०-ल की उपधारा (1) के अभीन रिन्सिटिकिंग न्यां असमी, सर्थात --

ंको यह बुक्ता कारी करने पूर्वोक्त सम्मील ने मर्कन के विक् कार्जनाहिकां करता हुं।

यक्त कम्पत्ति के वर्षन के तंत्रंभ में कोई भी बाधोर :----

- (क) इस सूचना के रावपत्र में प्रकाशन की तारीय से 45 विन की अवधि का तत्तम्बन्धी व्यक्तियों वर स्थाना की तामीन से 30 दिन की वविष, वो भी नवींच बाद में बमाप्त होती हो, से शीतर प्रवेतिस व्यक्तियों में ते किसी व्यक्ति इत्राराः
- (क) इब स्वता के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख हो 45 बिन के भौतर उपत स्थावर सम्पत्ति में द्वित-बब्ध किसी बन्ध स्वक्ति ब्वारा, बभोहस्ताक्षरी के पास निविद्य में किए जा सकें ने ।

स्पन्यकरणः---इसमे प्रयुक्त बन्दों भीर पद्यों का, जो उक्त अभि-नियम के अध्याय 20-क में परिभाष्टित है यही वर्ष होगा, जो उस बध्याब में दिया गया

### ग्रन्यूची

भूमि और निर्माण डोर स॰ 33, नेलम गाव (दस्तावेज सं० 1001/84)

> प्रम मालिनि वामन सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयकत (निरीक्षण) अर्जन रेज-1, मद्राय

दिनाक : 22-4-1985

मोहर 💰

प्ररूप आई. टी. एन. एस.-----

कायकर विभिन्यम, 1961 (1961 का 43) की भार 269-म (1) के अभीन स्वना

#### नारत सरकार

# कार्यालय, सहायक आयकर बायुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज-1, मद्रास मद्रास, दिनाक 22 अप्रैल 1985

निदेश स० 29 सितम्बर/84—अत मुझे, प्रेम मालिनि वासन

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-च के अधीन सक्षय प्राधिकारों का यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित आजार मूल्य 1,00,000/-रा से अधिक हैं

श्रीर जिसकी स० टी॰ एस॰ स० 6/3 हैं तथा जो आस्टीपट्टी गाव सेलम में स्थित हैं (श्रीर इस प उपात्रछ अनुसूची से श्रीर पूण रूप से विणित हैं) रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय एस॰ आर॰ नादकपट्टी दस॰ स॰ 2687/84 म रिजस्ट्रीवरण अधिकारम 1908 (1908का 16) के अधीन तारीख सितम्बर 1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य में कम के रूरयमान श्रीतफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्के यह विकास करने का कारण है कि यथापनोंकत सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्यः, उसके रूपमान प्रतिफन सं, एम रूपमान प्राथमक का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरका) और अतरिती (अन्तरितयों) के बीच ऐसे बंतरण के बिए तय पाया गया प्रायफन, निम्नीकित उद्देश्य से उक्त बंतरण किवित में मास्तिक रूप से कृथित नहीं किया गया है:--

- (क) बंबारण से हुए जिस्सी बाय की बावस, उक्स अभिनियम के अभीन कर वाने के जन्तरक के दायित्व में कभी करने वा जबने वच्चने में कृषिया के सिए; और/स
- (ख) ऐसी किसी बाय या किसी धन या अन्य आस्सियों को, फिन्हें भारतीय वायकर विभिन्नियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त विधिनियम या धनकर विभिन्नियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ बंतरिसी बनारा प्रकट नहीं किया गया ना या किया जाना नाहिए ना कियाने में स्रिया की लिए,

अतः शव, जनत अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उनत अधिनियम की धारा 269-भ की उपधारा (1) अ अधीन, निम्मसिखित व्यक्तियों, अविष् :---

(1) श्री ए० मी० माप चर्ट्यापर ।

(अस्तासक)

(2) श्री कें जन्मामली।

(अन्वारती)

को यह सृचना जारी करके पूर्वाक्त सम्पत्ति क अर्जन के लिए कार्यवाहिया करता हु।

दक्त सम्मत्ति को सर्जन का सम्बन्ध में कार्र थी काराय -

- (क) इस सूजना को राजपत्र में प्रकाशन की तारीख सं ०५ दिन का जबीब शास्त्र म्बर्गा पर नामना की तार्याच स् १० कि ने १० ने विशेष अविध बाद में समाप्त हाती हां, के भीतर पूर्वों वस व्यक्तियों में में किसी व्यक्ति द्वारा
- (स) इस सूचना के राजपत्र मा प्रकाशन की तारींख स १,१५ के भी १ के नाम नद्रभ किसी अन्य व्यक्ति द्यारा, अधाहरूनाकरी खे पास निकार में भिन्न भी हैं।

स्पष्टीकरण: --इसमें प्रमुक्त शब्दों और पदों का, जा उक्त अधि-नियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, हैं, बही अध हागा जा उन के याय में दिया गया है।

# श्रनुसूचा

भ्मि और निर्माण जान्छीगड़ी गांव साम उप्न दिः एसः सः 6/3, (दम्नावज सः 2687/8!)

> प्रेम मार्कित वासन सक्षम प्राचितारी सहायक रायवर अध्युक्त (मिरीक्षण) वजन रेपे-1, मद्रास

दिनाक : 22-4-1985 मोहर : प्रकृष बाहें. टां. एन एस - -----

आयकर अधिनियस, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-व (1) के अधीन स्वना

#### भारत सरकार

कार्याचय, सहाभक बायकर आयुक्त (निरक्षिण) अर्जन रेंज-1, मद्रास मद्रास, दिनांक 22 अप्रैल 1985

निदेश म० 30 सितम्बर/84--अतः मुझे, प्रेम मालिनि

आएकार अधिनियम, 1961 (.961 का 43) (जिस इसमें इमकी पदभात 'उक्न अधिनयम' कहा गया ही), अनी धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित नाजार मृत्य 1,00,000/- रत, सं अधिक हैं

**और** जिसकी स० टी० एम० नं० 6/3, 6/1 और 7 है तथा जो जानिटपट्टी गाव जन्नदानपट्टी में स्थिन है (सीर इसने उपाबद ानुसुची में श्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है) र्यापर्ट्रा-कर्ता आंधकारी के जायलिय नदकपट्टी दम्नावेज रां० 2688/84 में रजिस्द्रीतरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन नारीख सितम्बर 1984

को पृत्रों कत सम्पत्ति को उचित बाजार मृल्य संकम के दश्यमान प्रतिफल को लिए अन्तरित की गई है और मुम्हे यह विक्यास फरमं का कारण है कि मथापूर्वात नस्पन्ति की असिंग हाजार मृत्य, इसके क्यमा परिकास सं, एक दश्यमान प्रतिकाय का पन्द्रह प्रोत्तकत सं प्रधिक है और अंतरक (अंतरकां) और अंतरिली ाबल रितियों) के बीच एस अन्तरण के लिए तय पासा गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देष्य से उक्त बन्तरण निधित में बास्तिविक रूप से कथित नहीं किया गया है :---

- (क) दन्तरण से हुई फिसी जाय का वाबत उन्त अभिनियम के अधान पार यान के जन्ताक ह वायित्व में कमी करने या उससे बचने में सांवधा अ भिष्यु महिर्मा
- (ब) ऐसी किसी जाय या फिसी धन या असा शास्तियों का जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या इक्त आंश्राकण धन-कर बिधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ मन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, अध्याने न सुविधाके लिए;

नतः नम, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की भारा 269-व की उपभारा (1) के वभीगः, निम्नीगिस्ति व्यक्तियों, वर्गात् ॥---

- (1) श्री एम० आर० अरतनारि श्रीर अन्यों। (अन्तरक)
- (2) श्री ए० मुस्कन श्रीर एन० वी० तरमालन्कम ।

(अन्तरिती)

को यह सुचमा बारी कारके पृत्रींक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हु।

उक्त सम्मति के अर्जन के सबध में कोई भी बाक्षप ---

- (क) इस स्थान के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस सं 45 विन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सचना की तामील म 30 दिन की ववधि, जा भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्स व्यक्तियों में से किभी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस स्चना के राजपत्र में प्रकाशन को तारीख म 45 विन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हिंत-बद्ध किसी जन्म व्यक्ति द्यारा अवाहस्ताकरों अ णाम लिखित में किए जा सकेंगे।

**म्यळाडारण** :--इसमें प्रयुक्त कन्दों और पदा का, जा उका अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होंगा जा उस अध्याय में दिया नया है।

भूमि -अन्टीपट्टी गांव अन्नदानपट्टी टी० एस० नं० 6/3, 6/1 और 7 (वस्तावेज सं० 2688/84)

> प्रेम मालिनि वासन सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-1, मद्रास

दनांक : 22-4-85

मोहर 🛭

प्ररूप आई. टी. एन. एस.-----

भायकार अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के बधीन स्थान

#### धारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-1, मद्रास मद्रास, दिनांच 22 अप्रैल 1985

निदेश सं० 46 सि म्बर/84—-त्रतः मुझे, प्रेम मालिनि

गणकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परवात 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-ख के अधीन गक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित माजार मृत्य 1,00,000/-रा. से अधिक ही

स्रोर जिसकी मं० एम० नं० 4/1 बी है तथा जो मेखरायनलै कुत्द्र गाव मे स्थान है (स्रोर हाम उपावस अनुसूची में स्रोर पूर्ण का म विणित है) र जिस्ट्रा वर्ता तिसकारी के जायिलय एरकाट दस्तावेज स० 239/84 में रिजिस्ट्री करण जिस्सिनम 1908 (1908 का 16) के जधीन तारोख सितम्बर 1984

को प्रजीवत सम्पत्ति के उचित बाजार मृल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मृक्षे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वेक्त सम्पत्ति का उचित बाजार स्व्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिकास से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्निलिस उद्योध्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिवक रूम में कथित नष्ठीं किया गया है:——

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधि-अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के सिए; और/या
- में) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों कां, जिन्हों भारतीय आयकार अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अंतरिती दुवारा प्रकट नहीं किया गया किया जाना चाहिए था, छिपाने में मृविधा के लिय:

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-श की उपधारा (1) के अधीन, निम्निलिखित व्यक्तियों, अर्थात् —

(1) श्रीमती वि० अलक्ष्म ।

(अन्तरक)

(2) श्री वि एतः रामनाथन ।

(अन्तरिती)

कों यह सूचना जारी करके पूर्वीवत सम्परित के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हों।

## वंदत बम्परित के अर्थन के सम्बन्ध में कोई भी बाक्षेप:--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख में 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्स व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र मो प्रकाशन की सारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबक्ष किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास किखा कि के पर

स्पष्टीकरणः ----इसमे प्रयुवत शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में यथा परि-भाषित हो, वहीं अर्थ होगा जा उस अध्याय में दिया गया हो।

#### अनुसूची

भूमि श्रौर निर्माण-सेखरायनमलें, कुन्दूर गांव एरक ाट तालुक पट्टा सं० 6, एस० सं० 4/2, 3 (दस्तावेज सं० 239/84)

> त्रेम मालिनि वासन सक्षम प्राधिनारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-1, महास

दिनांक : 22-4-1985

माहर:

SEX 4181.29. UT. US. .----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सुचना

भारत सरकार

भार्यालय, सहायक शायकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-1, मद्रास मद्राम, दिनांक 22 अप्रैल 1985

नायकार अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसमें परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 159-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वाम करने की कारण है कि स्थावर सम्मत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

श्रीर जिसकी सं० तथा जो कोन्यनापुरम गाव में स्थित है (श्रीर इसने उपावद्ध अनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप मे विणत है) र जस्ट्री इती अधिकारी के कार्यालय इटपाटी (सलम) दस्तावेज सं० 1088/84 में रिजर्स्ट्री करण अधिनियम 1908 (1908 जा 16) के अधीन तारीख शितस्वर 1984

को पूर्वीक्त संपत्ति को उन्नित बाजार मूल्य से कम के क्रयमान व्रतिफल को लिए अंतरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उन्तित बाजार मून्य, उसके क्ष्ममान प्रतिफल से, एसे क्ष्ममान प्रतिफल का क्ष्मद्व प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण को लिए तथ पाया गया प्रतिफल, निम्निलिखित उद्दोष्य से उक्त अन्तरण निस्ति में बास्तिकक रूप से कथिस नहीं किया गया है :---

- (क) बन्तरम् से हुई सिक्षी काम की बाबता, बक्त मौधनियम में सभीन कर देने के बन्तरक के शावित्व में सभी करने या उत्तव बच्चने में सृष्या के निष्ट्; बहुर/या
- (भ) ऐसी किसी बाय या किसी धन या अन्य आस्तियों कों, जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 को 11) या जक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 को 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया भा या किया जाना चाहिए था छिपाने में जिन्धा के निए;

जतः अब, उक्त अधिनिवम की धारा 269-ग के अनुसरण मं, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-व की उपधारा (1) के अधीन, निम्निधिसित व्यक्तियों अधीत:— (1) श्री एम० जेकनादन ।

(अन्तरक)

(2) श्री बी० पर्लानभप्पन श्रीर बि० देवराज श्रीर अन्यों।

(अन्तरस्ती)

को बहु सूचना बारी करके वृत्रांकित सम्मृत्सि के वर्जन के निष् कार्यवाहियां शुरु करता हुं।

उनल सम्परित के नर्जन के सम्बन्ध में कोई भी नाक्षेप :---

- (क) इत स्थान के राजपत्र में प्रकाशन की तारीश से 45 दिन की अनिध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्थाना की तामील से 30 दिन की अनिध, को भी जनिश बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वों कर स्थानत स्वी निसी व्यक्ति स्वाराः
- (स) इस स्वना के राजपत्र में श्काशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी बन्य व्यक्ति द्वारा चर्धांहस्ताक्षरी के पास तिस्ति में किए जा सकेंगे।

स्वाकरणः इसमें प्रयुक्त कव्यों और पदों का को उक्त विधिनियम, के अध्याप 20 क में परिभाषित है, वहीं कर्भ होगा जो उस अध्याय में दिया

#### बनसर्वी

मूमि शीर निर्माण-कोन्हनापुरम गाव (दस० सं० 1088/84)

> प्रेम मार्लिन वासन सक्षम प्राधिकारी सहायक आयंकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-1, मद्रास

दिनांक : 22-4-1985

मोहर 🏅

प्रस्त्व आहु". टी. एव. एवँ.-----

जायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ध (1) के अधीन सूचना

#### महरत सरकार

कार्यासय, महायव आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-2, मद्राम

मदाम, दिनांक 20 अप्रैल 1985

निर्देश सं० 139/सितम्बर/1984—जतः मुझे, प्रेम मालिनि वासन,

जायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है, की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रा. मं अधिक है

श्रीर जिसकी मं० एस० मं० 110 श्रीर 111 टी० एस० मं० 35 है, जो प्लाट मं० 2852 नटुव कर गांव में स्थित है (श्रीर इसने उपावद्ध में श्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, अन्ना नगर एस० मं० 3303/84 में भारतीय रजिस्ट्रीजरण अधिन्यम, 1908 (1908 का 16) के अधीन सितम्बर 1984

को प्लोंकन सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के दश्यमान प्रतिफल की लिए अन्तरित की गई है और मृत्रे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाम गया प्रतिफल निम्निलिखित उद्वेषम से उक्त अंतरण किसित में वास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

- (क) अंतरण से हुई किसी आय की नावत, उक्त अभिनियम के अभीन कर दोने के वंतरक के दायित्य में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए और/या
- (स) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हों भारतीय नायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था सा किया का वा का किया था का किया के लिए;

सत: अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के, सनुसरफ मी, मी, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) क अधीन, निम्तिनिषत व्यक्तियों, अर्थात:— (1) श्री बी० के० विसवनायन

(अन्तरक)

(2) श्री बी० वाल सुम्रमण्यन

(अन्तरिती)

**का वह बूबना बारी कर**के पूर्वोक्त सम्पत्ति के कर्बन के लिए कार्यवाहिया गुरू करता हु"।

सकत सम्परित के अर्जन के सम्बन्ध में कोड़ भी माक्षंप :--

- (क) इस स्पना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीं है 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्पना की तामील से 30 दिन की अविध , जो भी मदिध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्विक्त स्पिनलयों में स किसी व्यक्ति द्यारा;
- (ण) इस स्पना के राजपत्र मा प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थातर सम्पत्ति मा हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति दुवारा अधाहस्ताक्षरी के पत्स लिखित मो किए जा सकता।

स्पक्षीकरण: इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उकत अभिनियम के अध्याय 20 के में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होना उन अन्याय जा दिया भग हैं।

## अनुसुची

भूमि श्रौर निर्माण नटुबकरें गांव, एस० सं० 110 श्रार 111 (एस० सं० 3303/84)

> प्रेम मालिनि वासन सक्षम प्राधिकारी महायक श्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेज 2, मद्रास

तारीख: 20-4-1985

मोहर 🚜

प्रकृप मार्च . टी . एन . एस . - - - ----

नायकर मधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-म (1) के अधीन स्वना

#### भारत सरकार

कार्यासय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-1, मद्रास

मद्रास, दिनांक 2 अप्रैल 1985

निदेश सं० 142/सितम्बर/84---अतः मुझे, प्रेम मालिनि बासन,

शायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) जिसे इसमें इसके पश्चात 'उकत अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-ख के अभीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का शारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मन्य 1,00,000/- रह. से अधिक हैं

भीर जिसकी सं मर्वे सं 7 'लाट मं 4868 है, तथा जो अरिन्कर असा नगर महास-40 में स्थित है (श्रीर इम्म उपाबढ़ अनुसूची में और पूर्ण रूप ने विणित है), र्राजस्ट्रीयती अधिकारी के कार्यालय में भारतीय र्राजस्ट्रीयरण अधिनयम, 1908 (1908 का 16) के अधीन अप्रैल, 1985

को पूर्वेक्ति सम्पत्ति के उचित बाजार मृन्य से कम के दश्यमान इतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुफ्ट यह विक्वास करन का कारण है कि एथापूर्वेक्ति सम्पत्ति को उत्तित बाजार मृस्य, उसके इश्यमान प्रतिफल से, एसे इश्यमान प्रतिफल को पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्त-रिसी (अन्तरितियाँ) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उच्त अन्तरण मिखित में शास्त्रीबक रूप से कथित नहीं किया गया है:——

- (क) अन्तरभ से हुई कियी बाब की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन अर दोनें को अन्तरक को वाधित्व में कमी करने के उससे तचने में सुविधा क लिए, सीर/या
- (का) एसे किसी आय या किसी धन या नन्य जास्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना बाहिए था. छिपाने में सुनिधा के लिए;

अतः जब, द्वल प्रधिनियम की धारा 269-ग की अन्सरण जो, भी, दक्त अधिनियम की धारा 269-थ की उपार्श (1) को अधीन निम्निसिक्त व्यक्तियों अधीर रहा (1) श्रीमती एस० दनलर्बाम

(अन्तरक)

(2) श्री वी० क्षन्का

(अन्तरिती)

को यह सूचना वारी करके पूर्वीकत सध्यति के बर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हु।

उक्त सम्मत्ति के बर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस स्थान के राजपत्र में प्रकाशन की तारोध स 45 दिन की सबिध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियाँ पर स्थाना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त हाती हो, के भीतर प्वेकित व्यक्तियाँ में से किसी व्यक्ति इवारा,
- (क) इस स्कान के राजपत्र मं प्रकाशन की सारील से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हिनबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अथोहस्ताक्षरी के पास जिखित में किए जा सकारे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, क अध्याय 20 क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

### अनुसूची

भूमि और निर्माण प्लाट सं० 4868, अरिन्कर असा नगर, मदास-40।

सर्वे सं० 7 (दस० सं० 3339/84)

> प्रेम मालिनि बासन सक्ष्म प्राधिकारी सहायक ग्रायकर आयुक्त (निरीक्षण), अर्जन रेंज 1, मद्रास

तारीख : 2-4-1985

मोहर 🥫

परूप आह्र दी एन एस. -----

(1) श्री नार० नन्दशातनःम नेद्रियार

(यन्तरक्र)

(2) श्री सी० के अन्दुल हमीद

(अन्तरिती)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-य (1) के अधीन सूचना

#### भारत सरकार

कार्यानय, महायक आयकर आयक्त (निरीक्षण) ।जन रेज-1, मद्राम

मद्राम, दिना: 2 अप्रैल 1985

निदेश स०  $2/(\pi \pi \pi^2/84 - 4\pi)$  मझे प्रेम मग्लिनि वासन,

आयक र यां पित्यमं, 1961 (1961 का 43) (शिसं इसमें इसके पश्चात 'उक्त पित्यमं' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन राम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थान परित्र किमान उपितृत बाजार मल्य 1,00,000/-रु से अधिक है

श्रीर जिसकी सः रार्ने पः 184/1, श्रीर 181/1, है, तथा जो वहु ज्यानकता गाम श्रामित्रसूर गाव, कृष्टियातम ताल्क से स्थान है (श्रीर इता उराग्रन सं स्रीर पूर्ण स्प सं वर्णित है), राजस्ट्रोक्षती अग्रितारी के तार्थीना एमा आरे पाटपाटि एमें से 3082/84 ने भारतीय र्राजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 1)) के संधीन सिनस्बर 1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिकाल के लिए कल्परित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करम का कारण है कि श्थापर्वोक्त सपित का उचित बाजार मूल्य, उसके क्यमान प्रतिकाल सो, एमें दश्यमान प्रतिकाल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरका) और अन्तरिती (अन्तिरितियो) के बीच एस अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिकाल, निम्निलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण सिवास में वास्तिविक रूप से किथत नहीं किया गया है :—

- (क) अलारण से हुई किसी जाय की बायए, उपल अधिनियम के जभीन कर दोने के अलारक के दायित्य में कमी करने या उत्तरों क्वने थें मित्रा के लिए, और थि
- (क) एसी फिसी बाय या किसो धन बन्य बास्तियों की जिन्हों भारतीय बायकर अधिनियम, 1922 (1927 की (1)) का उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ बन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सुविधा के लिए;

को यह सूचना जारी करक पूर्विक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहिया करना हु।

जक्त सम्पत्ति के अर्थन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अविधिया तत्सबधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील में 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रवाशन की तारीख खें 45 दिन के भीतर उदन स्थापर सम्बन्धि में हितबद्द किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधाहस्ताक्षरी के पास निस्ति में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण --इसमे प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्क अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषिण हैं, वहीं अर्थ होगा जा उस अध्याय में दिन्ह। नया है।

# **ब**न्स्ची

भूमि श्रौर निर्माण बठुकन्दान्कल गांव श्रौर मेलविलसूर गाव, कृठिमानम तालुक, नारत आरकाट डिस्ट्रीक्ट (दस स० 3082/84)

> प्रेम मालिनि वासन सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण), अजन रेज-1, मद्रास ।

तारीख 2-4-1985 मौहर प्ररूप आहाँ.टी.एन.एस.-----

# भायकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-भ (1) के अभीन सुचना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक जायकर आयुक्त (निजीक्षण)

जर्जन रेज-1 मद्रास

मद्रास, दिनाक 2 अप्रैल 1985

निदेश म० 4/सितम्बर/1984—जन मझे, प्रेम मालिनि वासन,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित वाजार मल्य 1,00,000/- रा से अधिक है

ज्ञीर जिसकी स० सर्व स० 42/2 है, जो जिल्लानिपुरम गाव उथि जार तार डिप्ट्रिकर में स्था है (और उसने उपाबद्ध ज्ञानसकी के और पूर्ण रूप से विणित है) रिजस्ट्रीक्ती अधिकारी के कार्यालय वेल् इस० स० 2985/84 में भारतीय रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 ा 16) के अधीन सितस्वर 1981

का पर्वाक्त सम्पत्ति के उपिन बाजार मन्य गं कम के रहरणा।
प्रतिफल के लिए अतिरत की गई है और एक यह विश्वाम
करने का कारण है कि यथाप्यक्ति सम्पत्ति का उचित बाजार
मन्य, उसके दश्यमान प्रतिफल सं एमें दश्यमान प्रतिफल का
पन्मह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरका) और
अन्तरिती (अन्तरितियाँ) के बीच एमें अन्तरण के लिए तय
पाया गया, प्रतिफल, निम्निनिश्तित उद्देश्य से उक्त अन्तरण
लिखित में बास्तिबक रूप से किथित नहीं कया गया है।

- (क) अन्तरण से सुद्धें किसी बाय की वाबस, उक्त बिधिनियम के अभीन कर धेने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में स्विधा दायित्व के लिए और/या
- (स) एंगी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्थिती को जिन्ही भारतीय जायल-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिसी द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के सिए;

कत अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुपरण मी, मी, उक्त अधिनियम की धारा 269-ए की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित अधिनयमों, अर्थात :—

- (1) श्री वालन्टाः वलनं सेन्टर (असारा)
- (2) श्रा एक प्रस्ति श्राप क्वेम पिले (अन्तिणिती)

को यह स्वना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हा।

उनत सम्पत्ति के अर्जन के सबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अविधि या तत्मम्बन्धी व्यवितरों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा,
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बक्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधाहस्ताक्षरी क पास लिखन में किए जा सकेंगे।

स्पष्टिकरण:—हममें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, बही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

#### बन्स्ची

भृमि श्रीर निर्माण विक्याचिपुरम गाव (दल म० 2985/81)

> प्रेम मालिनि वासन सक्षम प्राधिकारी सहायक आयक्षण त्यक्त (निरीक्षण) जनगणका गदम

तारोख 2-1-85 माहर प्ररूप आई.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेज-], मद्रास

मद्रामः, दिनाभः 2 अप्रैल 1985

5/स्तम्बर/84--या, मुझे, प्रेम मालिनि वासन,

आयकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) जिसे इसमें इसके पक्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है'), की धारा 269-ख के अधीग सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 1,00,000/- रा. से अधिक हैं

ग्रीर जिसकी मं० डोर स० 26 ग्रीर 27 है जो पर्लान वीरपनर सहा म्हीट, वेल्प (नारत) में स्थित है (और इसन उपावद्ध अनुसूची ,मे योर पूर्ण रूप । वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता र्जाधकारी के सर्यालय वेल्र--दम ० म० 3000/84 में जीतम्द्रीयरण यीध-नियम, 1908 (1908 हा 16) के अधीन सिनम्बर 1984

का पुर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के रश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह पिश्सास फरन का कारण है कि यथा पूर्वीक्त संपत्ति का बाजार भृत्य, उसके दश्यमान प्रतिफल सं , अधिक है इत्यमान प्रतिकल के पन्द्रह प्रतिशद से और अतरक (अंतरका) और अंतरिती (अंतरितयों) के बीच एम अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य में उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नही किया गया है:---

- (क) अन्तरण संहुई किसी अप की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ख) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्ह भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के लिए:

उत: जब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनगरण मं, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अभीन निम्नितिषित व्यक्तियां, अर्थात् :--

(1) श्री बंहि विजयाज ।

(जन्तरक)

(2) श्री पी० कियनलाल ।

(अन्त**ंर**ती)

का यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति को अर्जन को लिए कार्यवाहिया करता हुं।

जनत संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचनाके राजपत्र में प्रकाशन की तारी वासी स्र 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर स्चनाकी तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियां में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 4.5 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरण — इसमे प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभामित है, वही अर्थ होगाजो उस अध्याय में दिया गया ह*ै।

भूम ग्रांप निर्माण डोग स० 26 ग्रांप 27 पत्रनि बीएपनए चेट्टी स्ट्रीट, वेलुर (नारत) (दम० स० 3000/84)

> श्रेम मालिति बागन सक्षम प्राद्धिकारी सहायक शायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेज -, मद्राम

नारीख · 2-4-1985

भाहर :

प्ररूप आहे. टी. एन एस -----

# बावकर विभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भाडा 269-भ (1) के वभीन स्था

#### धारत सरकार

# कार्यायम, बहायक जायकार जायूक्त (विद्वीक्त्य)

श्चर्जन रेंज, मद्रास

मद्रास, दिनाक 16 अप्रील 1985

निदेश म० 6/िमतम्बर/84—-ग्रतः मुझे, प्रैम मालिनि बामन

श्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इतमें इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 1,00,000/- रु से अधिक हैं

भ्यार जिसकी स० सर्वे म० 2983 है तथा जो वेलूर नार्थ गाव, नार्थ ग्राएकाट डिस्ट्रिक्ट में स्थित है (ग्रीए इसस उपाबद्ध अनुमूची में ग्रीए पूर्णस्प में विणत है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रिधिकारी के कार्यालय, वेलूर द न० 30483049/84 में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अितियम, 1908 (1908 का 16) के अर्थान 16 सितम्बर 84

को पूर्विका संपत्ति के धिंचत बाजार मूल्य से कम के रूथमान प्रतिफल के लिए रिजस्ट्रीकृत विलेख के अनुसार अंतरित की गई है और मूझे यह निश्वास करने का कारण है कि यथापूर्विक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके रूथमान प्रतिफल से एसे दृश्यमान प्रतिफल का पदह प्रतिशत से अधिक है और अंतरिक (अंतरिको) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अंतरिण के लिए तथ पाया गया प्रतिफल, निम्निलिखत उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित में बास्तिबिक रूप से किथत नहीं किया गया है:——

- (क) अन्तरण से हुई किसी बाव की बावत, उन्हें अभिनियम के अभीन कर दोने के अन्तरक के दासित्व में कैसी अरने या उन्हेंसे अपने में सुविधा के सिए, और्/या
- (थ) एनी किसी बाय या किसी भन या अन्य आस्तियों को, जिन्ही भारतीय बायकर अभिनियम, 1922 (1922 का 1!) या उक्त अभिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) की अधाजनाथ अन्तरिता द्वारा प्रकट नहीं किया गया भा या किया जाना चाहिए था, कियाने में सुनिधा भी निए;

नतः जन, उन्त अभिनियम की भारा 269-ग के नन्सरण भी, भी, उन्त अभिनियम की भारा 269-म की उरभारा (1) के अभीन, निम्निः जिल्ला व्यक्तियों, नम्ति क्षेत्र (1) प्राभनी मार गर भन्मूला

(श्रन्तरक)

(2) श्री बी. एन० कृष्णन ग्रीर ग्रन्य

(ग्रन्तिरती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वित सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हु ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में काई भी जाक्षेप :---

- (क) इस सूधना के राजपत्र मा प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवाध या तत्सम्मन्धी व्यक्तियों पर सूधना की ताथील में 30 दिन की अवधि, जा भी अवधि बाद में समध्य हाती हो, क भीतर पूर्वोक्त अविकासों में से किसी व्यक्ति ब्वारा;
- (ब) इस सूचना के राजपत्र मा प्रकाशन की तारीख है 45 दिन के भीतर उक्त स्थायर सम्पत्ति में हितनद्वध किसी जन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरों के पास निश्चित में किए जा सकींगे।

स्वयद्धीकरण: — इसम प्रयुक्त शब्दी थार पर्दी का, जो उनत अधिनियम के अध्याय 20 के में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जा उस अप्याय में दिया गया हैं।

ग्रन्सूची

भूमि और निर्माण वेतृर गाव तार्थ प्रारक्ताट डिम्ट्रिक्ट। (द० स० 3048 श्रार 3049/84)

> (पेम मार्लिन वासन) सक्षम प्राविधारी सहायक आवक्ष प्रायुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेज-1, मद्रास

तारीख: 16-4-1985

मोहर :

प्ररूप आहर्. टी. एन. एस. ------

नायकर मधिनियर, 1961 (185, का 43) की धारा 269 व (1) के अधीन सुचना

#### भारत सरकार

# कार्यालय, सहायक आयकर आय्क्त (विरीक्षण)

श्चर्जन रेंज, मद्रास मद्रास, दिनाक 18 मार्च 85

निदेश मं० 8/ियतम्बर/84---श्रतः मुझे, प्रेम मालिनि

मायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 259-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उ**चित** बाजार मृत्व 1,00,000/~ रा. से अधिक है

श्रीर जिसकी सं० टी० एस० नं० 100, 101 श्रीर 102 है, जो कैपण नगर, वेलूर टाउन में स्थित है (श्रीर इससे उभाबद्ध अनुसूची में स्रीर पूर्णेम्ध से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रिधिकारी के कार्यालय, वेल्र दस० सं० 3131/84 मे भारतीय रजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908. (1908 का 16) के ग्रधोन, नारीख 17 सिनम्बर 1984

का नव कित सम्परित को उचित बाजार मूल्य से कम को क्रयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथाण्यकित मध्यत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृष्यमान प्रतिफल सं, एमं दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिगत में अधिक हैं और अंतरक (अंतरकों) और अनारिती (अन्तरितियो) के दीच एभे अन्तरण के लिए तम पाया गया प्रतिफल, निम्निलिसित उद्देश्य में उक्त अन्तरण लिसित में बास्तियव रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्स अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्य में कमी करने या उससे बचने में सविधा के लिए: और/या
- (क) ऐसी किसी काय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय जाय-कर अभिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोज-मार्थ जन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सुविधा क लिए,

अत: अब, उक्त अधिनियम की भारा 269-ग के अनुसरण में, में उक्त अधिनियम की धारा 269-थ की उपधान (1) को मधीभ, निम्मलिसित व्यक्तियों, वर्धात :---

(1) श्रीमती विल श्राचाल

़(ग्रन्तरक)

(2) श्रीमती कें पुनितम

(अन्तरिती)

की बड़ सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के वर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

जनत सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी बाक्षोप :---

- (क) इस सूचना के राजमत्र मा प्रकाशन की तारी ख सं 45 दिन की बचिध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियाँ पर स्चना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अविध नाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वेक्स व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति ब्वारा;
- (ब) इस सूचना के राजधन में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हिलबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अभोहस्ताक्षरी के पास लिकित में किए जा सकोंगे।

स्पद्धीकरण:---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियमं के अध्याय 20-क में परिभाषित ही बही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया सया हुँ ।

#### अमुसूचा

भूमि और निर्माण कृष्ण नगर, सान बेलूर टक्न टी॰ एस० मं० 100, 101 श्रीर 102 (दम० मं० 3131/ 84)

> प्रेम गालिनि बासन सक्षम प्राधिकारी महायक आयकर आयक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-1, मद्राम

नारीख: 18-3-1985

मोहर:

THE ATE. 21 M. U.S. W. C. C.

# नामकार अधिनियस, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) के अधीन सुधना

#### भारत मरकार

कार्याल्य, सहायक जायकार प्रायुक्त (निरीक्षण)

ग्रर्जन रेज, मद्रास मद्राप दिनाक 2 श्रप्रैल, 85

निदेश स० % मिन्मबर/84---- प्रतः मझे, प्रेम मालिनि वासन,

अध्यक्तर अधिनियम, 196! (1961 का 43) (जिसे असमे । सिकं परचात् 'अस्त अधिनियम' कहा गता हैं), की धारा 269-च के अधीन सक्तम प्राधिकारों की यह पिश्लास करने का फारण है कि स्थावर सध्यति, जिसका उधित बाजार मृत्य 1,00000/-रा. से अधिक हैं

स्रीर जिसकी में हे जो बलूर टाउन ठार में ० 67 टेवरमन स्ट्रोट में स्थित है (स्रीर इस उपाव्छ स्रन्मवो में गाँर पूर्ण स्प में विगत है), गानस्ट्रीतर्ली स्रिधिशारी के वार्यालय, पोलूर दन में ० 1632/84 में नार्याय रिजस्ट्राकरण स्रिधित्यम 1908 (1908 रा. 16) व स्रिधीन 16 नितम्बर 84

को पूर्वाक्त सम्मित्त के उचित बाजार मून्ता से कम के दशमान अतिफल के लिए अन्तरित की गई और मुर्भ यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वाक्त सम्मित्त का उचित बाजार मृल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रापफल का पन्द्र प्रतिशत से अधिक है जोर अन्तर्क (अन्तरका) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एस अन्तरण के लिए नम पाया गया प्रतिफल, निम्नितिस्त उद्दर्शों से विस् अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :---

- '(क) अन्तरण से हुईं किसी आय की बाबत', उक्त अधिनियम' के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्य में कमी करने या उससे बचने में सृविधा के लिए; और/या
- (ण) ऐसी किसी भाग वा किसी धन वा बन्य शास्त्रवाँ सा िश्य भारतीय आय-कर अधिनियम. 1922 (1922 का 11) या उक्त विधिनयम. शा भारतीय वास्त्र विधिनयम 1977 (1957 का 27) के प्रवांकनार्थ अन्तरिती वृत्तारा अकट नहीं किया गया रूपने की जाना वाहिए था, छिपान में श्रीवाश के किया

नत्त नन, उचत अधिनियम की धारा 269-ग की अनुसरण मी, मी, उक्त अधिनियम की धारा 269-ध की उपधारा (1) की अधीन, निम्निनिक्त अधिनयों, अधीन -- (1) श्री एम० प्रवाकरन

(अन्तरक)

(2) श्री टी० प्रकाश जैन

(अन्तर्गा)

का यह सूचना , जारी करके प्राचित सपस्ति के अर्थन के सिए आर्थनाहियां अरुता हुं।

तक्त सम्परित के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी जाओप:--

- (क) इस तुषका के राजपन में प्रकाणन को तारीस सं 45 दिस की कविष वा उत्तरकारी कार्यक्तमाँ पर सृषना की वामील स 30 दिन की अविधि, को भी अविध बाद में समाप्त हाती हो, के भीतर पूर्वोंकर अविश्वसी में से किसी स्पेंबत द्वारा,
- (स) इस स्थान के राजपन में प्रकाशन की तारीस सं 45 दिन के मीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबहुध किसी जन्म व्यक्ति इंगार। अशंहस्ताकरी के पास किसी प्राधित का सकर्य:

स्पष्टीकरण .—हसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-कं मा परिभाषित हौ, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

# मन्स ची

मूमि ग्रीर निर्माण ठार स० 67, टैवरनन स्ट्रीट, बेल्र टाउन (दस स० 1632/84)

> प्रेम मालिति वासन सक्षम प्रााधकारी सहायक स्रायकर स्रायकत (निरीक्षण) स्रजन रज-1, मद्राप

तारीख : 2-4-1885 मोहर ; प्ररूप आई टी एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की यारा 263-घ (1) के अधीन सूचना

#### भारत सरकार

कार्यालय, महायक आयकर आयुक्त (निरक्षिण) श्रर्जन रेज, मद्राम मद्राम, दिनाक 18 मार्च, 85

निदेश ग० 10/ियनम्बर/81— अप्रच मुझे, प्रेम मालिनि वासन

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चाल 'उकल अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-अ के ग्रीन सक्ष्म पाधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिस्का उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रु से अधिक हैं

श्रीर जिसकी म० सर्वे मं० 126/ए० 4 ठोर स० 10 है, जो सानाकुपम गाव, श्राम्पुर वानियम्पाठी नालूक मे स्थित है (श्रीर इससे उपावद श्रनुमची मे श्रीर पर्णाक्ष मे विणित है) रिजिस्ट्रीहर्ना श्रिधियोगी व कार्यालय, श्राम्पुर दम० म० 2090/84 में भारतीय रिजिस्ट्रीवरण श्रिधिनियम, 1908 (1908 रा. 16) के श्रियीन 16 सिनम्बर 84

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृल्य से कम के दश्यमान प्रतिकल के लिए अन्तरित को गई है और मुभे यह विश्वास करन का कारण है कि यथापर्वाक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृल्य, उसके टायमान प्रतिफल से, एसे टश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरको) और अन्तरिति (अन्तरितियो) के बीन एसे अन्तरण के लिए तब पाया गया प्रतिफल, निम्निलाखत उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखिन में वास्तिक रूप से किथन नहीं किया गया है

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की, बायत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के वायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए, और/मा
- (स) एंमी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्ध जन्मिंगी द्वारा प्रकट नहीं किया गया या या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अल अब, उक्त अधिनियम की धारा 260-म के अनसरण में, में, उक्त गीर्धानगम ती भारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीर, रिम्मलिकिन व्यक्तियों, अर्थात — (1) श्री बी० १ भव सुदलियार

(य्रहत्रक)

(2) श्रामती ए पृत्तरांटी ग्रम्भाव

(अन्तरिनी)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीकत सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहिया करता हूं।

जक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस स्वना कं राजपत्र मं प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अर्वाध या तत्सबधी व्यक्तियों पर स्वना की तामील स 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि वाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्स क्वितियों में किसी व्यक्ति स्वारा,
- (क) इस स्वता में राज्यत मा एकाशन की तारीक से 45 दिन के भीतर उत्तत स्थातर सपित्त माँ हितबद्ध किसी उत्तर भारत दवारा अधोहस्ताक्षरी के पांच विश्वित मा किए जा भक्तों।

स्पष्टिकरण — इसमें प्रयुक्त प्रयुक्त शब्दा और पर्दों का जो उक्ल अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, यहीं अर्थ होगा ज उस अध्याय में दिया गया है:

# **अनुस्ची** अनुस्ची

भूमि श्रौर निर्माण ठोर स० 10 सानाकुपम गाव, श्राम्पुर वाणियम्पाठी तालूक (इंस स० 2090/84)

> प्रेम मालिनि वासन सक्षम प्राधिकारी (सहायक भ्रायकर भ्रायुक्त निरीक्षण) श्रर्जन रेज—ॉ, मद्रास

तारीख 18-3-1985 सोग्र .

# मक्त बार्ड ही पुन पुरा .....

बायकार अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-व (1) के ब्योन स्पना

#### भारत तरकार

# कार्यालय, सहायक जायकर जामुक्त (निरीक्षण)

श्चर्जन रेंज, मद्राम मद्राम, दिनाक 13 श्चर्येल, 1985

निदेश सं० 15/िंगतम्बर/84—ग्रात: मुझे, प्रेम मालिनि वासनः

कायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (िमसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-ख के अधीन सक्तम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 1,00,000/~ रा. से अधिक हैं

ग्रीर जिसकी सं० वाठ 8 है जो कान्टी रोड़, ढेनकिनकोटा टवुन में स्थित है (ग्रीर इस उपावद्ध ग्रन्सूची में श्रीर पूर्ण रूप से विभिन्न है, रिजर्स्ट्रीकिती ग्रिधिकारी के कार्यालय, ढेनकिनकोटा दा: स० 1737/84 में भारतीय रिजस्ट्रीकरण ग्रिधिनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्रिधीन, 16 सितम्बर

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के स्वयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित को गई है और मृभ्ने यह विश्वास करने का फारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके स्वयमान प्रतिफल से एसे स्वयमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिगत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और बन्तरिति (अंतरितियां) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया न्या प्रतिफल, निम्नलिकित उद्योशों से उक्त अन्तरण लिकित में वास्तिक रूप से किथित नहीं किया गया है

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त किमियम के अभीन कर दोने के अन्तरक दें शॉयस्त्र में कमी करने या उससे बचने में सुविक्ष के किए: और/या
- (स) एसी किसा जाय या किसी धन या अन्य वास्तियों को, जिन्हों भारतीय जाय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या जक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विथा के किए:

अतः अंत्र, उक्त अधिनियम की धारा 269-म को अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की भारा 269-म की उपभारा (1) को अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—- (1) श्री बी॰ ग्रार॰ कुप्पण सेठी

(अन्तरक्)।

(2) श्री बीठ दीठ सिनिवासमूर्ति श्रीर श्रन्य (श्रन्तरिनी)

को यह सुचना चारी कारके पूर्वीक्त संपरित के अर्थन के तिय कार्यसाहियां करता हूं।

# उक्त सम्पत्ति के वर्णन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:--

- (क) इस स्थान के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की जबिश या तत्संबंधी व्यक्तियाँ पर स्थान की तामील से 30 दिन की अविश्व को भी भविश बाद में समाप्त होती हो, के भीतर प्रवेकत व्यक्तियों में सं किसी स्थित द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पन्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पाका सिरणः -- इसमे प्रयुवत शब्दों और नर्दा ना, जो उस्त विभिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ हांगा जो उस अध्याय में दिया गमा है।

# **भनसू**चीं

भूमि ग्रौर निर्माण कान्टी रोड, ढेन्कनिकोटा (डस: स० 1737/84)

> प्रम मालिनि वासन सक्षम प्राधिकारा (स**हायक श्रा**यकर श्रायुक्त निरीक्षण) स्रर्जन रेंज–1, मद्रास

तारीख: 13-1-1985

बोड्डर 🥫

प्ररूप बाह्रं, टी. एन. एस. - - -

नावकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) के अधीन सूचना

# भारत सरकार कार्यानय, सहायक जायकर बायक्त (निरीक्षण)

श्चर्जन रेंज, मद्रास

मद्रास दिनाक 2 अप्रैल 1985

निदेश सं । 18/जित । 84--- अतः मुझे, प्रेम मालिनी वासन, बायकर बिधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिस इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारों को, यह विश्वाम करने का कारण है कि स्थानर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 1,00,000/- रा. से अधिक है

और जिनकी स० भवें सं० 290/3 है, जो जाकीर ग्रम्मा पालयम गांव में स्थित है (और इप्तम ज्याबढ़ ग्रमुसूची में और जो पूर्ण क्य में विश्व है) रिजस्ट्रीयती श्रीधिशरी के कर्यालय सेयम दस० सं० 2082/84 में भारतीय रिजस्ट्रीयरण ग्रीधिनियम, 1908 (1908 रा 16) के श्रधीन दिनां

को पृशिक्त संपरित के उनित बाजार मृत्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मृत्रे यह विश्वास करने का कारण है कि यथाप्वीक्त सम्पत्ति का उनित बाजार मृत्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से ऐसे दश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पामा गया प्रतिफल, निम्नलिश्वित उद्देश्य से उक्त अन्तरण निश्चित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) अन्सरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अभिनियम की अभीन कर होने के अन्तरक के वावित्य में कमी करने या उसस बचने में मुलिभा के सिए; बाँड/या
- (स) एसी किसी बाय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) को प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपान से स्रित्र से किए;

1. श्री एस० ग्रारोक्सतलम,

(अन्तर्ध)

2. श्री जि० अन्बुमणि ।

(अन्तरिती)

को यह सुचना जारी करकं पूर्वाक्त सम्परित के अर्जन के लिए कार्यवाहिया शुरू करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी माक्षेप :---

- (क) इस मुचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारांस से 45 दिन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्चना की तामील से 30 दिन की अविध, को भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोकत व्यक्तिया में में किसी व्यक्ति वृदारा,
- (क) इस मुचना के राजपत्र में प्रकार का तारीख सं
  45 दिन के भीतर उक्त स्थावर क्यांस्य में हित ब्हुध
  किसी जन्म व्यक्ति द्वारा अधाहस्ताक्षरों के शास

स्थम्बीकरणः — हमम प्रयूक्त शब्दों और पदों का, जो उकत अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित ही, वही अर्थ होगा जा उस अध्याय मा क्षिम गया है।

# अपृक्षि

भूमि और निर्माण जाकीर ग्रम्माप लग्नम, । सर्वे स० 290/3 (दस मं० 2082/84)।

> प्रेम .मालिनी वायन सक्षम प्राधिकारी महायक भ्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) भर्मन रोंज, महास

दिनाक: 2 अप्रैल 1985

मोहर:

प्रका बाह्य, दर्भे एन ु एस ,-------

नायकर निभिन्यम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-ए (1) में स्थीन स्थना भारत सरकार

कार्यास्य, सहायक नायकार नायुक्तः (निरोधन)

श्रर्जन रेंज, मद्रास

मद्रास, दिनांक 13 मार्च 1985

और जिसकी सं० सर्वे नं० 79/1 ए, और 1 बी है, तथा जो रेट्टियूर, गाव, सेलम, त.लुक में स्थित है (और इसमे उप.बद्ध अमुसूची में और जो पूण रूप से बर्णित हैं) रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के क.मीलय, सेलम, दस्त.० मं० 2103/84 में भारतीय रिजस्ट्रीकरण अधिक्विम, 1908 (1908 का 16) के अधीन दिनांक सितम्बद्ध 1984

का पृथानित संपर्ति के उभित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिपत्त को निय बन्तरित की गई है और मुक्ते यह विद्यास करने का कारण है कि यथापूर्वित संपत्ति का उभित बाजार मूल्य, असके दश्यमान प्रतिफास से एसे दश्यमान प्रतिफास का पन्नह प्रतिदात से सिथक है और बन्तरक (बन्तरकों) और अन्तरिती (बन्तरितियों) के बीच बन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफास निम्नलिखित उद्वेश्य से उक्त बन्तरण निर्मित के बासतिक क्य से किथत नहीं किया गया है है—

- (स) जन्तरण वे हुइं शिक्षी शाय की वावत त्रकत अर्थेन विवस के अधीन कर दोने के अन्तरक के द्वित्रम् भें कभी करने या उत्तर्त वचरें में मृतिका के जिसे और कि
- (क) ऐसी किसी बाय या किसी धन वा अन्य बास्तियों को, जिन्हों भारतीय बायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) वा उक्त बधिनियम, या धन-कर बिधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ कन्तरियी द्वारा प्रकट नहीं किया नया वा वा किया जाना बाहिए था, स्थिमने भी सुनियस वी किया

बत् वन, उनत वींगीनवन की भारत 269-ए के बन्सरक वों, वों, उनत अभिनियम की भारा 269-ए की उपभारा (1) के बधीन, निम्निनिश्चित व्यक्तियों, अभीत :--- 1. श्री एस० पी० श्रास्मुक मुदलियार,

(भ्रन्तरक)

 श्रीमती वनमा नटराजन और शत्व. जोडी। (श्रन्तरिनी)

को वृद्ध सुचना चारी करके पूर्वोक्त सम्मरित के वर्षन के विश्व कार्यवाहियां शुरू करता हुं।

त्रवत बन्गृतित के वर्षन् के तन्त्रम्थ में कोई भी बार्बष् ह---

- (क) इस स्थान के राजपत्र में प्रकारन की रारीस के 45 पिन की अवधि का सरक्षान्तियों पर स्थान की तासीन से 30 जिन की अवधि, को भी अवधि वाद में समान्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्स व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति ब्वारा;
- (क) इत स्थान के रायपण में प्रकाशन की तारीय से 45 दिन के भीतर उक्त स्थानर संपत्ति में दित-नव्भ किसी अन्य व्यक्ति युवारा अभोद्दस्ताक्षरी के पास निश्चित में किए जा दकीये।

स्पव्योक्षरणः ---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अभिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा को उस अध्याम में दिशा नवा हैं।

#### मन्त्रकी

भूमि रेट्टियार गाव सर्वे नं० 79/14, और 1 बी (इस्ता० सं० 2103/84)।

> प्रेम म.लिनि व.सन सक्षम प्राधिकारी महायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज, मदास

दिनांक: 13-3-1985

मोहर 🖫

प्ररूप आहें. टी. एन. एस.

बायकर विधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) के बधीन सूचना

# भारत सरकार

कार्यालय, सहायक जायकर जायुक्स (निरीक्षण)

श्चर्जन रेंज, मदास

मद्राम, दिनाक 2 अप्रैल 1985

निदेश स० 24/जित०/84—अतः मुझे, प्रेम मालिनि व.सन, बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसकों इसकोपरचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 100,000/- रु. से अधिक है

और जिनकी सर्वे त० 179/3 है, जो ग्रादमन गाव, रसिपुरम, त.लुक, में स्थित है (और इनसे उप.वक्ष ग्रनुसूची में और जो पूण रूप में विणत है) रजिस्ट्रीकर्ती अधिक री के क.यिलय सेलम दस्त.० सं० 1987/84 में रजिस्ट्रीकरण ग्रिधिनियम, 1908 (1908का 16) के ग्रियीन दिनाक नितम्बर, 1984

को पूर्वाक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दरयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुफ्ते यह विश्वास करम का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्मत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का पृन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकॉ) और अन्तरिती (अन्तरितियाँ) के बीच एसे अन्तरण के लिए तब पाना गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण सिंक्त में वास्तविक रूप से कृषित नहीं किया गया है :--

- (क) अन्तरण से इट्टूई किसी आय की अवत, उक्त अधि-नियम के अधीन कर दोन की अंतरक के दायित्व में कभी करने या उससे यचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य अस्तियों को जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उन्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) को प्रयोजनार्थ अंतरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

कार: अब, उवल अधिनियम की भारा 26%-ग के अनुसरण में, में, उक्स अधिनियम की भारा 26%-थ की उपभारा (1) के अभीन, जिल्लामितिकत, व्यक्तियों, अधीत् :--- 1. श्री र.म स्वामी कौन्टर, और श्रन्य

(भन्तरक)

2. मिटि श्रामील शाइवेट लिमिटेड, कम्पनी

(अन्तरिती)

को ग्रह स्वना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के वर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्चन के संबंध में कोई बाबोप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की सारील शे 45 दिन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्ड व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास निषिक्ष में से किए का सकेंगे।

स्पष्टीकरणः - इसमे प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित ही, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

#### वन्स्वी

भूमि अवेर निर्माण श्रादापान गांव, र.सिपुरम, तालुक (दस्ता० मं • 1987/84)।

प्रेम मालिनि वासन सक्षम प्राधिकारी महायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेज-रे, मद्रास

दिनांक : 2-4-1985

महिर 🕄

प्ररूप आइ. टी. एन. एत. ----

बाएकर् बधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-व (1) के बधीन सूचना

#### भारत शरकार

# काबीसन, तहामक सामकार नाम्मत (निरीक्षण)

ग्रर्जन रंज I, मद्राम

मद्रास, दिनाउ 2 अप्रैन 1985

निदेश मं० 26/पिन०/84---प्रतः मुझे, प्रेम मालिति वा ति, मायकर मिथिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परभात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं)., की भारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 1,00,000/- रठः में अधिक हैं और जिनकी मर्वे सं० 303/2 हैं, जो अभ्मापेट, गाव मृलम नालुक, में स्थित हैं (और इसमें उपावड अनुसूची में और जो पूण रूप से विणत हैं) रिजस्ट्री दर्ता अधिकारी के वार्यालय मेलम ईस्ट, दस्ता० मं० 2241/84 में रिजस्ट्री अरण प्राधित्यम, 1908 (1908 का 16) के अधीन दिताक शितम्बर, 1984 की पृत्रीक्त संपत्ति के उचित बाजार मृल्य से कम के इस्यमान

की प्रविक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के स्थयान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई हैं और मूफे यह विज्ञान करने का कारण हैं कि यथाप्नोंबत संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके रूप्यमान प्रतिफल से एमें रूप्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक हैं और अन्तरक (अन्तरका) और अन्तरिती (अन्तरितियाँ) के बीच एसे अन्तरण के लिए तथ पाया गया प्रतिफल, निम्नलिचित उद्देष्य से उच्त अन्तरम सिशित में बास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया हैं:---

- (क) बंतरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त बीधीनयम के जधीन कर दोने के अन्तरक की दामित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; बार/वा
- (क) ऐसी किसी जाय या किसी धन या सन्य जास्तियों की जिन्हें भारतीय जायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उत्तत अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा से सिए;

कतः जब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण मों, मों, उक्त अधिनियम की धारा 269-थ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नितिश्वित स्पितियों, अर्थात् हु--- 1. श्री भि० मारियप्पन,

(ग्रन्तरक)

2. श्री मेलबनमणि ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्परित के बर्जन के लिए कार्यनाहियां करता हुं।

तकत संपरित के वर्धन के संबंध में कोई भी वाक्षेप :---

- (क) इस स्थान के रायपत्र में प्रकाशन की तारीं से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर स्थान की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्स व्यक्तियों में साकिसी व्यक्ति स्वार।
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उनत स्थावर संपति मेथ हिनबद्ध किसी अन्य न्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्ष्री के पास लिखित में किए जा सकरें।

स्पष्टोकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिआषित हैं, वहीं अर्थ होंगा जो उस अध्याय में दिया

# **मन्**स्ची

भूमि श्रम्मापेट, सेलम, नालुक, भर्वे मं० 303/2 (दस्ता० मं० 2241/84)।

> प्रेम मालिनि वायन सदाम प्राधिकारी महायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) प्रजन रेंज-ो, मदास

तारीख: 1-4-1985

मोहर 🚁

प्ररूप नाइ टी. एन . एस . ------

भागकार विभिनियम, 1961 (1961 का 43) की शांदा 269-व (1) के बभीन सूचना

#### भारत सरकार

# कार्यालय, सहायक बायकर आयुक्त (निरक्षिण)

ग्रर्जन रेंज-I, मद्राभ

मद्रार, दिनांश 13 मार्च, 1985

निदेश सं० 31/नित०/84----प्रतः मुझे प्रेम मार्तित वायन आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चातः 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ज के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपरित, जिसका उचित बाजार मुख्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिएकी मं० टी० एम० मं० त/3/, 6/1, 7, विठ-एच, प्नाट 13, प्रान्दीपट्टी गांव, सेनम में स्थित है (और इससे पांचड अनुसूत्री में आर जो पूण रूप से विणित है) रिजस्ट्रीकर्नी अबि गरी के कार्योना, नढ पट्टी, इस्ना० मं० 2689/84 में रिजस्ट्रीकरण अबिनियम, 1908 (1908 का 16) के प्रधीन निनम्बर, 1984

का पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के द्रश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूक्य, उसके द्रश्यमान प्रतिफल से, ऐसे द्रश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पामा गया प्रति-फल निम्नतिबित उद्वेष्य से उच्त अंतरण सिबित में बास्तिबक्ष ह्य से कथित नहीं किया गया है :---

- (क) अन्तरण सं हुए किली बाब की बाबस स्थल वीजिनसभ के बचील कर को के जन्तरक के बाबित्य में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/मा
- (क) होती किसी बाय या किसी धन या बन्च कास्तिबों का, जिल्हों भारतीय बाय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती व्यारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्थिधा के सिए;

वत: वय, उक्त विधिनियम की भारा 269-ग कै, वनुसरण मे, में, उक्त विधिनियम की धारा 269-भ की उपभारा (1) के अभीन निम्नलिसित व्यक्तियों, वर्षात् :--- 1. श्री ए० तिवरामन और ग्रन्य।

(भन्तरक)

2. श्री के० पन्नीरचेलवम, और श्रन्यों

(मन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के किए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति को कर्जन को संबंध में कोई भी बाक्षेप :--

- (क) इस सूचना को राजपत्र में प्रकाशन की तारीब से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्विक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति व्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीब सैं 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित्बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकाँगे।

स्पष्टीकरण: - इसमें प्रयुक्त कब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है,

#### मन्स्ची

भूमि और निर्माण वारठ एच, ब्लाक 13, आन्टीपट्टी सेलम, (दस्ता० म० 2689/84)।

> प्रेम मालिनि वासन सक्षम प्राधिकारी सहायकः श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रजन रेंज-I, मद्रास

दिनाक: 13-3-1985

मोहर:

प्ररूप् आर्ड्,दी. एन., एस. -----

यावकर व्योधीनयम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-म (1) के मधीन सूचना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक बायकर बायक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज I, मद्रास

मद्रास, दिनोक 2 अप्रैल 1985

निदेश सं० 33/सित०/84---शतः मुझे, प्रेम मार्लिन वासन, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्जात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर समात्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 1,00,000/- रत. से अधिक हैं। ग्रौर जिसकी म० नं० एस० नं० 6/3 है, जो अन्टीपट्टी गाँव अन्तदानपट्टी, में स्थित है (और इसले उपाबंद अनुसूची में और जो पूर्णरूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय मादकपट्टी, दस्ता० सं० 2691/84 में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन दिनांक सितम्बर, 1984 को पूर्वेक्ति सम्पत्ति, के उपित बाजार मूल्य से कम के इत्यमान प्रतिफल के लिए अन्हरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथा पूर्वोक्त संपत्ति का बाजार मृत्य, उसके खपमान प्रतिफल दश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक हैं और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उब्बेश्य से उक्त अन्तरण सिवित में वास्त्रविक रूप से कथित नहीं किया गया है है----

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अभिनियम के अभीन कर दोने के अन्तरक के वासित्य में कभी करने या उससे अपने में सूविधा के सिए; और/या
- (च) ऐसी किसी बाय या किसी धन या अन्य जास्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के लिए;

बर्तः बर्बः, उक्तः अधिनियमं की धारा 269-गं के अनुसरणं में, में उक्त अधिनियमं की धारा 269-मं की उपधारा (1) के अधार निम्मिश्वित स्थितियों, अर्थात् :---- श्री एम० सन्मुकसुन्दरम, भौर अन्यों

(अन्तरक)

2. श्री एन० पेरुमाल भीर ए० सिन्नसामि

(अन्तरिती)

को यह सूचना चारी करके पूर्वोक्स संपृत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां सूक करता हुं।

उक्त संपृत्ति के अर्थन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राज्यन में प्रकाशन की तारील से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपक्ष में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबक्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के गास सिसिस में किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरणः ---- इसमें प्रयुक्त घट्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

#### मन्स्यी

भूमि भौर निर्माण आन्टीपट्टी गाय अन्नदाननट्टी (दस्ता० सं० 2691/84) ।

> प्रेम मालिनि बासन हैसक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज (, मद्रास

दिनांक: 2-4-1985

मोहर 🛚

भूक्य कार्यः, दी. एवः ए**व**ः------

भायकर मधिनियम, 1961 (1961 **का 43) की** भारा 269-व (1) के वभीद सुचदा

भारत सरकार

कार्यातय, शहाबक आयकार बागुक्त (निर्दासक)

अर्जन रेंज I, मद्रास

मद्रास, दिनांक 2 अप्रैल, 1985

निदेश मं० 34/सेप०/84-अतः मुझे, प्रेम मालिनि बासन, बायकर बिधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कक्क गया हैं), की धारा 269-स के अभीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, विसका उचित बाबार मुख्य 1,00,000/- रा. से अधिक है

भौर जिसकी सं० टी० एस० 6/3 है जो अन्तदानपट्टी में स्थित है (ग्रांश इससे उपाबद अनुसूची में भौर जो पूर्ज रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालम तादकपट्टी, दस्ता० स० 2692/84 में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम,

1908 (1908 का 16) के अधीन दिनांक सितम्बर, 84, को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उपित बाबार मृत्य से कम के करमान प्रतिकास के लिए जन्तरित की गई है और मुक्ते वह विश्वात करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उपित बाबार मृत्य, उसके दश्यमान प्रतिकल से, एसे दश्यमान प्रतिकल का यन्तह प्रतिकात से अधिक है और अंशरक (अंशरकारें) और अंशरिती (अन्तरितियों) के बीच एंसे बन्तरण के लिए तय पावा गया प्रति-कास निम्मितिबाद उन्नवंत्रय से उन्तर बंदरण मिनिया में नास्तिक क्य संक्षित नहीं किया व्या है र---

- (क) मन्त्ररण वं हुन्दं किसी मान की गायत, सनत नीपीन्तन के न्यीन कर रोने के बंदहक के शायित्व के कवी अपने या बहुते बातने के बहुतिया क सिए; चौर/मा
- (थ) एसी किली बाद मा किसी पून वा नन्य शास्तियाँ को, जिन्हीं भारतीय बायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त विभिनियम, या भन-कर विभिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ जंदरिती दुशरा प्रकट नहीं किया गया भा या किया जाना चाहिए था, जियान में समिधा ने लिए:

शव: अब, उन्त अधिनियम की धारा 269-न के अनुसरण क्षे, में, उक्त विधिनियम की भाषा 269-व की उपभाग (1) रहे अभीन, निकासितिक व्यक्तियों, जर्गात :---

1. श्री एम० रविशंकर,

(अन्तरक)

2. श्री एम० दुरे, श्रीर सि० वेंकटाचासम ।

(अन्तरिती)

को यह स्वना वाडी करके दुर्वोक्ट सम्मरित से अर्थन से तिए कार्यवाहियां करता हां।

बंबर सम्मत्ति के बर्बन के सम्बन्ध में कोई मी वाकोप हन्न

- (क) इस स्वता के रावधन में प्रकाशन की तारीबा से 45 दिन की जबचिया तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सुषनाकी सामील से 30 दिन की अविधि, जो भी बार्वीच बाद में समाप्त होती हो, को भीतर पूर्वीकर व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ब) इस स्थमा के राजपन में प्रकाशन की तारीब से 45 दिन् के भौतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति बुवारा, अभोहस्ताक्षरी के पास लिक्ति में किए का सकेंगे।

स्वक्रीकरमः :---इसमें प्रयुक्त क्षम्यों महि वयों का, को उनत विभिनियम, के बध्याय 20-क में परिभावित हैं, बहुर अर्थ हरेशा को उस अध्याय में दिया चना ≝ैशे

भिम स्रोर निर्माण आन्दीपट्टी गांव अनवानपट्टी (दस्ता० सं 2692/84)।

> प्रेम मालिनि वासन सक्षम प्राधिकारी सष्टायक आयकर आयुष्त (निरीक्षण) अर्जेन रेंज I, मब्राम

दिनांक 2-4-1985

मोहर:

प्ररूप बाइ". टी. एन. एस. -----

अगयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-व (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यासम्, सहायक सायकर वायुक्त (निर्दोक्षण) अर्जन रेंज, मद्रास

मद्रास, दिनाक 2 अप्रैल 1985

निदेश सं० 35/सित०/84—अतः मुझे, प्रेम मालिनि वासन, नायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की भारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 1,00,000/- रु. से अधिक हैं

श्रीर जिमकी सक टीक एमक संक 6/3 है, तथा जो जान्टीपट्टी गाव, मेलम तालुक में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद अनुसूची में श्रीर जो पूर्ण रूप में विणित है) रिजस्ट्रीकार्ती अधिकारी के वार्यालय तादकपट्टी, दस्ताक सक 2693/84 में रिजस्ट्रीकरण अधित्यम, 1908 (1908 वा 16) के अधीत दिनाक सितम्बर, 1984, को पूर्वोंकत संपत्ति के जियत बाजार मृन्य से कम के दूरमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथाप्वोंक्स सपित का उचित बाजार मृन्य, उसके दूरमान प्रतिफल से ऐसे दूरमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिश्वास से बिधक है और यह कि अंतरक (अंतरकों) और बंतरिती रिसी (अन्वरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तब पाया गया प्रतिफल, निम्निलिश्वत उद्देश्य से उक्त बन्तरण लिखित में वास्तिक रूप से किया गया है किया गया है किया गया है किया गया है किया निम्निलिश्वत उद्देश्य से उक्त बन्तरण लिखित में वास्तिक रूप से किया गया है किया

- (क) बन्तरक से हुई किभी जाय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के जन्तरक के वासित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; बाँड/या
- (ग) ऐसी किसी भाय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनफर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तिरती व्वार प्रकट नहीं किया गया था वा किया जाना चाहिए था छिपाने में मुविधा के लिए;

जतः जब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के कथीन, निम्निलिखित व्यक्तियों, अर्थात :—

1. श्री एम० सन्मक सुन्दरमं,।

(अन्तरक)

2 श्रीमती वि० मीनाक्षी श्रौर रामलिन्कम।

(अन्तरिती)

का यह सूचना जारी करके पृथांकत सम्पत्ति के अर्थन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के कर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस स्थान के राजपण में प्रकाशन की तारीब सं 45 दिन की अविभ या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्थान की तामील से 30 दिन की अविभ, जो भी अविभ बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति ब्वासा;
- (क) इस सूचना के राजपन में प्रकाशन की तारीस में 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हिसबद्ध किसी अन्य स्थावत द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखिस में किए जा सकोंगे।

स्पच्छीकरण: — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्चों का, जो उक्त बिधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हाँ, बहुी कर्थ हांगा, जो उस अध्यास में दिया गया है।

भूमि और निर्माण आन्टीपट्टी गाव मेलम तालुक (दस्ता० स॰ 2693/84)।

प्रेम मालिनि वासन सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, मद्रास

दिनांग 2-4-1985 मोहर .

अस्प बाह्र हो. एन. एस.------ा श्रीमती तन्कम्माल ग्रीर अन्य

(अन्तरक)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-न्न (1) के अभीन सुमना

2 श्रीकेऽ पल∫ण यप्पन ।

(अन्तरिती)

भारत सरकार

कार्यालय, महायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज, मद्रास

मद्रास, दिनांक 18 मार्च, 1985

निदेश मं० 37/मिन०/84--अनः मुझे, प्रेम मालिनि वासन, नायकर निधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके प्रकार 'उन्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उजित काजार मृत्य 1,00,000/- रा. से अधिक हैं।

श्रीर जिसकी सर्वे सं० 63/1सी, टोर सं० 20, बी, 20/2, में 20/6 है, जो तिरुचेन्कांटि गाव में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में और जो पूर्ण रूप ने वर्णित है) रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, तिरुचेन्काट, दस्ता० म० 2346/84 में राजिस्ट्री-करण अविनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन दिनांक ' मितम्बर, 1984,

को पूर्वेक्त संपत्ति का उचित बाजार मृत्य से कम के इस्यमान प्रतिफल के लिए और मुभ्ने यह ब्रिक्वास करने का कारण है कि वधापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृल्य, उसके दश्यमान प्रतिकल से, एसे अस्यमान प्रतिकल का पंद्रह प्रतिकात से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उददोष्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है .---

- (क) अंतरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्य में कभी करने या उससे अपने में सविधा के लिए; बॉर/या
- (क) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आयुक्तर अधिनियम, (1922 का 11) या उक्त अधिनयम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 को 27) के प्रमोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाता चाहिए था, छिपाने मे मिनिधा को लिए।

को यह स्थाना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्थन के लिए कार्यवाडियां करता हो।

उन्त सम्पत्ति के अर्थन के सबभ म- कोई भी बाक्षेप :---

- (क) इस सुभना के राजपत्र में प्रकाशन की **सारीय से** 45 दिन की अवधि या सल्संबंधी व्यक्तियाँ पर सुचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्विक्त व्यक्तियां में स किसी व्यक्ति दुशारा;
- (का) इस स्चना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन को भीतर उसत स्थावर संपत्ति में हितनद्रध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकरें।

स्पष्टीकरण:---इसमे प्रयुक्त शब्दों और पदों का वो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

## ग्रन्सूची

भूमि श्रीर निर्माण वारट मं० 17, कर्नेरि स्ट्रीट, डोर म० 20 बी, 20/बी में 20/6 तिम्ब्यनकोट । (दस्ता० सं० 2346/84) 1

> प्रेम मालिनि वासन सक्षम प्राधिकारी महायक औयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेज, मद्रास

बत: बब:, उक्त अधिनियम को धारा 269-ग के बनसरण मों, मों, उक्त अधिनियभ की धारा 260-घ की उपधारा (1) के बधीन, निम्नलिखिन व्यक्तियों, वर्थात् :---19---86 GI /85

दिनाक 18-3-1985

भोहर 🥫

प्ररूप बाई.टी.एन एस - -- -

(अस्तरक)

भागकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भाग 269-घ (1) के अधीन सुचना

उर्धा । ४।२

(अन्यांग्नी)

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (जिराक्षण)

र्जन रेन-1. महास

मद्राम, दिला६ ८ अपैल 1985

निदेश म० 10/सित०/84— अत मझँ, प्रेम, गानिति वासन, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धार 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी हा यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर मम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 1,00,000/- रा. से अधिक है और जिसकी स० सर्वे स० 115/4 है, जा निक्चेन्कोंट गाँव में

श्रीर जिसकी स० सर्वे स० 115/4 है, जा निरुचेन्कोट गांव में स्थित है (श्रीर इसमें उपावंद्ध - त्यनी में श्रीर जो एणं मा में विणिन है) 'श्रीपीनती जीयकारी के श्रीयिक्स, निरूचेन्कोट दस्ता स० 2111/84 में रिकिंग्टीनरण 'श्रीनयम 1908 (1908 वा 16) के ज्वीन दिता, भन्मवर, 1981,

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित को गई है और मूम्में यह विश्वास करने का कारण है कि यथाण्यिक सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल स, एम दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अंतरिती (अतारित्या) के बीच एम अन्तरण के निए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निलिंग्वत उद्दास्य में उक्त अतरण लिखित में अम्बिक एन से क्यित नहीं किया गया है

- (क) अतरण स हुई किसी आय की भावत, इक्छ अधितिम के अधीन कर रान के अन्तरक रात राम्रित्व में कभी करने या उससे बचन में सुविधा के लिए, और/या
- (ख) एमी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियाँ का, जिन्हों भारतीय श्रायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उनत अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, १९५७७ (1957 का 2/) क प्याजनाथ अस्तियम इवार प्रकट नहां विया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपान प्र सविधा के लिए.

अन अब, उन्त अधिनियम को धारा 269-4 के अनूनरण मैं, मैं, उन्त अधिनियम की धारा 269-ध की उपधारा (1) दे अधीन, निम्मिलीखन व्यक्तिस्या अधीन:---- का यह मन्ता अभी क्रम्के प्रक्रित सम्पत्ति की अर्थन के लिए कायवाहिया शुरू करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के मंबंध में कोई भी बास्रोप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी सं 45 दिन की अविध या तत्सं मंधी स्थितियाँ पर सूचना की तामील स 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वों कर क्यां कियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी से सै 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किमी अन्य, व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के अपने निस्ति में किए जा सकेंगे।

स्पण्डीकरण ---इसमं प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उन्हें अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, बही अर्थ होगा, जा तस अध्याय में दिया गरा हैं।

## **अन्सर्थी**

भूमि और निर्माण तिरुच स्थट गांच सर्वे म $\circ$  118/4, (दस्ता० स० 2411/84) ।

प्रेम मालित वासन राजम प्राधिकारी नहापक श्रायकर श्रायुका (निरीक्षण) श्रमन रेजना, बस्बई

नागोख 12-4-19**85** 

सोधर :

प्ररूप आईंटी. एन. एस -----

आयकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की

। श्रीमनी 'नि।म्भात

(ग्रन्तरव्)

2 श्रामती प्रत्वीप वरी,

(अन्तर्रत्र)

## नारव बर्जाह

## कार्यालय, वहायक कामकर वास्वत (नि.रीक्षण)

अर्जन नेज-I, महाग

मद्राप, दिनाक 2 स्रत्रैल, 1985

आंर जिस्ती स० तामि ौरिषेठ गाव मे स्थित है (और इप्स उनावड अतुसूचा में और जा प्ज रूप से तिणत है) एजिस्ट्री नि अधि परी के निर्मालय नामि थियेट, बरना० स० 735/84 में रिकिस्ट्री रूप अविश्वित, 1908 (1908 ना 16) के अधीन दिवाल ितम्बर, 1981

का प्वाक्त सम्मत्ति के एचित बाजार मृस्य स कम क ध्रयमान प्रतिफल को लिए अतिरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का करण है कि यथापृथींकत सम्पत्ति का उचित बाजार मृस्य, उसके द्रयमान प्रतिफल से, एसे क्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिकात से अधिक है और अतरक (अतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय यथा गया प्रतिक कम निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण निश्वित में वास्तविक स्प से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण में हुई किसी आय की वाक्त, उक्त अधिनियम के अधीन कर दाने के अन्तरक के बायित्व में कमी करने या उसस बचने में सृतिधा के लिए; बार/या
- (स) एसी किसी जाय या किसी धन या बन्य बास्तियों को, जिन्ही भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त बिधिनियम, या धनकर बिधिनियम, या धनकर बिधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ बन्तरिती ब्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना जाहिए था स्थिपने में मुविधा के लिए:

श्रतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के बनुबरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :— को यह स्चना बारी करके पूर्वोक्स सम्परित के अर्थन के लिए कार्यवाहिया करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सबध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस स्पेना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस में 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियाँ पर स्वान की तामील से 30 दिन की करिध, जो भी ननिभ नाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तिया भा में किमी व्यक्ति द्वारा,
- (स) इस अन्ता के एजपन में प्रकाशन की तारीस स 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पाम लिसिन मां किए उपकरिंगे।

व्यष्टिनेक्षण्णः -- - इसमा अयूना शब्दा और पर्दो का, जो उकत अधिनियम कि अध्याय 20-क मो परिभावित ही, वहीं अर्थ हागा जो उस अध्याय में दिया गुजा है।

## अनुभूची

भूमि और निर्माण नामिकरिपट, गाव नतम सर्वे स० 59/1 दस स॰ 735/84)।

त्रेम भानिति वासन सक्षम प्राधिकारी सहायक स्रायका स्रायका (निरीक्षण) श्रजन रेज-1, मद्राय

दिना ३ - 4-19**8**5 मा**हर** , प्ररूप वार्षः की. एन. एस. ------

श्रीमती के० विजयलक्ष्मी

(ग्रन्तरक)

मैसमट जेम, कैन्टम ।

(अन्तरिती)

नायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-व (1) के अभीम स्थना

## पारत बहुकार

## कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्रण)

भर्जन रेंज-I, मद्राल

मद्रान्त, दिनांक 2 अप्रैल, 1985

निदेण सं० 47/नित०/84---श्रवः मझे, प्रेम मालिनि वायन, नायकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसको परचात् 'जनत अधिनियम' कहा गमा ह्"), की भारा 26%-🕊 को नधीन सक्तम प्राधिकारी को , यह विश्वास करने का कारण 🕫 कि स्थावर संपरित जिसका उचित बाबार मुख्य

1,00,000/- रह. में अधिक हैं और जिसकी सं० एग० सं० 22/10/2 एन्ड 22/1 मी है, नया जो **श्रा**तिथुर गाव मेरकाट तालुः मेलम, डिहिट्क्ट में स्थित है (और इसमे पाबद अनुसूची में और जो एण रूप से वर्णित है) रिजस्ट्री-कर्ता श्रधिकारी के कार्यात्रय एएए।इ, दस्तार संर 240/84 में रिजम्द्री ः रण पधिनियम, 1908 (1908 ा 16) के अधीन दिनां सं भितम्बर, 1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई ह विद्यास करने का कारण कि दथा पूर्वीक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृल्य, उसके क्रयमान प्रतिकल से एेसे रूरयमान प्रतिकल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक **है और अन्तरक (अन्तरका**ं) और उन्नरिती (अन्तरितियां) के मीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्वरिय से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) अम्तरण से हुई किसी बाय की शत्रवः, प्रकृतः क्षिनिसैंग को अधीन कर दोने को संसरक के बारिस्स में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के किए: बीर/वा
- (क) प्रेमी किसी बाय या किसी धन या बन्य शास्तियो को, जिल्हे भारतीय जानकार अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, भन-कर <del>अ</del>धिनियस, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था मा किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विभाके लिए:

जतः अव, उक्त अधिनियम औ आरा 269-ग के अनुसर्ण में, में, उसन मीमिनियम कर घारा 269-म **काँ उपपा**रा (s) 🕻 के अधीन, निम्नीसीकत व्यक्तियों अधाँत ।---

को बहु सूचना वारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

<del>उक्त सम्पत्ति के अ</del>जंन के सम्बन्ध में का**ई** भी **नामांप**:---

- (क) इस सुचना के राजपत्र भें प्रकाबन की तारीय से 45 विन को जबधिया स्टसंबंधी व्यक्तियों पर चुक्रमा की बासीज़ से 30 बिन की बुब्दि को सी बंबरिय बाद में बबाप्त होती हो के शीतर पूर्वीक्द न्यक्तियाँ में से किसी **न्युक्त** पुणकाः
- (क) इस त्वना के राजपूत्र में प्रकाशन की बाद्रीय है 45 दिन के भीतर जनत स्थानर सम्पर्ति में हितम्बुध किसी अन्य व्यक्ति इयारा, अभोद्धस्ताक्षरी को नाक लिकित में किए वा सकेंगे।

स्वक्टीकरण:--इसमें प्रयुक्त गब्दों और पदों का, अधिनियम के अध्याय 20 क में परिशायिष्ट ै, बही अथे **ह**ोग भ' उस अध्यास में **दिया** 

### **मन्स्पी**

भूमि प्रनिथूर, गाव, एरकाट वालक, सलम, डिस्टिक्ट · सर्वे मं० 22/1ए1, तथा 22/1 मी (दम्ता० मं० 240/84)।

> प्रेम प्रानिति वासन सक्षम प्राधाकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) ग्रजन रेज I, मद्रास

दिनोंक: 2-4-1985

भोडार 🗈

अक्रम बाहा, टी. एंत. एस.-----

बायकर बांधनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-म (1) के बधीन सुचना

#### भारत वरकार

नायनिय, सङ्घायक आयक्तर नायुक्त (निरीक्तण) अर्जन रेज-I, मद्रास

मद्राम, दिज्ञाक 2 प्रश्रैल, 1985

निदेश सं० 50/मित०/84---श्रत मुझे, प्रेम मालिनि अमित, नायकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गवा है कि भारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी की, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्मति, जिसका उचित बाणार मृस्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिनकी स० सर्वे स० 88/1 है, जो राभम्पालयम गाव, कीराम्पूर, पां० ग्रा० में स्थित है (और इसमें उपाबद्ध श्रमुमूची से ओर जो पूण का से वर्णित है) रिजस्ट्रीकर्ती श्रधिकारी के सायतिय, पराम नि मेलप, दस्ता० स० 732/84 में रिजस्ट्री-वरण ग्रिधिनियम, 1908 (1908 वर 16) के श्रधीन दिना स

को पूर्वोक्त सम्पन्ति के उचित बाजार मून्य से कम के अध्यमान प्रतिफल के लिए जन्तिरित की गई है और मूके यह विकास करने का कारण है कि पूर्वोक्त सम्पन्ति का उचित बाजार मून्य, उसके दरयमान प्रतिफल से, एसे दरयमान प्रतिफल के पन्यह प्रतिशत से अधिक है जौर जन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे बन्तरण के लिए तम पामा गया प्रतिफल, निम्निलिखत उच्चेष्ट वे उक्त अन्तरण निध्यत में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई जिल्ली आय की बाबस उक्त अधि-नियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दारित्व में कमी करने या उससे बचन में सृत्रिभाग के लिए जरि/वा
- (क) एसी किसी बाय या किसी धन या बन्य बास्तिबाँ की, जिन्हां भगरतीय बायु-कर किसीनयम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर बिधिनियम, 1957 (1957 का 27) की प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकर नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा की जिस्हा

वतः वस, उक्त अधिनियम की धारा 269-म के बनुप्ररण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) के अधीन, जिस्लिखित व्यक्तिको, अधीत् '--- 1 थी एमम पंत्रिसामि।

(भ्रन्तरक)

2 श्री वि० जानवेल ।

(भन्तरिती)

को बह सुचना चारी करके पूर्वी कि संभ्यति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां सुरू करता हो।

## बक्त सम्मति कं वर्जन को सम्बन्ध में कोएं भी बाक्तेप :---

- (क) इस सूचना की राजपत्र में प्रका शन की तारीस से 45 दिन की अवधि या तत्सं बधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि जो भी अविधि वाद में में अपित हाती हो, के भीतर पूर्वोकन व्यक्तियों में मू किसी व्यक्ति द्वारा,
- (स) इस सूचना के राजपत्र मा प्राकाशन की तारीस में 45 दिन के भीत ह उक्त स्थाव र सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्तिर ह्वारा अधाहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए, जा सकें बंध

स्वक्षीकरणः - इसमें प्रश्नुश्वाः शब्दों औार पदों का, जो उक्त अधिनियमः, के बण्याय 20-क में परिभाषित हैं। बही कर्णहारेगः, जो उस अध्याय में विया पर्णा हैं।

भूमि रामम्पाल ाम गाव, सर्वे स० 88/1, (दम्ना० स० 732/84) ।

सक्षम प्राधिशारी सक्षम प्राधिकारी संहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) स्रजन रेज-1, सद्रास

दिनाप 2-4-1 585 **मोहर** . POPE WIN . 21. CT. CT. CT.

आधकर समितियम ए 1961 (1961 का 43) की धारा 269-६५ (1) के अभीन सूचना

#### बारक स्त्राचार

## कार्याश्रव, सहायक बायक ए जायुक्त (निरोक्षण)

ग्राजीत रेज-I, मद्रा (

मद्रा : दिनाव 28 म, र्च 1985

निवेश स० 51/1 नि०/84--- प्रता मुझे प्रेस मानिति वा नि जायकर अधिनियम, 1961 (1961 की 43) (जिसे इतमें इसके पश्चात् 'उन्त अधिनियम' कहा 'प्या हैं) की भारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी क्षेप, प्रह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका अभित वाजार मूल्ब 1,00,000/- रु. से अधिक हैं

और जित्तों स० है, तथा जा सन्यहिष्य गांव में स्थित है (आर द्वार उत्ताबद्ध प्रमुचा ने आर जा पूर्व स्थान है) व्यक्तिय्वी पांच प्रांच जा प्रांच में विश्वास के शिव है। विश्वास के स्थान है। विश्वास के 6666/81 में विश्विस प्रांच प्रदिश्चित्र के 1908 (1908 का 16) के अधीन दिशा सित्मकर, 1984

करे प्रांकित सम्पत्ति के उचित नाजार मुल्य से कम के क्समान मिलफल की जिए बन्तिरित का पश्च है बेर्न मुक्ते यह विकास करने का कारण है कि स्थाप्योंक्त रॉपत्ति जा उचित बाजार मून्य, उसके दूस्यमान प्रतिफल से, एसे क्स्स्, पान प्रतिफल का मन्द्र प्रतिशत से अभिक है और बतराक (बंतरका) और जतारती (बतरितिशों) के नीच एसे बसराभ के मिल्य तथ यामा नया प्रति-भव निम्नीकियन ज्युक्ष म उन्त मन्तरण निर्माशत में वाक्त-

- (क) अन्तरण सं हुई किसी बाब की बाबस, उबस बिधिनियम के जभीन कर दोने के अन्तरक के बाबिस्य में कमी करने या उससे बचने में तुबिधा के लिए; और/या
- (क) एसी किसी आय मा किसी भन ना अन्य बास्तिकों कार, जिन्हों प्रारतीय जानकर जीभीनजन, 1922 (1922 का 11) या उक्त जीभीनजन ना धनकर अभिनिजन का धनकर अभिनिजन, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ जन्तरिती ज्ञार प्रकट नहीं किजा गया भा या किया जाना चाहिए था, कियाने जें सृथिया के निए;

जत अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-न के अनुसर्ग भी, मी, उक्त अधिनियम की धारा 269-न का उपधारा (†): भी अधीन, निम्नतिक्ति व्यक्तियों, अधित क्र--- 1 श्री मैनर संखणन,

(अन्तरक)

3 श्री एस० नटराजन

(ग्रन्तरिती)

को यह सुचना जारी करफो पृथनित संपत्ति को अर्जन को सिष् कार्यवाहियां करता हुन्।

## बच्च सम्मरित के मर्भन के मन्यत्य में काई भी बाधीर अ-

- (क) इस सूचना क राजपन में प्रकाशन की धारीय से 45 विज की अवधि या तत्सम्बन्धी म्यन्तियों पर धूचना की धारीस से 30 दिन की बनीम, सा भी बनीम बाद में समाप्त हाती हा, को भीतर पूर्वीक्स व्यक्तियों में किसी व्यक्ति बुनाया;
- (क) इस सूचना के राधपण में प्रकाशन की वारीस है
  45 दिन के भीतर उस्त स्थावर सम्पत्ति में दिसशर्भ किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अभेहस्तासरी के
  पाछ सिकिन को किस का समाग ।

स्वकारणः इसमें प्रयुक्त सम्बाँ और पवाँ का, जो उक्त अभिनियम, क हा उस 20-के हा परिभाषिक हैं, वहीं अर्थ हाना जो उस अध्याय में दिया

## अनुसूची

भूमि और निर्माण सक्षतिरं, गाव नाटाम्पालयम (दस्ता० स० 666/84)।

> प्रेम मार्लिन वानन स्थम प्राधिवारी सहाय- श्रायकर स्रायुक्त (निरीक्षण) स्रजन रेज-, मद्रास

विनास 28-3-1985

मोहर:

## प्रकाष बार्षा हो. प्रमान प्रकार --

कायकार अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-म (1) के अधीन सुचुना

#### माउच समस्य

कार्यात्तय, सहायक वायकर वायक्त (निरीक्षण)

श्रजन रेंज-], मद्रास

मद्राम, दिनाक 2 ग्राप्रैल 1985

निहण म० 52/सित०/84 - अतः पूजे, प्रेम मालिनि वासन, बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-ज के अधीन सक्तम प्राधिकारी की यह विकास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति,, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/-रु. से अधिक है

और जिसकी सं० है, जो उत्तिर गिंद शावल गाव में स्थित है (और इमसे पावड प्रतुसूची में आँग जो पूण रूप से बिंगत है) रिजिस्ट्रीकर्ती प्रधिकारी के शायांवय, सन्दमन-अनम, दस्ता० म्० 1358/84 में रिजिस्ट्री-उण प्रजितिरम, 1908 (1908 वर्ष 16) के प्रजीन दिसा है तिस्क, 84

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उक्ति बाजार मृत्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुर्फे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापुर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिकात से अधिक है और अंतरक (अंतरकों और अंतरिती । (अंतरिश्वियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निलिशत उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तिक स्प से किथत नहीं किया गया है :---

- (क) बन्तरण से हुई किसी बाय की बाबत, उथत अधिनियम के अधीन कर योगे के अनारक के शिक्षिण में काली काराने का तासके क्याने में मृश्विका के लिए; और/या
- (क) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों की, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियंस, 1922 (1922 का 1) या उक्त अधिनियंस, या धन- कर अधिनियंस, 1957 (1957 का 27) के अयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, खिपाने में स्विभा के लिए;

अतः अव, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-ध की उपधारा (।) के अधीन निम्निविद्यालयों, अधीत है— 1 श्री एस० मृत्त्सामि उठपार

(भ्रन्तरकः)

2 श्रीमती सिवापालयम्

(अन्तरिनी)

को यह सूचना चारी करके पूर्वोक्त सन्पत्ति के अर्थन को निव् कार्यवाहियां करता हुए।

## उक्त सम्पत्ति के वर्षन के सम्बन्ध में कोई भी बाक्षेप 🖫 🛩

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीश से 45 दिन की जबिध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी जबिध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्य को पर पर्वे कर के किया में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्य को पर्वे में कर के किया में कर किया में किया में कर किया में कर किया में किया म
- (क) इस सूचना के राज्यत्र भें प्रकाशन की तारीक के 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्मत्ति में हित-सब्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अभोहस्ताकरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पर्धांकरण :--- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्दों का जो उनस् अधिनियम के अध्याय 20-क में परि-भाषित हो, वहीं अर्थ होगा जा उस अध्याय में दिया गया है।

#### ममसची

भूमि और निमण उत्तिरमदिशावल गाव (दस्ता० म० 1358/84)।

प्रेम मानिति वासन ात्तरप्राति गरी सहायक प्रायाण ग्रायक्त (पिरीक्षण) यादा रोत- प्रायास

दिनां कं : 2-4-1985

नोहर 🖫

## प्रकृप आई. टी. एन. एस. -----

# कापकर विधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) के अधीन सूचना

#### भारत सरकार

कार्यालय, महायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेज-, मद्राम

मद्रास, दिनांक 19 अप्रैल 1985

निर्देश स० 94/मित०/84—यत, मुझे, प्रेम मालिनि वासन, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थानर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रु से अधिक हैं

श्रीर जिसकी मं० आर० एस० मं० 3562 है, जो 248, अन्नण नामकन स्ट्रीट, मुत्तमालपेट, जी०टी० मद्रास में स्थित है (श्रीर इसमें उपाबद अनुसूची में श्रीर पूर्ण न्प में विणत है), रिजस्ट्री-कर्ती अधिकारी के कार्यालय मद्रास नारत दस०—स० 2541/84 में रिजस्ट्रीकरण अश्विनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन सितम्बर, 1984

की प्रांक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के रश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुभे यह विश्वास करने का कारण है कि यथा प्रवेक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके रश्यमान प्रतिफल से, एसे रश्यमान प्रतिफल के पद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरका) और अंतरिती (अतिरितियो) के बीच एमें अनरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निल कित उद्देश्य से उक्त अतरण लिकित में वास्तिक रूप से करियन नहीं किया गया है.——

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त आधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए, अर्थर/या
- (ख) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ जन्नरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था वा किया भारती द्वारा प्रकट नहीं किया गया या किया में स्विधा के लिए;

अतः अव, उत्रत अधिनियम की धारा 269-ए के अन्यरण मों, मों, उयत अधिनियम की धारा 269-छ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात :---

- (1) श्री मि० आर० पदमनाबन भौर अन्य (अन्सरक)
- (2) श्री एम० मिश्मदासधौर एम० पीटर । (अन्तरिती)

को यह सृचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त संपत्ति के अर्थन के सबध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविध या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा,
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर मैपित में हितब द्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधाहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पन्धिकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदो का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

## श्रनुसूची

भूमि श्रौर निर्माण मार 248, अन्कच्या नामकन स्ट्रीट, मुत्तमालपेट जीवटी मद्रास (दसव सव 2541/84)।

> प्रेम मालिनि वासन सक्षम प्राधिकारी नहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अजन रेजनी, मद्रास

दिनाक: 19-4-1985

मोहर .

प्रकथ बाहै .दी .एन .एस . -----

आयफर जिथिनियम, 1961 (1961 का 43) करें भारा 269-म (1) के जमीन त्यना

#### भारत तरकाड

## कार्यासय, भहायक न्यमकर जावुन्त (निरीजण) अर्जन रेंज-1, मद्राम

मद्रास, दिनाक 9 अप्रैल 1985

ानर्देण स० 95/। सन ०/8 ई—यन , मुझे, प्रेम मालिनि वासन , कायकर अधिनियम , 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की भारा 269-अ को अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का स्थारण हैं कि स्थावर सम्मित, जिसका उचित बाजार मृत्य 1,00,000/- रा. से अधिक हैं

ग्रीरिजिसकी सं० आर० एस० सं० 46,183 है, जो सुग्रमणगम एस्टेट, नेन्कस्ट गांव मेरकाट डिस्ट्रिक्ट, में स्थित है (ग्रीर इससे उपाझड़ अनुसूची में ग्रीर पूर्ण न्य में विणित है), रिजिस्ट्रीकर्ता जोधकारी के कार्यालय, स्ट्रास नारत दस० स० 2539/84 में रिजिस्ट्रीकरण आधिनयम, 1908 (1908 का 16) के अधीन सिन्स्वर, 1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के अपित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मूक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यभापूर्वोक्त संपत्ति का अधित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पहुह प्रतिद्यत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियाँ) के बीच ऐसे अंतरक के लिए तय पाया गया प्रतिफस निम्नीलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण सिचित में बास्तीवक कप से किया नहीं किया गया है:——

- (कं) असरण से हुई किसी भाग की बाबता, उक्स व्यक्तियम के अभीन कर दान के अन्तरक क दावित्य में कनी करने ना उससे स्थानें में सुविधा के सिए; जॉर/या
- (क) ऐसी किसी बाय या किसी अन या अन्य आस्तियों का, जिन्हों भारतीय जायकर अभिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अभिनियम, श अनकर अभिनियम, 1957 (1957 का 27) की प्रयोजनार्थ अंतरियों व्यास प्रकट नहीं किया ज्या था या या किया जाना जात्रिया था, जिल्ला थी स्विभा के सिए;

ं अत अब, उक्रा अधिनियम की धारा 269-ण के अन्मरण मा, मो, उक्त अधिनियम की धारा 269-ण को उपधारा (1) , अधीन, निक्कीलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :---20-86 GI/85

- (1) श्रीमनी आरं० एम० विन्दामनि शाचि। (अन्तरक)
- (2) श्री पानियमा। (अन्तरिती)

को यह सूकता जारी कारके पृत्रावित सम्पत्ति के वर्षन के सिक्ष कार्यवाहिया करता हु।

उन्नत संपरित के वर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक्ष से 45 दिन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर मुचना की सामील स 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समान्त हाती हो, के भीतर पृष्ठांकत व्यक्तियों में से किसी क्योंक्त सुवारा,
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थायर सामाध मा ज़ित-बद्ध किसी अब व्यक्ति द्वारा अधानुनाक्षण के धारा विश्वित मा किए जा मकोंग।

स्वध्यक्तिरक -----एसमो प्रयुक्त शब्दा आरे पदा का, जा उत्थ अभिनियम के अध्याय 20-क मा परिभाषित तै अला अर्थ लाग, जर उसा रम्याय मार्गन्या भवा है।

## वन्स्ची

भृसि – मुझमणयम एस्टेंट, मेर $_{7}$ न्ट गाव, मेरकाट डिरिट्क्ट (दस० म० 2539/81)।

प्रेम मार्गित वासन सदाम प्राविकारी सहायक आवक्त आयुक्त (।नराक्षण) अर्जन रेज-1, सद्वाय

¹दना ह 9-4-1985

माहर :

## प्रकृष् काइ . सी , एन , एस . ------

आयकर विधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-ण (1) के अधीन सुचना

भारत सरकार

## कार्याजक, तङ्कायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रंज- ${f I}$ , मद्रास

मद्रास, दिनांक 2 अप्रैल 1985

निर्देश सं० 100/सित±बर/84—यतः, मुझे, प्रेम मालिनि वासन ग्रांकर अधिनियत्र, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें सकी पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 69-स को नधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का गरण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका अचित वाजार मृत्य ,00,000/~ रु. से जिथक है

श्रीर जिसकी सं० टी० एस० सं० 17, वार्ड ई, फ्लाट 8 है, जो पलपट्टी गांव, सेलम टाउन में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से विजित है), रिजस्ट्रीकर्ता आधकारी के कार्यालय, मद्रास नारत—दस० सं० 2435/84 एंड 2438 म रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन सिसम्बर, 1984

ो पूर्वेक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान तिफल के लिए अंतरित की गई है और मूक्ते यह विश्वास रने का कारण है कि यथापूर्वेक्त सम्पत्ति का उचित बाजार ल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल सो, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का व्ह्रह प्रतिशत से आधक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतर्स्ती (अंतरितियों) के बीच हो अंक्टरण के विष्ह स्व पाया गया तिफल, निकासिक उच्चेक्य से उच्च संशरण लिखित में स्तिकिक रूप से किया नहीं किया गया है:---

- (क) अंतरण ते सुद्ध किसी जाम की बाबत, उक्त अधि-नियम के अधीन कर दोने के अंतरक के दायित्य में कभी अपने या उक्त कचने में स्विभा के लिए; और/या
- (ख) एसी किसी आम या किसी भन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय जायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) वा उक्त अधिनियम या भनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अंसरिती स्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना शाहिए था, कियाने में स्विधा के लिए;

अतः अव, उक्तं अधिनियम की भारा 269-ग के अन्मरण में, उक्तं अधिनियम की भारा 269-ग की उपधारा (1) अभीन, निम्मीलिक्त व्यक्तियों, अर्थाक् :--- (1) श्री एन० जी० विसवनाथन।

(अन्सरक)

(2) श्री एल० दनवाल ,

(अन्तरिती)

को बह सूचना चारी करके पूर्वोक्त सम्पर्शित के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

जनत सम्पत्ति के अर्थन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की ताराख से 45 विन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 विन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी स से 45 दिन के भीतर स्थावर सम्पत्ति में हितबब्ध किसी बन्च व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण: --इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त जिन् नियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, बही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

## **म्पृस्**ची

भूमि श्रौर निर्माण पलपट्टी गांव, सेलम टाउन, टी० एस० सं० 17 (दस० सं० 2435/84 तथ 2438/84)।

> प्रेम मार्लिन वासन सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-1, मद्रास

दनांक : 2-4-1985 मोहर । प्ररूप आहें.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-ध (1) के अधीन सुचना

भारत सरकार

कार्यालग, सहायक गायकर गायक्त (निरोक्षण)

अर्जन रेंज-I, मद्रास

मद्रास, विनांक 19 अप्रैल 1985

निर्देण सं 101/सितम्बर/84-यतः, मुझे, प्रेम मालिनि वासनः आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), को धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

यौर जिसकी सं० आर० एस० सं० 56/1 है, जो डोर सं० 26 एंड 27, प्रान नो हाई रोड, मद्रास-3 में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूखी में और पूर्ण रूप सं विणत है), रजिस्ट्रीक्ती अधिकारी के कार्यालय, पेरिसेठ-दस० सं० 928/84 में रजिस्ट्रीकरण अधिनयम, 1908 (1908 का 16) के अधीन सितम्बर, 1984

को पूर्वेक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल को लिए अन्तरित को गई है और मूझ यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वेक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्नह अतिशत से अधिक ही और अन्तरक (अनतरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण कि चित्र में बास्तविक रूप से किथत नहीं किया ग्या है :---

- (क) अन्तरण से हुई किसी अप की बाबस, उक्त बिभिनियम के अभीन कर दोने के बंतरक के दायित्व में कमी करने या उत्तरों बचने में सुविधा के लिए; बॉर/या
- (स) एसी किसी आय या किसी धन या बन्य अस्तियों को, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, "या अधिनियम, "या अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोज-अयोजनार्थ अंतरिती स्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना आहिए था, कियाने में सुविधा के निए;

वतः वन, उन्त नीधीनयन की भारा 269-ग के अनुसरण में, में, उन्त नीधीनयम की भारा 269-घ की उपधारा (1) में नधीन, रिनम्निसिय व्यक्तियों, अर्थात् रिक्क (1) श्री ज्ञानचन्द बोहरा।

(अन्सरक

(2) श्री न्र मुहम्मद यूसुफ श्रीर नूर मुहम्मद किजर। (अन्तरिती

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के वर्षन के कि कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में काहाँ भी बाबोप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की सारीबा 45 दिन की क्यींथ या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वी व्यक्तिमों में से किसी व्यक्ति इवारा;
- (ख) इस स्वाम के राजपत्र में प्रकाशन की तारीब 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबड् किसी जन्य व्यक्ति द्वारा अभोहस्ताक्षकी के पा लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पच्छीकरणः -- इसमे प्रयुक्त शब्दों और पदों का, को उद अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषि है, वहीं अर्थ होगा औं उस अध्याय में दिर गया है।

## भनुसूची

भूमि श्रौरिनिर्माण डोर सं० 26 एंड 27, पूनमिल हाई रोड़ मदास-3 आर० एस० सं० 56/1 (दस० सं० 928/84)।

> प्रेम मालिनि वासन सक्षमप्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-I, मद्रास

दिनांक : 19-4-1985

मोहर 🛭

प्ररूप बाहाँ. टी. एत. एस.-----

आयकर किंधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ध (1) के अधीन मुखना

भारत सरकार

कार्यालय, महायक आयकर आयक्त (निरीक्षण) अर्जनरेज I, मद्रास

मद्रास, दिनांक 2 अप्रैल 1985

निदेश सं० 110/सित्त । 84—अत. मुझे, प्रम मालिनि बासन, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन मक्षम प्राधिकारों को धारा पश्चिम कारत का कारण है कि स्थापर नामी । जिल्ला विवास बाहार सन्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

ग्रीराजिसकी सं० आर० एस०स० 1368/30 है. जो 7, सृघाशय , मृदाल स्ट्रीट, पुदुवेट, मद्रास-2 से स्थित है (ग्रीर इससे उपाबढ़ अनुसूची में ग्रीर जो पूर्ण रूप से विजित है) रिजर्ट्रायर्का अधिकारी के कार्यालय, पेरियमेट, इस्ता० में० 859/84 से रिजर्ट्र स्रुण आधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन दिनाय स्तिम्बर 1984

को पूर्वित सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कर के क्ष्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूम्में यह विक्यास करने का कारण है कि यथापूर्वित सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके द्रश्यमान प्रतिफल से एसे सम्यमान प्रतिफल का पन्नह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निलिखत उद्देश्य से उक्स अन्तरण निवित्त में बास्तविक रूप से अधित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी बाय की वाबत उक्त अधि-किपिनियम के अभीन कर दोने के अन्तरक की दायित्य में कमी करने या उससे नचने में सुविधा के सिए; और/या
- (क) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों का जिन्हें भारतीय अप्यकार अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या अक्त अधिनयम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती व्यारा प्रकट नहीं किया गया भा या किया जाना चाहिए था, छिपाने में मुचिया श्री किए:

अतः नव, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के, अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-थ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिश्विल व्यक्तियों, अर्थात् :---

1. श्रीमती मेमून बीचि

(अन्तरक)

श्रीमती सुशीला बामी

(अन्त(रती)

को यह सूचना भारी कारक पूर्वीक्त सम्पोत्स के अर्थन के लिए कार्यवाहियां करता हो।

उक्त सम्परित के अर्जन के संबंध में कांद्र भी आक्षय :---

- (क) इस स्वाम के राजपत्र में प्रकासन की तारीख स 45 दिन की सबिभ या स्ताम्बन्धी व्यक्तिसों पर स्वाम की तामीक से 30 दिन की अविभि, का भी जबिभ बाद में सनाप्त होती हो, के भीतर प्रविक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा.
- (श्र) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस स 45 दिन के भीतर उन्धन स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधाहस्ताक्षरों के पास लिखित में किए जा सक सः

स्पच्दीकरण:—इसमं प्रयुक्त शब्दों लोर पदों का जो उक्त अभिनियम के अध्याय 20-क में गीरभाषित हैं, बही अर्थ होंगा जा उस अध्याय में दिया मया है।

#### धनसधी

भूमि ग्रौर निर्माण 7. मुवाराय मुद्दाल. स्ट्रीट. पुदुषेट. मदास-2 (दस्ता० सं० 859,84)।

प्रेम मालिनि वासन सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज I, मद्रास

दिनांक 2-4-1985 मोहर: प्ररूप आहूर, टी. एन. एस. ------

शाय-कर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-म (1) के अभीन सुमता

#### भागत सरकार

कार्यान्य, सहायक आयकार अध्यक्त (निरक्षिण) श्रजीन रेज-1, मधास

मदास, दिनाक 19 श्रप्रील 1985

तिवेश स० 114/सर्वे/84—अतः मुझे प्रेम मालिनि वासन, कायकर क्रांथनियमं, 1961 (1961 जा 43) (जिमें इसमें इसमें परचान् 'उक्त जीवीनयमं क्ष्मा नथा हैं), की बारा 269-स के क्यीन सक्षम प्रशिकारों छा, यह विश्वास करने का कारण हो कि स्थायर मामिकारों छा, यह विश्वास करने का कारण हो कि स्थायर मामिक हों।

और जिसकी मंग्रनाट साथ 28 टी एस० संग्रां है, जो महास, फारफोरणन, महास स स्थित है (और इसमे उपावट अनुसूचा म और पूर्ण माह से प्रणित है), राजन्द्रीकर्ना अधिकारी के कार्याकर में संस्थीयम प्रमानित्र साथ 3305/85 में भारतीय राजिन्द्रीवरण अधिनियम, 1908 (1903 का 16) के प्रधीन नारीख सितम्बर 1984

को प्रोंक। सम्योत्त के उपन श्राम के क्या के क्या मान प्रतिपाल के लिए जन्तरित की गई हो और मुक्ते यह विकास करने का कारण हो कि वंधापृत्रींकत मानांत्त की उपन बाजार मृल्य, उसके इरयमान प्रतिपाल सं, एसं इदयमान प्रतिपाल का पन्द्रह प्रतिशात से अधिक हो आर अतरक (अंतरकों) और वंतिकती (वन्तरितयों) के बीच एसं अन्तरण के किए तब पाया गया प्रतिपाल निम्नलिकित उद्देश्य से उच्चा अन्तरण कि निम्लत में वास्तिक रूप सं किथत नहीं भिष्ठा गया ही:—

- (क) बन्नरण से हुए हैंगाएं लाग के दाता सकत बारि नियम के अधीन कार दोने के मार्गक के शिश्य में कामी करने या उथने बचने में मृविधा के लिए, बरि/या
- (स) एपी किसी कार्य या विसी यह या अन्य शास्तियां करों, जिन्हों भारतीय आस-कर अधिनियम, 1932 (1922 का 11) या उत्तर प्रधिनियम, अध्यान-कर अधिनियम, अध्यान-कर अधिनियम, अध्यान-कर अधिनियम, 1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरित। द्वारा एएट नहीं किया गया या या किया अना भाहिए था स्थिपने में सुविधा के लिए;

लग कर, इयस लीर्ग कि - । धारा १६०-४ के अनजरण में, में, उक्त लिकित्यस की घटन २(०)-५ का उपया । (1) के अधीन, निम्नलिखित म्यक्तियों, अधान् 1. श्री कें बीव जेंव प्रकाश।

(ग्रन्तरक)

2 श्री बी० मन्कलवरामनः।

(जन्तरिती)

को बद्ध सूचना जारी करकें पूर्वोक्त स्थ्यित के बर्जन के लिए कार्बनाहियां करता हूं।

## टक्स सम्पत्ति को क्षणंत्र को सम्बन्ध में कोई भी आक्षेत्र हुन्न

- (क) इब खुका के राज्यमम में प्रकाशन की तारील से 45 दिन की अविधास तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर खुका की तासील से 30 दिन की अविधा, को भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में स-किसी व्यक्ति इवारा;
- (क) इस स्वता के राजपत्र में त्रकाशन की तारीका से 45 विन के भीतर उक्त स्थानर सम्मणि में हित- नद्भ किसी जन्म व्यक्तित द्वारा, अभोक्त्साकारी के पास किसी जन्म मा जिए की सकेंगे।

स्पष्टीकरण:--इसमें प्रमुक्त बन्धों और पद्धों का, जो उक्त लीक्षित्रम, के जञ्चाय 20-क में परिभाषित क", बही अर्थ होगा, जो उस कम्याय में दिवा शका है"।

## सन्स्थी

भूमि और निर्माण ब्लाक सब 8 टी० एस० स० 52/1, व्लाट स० 28 प्रशंस कारपीरशन, महास,

(दस्त० सं० 3305/84)

प्रेम मालिति वासन सक्षम प्राधिकारी महायक प्रायकर हायुवन (निरीक्षण) सर्जन रॅज-ा, मदास

तारीख: 19-4-1985

माहर ः

## प्रकप् आह्र . टी . धन .- एस . ------

ा श्री सवरन प्रसाता

(भ्रन्त

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-म (1) के बंगीक सूचना

2. श्री ए० टी० सम्पत

(भन्तः

#### STREET, SPINSTER,

कार्याधव, सञ्चयक बायकर बायुक्त (निपुर्वक्रण)

श्चर्जन रेंच 1, मद्रास

मद्रास, दिनांक 20 मार्च 1985

निर्धेश सं० 117/सर्थे/84—श्रतः मुझे श्रेम मालिनी वासनः '

जायकर निधनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त निधनियम' कहा गमा हैं), की भारा 269-स के नभीन संक्रम प्राचिकारी को यह विपनात करने का कारण है कि स्थावर स्थापित, जिसका उपित नाजार मूल्य

- (क) अन्तरण से हुई किसी नाम की पालता, समर अधिनम्ब के अधीन कर दोने के अन्तक्क भे दानित्व में कमी करने मा उत्तरे क्याने में सूर्विया के लिए; थोर/वा
- (स) ऐसी किसी जाय मा किसी भग वा जन्य अस्तिकों को, जिन्हों भारतीय कामकर विधिनयम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, वा धनकर विधिनयम, वा धनकर विधिनयम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोक्षनार्थ अन्तिरित वृषारा प्रकट नहीं किया जया था या किया जाना चाहिए था, कियाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त विभिनियम की भारा 269-ग के बनुसरण में, मैं, उक्त अभिनियम की गारा 269-म की उपधारा (1) के अधान, निम्नितिषित व्यक्तियों, वर्धात्:— का यह ब्राय बारी कड़के बिक्त इम्मीत के वर्षन के कार्यन के

उनक बोगीए के मर्जन के बंबंध में कोई भी माओप :-

- (क) इस सूचना के राज्यन में प्रकासन की तार 45 जिन की मनभि ना तत्संबंधी व्यक्तिः सूचना की तानीन से 30 दिन की अविभि, क नविध सद में समाप्त होती हो, के शीतर व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति स्वारा;
- (क) इब सूचना के राष्यंत्र में प्रकाशन की तार 45 दिन के मीतर उनत स्थावर संपन्ति में ि किती अन्य व्यक्तित क्यारा क्योहस्ताकरी निष्यंत में किया जा सकेंगे।

स्तक्षांकरणः इसमें प्रयुक्त कस्यों और पदों का, जो जिभिनियम, के अध्याय 20-क में परि है, वहीं जर्थ होगा जो उस अध्याय में गवा है।

## मम्स् वी

भूमि और निर्माण 45, नावटवरायन कुठील नन्टमारपेट, मद्रास-13।

(दस्तवायेज सं० 1521/4

प्रेम मालिनी व सक्षम प्राधि सहायक प्रायकर आयुक्त (निरीक्ष भूजीन रेज-1, ...

तारीख: 20-3-1985

मोहर:

प्रकृप बाइं.टी.श्य.प्रश्च. ------

कर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-व (1) के अभीन सुवना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक बायकर आयुक्त (निरीक्षण)

श्रजैन रेंज 1, मद्रास

मद्रास, दिनांक 2 ग्रप्रेल 1985

्क स॰ 118/सेप/84—अतः मुझे प्रेम मालिनी वासन ,िर्धानयम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इतमें पात् 'उक्त जिथिनियम' कहा गया है), की भारा के जधीन तक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कि स्थावर सम्मत्ति, जिसका उपित बाजार मृल्य 100/- रा. से अधिक हैं

सिकी सं अार एस सं 498/1 है, जो मंं ट्रिस्स स्ट्रीट रायपुरम, मद्रास-13 में स्थित है (और पाबद अनुसूची में और पूर्ण क्ष्म से वर्णित है) उर्ता श्राधकारी के कार्यालय, रायपुरम दस्ता सं 34 में भारतीय राजस्ट्रीकरण अधिनयम, 1908 का 16) के अधीन दि कि सितम्बर 1984

त सम्मित के उपमित बाबार मृत्य से कम के दश्यमान है लिए बन्तिम्त की गई हैं और मुभे मह विस्थास कारण हैं कि यथापूर्विक्त सम्मित्त का उमित बाजार ,के दश्यमान प्रतिफल से एसे दश्यमान प्रतिफल का शत से विभिक्त हैं और अंतरक (बंतरकों) और अंतरिती हो) के बीच एसे अंतरण के लिए तम वामा गया ,मम्निसिवत उद्वेष्य से उक्त बंधरण कि विस्त में रूप से कियत नहीं किया गया हैं:—

. बन्तरण से हुई किसी बाय की वाबत, उक्त विधिनियन से बचींग कर दोने के बन्तरक सें वासित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा से सिए; और/बा

स्मि किसी बाय या किसी धन या अन्य वास्तियों को, चिन्हों भारतीय वायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उत्तर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) क प्रयोजनाय अस्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया भा या जिया जाना चाहिए था. कियाने वे मुख्या के लिए।

1. श्री टी० सेनीलाल और श्रन्य।

(भ्रन्तरक)

2. मैसर्स टिम्बर्स रिसर्च सेन्टर फॉटेशन।

(ग्रन्तरिती)

को यह सूचना बारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के वर्षन के जिल्क कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त संपति के अजन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इ.५. ./ ते राजपत्र में प्रशामन की तारी में ने 45 दिन का प्रकृषि या तक्ष्मं की व्यक्तियों पर सूचना का तामील ने 30 दिन की प्रवित्त जो भी अविध्व बाद में समाप्त होती हो, के मीत्र पूर्वीकत ब्यक्तियों में में तिस्सी व्यक्ति दारा;
- (छ) इस भूवना के राजपत में प्रकाशन की तारीख से 45 किन के भीतर उक्त स्थावर मध्यक्ति में हितबद किसी अन्य व्यक्ति जारा, मधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में क्ये जर सकेंगे।

स्वत्तीकरन: -इसमें प्रमुका तका और पने का, जा उक्त म ध-त्यान के जड़यान अका में परिश्रायित है, बही अर्थ होगा, जो जस चहनाय में दिया गया है।

#### मन्त्र की

भूमि और निर्माण सं० 4, वेस्ट भाट सस्य स्ट्रीट, रायपुरम, मक्रास-13।

(दस्तावेज सं० 1515/84)

प्रेम मालिनी वासन सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रजं ने रेंज-1, महास

**तरी।ख**: 2·4-1985

पोहर

प्रकार आहें. टो. एन. एम. ----

नायकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-व (1) के अभीन सुचना

#### भारत प्रदुकार

कार्यालय, सहायक बायकर वाय्वत (निरक्षिण) अर्जन रेंज-1, मधास

मद्रास, दिनाक 12 मार्च 1985

निर्देश २० 119/मेप/84—प्रत मुझे प्रेम मालिनी वासन

लायकर अधिनियम 1961 (1061 का 43) (जिसे इसमों हमके पण्यान 'उन्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह निश्वास करने का कारण है कि स्थाबर सम्पत्ति, जिसका उजिल बाजार मल्य 1,00,000/- रु से अधिक है

और जिसकी स० डोर स० 41 है, जो गुरवण्या चेट्टी स्ट्रीट चिन्टाद्रीपेट मद्रास-2 जो म स्थित है (और इससे उपावद भनुसूची से और पूर्ण क्ष्य से अणित है), रिजस्ट्रीकर्ता के कार्यालय पेरीयाभेट दस्ता० स० 967/84 म र्राजर्द्धीवर्ता प्रक्रिकारी के कार्याला से भारतीय रिजस्ट्रीकरण प्रक्रितियम, 1908 (मि908 का 16) के प्रधीन तारीख सितम्बर 1984

का प्वित्ति सम्पत्ति के र्णाचन वाकार प्या मा मा के दरयवान श्रितफल के लिए अन्तरित की गई हैं और मुक्ते यह रिश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पति का उचित बाजार मून्य, उसके क्यमान श्रिकल सं, एमें दरयमान श्रीतफल का गद्रह श्रीतद्यत सं अधिक ही और अनरक (असरकी) और अनरिती (अन्तरितियों) के बीच एम श्रान्तरण के लिए तय प्रामा गण श्रीतफल, निम्नलिखित उद्दादय मा उक्त अन्तरण निम्नल मा बास्त्रीविक रूप से अधिल नक्षी किया गया ही —

- (क) बन्दरण से हुई किसी बाय की बावल, उच्च विधिनयम के बधीन कर दोने के नारण की दास्तिय मो अभी करने मा उम्मसे बचन में सुविधा के लिए, बॉर/मा
- (च) एसी किसी क्षाय या किसी भन रा जन्य आस्तियों का जिन्हों भारतीय शायकर अधिनयम, 1922 (1922 का 11) या अन्त अधिनियम, मा धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) की प्रयाजनार्थ अन्तीरती द्वारा प्रकर नहीं हिसा एका ना भा भिन्नों के लिए;

संतः सदा, जक्त अधिनियम की भारा 269-ग के अनमरक में, में, उक्त अधिनियम की भारा 269-घ की उपधारा (1) के अभीन, निम्मेलियित आक्रियाँ, सर्थात :---

1. श्री ६स० म्रार० शनभूथम।

(भ्रन्तरक)

2 श्रीमती टी० त्रिमता रानी।

(ग्रन्तरिती)

का पह मूचना जारी करक प्रावत सम्पत्ति के बर्जन के सिष् कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्मत्ति के अर्जन के मन्बन्ध में काई भी शदाय --

- (क) इस सुचना के रेजपण का प्रकाशन की तारीक भी 45 जिस वा नामिश्र या प्रभावन्ती त्यक्तिणा पर भूषण की नामीन से 30 दिन की अविधि, के भी अविधि बाद या सम्बद्ध होती हो, के भीतर पृजैक्स ज्यक्तिया से संभित्त होती हो, के भीतर पृजैक्स
- (था) इस सूचना के राजपन में प्रकाशन की तारीस स 45 दिन के भीसर उक्त स्थानर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य प्राधित वृद्यां नासहिन्याक्षरी के पास विस्ता में किस् का सर्जीय ।

भाष्ट्राकरणः—इसमें प्रयक्त राज्या और पदो का, जो उक्त जीधीनयम के अध्याय 20-क में परिमापित है, यही अर्थ होंगा जो उस अध्याय में विया गणा

#### marchi

भूमि और निर्माण डोर २० 41, गुरुवण्या चेट्टी स्ट्रीट, चिन्टाद्वीपेट, महास-2।

(दस्तावेज स० 967/84)

प्रेम मालिनी वामन सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रापुत्त (निरीक्षण) ग्रजन रेंज 1, महान

तारीख ' 12-4-1935

मोहर 🕸

## प्ररूप आहु .दो . एन . एस . ------

# आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ध (1) के अधीन सूचना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आय्क्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-1, मक्षास

मदास, दिनांक 18 श्राप्रैल 1985

निर्देश सं ० 120/सितम्बर/84—ग्रतः मुझे, प्रेम मालिनी वासन,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ए के अधीन सक्षम पाधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पन्ति, जिसका उश्वित वाजार मृत्य 1,70,000/- रहा से अधिक है

और लिसकी सं अगर एस सं 305 है, जो 83, अरुनावल नायका स्ट्रीट, सिन्दाद्वीपेट, मद्राम-2 में स्थित हैं (और इसमें उपावद में और पर्ण रूप में विषत हैं), रिजस्ट्रीकर्ना अधिकारी के कार्यालय, पेरिमपेट दम सं 972/84 में भारतीय रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख सिनम्बर 1984

को पर्शाक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रांतफल के लिए अन्तरित की गई है और मुफे यह विश्वास करने का कारण है कि यथा पूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूला, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल के पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरका) और अंतरिती (अंतरितियां) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, जिम्निलिखत उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखन में वास्तिजक रूप से कथित नहीं किया गया है :---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अभिनियम के अधीन कर दोने के अंतरक के उप्यत्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; शर/या
- (ख) एंगी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों कारो जिन्हों भारतीय आयंकर अधिनियम, 1922 (1922 ना 11) या जक्त अधिनियम, वा धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)' को प्रयोजनार्थ बन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं विकास गया था यो निया जाना चाहिए था, छिपाने यों स्तिथा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण माँ, मी, उपता आर्शियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अभीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अधीत :—— 21—86GI 88 1. श्रीमती णिवागामी और ग्रन्य।

(अन्तरक)

. 2. श्री ६म० सुपारास।

(श्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस भूपना में राजपत्र मों प्रकाशन की तारीख से 45 दिन को अविश्व या तत्संबंधी व्यक्तियों पर स्चना की तामील से 30 पिन की सविभाग खों भी अविध यद में समाप्त होती हो, के भीतर प्रवेक्ति व्यक्तियों में में किसी प्रकित द्वारा;
- (ख) इस सचना वे राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितब्द्ध विमी अलग यदिन द्वारा अधोहरनाक्षरी के पास लिखिन में किए जा सकेंगे।

रि. र्राप्ताः -- इक्षे प्रयुक्त शब्दो और पदौं का, जो उक्त रित्रार, के अध्याय 20-क में परिभाषित के को उस अध्याय में दिश

## अन्सची

भूमि और निर्माण-83, ग्रस्नाचल नायकन स्ट्रीट, सिन्दाद्रीपेट, मद्रास-2।

(दस्तावेज सं० 972/84)

प्रेस मालिनी वासन सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर प्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज-1, मद्रास

तारीख: 18-4-1985

मोहर:

King Alle, E. Pal 16 or r on amount

। श्रीमती राबिया बी०।

(श्रन्तन्यः)

लक्ष भग को अस्तियम, 1961 (1961 का 43) करी शाणा 2. श्री स्रवदुल वहांव और मजसूदा।

(अन्तरिती)

१६०-म (1) की संधीन सुमना

HIVE EVENTE

कार्यालय, सहायक आयकर बायुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज-1, महाम

निर्देश ग० 123/सितम्बर/८४--द्रा. मुझे, प्रेम मालिना वागन जामकर अधिनियम, 1061 (1061 का 43) (जिसं इसमें एसक प्रधान १३व र जिस्स्य प्राप्त की, गा धाप 269 इस को अधीन गाना प्राधिकारा का, गह जिस्साम करने का कारण है कि स्थाया सुरुष्ति निरुष्त प्रचित्र कार मृत्य

1,00,000/- रा से जिथक हैं।
और जिसकी १० १७ गण सेस्ट स्ट्रीट मफ्सदान घारटन,
मजा९-१ से स्थित हैं। (जीव इ.से उपत्यद्ध अनुसूची में और
पूर्ण राव से जीवन हैं), रिलिट्रीकर्ता गाँउ हों। वो स्थित में
सौकारपेंड दसर । 150/84 में नहितीय रिजिट्टी रण
प्रधिनियम, 1908 (1908 । 10) ये प्रधीन नहीं।
सिनम्बर 1984

श्री पूर्विका राम्परित के उचित साकार सत्य से कम के दश्यमान प्रतिकात र कि कार्तर व अर्थ के रूप मक्त पहें विक्राम करन का भारत हो कि कार्य के रूप प्रतिक का श्रीप कर कार्य भूक्य, प्रसुद्ध के प्रतिक के भीष कर कार्य (अन्तरफार) और अंतरिती (अर्तार्शितका) के बीर कार्य के लिए तर प्राया गया प्रतिक कन, किनिक्ति उदस्पाय न के अन्यक विविध में वास्त-विक कुछ में किया नहीं किया गया है

- (का) अन्तरण में इंडिंगिक भी अप्य को बाबस, उसत बाँध-नियम के अधीन कार दोने के अन्तरक के दायित्व के की स्वतं या उर्व बाले में मृतिका की निष् ब्रीव / १९
- ्ष पासी रिस्सी आय या जिसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हों भारीति आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उन्त अधिनियम, या धन-अहर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अतिरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया के जिल्ला असी असी कारिए जा कियाने में मुनिधा के लिए,

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्सरण मो, मी, उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) के अधीन, निम्निलिनित व्यन्तियों अर्थात् .— को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहिया करता हु।

उक्त सम्पत्ति के अर्थन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन को तारीस म 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामीन से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद म समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति स्वारा;
- (स) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीश से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी जन्म व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकींग ।

The second second

स्पद्धिकरण: ---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदा का, जा उक्त अधिनियभ के अध्याय 29-क में परिभाषित ही, वहीं अर्थ होंगा को उस अध्याय में दिया गवा ही।

## अन्स्यं

भूमि और तिर्माण म० 27, ग्रप् मेम्ट्री स्ट्रीट मफूम बान कारटन, मद्राम-1।

(दस्तावेज स० 450/84)

प्रेम मालिती वासन लक्षम प्राधिनारी राहायक आयहर श्रायुष्ट (दिरोक्षण) अर्जन रेज-१, मद्रा (

नारीज 12-4-1985 मोहर : प्रकल नाहरे. टी. एन. एस. ५ - - ----

नाथकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-म (1) के अधीन सुचना

#### भारत सहकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयक्त (निरक्षिण)

ग्रर्जन रॅन-1, मदान

मद्रारा, दिनां स १ अप्रैल 1985

निर्देश सं० 126/सितम्बर/84--ग्रनः मुझे, प्रेम मालिनी वासना

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) जिसे इसमें इसके पश्चात 'उन्त अधिनियम' कहा गया हो, की धार 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण हो कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उनित बाजार मृत्य 1,00,000/- रा. से अधिक हो

और जिसकी गं० मर्वे सं० 7207 है, जो मं० 5. तिम्पनी स्ट्रीट जारज टाउन मदास-79 में स्थित है (और इसमें ७प) बड़ ग्रतुसूची में और पूर्ण रूप से विणित है), रजिस्ट्रीकर्ता ग्रावि । परी के कार्यालय सीकारपेट दम० सं० 464/84 में भारतीय रजिस्ट्रीकरण ग्राविनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्रावीन, तारीख नितस्बर 1984

को प्वीक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुफ्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिक्षत से अधिक है और अन्तरक (अम्तरका) और अन्तरिती (अन्तरितिया) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निलिश्त उद्देश्य में उक्त अन्तरण लिखित में बास्तिवक रूप से स्थित नहीं किया गवा है —

- (क्ष) जन्तरम के हुई किसी नाव की बाक्छ., उक्क जीधनिवस के लभीन कर दोने के जन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे ज्याने में स्विध्य के लिए और/या
- (ध) एंनी किसी नाय मा किसी पन या बन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय वाय-कर विधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में मृतिधा के बिए

अतः अवः उत्तर अधिनियम की भारा 269-म को अनुसरक में, में, उक्त अधिनियम की आरा 269-म की उपधारा (1) के अधीम, निम्निचित व्यक्तियों अभात ॥— 1. श्रीमती अन्मणी और अन्य ।

(शन्तरक)

2. श्रीमती लक्ष्मी कें जेन।

(अन्तरिती)

का पर न्यतः शरा कार्क पूर्वीक्त संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहिया शुरु करता हो।

तक्त सम्पत्ति के बर्चन के सम्बन्ध में कोई भी बाक्षेप :---

- (क) इस स्थान के राजपत्र सं प्रकाशन की तारीब से 45 दिन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्वान की तासील से 30 दिन को अविध, जो भी अविध बाद में समान हाती हो, ले भीतर पृजितर व्यक्तियों में म । कभी व्यक्ति कारण:
- (स) इस म्चना के राजपत्र में प्रकाशन को तारीस सं 45 दिन के भीतर जलन स्थावर तम्पोल्त में हित-सद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वार त्रशाहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सर्वति ।

म्परक्षिकरण — इसमं प्रयुक्त भट्यों शीर पवी का, जो उक्त अधिनियम, की नध्याय 20 के वे र्राट्समणित है, वहीं वर्थ होंगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

#### 4464

भूमि और निर्माण सं० 5, तिक्ष्यली स्ट्रीट जारज टाउन, मद्रास-79 सर्वे सं० 7207।

(智神 中 464/84)

थ्रेम मालिती बासन सक्षम पाधि पारी सहायक क्रायकर क्रायुक्त (निरीक्षण) क्रजन रेज-1, मद्रास

.तरीख 9-4-1985 मोहर : प्ररूप , बाइ , ट्यं , एन , एस , ----

1 श्रीमती रुक्मणी जनारधन।

(अन्तर ()

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

2 श्री एम० नाकराजन।

(अन्ति र्तः)

भारत सरकार

कार्यात्रय, सहायक वायकर आयुक्त (निरीक्षण)

श्रर्जन रेन-1, महाल्

मद्राप, दिनों हे 27 भार्च, 1985

निर्देश म० 129/सितम्बर/84--श्रतः मुझे, प्रेम मालिनी वानन

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिस इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गण है'). भी धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह निकरण करने का कारण है कि स्थावर नपत्ति, जिसका का न जानर प्राप्त 1,00,000/- रह. से अधिक हैं

और जि की स० प्य.ट स० 1 डी०, है, ा नटुदर रे गाव, अरिस्टर अना नगर में स्थित है (आप इतम उपावद अगुमूची में और पूर्ण रूप मं विणित है), रजिस्ट्री ति अधि तरा क तावील अशा नगर दहें। स० 3108/84 में भारतीय प्रिट्रा पण अधि नियम, 1908 (1908 ं 16) के अधिन, तारीख सितम्बर 1984

को पूर्विकत सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य स कम के द्रश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुभ यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वेक्त संपित्ति का जावत बाजार मूल्य, उसके द्रश्यमान प्रतिफल से, एर्ड द्रश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत में अधिक हैं और अन्तरिक (अन्तरिकों) और अन्तरिती (अन्तरितिया) के बीच एस अन्तरिण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिधित इद्श्यम से उक्त अन्तर्ण लिखित में वास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अंतरण से हुई किसी जाय की वाबत, उक्त जीधीनयम के अधीन कर दान के अन्तरक की वायित्व में कभी करून या उससे बचन जे सुविधा की सिए; और/या
- (स) एसी किसी बाय या किसी धन या अन्य जास्तियां को, जिन्हों भारतीय बायकर जिथितियम, 1922 (1922 का 11) या उनत अधितियम, या धन-जिधितियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयाजनाथं जन्तरिती द्वारा प्रवट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सुविधा के लिए,

जता जन, उन्त अधिनियम नी धारा 269-ग के अनुसरण थों, मी, उन्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्निसित न्यों नराभी, अर्थात् :----

का यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहिया शुरू करता हुं।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप ;--

- (क) इस स्वान के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक्ष सं 45 दिन को अविधि या तासववी व्यावनकों पर स्वान की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त हाती हों, के भीतर प्रवीकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वाराः
  - (छ) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारींध स 45 दिन के भीतर अक्त स्थावर मंगित्त मा व्रितबद्ध किसी जन्य व्यक्ति द्वारा अपोहस्ताक्षणी क पास जिस्ति में किए जा नम्भा।

स्पष्टीकरण:--इसमे प्रयुक्त शन्दा आर पदा का, जा उदत अधिनियम, के अध्याय 20-क मे परिभाषित ही, वहीं अर्थ होंगा, जा उस अपराप से । इस्ता गया ही।

## अन्त्यी

भूमि और निर्धाण नटुबन्करै गाव, अरिन्धर श्रक्षा नगर। (दस्तवावेज सं० 3100/84)

> प्रेम मालिनी वासन धाम प्राधिकारी सहायन ग्राय-'र ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रजन रेज-1, मद्रास

तारीख 27-3-1985 मेह्रः

प्ररूप आई. टी. एन. एस. -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सुचना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

श्रर्जन रेज-1, मद्रास

मद्रास दिला १ 6 मार्च 1985

निर्देश सं० 130/सेव/84--प्रतः मझे प्रेम मालिनी वायन,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उकत अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के उधीन मक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उधित बाजार मृत्य 1,00,000/- रु. से अधिक हैं।

और जिसकी सं० डार म० 3, युनाइटेड इन्डिया नगर पस्ट स्ट्रोट, अयना १९म में स्थित है (और इनसे उनाबढ़ अनुसूची सें और पूर्ण रूप ने वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता ग्रधिवारी के ार्थान्य, श्रदालगर, दस्तावेज स० 3125/84 में भारतीय रिजम्दी , रण अधिविदम 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख सितम्बर 1984

को पूर्वाक्त सम्पत्ति को उपचित बाजार्म् ल्यासे कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए रिजस्ट्रीकृत विलेख **के अनुसार अन्सरितः की गर्झ** है और मुक्ते यह विश्वास

करने का कारण है कि यथापूर्वीक्त सम्पत्ति का उचित दाजार मुल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकाँ) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ए'से अन्तरण के लिए तय पावा गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण िलिश्वत में वास्तिमक रूप से किथत नहीं किया गया है :---

- (क) अंतरण से हुई किसी आय की **बाबत, उक्त अधि**-नियम के अधीन कर दोने के अंतरक के दायित्य में कमी करने या उससे बचने में स्विधा के लिए; और/या
- हा) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आगकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अंतरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सविधा के लिए:

अत: अब,, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग क्रे अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-व की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित, व्यन्तियों, अर्थात् :--

(1) श्री एतः पत्तियप्यनः।

(श्रन्तरक)

(2) श्रीगोपाल पणम्यमा

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति को अर्जन के लिए कार्यवाहिमां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति को अर्जन को संबंध मो कोई आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तस्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्विक्त व्यक्तियो में से किसी व्यक्ति दवारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति दुवारा अधोहस्ताक्षरी के पास विखित में सं किए जा सकरो।

स्पष्टीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उनत अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित ही, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय मी दिया गया है।

## अनुसूची

भूमि और निर्माण डोर सं० 3, युनाइटेड इन्डिया नगर फस्ट स्ट्रीट, टी० ए५० भ० 94, प्लाट सं० 171 (दस्त वेज सं० 3125/84)

> प्रेम मालिनी बासन सक्षम प्राधिकारी (सह यक आयकर आयक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज , मदास

तारीख: 6-3-1985 मोहर ;

प्ररूप आई. टी. एन. एस. -----

# भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ध (1) के अधीन स्वना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-I, मद्राय

मद्राप, दिना ; 9 अप्रैल 1985

निर्देश सं० 131/ितम्बर/84---आः मुझे, प्रेम मालिनी वासन

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रहा से अधिक है

बीर जिनकी सं०एन० नं० 162/गर्टटी० एस० सं० 85 है जो नहुत्रकरें गात्र में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रिजस्ट्रीकर्ती अधिकारी के कार्यालय अन्नानगर वस्था० सं० 3135/84 में भारतीय रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 ा 16) के अधीन, तारीख स्तिम्बर 1984

को पूर्योक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य सं कम के इरयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथा पूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके इरयमान प्रतिफल सं, एसे इरयमान प्रतिफल के पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित में नास्तिवक रूप से कथित नहीं किया गया है :——

- (क) अन्तरण में हुई किसी ज़ाय की बाबस, उक्स अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लए; आंर/या
- (स) ऐसी किमी आय या किसी धन या जन्य आस्तियों का, जिन्हा भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या जकत अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनाथ अन्तिरती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

नतः अव, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के बनुसरण कें, मैं, उन्त अभिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिकित व्यक्तियों, अर्थातु:—

1. श्री सी० थिरूवेनगडम ।

(अन्तर्यः)

 श्री एस० भारभरत और श्रामता बो० भुवनेश्वरी। (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यनाहियां करता हूं।

उक्त संपत्ति के वर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अविधि या तत्संबधी व्यक्तियाँ पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि वाद में समाप्त होती हों, के भीतर पूर्विकत स्थितियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- . (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख सं 45 दिन के भीतर उक्त स्थादर मपत्ति में हितब्द्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधाहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेथे।

स्पष्टीकरणः - इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

## **मन्स्**ची

भूमि---नवुव हरें गांव, टी० एस० सं० 85, ंशाट नं० 2290।

(दस्तावेज सं० 3135/84)

त्रेम मालिनि वासन सक्षम प्राधिकरी (सहायक आयक्षर आयुक्त (निरीक्षण) अजन रेज-I, मद्रास

त.रीख . 9-4-19**8**5 मोहर : ४० प कार् व दीव ध्रव एसव-

अत्यक्षण अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-व (1) के अधीन स्वना

## मस्य सहकार

कार्यालय,, सहायक भायकर जायुक्त (निरीक्षण)

श्चर्जन रेंज-I, मद्रास

मद्रास, दिनाक 1 अप्रैल 1985

निर्देण स० 132/सितम्बर/84--अन मृक्षे, प्रेम मालिनि वासन

आयक्तर अधिनियम 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसमें प्रमात 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की भार २६९-म ले अधीन सक्षम प्राधिकारी की यह विश्वास करने के कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उजिल बाचार मृस्य 1,00,000/- क से अधिक है

जार जि की सक एम सक 207, पार्ट-2 है, जो तिरूमंगलम में स्थित हैं (थार इस्से उप. तह अन्सची में और पूर्ण क्य से वर्णित हैं), रिनिस्ट्री ति एशिनारी के स्थितिय अक्षा नगर दम्तिके सक 3137 में भारतीय रिजस्ट्रीकरण क्षितियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तरीख सितम्बर 1984 को प्राचित समपित के उषित बाजार मृत्य से कम के क्षयमान प्रतिकत समपित के उषित बाजार मृत्य से कम के क्षयमान प्रतिकत को गई हैं और मुक्ते यह विश्वास करते का कारण हैं कि यथाप्यदिय मपित का एकिन बाजार मृत्य असके स्थयमान अतिकत से अधिक हैं और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे बन्तरण के लिए तम पामा गया अतिकन, निम्निस्तित उदयेष्य से उक्त अन्तरण कि निम्नित के सम्तरण कर सिकत

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधि-नियम के अधीग कर दोने के बन्तरक के दायित में कभी करने या उससे अधने के सृषिभा के लिए, और/वा
- (ख) ऐसी किसी जाय वा किसी धन मा अन्य आस्तियाँ का जिल्ह भारतीय अयकार अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अभिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के अयोजनार्थ अस्तिरती ब्वास प्रकट नहीं किया जवा था किया जाना चाहिए था, क्रियानी में स्विधा के सिए;

अत अब, उक्त अधिनियम कौ भारा 269-ग के जनसरम में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् 1 श्रीमती नेदस्य भा और श्राप्त।

(भन्तरः)

2 श्री बी० व्यासा राज।

(भ्रन्तरिती)

का यह सूचना जारी कारके पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्थन के जिए कार्यवाहिया कारता हूं।

उक्स सम्पत्ति को अर्जन को सम्बन्ध में कोई भी नाक्ष्मेप रू---

- (क) इस मूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सवधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील में 30 दिन की अविधि, जो भी वर्षी वाय में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वार;
- (ख) इस समना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीखं से 45 जन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में वित्रवर्ष किनी अन्य व्यक्ति ज्वारा अधाहम्लाक्षरी के पास लिएन में विग्र जा सकींगे।

स्पष्टीकरण: ----इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदौं का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होंगा जो उस अध्याय में दिया गया हैं।

#### अनुसुची

भूमि और निर्माण—निष्यगलम, नर्ने मं० 207। (दस्ताक्षेज स० 3137/84)

> प्रेम मानिनी वासन नक्षम प्राधिकारी सहायक् स्नायक्ष स्त्रायुक्त (निरीक्षण) स्रर्जन रेज-I, मद्रास

नारीख . 1-4-1985

मोहर :

प्रकृष शाहर ही , एन , एस , ... ...

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-क (1) के अधीन सुचना

#### भारत सरकार

कार्यालय, महायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-I, मद्रास मद्राप, दिनांश 19 श्रप्रील, 1985

निर्देश मं० 133/भितम्बर/84---श्रतः मुझे, प्रेम मालिनि वासन

मायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसमें पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन, सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपरित, जिसका उचित बाजार मृल्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिल्ही मं अर्थार एम ने 40 है, जो पेरियाकुदल गांव में स्थित है (और इससे उपाबद्ध सूची से और पूर्ण च्य में वर्णित है) रिजस्ट्री तो अधिकारी के कार्या ने , असा नगर, वस्ता वेतसं अ 3144/84 अनुसूची में भारतीय रिजस्ट्री करण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन तारी कि नितस्बर 1984 को पूर्वोक्त संपरित के उचित बाजार मृन्य में कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृन्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिकात से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल का निम्निलिसत उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित में वास्तिक रूप से किथा नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई कि जी बाय की बावस, उक्स अधिनियम के वधीन कर दोने के अभ्यारक के पासिक में कभी करने या उससे अधने में अधिका के लिए; और/या

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्सरण मों, मीं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की उपधारा (1) को अधीन, निम्नलिभित व्यक्तियों, अर्थात् :--- 1. श्री एम० थॉम :।

(स्रन्तरह)

2. श्री सरस्वती सीरिराजन।

(श्रन्तरिती)

को यह स्चना जारी करके प्रबेंकत सम्पत्ति के अर्थन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कांग्रें भी भाकांप :---

- (क) इस स्थान के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियाँ पर स्थान की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर प्रविक्ष व्यक्तियाँ में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (च) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस है 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितवसभ किसी जन्म व्यक्ति हुत्रारा अभाहरनाक्षरी के नाम लिसित में किए का सर्कारन

स्पष्टीकरणः --- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम को अध्याय 20-दः में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया हैं।

## मन्स्ची

भूमि और निर्माण—ग्रार० एस० नं०४०,पेरियाकृदन गांव। (दस्तावेज सं० 3144/84)

> प्रेम मालिनि वासन स्थान प्रावितारी सहायस म्रायसर प्रायुक्त (तिरोक्षण) मर्जन रोजना, महाल

तारीख: 19-4-1985

महिर 🕹

प्ररूप आई. टी. एन. एस.----

अग्नयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की **धारा** 269-च (1) के अधीन सं**धना** 

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक जायकर आयक्त (निरीक्षण)

श्रार्गन रेज-1, मद्रान

मद्रा 🖔 दिनाक 👂 श्रश्नेल. 1985

निर्देश स० 136/पर्वे/84---मा मझे, प्रेम मालिनि वासन

ब्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पहचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा 269-ख के अधीन मक्षम प्रधिकारी का यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचिरा वाजार मृन्य 1,00,000/- रा. से अधिक हैं

अंत जिनकी से प्लाप्ट ने 2235 बना मिन 9ए०, टी॰ एतिए ए हैं जो श्रामा नगर, महान-40 में स्थित हैं (और इन्ने उपावह में और प्णा का में प्रीणन हैं), रजिस्ट्री ती श्रामितारी के नायित श्रामिता नगर दस्तावेज मं० 3374/84 से भारतीय रजिस्ट्री तम श्रामिता श्रामिता में 1908 (1908 वा 16) में श्रीतानारी के तिस्कर 1984

को पूर्वाक्त सम्पत्ति क उचित बाजार मूल्य से कम के क्ष्यमान प्रतिफल के तिए अनिरित की गई है और सूमें यह विश्वास करने का कारण ही कि यथापूर्वाक्त सम्मन्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिक्षत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरका) और अन्तरिती (अन्तरितियाँ) के बीच एम अन्तरण के लिए तय पाया गया रितिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित में सम्हितिक रूप से कथित नहीं किया गया है ---

- (क) अन्तरण में हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के उर्णण्या में कमी करने या उससे बाबने में स्विता के लिए, और/या
- (स) एमं किसी आय या किसी भन या अन्य आस्मियों ना, किन्य प्राप्टिश्य आयन्त्र अधिनियम, १६५५ । १५५८ की 11) या उक्त अधिनियम, या भन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के या किया जाना चाहिए चा, छिपाने में मृविधा के निरा:

अत: जब, उच्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनमरण में में, उपन अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के के अधीन निम्निलियन व्यक्तियों, अर्थान :—— . 22—860/185 ा श्री दी जिसस्सर।

(शाहार्य)

2. श्री कॅं० पटम नाबन और रिजिनि पटमनायन। (श्रन्तरिती)

को यह सूचना आरी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्धन के लिए कार्यवाहिया शुरू करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी बाक्षेप :---

- (क) इस म्चना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी से 45 दिन की अविध या तत्मम्बन्धी व्यक्तियों पर मूचना की तानील में 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीकत व्यक्तियों मां किसी व्यक्ति द्वारा .
- (ख) इस मूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख सं
  45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यवित द्वारा अधांतस्ताक्षरी के पास लिखित में कियं जा सकरें।

स्पष्टीकरण — इसमे प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-के में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

#### अनुसुची

भूमि और निर्माण प्लाट १० 2235, श्राप्ता लगर, मद्रास-

दम्नावेज स० 3374/84)

श्रेम मान्तिनि वासन सदाम प्राधि गरी सहाय **भा**य र **श्राय**क्त (निरीक्षण) **भ**र्गन रेंज-1, मद्रास

नारीख 9-4-1985 **मोहर** ॥

## प्ररूप आई. टी. एन. एस. -----

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-व (1) के अधीन सूचना

## भारत सहकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

श्चर्जन रेंज-1, मद्रास

मद्रास, दिनां ह 19 खरील, 1985

निर्देश सं० 137/सर्वे 84--श्रतः मुझे, प्रेम मालिनि वासन

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है, की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रा. सं अधिक है

और जिसकी सं० भ्रमनावरम गाँव, कुजीनाशकव स्ट्रीट में स्थित है (और इससे उपाबद्ध में और पूर्ण रूप से वर्णित है) रिजस्ट्रीकर्ती भ्रधिकारी के कार्यालय भ्रमा नगर दस्ता० मं० 3353/84 और 3354/84 में भारतीय रिजस्ट्रीकरण भ्रधि-नियम, 1908 (1908 का 16) के भ्रधीन तारीख सितम्बर 1984

का पूर्वेक्ति सम्पत्ति के उधित बाजार मृत्य से कम के दश्यमान प्रतिफल को लिए अन्तिरत की गइ है और विश्वास करने का कि यथा पूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे उदयमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिकात से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देरिय से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :---

- (क) अन्तरण से हुई किसी जाय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने यें सुविधा के लिए: और/या
- (क) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रणोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अत: अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के उन्सरण में, में. उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के ज्योन, निम्नीलिखन व्यक्तियों. अधित:—— श्री एल० भ्रार० विसवेसवर राव।

(भ्रन्तरक)

2. श्री पी० बी० कोटा रामकापाल और सी० राम प्रिया देवी।

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्त के वर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त संपर्ि के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी जबिध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की सारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध किसी अन्य स्थिक्त द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ हक्षेगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

## मन्स्यी

भूमि आर निर्माण----**श**मनावरम गांव, कृजी जामकन स्ट्रीट।

(दस्तावेज सं० 3353/84 और 3354/84)

प्रेम मालिनि वासन सक्षम प्राधिकारी महायक ग्रायकर **धा**युक्त (निरीक्षण) श्रजैन रेज-1, मद्रास

तारीख 19-4-19**85** मोक्षर : प्रकार वाह¹़ दी. एनं , एसं , न्यान्यान्य व्यवस्थान

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-म (1) के अधीन सुचना

#### भारत सरकार

. कार्यालयः, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

भार्जन रेज-1, मद्रास

मद्राम, दिनाक 9 प्रप्रैल, 1985

निर्देश स० 140/सर्वे/84--अतः मुझे प्रेम, मालिनि बासन बायकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उच्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सपत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 1,00,000/- रु से अधिक हैं

और जिसकी स० टी० एस० स० 29/- ज्लाट न० 549 है, जो प्रिटिन प्रश्ना नगर, मद्राप्त में स्थित है (और इसमें उपावद्ध में और पूण एप से विणित है), रिजिस्ट्रीवर्ती प्रधिनारी के नार्यालय प्रश्ना नगर दस्तावेज स० 3346/84 सें भारतीय रिजिस्ट्रीकरण प्रधिनियम, 1908 (1908 ना 16) के प्रधीन, नारीख सिनम्बर 1984

को प्रवेक्त संपत्ति के उचित बाजार मृस्य से कम के क्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मृझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृस्य उसके दश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकां) और अंतरिती (अन्तरित्यों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया यवा प्रतिफल, निम्निलिखित उच्चेष्य से उक्त अन्तरण लिख्नि में शस्त्रविक रूप से कथित नहीं किया गया है;——

- (क) अन्तरण से हुइ किसी आग की नावत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे वचने में स्विधा केलिए; बार्ट/या
- (स) एम किसी श्राय या किसी धम या अन्य आस्तियों जा, जिल्हा भारतीय आगकर आधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयाजनार्थ अतिरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपान में सुविधा के लिए;

अस: अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) के अधीन, निम्ननिधित अधीक्तयों, अर्थात् :-- 1. श्री नाराचन्द जैना।

(भाग्तरक)

2. श्रीमनी गीता जावर।

(भ्रन्तरिर्ता)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हु।

चक्त सम्पर्शि के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षीए :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीब से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वों कर व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वार;
- (स) इस सूचना के राजपत्र मो प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति मों हिसबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिसित मों किए जा सकी।

स्पद्धीकरण:——इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परि-भाषित हैं, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

#### अनुसची

भूमि और निर्माण ग्रेरिन्गर ग्रन्ना नगर, मद्रास-40 प्लाट स० 549। (दस्तावेज सं० 3346/84)

> प्रेम मालिनि वासन सक्षम प्राधिकारी (सहायक भ्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण) भ्राजन रेंज-1, मद्रास

नारीख 12-4-1985 **सांहर** 🛭 नायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा २६९-म (1) के अभीन सुमना

#### सारत सरकार

भागांतम, सहायक जायकर आगृक्त (निरीक्षण)

भर्जन रेंज-I, मद्राप

मद्राल, दिनायः 2 अप्रैल 1985

निर्देण सं० 143/सित् ०/84 -- प्रन: म्झे प्रेम मालिनि

थाधकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें क्सके पस्थाप् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की **धारा** 269-ल के अभीन सक्षम प्राधिकारी की यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 1,00,000 / - रु. से अधिक हैं।

और जि.की मं०टी० एस० म० 43, ब्लाक मं० 9 है, जो डोर सं० 18, 5वा कास स्ट्रीट, धोनोय नगर वेस्ट, मद्रार:-30 में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अन्सूची में और पूर्ण रूप से वर्णिक है) रिजिष्ट्री : ति भ्राधिकारी के कार्यालय भ्रक्षा नगर, दस्तावेज नं ० 3335/84 में भारतीय रजिन्द्रीतरण श्राधिनियम, 1908 (1908 का 16) के भधीन , नारीख सितम्बर 1984

को पूर्वीक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिकाल को लिए अल्लारित की गई है। और मुक्ते यह विक्लाम करन[े] का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार भूज्य, उसके दश्यभान प्रतिफल सं, एने अध्यमान प्रतिफल जा पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और यन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण् लिखित में वास्तविक रूप में कथित नहीं किया गया है:---

- (फ) बन्तरण से हुई किसी बाय की बाबत, उक्त अधि-नियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायिए में कमी करने या असमे बचने में सुविधा के लिए; बौर/या
- (म) एरेगी किसी आय या बिग्रों धन दा कन कर्नान्ट में को, जिन्ह[े] भारतीय जाय-कार विधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, पा भनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयांत्रनार्थ जन्तरिली दुवारा प्रकट नहीं किया गया था, या किया जाना चाहिए था, खियाने में स्विधाके लिए;

वतः वयः, उक्त विधिनियम की धारा 269-य के बनसर्ध में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-व की उपधारा (1) क अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अशीत् :---

श्री टी० थिस्मनानम्।

(भारतरक)

2 श्री प्रधाम सुन्दर दमनी और चार श्रन्थ।

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्थन के लिए कार्यवाहिया करता हु।

## बक्त सम्पत्ति के बर्बन के सम्बन्ध में आई भी आहोए:---

- (क) इस स्थाना की राजपत्र में प्रकाशन की तारीक में 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की शामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अविधि बाद ए समाप्त हानी हा, के भीतर प्वक्ति व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ब) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन बर्ग तारीख से 45 दिन के भौतर उक्त स्थायण सम्परित में हिल-बद्ध किसा बन्य क्यांचन दवारा बदाहरूताक्षरा के पास निमित म किए जा सकेंगे।

स्पष्टोकारण:--इसमें प्रयूजा शब्दों और पदी का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क म परिभाषित हैं, बही अर्थ होगा जो उस सब्याय में दिया। भगही ३

भूमि और तिर्माण सं० 18, 5रा त्राम स्ट्रीट, शेनोय नगर वेस्ट , मद्राप्त-30।

(दस्तायेज सं ० 3335/84)

प्रेम मालिति वासन सक्षम प्राधि:परी महायम आयमर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंग-1, मद्राय

तारीख: 2-4-1985

मोहर:

प्रक्ष्य बाह्र : टी. एक् , एस. - -- -

भायकर औंधनियम,, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-व (1) के अधीन मुकना

#### भारत सरकार

## कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

धार्जन रेंज-1, मदान मद्राम, दिनाक 19 अप्रैल 1985

िनर्देश स० 144/मित०/8ग्र---श्रातः मुझे, प्रेम मालिनि वासन एक्कर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें

आएकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-व के अधीन मक्ष्म प्राधिकारी का, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपीत्त जिसका उचित बाहार मूल्य 1,00,000/- रा. से अधिक है

और जिनकी मं० डोर मं० 12, लक्ष्मी पुरम फस्ट स्ट्रीट. नया श्रवादी स्ट्रीट, निविधक म गढ़ास-40 में स्थित हैं (और देशें ज्याम ज्याम अपन्ति स्ट्रीट, निविधक म गढ़ास-40 में स्थित हैं (और देशें ज्याम ज्याम अपने स्ट्रीट, वर्ष श्रविद्यादी के अपनित्र श्रव्या नगर, दस्तावेज सं० 3332/84 में भारतीय रिजर्ट्योगरण श्रिधिनियम 1908 (1908 वर्ष 16) के श्रिधीन, नारीक सिनम्बर 1984

क्यं पूर्विकत सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य सं कम के ध्रयमान प्रतिफल के लिए जन्तरित की गई हैं और मूफें यह विश्वास प्रम्म का कारण हैं कि यथापूर्विकत सम्पत्ति का उचित बाजार गून्य उसके ध्रयमान प्रतिफल से एसे ध्रयमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिश्वत से विधिक हैं और अंतरक (अंतरकार्) और अंतरिती (पर्वारिश्वा) के बीच एसे कन्यरण के लिए तम पाया गया प्रति-फल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया हैं:—

- (क) तस्तरण से सुध किसी बाय की बाबत उक्त नींध नियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; श्रीद/मा
- (स) ऐसी किसी साय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिस्हा भारतीय बायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उस्त अधिनियम, या भ्य-कर अधिनियम, या भ्य-कर अधिनियम, या भ्य-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया का शा किया शाला साहिए था, कियाने में सुविधा के लिए।

धनः धयः. उथतः अधिनियम की धारा 269-म भैं बन्सस्य में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) के अधीन, निम्निलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :— श्रीमती प्रन्थला राधा बाई।

(भान्तरः)

2. श्रामनी जिया नक्ष्मी।

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी कारके पृष्टिकत उर्ध्योस्त स्टेडर्डन के जिल् कार्यवाहियां करता हुं।

सकत सम्पत्ति के वर्षन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियाँ पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध साथ में समस्त होती हो, के भीतर पृत्रीक्स व्यक्तियों के से किसी व्यक्ति सुवारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र मों प्रकाशन की तारीख से. 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति मों हित-बष्ध किसी अन्य व्यक्ति दवारा, अधिहस्ताक्षरी के पार जिक्कित मों किए आ सकोगे।

स्पच्टोकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदौं का, जो उक्त विधिनियम के अध्याय 20-क में यथः परिभाषित हैं, वहां अर्थ होंगा, जो उम अध्याय में दियह गया है।

## नन्स्ची

भूमि और निर्माण स०-12, लक्ष्मीपुरम, फस्ट स्ट्रीट, नया स्रवादी रोड़ विलीवाक्कम्, मद्रास-40। (दस्तावेज सं० 3332/84)

> प्रेम मालिनि वासन लक्षम प्राधि । री सहायस ग्राप क्षायुष्त (निरीक्षण) श्राप्तन रेंज-1, मद्रास

नारीख 19-4-1985 मोहर ॥

## प्रकृप बाइं. टी. एन. एस्.-----

भागकर विभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-थ (1) के नभीन सुभना

#### भारत सरकार

# कार्यांसय, सहायक आयकर वायुक्त (र्निर्नुक्क) अर्जन रेंज-1, मद्रास

मद्रास, दिनांक 27 मार्च 1985

निदेश ं० 147/रेप/84—अतः मुझे, प्रेम मालिनि वासन, बायकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इस्ट्रेंस् इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूक्य 1,00,000/-रा. से अधिक है

श्रीर जिसकी सं सर्वे नं 221/1 प्लाट स 945, एन ० स्ट्रीट है, जो अन्ना नगर वेस्ट तिरुमन्त्र नाथ मद्रास-40 में स्थित है श्रीर) इसने उपाबद्ध अनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप में वर्णित है), रजिस्ट्री-कर्ता अधिकारी के कार्यालय, अन्ना नगर दस स 3/84/84 में भारतीय रिजस्ट्रीकरण अतिनियम, 1908 (1908 का 16) के अर्थान, दिनाक सिनम्बर 1984,

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के रूपमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास बरन का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूक्य उनके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिक ल का पण्डह प्रतिश से प्रधिक है और अपनरक (अक्तरकों) और अक्तरिती (अन्तरितिपों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथ पाया गया प्रतिफल, किम्मसिबित उद्देश्य से अन्त अन्तरण लिखिन में बास्तविक अप से क्वित वहीं किया गया है।—

- (क) बन्तरण से हुई किसी बाम की वावस, अवस जीभनियम के बभीन कर देने की अन्तरक खें दायित्व में कमी कड़ने या उससे जवने में सुविभा के लिए; बाह्र/था
- (क) एसे किसी बाय या किसी वन या अन्य अस्तियां को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या भन-कर अभिनियम, 1957 (1957 का 27) के अयोजनार्थ अन्तरिती व्यारा प्रकट नहीं किया गया वा वा किया जाना चाहिए था, जिपाने के सिवा के तिए; और/मा

कत: शव, जकत अधिनियम की धारा 269-ण को अनुसरण में, में, उकत अधिनियम की धारा 269-भ की उपभारा (1) को अधीन, निम्मलिखित स्पवित्तयों, अर्थात् ह— *(1) श्री के० पिरमनायकर्मापस्त

(अन्तरक)

(2) श्री के० के० अब्दुल जबार

(मन्तरितो)

को यह सूचना बारों करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्थन के सिए कार्यगाहियां सूक करता हो।

## उच्छ सम्पत्ति के बर्चन के सम्बन्ध में कोई भी बाक्षेप ह---

- (क) इस स्थान के राज्यन में प्रकासन की तारीच से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्थान की तामील से 30 दिन की अवधि, वो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति ब्वाइर;
- (क) इस सूचना के ताजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हिस्स क्ष्मि किसी भन्य म्यक्ति द्वारा, अभोहस्ताक्षरी के पास सिवित में किस का सकेंगे।

स्पन्नीकरण: ---इसमें प्रयुक्त सन्दों बीद पदों का, जो उनके जिपनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, यही जुर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया नवा है।

## वन्स्ची

भूमि और निर्माण प्नाट सं० 945, 17 त स्ट्रीट, अन्ना नगर वेस्ट, तिरुमन्कलम, मद्रास--40 (वस सं० 3184/84)

> प्रेम मालिनि वासन सक्षम प्राधिकारी सहायक धायकर आयुक्त (निरीक्षण) धर्जन रेंज-3, मद्राम

तारीख: 27-3-1985

धोहर 🛭

प्रस्य सार्च. टी. एग. एस.--------

जायकर मीर्पीगयन, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-व (1) ने मर्पीग सूजना

## भारत सरकार

कार्यासय, सहायक आयकर आयुक्त (निर्णक्षिक) अर्जन रेज-1, मद्रास

मद्रास, दिनांक 2 अप्रैल 1985

निदेश सं० 149 मिए 84—अत: मुझे, प्रेम मालिन वासन, बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इससे पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की भारा 269-ख की अधीन सक्षम प्राधिकारी की, यह विश्वाम करने कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 1,00,000/- रा. से अधिक हैं और जिसकी सं० प्लाट स० 4467, टी० एस० सं० 653 हैं जो मुलम गांव में स्थित हैं (श्रीर इससे उपावद्ध में श्रीर पूर्ण कप से विणित हैं), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, अन्नानगर करने अधिक हैं ।

से बणित हैं), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, अन्तानगर दस: सं० 3230/84 में भाग्तीय रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, दिनांक सितम्बर, 1984, को पूर्वेक्स सम्पत्ति के उचित बाजार मृल्य से कम के स्थयमान प्रतिफल के लिए रिजस्ट्रीकर्ता के कार्यालय मैसूर में धारा 269 का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल सें, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्यह प्रतिकात से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरित) को बीच ऐसे अंतरण के निए स्थ पाया गया प्रतिफल, निम्नितिचित उद्दृश्य स उक्त अत्तरण लिखित में वास्तिविक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) बन्तरण से हुई किसी बाय की बायत, उक्त विधि-नियम के विधीन कर दोने के अन्तरक के दामित्य में कमी कारने या उससे विचने में सुविधा के लिए; और/वा
- (क्ष्ण ऐसी किसी जाय या किसी धन या जन्य जास्तियों करें, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उत्तत अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ जन्तिरती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, खियाने में स्विधा के किए;

(1) श्री वि० रामहाळान

(अन्तरक)

(2) श्री मुहम्मद राजवि

(प्रतरिती)

को यह सुचना जारी करके पूर्विक्त सम्परित के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हुं।

## उक्त सम्पत्ति के वर्षन के सम्बन्ध में कोई भी माक्षेप ८---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी जविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्स व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख सं 45 दिन के भीतर उक्त सम्पत्ति में हितबद्ध किमी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहम्ताक्षरी के पाम विचित में किए जा सर्कां।

स्पष्टीकरण:— इसमे प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उसे अध्याय में दिया गया है।

## अनुसूची

भूमि और निर्माण ---- मुलम गांव अन्ता नगर टी० एस० सं० 653 ।

(年年: 3230/84)

प्रेम मालिनि वासन गक्षम प्राधिकारी महायक आयकर आयुत (निरीक्षण) अर्जन रेंज- महास

अतः अव, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण रों, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-थ की उपधारा (1) के अधीन, निम्निलिसित व्यक्तियों, अधित् ह—

'मारीख: 2-3-1985

मोहर 🛭

प्रकृष कार्द , रें , ३३ एड् -----

(1) श्री ॥ १० भारम्बत

(अन्तरक)

(2) श्री एन० कोदन्दर्भ

(जन्मारती)

भागकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 260-ध (1) के अधीन सुचना

#### प्रारुत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-1, मद्रास

मद्रास, दिनाक 29 मार्च 1985

निदेश सं 150/सर्वे/84—अतः नुझं, बेम मालिनि वासन, शायकर अधिनियम, 1961 (1961 वंग 43) (जिसे इसमं इसके परचान 'उक्त अधिनियम' कहा गया हो।, की धारा 264-ए क अधीन निधन अधिनियम करने का सारण हो। के स्नावन सर्वान्य अधिन हो। विकास करने का सारण हो। के स्नावन सर्वान्य अधिक हो।

श्रीर जिनको स० मर्वे स० 9/2 है, को पो.टनव काकी गांव, स्वाम तलुक से क्यित है (श्राप इसते उन बढ़ म श्रीप पूर्ण रूप ने विभिन्न है), प्रजिन्द्रीयति अविकास के स्विनिय, पूरमत्व तम दस स० 1910/84 में भारतीय रिजस्ट्रीयरण सीवित्तियम, 1908 (1908 दन 16) के जलील, दिना विभाग्य 1984,

- का पूर्वोक्त सम्पत्ति के अचित बाजा मृत्य में कम के दृश्यमान प्रांतफल के लिए अन्तरित का गई है और मफे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य पावः दृश्यमान प्रांतफल का प्रांतफल, जिम्मालिखन उद्देश्य में उपन प्रकारण के प्रांतफल, निम्मालिखन उद्देश्य में उपन प्रकारण के प्रांतफल का का प्रांतफल का प्रांतफल का प्रांतफल का का प्रांतफल का का प्रांतफल का का प्रांतफल का प्रांतफल का का प्रांतफल का प्रांतफल
  - (क) अन्तरण से हुई किसी शाब की बाबत उन्त अभिन निष्म के अभीन कर दोने के अन्तरफ के यायित्व में कसी करने या संग्रमे बचने में सृविधा औं निए, श्रीय/या
  - (क) एसी किसी बाय का किसी धन वा अन्य नास्तियाँ को, जिन्हें भारताय वायकर विधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त निधिनियम या धन कर निधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ जन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया या या विद्या जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए:

की यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्मिति के अर्जन के निध् कार्यवाहिया करता हो।

् उक्त सम्पत्ति के अर्थन के सम्बन्ध में कोंडें भी वाक्षेप :--

- (क) इस सूचना क राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविध या तरसम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील स 30 दिन की अविध, जा भी अविध बाद में समाप्त होता हो, के भीतर पूर्विकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा,
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थानर सपिता में हितबद्ध किसी अन्य र्याक्त द्वारा अधीत्स्ताक्षरी के पास निष्धित में किए जा सकेगी।

स्पष्टीकरण: -- इसमें प्रयुक्त राज्यों और पदों का, जा उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा को उस अध्याय में दिया मुंबा हैं।

#### नन्स्यी

भूमि श्रीर निर्माण-पटिनायानपट्टी गाव सर्वे यं० 9/2 (दस मं० 1910/84)

प्रेम मालिति वासन सक्षम प्राधितारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) नअर्जरोज-I, मद्रास

अस: अब, उक्त अधिनियम की भारा 269-म के अन्सरण के, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-च की उपभारा (1) के अभीत निम्नलिकिन व्यक्तियों. अधीत :

दिनाक 29-3-85

मोहर:

प्रकृष बाह्य . टी. एन. एच , -----

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ध (1) के अधीन स्वना

#### भारत सरकार

## कापालय, सहायक आवकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-1, मुद्रास

म ास. दिसांक 13 माच 1985

15/स्तम्बर/84--शतः मुझ, प्रेम मार्लिन निदेश सं० वासन,

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें ुतके पश्चात् 'उक्त अधिनियस' कहा गया है), की धारा 269-स के जधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित वाजार मृत्य 1,00,000 / - ਨਾ से अधिक है।

श्रीर जिसकी संव मर्वे नंव 106/50 है, तथा जो अलकापुरम गान, सेलम ताल्या में स्थित है (श्रीर, इससे उपाबद्ध श्रत्मूची में श्रीर पूर्ण रूप मे वर्णित है), रिजिस्ट्रीयती अधिकारी के कार्यालय मुरमन्दरूप दस : सं 2013/84 में भागतीय न्धिरट्रीवरण अधिनियम. 1908 (1908 का 16) के अधीन, दिलांक सितम्बर 1985,

की पूर्वीक्त सम्पत्ति के उचित्र बाजार मृत्य से कम के इध्यभान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई और मुक्तेयह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वीक्त संगीस का उचित बाजार मुल्य, उसके इत्यमान प्रतिकल से, एसे इत्यमान प्रतिकल का पंबह प्रतिशत से अधिक हैं और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितयों) के बीच एते अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिकल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गगा है :--

- (क) अन्तरण में हुई किसी साम की बाबत, उक्त अधिनियम को अधीन कर योगे को अन्तरक को दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (स) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हीं मारतीय बाब-कार बिधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या **धनकर अधिनियम, 1957 (1957 क**न 27) के प्रयोजनार्थ अन्सरिली द्वारा प्रकट नहीं किया गवा था या किया जाना चाहिए था, व्हिपाने में स्विधा के लिए;

अत: अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण मों, मीं उक्त अधिनियम की धारा 269-भ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात :---

23-8601185

(1) श्री आर० परमकमसम

(अन्तरक)

(2) श्री मैण्ड एन० हेमा

(भ्रन्तरिती)

को रह सुकना जारी करके पूर्वीक्स, सम्परिय के अर्थन के लिए कार्यवाहिया करता हो।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के मंबंध में कोई भी बाक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस सं 45 दिन की दब्धि या तुरसम्बन्धी व्यक्तियों पर सृष्यनाकी तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अवधि बाद में ग्रमाप्त होती हो, के भीतर पूर्वों कर स्वीरतकों में ने किसी व्यक्ति हुवारा,
- (का) इन्छ स्थना के राजपण में प्रकाशन की तारीज से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति इवारा अधोहस्ताक्षरी के पास निश्चित में किए आ सकेंगे:

स्वष्टिकरणः ---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अभिनियम, को जध्याय 20-क में परिभाषित हैं, यही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया Pist St.

## जनस्**पी**

भूमि और निर्माण अलकापूरम गांव, सेल्म ताल्कः (इस सं० 2013/84) ।

> प्रेम मालिति वासन सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज,-I, मद्रास

तारी**ख** : 13-3-1985

मोहर '

प्रथम वाहं. टी. एन. एस्.-----

नायकर विधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269 में (1) की वर्धीन सुभा

#### शारण सरकार

## कार्यासय, सञ्चयक सायकर व्याम्बत (निश्रीकाष) अर्जन रोज-1, मद्रास

मद्रास, दिनांक 19 अप्रैल 1985

निदेश सं 153/सिन | 84 ननः मुझे, प्रेम मानिनि वासन, शामकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चाम 'उन्तर अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह निवसम करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्सि, जिसका उचित बाजार मृष्य 1,00,000/- रा. से अधिक है

श्रीर जिसकी मं 53 है, जो 53 डिक्लपन स्ट्रीट, मद्राम-21 में स्थित है (श्रीर इममें उपावद अनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप में विणित है), रजिस्ट्रीकर्ती अधिकारी के कार्यालय मद्राम सण्ट्रल दस: मं 932/84 में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनयम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, दिना क सिलम्बर 1984.

को पूर्वोक्त सम्परित के उचित बाजार मृत्य से कम के रहममान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गर्द है और मुभे गृह विश्वास करने का करण है कि यथाप्वोक्त सम्परित का विश्व बाजार मृत्य, उसके रहममान प्रतिफल तो, एसे रहममान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिश्वत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरको) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एमें अन्तरण के निए स्य पाया गया प्रतिफल निम्निचित उद्देश्य से उसत अन्तरण लिखित में वास्तियक रूप से अधिक नहीं किया गया है:---

- ्राहे सन्तरक वे हुई कियी कात को शावस, सक्छ पश्चिक्य के संधीत कर देते के श्वासरक के राजित्य भें क्षती करने मा उसमें स्वाने भें सुविधा से सिक्ष: कॉर/शा
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य अस्तियों को जिन्हों भारतीय गायकर अधिनियम, \$32\$ (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, अर अन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) अधिपांजनार्थ अस्तिन्ती क्यारा एकर तहीं किया क्या था या किया जाना वाहिए या क्यान में स्विधा की लिए।

(1) श्री अशोक कुमार ग्रांर अन्यों ।

(अन्तरक)

(2) श्री ववरताल और अन्यों।

(अन्तरिसी)

को बहु सूचना आरो कारको पूर्वोक्त सम्पत्ति को अर्जन को लिए कार्यगाहिया कारता हूं।

उक्त संपत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना को राजपत्र में प्रकाशन की ताहीय के 45 दिन की जनिभ या तत्सम्बन्धी व्यक्तियाँ पर सूचना की तामील से 30 दिन की जनिम, जो भी समि वाद में समाप्त होती हो, को भीतर पूर्वोक्त क्विस्तयों में से किसी व्यक्ति क्वारा;
- (ख) इस सूचवा के राज्यत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उन्दर्भ स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अभोहस्ताक्षरी के पास निकास में किए जा सकरेंगे।

स्यव्होकरण ---इसमें प्रयुवत शब्दों और पदि का, जो उन्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ देना को उस अध्याप यें, दिया गया है।

#### MAGNET

(निर्माण सं० 53, डिस्पलसन स्ट्रीट मद्राम-21 है। (दस : सं० 932/84)।

> प्रेन मालिनी वासन सक्षम प्राधिकारी सहायक भ्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज,, मद्रास

जतः जव, अक्त जिथिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण कों, भी, उक्त अधिनियम की धारा 269-च उपधारा (1) है अधीन, निम्निलिक्त व्यक्तियों, अर्थातः

दिनांक : 19-4-85

मोहर:

प्ररूप आई.टी.एन.एस. -----

बायकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) को अधीन सुचना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आवत्य आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-I, मदुराई

मुदराई, दिनाक 19 अप्रल 1985

निदेश स० 55/सितम्बर/84—अतः मुझे, वी० एम० मुत्तुरामनिगम,

नायकर अधानयम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की भारा 269-ख के अधीन सक्ष्म प्राधिकारों को यह विस्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका जीवत बाजार कृष्य 1,00,000/- रा. से अधिक है

और जिसकी सं० टी० एम० स० 4, पुन्चा भूमि है, जो दिडुकल टाऊन में स्थित है (श्रीर इसमें उपाद्यद्ध अनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, दिडुकल दस: सं० 1490 में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1890 का 16) के अधीन, दिनांक सितम्बर 1984,

को पूर्वीक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मुख्य ते कम के क्यमांन की गुक् प्रतिफल के तिए **मन्तरि**त मुक्के यह विक्वास करने का कारण सम्पत्ति का उच्ति बाजार मून्य, उसके स्थ्यमान प्रतिकव से., एसे स्थमान प्रतिफल के पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंस-रक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अंत-रण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निसिश्त उद्दोश्य से उक्त अंतरण निष्ठित में बास्तविक रूप से कथित नहीं गया £ E---

- (क) अन्तरण सं हुई किसी जाय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सूविधा के लिए; और/या
- (क) एसी किसी बाय या किसी घर या अन्य आस्तियों की, जिन्हों भारतीय जायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए.

अतः अबः, उक्त अधिनियम की धारा 269-म्ब कं अन्अरण में, मैं, अक्त अधिनियम की धारा 269-म्ब की उपधारा (१) के अधीन, निम्निलिम्ब व्यक्तियों, बर्धात् :---

(1) श्री (व० आरुमुगम

(अन्तरक)

(2) श्री एम० पा० करूपैया पिफल

(अन्त(रती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए 'कार्यवाहिया शुरू करता हु।

उनत संपत्ति के अर्जन के सबध में कोई भी बाक्षेप :--

- (क) इस तुंचना के राजपत्र मों प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पढ़ सृणना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध साम में समाप्त होती हो, के भीतर पृत्रों कत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबक्ध किसी अन्य व्यक्ति व्वाय अधोहस्ताक्षरी के पास निमित्त में किए जा सकींगे।

स्यष्टीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-के में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

## भग्स्की

पुन्ता म्मि मे टी० एस० न० 4/दिडुकल दस: स. ० 1490/ 84 ।

> वी० एम० मृत्तूरामिलगम सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, मदुराई

दिनांक : 19-4-1985

मोहरु 🗓

प्ररूप बाइ टी. एन . एस . -----

कायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-भ (1) के अभीन सुचना

#### भारत तरकार

## कार्याचय, सहायक झायकर आवृक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, मबुराई

मद्राई, दिनांक 19 अप्रेल 1985

निवेश स॰ 56/सितम्बर/84—अत: मुझे, वि० एम० मुत्तु-रामिसिंगम,

नायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उनत अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 1,00,000/- रा. से अधिक है

त्रीर जिसकी सं० भूमि श्रीर मकान में टी० एस० सं० 65 है, तथा जो दिड़कल टकन में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से विणत है), रिजस्ट्रीकर्ती अधिवारी के कार्यालय, दिडकल दस : सं० 1459,84 में भारतीय रिजस्ट्रीक्टरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, दिनांक सितम्बर 1984 को पूर्वोक्स सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दूरयमान श्रतिफल के लिए अन्तरित की गई और मूले यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्स सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दूरयमान श्रतिफल से एसे दूरयमान श्रतिफल का पन्द्रह प्रतिकात से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण कियत में बास्तियक रूप से किथत नहीं किया गया है :—

- (क) अन्तरण से हुंड़ै किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरण के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ख) एसी किसी बाय या किसी धन या अन्य नास्तियों का, जिन्हें भारतीय नाम-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उसत निधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के लिए;

अस: अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-म के अन्सरण म, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीर, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--- (1) श्री ए० सक्केर आसारी

(अन्तरक)

(2) श्रीमती पर्मावती अममाल ग्रौर अन्यों

(अन्त[रती)

का भह सूचना जारी करके पूर्वक्त सम्पत्ति के अर्थन के लिए कार्यवाहिमा सूरू करता हुं।

## उक्त सम्पत्ति के क्षर्जन के संबंध में कोई भी बाध्येप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तार्राख से 45 दिन की सर्वाध या तत्संबंधी व्यक्तियाँ पर सूचना की सामील सं 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोकत व्यक्तियाँ में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीं सं 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित- क्यूध किसी अन्य कावित य्वारा, अधाहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा मकेंगे।

स्पष्टीकरणः - इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधि-नियम के अध्याय 20-क में पीरभाष्ति हैं, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया

## प्रन्युची

भूमि श्रौर मकान में टी० एस० स० 65 वार्ड सं० 3, दिडकल टाउन (दस : सं० 1459/84) ।

> बी० एम० मुलूरामलिंगम सक्षम प्राधिकारी स**हाप**क भायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-, मदुराई

विनांक: 19-4-1985

मोहर:

प्रकप आई.टी.एन.एस.-----

कायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-व (1) के अधीन सूचना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सद्दायक जायकर आयुक्त (जिरीक्षण) अर्जन रेंज, मदुराई मदुराई, दिनांक 19 अप्रैल 1985

निदेश स॰ 57/सितम्बर/84—अतः मुझे, वी० एम० मुत्तू-रामलिगमः

मायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हों), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रहा से अधिक हैं

श्रीर जिसकी म० टी० एस० सं० 782, भूमि श्रीर मकान है, जो दिङ्कल टाऊन—4 बारड में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से विणित है), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, दिइकल दम : म० (1660/84) में भारतीय रिजस्ट्रीकरणअधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, दिनाक मित्तम्बर, 1984,

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित वाजार मृत्य से कम के फरमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुम्ने यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके रुश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितयों) के बीध एसे अन्तरण के लिए तब पामा गया प्रतिफल, निम्निलिशत उच्देश्य से उक्स अन्तरण विशिषत में वास्तरिक रूप से किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आम की, बाबस, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दावित्य में कभी करने मा उससे बचने में स्विधा के लिए; और/या
- (क) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाता चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अत: अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मी, उक्त अधिनियम की भारा 269-घ की उपभारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थाल् हु—- (1) श्री डी॰ चन्द्रसेकरन

(अन्तरक)

(2) श्री चिन्न-काले और अन्यों

(अन्तिरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्थन के लिए कार्यवाहिकां करता हो।

चक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस स्वना के राजपण में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अविभ या तत्संबंधी व्यक्तियाँ पर स्वना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियाँ में किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इसस्प्रमा के राज्यम में प्रकाशन की तारीब से 45 जिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हिलबद्ध किती उन्य व्यक्ति द्वारा अधाहस्ताक्षरी के पांच सिचित में किए जा सकरी।

स्वस्तिकरण : इसमें प्रयुक्त कब्दों और पदों का, को उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, यही अर्थ होगा जो उस अध्याय में धिया गया है:

### वन्स्ची

भूमि और मकान में टी० एस० सं० 7821, वारड सं० 4, दिंडुकल (इस: सं० 1660,84)

वी० एम० मृत्तूरामिलगम सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुख्त (निरीक्षण) नर्जन रेंज, महुराई

दिनांक : 19-4-1985

मोहर 🛭

## प्रस्पः बाद् ्टी ,एन _एव _-----

अध्यक्तर निर्मित्रम्म, 1961 (1961 का 43) की भाष 269-अ (1) के अधीम मुचना

#### ELZE SZAIS

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, मदुरै

मदुरै, दिनांक 19 अप्रैल 1985

निदेश सं० 58/सितम्बर/84---अतः मुझे, वी० एम० मृथुरामर्लिगम,

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परमात 'उक्त अधिनियम' कहा ह्या हैं), की भारा 269-क के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास कारने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उधित वाजार मृन्य, 1,00,000/- रा. से अधिक है

श्रीर जिसकी सं० भूमि टीर्फ एस० मं० 2064/1, 2064/2, 2066/1ए तथा 2067 है, जो दिङ्कल में स्थित है (श्रीर इससे उमाबद अपुत्रों में श्रीर पूर्ण रूप से विज्ञित है), रिजस्ट्रीकर्ता अधिहारी के कार्यालय, दिङ्कत दस्ता: म० 1652/84 में भारतीय रिजर्स्ट्रीकरण अधिनयम, 1908 (1908 का 16) के अधीन सितम्बर, 1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृन्य से कम के इश्यमन प्रतिफाल के लिए अंतरित की गई हैं और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण हैं कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार बृत्य, उसके दश्यमान प्रतिफाल सें, ऐसे दश्यमान प्रतिफाल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक हैं और अन्तरक (अन्तरकों) और बंतरिती (अंतरितियों) के बीच ऐसे अंतरण के लिय तय पाया प्या प्रतिफाल निम्नीनिश्चित उद्देश्य से अक्त अन्तरण भिष्ठित में मास्त्रीयक कम से काँभन नहीं किया गया हैं:--

- (स्त) वनरण से हुइ किसी नाथ की बाब्दा, उपलय अभिनियम के नभीन कर दोने के अन्तरम के याभित्य में कभी करने या उक्की बचने में सुविभा के किए; मीक्र/का
- (ब) एसी किसी आय जा किसी जन या जन्म अस्तिकों की, जिन्हों भारतीय आय-कर अधि। नयज्ञ, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, श भन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ जन्दीरियी ब्लारा प्रकट नहीं किया महा या वा किया जाना जाहिए था, क्वियान से श्रीक्षा के जिए,

मतः वन, उसत मिनियम की भारा 269-ग के जनसरण व, म, उसत मिनियम की भारा 269-भ की उपभारा (1) के सभीन, निम्निसिश्चत स्पिन्तियों, सर्थात् :---

(1) श्री पी० अलगरसामी ।

(अन्तरक)

(2) श्री एस० एम० बी० मानिकम माडार।

(अन्तरिती) ं

को यह सुभवा चारी करके पूर्वोक्स-सम्परित के अर्थन के निए कार्यवाहियां 💢 र करता हुई ।

उक्त सम्मत्ति के वर्षन के सम्बन्ध में कोई भी बाक्षेप :---

- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीब से 45 दिन की नविभ या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्वना की तामील से 30 दिन की नविभ, को भी नविभ बाद में समान्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्स व्यक्तियों में से किसी म्युक्ति इवाराः
- (व) इस क्षान के राज्यन में प्रकाशन की तारीन से 45 विष् के बीतर क्ष्मत स्थानर सम्मात्त में हितबव्ध किसी सम्मा कामित क्ष्मारा स्थाहस्तासाड़ी के पास विश्वत में सित्य सा सकोंने (2)

ल्ब्बिकरणः -- इसमें प्रयुक्त कृष्यों और पर्या का, की उभर वीधनियम के बध्याय 20-क में परिभाषित हैं.. यहीं वर्ष होंगा को उस सध्याय में दिवा गया है।

### यम्स्य

भूमि में टी॰ एस॰ सं॰ 2064/1; 2064/2, 2066/1ए तथा 2067 में दिडूकल (दस्ता॰ : सं॰ 1652/84)

> वी० एम० मुखुरामलिगम सक्षम प्राधिकारी सहायक स्रायकर स्रायुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, मदुरै

दिनांक: 19-4-1988

मोहर ह

## प्रकृष बाद्दे ही . एक् . मुख्य . ......

वाक्कर विधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-म (1) में विधीन स्वना

#### शास्त्र रहकाल

## कार्यालव, तहायक गायकर जावृक्त (एँनरीक्षण) अर्जन रेंज, मदरै

मदुरै, दिनांक 19 अप्रैल 1985 निदेश सं० 59/सितम्बर/84—अतः मुझे, बी० एम० मृथुरामालिंगम,

गायकर अविनियन, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें सके वश्वात 'उस्त विधिनियम' कहा गया हैं), की भारा 269-च के जवीन सक्षन प्राधिकारों को वह विश्वाध करने का धरण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 1,00,000/- क. से अधिक हैं श्रीर जिसकी सं० 1 है, जो दिंड्कल दाउन में स्थित हैं (श्रीर इससे उपाद्ध अनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से विणान है), रिजस्ट्रीकर्ती अधिकारों के कार्यालय, विङ्कल दस्ता० मं० 1627/84 में भारतीय रिजस्ट्रीकरण अधिन नियम, 1908 (1908 का 16)के अधीन दिनांक 20-9-84

नियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन दिनांक 20-9-84 को पूर्वोक्त सम्पत्ति को उपित बाजार मूक्त ते काम के दृश्यक्त दिखन के सिए अन्तरित की गई है और मूक्ते यह विश्वकाध हरने का कारण है कि वथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उपित अजार मूक्त उसके दृश्यकान प्रशिक्ष हैं और वंतरक (अंतरकों) और वंतरिती (अंतरितियों) के बीच ऐसे जंतरक (अंतरकों) और वंतरिती (अंतरितियों) के बीच ऐसे जंतरक से जिस्स वंतरकों निवास का प्रतिकृत , निक्तिवित उपकृत्य से अवत जंतरक निवास में अस्तिक रूप से किया गया प्रतिकृत रूप से किया गया हैं:----

- (क) वस्तरण ये हुए किसी बाव की बावत, उनस अधिनिवर, के अधीन कत दोने के बन्तरक के व्यक्तिय में कनी करने या उनसे अभने में सुविधा के बिक; ब्लीट/बा
- (क) एसी किसी जान वा किसी का वा कान कारिकारी को चिन्हें भारतीय जायकार जिन्हें नारतीय आयकार जिन्हें का 1922 (1922 का 11) मा उनत जिनियम, या भन- अर जिन्हों नियम, 1957 (1957 का 27) के प्रवोजनार्थ जनतिरती द्वारा प्रकट नहीं नियम गया वा या किया जाना चाहिए वा, क्रिपाने में सुविधा के निए,

कत: अस, उन्नत अधिनियम की धारा 269-ग को अनुसरण में, में, उन्नत अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थोत् :---

- (1) श्रीमती आर० कमला धाई अममाल। (अन्तरक)
- (2) श्री जे० हमराना इब्राहिम धौर अन्य । (अन्तरिती) यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्बद्धित के वर्षन के विवर्

को यह सूचना चारी करके पूर्वोक्त समाहैत के वर्षन के विष्

## उपल सम्बन्ति के अर्थन के संबंध में कार्य मी शासेप :---

- (क) इस त्या के राजपम में प्रकाशन की तार्येंच है 45 दिन की सर्वींच या तत्स्य करने का वित्यों पर स्थान की तानील से 30 दिन की सर्वींच भो भी सर्वींच शाद में समाप्त होती हो, के चींतर प्रवित्यों भें से किसी स्थित द्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में त्रकाशन की तारींच है 45 दिन के भीतर उकने स्थावर मपिल में हितबब्ध किसी करने व्यक्ति ब्वास अभोहस्ताक्षरी के पास विकास में किए वा सकति।

स्पक्किरण:----इसमें प्रयुक्त शब्दों और पत्यों का, ओ उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा को उस अध्याय में विका गया हैं।

### **न**न्स्की

भूमि श्रीर मकान में टी० एस० मं० 54/1 वार्ड सं० 1 विङ्कल (दस्ता॰ सं० 1627/84)।

वी० एम० मृथुरामलिंगम सक्षम प्राधिकारी सहायक धायकर धायुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, मद्दरी

दिनांक: 19-4-1985

मोहर :

प्रक्ष हाइ, टी. एव , एव . -----

## मायकर मधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा भारा 269-म (1) को मधीन सूचना

#### भारत सरकार

## कार्यालय, सहायक कार्यकर काक्क्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज, मदुराई

मदुराई, दिनांक 19 अप्रैल 1935

निदेश मं० 60/सितम्बर/84-स्प्रतः मुझे, वी० एम० मुत्तरामलिंगम,

आवसर अधिनयम, 1961 (1961 का 43) (िससे इसमें इसके पश्चात 'उन्त अधिनयम' कहा गया हैं), की चारा 269-क के अभीन सक्षम प्राधिकरी को यह विक्यास करते का कारण हैं कि स्थायर सम्पत्ति, जिसका उचित्र नाकार मूल्य 1,00,000/-रा. से अधिक हैं

और जिनकी संव टीव एसव संव 16, 17ए/1 और 17ए(3) है, जो ओटनसत्तीरम पलनी से स्थित हैं (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप में विणत हैं), रिजस्ट्रीवति प्रिधिवारी के कार्यालय, ओटनसत्तीन्सम दस संव 848/84 से भारतीरिजस्ट्रीवरण प्रिधिनिष्य, 1908 (1908 वा 16) के प्रधीन दिना ह

का पूर्वीकत सम्पणि के उचित वाकार ग्रह्म में कम के इरमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुक्ते यह निक्यास करने का कारण है कि यथापूर्वीकत संपत्ति का उपित निक्या मूल्य, उसके स्वयमान प्रतिफल से, ऐसे अध्यमान प्रतिफल का पन्तर प्रतिकात से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अकारिती (अन्तरितियों) के वीच ऐसे अन्तरण के लिए तमें पाका गवा प्रतिफालनीम्निलिखत उद्देष्य से उक्त अन्तरण निविक्त में वास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है :---

- (क्र) अस्तरण से हुई किसी बाय की बाबस, उक्स अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उनसे बचाने में मुविधा के लिए; और/या
- (क) एंसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या अन्कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती व्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपान में सुविधा के लिए;

अतः अन, उसत अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण मं, में उसत अधिनियम की धारा 269-थ की उपधारा (1) के अधीक, निम्मतिशिक व्यक्तियों, अर्थात् :---

- (1) श्रीमती एराम्मान और इश्रणवेणी के० क्षालकदरन (अन्तरक)
- · (2) श्री कु६बीरना बाटकी

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वाकत सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यपाष्ट्रियां शुरू करता हुं।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध भी कांई भी आक्षोप :--

- (क) इस सृष्या के राजपत्र मा प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की जमिष या तत्मावन्धी व्यक्तियाँ पर सृष्या की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्ति व्यक्ति हें।
- (ख) इस मुक्ता को राजपथ मा प्रकाशन की तारीख से 45 दिन को भीतर उदत स्थानर गम्बाल मो हिन्यद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी को पास लिखित मो किए जा मर्जोगे।

स्पष्टीकरणः -- इसमे प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्तें अधिनियम के अध्याय 20-क मे परिभाषित हैं, बढ़ी अर्थ होंगा जो उस अध्याय में दिया एमा है।

### वनसंसी

भूमि में टी० ए५०-76, 77ए/1 और 77ए/3 दम म० 848 और 849/84 ।

> वी० एम० मुत्तूरामिलगम नक्षम प्राविकारी सहायत आयकर भ्रायुक्त (निरीक्षण), अर्जन रेंज, मदुराई

दिनाए , 19-4-19**85** 

मोहर :

प्ररूप बाई . दी . एन . पास . ------

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ध (1) के अधीन सृपना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेज, महुराई

मद्रगई, दिनार 19 अप्रैल 1985

निदेश मं० 61/पितम्बर/84--ग्रतः मुझे, वी० ए**म**० मृ**स्**रामलिंगम,

जाबकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा 269-च के अभीन सक्षम प्राधिकारी की बहु विश्वाच करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- ४७. संश्रीधक है

और जिसकी मं० टी॰ एस॰ स 17 1/1 भिम है, तथा जो एसमैनाय कनपट्टी गाव, पलनी तालक में स्थित हैं (और उससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण स्प से विणित हैं), रिजस्ट्री ति श्रीधवारी के कार्यालय, चट्टीरपट्टी, पलनी तालूक द 1. स॰ 526/84 में भारतीय रिजस्ट्री-करण श्रीधनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रीचीन, दिनाक 30-9-1984,

को पूर्वेक्ति सम्पत्ति के जिस बाजार मूल्य से कम के रूपमान प्रितफल के लिए अन्तिरत की गई है और मुक्के यह विश्वास करने का कारण है कि स्था पूर्वेक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रितफल से, एसे दृश्यमान प्रितफल के पन्द्रह प्रतियत से अधिक है और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निलिखित उद्षेष्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिवक रूप से कथित नहीं किया गया है:——

- (क) अन्तरण हे हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दावित्य में कमी करने या उससे अचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ख) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्ही भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती दवारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना जाहिए था, छिपाने में स्विधा के लिए;

अत- अव, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के उन्तरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-थ की उपधारा (1) के अधीन, निष्निसित अधिकताओं, अधार :---- 24—8661|85

(1) श्री एन० पी० ग्रहनाचलम ।

(अन्तरकः)

(2) श्री एमा एमा मनोहरण।

(श्रम्तरिती)

का' यह सुचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पक्त के वर्षन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी बाक्षेष :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख ते 45 दिन की अनीं या तत्संबंधी व्यक्तियों पर तुचना की तासील से 30 दिन की अन्नीभ, जो भी अविध नाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में किसी व्यक्ति ब्यारा;
- (क) इस स्वान के राजपत्र में प्रकातन की तारीक से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबब्ध किसी जन्य व्यक्ति द्वारा अभोहस्ताक्षरी के वाड लिखित में किए जा सकेगे।

स्वच्छीकरणः — इसमें प्रयुक्त कन्यों और पर्यों का, जो उक्त जिवनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ हक्षेगा जो उस अध्याय में विचा गया है।

#### मगसची

कृषि भूमि में टी० एम० स० 171/1 (दस: स० 526/84) में एक्मैनाथकनपट्टी गांव पलनी ताल्क ।

वी० एम० मृत्यूरामलिंगम यक्षम पाधिदारी लहापक आयार आयक्षर (निरीक्षण) स्रजैन रेज, मदुराई

दिना*न* 19 · 4-- 1985 :

मोहर:

प्रस्ते अर्घ टी एन एस ----

आयकर जीधनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च(1) के अधीन सचना

#### भारत सरकार

कार्यालय, महायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्थन रेज मदराई मदराई, दिनाक 19 सपैल 1985

निदेश म० 62/िक्वर/84 -- ग्रन मसे, बी० एम० मन्रामिक्यम,

शायकर कथिनियम, 1961 (1961 ना 43) (जिसे इसमें इसके परचात 'उक्न अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी का यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपरित, जित्तका उचित बाजार मृत्य 1,00,000/- रु से अधिक हैं

और जिस्की स० भूमि दम स० 226/84, 227/84, 228/84 तथा 229/84 है, जा इडकावोटेंट, पानी तालूक में स्थित है (और इसेन उपाबट अनुसूत्तों में और पूर्ण रूप से तिणत है), रजिस्ट्री-स्त्री प्रायि गरी के गयित इडपाशाटटें पलनी शालू से भारतीय रजिस्ट्री रण अविनिध्म (908 (1908 रा. 16) क अधीन दिना। 15 9-84

को पूर्वेवित सम्पत्ति के उचित बाजार मत्य से कम के स्वसमान प्रतिफल के लिए अंतरित को गई है और भूके यह विश्वास करने का कारण है कि प्रथापविक्ति एंपरित का रिजत बाजार भल्य, उसके दश्यमान अनिपन से एम क्यमान प्रतिफल ना उन्द्रह प्रतिशत ए अध्यक ही देश अन्तर्यक (अन्तरका) और सन्तरिती (अन्तरित्या) ए एक एम ग्रन्तरण के लिए तम पांचा गया प्रतिफल, निम्निलिसित उद्देश्य में उक्त बन्तरण किकार में अध्यक्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है —

- (क) अन्तरण स हार्ड किसी नाय को बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोन के अन्तरक की ,दायित्व में कमी करने या उससे बचन में मिला। के लिए, और/या

अत अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग को, अनुसरण प, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-थ की उपधारा (1) को अधीन, निम्नीलिखित व्यक्तियों अर्थान — (1) था लक्ष्मणन चट्टीयार और अन्यो

(ऋन्तर के)

(2) श्री ईंग्परन और ग्रन्यो

(श्रन्यरिती)

को यह स्थाना जारी करके पृत्रोंक्त सम्पत्ति के वर्जन के लिए कार्यवाहिया शुरू करता हु।

उक्स सम्पत्ति के अर्थन के सम्बन्ध में कोई भी नाक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राज्यत्र में प्रकाशन की तारीण से 45 दिन के भीतर उकत स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध स्चना की तामील से 30 दिन की अवधि को भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वेक्स व्यक्ति में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस स्थान के राजपत्र में प्रकाशन की तारी सं के 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य त्यक्ति द्वारा अधाहस्ताक्षरी के पास र का मार्थिक का सकीं मा

स्पष्टीकरण :— इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, वो उक्त अधिनियम के अध्याय 20 क में परिभाषित हो, वहीं अधे होंगा जा उस अध्याय में विया गया है।

### मन्सूची

भूमि से श्रष्टतगद्दी, इडयाकोटै दन स० 226/84, 227/81, 228/84 और 229/84

वी भण्मक मुत्तूशमिलिगम सक्षम प्राविकारी सहायक ऋष्यभग श्रायुक्त (निरीक्षण) स्रर्जन रोज, मद्दराई

दिना ए 19-4-85 मोहर

## प्रक्य बार्ड.टी.एन.एस.-----

क.यकार अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की; े भारा 269-च (1) के अभीन सुचना

#### बारत संस्थार

## कार्यासव, सहावक बायकर बायकर (निरीक्षण) अर्जन रेंज, मदुराई

मदुराई, दिनांक 20 अप्रैल 1985

निदेश म० 63/नितम्बर/84---श्रतः मुझे, बी० एम० मृत्तूरामनिगम,

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-इन को अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास के उने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृन्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिनकी मं० भूमि और मकान में दम सं० 941/84 है, तथा जो अमनतुर, विद्रू लान् नूं में स्थित है (और इमसे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण क्य में वींणत है), रजिन्द्री तर्ती अधिकारी के कार्यालय, चट्टपट्टो दम मं० 941/84 में भारतीय रजिस्ट्री करण अधिनयम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, दिनांक 15-9-84, का पूर्वाक्त मम्पत्ति के उचित बाजार मूक्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अतरित की गई है और मुक्ते यह विश्वमाम करने का कारण है कि यथापूर्वाक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूक्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिकात से अधिक है और अंतरक (अंतरका) और अतरिती (अंतरितियाँ) के बीच एसे अंतरक (अंतरका) लीर अतरिती (अंतरितियाँ) के बीच एसे अंतरक के सिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिकत उच्चेषय से उक्त अंतरण निस्तित में बास्तिक रूप से किया गया है:---

- (क) अन्तरण सं हुई किसी नाथ की शावस, उत्तर अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तहक भी वामित्य में कभी करने या उससे वचने में सुविधा के लिए; और/या
- (क) ऐसी किसी आय या किसी धन या बन्य आस्तियों को जिन्हों भारतीय जायकर निभीनयम, 1922 (1922 का 11) वा उक्त निभीनयम, या धन-कर जीधीनवम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ जन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गय-भा या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के सिए।

कतः अब उक्त अभिनियम कौ भारा 269-ग कै अनुसरण में, मैं, उक्त अभिनियम की भारा 269-म की उपधारा (1) के अभीत नियमीसिवित स्पितियों, अवित हम्म

(1) श्री जे० राणी और अन्यो

(मन्तरक)

(2) श्री के० एस० एस० एस० चीन्मया और श्रन्यों। (श्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां कुरता हूं।

उक्त सम्पत्ति के वर्षन के सम्बन्ध में काई भी वासींप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीं क 45 दिन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ब) इस स्चना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस म 45 दिन के भीतर उक्त स्थायन सम्पन्ति में हिनबक्ष किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के वास लिखिश में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :----इसमें प्रयूवन शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होंगा जो उस अध्याय में विका नया हैं।

## **मम्बर्**

भूमि और मकान में टी॰ एस॰ सं॰ 31/1, 36/2, 36/3 37/1, 37/2, 37/3, प्रम्मतुरै, चीन्तालपट्टी, (दस : सं॰ 941/1984)।

वी० एम० मुत्तूरामलिंगम सक्षम प्राधिकारी सहायक स्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) स्रजन रोंज, मदुराई

दिनांक 20-4-1985 मोहर प्ररूप काहै टी एन एस ----

भारतकर मिनिनमा, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-ए (1) के अभीन सुमना

#### भारत सरकार

आर्थालय मतायक अप्रकार गायुक्त (प्राचीक्षण) प्रजीन रेज, मदुरई

मदुरई, दिनाक 19 प्राप्रैल, 1985

निदेश स० 64/सितम्बर/84-प्रत मुझे, ची० एम० मुत्तुराम लिगम,

मायकर मिथिनियम, 1961 (1961 का 43) (चिन्ने इक्षणे इसको परणास उन्त अधिनियम कहा गया हैं) की भारा 269-इ के अभीन सक्षम प्राधिकारी की, यह विक्यान करने का नप्रत्य हैं कि स्थानर मन्परिस, जिसका उचित बाबार मस्य 1,09,000 रा स विधिक हैं

और जिसकी स० 47248 है, जो कोईकाम्मम में स्थित हैं (और इससे उपाबद्ध अनुमूची में और जो पूर्ण रूप से विणित है) रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, सब-रिजस्ट्रार, कोईक कानल दस स० 524/84 में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन दिनाक 15-9-1984

की पूर्वोक्त सम्पति के अभित बाधार मुन्य स कम क दश्यकाथ प्रतिफल की लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते गई विक्याध करने का कारण है कि यथापुर्वोक्त सपित का उपित बाधार मूल्य, उनके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का गन्दह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरका) और अन्तरती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के सिए तथ पाया गया प्रतिफल निम्निसिक्त स्थ्वके स उक्त अन्तरम लिखित में वास्तिकक रूप से कियत नहीं किया गया है

- (क) बन्तरक से हुई किसी बाब की बायल, अक्स वीधीनमन के बचीन कर दोने के बन्तरक को शाबितक में कभी करने या उससे बचने में बुविधा के निए; भीर/या
- (क) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य अस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयक्तर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयाजनार्थ अस्तिरिती द्वारा प्रकट नहीं किया थय। भा वा किया वाना चाहिए था, खिपाने में नृतिष्य के लिए

अतः अम, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम को धारा 269-थ की उपधारा (1) को अधीर, निम्नलिकित व्यक्तियों, अर्थात्:—

- श्री राबेस्ट, नारण, श्रनकसन्दूर,और श्रन्य (धन्तरक)
- 2 श्री मुबदरा गलाडा और भ्रन्यो । (भ्रन्तिरती)

का यह त्याना भारी करवी वृत्राविक संगीतः के सर्वन के विक् कार्याहिमा कारण हूं।

उक्त राज्यांत के कर्यन के सबय में कोई भी जासन :--

- (क) इस स्थान के समयक भें प्रकाशन की तारिक है 45 किन की भवीं भा तलाक्वली काकिताों पर स्का की तामीन ने 10 दिन की क्वीं का भी जबाब का भी काकित हों। के भीतर पूर्वोक्स काकिताों में से दिन्सी व्योगन कुमाथ:
- (क) इस स्वाम के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर गम्पस्ति में हित्स्बंध किली अन्य अपनित द्वारा अधोहस्ताकारी के पास निवित्त में किए जा सकेरी।

स्पच्छीकरणः ---इसमा प्रयुक्त शब्दों और पर्धा का, को उक्त अधिरिशाम के अध्याय 20 का मा परिभावित हैं, बहुी अर्थ होगा को उस अध्याय में विवा यवा हैं।

अनु**सूची** 

भूमि म कार्डकानल ।

बी० सी० मुन्तुराम निगम सक्षम प्राधिकारी महायक ग्रायरकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेज, मदुरई

दिनाक · 19-4-1985 मोहर प्रकृत बाहु", टी. एस् , एस् . -------

अगयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) के अधीन सुचना

#### भारत बरकार

## कार्यात्तम, सहायक जायकर वायुक्त (निरीक्ण)

ब्राजीन रेंज, मदुरी

मद्रै, दिनाक 19 श्रप्रल, 1985

निदेश 65/ सितम्बर/84---ग्रतः मुझे वी० एम० मुसु-राम लिगम,

वायकर वरिधनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसकें इसके पश्चात् 'उसत अधिनियम' कहा गया है'), की धारा 269-वा के मुधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपरित जिसका उचित्त बाबार मूल्य

1,00,000/~ रु. से अधिक हैं और जिसकी सं बेठ एस० सं बिन्या (भूमि) है, जो कौड़े कानल में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और जो पूर्ण रूप से विणित है) रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, कौड़कानल दस्ता असं 527/84 में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन दिनाक 15-9-84

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उच्चिर बाजार मूल्य से काम के क्रममान प्रतिफल के लिए बन्तरित क' गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उच्चित बाजार मूल्य, उसके क्ष्यमान प्रतिफल से, एसे क्ष्यमान प्रतिफल का चन्द्रह प्रतिस्त से अभिक है और अंतरक (बंतरकों) और अंतरिती (बंतरितियों) के बीच एसे बतरच के निए तय पाया गया प्रति-कन निम्निनिक्ति उद्देष्य से उक्त बन्तरण निकित में बास्तिक इय से कथिस नहीं किया गवा है :--

- (क) जनसरम संक्षेप्त किसी आप की बाबत, अक्स बर्जिनियम के सभीन कर दोने के बन्तरक को खबिरून में कभी करने या उससे क्याने में सुविधा के सिष्; बीड़/या
- (क) ऐसी किसी बाय या किसी धन या बच्य आस्तियों का, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती ब्वाय प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में युविधा के लिए;

जतः जन, उक्त अधिनियम की भारा 269-ग के जन्सरण मैं, मैं उक्त अधिनियम की धास 269-ग की उपधारा (1) के प्रधीन, निस्नतिष्ठिक स्वक्तियों, अधीत प्र- 1. श्री रावर्ट, जार्ज घलगर्ज डर, और भन्य

(भ्रन्तरक)

2. कन्याचुमारी ट्रेटर

(अन्तरिती)

का बहु स्थाना चारी कारके पूर्वीकत संपत्ति के नर्पन के निर् कार्यवाहियां करता हूं।

उन्त सम्पत्ति के कर्णन के सम्बन्ध में कोई भी बाक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीच से 45 वित्र की सविभ मा तत्सम्बन्धी स्पित्तयों पर सूचना की तामील से 30 दिन की सविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति सूबारा;
- (क) इस भूचना के राजपत्र में प्रकाशन की सारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्मत्ति में हित- बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास निक्ति में किए जा सकेंगे ।

स्वक्षीकरणः ----इसमें प्रमुक्त सम्बा और पदा का, भी सम्बा स्विधिनसम के अध्यास 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्यास में दिया ग्रामा है।

### बन्सूची

भूमि में टी० एस० 47/2 ए, (दस्ता० मं० 527/84)

बी० एम० मुत्तुरामिलगम सक्षम प्राधिकारी सहायक भ्रायकर ग्रामुक्त (निरीक्षण) ग्रजन रेंज, मदरै

दिनाक 19-4-1985 मोहर: प्ररूप माइ . टी. एन. एस. -----

भागकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-थ (1) के अभीन सुचना

#### भारत तरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) स्रर्जन रेंज, मदुरै,

मदुरै, दिनांक 19 श्रप्रैल 1985

निदंश संब 66/सितम्बर/84—न्य्रतः मुझे वी० एम० मुत्तु-राम लिगम

श्वायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें । इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धार । १269-च के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विख्वास करने का । कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य । 1,00,000/- रहे से अधिक है

और जिसकी सं० भूमि और मकान टी० एस० सं० 82/1 है, जो कोडेकानल टाउन में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनु सूर्ी में और जो पूर्ण रूप से वांगत है) रिजस्ट्रीकर्या अधिकारी के कार्याक्ष्य, कोडेकानल दस्ता० स० 544/84 में रिजस्ट्रीकरण अधिनयम, 1908 (1908 का 16) के अधीन दिनाक 15-9-1984

को पूर्वोक्त सम्म ित को उचित बाजार मृत्य से कम के दरयमान प्रतिफल के लिए जन्तिरत की गई है और मृक्षे यह विश्वास करन का करण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके दरयमान प्रतिफल से एसे दरयमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरका) और अन्तरिती (अन्तरितयों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नितिखित उद्देश्य से उदत अन्तरण निचित्त में वास्तिक रूप से किश्रत नहीं किया गया है —

- (क) अन्तरण से हुई हैक़सी जाय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के जन्तरक के दासित्य में कामी करने या उससे अधने में सुविधा के निए: और/या ्
- (क) एसी किसी जाय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) को प्रयोजनार्थ अतिरिती द्वारी प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सृतिधा के लिए;

1 नीला सुत्ररमणि यम ।

(भन्तरक)

2. श्री पी० परमंखरन,

(ग्रन्तरिती)

की यह सूचना जारी क़रके पूर्वोक्स सम्पक्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं ।

उक्त सम्मत्ति के वर्जन के संबंध में कोई भी बाक्षेप :---

- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी सं 45 दिन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियाँ पर स्वना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपक्ष में प्रकाशन की तारीक से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्मिश में हितबक्ष किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधाहस्ताक्षरों के पास लिखित में किए जा सकींगे।

स्पष्टीकरणः ---- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त जिथिनियम के अध्याय 20-क में परिभावित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में विया गया हैं।

#### **प्रनुसूची**

भूमि और मकान में एस० स० 82/1, 83/21, 84 और 84 और 85, कोईकानल टाउन, (दस्त: सं० 544/84)।

> बी० एम० भुत्तूरामलिंगम, सक्षम प्राधिकारी, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण), अर्जन रेंज, मदुरै

अत. अस, अन्त अधिनियम की धारा 269-में की जनुसरण भी, भी, उन्त अधिनियम की धारा 269-में की उपधारा (1) के अधीन, निस्तिविक व्यक्तियों, अर्थात् :---

दिनाक: 17-4-1985

मोहर:

प्रकृप बाइ , टी. एन. एस. -----

बायकार बिभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-घ (1) के अभीन सूचना

#### सारत बरकार्

कार्यालय, सहायक आयकार आयुक्त (निरीक्षण) धर्जनरेंज, सदुरै

मदूरी, दिनांक 19 ग्राप्रैल 1985

निदेश सं ० 67/सितम्बर, /84--श्रमेः मुझे वी० एम० मुत्तु-राम लिगम,

बायकर विधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा नवा है), की भारा 269-व के अभीव सक्षम प्राधिकारी को, यह विध्वास कारने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृख्य 1,00,000/- रा. से अधिक है

और जिसकी सं • भूमि और मकान में टी • एस • 204, 205 है, जो मद्दे टाऊन में स्थित है

(और इससे उपाबक अनुसूची में और जो पूर्ण रूप से वांगत हैं राजस्ट्रीकर्ता श्रीक्षकारी के कार्यालय महुरै, (दस्ता० सं० 111/4909/84 में राजस्ट्रीकरण श्रीधानयम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन दिनांक 30-9-1984

को पूर्वोक्स सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के सहयमान प्रितिफल के लिए वंतरित की गई है और मुक्ते यह विक्यास करने का कारण है कि यथाप्योंक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृस्य, उसके सहयमान प्रतिफल से, एसे स्वयमान प्रतिफल का पन्ताह प्रतिकात से विभक्त है और वंतरक (वंतरका) और वंतरिती (वंतरितिया) के बीच ऐसे वंतरण के लिए तय पाया गया प्रति-फस निम्मसिक्ति स्वयम्ब से बक्त वंतरण सिक्ति में वास्तिक क्य से क्षिक नहीं किया गया है है—

- (क) बन्तरण सं क्ष्मं किसी नाथ की बानस, उक्त विभिनियम के वभीन कर दोने के जन्तरक को दायित्व में कभी करने या उससे वचने में सुनिभा को लिख; वरि/वा
- (क) एंसी किसी नाय वा किसी भन या अन्य आस्तियों कर किन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उन्त अधिनियम, वा भनकर अभिनियम, वा भनकर अभिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रकाबनार्थ अन्तरिती इवारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में

अत: अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण कों, में. उक्त अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) के अधीन, निम्नसिक्ति व्यक्तियों, अर्थात् :——

- 2. श्री ओ० एम० एम० राजनणिक्क नाजार (ग्रन्तरक)
- 2. श्री ओ० एम० एम०एस० पर्लामवामी, ताडार । (श्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के वर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

## उन्त राज्यित के वर्षन के सम्बन्ध में कोई भी नाक्षेत्र--

- (क) इस बुजमा के राज्यक में प्रकाशन की ताड़ीय की 45 दिन की जनभि या तत्तम्बन्धी व्यक्तियों कर बुजना की ताजीस से 30 दिन की अन्यि, को भी बन्धि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्स व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति बुनारा।
- (स) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख सं 45 दिन के जीतर उक्त स्थावर सम्बद्धि में हितवबुध किसी जन्य व्यक्ति द्वारा अभोहस्ताक्षरी के पास सिक्ति में किए जा सकोग।

स्पद्धीकरण:--इसमें प्रवृक्त वाक्यों और पदों का, जो उक्त विधिनियम, के बंध्याय 20-क में परिभाषित है, बहु कर्ष होगा वो उस अध्याय भें दिया गवा है।

## वस्स्यो

भूमि और मकान में टी॰ एस॰ सं॰ 204, 205, 209, मदुरे, टाउन, (दस्ता॰ सं॰ 111/4909/84)।

> वी० एम० मुत्तुराम निगम सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुवत (निरीक्षण) श्रर्जेत रेंज, सदुरै

दिनांक 19-4-1985 मोहर ५

## प्रकल कार्डा. टी. एक. एड. --

जायकर अभिनियस, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) के अथीन सृचना

#### भारत सरकार

कार्यास्य, सहायक बायकर बायकत (निरीक्षण)

श्रर्जन रेज, मदुरै

मद्रे, दिनांक 19 प्रवेल, 1985

निदेश सं० 68/मितम्बर,/84—ग्रतः मुझे वी० एम० मृत्-रामिलगम,

कायकर जीभिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्स अभिनियम' 'कहा गया ही, की भारा 269-क के अधीन सक्षम प्राधिकारों को, यह विक्यास करने का कारण ही कि स्थानर सम्पत्ति जिसका उचित बन्धार मृत्य 1,00,000/- रू. ते जीभक ही

कौर जिसकी सं टी॰ एस॰ सं 2581/ए६, भूमि और मकात है, जो मदुरै टाउन में स्थित है (और इससे उपाबक श्रनुसूची में और जो पूर्ण रूप से विणत है) रिजस्ट्रीकर्ता श्रक्षकारी के कार्यालय मदुरे, (दस्ता॰ सं॰ 2025/84 में रिजस्ट्रीकरण प्रधिनियक, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन दिनाक 30-8-84

को पूर्वोक्त सम्मत्ति के उचित बाजार मून्य से कन के क्ष्रवमान श्रीहक्त के लिए अन्द्रित की गई है और मुक्ते यह निक्तात करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्मित्त का उचित बाजार भूल्य, उसके क्ष्रयमान प्रतिकल से, एसे द्रश्यमान प्रतिकल के पन्तक प्रतिकत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे बन्तरण के सिए तय पाया गया प्रतिक कत निम्मिबिकत उद्योग्य से उक्त अन्तरण निचित्त में बास्तिक इन से कथित नहीं किया गया है :---

- (क) नंतरण से हुई किसी नाय की नावत, उक्त को धीनयम के अधीन कर दाने के बन्तरक के दायित्व में कामी कारने या तबने वां सुनिधा के विद्; और/या
- (थ) ऐसी किसी काम दा श्वासी धन वा करण जास्तिकों को जिन्हों भारतीय जायकर जीधीनयम, 1922 (1922 का 11) या उक्त जीधीनयम, या धन-लार अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के अवोधभार्थ जन्मदिती क्षारा प्रकट नहीं किया ववा था बा किया वाना वाहिए था, कियाने में त्विका के लिए;

बतः जब, उक्त अधिनियम की भारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की भारा 269-भ की उपभारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--- 1. श्री एन० एम० आर० वि० महा देवरन ।

(अन्तरक)

2 श्री एम० एम० जयप्रकाश ।

(ग्रन्तिनी)

को यह सुचना जारी करके पूर्वोक्त सम्मित्त के वर्जन के तिए कार्यवाहियों कारता हुं।

बनत सम्पत्ति के नर्जन के सम्बन्ध में कोई भी नाक्षण----

- (क) इस सूचना के राजपत में प्रकाशन की तारीश में 45 दिन की जविश्व मा नित्तवकी स्विक्तियों वर सूचना की नाजीन से 30 दिन की अविश्व, को बी कविश्व नाद मां समाप्त हाती हा, के भीतर पूर्वाक्त काविता में से निजी व्यक्ति ब्वारा;
- (क) इस प्रमा के रावप्त में प्रकारण की दादीन हैं

  A5 किन के बीसर रावद स्थापर क्यारित में दिस्तकृष

  जिसी नम्ब स्थापित युगारा नभोहस्ताक्षरी के पास
  लिसित में निरुप्त भा सकेंगे।

स्यक्कीकरणः - इसमें प्रमुक्त शब्दों भीर पत्नों का, को अवस अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है वही पर्य दोगा जो उस प्रश्याय में दिवा अपूर्व स्था है ॥

### अनसूची

भूमि और मकान में टी॰ एम॰ मं. 2587/ए६, मदुरे, टाउन, (दस्ता॰ सं॰ 5055/84)।

> म्रतुरामालिगम सक्षम प्राधिकारी महायक श्रायकर श्राधुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेज, मद्रै

दिनांक : 19-4-1985

मोहर 🖫

## प्रकण जार्च .टी .एव .एव ....----

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-व (1) के बचीन सुचना

मारत सरकार

## कार्यालय, सहायक नायकार कायुक्त (निरीक्षक) श्रजन रेंज, मदरै

मदुरे, दिनाक 19 धर्मल, 1985

निदेश सं० 69/सिनम्बर/84--श्रत मृक्षे वी० एम० मृत्रुराम[लगम

भागर जीवानयम 1901 (1961 का नर) जिल इस इस एक एक एक एक उन्हें का नरा है), की एक 269-ख के अभीन सक्षम प्राधिकारी की यह विकास करने के कारण है कि स्थायर सम्पत्ति जिसका प्रतित वाद्यार मृत्य 1,00,000/- एक से अधिक है

और जिसकी सं ० भृमि और मकान में टी० एस० म० 188/2 और 188/3, है, जो महुरे, टाउन में स्थित है (और इसमे उपाबद्ध अनुसूची में केर जो पूर्ण रूप में वर्णित है) रिजस्ट्रीकर्ता ग्राधकारी के कार्यालय, महुरे, (दस्ता० मं० 4555/84 में रिजस्ट्रीकरण श्राधिनयम, 1908 (1908 का 16) के प्रधीन दिनाक 15-9-84

को प्वेंक्त सम्पत्ति के उचित शावार मून्य से कम के दस्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गर्थ है और मूफे यह विश्वास करने का कान्य है कि युक्ष्यूर्याक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूला, जरान पर्मान पर्मान य एत्स स्यामा प्रतिफत व एन्ड प्रतिकात से अधिक है और अंतरक (अंतरकार्ग) और अंतरिती (अन्तरितियाँ) के बीच एमे जन्नरण के लिए तथ पाना गर्भा प्रतिफल निम्नी लिखत प्रविदेश में उन्त अन्तरण कि कि से सामा प्रतिकात भी वास्तरिक रूप से कांश्रत नहीं किया गर्भा है है—

- (क) अंसरण से हुई किसी आय की बाबता, रुक्त अधि-नियम के अधीन कर दने के अंतरक के वामित्व में अभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; अरि/श
- (ख) एसी किसी आय या किसी भन या अपन आस्तियों को जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या पत जर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रमोजनार्थ अंतरिती दनारा प्रकट नहीं किया गया था या जिल्या जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के सिए:

कत् भव जकत विधिनियम की धारा 269-व को बनयरक मी, मी, उकत अधिनियम की धारा 269-व की उपधार। (1) • विकारिका व्यक्तियों, वर्षात् क्षान्त 25- 86GI|85 1 श्री परम मिवम, और श्रन्य

(ग्रन्तरक)

४ श्री ग्रार० सुदरी

(मन्तरिती)

को यह सूचना जारी करक पूर्वीक्त सम्मत्ति के वर्षम के लिए कायक्पेश्वर करता हों।

उक्त सम्पन्ति के अर्जन के सम्बन्ध ना ओर्ड भी बाक्षेप --

- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की बविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्थान की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद म समाप्त होती हो, के भीतर प्रविक्त न्यां न्ताया म न किसी व्यक्तिस दवारा,
- (स) इस स्वना के राजपन में अकाशन की तारीस है 15 दिन के भीतर उत्तर स्थायर सम्योग में क्रिक्ट । १) जना न्या । प्रशन राजहरू । उनी के पास सिसा में किए जा सकींगें।

स्पष्टीकरणः --- इस्ता प्रयुक्त शन्दा और पदा का, जो उक्त जीधनियम के अध्याय 20-क में परिभाधित ही, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में विका गया है।

## ≖नस्ची

भूमि और मकान में ी० एस० स० 188/2, और 188/3 महुरी, (दस्ता० स० 4555/84)

> बुी॰ एल॰ मूसूरामलियम मक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीजण) धर्जन रेज, मुदुरै

दिनाक 19-4-1985 माहर , प्रका कार्य . टी. का . एवं . ....

1. श्री रत्तीनम, चेट्टियार।

(ग्रन्तरक)

आयकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-म (1) के जभीन सुचना

2. भूरती और मणी।

(अन्तरिती)

#### भारत तरकार

कार्यालय, सहायक बायकर बायकत (निरक्षिण) श्रजंन रेंज, मदुरै

मदुरै, दिनाक 19 अप्रैल 1985

निर्देश सं० 70/सितम्बर/84—श्रतः मुझे वी० एम० मुक्तुरामलिगम,

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् उकत अधिनियम' कहा गया है), की भारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह निक्यास करते का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उच्चित बाजार मृल्य 1.00,000/-रा. से अधिक है

और जिसकी स० भूमि और मकान टी० एस० स० 1933 है, जो मदुरै, में स्थित हैं (और इससे उपाबद्ध प्रनुसूची में और जो पूर्ण रूप में विणत हैं) रिजस्ट्रीकर्ता ग्राधिकारी के कार्यालय मदुरै (दस्ता० सं० 4771/84) में रिजस्ट्रीकरण ग्राधिनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्रधीन दिनांक 15 5-84

को प्यक्ति सप्रित के उचित बाजार मृत्य स कम क अ का अ श्रीतकल के लिए अन्तरित की गई है और मृभ्ने यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वीक्त सप्रित का उचित बाजार मृत्य उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरका) और अन्तरिती (अन्तरितियाँ) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय किया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण विश्वास में बास्तिक रूप से किया नहीं किया गया है।

- (क) मन्तरण सं हुई किसी भाग की नावत. उस्त -विभिन्निक के सभीन कर दोने के बन्तरक क विभिन्न में कभी करने या उससे बचने मा सुविधा के बिए; वर्ष/मा
- (क) ऐसी किसी बाय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें धारतीय आमकार अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उत्तत अधिनियम, या धव- कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) की प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया या या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सविधा की लिए।

बत' बब, उक्त बिधिनियम की धारा 269-म के अनुसरण बें, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) के अधीन, निम्निलिवित व्यक्तियों, अर्थात :—

क्ये यह सूचता जारी करके पूर्वोक्त संपरित के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति को जर्जन को संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन किशारी है के 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर स्वना की तामील से 30 दिन की अविधि, 'जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर प्रवेक्ति व्यक्तियों में सं किसी व्यक्ति दवारा;
- (क) इस स्थान के राजपत्र में प्रकाशन की तारी से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर गणीत्त में हित बद्ध किसी अन्य ज्यावित द्वारा आहरू किसी के पास विश्वित में किए जा सकर्ष।

स्पष्टोकरण - इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परि-भाषित हैं, नहीं अर्थ होंगा, जो उस अध्याम में दिया गया हैं।

## वनुसूची

भूमि और मकान में टी॰ एस॰ स॰ 1933/84, मदुरें (दस्ता॰सं॰ 4771/84)।

> श्री० एम० मुत्तु राम लिगम सक्षम प्राधिकारी सहायक स्नायकर स्नायुक्त (निरीक्षण) प्रजंन रेंज, मद्दर्ग

तारीख 19-4-1985 मोर प्ररूप बाई. टी. एन. एस. ....

जामकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन स्चना

#### भारत सरकाल

फायाजय. सहाँयक बायकर आयक्त (निरक्षिण) स्रजन रींज, मदुरै

मदुरै, दिनांक 19 श्रप्रैल 1985

निदेश सं ० 71/सितम्बर, 1984--ग्रतः मुझे, वी ० एम ० मृत्तुरामालगम,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परवात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी की यह विश्वास करने की कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृज्य 1,00,000/- रह. से अधिक हैं

और जिसकी सं० भूमि और मक्तान टी क्एस० सं० 2587/ ए-2 बी, है, जो महुरें में स्थित है (और इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में और जों पूर्ण रूप से विणत है) रजिस्ट्रीकर्ता ब्राधकारी के कार्यालय में रजिस्ट्री है महुरें (दस्ता० सं० 4577/84) में रजिस्ट्रीकरण ब्राधिनियम, 1908 (1908 का 16) के ब्राधीन दिनांक 15-9-1984

को प्रविक्त सम्मिति के अचित बाजार मृत्य स कम के स्वयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित को गई है और मृश्ने यह विश्वास करने का कारण है कि यथाप्रविक्त सम्पत्ति का अचित बाजार मृत्य, उसके स्वयमान प्रतिफल से, एस स्थममान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिचत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अतरितिया) के बीच एसे अन्तरण के लिए तथ पामा गया प्रतिकत, निम्निलिखित उद्देश्य से उन्त अन्तरण निकित में बास्यामक स्प से किंगत नहीं सिना गया है के

- (क) नन्तरण से हुई किसी नाम की बाबत, उनेत आधिनियम के अधीन कर दाने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे अधने में सुनिधा के 'लए; बीर/या
- (ख) एसी किसी साथ या किसी धन या बन्य नास्तियों की जिन्हों भारतीय जायकर अधिनियम, 1922 (1922 को 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रमोजनार्थ जन्तरिसी ब्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना आहिए था, कियाने में सुविधा की लिए।

ं अतः अव, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--- 1. श्री टी० एस० बालाम्बाल और ग्रन्य

(भ्रन्तरक)

2. श्री के ले श्रार० क्युमूरती

(भ्रन्तरिती)

को यह समाना जारी करके पूर्विक्स सम्पत्ति के वर्जन के लिए कार्यवाहिया करता हु।

उक्त सम्पत्ति के वर्णन के सम्बन्ध में कोई भी बाक्षेप हु---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन को तारीस से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी स्थक्ति बुवारा;
- (ख) इस स्चना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबब्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधाहस्ताक्षरी के पाछ निस्ति में किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरणः - इसमें प्रयुक्त शब्दों और पद्दों का, श्रीषों उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा को उस अध्याय में दिखा गया है।

#### जनसंची

भूमि और मकान में टी॰ एस॰ सं॰ 2587 महुरै, (वस्ता ॰ सं॰ 4577/84)।

बी० एम० मृत्तुरामलिंगम सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर श्रायुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, मदुरें

तारीख: 19~4-1985

मोहर 🖫

## प्रकल् बार्डं दी एन देव ----

## भावकर विभिन्नियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-व (1) के अधीन सुचना

भारत माध्यार

कार्यालय, सहायक बायकर वाय्कत (निरीक्षण) प्रजीत रेंज, मदुरै

मदुरी, दिनांक 19 भप्रैल, 1985

निदेश सं० 72/सितम्बर/84---ग्रतः मुझे, बी० एम० मृतुरामलिंगम,

आवकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उकत अधिनियम' कहा गया है। की धारा 269-च के अधीन सक्षम प्राधिकारी की यह विद्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका, उत्तित बाबार मृत्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० भूमि और मकान टी० एस० सं०2372/1 है जो मदुरें में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और जो पूर्ण रूप से वर्णित है) रिजस्ट्रीकर्ता आधकारी के कार्यालय मदुरें, (दस्ता० सं० 461784) में रिजस्ट्रीकरण अधिनयम 1908 (1908 का 16) के अधीन दिनांक 15-9-84

का पृथा कृत संपत्ति के उचित याजार मृत्य से कम के क्यामाभ प्रतिफल के सिए मंतरित को नई हो और मुके यह नियमास करने का कारण है कि सथाप्योंक्स संपत्ति का उचित याजार मृत्य, उसके ब्ययमान प्रतिफाल हो, इसे ब्रह्ममान प्रतिफाल का पत्रह प्रतिकृत से विभिक्त है और वन्तरका (वन्तरका) और वन्तरिती (अन्तरितियों) के भीच एसे वन्तरण के लिए तब पामा गया इतिकृत, निम्नुविधित उच्चे क्यों से प्रस्तु वन्तरुक सिविद्ध में वास्त्विक रूप से कथित नहीं किया गया है है—

- (क) बम्तहल् वं हुई फिली बाब की वान्त्, क्वक विभिन्न के बभीन कर बंने के बन्तहरू के वाजित्व में कवी करने या उन्नहें बचने में सुविधा के लिए; सौर/वा
- (क) एती किसी बाव वा किसी बन वा बन्ध वास्तिकों को बिन्हें भारतीय भाय-कर विभिन्नियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त विभिन्नियम, या अन-कर वीभिन्नियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती ब्वास प्रकट नहीं किया गया वा या किया बाता वाहिए था, कियाने में सुनिधा है लिए;

बत: बब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ए के अनगरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-ए की उपधारा (1) के अधीन, निम्मसिक्टिक व्यक्तियों, स्थात् ड---- 1 श्री एस० टी० चन्द्र रंकरण और अन्य। (यन्तरक)

2. एम० सरगुना देवी,।

- (यन्तरिती)

को बहु स्थान बारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के वर्षन के निष्

सम्पत्त सम्पत्ति को वर्षन को सम्बन्ध में कोई भी बाक्षप :----

- (क) इस स्थान के राजपत्र में प्रकाधन की तारीं से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्थान की तामील से 30 दिन की अविध , जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक से 45 दिन के भीतर उन्तर स्थावर सम्पत्ति में हितबक्ष किसी जन्म व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास जिस्ति में किए वा सकोंगे।

स्वकारिकपुन् : - इसमें प्रज्ञत सक्यों और पर्यो का, को समझ विभिन्नम के वश्याय 20-क में परिशाधित ही, वहीं कुर्य होगा भी उस अध्याय में दिका नवा ही ।

### धनृसूची

भूमि और मकान में टी॰ एस॰ सं॰ 2372/1, महुरै (बस्सा॰ सं॰ 4617/84)।

> भी० एम० प्रृतुरामिलगम सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर प्रायुक्त (निरीक्षण) श्रजीन रेंज, मद्रै

मारीख: 19-4-1985

माहरू 🔞 .

प्रकृप कार्षः दी , एन . एस ,-----

भायकर बांधनियम, 1961 (1961 का 43) की भाख 269-ध (1) के बधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालयः, सहायक आयकार वायकत (निरक्षिण) ग्रर्जन रेंज, मदुरै

मद्रै, दिनांक 19 अप्रैल, 1985

निदेश सं० 73/सितम्बर/84—ग्रतः मुझे, बी० एम० मुसुरामलिंगम

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-क के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृन्य 1,00,000/- रा. सो अधिक है

और जिसकी मं ० टीं० एस० है 17/13, भूमि और मकान है, जो मदुरें में स्थित हैं (और इसपे उपाबद्ध अनुपूर्वी में और जो पूर्ण रूप में विणन हैं) रिजर्सीकर्ता अधिकारी के कार्धावय मदुरें (दस्ता० 4695/84) में रिजस्ट्रीकरण अधिनयम 1908 (1908 का 16) के अधीन दिनांक 15-9-84

कां पूर्विक्स संपत्ति को उचित बाजार मून्य से कम के दश्यमान शितफल का निए अतिरित की गई है और मुक्ते यह विद्याग करने का कारण है कि यथापूर्विक्त संपत्ति का उचित बाजार मून्य उसके दश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरित्यों) के बीच एसे जन्तरण के लिए तथ-पाया नवा प्रतिफल, निम्निलिसित उद्देश्य से उक्त अन्तरण निम्नित में बास्तिक रूप से कृषिय नहीं किया गया है:—

- (क) जन्तरण से हुई किसी भाय की बाबस, उक्स क्षिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के कामित्व में कमी करने या उससे बचने में ध्रुविधा के लिए; बॉर/बा
- (क) एसी किसी बाय या किसी भन या अस्य आस्तियों की किस्ते भारतीय आयकार अधिनियम, १५०० (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अंतरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया भा या किया जाना चाहिए था, छिपान में मुविधा अं निए:

ब्रुतः वय, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण म, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) इस अधीत, निम्नलिखिट स्थिक्तियों, वर्धात क्र-०० 1. श्रीमती रूपा पी० कमलम और अन्य

(भन्सरक)

2. श्रीमती एस॰ पृशपम

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हुं।

उक्त सुम्पत्ति के कर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख सं 45 दिन की अविभ या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति स्वारा;
- (स) इस स्चना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस सं 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बस्प किसी व्यक्ति स्वारा, अभोहस्ताक्षरी के पास लिसित में किए जा सकेंगे।

स्पन्नीकरणः—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

### वन्स्ची

भूमि और मकान में टी॰ एस॰ सं॰ 17/13 मदुरैं (एस सं॰ 4695/84)

> वी॰ एस॰ मृत्तुरामलिंगम सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, सदुरै

तारीख: 19-4-1985

मोडर 🛭

प्रकृष बाह् . दी . एन . एस . -----

1. श्री एम० के० सबरमाणयम।

(अन्तरक)

नायफर जिमिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-भ (1) की अभीन सुभना

3. श्री जें० एन० जीतीकृष्णन।

(अन्तरिको)

#### भारत सरकार

कार्यानय, सहायक नामकर काम्यत (निरीक्षण) अर्जन रेंज मदुरै

मदुरै, दिनाक 19 अप्रैल 1985

निर्देश मं० 14/सितम्बर/84---अतः मुझे, बी० एम० मृत्रुरामलिंगम,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269- ख के अधीन सक्षय प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, विसका उचित नाजार मून्य 1,00,000/- रा. से अधिक हैं

श्रौर जिसकी सं० टी॰ एप॰ मे॰ 606 भृमि श्रॉर मकान है जो मदुरे में स्थित है (श्रौर इसमें उपायह अनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है), र जिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के नार्यालय मदुरे (दस्तावेज स॰ 4712/84) है र जिस्ट्रीकरण धिंध-नियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 15 सितम्बर 1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूफ्ते यह विश्वास करने करन का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एस दृश्यमान प्रतिफल का पन्दृह प्रतिशत से अधिक है और अतरक (अवस्की) और अतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए सय पाया गया प्रतिफल निम्निलिखत उद्वेष्य से उसत अन्तरण लिखित में वास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है:——

- (क) बंधरण से हुए सिश्ति बास को शायत, सक्स वरिश्विक्य के अधीन कर दोन के अंतरक के रायित्य में सभी करने या उसने बचने में मुकिया के लिए; बौर/या
- (क) णेसी किसी जाय या शिसी घर या मन्य जास्तियों की, जिन्हों भारतीय गायकर मधिवियम, 1922 (1922 का 11) या चक्त अधिनियम, या ल्ल-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ जंतरिती व्वारा प्रकट नहीं किया गया था किया जाना चाहिए था, छिपाने में शूरिका को लिए,

की वह सूचना बारी कड़के पूर्वोक्त हम्पत्ति के अर्थन के निए कार्यवाहियां करतां हैं।

जकरा सम्परित के मर्जन के सम्बन्ध में कोई भी बाक्षेप :---

- (क) इस स्थान को राजपण में प्रकाशन की तारीं से 45 बिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर स्थान की तानील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, को भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति वृदारा;
- (ब) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख स 45 दिन के भीतर उसत स्थावर सम्मित्त में हिसबव्ध किसी बन्य स्थावत ब्वारा, अभोहस्ताक्षरी के पास विवित्त के किसे वा तकों ने।

#### मन्द्रकी

भूमि भौर मकान में टी० एस० स० 606 मदुरै। (दस्तावेज सं० 4712/84)

> वी० एम० मुत्तुरामलिंगम सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेज, मद्गरै

अक्षः अक्षः अधिनियम की भारा 269-ग के अवृत्ररण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-श की उपधारा (1) के अभीन, निम्निलिखित व्यक्तियों, अर्थातः

नारीख: 19-4-1985

मोहर 🖫

प्रकार भाषी टी , एतु , एस् , लाल न न न लाल

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) के अधीन स्चना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, मदुरै

मद्रै, दिनांक 19 अप्रैल 1985

निदेश मं० 75/सितम्बर/84--अतः मुझे, वी० एम० मुथ्रामलिंगम,

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्परित, जिसका उचित बाजर मूल्य भ,00,000/- रहा से अधिक है

श्रीर जिसकी सं० भूमि श्रीर निर्माण में टी० एस० मं० 746 श्रीर 748 है, जो मदुर में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप मे वर्णित है), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय में मदुर (दस्तावेज मं० 4737/84) में भारतीय रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख 15 सितम्बर 1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित वाजार मून्य सं कम के उपयान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गर्ड हैं और मुक्ते यह विश्याम करने का कारण हैं कि यथापूर्वोक्त सम्मत्ति का उजित वाजार मून्य, उसके उपयान प्रतिफल से, ऐसे उपयान प्रतिफल का पंजह प्रतिकात से अधिक हैं और अंतरक (अंतरोकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसं अन्तरक के निए तब पावा गवा प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिवक रूप से किथा नहीं किया गया हैं:—

- (क) अंशरण में हुई शिक्सी बाय की बाबता, उक्त अधिनियम को अभीन कर दोने के जन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के किए: और/का
- (ख) एंसी किसी बाय या किसी भन या बन्च आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1920 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-अर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अर्थिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अत: अव, उक्त अधिनियम की धारा 269-म के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिसिन व्यक्तियों, अर्थात —

श्री सेमसुन्दरम चेट्टीयार स्रोर अन्य।

(अन्तरक)

2 श्री मी० सेथुरामन ।

(भन्तरिती)

को यह स्थाना जारी करके पूर्वीक्त सम्परित के अर्जन के लिए कार्यमाहिया करता हु।

उक्त सम्पत्ति के अर्थन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस स्वाना को राजपत्र में प्रकाशन की तारीक्ष से 45 दिन को नविभ मा तत्सवंधी न्यक्तियों पर स्वान की तामील से 30 दिन की वनिष, जो भी विभिन्न बाद में समाप्त होती हो, को भीतर धर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति ब्यान्त कारा;
- (ब) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख में 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्योकत द्वारा असोहरूनास्परी के यास विश्वित में किए जा सकरेंगे।

म्पष्टीकरणः इसमें प्रमुक्त शब्दों और पदों का, जो उकत अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया हैं।

#### मन्स्यो

भूमि श्रौर निर्माण मे टी० एस० संव 746 श्रौर 748 मदुरै । (दस्तावेज संव 4737/84)।

> वी०एम० स्युरामलिंगम तक्षम प्राबि ारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंकः मदुरे

तारीख: 19-4-1985 मोहर ध प्रकृष बाहे. ही. एव. एक:-----

आयक्टर मधिनिरम, 1961 (1961 मा 43) मूर्व भारा 269-म (1) के मधीन स्प्ता

### बारक स्वाभूत

कार्यांचय, सहायक भायकर वायुक्त (निरक्तिका) अर्जन रेंज, मद्री

भदुरै, दिनाव 19 अप्रैल 1985

निर्देण स० 76/सितम्बर/84—अतः, मुझे, वी० एम० मुथ्राम्लिंगम,

कावकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का बारण है कि स्थावर मम्मिस, जिसका उचित बादार 1,00,000/- रु. से अधिक है

श्रीर जिसकी सं० भिम श्रीर निर्माण में टी० ए.मैं० स० 868/72 श्रीर 868/6 है, जो मदुरै में स्थित हैं (श्रीर इससे उपावड़ अनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप में वर्णित हैं), रिक्स्ट्रें क्तां अधिकारों के कार्यानय महुरै (दस्तावेज सं० 4513/84) में भारतीय रिजस्ट्री-करण आधिनयम 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 15 सितम्बर 1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के स्थमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मूफो यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार क्रूच्य, उसके द्रश्यमान प्रतिफल से, ऐसे स्थमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरका) और अतिरित्ती (अंतरितियों) के बीच ऐसे अंतरण के लिए स्य बागा गया प्रतिफल, विस्नितिक उद्योक्य से उक्त बन्दरण निवास का प्रतिफल के विष् स्य

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की वाबत, उक्त क्रीभीनवम के लधीन कर वेने के कम्सरक के स्वित्व के क्वी करने वा उच्च नचने में बुविचा के लिए; बाँड/या
- (क) ऐसी किसी जाम या किसी धन या अन्य कास्तियों की, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिने था, छिपाने में समिया के सिक्

नत: जन, उनत अभिनियम की धारा 269-ए के अनुसरण मी, मी, उनत निमित्तयम की धारा 269-ए की उनभारा (1) को अधीन, निम्निसित व्यक्तियों, अधीत है—— 1. श्रीमती शारदा अम्माल।

(अन्तरक)

2. श्री शिव कुमार।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्थन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हो।

उक्त सम्पत्ति के बर्चन के सर्वध में कोई भी बाक्तेप :---

- (क) इस स्चना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीं से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तिया पर स्चना की तामीन से 30 दिन की अविधि, जा भी अविधि बाद में सपाप्त हांती हो, के भीतर पृशें कर व्यक्तियों में से जिसी व्यक्ति ह्वारा;
- (ख) इस स्थान के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस स 45 दिन के भीतर पूर्वितन उत्तर स्थावर सम्पित में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधीहम्ताक्षरी के पास लिखिन में किए जा मकींगी।

स्पष्टीकरण: ---इसमे प्रयुक्त शब्दों और पदों का या उनत अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याम में दिया नया है।

#### धनुसुनी

भृमि श्रीर निर्माण में टी० एस० स० 868 7-2 श्रीर 868 6 , महुरे।

> वी॰ एस॰ मृथुरामलिंगम मक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, मदुरें

दिनाक . 19-4-1985

मोहर 🖫

## प्ररूप नाइ^क. ट. एन_ः एसः - ---

गायकार अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-व (1) के अभीन सुचना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर नायुक्त (निरक्षिण)

तर्जन रेंज, **मद्**रै

्र मदुरै, दिनाक 19 अप्रैल 1985

निर्देश स० 77/सितम्बर/84--अतः, मुझे, वी० एम० मुथुरामलिंगम,

शायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचाह 'अवत अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख क अधीन सक्षम प्राधिकारी करे, यह विकास करने का कारण हाँ कि स्थानर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 1,00,000/- रा. से अधिक है

ग्रौर जिसकी स० भूमि ग्रौर निर्माण में टी० एस० स० 86 है, जो मदुरै टाऊन में स्थित हैं (श्रौर इसस् उपावद्ध अनुसूर्चा में भौर पूर्ण रूप में वर्णित हैं), राजस्ट्रीकर्ना अधिकारी के कार्यालय मदुरै (दस्तावेज स० 4227/84) में भारतीय राजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, नारीख 15- सिनम्बर 1984

को प्रवोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य में कम के ध्रयमान भ्रांतफल के लिए कन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथाप्रविश्त सम्मित का उचित बाजार मृत्य, उसके ध्रयमान प्रतिफल से, एसे ध्रयमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रांतकत से अधिक है और जन्तरक (अन्तरका) और अन्तरिती (अन्तरितिया) के बीच गृंसे अन्तरण के लिए तय भाग गया प्रतिफल, निम्नलिखित उदयभ्य स उक्त अन्तरण निश्वत में नास्त्रिक स्था से कथित नहीं किया गया है :—

- (क) कन्तरण में हुई किसी जान की बाबत उन्तर अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व को कमी करने या उसमें बचार में प्रिचिधा ह निष्म, और/बा
- (स) एसी किसी आय यो किसी भन या अन्य शास्तियों की जिन्हों भारतीय जायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनयम, या भन-कर अधिनियम, या भन-कर अधिनियम, या भन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) वे प्रयोजनार्थ अन्तिरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था दा किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुनिधा के लिए;

श्रुत: अब, जवत अधिनियम करी भाग 269-म के अनसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) के अधीत ।---- 26---86GI[85

1 श्री एस० पी० आर० एम० रामनायन चेट्टियार भौर अन्य।

(अन्तरक)

2 श्री ए० यूसुफा।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के वर्जन के लिए कार्यवाहिया भूक करता है।

उक्त सम्पत्ति के बर्जन के सम्बन्ध में कोई भी बाक्षेप :----

- (क) इस स्थान के राजपत्र में प्रकाशन की तारील से 45 दिन की अवधि या नामम्बन्धी व्यक्तियां पर स्थान की तामील से 30 दिन की अवधि, को भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, से भीतर पूर्वोक्त व्यक्तिनयां मा में किसी व्यक्ति दुवारा,
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-नद्ध किनी अन्य व्यक्ति द्वारा अधाहम्लाक्षरी क पाम लिखित में किए जा अर्कोरी।

स्पर्धाकरण — समम प्रथमन शब्दों और पदों का, ओ जनत अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में विका गया है।

#### वन मुक्त

भृमि श्रौर निर्माण में टी० एस० स० 86 महुरै। (इस्तावेज स० 4227/84)

> वी०एम० मृथुरा**र्मानगम** सक्षम प्राधिकारी सहाय५ जानकर जायुक्त (निरीक्षण), अ**र्जन रेंज, नदुरै**

दिनांक 13-4-19**85** 

मोहर:

## इक्स् बार्च. दीं. दन् द्यू.----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-व (1) के सधीन स्वा

#### भारत् सरकार

कार्याक्षय, सहायक क्षायकर वायुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, मदुरै

मदुरै, दिनांक 19 अप्रैल 1985

निर्देण सं० 78/सितम्बर/84—अतः, मुझे, वी० एम० मुश्रुरामलिंगम,

नायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधितायम' कहा गया ह"), की भारा 269-च के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह निकास करने का कारण ह" कि स्थावर सम्मति, जिसका उचित बाजार मृज्य 1,00,000/- रु. से अधिक ही

श्रीर जिसकी सं० डोर सं० 30/डी है, जो मासी स्ट्रीट मदुरैं में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूची मेश्रीर पूर्ण रूप से विणित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय सधरिजस्ट्रार पुदुमणटपम, मदुरै, (दस्तावेज सं० 2270/84) में भारतीय रजिस्ट्रीकरण आधिनयम, 1908 (1908 का 16) के जधीन तारीख सितम्बर 1984

को पूर्वोक्त सम्बत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दरवमान प्रियेफ ल के लिए बन्तरित की गई है कि मूक्ते वह विश्वास करने का कारण है कि बमापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दरवमान प्रतिफल से एसे दरवमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से बधिक है और बन्तरक (अन्तर्कों) और बन्तरिती (बन्तरितियों) के बीच एसे बन्तरक के लिए तथ नावा गया प्रतिफल, विश्नसिवित उच्चेश्य से उचित कन्तरक मिश्रित में वास्तिक रूप से कृष्टित वहीं किया क्या है है—

- (क) मन्तरण से हुई किसी नाय को बाबत. अवत विभिन्निय के अभीन कर दोने के अन्तरक को दामित्व में कमी करने मा बत्तसे अवने में सुविभा के लिए; और/वा
- (क) ऐसी किसी बांव या किसी भन या बन्त कास्तियों की जिन्हों भारतीय आय-कर किशिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या भन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) की प्रयोजनार्थ अन्तरिसी द्वारा प्रकट नहीं किया भया था या किया जाना था, कियाने में सिक्दा जाना था, कियाने में सिक्दा औं विद्या
- अं अवः अवः, उत्तर विभिनियम की भारा 269-ण के अनुसरण कों, की अभत विभिनियम की भारा 269-थ को उत्तभाषा (क्षे के अभीन, निक्तिशिखक व्यक्तियों, अर्थात :----

- 1 (1) श्री रत्तीनम अम्माल।
  - (2) श्रीमती बेनी अलयासं राजमाणी कम्माल।
  - (3) श्रीमती सुशीला अलयास मीनाक्षी। (अन्तरक)
- 2. श्री कल्याणसुदरम माले।

(अन्तरिती)

को यह मुखना आरी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्जन के निष् कार्यवाहियां करता हुए।

चक्त सम्पत्ति के वर्षन के सम्बन्ध में कोई भी गाक्षेप :---

- (क) इस बुचना के राजपत्र में प्रकाशन की ठारीच से 45 दिन को अविधि या तत्सं कंभी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति दुआरा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्द्रभ किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरों के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टिकरणः इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त बीधीनियम, को अध्याय 20-क में परिभावित हैं, यही अर्थ होगा को उस कथ्याय में दिया महा हैं।

### अनुसुची

मकान में डोर सं० 30/डी० मासी स्ट्रीट, मबुरै एस० आर० श्रो० पुदुमणटपम मकुरै: (त्म० स० 2270/84)

> वी० ए**म् क्ष्मश्चराम्मिनाम** स्वायक आयकर जायुक्त !'(मिरीक्षण), केर्जन ^{प्र}ित्त, मंदुरी

> > 113

दिनौया : 19-4-85

मोहर 🔀

प्ररूप थाई.टी.एन.एस. ------

नायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-व (1) के अभीन सूचना

#### भारत सरकार

# कार्यालय, सहायक जायकर जायुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेज, मदुराई

मदुरँ, दिनांक 19 अप्रैल 1985

निर्देश म० 79/सितम्बर, 84--अतः, मुझै, वी० एम० मुथु रामलिगम

आवकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिले इसमें इसके परवात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा 269-क के मधीन सक्षम प्राधिकारी को यह निश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 1,00,000/- रतः से अभिक है

भ्रोर जिसकी सं० एस० सं० 75/1 श्रीर 75/2 (भूमि) है, जी पुदुमणटपम भदुरै में स्थित है (ग्रौर इससे उपावद अनुसूची मे भौर पूर्ण रूप से वर्णित है), राजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, पुदुमणटम, मदुरै (दस्तावेज सं० 2314/84) में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 30' सितम्बर 1984

को पूर्वोक्स सम्बक्ति के उचित बाजार मूल्य ते कम के द्रश्यमान <mark>प्रति</mark>फल के लिए अंतरित की गई है और मुक्ते बहू विस्वास करने का कारण है कि यथापूर्वीक्त तस्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, ससके इत्यमान प्रतिकश्च से, एसे स्वयमान 'अप्रैत्कल का पन्त्रह प्रतिश्रक्ष से आधक है और अंतरक (अंतरकों) और अंस-रिती (अंसरितियों) के बीच एसे अंतरण के निए तब पाया गर्गा प्रतिफल, निम्नीलिकित उद्दोष्य से उक्त अंतरण लिखित में बास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:----

- (क) अंतरण से हुई किसी बाय की बाबत, उक्त बाध-नियम को अधीन कर दोने को अंतरक को पाबिस्य में **कर्जा करने वा उससे बचने में सुविधा के सिए**; और/या
- (का) एसी किसी जान या किसी धन वा अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय बायकर विधिनयन, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या भनकर अभिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ बंतरिती बुवारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, किपाने में सुविधा के लिए:

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण सें, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-भ की उपधारा (1) के अभीन, निकालिशित व्यक्तियों, अर्थात् :---

1. श्री एम० सूर्व्यया नेवर।

(अन्तरक)

2. श्रीमती हेमलता।

(अन्सरिती)

को यह सुचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के कर्चन के जिए कार्यवाहियां करता हो।

उक्त सम्पत्ति के नर्धन के संबंध में कोई भी बाह्येष :----

- (क) इस सूचना के राजपम में प्रकाशन की साराज से 45 दिन की अवधि मा तत्सम्बन्धी व्यक्तियाँ पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, वो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में ते किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ब) इस स्वना के राजपन में प्रकावन की तारीब से 45 दिन के भीतर स्थानर सम्पत्ति में द्वितवद्यंक किसी अन्य स्वीवतः इमारा अधोहस्ताक्षरी से पात लिखिब में किए जा सर्कोंगे।

स्वव्यक्तिरण:--इसमें प्रवृत्ता बच्चों और पदों का, स्रो उच्छ ब्रीध-निक्स, के अध्यास 2,6 न्क में परिभाषित है, वहीं वर्ष होगा जो उस अध्याव में दिया गया है।

भूमि और टी० एस० सं० 75/1 और 75/2 मदुरी। (दस्तावेज सं० 2314/84) .

> बी० एम० मुथुरामलिंगम सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अजेन रेंज, मदुरे

तारीख: 19-4-1985

मोहर:

प्रकप आहे. दी. एन. एस. -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-न (1) के अधीन सूचना

भारत धरकार

# श्रयांत्रय, सहायक वायकर वायकर (निरक्षिण) अर्जन रेज, मदुर

मद्रौ, दिनाक 19 अप्रैल 1985

निर्वेश स० 80/ सितम्बर/8/--अत मुझं, वी०, एम $\circ _{4}^{7}$  मृथुराम्सिन्,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) जिले इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' अवहा गया है'), की धारा 269-च के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह निक्वास करने का कारण है कि स्थानर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रा से अधिक है

श्रीर जिसकी सं० भूमि भौर निर्माण में टी० एस० स० 94 श्रीर 95/2, है जो तीरुनंगल गांव में स्थित है (श्रीर इससे उपायढ़ अनुसूची में पूर्ण रूप से विणत हैं), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय तीरुनगल (दस्तावेज स० 1368/84) में भारतीय रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन सारीख 15 सिनम्बर 1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति को उचित बाजार मृत्य से कम के करमाल प्रतिफल को लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते वह विक्यास करने का कारण है कि यथा पूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके क्यमान प्रतिफल से, एम क्यमान प्रतिफल के पन्त्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरिक (अंतरित्यों) को मार्च अंतरित (अंतरित्यों) को बाध एसे अन्तरण के लिए तम पामा गया प्रतिफल, निम्निनिवयं उक्षेप से उक्त अन्तरण निविद्य में वास्तिक रूम से किया नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आग की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने भें स्विधा के लिए; और/या
- (क) ध्रेसी किसी आय या फिसी भन या जन्य जास्तियों का, जिन्ही भारतीय आय-कर अधिनियम, 192 का (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या भनकर अधिनियम, या भनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना वाहिए था, छिपाने में सुविधा के सिए:

अतः अव, उक्त अधिनियम की भारा 269-ग के अनुसरण मे, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ध की उपधारा (1) को अधीन निम्निलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--- 1. श्री ए० सरोजा।

(अर्न्तरक)

2. श्री एस० अशोक।

(अन्त(रती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्परित के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी बाक्षेप :---

- (क) इस स्थान के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस सं 45 दिन की जनिश्र या तत्संबंधी व्यक्तिया पर स्थान की सामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त हाती हा, के भीतर पूर्व क्ल व्यक्तिया में से किसी व्यक्ति वृत्तरा,
- (व) इस सून्यमा के राज्यका मो प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थानर सपित मो हिएए। किसी जन्म व्यक्ति द्वारा अभोहस्ताक्षरी के पास सिवित में सिग् का सकेंगे।

स्पब्दीकरणः - इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, को उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभावित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याम में दिया गया है।

## अनुसूची

भूमि श्रीर निर्माण में टी० एस० स० 94 श्रीर 95/2 साइन्नगल।

(दस्तावेज स॰ 1368/84)

वी० एम० सृथुरामलिगम सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयृक्त (निरीक्षण) **क्षणेन** रेंज, मदुरै

तारी**ख** . 19-4-85 मोहर . प्ररूप आहूर. टी. एन. एस. -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) के अभीन सुचना

### भारत सरकार

कायनिय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, महु**रै** 

मदुर, दिनांके 19 अप्रैल, 1985]

निर्देश म० 81/सितम्बर/84→-अत. मुझे, वी० एम० मृथुरामलिंगम,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उकत अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-ए के अधीन सक्षम प्राधिकारों को यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित वाजार मूल्य 1,00,000/- रा. से अधिक हैं

स्रोर जिसकी सं० भूमि स्रोर निर्माण में टी० एस० 1/1488/ए है, जो नीयतन्त्र में स्थित हैं (और इससे उराबद्ध अनुसूचा में स्थित हैं), जिन्हों का अकारी के कार्योत्तय तीरुनगल (दस्तावेज स० 1475/84) में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख 30 सितम्बर 1984

को पूर्वोक्स संमंस्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के क्यमान प्रितिफल के लिए अन्तरित की गई है और मृक्षे यह विश्वास करने का कारण है कि यथा पूर्वोक्त सम्मित का उचित बाजार मृत्य, उसके दश्यमान प्रिटिफल से, ऐसे दश्यमान प्रिटिफल के पंद्रह प्रतिकात से अधिक है और अंतरक (अंतरकॉ) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बोच ए में अन्तर्भ के लिए तय पाया नया प्रतिक्क कन, निम्निलिशत उद्देश्य से उक्त अन्तर्भ लिखत में वास्तिवक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आप की बाबत, उक्त बिधिनियम के अधीन कर दोने के उन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में स्विधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में मृदिधा के लिए;

अतः अवः, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में उक्त अधिनियम की धारा 269-व की उपधारा (1) के अधीग, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--- 1. श्री सोमसूदर नाडार।

(अन्तरक)

2. श्रीमती मंचुला।

(अन्तरिती)

को यह सुचना जारी करके पूर्वीकत सम्पत्ति के अजन को लिए कार्यवाहिया करता हुं।

उन्त संपत्ति के वर्जन के संबंध में कोई भी आक्षंप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस स 45 दिन की अविध या तत्संबंधी व्यक्तियों रह सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी जद्मीय के बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति इवारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्षत स्थावर संपत्ति में हितवदूभ किसी अन्य व्यक्ति द्वारा मधोहस्ताक्षरों के पाम लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरणः -- असमे प्रयुक्त शब्दों और पदो का, ओ उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित ही, वही अर्थ होगा जो उस अध्याद में दिया गया है।

### अनुस्ची

भृभि और निर्माण में टी० एस० 1488/ए। (दस्तावेज सं० 1475/84)

> वी० एम० मुथुरामिलगम ह्रुमसम प्राधिवारी, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, सदुरें

**रारीब: 19-4-1985** 

संहर :

प्रस्त आई, टी. एन . एस-----

नायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन न्धना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक जायकर कायुक्त (निर्दाक्षण) अर्जन रेंज, मदुरै

मद्ररे, दिनांक 15 अप्रैल 1985

निर्देश सं० 82।सितम्बर। 84---अतः मुझे, वी० एम० मुसुरामलिंगम,

वायकोर ऑपनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इक्सें इसके पश्चान् 'उक्स अभिनियम' अहा गया है), की भाग 269-स के अभीन सक्षत्र अभिकारी को यह निकास करने का कारण है कि स्थावर सम्मत्ति, जिनका उचित आजार नृस्व 1,00,000/- रा. से अधिक है

ग्रीर जिसकी सं भर्ने सं 7571/डी 3ए 5 है, जो सिवकासी में स्थित है (ग्रीर इससे उपावत अनुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप में विणम है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय सब-रजिस्ट्रार सिवकासी (दस्तवावेज सं 2496/84) में भारतीय रिजर्ट्री-करण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख सितम्बर 1984

को पूर्वोक्त सम्मित के उमित बाबार मून्य से का के कामान प्रतिकाल में सिए अन्तरित की नहीं है बीर मुख्ये वह विकास कार के का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपरित का उमित बाबार मून्य असम उपयान प्रतिकास के, एवं प्रयास प्रतिकास का बन्द प्रतिकात से अभिक हैं और अन्तरिक (अन्तरिकों) और अन्तरिकों (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरिक के बिए तब वावा गवा प्रतिकात, निम्नीसिका उन्देश में उन्तरिका का कार्तिक में वास्तिक कप से कमित नहीं किया गया है है—

- (क) अन्तरण से हुर्द किसी जाम की बाबत उक्त अधिनियम को अधीन कर दोने को अन्तरक को बायित्व में कमी करने या उससे अजने में सुसिधा को लिए; और/या
- (स) एंसी किसी बाय या किसी धन या बन्य आस्तियों करें, जिन्हें भारतीय आयंकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के अयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया भा या किया जाना चाहिए था, खिपाने में सुविधा के लिए;

बतः सम, उक्त अधिनियम की धारा 269-म के अनुसरण मा, भी, उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) के अधीन, निकासिकित व्यक्तिमों, अर्थात् :---

श्री गोपाल श्रीर के० क्रुटणनः।

(अन्तरक)

2. श्री ए० आरं० पोरपार्वै।

(अन्नरिती)

को यह बूक्या काही करके पृत्रों का कम्प्रीरत के वृत्रं के विद कार्यनाहियां कुछ करता हो।

## उन्ध समिति के अर्थन के समान वो कोई भी वाखेद:--

- (क) इस सूचना के राज्यात्र में प्रकाशन की तारीय से 45 दिन की शर्मीं मा तत्संगंधी व्यक्तियों पर सूचना की तानील से 30 दिन की श्रवीं मा भी स्वीत माद में सभाष्त होती हो, के भीतर पूर्वीं सर व्यक्ति में से किसी स्विति द्वारा;
- (क) इस सुनना के राज्यका को प्रकाशन की दारीक से 45 दिन के शीदण उक्त स्वावर न्य्रव्यक्ति के दिलक्ष् किसी क्ष्य जिल्हा दुवाचा वशेहत्वाकरी के पाव सिवित के किए वा बकेंगे।

स्थानकीकरणः ---भूकसे प्रशृक्तः कक्यो और दर्शका, कां उपक जीभीनयमं के अध्यास 20-के से परिभाषित हैं, वहीं वर्ष होगा को उस्र अध्यास में दिवा गवा हैं ∰

र्गम में एव० मं० 757/1 दी 3 ए5 सिवकाली सम-रिजस्ट्रार, सिवकासी। (यस्तामेज सं० 2496/84)

> वीं० एम० मुथुरामिनगम मक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, महुरी

तारीच 15-4-1985

मोहर

## प्रका नाहाँ, टी. एम , एव-----

भायकर गर्धिनियम, 1961 (1961 का 43) की भाव 269-व (1) के नधीन सुवना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयक्त आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, मसुरै

मदुरै, दिनांक 15 अप्रैल, 1985

निर्देश सं० 83/सिसम्बर/84--अतः मुझे, वी० एम० मृतुरामनियम,

बायकर जीधनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें सिके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया ही, की भाक 269-क के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वात करने का कारण है कि स्थायर सक्षीत, जिनका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रहा से अधिक ही

भीर जिसकी मं० वार्ड नं० सं० 15, शारणकार-स्ट्रीट रामनाथ पुरम टाऊन है, (श्रीर इससे उपाबद्ध अनुसुक्षी में भीर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, जवांद्रट सींब-रजिस्ट्रार रामनातपुरम (दस्तावेज सं० [933/84]) है भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, नारीख सितम्बर 1984)

को पूर्वोक्त संपरित के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफर्ल के लिए रिजस्ट्रीकृत विलेख के अनुसार अंतरित कीगई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण ही कि यह पूर्वोक्त पूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके क्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिकृत से अधिक है और जन्तरक (अन्तरकों) और कन्तरिती (अन्तरितिबों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तम पावा गया प्रतिफल, निम्निलिखत उद्देश्य से उचत अन्तरण लिखित में वास्त्रिक रूप से कीचत नहीं किया ग्या है :---

- (क) जन्तरम से हुई जिल्ही आय की बाबत, उक्त अधिनियस के अधीन कर दोने के अन्तरक को दायित्व में अभी करने या उससे बचने में मृतिधा के लिए; और/बा
- (का) एसी किसी जाय या किसी अन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 को 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 को 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया भा या किया जाना चाहिए था, खिमाने में सुनिभा के लिए:

अतः जन, उक्त जिथिनियम की धारा 269-ग को अनुसरण में , मैं , उक्त जिथिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) के अधीन, निम्नतिक्ति व्यक्तियों, जर्थातः :--- (1) श्रीमती हेमलक्षमी।

(अन्सरक)

(2) सौयद फानुमाल।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वक्त सम्पत्ति के अर्जन के जिए कार्यवाहिया करना हो।

उक्त सम्पत्ति के कर्ज़न के संबंध में कोई भी काक्षेप :----

- (क) इस स्थान के राज्यित में प्रकाशन की तारीक में 45 दिन की नवीं या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्थान की तामीस से 30 दिन की बवीं था भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त न्यक्तियों में से किसी न्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपंत्र में प्रकाशन की तारीय से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-व्यथ किसी जन्य व्यक्ति द्वारा अथोहस्ताक्षरी के पास सिवित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण. -- इसमें प्रमुक्त अब्दों और पदा का, जो उकत अधिनियम के बध्याय 20-क में परिभाषित हैं, बहुी कर्ष होगा, जो उस अध्याय में दिया गंभा है।

अनुसूची

मकान में वार्ड मं० 15, वणणरकक्कार स्ट्रीट रामनात पुरम टाऊन। जवाइंट सब रिजस्ट्रार-II रामनातपुरम। (दस्तावेज सं० 933/84)

> पी॰ ६म १ मुथु रामलिंगम सक्ष्म श्राह्मिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-1, अम्बई

सारीख: 15-4-1985

मोहर 🖫

प्रकम आध्र'्टी.एन.एस.------

जायकर किपिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-म (1) के अभीन सुचना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक बायकर बायक्त (निरीक्षण)

ग्रजैन रेंज, मदुरै मदुरै, दिनांक 15 श्रप्रैल 1985

निदेश सं 84/सितम्बर 84—श्रतः मुझे, वी े एस मुन्युरामिलगम,

जानकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा 269-क के अधीन सक्षम प्राधिकारी को गह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मून्य 1,00,000/- रह. से अधिक है

कौर जिसकी मं० सर्वे नं० 18/21 हैं तथा जो मंगरपेरी गांव, बालनायकनपट्टी तल्नुकोरिम में स्थित हैं (और इससे उपाबद्ध प्रनुमुची में और पूर्ण रूप से वर्णित हैं) रिजस्ट्रीकर्ता प्रिकारी के कार्यालय यटि मब-रिजस्ट्रार-3 तुन्नुकोरीम दस्तावेज सं० 905/84 में रिजस्ट्रीकरण प्रधिनयम 1908 (1908 का 16) के श्रधीन तारीख सितम्बर 1984

को प्रॉक्त सम्पत्ति के उभित बाजार मृत्य से कम के उरक्षान श्रीतरूल के लिए अन्तरित की गई ही और मुक्ते यह विकास करने का कारण ही

क यथा पूर्वेक्त सम्पत्ति का उर्वेषत बाजार मूल्य, उसके क्रयमान प्रतिफल से, एसे क्रयमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक ही और अंतरिती (अंतरितियों) के श्रीच एसे अन्तरण के लिए तथ पाया गया प्रतिफल, निम्निलिखित उक्दोंश्य में उक्त अन्तरण जिल्लित में वास्तविक रूप से किथत नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्स अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरका के दायित्व में कमी करने या उत्तर्ध बचने मीं सुविभा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी बाय या किसी धन या जन्य जास्तियों की, जिन्हीं भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या जक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनाई जन्तिरती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

जतः अस्म, उक्त अधिनियम की भारा 269-म के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की भारा 269-म की उपधारा (1) के.अभीम, निम्नसिक्ति व्यक्तियों, अर्थात् :--- (1) श्री पुगलेंदी ।

(भ्रन्तरक)

(2) श्री दूरीराज
2. नेहरूप्रकाश
37ए, पी० सेलप्पा नागार ।

(मन्तरिती)

न्द्रे यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्मित के अर्थन के लिए कार्यनाहियां करता हुं।

उन्त संबन्ति के अर्ज्जन के संबंध में कोई भी जाक्षेप :----

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राज्यप्य में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-मक्ष किसी व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्थाध्यक्तिरण .— प्रमा प्रयुक्त शब्दों और पदों का, को उकत अधिनियम, को अध्याय 20 क में परिभाषित है, नहीं अर्थ होगा को उस अध्यात्र में दिया गया है।

#### अनुसूची

भूमि और मकांन में एस० म० 18/2 डोर सं० 109, वालनायकनपट्टी, ट्टीकोरिन।

> वी० एम० मुन्युरामलिंगम सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) सर्जन रेंज, महरै

दिनाक 15-4-1985 भोहेर : प्ररूप आई. टी, इम्, एस्, ननन्द्रननन

## बाधकर जिथिनियम, 1961 (1961 का 43) कीं धारा³269-भ (1) के सभीन सुभना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरक्षिण) अर्जन रेंज,मदुरै

मदुरै, दिनांक 15 श्रप्रैल 1985

निदेश सं० 85/सितम्बर 84—श्रतः मुझे, बी० ६म० मुत्तरामलिंगम,

आयंकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं कियां मं 377/4, डोर सं 2/73, और 2/73ए है तथा जो एनोथदवेन्द्रम एट्ट्यापुरम तालुक में स्थित है (और इसमे उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से विणित है, रजिस्ट्रीकर्ता प्रिक्षकारी के कार्यालय सब रजिस्ट्रार एट्ट्यापुरम दस्तावेज सं 16/84 में र्राजस्ट्रीकरण अिक्षित्यम 1908 (1908 का 16) के अधीन नारीख सितम्बर 1984, का पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य सं कम के दृश्यमान प्रतिकल के लिए अन्तरित की गई है और मुभे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके द्श्यमान प्रतिकल सं, एसे दृश्यमान प्रतिकल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अतरक (अतरकों) और अतरकिती (अंतरितियों) के बीच एसे अतरण के लिए तय पाया गया प्रतिकल निम्नलिसित उद्देश्य से उक्त अतरण लिसित में वास्तिक रूप में कथित नहीं किया गया है :——

- (क) ब्लाइण चेहुई फिसी काम की बाबत, अवस्य बर्धिनियम के बधीन कर दोने के बन्तरक के बासिटक में कमी करने वा उद्दर्ध ब्ल्ने में शुविधा के लिए, बॉह/बा
- (क) ऐसी किसी बाय या किसी वन वा जन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ कैंतिरिती ब्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना वाहियं था, खिपान या अविधा के लिए;

श्रत श्रव , उनत अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उनत अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) के अधीन. निम्नलिखित व्यक्तियों, व्यक्ति उ—27—86GI|85

(1) एस० एम० दी० राजाराम ।

(ग्रन्तरक)

(2) एन० ग्रार० के० ग्रार० स्वीन्द्रन ।

(ग्रन्तरिती)

का यह सुचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

डक्ट सम्परित के अर्थन के सम्बन्ध में कोई भी वाक्षेप .

- (क) इस सूचना की राजपत्र में प्रकाशन की तारीच से 45 दिन की जनिध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की बनिध, जा भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्स व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति हुनारा;
- (ख) इस स्पना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीब स 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्परित में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अथोहस्ताक्षरी के पास चिक्ति में किए जा सकीं।

त्यक्टीकरणः - इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, को उक्त विधिनियम के बध्याय 20-क में परिभाषित हैं, यही वर्ष होगा, को उस बध्याय में दिसा भया है।

#### वन्स्यो

भूमि और मकान; में डोर सं० 2/73 और 1/73ए और सर्वे नं० 377/41एपीयमधेन्द्रम गाव, एट्ट्यापुरम तालुक एस० घार० ओ० एट्ट्यापुरम दस्तावेज सं० 1-16/84।

वी० एम० मुत्तुरार्मालगम सक्षम प्राधिकारी सहायक ब्रायकर ब्रायुक्त (निरीक्षण) ब्रर्जन रेंज, महुरै

दिनांक : 15-4-1985

मोहर :

RAM ALLA, T. O'M LA

आध्यत्य अधिनयम, 1961 (1961 का 43) की भाग 169-म (1) क अभीन मुचना

#### धारत यरकार

क्रमंतिस रहायन वायन र प्रमुक्त (निरक्षिण) अर्जन रेंज, सदूरी मन्दे, दिनाका 15 अप्रैल 1985

निदेश मं० 86/निनम्बर 84—प्रतः मुझे, वी० एम० मूलरामलिंगम,

आयकर का पंत्रास (1000 का 43) (जिसे इसमें इसमें इसमें उपाद के की पार इसमें का स्था है), की भार 260 का का का का का पर विख्यान करने का कारण है। पार्क के का कारण है। पार्क के बाजार मन्य 1,00,000/- रह से अधिक है

और जिसकी सं० एस० सं० 309 है तथा जो नागलगोडा गाव तेनकामी तालुवा में स्थित है (और इसमें उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से विणत है) रिजस्ट्रीयकी अधिकारी के कार्यालय ज्यायट एवं रिजस्ट्रीय -2, तनकारती दस्तावेज सं० 710/84 वे जीवरट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का का 16) के अभीत तारीध सितम्बर 1984,

का प्रांवित मार। के उकि। शकार मून्य से कम के दृष्यमान प्रांतिक। है। ११० वन्यां ता गरी हैं और अभी यह विकास धरन है। के, हैं है। १। । । । । । स्वार्ति है। की उिचा बाजार वा वा नार। उध्यान प्रांतिक। में हम एक्सान प्रांतिक। में हम एक्सान प्रांतिक। में अस्तिक हों और अन्तरक (अस्तरकों) जोर अन्तरिती जिल्ला रितिया। के अभि का प्रांतिक। है निम् तय पाया गया कित्ताती, कितिविधि के प्रांतिक। में इस अन्तरण विधिष्ठ हों के साम के अन्तरण विधिष्ठ हों कि साम स्वार्तिक। कितिविध्या के प्रांतिक। के कित्र के हों कि साम स्वार्तिक।

- (क) अन्तरण सं हुई िक्सी आग की याबत उक्त रेडा एक वा का राज सं सामारक की शायिक भी कभी काने या प्रथम बच्चने म स्मिधा के लिए, भीर/बा
- (स) एनी किसी जाय या किसी धन या अन्य शास्तियों हो। 1 अर्थ भगरतीय आन कर अधिनियम, 1922 (1992 का 11) या अन्य अपिनियम, या धनकर लिजियम, या धनकर लिजियम, 1957 (1)57 का 27) के प्रयोध-1 ' अरुपा की समारा 'क्स की विकास स्था था का का पा पा पा का की कियार में अरिका के विकास

अतः अब, पन पैवनियम की धारा 269-ग के अन्सरण या, ५, नका विकास । वा 269-ग ने उपवास (1) अञ्चल विकास विकास अर्थात :—

- (1) श्री एस० नटराजन।
- (अन्नतरक)

(2) डी० वैलट ।

(अन्तरिती)

का यह सूचना जारी करके पूर्वाक्त अमाल क जर्जन का का कार्यवाहिया करना हुं।

उपत सम्पत्ति के अर्थन के संबंध में काई भी आक्षय :---

- (क) इस सूचना के राजपण मा प्रकाशन की तारांख क 45 दिन की अविध या तत्सवकी व्यक्तिया वर सूचना की तामील से 30 दिन की अयोक, जा स अविध बाद में क्यांव्त होती हा, के भीतर पृवक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस स्वना की राजपत्र में पकाशन की तारान में 45 दिन के भीतर उनन स्थार मम्पत्ति में हिन्यद्ध किसी अन्य व्यक्तित द्यारा, अधाहस्ताह्मरी के राम निष्दित में निरम् आ स्वांगे।

स्यक्षीकरणः—इसमं प्रयूक्त खब्बो और पद्यों का, आं उक्कें अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, बही अर्थ कोंगी को तथ अध्याय है दिश्रा गया हैं।

अनुसूची

कृषि भूमि मै सर्वे सं० 309, नागनगों हा नाग तेन्कासी तालुक तिस्तेलवेली ज्वांईट सब-रिजस्ट्रार-2 तेन्कासी दस्तावेज सं० 710/84।

> वी० एम० मुरारामिलगम सक्ष्म प्राधिकारी सहायक त्रायकर त्रायुवत (निरीक्षण) स्रर्जन रेज, मदुरे

दिनांक : 15-4-1985

मोहर:

शाबकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की अरहा 269-थ (1) के अभीन सुचना

#### BICE BUILT

कार्याभन, सहायक गाम्कर वायुक्त (निरीक्रण)

ग्रर्जन रेंज, मद्दर

मदर, दिनाक 15 ग्रप्रैल 1985

निदेश सं० 87/सितम्बर/84---ग्रतः मुझे, वी० एम० मृत्त्रामलिगम,

बायकार अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इरुकं पश्यात् 'छक्त अधिनियम' कहा नवा है), की भारा 269-ख क्ष अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास कारने का शारण ही कि स्थानर सम्पर्धित, जिसका उचित वाकार सूच्य 1,00,000/- रत. से अधिक **ह**ै।

और जिसकी स० म्युनिसिपल सर्वे न० 5603 है तथा जो माउय फोर्य स्ट्रीट, पृडकोट्टि मे स्थित है (और इससे उपाबद अनुसूची मे और पूर्ण रूप से वर्णित है)रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय ज्वायट सब-रजिस्ट्रार पुडकोई। दस्तावेज मे र्राजस्दीकरण श्रधिनियम 1908 (1908 का 16) के श्रधीन तारीख सितम्बर 1984

का पूर्णवत सम्पत्ति को जीचल बाजार मृत्य 🕊 कम की करममान प्रतिफल को लिए अन्तरित की गई है और बढ़ विश्वास करम कर कारण है कि मधानुबाबित सम्पत्ति का अधित वाबार मृत्यः, उपके क्यमान प्रांतफल से, एसे अध्यमान प्रांतकल का पन्यस् प्रियात से अधिक है और अंसरक (अंतरकों) और अंसरिसी (अन्तः 'रितमा) क बीच एस जन्तरण के लिए तय पामा गया प्रतिकला, निक्तिसाँकस उद्दर्शयों से उक्त मन्तरण सिकित में व्यस्तिविक रूप से कविक्त नहीं किया नवा है :---

- (क) भरतपुर से हुए किसी माम की नावश स्थात माप-नियस की अपीन कर इन को अन्तरक की बायित्य में क्यी बहुते या उच्चे वचने में ब्रिया के लिए; ऑप्/गा
- (क) ऐसी किसी बाब वा किसी भन वा अन्य जास्थिक। को, जिन्हें भारतीय जाय-कर विधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अभिनियम, मा धन-कर विभिनियम, 1957 (1957 को 27) के अक्षेत्रकों अन्तरिटी दुवारा प्रकट नहीं किया सबा था वा विश्वा जाना चाडिए था, जियाने में सविधा के लिए,

सह बद, उक्त अभिनियम की भारा 269-ग क जन्मरण सं , भˆ, अवत भविनियम की धारा 269-भ की उपधारा (1). हा बचीन, निम्नीमधित व्यक्तियों, अर्थात् १--

प्रकार कार्क टी. एम. एम. ----- (1) श्री एस० क० प्रारं शीवस्मे।

(अन्तरक)

(2) श्री के० वासुदेवन ।

(भ्रन्तिरती)

उक्त सम्मास को भजन को बच्चन्थ सं कोई भी जाता :---की गई श्वना कारी करता प्रांथक नव्यमित क अवस की निर्द 机混制混乱 积益的 鬼

- (क) इस स्थला के र.जनव में प्रकाशन की सारीश से 45 दिन की संपंधि था तत्मक्षी व्यक्तिका पर स्थाना की तालीन सं उत 'दन का अवधि, जो भी जविष बाद में समाप्त होती हो, के भीतर प्वीक्त व्यक्तियां से मं कि मी व्यक्तिन दवारा.
- (ब) दल स्थान के र नाम के एवनका त. मानान क 45 दिन के भीतर उक्षा स्थावर नका स । रहेब-मर्प किसी अन्य ना रत वनाम नवास्तान रे के पास निकित के त्यार का तर तेते।

स्पक्तिकरण:--इसरा पवकः ज्ञाना पर पदी का, जा उक्स अधितिसम, व्हें अ ३।३ ूम ह से सा प्राचित है, बहा अभ हा।। र पर भागाव प दिया sheet in

#### SP (FEP)

गृह सम्पति साउथ पोरणन आफ भाउथ कार्थ रट्रोट पुतुवकोई दाउन म्युनिसिपल सर्वे नं० 5603/84 क्वोर मं० 74 ।

> वा० एम सः हर मिनगम सनम भागिकारी सहायक बायकर ब्राप्कन (निरीक्षण) अर्जन रेज, मद्ररी

दिनाक : 1-4-1985

ममेहर 🖫

प्ररूप आई. टी. एन. एस. -

जायक<u>र</u> सभिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-व (1) के सभीन स्थना

#### HISTO USERIA

कार्याभव, सहायक भायकार नायुक्त (निरीक्षण)

ग्चर्जन रेंज, मंदुरै

मदुरै, दिनांक 15 अप्रैल 1985

निदेश सं० 88/सितम्बर 84—श्रत: मुझे, वी० एम० मुथ्युरामलिंगम,

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा 269-क के अधीन सक्षम प्रविकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृस्य 1,00,000/- रा. से अधिक है

और जिसकी सं० टी॰ एस॰ स॰ 4239 है तथा जो माउथ III स्ट्रीट टाउन में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से विणित हैं) रिजस्ट्रीकर्ता ग्रिधकारी के कार्यालय ज्वायट मब रिजस्ट्रीर 1, पृद्कीट दस्तावेज सं० 2484/84 में रिजस्ट्रीकरण ग्रिधितयम् 1908 (1908 का 16) के ग्रिधीम तारीख सितम्बर 1984

को पूर्वोक्स सम्पत्ति को उचित बाजार मृल्य से कम के दश्यमान श्रीतफल को लिए अन्तरित की गई है और मृझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सपित्त का उचित बाजार मृल्य, उसके धश्यमान प्रतिफल सं, एेमे दृण्यमान प्रतिफल का भन्ताह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण को लिए तय पाया गया प्रति-क्षान निम्नसिक्ति उद्देश्य से उक्त अन्तरण में लिखित बास्तिकिक रूप से किथित नहीं किया गया है:—

- (क) वश्वहम वे हुई विक्री शास की बाबत स्वक्ष अविनियम के अधीन कह दोने के अन्तरक के कवित्य में कभी कहने या उससे वचने में तुनिधा के निए; क्षोर्/या
- (ण) एसी किसी अब या किसी धन या अन्य वहिल्हां करे, जिन्हें भारतीय जाय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ जन्दरिही द्वारा प्रकट नहां किया गय। वा या किया जाना चाहिए वा, खियाने में सुविधा खे लिए;

जत: अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) में अधीन, निम्नीसिय किया किया स्थाप ह----

(1) श्री अणामले चेटीयार ।

(श्रन्तरक)

(2) श्री के० एम० विशालक्ष्मी।

(अन्तरिती)

को यह स्थाना जारी करके पूर्वोक्त सम्मन्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहिया करता हो।

जक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई आक्षंप .--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी से 45 दिन की अविष या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविष, जो भी अविध नह में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वों कत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति बुवारा;
- (क) इस स्कार के राज्यत्र में प्रकाशन की ताशीय से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्मन्ति में हितबब्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अथोहस्ताक्षरी के पास चिकित में किए जा सकेंगे।

स्थाध्दीकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा को उस अध्याय में विया गवा है।

## **अम्**स्**ची**

गृह सम्पति साउथ थर्ड स्ट्रीट, पुरुकोट टाउन टी॰ एस सं॰ 4329 वार्डसं॰ 14 दस्तावेज स॰ 2424/84।

> नी० एम० मृन्युरामलिंगम सक्षम प्राधिकारी सहायक भ्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) भर्जन रेंज, मद्रै

दिनांक : 15-4-1985

मोहर 🖫

## प्रकृष काइ'. टी. एष्. एस. -----

## थारकड माभिनिय्स, 1961 (1961 का 43) की चाडा 269-च (1) के स्पीन स्वता

### भारत चुरकाड

कार्यालय, सहायक जायकर जायुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, मदुरै मदुरै, दिनांव 15 अप्रैल 1985

निदेश सं० 89/सितम्बर 84--अतः मुझे वी० एम० मृत्तुरामलिशम,

कार्यकर निधनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उनत निधनियम' कहा गया है), की धार 269-स के निधनि सक्म प्राधिकारी को, यह निधनास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

प्रीर जिसकी सं० आर० एस० 212/4ए है तथा जो पुरुक्कोट टाउन में ल्यिन है (प्रार इसमें उपाबद्ध अनुसूची में भ्रार पूर्ग कर न बिणित है) र्राजस्त्रा अविकारी के नामिलय जायंट सब-र्राजस्त्रार-1, पुरुक्कोट दस्तावेज सं० 422/84 में भारतीय रिजस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख सितम्बर 1984

को प्यांक्त संपरित के उचित बाबार मृत्य धे कम के क्यमां प्रतिफ ल के लिए बन्तरित की गई है बौर मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथाप्यों क्ष सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य उसके क्रयमान प्रतिफल खे, एंस व्ययमान प्रतिफल खा बन्द्र प्रतिशत से बिथक है और बन्तरक (बन्तरका) बौर बन्तरिती (अन्तरितिया) के बीच एसे बन्तरण के निए तम पामा गया प्रतिकस, विम्नतिवित उद्देश्य धे स्वद बन्तरण किवत में बास्तिविक क्ष्म से कवित नहीं किया गया है है—

- (क) जन्तरण से हुई किसी नाम की बाबता, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्य में कमी करने या उससे बचने में सूनिधा क्री बिस्ट्र, बांड/बा
- (क) एसी किसी बाब या किसी धन या बन्द जास्सियों का, जिन्हों भारतीय लाग-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ बन्दरिती ब्वाय प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में स्विधा के सिए;

क्षः क्ष, उक्त अधिनियम की भारा 269-व की क्ष्मुकरक में, में, उक्त अधिनियम की भारा 269-व की उपभारा (1) के अधीन, निम्नलिकित व्यक्तियों स्थित् ह— (1) ए० मुबारक निशा।

(अन्तरक)

(2) एम० जेहाबार और अन्यों।

(अन्तरिती)

कों बहु सुचना चारी करके प्वानित संपरित के वर्षन के तिष् कार्यवाहियां शुरू करता हूं।

तक्त सम्पत्ति के वर्जन के सबध में काई भी भाक्षंप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 4.5 दिन की अविधिया तत्सम्बन्धी क्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वे कित व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वार।
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

न्यध्यीकरण: इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जा अकत अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

## जन्स् वी

पुन्ना भूमि में आर॰ एस॰ 212/4 पुदुक्कोट टाउन

वी० एम० मृत्तुरामलिंगम सक्षम प्राधिकारी सहामक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, मदूरै

दिनांक: 15-4-1985

माहर 🖫

184 HE . 21. 17. 18 PAR

नायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सुचना

#### भारत सरकार

**कार्याक्षयः, सहायक आयकर आयुव्यः (निरोक्षणः)** अर्जन रेज, मदुरै मदुरै, दिना ह 15 गर्रेग 1985

निदेश स०  $90/\epsilon$ संतम्बर/84—ज्त मुझे वी० एम० मृत्तुरामलिगम,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा 269-ख के अधीन सक्षम प्रधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर स्थान्त, जिनका उचित वाजार मून्य 1,00,000/- रा से कथिक है

श्रीर जिमर्यो म० टी० एम० 5270/20 बाट म० 81 है तथा जो भारनान्दुपुरम दूसरी म्ट्राट पुदुक्षाट में स्थित है (श्रीर इसा उपाबद न्दुसूची में भीर पूर्य त्य में विणत है) रोजस्ट्रीकर्ती जीधनारी के त्यीच आयट सब-राजस्ट्रार पुदुक्कोट (दस्तावेज स० 254/84) में भारतीय र्याजस्ट्रीकरण अधि-नियम 1908 (1908 का 16) के जधीन तारीखासतम्बर 1984

को पूर्वोक्त सम्पर्ति के उचित बाजार मृत्य में कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुफे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वाक्त सर्पात्त का उचित बाजार मृत्य उसके दृश्यमान प्रतिफल में, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरका) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उचत अन्तरण लिखित में बास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की शावत, उत्तर विधिनयम के अभीन कर इने के अन्तरक के वायित्व में कभी करने या उससे अवन में सुविधा वै सिए; बॉर/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों की, जिन्हें भारतीय बाय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तिरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छियाने में स्विधा अ निए;

अत: अव, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुमरण में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियाँ, अर्थात् :— (1) एस० पी० मुरुगप्पन और गुक्रमण्यन

(अन्तरक)

(2) श्री के॰ एम॰ नागप्पा वेट्टीयार।

(अन्तर्गरती)

की यह स्थना बारी करके पूर्वांकल सम्मत्ति क अजन के लिए कार्यवाहिया करता हु।

बन्त सम्पत्ति के कर्जन की सम्बन्ध में कोई भी काक्षेप .- •

- (क) इस सूचना के राजपण में प्रकाशन को ताराश स 45 दिन की अवधि या तत्सवधी व्यक्तियां पर सूचना की तामील स 30 दिन की क्योंग, जा भी अवधि बाद में समाप्त ताता है, जे भीतर पूर्वांक व्यक्तियों में से किसी प्रांचत प्रवास
  - (क) इस स्वान के राजपत्र में प्रकाशन की ताणिय स 45 दिन के भीतर उक्त 'प्रान्त भरपात के कि निवाद किसी कन्य की तर दवारा जना-स्ताहार के प्रप विस्ति में किए जा सकेंग।

स्पद्मीकरण : --इसमा प्रयुक्त शब्दा अ.२ पत्र थ., जा उपक अधिनियम के अध्याय : 0-- म परिस्तालह हैं, बहुी अर्थ हरागा जा उस अध्याय म ' ता गयः हैं।

## अनुसूची

गृह सम्पति टी॰ एस॰ 5379/2ए वार्ड म॰ 18, भारतान्ध्रपुरम-2, स्ट्रीट पुदुक्कोट दस्ताग्रेज म॰ 2549/84

> एम० वी० मृत्तुरामलिगम सक्षम प्राधिकारी 'हामक आयक्तर आयुक्त (निरीक्षण) जर्जन रेज, मदुरै

विनांक : 15-4-1985

मोहर 🖫

चक्ष आहे. टी. एम. एप.

अस्यक्त व्योधीतव्यत, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-व्य (1) के बंधीन सूचमा

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक जायकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, मदुरै मदुरै, दिनांक 15 अप्रैल 1985 निदेश म०९१/सिनम्बर 84/---अतः मुझे वी० एम० मुत्तुः अर्मालगम,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें का प्रकार के की धारा १८० के अभीन प्रभन्न प्राधिकारी की यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर मध्यति, जिसका उचित बाजार मृत्य 1,00,000/- रु. में अधिक हैं

और जिसकी तं० टी॰ एस० सं 4136 है तथा जो पुदुक्कोट है में स्थित है (ग्रीएडमने ज्ञाबद्ध अनुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है) रिजिन्दीकर्त तिशाली के वार्यालय जायन्ट सब-ए एएटाए-1, पुटुमकोट (दस्तावेज स॰ 2588/84) में र्जन्म्द्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के ज्यीन शाणिय नितम्बण 1984

की पूर्णिवन सम्मित्त के उपिन आजार मूल्य से कम के स्थमान
तो कि कि मूले यह विश्वास
का को कि अन्य के मिन की की स्था यह विश्वास
का को कि को अन्य के मिन की की स्था यह विश्वास
का को कि को कि को कि स्था के स्था क

- कि अन्तरक व सुक्ष किसी बाय की बाबत, उक्क धींधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक ये रायित्य में कभी करने या उससे बचने यें सुविधा के न्विक: और/बा
- (स) ए मीं किसी आय या किसी भन या अन्य जास्तियों कर जिल्हों भारतीय नायकर अधिनियम, 1922 । १६८ १ का १९० ए उन अधिनियम, या धरा- कर अभिनियम, १६५७ (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अंतरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या है किया । या मिनियम के भिन्ता

क्षण अव, उबस अधिनियम, की भारा 269-म के अनुसरण क्षण में पान पनिविषयों की धारा 269-म की उपधारा (1) संबंधन क्षित व्यक्तियों अधित — (1) वि ्रणामने चेट्टीयार ।

(अन्तारक)

(2) एन० अलम्मै आर्ज्वी।

(अन्तरिति)

की गह सूचना जारी करके प्रीक्त सम्मित्त के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता है।

उनन सम्पन्ति व. अर्थन कें सम्बन्ध में कोहें भी बारूप .

- (क) इस स्थान के राजपत्र में प्रकाशन की तारी छ 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्चान की तामील से 30 दिन को अवधि जो भी अवधि बाद मा समान हाती हा, के राजर प्यक्ति पानता हाती हा, के राजर प्यक्ति
- (स) इस सूचना के राजपन में प्रकाशन की तारीय से 45 दिन के भीनर उक्त म्यायर प्रमारत में दितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्साक्षरी के शक्क निवित में किए का सकी गं।

स्वस्टीकरण :---इममाँ प्रयूक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अभिनियम के अध्याय 20-क माँ परिभाषित है, बही अर्थ हागा का उस अध्याय माँ विक

### **जन्**स्थीं

गृह सम्पति टी० एव० मं० 4136 पुदुक्कोट टाउन दस्तावेज मं० 2588/84 ।

> वी० एम० सृत्तुरामलिगम सञ्जम प्राधिकारी सहायक गायकर जायुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, मदुरे

दिनांक : 15-4-1985

मोहर:

प्ररूप आइं, टी. एन. एस. -----

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-थ (1) के अधीन सूचना

#### भारत सरकार

कार्यालयं, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, मदुरै मदुरै दिनांक 15 अप्रील 1985

निदेश सं० 92/सितम्बर 84—अतः मुझे वी० एम० मुस्तुरामलिगम,

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-- क के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 100,000/- रु. से अधिक है

श्रीर जिसकी सं० टी० एस० मं० 121 है तथा जो तील्ले नगर तिरुची में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप मे वर्णित है) रिजस्ट्रीकर्ता आंधकारी के कार्यालय सबन्दिन ग्रीएर (द्यावेज सं० 2989/84) में भारतीय रिजस्ट्री हरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख सितम्बर 1984

को पूर्विक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के ब्रह्ममान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूफे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्विक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से एसे दश्यमान प्रतिफल के पन्तर प्रतिफल से अधिक है और अन्तरक (अन्तरका) और अन्तरिती (अन्तरितियाँ) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निलिखत उब्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :---

- (क) जन्तरण से हुइ किसी बाय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचनें में सुविधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य व्यक्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती ब्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए।

अतः अवः., उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसारण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-भ की उपभारा (1) के अधीन निम्निलिखित व्यक्तियों, अर्थात् में—

(1) ए० कान्चना।

(अन्तरक)

(2) श्रीमती जी० पुदमावती।

(अन्तरिती)

का यह सूचना जारी करके पृथींक्त सम्मित्त के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उन्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई बाक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख सै 45 दिन की अर्वाध या तत्सम्बन्धे व्यक्तियों पर सूचना की तम्मील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाब में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किमी व्यक्ति इत्रारा;
- (क) इस मूचना के राजपत्र था प्रकालन की तारीन ने .45 दिन के भीतर उत्तत स्थावर संपत्ति में दिनवद्य किसी जन्य व्यक्ति द्वारा अभोहस्ताक्षरी के पार्वितित में किए जा सत्तार

स्पच्चीकरण : इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उन्हर अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया भया हैं।

### अनुसुची

गृह सम्पति टी० एव० सं० 12, तील्ल्लैनगर तिरूची-18 (दस्तावेज सं० 2989/84) एस० आर० ग्रो० ग्रोरेपुरा।

> बी० एम० मृत्तुरामनिगम स्थम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, मदुरै

दिनांक : 15-4-1985

मोहर :

प्ररूप आहू टी एन.एस.----

॰ बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ध (1) के अधीन सुचनः

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज, मदुराय मदुराय, दिनांग 15 श्रप्रैत 1985

निदेश स० 92/भितम्बर 84---अत मुसे बी० एम० मृत्तुरामनिगम

लायकर प्रीथिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिस इसम इसके परचान 'उक्त अधिनियम' कहा गया हो), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विक्वास करन का कारण हो कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार माल 1,00,000/- रा. से अधिक हो

श्रीण जिसकी सण टीज त्याज सज 3 है तथा जा निर्णे गाण तिम्बी म दिस्त है (श्राव इसल उपाबद्ध ललुसनी ने गीण पूर्ण रूप से बिणा है) जीजस्मूली ने जानी ने जिसस सब-एजिस्माण श्रीरेयुर, दसस मज 2988/8। : भाएती गणा जील करण जीविसम 1908 (1908 ना 16) के जीक जानीण 16 सिनम्बण 1984

को पूर्वाक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य स् कम के दृश्यमान शितफल के लिए अटरित की गई है और सभी यह रिश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वाक्त सम्पत्ति का उचि बाजार मृत्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से एसे दृश्यमान प्रतिफन का पन्द्रह प्रतिशत से जिधक है और अन्तरक (अन्तरका) अप अन्तरिती (अन्तरितियाँ) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निर्मितिवत उद्दृश्य से उक्त अन्तरम्य लिखित से बास्तविक रूप से कथित नहीं कया गया है

- (क) अन्तरण सं हुई किसी आय की बाबन, उक्त अधिनियम को अधीन कर दोने को अन्तरक क दायित्व मा कमी करने या जममे बचाने मा मू। या दायित्व को लिए, और/या
- (ख) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य पास्नियों का जिन्हों भारतीय आय-कर जीपनियम, 192? (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, का धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) जे प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, कियाने में स्विधा के लिए:

(1) आएन मनेता।

(जनस्क)

(2) श्री हाणमुखलान एम बोरा।

( अन्जीरली )

को यह स्वना जारी करके पूर्वोक्त सम्मत्ति के वर्जन के लिए कार्यवाहिया गुरू करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्थन के सम्बन्ध मा कोई भी अक्षप -

- (क) इस सुचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन को अविधि मा तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर मूचना की नामील से 30 दिन की अपिस, जो भी अविधि बाद में समाप्त हाती हा, के भीतर प्रवीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति दुवारा,
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन का तारी स्थ स 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति दवारा, यक्षाहरूना क पास विवित्त में किए जा सकेंग।

स्पष्टीकरण ----इसमो प्रयक्त शन्तों और पदा का, जो उक्त अधिनियम के प्रध्याय 20-छ मा परिभाषित ए वहीं अर्थ हाला जा उस प्रध्याय मा दिया गया है।

#### **बन्**स्**षी**

गण लग्नि टी० एप० प० ३, ।तस्लैनशण , ।চ্ছলী পশ্ন স্ব ১988/৪4 एभेऽ आरेऽ औ० औरियुए।

> वी एम मुयरामीनगम स्क्षम फ्रा^रधा गरी महायाक भायकर जायुक्त (निरोक्षण) जर्जन रेज, महुराय

दिनाय . 15-4-1985 मोहर : म्बन् नाइं द्वी. एन्, एस्. ----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-भ (1) में सभीत स्थाना

#### भाउत ब्रुकाट

कार्यालय, सहायक आयक्तर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज महुरै महुरै, दिनाक 15 अप्रैल 1585

निर्देश स० 94/सितम्बर 84—अत मुझे, बी० एम० मृत्युरामलिगम

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परेवात 'उन्त अधिनियम' कहा गया हैं), को धारा 269-च के अभीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 1,00,000/- रा. से अधिक हैं

श्रीर जिसकी स० म्युनिसिपल टी० एस० स० ७३, न्यु ब्लाक 28 है तथा जो तिल्लैनगर तिरुची में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है) रिजिस्ट्रीवर्ती अधिकारी के कार्यालय सब-रिजस्ट्रार श्रीरेयुर दस्तावेज स०

को पूर्वोक्त सम्परित को उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल को लिए अंतरित की गर्ड है और मुफे यह विश्वास करने का कारण है कि यथाप्वोंक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य असके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का यन्त्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) को बीच एसे अन्तरण के लिए तथ पाया मया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में नास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है है—

2953/84 में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 वा

16) के अधीन तारीख सितम्बर 1984

- (क) बन्तहरू वे हुए किसी बाब की बाबत, उक्स विधिवन के अवीन कर दोने के बन्तरक के धायित्व में कती करने या उबचे वचने में सुविधा के निहा; वरि/वा
- (क) एंसी किसी बास वा किसी भन सा अन्य जास्तियों को जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियस, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियस, या धन-कर अधिनियस, 1957 (1957 का 27) के अयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था दा किया जाना चाहिए था, किए जे में स्वित्य में सिवरा में किए।

मतः वन, उनत विधिनयन की धारा 269-म के बज्रहरू में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) के कथीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, वर्धात् ह— (1) श्रीमति टा० वी० टणापूर्व ।

(अस्तर्रहे)

(2) श्री जरनाचलम ।

(अन्तरणना)

को यह सूचवा चारी करक वृत्रोक्त गम्पांच क तर्जन् के लिए कार्यवाहिया करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के बर्जन के सम्बन्ध मा काई भी जक्षय :---

- (क) इस मुखना के राजपन मा प्रकाशन की नार्य स 45 विन का अविधिया तत्स्वक्षा भी का मा सूचना का नार्याल म 30 दिन का का का का अविध बाद मा ममान्त हार्सा हो। अविध क्यांक्तमाँ मा में किसी क्यांक्त ब्वाय,
- (क) इस सूचना के स्वयंत्र में प्रकाशन की नारीख़ र 45 दिन के भीतर उकत स्थावर कम्परित में कार्यन के किसी जन्म व्यक्ति दुलारा प्रश्नुका रूप कि एक रितिस्त सा किस् वा सकता :

स्थार्किस्य क्रिस्म प्रशंका भाग भाग ता ता ता क्रिस्तिनास क्रिस्थार २० के सा वर्ष १६०० वर्ष होता है।

#### वन्त्वी

गृह सम्प्रति न्यू टी० एम० 73 न्यु ब्लाफ 28, तिल्लैनभण तिरुची ।

(दस्राविज स० 2953/81) एस, गरू स्री भारकू)।

बी० एम० पुत्तुरु,मा आम सम्म गरिस्सा सहायस समझ अधुका (१४८३) वर्जन ५ - १, १९३

दिनाक . 15-4-1985 मोहर : प्ररूप बाई .टी .एन .एस . -----

आधकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ध (1) के अधीन सूचना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, मदूरैं मदुरै, दिनाक 15 अप्रैल 1985

निषेण मं० 95/सिनम्बर 84—अतः मुझे, बी० एम० मृत्तुणमनिषम

गणतर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात 'उनत अधिनियम' कहा गया है), की धारा कर परचात 'उनत अधिनियम' कहा गया है), की धारा कर के कि मक्क भाषिकारी को यह निश्वास करने का परण के कि मक्क भाषिकारी को यह निश्वास करने का परण के कि मक्क के मक्क के कि मक्क के क

का प्रोंदत सम्पत्ति के उचित बाजार मुख्य से कम के दश्यमान प्रतिकल क लिए अन्तरिस की गई है

और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पारत का उचित वाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे रृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिश्वत से अधिक है और अंतरक (अतरकों) और और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निलिखत उद्देश्य से उकत अन्तरण लिखत में वास्तिक रूप से किथत नहीं किया गया हैं:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर धेने के अन्तरक के दायित्य में कमी करने या उससे अचने में सुविधा के जिए; और/या
- (स) एसी किसी बाय या किसी भग या बन्य आस्तियों कर, जिन्हें भारताय बाय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उन्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती ब्नारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में प्रविधा की विष्णु;

अतः अव, उक्त किभीनयम की भारा 269-ग के जन्मद्रण मो, मो, उक्त अधिनियम की भारा 269-भ की उपधारा (1) के अधीन, निम्निचिखित व्यक्तियमों, अधीत क्रिक्त (1) श्री एस० रंगराजन।

(अन्तरक)

(2) श्रीवी० रामस्वामी ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां सूक करता हूं।

#### उक्त सम्पत्ति के वर्षन के संबंध में कोई भी बाक्षेप :---

- (कं) इस स्वान के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्वान की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति सुवारा;
- (स) इस सूचनां के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक्ष से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित- बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरणः — इसमें प्रयुक्त क्षव्यों और पदों का, जो उक्त विभिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

#### 44 6 6

88 सेट वडवूर गांव टी॰ एस॰ सं॰ 11, तिरूची जायट-3 रजिस्ट्रेशन डिस्ट्रिक्ट दस्तावेज सं॰ 2946/84 एस॰ आर॰ ग्रो॰ गौरेपुर ।

> वी० एम० मुत्तुरामालगम सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, मदुरें

दिनांक : 15-4-1985

मोहर 🖺

#### प्ररूप बार्ड . टी. एन . एस . -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सुचना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक अध्यक्त आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, मनुरै मनुरै, दिनांक 15 अप्रैल 1985

आयंकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इनवें परचान 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित वाजार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी डोर सं० 20, 21 प्लाट सं० 21 है तथा जो 3, स्ट्रीट एम० एस० कालोनी महुरै में स्थित है (और इश्वन जावड जनुसूची ने श्रीर पूर्ण रूप में पणित है) रिजस्ट्रोनर्जी निधारी के जायिलय जायन्ट मब रिजस्ट्रार-1, महुरै, उस० मं० 5668/84 में रिजस्ट्रीकरण अधिनयम 1908 (1908 का 16) के ज्यीन गरीख 36-9-1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दर्शमान प्रतिकत के लिए अन्तरित को गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथा

पुना कत सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके उध्यमान प्रति-कल से एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक हैं और अनरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितयों) के बीच एसे अंत-रण के लिए तय पाया ग्रमा प्रतिफल, निम्निलिखित उद्देश्य सं उक्त अंतरण लिखित में बास्तिवक रूप से कथित नहीं किया ग्रमा हैं:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त जिथिनियम के अधीन कर दने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचाने में सुविधा के लिए; और/मा
- (क) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियाँ की, जिन्हें भारतीय नायकर अधिनियम, 1922 (1922 की 11) मा उन्तु अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरित द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था. किया में सुविधा के लिए;

अत: अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण म, भे, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपभारा (1) के अधीन, निम्नितिश्वित व्यक्तियों, अर्थात :--- (1) श्री आर० एस० लक्षमणन ।

(अन्तरक)

(2) श्री पी० कृष्णंत ।

(अन्तरिती)

को यह सुचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्जन के निष् कार्यवाहियां करता हूं।

#### उक्त सम्पत्ति के अर्थन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारील से 45 दिन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीहर प्राक्ति व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (म) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख सं 45 दिन के भीतर उक्त म्थावर सम्पन्ति में हिल्बब्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधाहस्ताक्षरी के पास लिखिस में किए आ सकेंगे।

स्पष्टीकरण :--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क मे परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया पदा है ॥

#### अनुसूची

गृह सम्पति सं० 21. डोर सं० 20-21, 3 स्ट्रीट सेम-सुन्दरम कालोनी, मदुरै, दस्तावेज मं० 5668/84 जायन्ट एस० आर० भ्रो० मदुरै।

> वी० एम० मृत्तुरामलिंगम सक्षम प्राधिकारी सहायक आयंकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, मदुरे

বিলাক: 15-4-1985

मोहर :

मार्य आहे".टी एस.एस.-----

आयकार अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा २७७ च (1) के मधीन स्वनः

#### भारत सरकार

कार्यालयः, सहायक गामकार आयवतः (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, मदुरै मदुरै, दिनांक 15 अप्रैल 1985

निर्देश म० 97/नितम्बर 84--अतः मुझे, वी० एय० मृत्त्रशमितगम

भागकर अधिनिधम, 1961 (1961 का दः) (डिमें इसमें इसके पदकात् 'उक्त अधिनियम' कहा गमा हो, को धारा 269-च के अधीन सक्षम प्राधिकारी की यह चिव्वान करने का कारण हो कि स्थापर मग्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृज्य 1,00,000/- का से अधिक ही

यार जिनकी मंगए० एम० मंग 1674/2, 1698, 1676, 1680, 1682, 1670, 1675, 1679, 1669, यार 1681ई तथा जो पुनियूर गाम में स्थित है (यार हपी उनाई निस्तुर्वी ये प्रार पूण रूप न मिन्दि हैं (यार हपी उनाई निस्तुर्वी ये प्रार पूण रूप न मिन्दि हैं) प्रतिर्देश कर्मा कार्या के पार्या के प्रार पूण रूप न मिन्दि हैं। प्रतिर्देश कर्मा कार्या के 1052, 1055, 1071 हैं 1074, 1085/84 में एजिस्ट्री हरण जीकां सम 1908 (1908 जा 16) के जीत तारीब जिस्मा 1984 को प्रतिकत सम्पत्ति के उचित राजार मृत्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए बन्तरित की गई हैं और मुमें यह विश्वास करने का कारण हैं कि यथा प्रविक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्र प्रतिशत से अधिक हैं और अंतरित (अंतरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया/प्रतिफल, निम्निलिखत उद्वश्य से उक्त अन्तरण विखित में वास्तिवक रूप से किथित नहीं किया गया हैं:—

- (क) अन्तरण स हुई किसी आम की कारण, अक्त अधिनियम के बनीन कर बन के बनारक की शीमत्व में कोरी करने या उसार वका पा स्विधा के लिए; बार/मा
- (क) ऐसी किसी बाय या किसी धन या अन्य आण्डिन की, चिन्हों भारतीय आप-कार बीवनियमं. 1922 (1922 का 11) या उत्तर अधिनियम, का बन-कार अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती ह्वारा प्रकाद महा किया १२ पा वाना जाहिए था, जिल्लाने दें अविध, के लिए;

कतः अष, अकत अधिनियम की धारा 269-भ के अनुसरफ में, में उकत अधिनियम की धारा 269-प की उपधारा (1) ए अधीन, निम्नीजिसस व्यक्तियों, सर्थातु ध— (1) श्रीमती राक्कार्या अभ्याल ।

(अन्तरक)

(2) श्री टी० तेजव्यन ।

(अन्तरिती)

का यह स्वना लारी करकं पर्योक्त सम्पत्ति के अर्थन के लिए कार्यवाहियों धारता हूं।

सकत सपरित के अक्षेत्र के संदा मा कार्य भी आक्षाय :---

(क) इस मलना हे राज्यात मा एकाकत की नारी है से 45 कि को अवधि या नत्सवधी व्यवित्यों पर शबना की नार्योत में 30 दिन की अवधि, जो भी बद्धि नाद में नक्ष्या होनी हा. 6 भीतर प्याविक प्रवित्यों में से 15 सी क्षिक्त द्वारों:

न भूनना के राजपाय को प्रभाग की प्रभाव न कु विन के भीतर अक्त स्थावर पंगति में हितबब्ध किमी अन्य व्यवित द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास विभिन्न में किए जा सकोगी।

स्पाद्धीकरण :— इसमें अयुक्त शब्दों शीर पद्धी का . जो असर मा भागमा मा मा मा पारभाषित हो, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय माँ विया गया हो।

#### अनुसुची

मंचा भूमि पुलियूर गांव कटूर तृश्विक 25.62 एकड० रास 1674/2, 1698, 1672, 1680, 1670, 1682, 1675, 1679, 1669, 1681, दस्तावेज सं० 1052 वे 1055/84, 1071 से 1074/84, 1082 में 1085/84। जायन्ट 1सूब-र्राजस्ट्रार, उट्टर ।

> वी० एम० मुन्तुरामलिंगम सक्षम प्राधिकारी सहायक जायकर आधुक्त (निरीक्षण) अर्जन रॅंज, मदुरे

दिनांक : 1,5-4-1985

मोहर:

grad grat's the set set see ....

बादकर बांधावियम, 1961 (1961 का 🙌 हो पास 269-व (1) के अधीन स्वना

भारत सर्पर्धर

सायानिया, महायस जामा व १४ १ १ दर्गीकामा।

अर्जन रेंज, यह[‡] मदुरै, दिना र 15 अप्रैन 1985 निदेश म० 98/सितम्बर/84 -- त. गन्ने बी० एम० मुध्युरामलिगम

भायकर अधिनियक 1961 (1961 वा 43) (जिसं इसमें इसके परचात् 'उकन अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-सा को अधीन अलग पारिकारी की पह विकास करते का कारण है कि ग्धानर सम्पत्ति जिसका जर्जित काजार सृत्य 100,000/- रा. में अध्य हो

और जिलकी सं० वर्ने ये । 1/36 है का स मित्रका गान अरन्तामो नत्तृह ने नेशा है (आप इन द्वासद समुद्रा में और पूर्ण रूप र पीणा है) चे पद्मी ली जधनारी के कार्यातव सप्र-भोग्यार एक तथी दसाविज सः 1872/84 मे रजिस्ट्रीकरण तंबन्यम 1908 (1908 का 16) के अधीत तारीख सितम्बर 1984

को पर्वोक्त सम्पहित के उत्तित बाजार मृत्य में काम के क्यमान इतिफल के लिए अंतरित की गर्ड ह° और मण यह विश्वास करने जा अपर विकास समार जिल समार मुल्य, उसके क्यामान प्रतिकाभ गण काम गरीपकल का पन्धक्ष प्रतिकार अभिक है और अन्तरक (अनर मां और जनारकी (अन्तरिनिया। की बीच एन जल्म म की जिल्हार पासा श्या प्रतिफल निम्नलिखित उच्चेत्र्य से उक्त अन्तरण निखित में शास्तिबक रूप से कथित नहीं किया गया है :---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की वाबत, उक्त अधिनियम के संधीन कर देन के जन्तरक का शियल में कमी राम ए पर मध्यमं हो सुविधा क िता, और/या
- (क) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तिया का, जिल भार ", । ३६ ८ वर्ग का १६ ) (1922 का 11) या अलन अधिनियम या धन-रार की नियम, 1977 राष्ट्र का । को पर्याजनार्थ अनिस्ति दवाण पद्मार नद्गा विचा गया 🎮 वा किया कामा में हम् भा, व्यिपान में भौत्रधा वे निग

वात: वाब, उक्त वाधिनियम की धारा 269-म के अनुसर्ध में, में उन्त अधिनियम की धारा १६५-६ की उपवास (1) के वधीन , निम्नीलिकत व्यक्तियाँ, अर्थांश :----

(1) श्रीमती मुबैदा बीदी

( .स.स्य ह)

(2) कें भेम्सूनीन

(जन्दीपती)

को यह मुचना जारी करके पूर्वाक्त मध्यां क उद्देश की प्रा कार्यवाहिया कारता हु '

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कार भी हार र

- (क) इस स्थान के राजपन में प्रकाशन को छन्। स 45 दिन की अवधि या तरणम्बन्धी व्यक्तिया पर सूचना की तामील त 50 । उन क जा अविधि मोद में समाप्त हा ए । कि र व्यक्तिया मा स किसा ज्यानित है। .
- (स) इस मूचना के राज्य का . . . 15 किन को भीतर अस्त ए। र ला । हान बद्ध किसी अन्य यितः । गर्ना पास लिखित में किए जा नकता।

स्पष्टीकरण ---इसमा प्रयुक्त शब्दों अन् उदी ना "र अधिनयम कं अध्या २()-म न पान ।। हैं, वहीं अर्थ होंगा जो का का अध्यास दिया गया हु !

#### अनुस्ची

भूमि ग्रीर मकान में सर्वे न० 17/36, 149, पहरतनाय मिणिबिलान गांव अरन्तागी । (दस्तावेज सं० 1872/84 एस० आए० त्री गरन्तामी)

> बीज एसज स्त्त्'साजितम सक्तम आधि (पर्रा सहायक जायकर आयुक्त (निर्राक्षण) अर्जन रंज, सब्दे

दिनांक : 15-4-1985

मोहर 🤃

प्रख्य वाह^{*}.टी.एन.एस.----

अध्यकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ध (1) के अधीन सूचना

#### भारत सरकार

काश्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) र्जन रेज, मदुरै

गदुर, दिनाद, 15 अप्रैल 1985

नितेण सः 99 अन्दूबर 84—अतः **मुझे, वी० एम०** मृतुरामनिषम,

अस्ति अभिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमं इसक राजात उक्त अधितियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अभीन सक्षम प्राधिकारी का यह विश्वास करने का कारण है कि स्थापर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 1,000/- रह से अधिक है

गाँग जिसकी स० जयन पुजी एक० स० 135/3ए है तथा
ो तबन्धम, राज्यों में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद रूपा र स गाँउ पूर्ण हुए से विणत है) रिजस्ट्रीकर्सा अधिकारी के तथा तम न-४ : गानिस्वेरम्बूर दस्तावेज स० 2839/84 2810/81 से बीजर्ड़ी रूण राध नयम 1908 (1908 का 16) र स्थान नारी अधिकार 1984

ह ३३ त स्वास्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के हरयमान ज तर । निए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास कर । नि म की कि यथाप्वोवत साणित का उचित बाजार म नि, अके दश्यमान प्रतिफल से एमे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह पोन्दान म अधिक है और कन्तरक (अन्तरका) और यस्तरिनी (अन्तरितियाँ) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य में उस्त अन्तरण लिलिन में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (त) अन्तरण सं हुई किसी त्राय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अंतरक के दायित्य में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (अ) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य वास्तियों को, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त, अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के अयोजनार्थ अतिरिती स्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, खिपाने में सूबिधा के लिए,

अत अंद, एक्त अधिनियम की धारा 269-श के अनुसरण भं, में, जबत अधिनियम की धारा 269-श की उपधारा (1)

(1) पा० के न्यू 'भाइ तामिस ।

(अस्तर्भः)

(2) एमा एमा क्याना मोहादोन ।

(अन्तिरिती)

को यह मुचना जारी वरके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए बार्यवाहिया भृष्ट करता हा।

जक्त राम्पत्ति के अर्जन के सबध में काई भी आक्षोप :--

- (क) इस गरा हे राजपान मो प्रकाशन की तारीस से 45 दिन को व्यक्तियों पर साधा की पाना स 30 दिन को अविध, जो भी अविध नाव पा समाप्त हाती हो, को भीतर पूर्वीक्त व्यक्तिया मा स किसी व्यक्ति द्वारा:
- (ख) इस स्वना ते राजपत्र मा प्रकाशन की तारीख से 45 किन के भी उर उक्त स्थावर सम्पन्ति मा हितबक्ष किसी जन्य विक्ति द्वारा अधाहस्त्राक्षरी के पास लिखिन मा विष्यु मा मर्वागे।

स्पध्योकरण — इसम पर्युक्त झर्व्यो और पदौं का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20 का में परिभौषित हैं, वहीं अर्थ हागा जो उस अध्याय में दिया गया है।

#### अनमूची

भूगि चौर । नर्भाण में अयन पुन्ने सर्वे स० 135/3ए, निरुवेरम्बूर, निरुवी (दगाजित्र स० 2839/2840/84 मा-र्राजग्द्रार, नर्वरम्बूर ।

नी० एम०

क्षिम प्राधितारी. नहायक श्रायकण श्रायुक्त (निरीक्षण), अर्जन रेंज, सदुरे

ंत्रनाक : 15~1985 **मोहर**ः अरूप कार्ष ,ूड़े । एत . एस . .....

आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) की 269-क (1) के अधीन स्वका

#### भारत बरकार

#### कार्यालय, सहायक बायकर बाय्क्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, महुर महुरे, दिनांक 15 अप्रैल 1985

निदेश मं० 100/नितम्बर 84—अतः मुले, वी० एम०. मृत्तुरामनिगम,

आयकर ऑफनियम, 1961 (1961 का 43) (196 जनक इसके प्रकात 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-श के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिपका उचित बालार मृत्य 1,00,000/- रु. से अधिक हैं

श्रीर जिसकी सं मर्बे सं 135/2ए है तथा जो तिरुवेरम्बूर गांव, तिरुवी में स्पित है (श्रीप इसने उपावत अनुमूची में श्रीप श्रीप पूर्ण एप से पणित है) र्राजस्त्री जिधकारी के जायित्य सब-राजस्त्राण तिरुवेरस्वूण दननावेज सं 2837/84, 2838/84 में राजस्त्रीरक्षण जांवीनयम 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख सितम्बण 1984

कां पूर्वीकत संपन्ति के उच्चित बाजार मूल्य से जम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और यूमें यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वीक्त सुर्धित का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एंसे दश्यमान प्रतिफल का पन्दह प्रतिकात सेर अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और इन्तरिती (अन्तरितियों) के वीच एंसे अन्तरण के लिए तथ पाया गया प्रतिफल, निम्निलिखित उद्वेष्य से उच्त अन्तरण किश्वित में सास्तम्बक हुए से कथित नहीं फिया गया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी जाय की बादल, उचल अधिनयान के अधीन कर दाने के नन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के निष्; और/या
- (स) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियां को, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर नहीं किया, गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सृथिधा खे लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की घारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :— (1) ए० एई।म बीर्झा ।

والمستحديدة الدوارية والمنتين والمنتوا والمستحدين والمس

(अन्तर्क)

(2) श्रीमती सलिहा बीबी।

(अन्तरिती)

को यह मूचना जारी करके पूर्वीवत सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहिया करता हुं।

#### उसत संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस स्वता के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तितयों पर स्वता की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त हाती हों, के भीतर पूर्वो तन नयां कत्यों में सा किसी व्यक्ति हुवाराः
- (ख) इस सूजनां के राजपत्र मा प्रकाशन की तारीख स 45 दिन के भीनर जनत स्थानर संपत्ति मा हिन्दबर्ध फिसी बन्य व्यक्ति द्वारा जवाहम्लाक्षरी है पास विश्वित मी किए जा सकत्य।

स्पष्टिशिकरण: इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उनत आयकर अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ हांगा जो उस अध्याय में विया गया है।

#### अन्सूची

भूमि और निर्माण एस० एक० मं० 135/2ए, तिरुवेरस्तूर गांव तिरुवा दस्तावेज सं० 2838 2837/84 एस० आर० श्रो० तिरुवेरस्तूर ।

> े बी० एम० मुत्तुरीमलिगम स्वाम प्राधिकारी, सहायक त्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण), अर्जन रेंज, मदुरै

दिनांक : 15-4-1985

मोहर :

#### प्ररूप वाह् . टी . एन . एस . -----

पायकर अधिरिक्षम 1981 (1981 क 43) की धारा 269-व (1) के ग्रशीन क्षमना

### कार्यालय, सहायक आयर्कर आयुक्त (निरीक्षण) अजीम रेजा, मद्दरै

मदुरी, दिलाक 15 अप्रैल 1985

निर्देश सं० 101/सभाग 84---ना मझे, बी० एम० मुत्तुरामलिगम,

आयक्टर कि भिनियम. 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अभिनियम' कहा गया है ) की धारा 269- ख के अधीन सक्षम प्रापिकारी को यह विखास करने का कारण है कि स्थानर संपरित, जिसका उचित बाजार मृत्य 1,00,000/- रु. से अधिक हैं.

श्रौर जिसकी मं टी० एम० 1363 है तथा जो 2 रा वार्ड 6वां डिनिजन, मोहल्ला सहीब स्ट्रीट करूर टाउन मे स्थित है (और इसक उपाबद्ध नन्स्ची में ग्रीप पूर्ण रूप स वर्णित है) रजिस्होकर्ता अधिकारी के अयिनिय जायन्ट मब-रजिस्ट्राप वन्त दस्यावेज स० 936/84 में र्राजस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन नारीख सितम्बर 1984 का पूर्वाक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृल्य से कम के असमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मके, यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मुल्य, उसके दश्यमान प्रतिफले से, एमे दश्यमान प्रतिफल का र्पवह प्रतिकात सं अधिक है और अनरक (अंतरकां) और अंतरिती (अन्तरितयों) के कीच एमें अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त उन्तरण निखित मे थास्तितिक स्प सं किथत नहीं किया गया है :---

- (क) अन्तरण स हुई किसी आय की बाबस, उपस अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक दायित्व में कमी करने या उससे बचने में स्विधा के सिए; और/या
- (का) एंपी किसी अप या किसी भन वा अस्य बास्सिकी का, जिन्ह भारतीय जाय-कर अधिनियम, 1922 (19:2 का ।। व. का और निवर्त, दा अत-कार अभिनियम, 1957 (1957 का 27). कें प्रयोजनार्थ बन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया त्या भा मा किया बाना चाहिए भा, कियाने म भवित्रा क लिए;

अल अब, उक्त अधिनियम की धारा ४७५-न के अनुसरण भी, भी, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, जिप्लिसित व्यक्तियों, वर्भात् :--29-86GI|85

(1) आर० अगमुत्तु चेट्टीयार ।

(अन्तर्क)

(2) श्रीमती वी० इदिरा।

(अन्तर्भि)

की यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पति के वर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुः।

उक्त सम्पत्ति के अर्थन के सम्बन्ध में कोई भी वासीप :---

- (क) इस स्कार के स्थापन में प्रकाशक की सार्**ीय से** 45 विन की अविभ या तत्त्वक्ष्यत्थी व्यविद्यान्ते पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवध्य, जो भी अवीध बाद में संजाप्त होती हो, को भीतर पूर्वेक्ट म्मिनस्यों में से किसी व्यक्ति हुनाया।
- (ख) इस बुकना के राज्यपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 विका को भीतर उक्त स्थापर सम्बन्धि में क्रियक्य विच्यो सम्य व्यक्ति द्वारा स्थाहस्ताक्षणी के पाद विधित में किए वा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का., जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया व्यवा है। -

#### अनुसूची

भूमि ग्रीए मकान टी० एस० स० 1363 2रा वार्ड 6,वा डिवीजन मुल्ला साहीय स्ट्रीट करूर दम्नावेज मळ 836/84 जे० एस , आए० ग्रां-1० करूर ।

> मृत्तुरामन्त्रिगम सक्षम प्राधिकारी मस्यम जागकः अय्वतः (निरक्षण) अज़ेन रेज, मद्रै

,दिनाकः । 15- 1-1985 मोह्नर .

प्रस्प बाइ". टी. एव. एस. ------

आयकर अधिनियम,, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-थ (1) के अधीन स्थना

#### भारत सरकार

कार्यालय, महासक वायकर आयक्त (निरक्षिक) गर्जन रेज, मदुर

मदुरै, दिना क 15 अप्रैल 1985

निदेण म $\sim 102/$ मितम्बर 84—अतः मुझे, वी० एम० मुत्तुरामिलगम

कायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्रत अधिनियम' कहा गया है') की भारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर मम्परित, जिसका उचित बाजार मत्य 1,00,000/- रु से अधिक हैं

स्रोर जिसकी म० सर्वे न० 13 7 है तथा जो के अभिषेकपुरम में स्थित हैं (श्रोर इसमें उपाबड़ अनुसूची में श्रोर पूर्ण रूप में विणित हैं) र्जिन्ट्री इसी अधिकारी के कार्यात्तय अभिषेक्ष पुरम में र्जिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन सारीख पितम्बर 1984

का पूर्विक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अवरित की गई है और मुक्ते यह विद्यास करने का कारण है कि यथापूर्वाक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एम दृश्यमान प्रतिफल का पन्दृह् प्रतिक्षत में अधिक ही और अन्तरक (अन्तरका) और अनिरती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तथ पाया गया प्रतिफल, निम्निचित्त उद्दृद्य सं उक्त अन्तरण लिखित में बास्तिक, रूप में किश्वत नहीं किया गया है :——

- (क) अन्तरण में हुई किनी आस की बाबत, उक्त अधिनियम की अधीन कर दोने के अन्यक क दायिक में कमी करने या उसमें बचने में मुंबिया के लिए, और/या
- (ब) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियाँ को, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनाथ अन्तरिती देवारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था खिएएटे में सीविधः के लिए.

अत अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में उक्त अधिनियम की भाग 160 र को पाग (!) के अधीन, निम्निलिसित अयिक्तयों, अधिन --- (1) श्रीमती रहमर्तान्या बेगम ।

(गन्तरक)

(2) रानी पा विजयाभाजन ।

(न्मिर्गि)

का यह सूचना जारो करके पूर्वांक्ल सम्पत्ति के अर्जन के निए कार्यवाहिया करता हु।

उक्त सर्पत्त के अर्जन के सबध म कोई भी आक्षेप ---

- (क) इस सूचना के राजपत्र मा प्रकाशन की तारीस स 45 दिन की अविधि या तत्संबधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, आ भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस स्चना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख़ में 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में क्षित्रद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधाहस्ताक्षरों के पास निस्ति में किए जा सकोंगे

स्यक्टीकरण:---इसमें प्रयुक्त शब्दों और नदां का, जा उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क मा परि-भाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जे उस अध्याय में विया गया है।

#### मन्मुची

भूमि श्रौर मकान सर्वे सः 137 अभिषेकपुरमः, निष्ट्यी तालुक दमनावेज सः 5783/84 जायन्ट सद-रजिस्ट्रार-I निष्ट्यी ।

> वी० एम० एन्तुरामलियम सक्षम प्राधिकारी सहाग ( वायकर वयात ( विरीक्षण ) वर्जन रेज महुरै

दिनाक 15-4-1985

माहर

थक्त वार्षं . ती. एन . एवं . ****

## आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) के सचीन क्षत्रना

#### भारत सरकार

#### कावितय, तहायक आयकर आवृक्त (निरीक्षण) अर्जन रेज, मदुरे

मदुरै, दिनाक 15 अप्रैल 1985

निदेश सं० 103/सितम्बर 84--अतः मुझै, बी० एम० मृत्तुरामिलगम,

आयकर अिशनसम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की भारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उक्ति बाजार मृत्य 1,00,000/- रु. से अधिक हैं

ष्ट्रीर जिसकी सं ब्लाक सं 24, टी एस । 1570 है तथा जो गांव थ्रौर पुत्तूर तिब्बी में स्थित है (श्रौर इसमें उपाबड़ अनुसूची में श्रौर पूर्ण रूप में वर्णित है) रिजण्ट्रीकर्ती अधिकारी के कांग्रीलय सब-रिजस्ट्राप बोरीयूर, दस्तावेज सं 2935/84 में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 को 16) के अधीन तारीख सितम्बर '1984

को पूर्वीक्त सम्मित के उत्तित बीजार मृत्य से क्रम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मृक्षे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वीक्त सम्पत्ति का उजित बाजार मृत्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दश्यमान प्रतिफल के पंद्रह गितरत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के वीच ऐसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निलिखित उद्दोश्य से उक्त अंतरण लिखित में बास्तविक 'क्ष्प से किश्त नहीं किया गया है :—

- (क) अन्तरण से हुई किसी जाय की बाबस, उक्स अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक क दायित्व में कमी करने या उससे बचाने में सुविधा के सिए; और/या
- (स) एसी किसी बाय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उन्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) को प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा को निए;

अत: अस, अक्त अधिनियम की धारा 269-ग्य के अनुसरण में, मैं, अक्त अधिनियम की धारा 269-य की उपधारा (1) के अधीन, निम्हीलिसित स्थिकायों, अभीत :----

- (1) बी॰ कामाचि अम्माल।
- (अन्तरक)
- (2) कं० चेल्लाम्माल।

(अन्तर्राता)

को यह सूचना जारी क्रक्क पूर्वोक्त सम्पत्ति को अर्जन के लिए कार्यवाहिया शुरू करता हुए।

उक्त संपत्ति के अर्थन के संबंध में कोई भी बाक्षेप :---

- (क) इस स्थान के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध , जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, को भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति ब्वारा;
- (क) इस सुचना को राजपण में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन को भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास जिल्ला में किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20 क में परिभाषित ही, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया ही।

#### मन्त्र की

भूमि श्रौर निर्माण दी० एस० सं० 1570 पुत्तूर गाव, वोरीयूर तिरूची, तालुक दस्नावेज सॅ० 2935/84 एस० आर० श्रो० वोरीयूर ।

> वी० एम० मुत्तुरामिलगम सक्षम प्राप्तिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, मदुरी

दिनांक : 15-4-1985

नोहर 🌣

#### प्रस्थ बाह् टी. ध्न. प्रस. ------

नायकर विभिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) के अभीन सुचना

भारत सरकार

### कार्यालय, सहायक नावकर आयुक्त (निराक्षण)

अर्जन द्वेंज, मद्राम मद्राम,दिनावः 15 अप्रैल, 1985

निर्देश स० 104/शितम्बर/84---अतः मुझे, बी० एम० मन्तरामिन्यम

भाग्कर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उन्त गीधनियम' कहा गया हैं), को धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उष्टित नाजार मून्य 1,00,000/- का से अधिक हैं

श्रीर जिसकी म० ए० एस० मख्या 19/ए है, जो कोट्टप्पटू सुन्नमणियमपुरम, पोम्मण, निरुचि में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में श्रीप पूर्ण रूप से विणित है), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, जामट सब रिजस्टार दस० स० 6011/ 84 में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन सितम्बर 1984

को पूर्वेक्ति सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथाप्वाँक्त संपित्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे व्ह्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिकृत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय गामा गया प्रतिफल निम्नतिचित उद्देश्य से उच्त अन्तरण निम्तिचित उद्देश्य से उच्त अन्तरण निम्तिचित उद्देश्य से उच्त अन्तरण निम्तिचित उद्देश्य से उच्त अन्तरण

- (क) अन्तरध सं हुक् किसी आय की काबस, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अंतरक के दाबिस्स में कमी करने या उससे अजने में सुजिधा के लिए; और/मा
- (क्क) एंसी किसी आग या किसी धन या अन्य आस्तियों कां, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती व्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सूविधा के चिए;

जतः त्रथः, जकत अधिनियम की धारा 269-च वा अनुसरण मा, मा. उक्त अधिनियन की धारा 269-च की उपधारा (†) के जधीन भिन्नतिभित्त, व्यक्तियों, अर्थात् हिन्न 1. श्री अन्नाहाम

(अन्तरक)

2. श्रीमती चिन्तपूच्ची श्राची अम्माल

(अन्तरिती)

की यह सूचना बारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्चन के लिए कार्वनाहियां शुरू करता हुं।

जनत सम्पत्ति के अर्थन के सर्वंध में कोई भी काश्रीप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक्ष से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियो पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, को भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के शीतर पूर्वोक्स व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति ब्वापा;
- (स) इस सूचना के राजपण में प्रकाशन की शारीचा से ' 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर समाश्चिम में हितबब्ध किसी जन्य विक्त द्वारा अधोहस्त्याक्षरी के पास जिस्ति में किए जा सकेंगे।

स्पाक्षीकरण: इसमें प्रमुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित ही, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में विवार गया है।

#### **प्रनुपू**ची

भूमि श्रार मकान अय्यत पुन्नें सर्वे म० 19/4ए—कोष्टपटू गाव मुन्नमणियम पोन्नमपूरम तिरुचि : दस्तावेज सं० 6011/84, जायट एम० आर० ग्रो० तिरुचि

> वी० एम० मुनुरामलिंगम सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण), अर्जन रेंज, मद्रास ।

तारीख: 15-4-85

महिद् 🔢

अस्प_{रित्} कर्द्यः द्वी_र एक व्**रव**्य - स - स =

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-च (1) के वभीव सुचना

भारत सरकार

### कार्याभय, सहायक जायकर जायुक्त (निरीक्क)

अर्जन रेंज, मदुराई

मदुराई, दिनांक 15 अप्रैल, 1985

निर्देश सं० 105/मितम्बर/84--अत: मुझे वी० एम० मुत्तुरामलिंगम

कायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उकत अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-अ के अधीन सक्षम प्राधिकारी की यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रा. से अधिक हैं

ग्रीर जिमकी सं० पुन्ना भूमि मर्वे स० 86, है, जो वाडुगापट्टी गांव, विरातिमले कुलापुर टालुक में स्थित है (ग्रीर इसमे उपाबद्ध में ग्रीर पूर्ण कर्य में वर्णित है) रिजम्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय मब रिजस्ट्रार, विरालिमले द० मं० 80800 रिजस्ट्रीकरण अधिनयम, 1908 (1908 का 16) के अधीन मिनम्बर 1984 को पूर्वेक्स सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य में कम के द्रश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुभ्ने यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वेक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके द्रश्यमान प्रतिफल से, एसे द्रश्यमान प्रतिफल का वंद्रह प्रतिशत से अधिक है और बंतरित (अंतरितार्यों) को बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिकल का निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त बन्तरण लिखित में वास्तिक रूप से कियत नहीं किया गया है :—

- (क) बलाहण से हुए कियी बाव की बाबता, समझ अभिनियम के अभीन कर दोने के अन्तरक के वाबित्य में कभी करने या छससे बचने में सुविधा के सिन्द; और/बा
- (भ) एमी किसी बाय मा किसी धन या बन्य बास्तियों का, बिन्हों भारतीय नाय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त किसीनयम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) की अयोजनाथ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया या या किया जाना चाहिए था, कियाने . में स्विधा के बिक्:

भारतः आस्म, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग को अनुसरण क्षें, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) को अधीन, निकालिशित व्यक्तियों, अधीत् ध--- 1. श्री ग्लगोवन

(अन्तरक)

2.' श्री जोसफ महेन्द्रन

(अन्तरिती)

को यह सुषना पारी करके पूर्वोक्त सम्मत्ति के अर्थन के लिए कार्यवाहियां करता हुः

बनत राज्यति के मर्कन् के संबंध में कांद्र भी बार्सप : --

- (क) इस स्थान के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तिकों पर स्थान की तामील से 30 दिन की अविधि, जांभी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीकत स्थितस्यों में से किसी व्यक्ति स्थानत
- (क) इस स्थान क राजपत्र में प्रकाशन की तारांच में 45 दिन के मीतर उक्त स्थापर सम्पत्ति में हितवक्ष किकी कम्म व्यक्ति स्थाप, अभोहरापुकारी के पास निर्वास में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :---इसमें प्रयूक्त शब्दों और पदो का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, नहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

वतस्य भी

्रैं भूमि और पम्पसेट एस० सं० ४६ वाडुकापट्टी गांव विरालीमट्टी दस्ता० सं० ४०४ से०४12/४४ एस० आर० ग्रो० विरालीमलई।

> वी० एम० मुत्तरामलिंगम सक्ष्म प्राधिकारी सहायक आयकर र्यायुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, मदुराई ।

नारीख: 1**5**--4-85

म्पेटर ध

inter ally if the the management

(1) श्री ए० एम० पी० सुन्नमनियम

(अन्त्रक)

(अन्तरिती)

कायकार लिशिनयम 1961 (1961 का 43) की

धारा अन्य धा (1) के अभीत स्वनः

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक जायकर आव्यक्त (निरीक्षण)

अजेन रेज, मदुराई

मदुराई, दिनाक 15 अप्रैल, 1985

निर्देश स० 106/मितम्बर/84--अत: सझे वी० एम० म्लुरामलिगम

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का बदा (जिस राय इसके परमान 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अभाग राजन आधिकारी को यह बिह्नास कारत का कारण है कि स्थावर सम्पनि, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/-रा. में आधिक हैं

श्रीर जिमकी में दी० एम० हैं, जो नाथ राजा रहीट पुरकोटाई में स्थित हु (ग्रार इसक उपाबद्ध अनुसूची मं प्रार पूर्ण रूप से बर्णित है) राजस्ट्रीकतो अधिनारी क कार्यालय जमीन सब-्रजिस्ट्रार गुडुकोट दस स० एप० 3/84 भारतीय प्रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन सिन्मेंबर 1984 को प्राक्त मर्मात के उचित बाजार मुल्य स कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए जन्तरित की गई है और मुर्भ यह विश्वास करन का कारण ही एन ययाए बाक्त संपीतन के लोचन बाना. मृत्य. उसके दश्यमान अतिफल मं, एंसे भश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिवात से अधिक है और अंतरक (अतरकाँ) और मन्तरितं (अन्तरितियाः) का बीच एर अन्तरेष क निए तब ...। गया प्रतिकाल, 'नेम्नोंक्षित धर्दक्ष गा एक अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप सं कथित नहीं किया गया है .---

- (क) मन्सरम संहुई किसी मात्र की जावत, सबल अधिनियम के सभीन कर दांच के अन्तर्थ ग्रे दामित्य में कमी करने था उनसे नची में न्यायकः के लिए; बौर या/
- (का) एरेरी किसी बाब या किसी धन या अन्य आस्थिया क्ये, जिन्हें भारतीय जायकर जीभीनयम, 1922 1922 में 11) ज जबत अधिनियम, या भन-कर अधिनियम . 1957 (1957 क्ल**ा**) क प्रयोजनाथ अन्तरिती दुवारा प्रकट नहीं फिया नया भाया किया जाना भाहिए था, अध्याने में सुनिभा के लिए:

अतः अब, उनत मधिनियम की धारा 269-म के अनमरण में, में, उन्त अधिनियम की भारा 269-भ की उपवारा (1) क अधीन, निम्निलिशित व्यक्तियों, अर्थात :---

का यह सुमना जाणी करको पुर्वोक्त सपरित के अर्थन के लिए कार्ववाहिया करता हूं।

(2) श्री एल० सरवननणा

उक्त सम्पत्ति के वर्षन के सबध में काई भी बाईपे :---

- (क) इस सुभना के राजपन में प्रकाशन की तारीय सं 45 विन की अयिव या तत्सम्बन्धी व्यक्तियाँ पर सचना की तामील से 30 विन की अनिध, अंभी अनिध भाव में समाप्त होती हो, के भीतर धुनीवत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा,
- (का) इस स्वाना के राजपत्र में प्रकाशन का तारीख स 45 दिन के भौतर उक्त स्थावर संगौत्त में हिल्बब्ध किसी जन्म व्यक्ति द्वारा क्योहस्ताक्षरी य पास । १४ । भे किए जा सफ्रा।

न्यथ्यौकरण---इसमे प्रयुक्त सन्द**ंगी**र पदों का, **यो उस**त अधिनियम के अध्याय 20-क मा पारभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया 77 F

#### यम् स्थ

मूमि श्रीर निर्माण टी० एम० म० 2814 नार्थ राजा स्ट्रीट भुडुकोटे दस्ता स० 2248/84 जमीन एस० आर० स्रो०-1 पुड्कोटे ।

> वी० एम० मृत्तुरामलिंगम सक्षम प्राधिकारी महायक बायकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रंज, मदुराई

तारीख: 15-4-85

माहर

प्ररूप आई.टी.एन.एस. -----

आयकर अधिनिधम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-भ (1) के अभीन सुमना

#### ALCA MARTIA

कार्यानयः, सहायक बायकर आवक्त (निरीक्षण) अर्जन रेज, महुराई

मदुराई, दिनांक 15 अप्रैल 1985

निवृश मं० 107/मितम्बर/84---अतः मझो वी० एम० मत्तुरामिनगम

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (विश्व स्थानें स्थानें प्रक्ति प्रथम अधिनियम अहा स्थान हों। उही पारा 269-स को अधीन सक्षम प्राधिकारों को उद्ध विश्वस्य कर्म का सारण ही कि स्थापर यथमित हिंदिक होंचा के स्थाप के सा 1,00,000/- रह. स अधिक ही

श्रौर जिसकी सं० टी० एस० सं० 5530 है, तथा जो सबूत—4, स्ट्रीट पुदुकोट में स्थित है (श्रॉर इसने उपाबद्ध में श्रौर पूर्ण रूप से विज्ञारी है) रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय जायिट सब-रिजस्ट्रार पुदुकोट दम सं० 301/84 में भारतीय रिजस्ट्रीकरण अधितिपम, 1908 (1908 का 16) के अधीन सितम्बर 1984

को पूर्वितन सम्पत्ति के उपित वाकार मुख्य में कम के सक्तमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे वह विकास करने का ततरण है कि स्थापूर्वित्त मुख्यित का उपित्त काजार मृत्य, इसके सम्बाध प्रतिफल के, एसे क्ष्यमान प्रतिफल का पंत्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरिक (अंसरकों) और अंतरिती रिती (अंतरितियाँ) के बीच ऐसे बेतरण के लिए तथ याथा प्रवा प्रतिकल किन्तियाँ। के बीच ऐसे बेतरण के लिए तथ याथा प्रवा प्रतिकल किन्तियाँ। के बीच ऐसे बेतरण के लिए तथ याथा

- (का) करतरण से इन्हें किसी भाग की वादाए, जन्म इन्हें किसी की क्षिक कर की में हैं हिएका के वादित्य में कामी कामने से निवार में किसा की किसा की
- (क) एसी किसी नग घा गंग १ मा १ मा १० न इसस्या की, जिन्हों भारतीय सामकार की, परिचम, १५ (1922 का 11) या स्वक्त व्यक्तिमध्या, मा अनकार व्यक्तिसम्म, 1957 (1 + 7 का 1 के प्रयोजनार्थ अतिरही द्यार की, राज कि मा या या या कि किया जाना साहिए का कि हो मा समिया की रहार

अनः हान, उक्त अधिनियम की धारा २०७ म के अंगूराण ६ . में , उक्त मधिनिया १० १० १० १० मधारा । . मैं कामेल , निम्नसिक्तिल कासिन हैं । अनोत --  श्री मृत्तु अत्रयास मृत्तुककृष्णन चेटियार।

(अन्तरक)

2. श्रीणस० भ्रम्याकस् ।

(अन्निरिती)

को यह सुचन्ना भगरी करके प्रवोक्स मन्त्रीरा के अर्जन के सिष् कार्यवाहिको करना हो।

उसम कंपरिए के सर्वात के सम्बन्ध में आहे भी बाहांब:--

- (क) इस सम्बंध के राष्यण में प्रकाशय की नाएँक थें अप दिल भी कथीं ये या तस्कापणी व्यक्तियों कथ मुख्या की संबंधित से 30 दिन की अविधि, को भी गवरित दक्त में सभाग होती हो , के भाग प्रवाक्ति व्यक्तियों के में समित व्यक्ति दक्षातः
- (स) गय स्ट्रंग के राज्यात भी फ्लायन की गरीस भे 4.5 दिन के मौतार जस्त रणावर संगतिस में दिया-संदुक्त किसी कल्प राजिस कुताल करणान करण क राष्ट्र शिवित में किस प्रवास

स्यब्दिकरण --- असमे प्रयोक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त श्रीभनियम के अध्याद 20-क में परिभाजित हैं, उटी अर्थ होगा जो उस नाज्याय में दिणा गमा है।

### अन्**स्थी**

गृह सम्धान में टी॰ १७० 5530 सबूत 4 स्ट्रीट पुदुकोटे जायटि सब-रजिस्ट्रार, पुदुकोटे न्य स० 230/841

> वीष्णमण् मृत्तुलामितगम् अवसः प्राधिकारीः सःभावः वस्याः वासुवतः (निरीक्षण) अर्जनारोज, मद्दराष्टी

गामीख: 15-4-85

कांसर े

प्ररूप आहाँ, टी. एन ः पुरा :-----

## आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्याच्य सहायक वायकर बायक (निरीक्षण) के

अर्जन रेंज, मदुराई

मदुराई, दिनाक 15 अप्रैल, 1985

निदेश सं० 108/मितम्बर/84—अत: मुझे वी० एम० मुख्युराम्लिंगम

श्रीयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परवात 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-व के अधीन मक्षम पाधिकारी को यह विश्वास करने का कारण हैं

कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,050/-

र[्]. से अरिधक हैं

श्रोर जिसकी सं० पुच्छा सर्वे सं० 390/8 है, जो पोति हुन्ति गांव आधागं डी में स्थित है (श्रोर इससे उपाषद अनुसूची में श्रोर पूर्ण रूप से वर्णित है, र्राजण्ट्रो ६वीं अधिकारी के कार्यालय में रिजस्ट्रार दस० सं० 142/84 में भारतीय रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन सितम्बर, 1984

को प्वींक्त सम्भिति के उचित बाजार मृत्य से कम के राजाना प्रित्तिल की लिए अंतरित की गर्र है और मृभे यह विकास करने का कारण है कि यथापर्नेक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके स्वयमान प्रतिकत से एसे स्वयमान प्रतिकत का पंद्रह प्रतिशत से अधिक ही और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अर्तारतयों) के बीच एसे अंतरण के जिन्न तम पामा प्रतिकत, निम्निसित उद्वेष से उच्क अन्तरण निवित में वास्तिकत एप से किंगत नहीं किया गया है:—

- (क) जंतरण से हुई किसी जाय की बाबत उक्क जीध-जियम के अधीन कर दोने के जन्तरक के दायित्व में किसी करने या उससे बन्तने में मित्रधा के लिए करिंग्या
- (क) ऐसी किसी अस्य या किसी धन या जन्य अस्तियों की, जिस्से भारतीय अग्रकर अधिनियम, 1922 (1922 का 1), या एक्ट अधिनियम, '' नाकर विधित्यम, '' नाकर विधित्यम, '' नाकर विधित्यम, '' अत्ति विधित्यम, '' अति प्रयोजनार्थ अन्तिरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया '' या किया जाना चाहिए था, लियाने यो महिला लें रिचार

अत: अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (!) के निर्मालियित व्यक्तियों, अर्थान :—

(1) श्री कुलन्दै फैरनान्डे

(अन्तरक)

(2) श्री सीनीवासन

(अन्तरिती)

का यह सूचना बादी करके पृत्तींनत सम्पत्ति के अर्जन के सिए कार्यवाहियां क्षुक करता हुं।

उन्त सम्परित के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षप .---

- (क) इस स्वमा के राजध्य में प्रकाशन की सारीब सं 45 दिन की अवित वा सत्सम्बन्धी व्यक्तियों दर स्वन की साबीख से 30 दिन की जबिंद, का भी जबिंद में सजस्य होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी दर्भ कत बनारा,
- (क) इस सूक्ता के प्राव्यक के प्रकारक की शासील है 45 किन के भीवर स्थानर स्थानर सकरील हों हितबब्ध किसी जन्म व्यक्तित द्वारा अधोहत्ताक्षरी के पास निस्थित हो किए आ सकतेंगे।

स्थानकी कारणा:---- इसमें प्रयूक्त सन्दों और पूर्वों का, को सक्त अधिनियम, को सध्याद 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होंगा जो उस अध्याय में विया गया है।

#### **अनुसूची**

भूमि—मर्वे सग 399/8--पोल्पामिबडुनी वाव आलगुडी दम० मं० 1421/84गृम० आर० ग्रो० आलगुडी

> बी० एम**०** मुख्युरामिनगम सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण), अर्जन रेंज, मदुराई

तारीख: 15-4-85

नोहर :

अस्य नाह् . सी . एन . एस ् २००८::उन्टरप्रवन्त

(1) श्रीरसी० जानकी

(अन्तरक)

(2) नावलंगेचियार

(अन्तरिती)

मायकर मधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-व (1) के बधीन स्वता

#### भारत तरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, मद्रराई मदुराई, दिनांक 15 अप्रैल, 1985

निर्देश सं० 109/सितम्बर 1984-अतः मुझे बी० एम० मुत्तुरामलिंगम

भावकर मधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इवने इसके परचात् 'उकत अधिनियम' कहा गया है), की भारा 269-च के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विस्वास करने का भारत है कि त्यावर सम्वति, विस्तका उपित बाबार जुल्य 1,00,000 /- रऽः से अधिक हैं

श्रीर जिसकी मं० तयु वार्ड कं० ब्लाक 4 टी० एस० सं० 24 है, जो बारनरस रोड, निरुचि में स्थित है (श्रीर इससे उपा**वड** अन्स्ची में श्रौर पूर्ण रूप से वर्णित है,) रजिस्ट्रीकता अधिकारी के कार्यालय जायपीड सब-रजिस्ट्रार तिरुचि 6083/64 सें भारतीय रिजिस्ट्री- करण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन सितम्बर 1984

को पूर्वोक्त तन्त्रीक्ष के उत्तित बाह्य मून्य से कव के कवनान प्रतिकाल के तिल् अन्तरित की गई है और मुक्ते वह जिल्लात कारने का कारण ही कि बधायुर्वीकत संवरित का उचित । बाजार मल्य, उत्तक दश्यमान प्रतिकास से एते दश्यमान प्रतिकास के पन्द्रह प्रशिवत से नरियक है और जन्तरक (जन्तरकार) और भंतरियो (अंतरितियों) के बीच के एके वन्तरण **के हिं**कर. *तव* पाना गमा प्रतिकास, निक्नीलिबित उद्देश्य से उन्तर जन्तरण मिसित में वास्तविक रूप हो कथिश हार्डी किया नहा 💕 🛶

- (क) भन्नरण से हुन्द किसी बाद की बादस , उनक मधिरियम में प्रचीन क्या भी में मन्तरक दाबित्व में कर्जी करने या उससे बचने में सुविधा में सिए; मीर/वा
- '(**च')** एेसी किसी अगय या किसी धन या अन्य: आस्तियों को, किन्ही भारतीय जावकर अधिनियम, (1922 का 11) या उक्त लिधनियम, या भन-कर वरिधरनियम, 1957 (1957 का 27) के प्र<del>कोकशर्भ</del> जन्तरियो दुवारा प्रकट न**ही है**कना नवा -था या किया जाना चारिश्य था, क्रियाने में सुविधा के निए।

जत⇒ जब, टान्त अधिनियम की धारा 269-न के, जनुसरण में उक्त अधिनियम की भारा 269-व की उपभारा (1) के अभीन, निम्नलिनित व्यक्तियों, अर्थात :----30-86GI[85]

को यह सूचना भारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्थन के लिए कार्यवाहियां सुरू करता हुं।

उनता तंपरिता को नर्जन को तंत्रभ में कोई भी नाक्षोप:----

- (२०) इस ब्रुचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीच से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तिकों दर स्चना की तानील से 30 दिन की अथिप, को: 🐗 जनभि नाद में समाप्त होती हो, को भीवर प्रकेंक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति बुवारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशक की तारीच हं 45 दिन के भीवर उक्त स्थावर संपत्ति में डितववुध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अभोहत्ताकारी के पात लिसित में किए जा सकरो।

रचळीकारणः--इधर्मे प्रवृक्ता शब्दों और पदों का, जो उत्कत नियानियम के अभ्याय 20-क में परिभाषित है, नहीं नर्थ होगा थी उस मध्याय में दिया गया है।

ग्रह सम्पत्ति में सं० 21, वारनरस रोड तिरुचि नयू वार्ड के ब्लाक संग 4 टी० एस० सं० 24, जायटि सघ-रजिस्ट्।र तिरुचि दस० सं० 6083/84

> वी० एम० मुखुरामालिंगम समा प्राधिकारी सहायक बायकर बायुक्त (निरीक्षण) मर्जन रेंज, महुरै

तारीख: 15-4-8**5** 

मोहर ह

प्ररूप शार्ड.टी. १न. एस . -----

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-व (1) के बधीन क्षता

#### कारत करकार

### कार्याखय, सहायक वावकार बायुक्त (निद्रीकान)

अर्जन रेंज अमृतमर कार्यालय

अमृतसर, दिनाक 20 अप्रैल 1985

निर्देश सं० अमृतसर 85-86/3—-यतः मुझे एस० सी० कपिल, आई० आर० एस०

वायकार विभिनियम, 1961 (1961 का 43) (विन्ने इसमें इसमें इसमें दिन्ने पर्वात (उन्ते विभिन्न) स्कार्य प्रमा हैं), की भाष 269-क के अधीन संक्षम प्राधिकारी को यह विक्तात करने का कारण है कि स्थावर सम्बद्धि, विश्वका उपित्र वाषार मुस्य 1,00,000/- रा. ते विधिक हैं

धौर जिसकी सं० एक जायदाद है तथा जो हाल बाजार, अमृतसर में स्थित है (श्रीर इसम उपाबद अनुसूची में श्रीर स्प में वर्णित है), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय अमृतसर में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख सितम्बर 1984 को

को पूर्शिवर्त सम्पत्ति को उचित बाकार मृत्य से कम के कामान प्रिक्तिल के निए अम्तरित की गईं हैं और बृत्ते कह किस्माम करने का कारक है कि यमापूर्वोक्त सम्बद्धि का उचित्त बाकार बृत्य उसके दश्यान प्रतिफल से, एसे कामाण प्रतिफल जा पन्त्रह प्रतिक्षत से अधिक है और अंतरक (अंतर्फां) और अंतरिती (अंतरितियाँ) के बीच एमे अंतर्ण के जिए स्य वासा नवा प्रतिकल, निस्तिविक्ष उद्योच्य से उक्क जन्यरण सिकित में वास्सिविक रूप से कथिश महीं किया गया है अ

- (क) कम्परण संहुई किथी जाब को शम्बस, उबल अधिनियम के सधीन फर दोने के अध्ययक के वासित्य में कभी कारने या उसने नणने में स्विधा के सिद; करेंट/वा
- (क) देशी किसी बाम या किसी भन मा कल्य आस्तिम को जिन्हों भारतीय अध्यक्तर अधिनियम, 1922 (1922 को 11) या उन्तर अधिनियम, या भलकर अधिनियम, 1957 (1957 को 27) जे प्रयोजनार्थ अन्तरिती सुवारा प्रकट नहीं विकास यहा था या जिया जाना चाहिए, था, स्थिताने भी उन्तरित विकास

अतः अदः, उक्त अभिनियम की भारा 269-श के अनुसरण में, में उक्त अभिनियम की भारा 269-श की उपभारा (1) के अभीन, निकारितीयक व्यक्तिकों, अभीत है—-  श्री गुरबङ्ग सिहे पृद्ध श्री , बंशन लिह् हाल बाजार, अमनपर।

(अन्तरक)

(2) श्रीमती अंगजीत कौर डीगरा पत्नी क्यलजीत सिंह डीगरा 80 केन्ग्री एवन्य, अम्तस्र।

THE THE PERSON NAMED TO BE THE TAXABLE OF THE PERSON NAMED IN THE

(अन्तरिती)

- (3) जैसा उत्तर सं 2 में कोई किराण्दार हो 1. मैसमें कोल्ड रिलामबल सीडम फार्म 45/- महीना 2 भेसर्स सरदार हट्टी 110/- महोना। (वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पान है)।
- (4) ग्रीप कोई (बह व्यक्ति, जिनके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि बह सम्पत्ति में ।ह्तबद्ध है)।

को शह सूचना भारी कपके पूर्वांक्य करूपिक के वर्चन के लिए कार्च-वाहिका कपका हुं।

उक्त संपरित के वर्जन के मंत्रंप में कांग्रें भी त्राक्षेपः:--

- (क) इस स्वास के राजवन में जनतकत की दारीय वे 45 दिश की जनींच मा सत्संत्रीयों व्यक्तियों पर स्वास की तामीन से 30 दिन की व्यक्ति को भी क्योंचा की तामीन से 30 दिन की व्यक्ति को भी क्योंचा में समाध्य होती हो, के भीनार पूर्वोंक्स व्यक्तियों में से किसी क्योंकर कुलकड़;
- (क) इस सुक्रमा के राज्यक में प्रकाशन की तारीच से 45 दिन के भीतर उक्त स्थानर सम्मत्ति में हितनद्ध किसी जन्म अविक्त द्वारा अधोहस्ताक्षरी के वास सिविक्त में किए जा सकरेंगे।

स्पष्टिकरण: — इसमें प्रयुक्त कन्दों और पदों का, जो उक्त आयकर सिंपिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में विषय गया है।

#### मनका भी

जायदाद जो हाल बाजार, अमृतसर में है जैसा सेल डीड नं० 4169/19-9-84 र्जिस्टर्ड अथारिटी अप्तसर में दर्ज है।

> एमा भी किष्यत ग्राई० आर० एस० पक्षम जाधकारी महासक आसकर जासुक्त (निरीक्षण) अ**जैन रेंज**, अमृतसर

तारीख : 20-4-85 नोहर MINISTRY OF PERSONNEL & TRAINING,
ADMINISTRATIVE RECORMS AND PUBLIC
GRIEVANCES AND PENSION

DEPARTMENT OF PERSONNEL & TRAINING, CENTRAL BUREAU OF INVESTIGATION,

New Delhi, the 8th May 1985

No. 3|15|85-AD.V.—Shr) B. S. Garudachar, Crime Assistant, Central Bureau of Investigation is appointed to officiate as Office Superintendent in the Central Bureau of Investigation with effect from the forenoon of 1st May, 1985 and until further orders.

#### The 9th May 1985

No. A]19036|8]76|AD.V.—The services of Shri Kewal Singh, Dy. Superintendent of Police in Central Bureau of Investigation are placed at the disposal of the Food Corporation of India, Chandigarh with effect from April 20, 1985 afternoon for appointment as Dy. Manager (Vigilance) on deputation.

R. S. NAGPAL Administrative Officer

## LAL BAHADUR SHASTRI NATIONAL ACADEMY OF ADMINISTRATION

Mussoorie, the 22nd April 1985

No. 2|7|81-EST.—Smt. Manjulika Singh, a permanent Hindi Instructor and presently working as Assistant Professor of Hindi on ad-hoc basis, in the Lal Bahadur Shastri National Academy of Administration, Mussoorie, is appointed on a regular basis to the post of Assistant Professor of Hindi (Gp. 'B'—Gazetted) in the scale of pay of Rs. 700—40—900—18—40—1100—50—1300 with effect from 1-4-1985 and until further orders.

S. K. SEN Dy Director (Senior)

## MINISTRY OF HOME AFFAIRS DIRECTORATE GENERAL, CRPF

New Delhi-110003, the 7th May 1985

No. O.II-899/76-Adm-3.—Shri M. R. Lakhara, Administrative Officet of the Directorate General, CRPF has been promoted to the grade of Joint Assistant Director (Acces.) in the P&AO, CRPF, New Delhi, with effect from the afternoon of 28th February, 1985.

No. O.II-903|77-Adm-3,...Shri Umrao Singh, Section Officer of Directorate General, CRPF has been appointed as Audit Officer, Internal Audit Team (North Zone) Delhi, purely on adhoc basis, with effect from the forenoon of 26th April, 1985.

#### The 8th May 1985

No. O.II-4|85-Adm-3.—Shri R, D. Sharma, Assistant of the CRPF has been promoted to the grade of Section Officer in the Directorate General, CRPF, New Delhi with effect from the forenoon of 30th April 1985.

KISHAN LAL Dy. Director (Adm.)

#### New Delhi-110003, the 7th May 1985

No. O II-2009|85-Estt.—The Director General, CRPF, is pleased to appoint Dr. R V. Ramana as Junior Medical Officer in the CRPF on ad-hoc basis with effect from the forenoon of 19-4-1985 for a period of 3 months or till the

recruitment to the post is made on regular basis whichever

ASHOK RAJ MAHEEPATHI Asstt, Director (Estt.)

#### BUREAU OF POLICE RESEARCH & DEVELOPMENT New Delhi-110001, the 7th May 1985

No. 3/10/85-Adm.1.—The President is pleased to appoint Shri Ramkrishna Roy IPS (WB--SPS) as Vice-Principal in the Central Detective Training School Calcutta with effect from the forenoon of 18th April., 1985, until further orders.

#### ./Ihe 9th May 1985

No. 3[11[85-Adm.I.—The President is pleased to appoint Shri R. S. Sahaye IPS (UT—1968) as Deputy Director in the Bureau of Police Research & Development, New Delhi with effect from the afternoon of 3rd May 1985 in the pay scale of Rs. 2000—2250 until further orders.

S. K. MALLIK Director General

#### OFFICE OF THE REGISTRAR GENERAL, INDIA

New Delhi, the 10th May 1985

No. 10|5|82-Ad.L.—On the recommendation of the Departmental Promotion Committee, the President is pleased to appoint, by promotion, Shri K. R. Unni, Deputy Director (Programme), who is at present working as Joint Director (Programme) on ad hoc basis, in the office of the Registrar General, India, New Delhi, to the post of Joint Director (Programme), on a regular basis, in temporary capacity, in the same office with effect from the forenoon of the 24th April, 1985, until further orders.

2. The headquarters of Shri K, R. Unni shall be at New Delhi.

V. S. VERMA Registrar General, India

#### DEFENCE ACCOUNTS DEPARTMENT

New Delhi, the 3rd May 1985

No. AN III 2606 84.—The Controller General of Defence Accounts regrets to notify the death of Shri G. Shankaranarayanan, Pt. Accounts Officer (O/234) on 14-4-1985 (AN).

Shri G. Shankaranarayan is struck off the strength of this Department with effect from the same date.

#### The 9th May, 1985

No. AN-I/1402/4/Vol. II.—The President is pleased to appoint the following officers of the Indian Defence Accounts Service to officiate in the Senior fime Scale of that Service (Rs. 1100-50-1600) with effect from the dates shown against them, until further orders:

SI. Na No.	ıme ,				Date from which appointed
1	2				3
S/Shri		 	·		
1. V. P. IJam		4	+		02-04-84
2. S. K. Chari				,	02-04-84
3. D. L. Kanojia					30-06-84
4. N. Subramani	am.				17-C9-84

1	2				3
5.	V. Sekar				01-10-84
6.	Nihar Ranjan Dash				30-01-85
7.	Rakesh Ranjan		,		05-01-85
8.	Banwari Swarup .				19-03-87
9.	Sua Lal Bunker .	,		١	16-01-85

A. K. GHOSH

Addi Controller General of Defence Accounts (AN)

## ISPAT AUR KHAN MANTRALAYA (KHAN VIBHAG)

#### GEOLOGICAL SURVEY OF INDIA

Calcutta-16, the 10th April 1985

No. 3880B|A-32013(SO)|80|19A.—Shi B. C. Shyam Roy, stores Supdt. (Tech. Selection Grade), Geological Survey of India has been appointed by the Director General, Geological Survey of India on promotion as Stores Officer in the same department on pay according to rules in the scale of pay of Rs. 650—30—740—35—810—EB —35—880—40—1000—EB—40—1200|- in a temporary capacity with effect from the forenoon of 8-2-85, until further orders.

A. KUSHARI Director (Personnel)

#### INDIAN BUREAU OF MINES

Nagpur, the 3rd May 1985

No. A-19012(207) 85-Estt.A.—On the recommendation of the Union Public Service Commission, Shri Tapan H. Banerjee, has been appointed to the post of Assistant Research Officer (OD), in Indian Bureau of Mines in an officiating capacity with effect from the forenoon of 18-4-85.

No. A-19012(210) 85-Estl.A.—On the recommendation of the Union Public Service Commission, Shri Siva Kumar Gaddam has been appointed to the post of Assistant Research Officer (OD), in Indian Bureau of Mines in an officiating capacity with effect from the forenoon of 18-4-1985.

#### The 7th May 1985

No. A-19011(18) [84] Estt.A.—On his retirement after attaining the age of superannuation Shri Amir Singh, Regional Controller of Mines is relieved of his duties in the Indian Bureau of Mines with effect from the afternoon of 30th April, 1985 and accordingly his name has been struck off the strength of establishment of this department.

No. A-19011(54)|85|Estt.A.|PP.—It is informed with profound sorrow that Shri C. M. Doshi, Regional Mining Geologist expirede on the afternoon of 5th April, 1985. As such his name has been struck off the strength of the Indian Bureau of Mines.

No. A-19012(209) 85-Estt.A.—On the recommendation of the Union Public Service Commission, Shri M. Inayath Hussain has been appointed to the post of Assistant Research Officer (OD) in Indian Bureau of Mines in an officiating capacity with effect from the forenoon of 22-4-1985.

G. C. SHARMA Asstt, Administrative Officer for Controller General Indian Bureau of Mines

#### DIRECTORATE GENERAL: ALL INDIA RADIO

New Delhi-1, the 9th May 1985

No. 4(7) 34-SI.—The Ditector General All India Radio hereby appoint Shri P. K. Jha as Programme Executive at All India Radio, Darbhanga in a temporary capacity with

effect from 22nd April, 1985 and until further orders, in the scale of pay of Rs. 650-30-740-35-810-EB-880-40-1000-EB-

H. C. Jayal Dy. Director of Administration for Director General

## MINISTRY OF INFORMATION AND BROADCASTING FILMS DIVISION

Bombay-26, the 3rd May 1985

No. A-32014|2|84-RC.—On the recommendations of the Departmental Promotion Committee, the competent authority has appointed Shri M. S. Patwari, Officiating Cameraman, Films Division, Bombay to officiate as Cameraman (CFU) in the same office on a pay of Rs. 1040|- p.m. in the scale of pay of Rs. 840-40-1000-EB-40-1200 with effect from the forenoon of 15-4-1985, until further orders.

N. N. SHARMA Administrative Officer for Chief Producer

#### MINISTRY OF AGRICULTURE & RURAL DEVELOP-MENT

ALTERNATION DESCRIPTION OF THE PROPERTY OF A PROPERTY OF A

DEPARTMENT OF AGRICULTURE & COOPFRATION DIRECTORATE OF ECONOMICS AND STATISTICS

New Delhi-1, the 3rd May 1985

No. 7-1/79-E.I.-ES.—Shri A. K. Biswas, Market Intelligence Officer (ad hoc) is reverted to his regular post of Senior Market Intelligence Officer with effect from 18-3-85 (A.N.).

S. P. MALHOTRA

Chief Administrative Officer for Economic & Statistical Adviser

#### New Delhi-1, the 13th May 1985 CORRIGENDUM

No. 7-1/79-E.I-ES.—In the notification No. 17-79-F.I-ES dated 03-05-1985, for the words "Senior Market Intelligence Officer", the words "Senior Market Intelligence Inspector" may be substituted.

S. P. MALHOTRA Chief Administrative Officer

## (DEPARTMENT OF RURAL DEVELOPMENT) DIRECTORATE OF MARKETING AND INSPECTION

Fandabad, the 9th May 1985

No. A-12026|2|84-A-III.—Shri Ram Kanwar. Accounts Officer of the office of Controller of Defence Accounts, S. C. Pune, has been appointed as Accounts Officer in this Directorate at Faridabad with effect from 1-4-1385 (F.N.) on deputation basis on usual terms and conditions of deputation with effect from the date of his relief from his parent office viz. 21-3-85 (AN).

#### The 10th May 1985

No. A-19025|20|81-A.HI.—On the recommendations of D.P.C. (Gr. B) Sh. K. T. Rajurkar, Senior Inspector, has been promoted to officiate as Assistant Marketing Officer (Gr. I) on regular basis in this Directorate with effect from 17-4-85 (F.N.) until further orders, by the A.M.A. to the Govt. of India.

J. KRISHNA
Director of Administration
for Agricultural Marketing Adviser
to the Govt. of India

### BHABHA ATOMIC RESEARCH CENTRE

#### PERSONNEL DIVISION

Bombay-400 085, the 3rd May 1985

No. k/2115/CWS/Lstt.I/1254.—Shri Sairus Kavas Kalapesi relimquished charge of the post of Scientific/Engineer-Grade SB on 29-3-1985 AN consequent on resignation.

K. VENKATAKRISHNAN Dy. Establishment Officer

## DEPARTMENT OF ATOMIC ENERGY NUCLEAR POWER BOARD

Bombay-5, the 21st March 1985

No. NPB/3(283)/83-Estt.1/4479.—Director (Engineering), Nuclear Power Board, Bombay hereby appoints Shri V. B. Vyapari, a permanent Assistant Accountant and officiating Assistant Accounts Officer of this Board as Accounts Officer-II in the same Board in a temporary capacity on an ad-hoc basis with effect from the forenoon of February 15, 1985 until further orders.

#### The 29th April 1985

No. NPB/3(262)/84-Estt.I/4576.—Executive Din. (R), Nuclear Power Board, Bombay hereby appoints Shri S. A. Belhe, a permanent Section Grade Clerk of this Board as Assistant Personnel Officer in the same Board in a temporary capacity with effect from the forenoon of March 25, 1985 to the afternoon of April 26th 1985 vice Shri T. S. Aswal, Assistant Personnel Officer promoted as G.A.C.

No. NPB/3(262)/83-Estt.I/4478.—Executive Director (R), Nuclear Power Board, Bombay hereby appoints Shri T. S. Aswal, Assistant Personnel Officer fn the same Board in a temporary capacity with effect from the forenoon of March 25, 1985 to the afternoon of April 26, 1985 vice Shri R. V. Bajpai, Gentral Administrative Officer proceeded on leave.

R. V. BAJPAI General Administrative Officer for PE.D.(R)

#### ATOMIC MINERALS DIVISION

Hyderabad-500016, the 9th May 1985

No. AMD-16|1|85-Rectt.—Director, Atomic Minerals Division, Department of Atomic Energy hereby appoints Shri O. Bharathan, a permanent Senior Stenographer, Atomic Minierals Division as Assistant, Personnel Officer in the same Division in an officiating capacity with effect from the forenoon of April 16, 1985 until further orders.

S. PADMANABHAN
Sr. Administrative & Accounts Officer

#### TARAPUR ATOMIC STATION

PO. TAPP, the 27th April 1985

No. TAPS|1|34(1)|76-R(Vol. XIII),—The Chief Superintendent, Tarapur Atomic Power Station appoints Shri M. Murali, a temporary Scientific Assistant (C) in the Tarapur Atomic Power Station as Scientific Officer/Engineer Grade 'SB' in a temporary capacity in the same Power Station with effect from the forenoon of February 1, 1985, until further orders.

V. P. NAIK Administrative Officer-II

## OFFICE OF THE DIRECTOR GENERAL OF CIVIL' AVIATION

New Delhi, the 18th April 1985

No. A.38013[1]85-EA.--Shri M. P. Paul, Senior Aerodrome Officer, Office of the Controller of Aerodromes, Nagpur

retired from Government Services on the 31-3-85 on attaining the age of superannuation.

G. B. LAL
Assistant Director of Administration
for Director General of Civil Aviation

#### New Delhi, the 26th April 1985

No. A.35018|15|83-EI(i).—Shri K. C. S. Negi, Company point Shri Arun Talwar, Senior Communication Officer in the grade of Assistant Director of Communication on adhoc basis for a period of six months with effect from 31-1-1985 or till the post is filled up on a regular basis, whichever is earlier and to post him in the Aeronautical Communication Directorate in the Office of the Director General of Civil Aviation, New Delhi.

#### The 27th April 1985

No. A.32013/6/83-EC(.),—The President is pleased to appoint the following Officers of the Civil Aviation Department in the grade of Deputy Director/Controller of Communication on a regular basis with effect from the date indicated against each and until further orders:

S.No. Name	Station of posting	Date of taking over change
1 S/Shri V.K. Choud Asstt. Director of	thury, ACS, Calcutta f Comm.	4.3.1985 (FN)
2. Sushil Kumar,	ACS, Nagpur	26-2-1985
Asstt. Director of	Commn,	(AN)
3. R. K. Sood,	O/o, R.C.C.	28-2-1985
Asstt. Director of	Commn, ACS, Madras	(FN)

#### The 2nd May, 1985

No. A. 32013/4/84-EC(.)—The President is pleased to appoint the following Technical Officer of the Civil Aviation Deptt. in the grade of Sr. Technical Officer on ad hoc bass for a period of six month with effect from the date shown against each or till the post is filled on a regular basis, whichever is carlier and to post them at the station indicated against each:—

Sl. No	Name .	Station to which posted	Date of appointmen
1	2	3	4
l,	S/Shri M. K. Verma CATC Allahabad.	ACS, Trivandr- rum.	9-2-1985 (FN)
2.	B. N. Chawla ACS, Mangalore.	ACS, Delhi	11-3-1985 (FN)
3.	K. Ganesan ACS, Calcutta	O/o. R. C. C. Calcutta	17-1-1985 (FN)
4.	Arjun Singh CATC, Allahabad.	ACS, Triruchira- palli	8-2-1985 (FN)
5.	.M. L. Chakraborty, ACS, Calcutta	ACS, Colcutta	17-1-1985 (FN)

#### The 3rd May 1985

No. A 35018[15]83-E1(i).—Shri K. C. S. Negi, Company Commander in the Central Reserve Police Force is appointed in the post of Senior Security Officer in the Civil Aviation Security Organisation of the Civil Aviation Department on deputation basis for a period of three years with effect from 12-3-1985 (FN). The terms and conditions of his deputation will be governed in accordance with Ministry of Finance (Department of Expenditure) O.M. No. F.1(11)E.III(B)/75, dated 7-11-1975 as amended from time to time.

No. A.35018[15]83-FI(m).—In continuation of this Office Notification No. A.35018[15]83-EI, dated the 23-1-1985, the deputation period of Shii S. I. Arva in the grade of Senior Security Officer is further extended to the fourth year for a period of one year from 24-4-85 to 23-4-86 (AN).

V. JAYACHANDRAN Assistant Director of Administration

#### OVERSEAS COMMUNICATIONS SURVICE

Bombay the May 1985

No. 1/421/85-FST.—Shri D. P. Khnnan, Assistant Engineer, Madras, retired voluntarily from Service, with effect from the afternoon of the 2nd Februory, 1985.

The 5th May 1985

No 1/357 85-EST.—Shii V. V Varadan, Assistant Engineer, Modras, retired voluntarily from Service, with effect from the afternoon of the 20th February 1985.

R. K. THAKKER Dy. Director (Admn.) for Director General

#### FOREST RESEARCH INSTITUTE & COLLEGES

Dehra Dun the 8th May 1985

No. 16|436|85-Ests-I.—The President, Forest Research Institute and Colleges, Dehra Dun is pleased to appoint Shri T. B. Charterjee, Forest Ranger, Andaman and Nicobar Administration, Forest Department as Assistant instructor, Eastern Forest Ranger: College, Kurseong, with effect from the forenoon of 22nd March 1985, until further orders.

J. N. SAXENA Registrar, Forest Research Institute & Colleges

### COLLECTORATE OF CENTRAL EXCISE AND CUSTOMS

ada and a to the contract of the state of t

### CENTRAL EXCISE AND CUSTOMS VADODARA

The 1st May 1985

No. 2/1985 Shri I. H. Vaidya, Examiner of Accounts, Centarl Excise and Custonis, (Group 'B') of Audit Branch, Edgis., office, Vadoara, but retired on attaining the age of superannuation pension in the afternoon of 30-4-1985.

the 1st May 1985

No. 9|85.—Shii M. V. Vasaikar, Examiner of Accounts, Central Excise and Customs (Group 'B') of Audit Branch, Hd Qrs., office, Vadodara, has retired on attaining the age of superannuation pension in the afternoon of 30-4-1985.

No. 4 1985.—Shri C. M. Naik, Administrative Officer of Central Excise & Customs, (Group 'B') of Division-I, Vadodara, has retired on attaining the age of superannuation pension in the afternoon of 30-4 1985.

N. B. SUNAVANE Collector Bingalore, the 10th April 1985

No 1/85 —In exercise of the powers conferred on mo by Rule 5 of Cen all Excise Rules, 1944. I hereby empower this Central Excise of officers specified in column 4 of the table is possible hereby to exercise within their jurisdiction the power of Collector under the provisions of the Central Excise Rules shown against therein column 2 of the table subject to the limitations set out in column 5 of the table.

SI. No.	Central Excise Rules	Nature of power Delegated	Officer to whom delegated	Limita- tion9
1	2	3	4	5
1.	173-L & 173 M	(i) Power to relax storage of goods	Additional Collector/ Dy. Collector Doputy	
		the period for return of goods (ili) Collector's other powers.	Collector Assistant Collector.	
2.	192	(i) Power to grant	Officer mentioned in re- mission notification, otherwis Assit. Coffector.	s Ç
		(u) Power to issue li- cence and fixing of bond amount and security.	Licensing Authority	

D. P., ARYA Collector, of Central Excuse

#### MINISTRY OF SHIPPING & TRANSPORT DIRECTORATE GENERAL OF SHIPPING

Bombay-400 038, the 6th May 1985

No. 11-7 R(7)|81.— The President is pleased to accept the resignation of Shri A. K. Hhattacharyya, Engineer Officer, Directorate of Marine Engineering Training, Calcutta with effect from 16-4-1984 (F N.).

A. CHANDRA Dy. Director General of Shipping

#### (SHIPBUILDING SIRPREPAIR DIVISION)

New Dellu, the 3th May 1985

No. SW|SBR|1(10)|85.—In partial modification of Government of India, Ministry of Industry (Department of Heavy Industry) Notification No. 16-11|76 HM., Il dated 25th February, 1980, it has been decided to appoint M|s Goa Shipyard Limited, Goa as Leader of West Coast Consortium of Trawler Builders in place of M|s Managon Dock Limited, Bonibay.

MISS SOMI TANDON Director (Shippords)

#### CENTRAL WATER COMMISSION

New Delhi-110056, the 3rd May 1985

No. A-19012|1084|85-Estt V.—On the recommendations of the Departmental Promotion Committee (Group-B), Chairman, Central Water Commission appoints Shu B. C. Saha, Supervisor, to the grade of Extra Assistant Director Asstt. Engineer (Engg.) in the Central Water Commission on a regular basis in the pay scale of Rs 650-30-740-35-810-EB-35-880-40-1000-EB-40-1200 with effect from the forenoon of 18-4-1985 until further orders.

(2) The above mentioned officer will be on probation in the grade of 2 A.D [A E. in the Central Water Commission for a period of two years with effect from the aforesaid date.

#### The 8th May 1985

No. A-19012|1082|85-Estt.V.—On the recommendations of the Departmental Promotion Committee (Group B), Chairman, Central Water Commission appoints Sh. Arun Kumar, Design Assistant to the grade of Extra Assistant Director Assistant Engineer (Eng.) in the Central Water Commission on a regular basis in the pay scale of Rs. 650-30-740-35-810-EB-35-880-40-1000-EB-40-1200 with effect from the forenoon of 30-3-1985 until further orders.

(2) The above mentioned officer will be on probation in the grade of E.A.D. A.E. in the Central Water Commission for a period of two years with effect from the aforesaid date.

MEENAKSHI ARORA Under Secy. (C) Central Water Commission

# OFFICE OF THE DIRECTOR GENERAL OF WORKS CENTRAL PUBLIC WORKS DEPARTMENT New Delhi, the 15th April 1985

No. 12/3/84-EC.IX,—The Director General of Works is pleased to confirm the following officers in the grade of Assistant Architect/Technical Officer (Rs. 650-30-740-35-810-EB-35-880-4-1000-EB-40-1200) in the General Central Service group 'B' in the Central P.W.D. with effect from the dates noted against each:—

S. Name				Date of confirmatio
No.				
1 2				3
Assistant Architects				
1. J.P. Saxena .				1-4-77
2. Y.P. Popli				1-4-77 (Retd.)
3. A. Ganguli .			,	1-4-77
<ol><li>A.R. Karandikar</li></ol>				1-4-77
5. M.B. Das				1-4-77
6. A. Sanyal				1-4-77
7. V.S. Mahajan .				1-4-77
8. H.K. Walia .				1-4-77
9. S.B. Kalkar				1-4-77
10. A.K. Gupta .				7 <b>-</b> 5-77
11. R.K. Kakkar ,				<b>7-</b> 5-7 <b>7</b>
12. K.B. Kulkarni .				7-5-77
13. R.H. Khobragade (S	SC) .			19-5-77
14. M.M.L. Sharma .				19-5-77
15. Dey Dutt (SC) .	٠.			1-4-78 (Retd.)
16. A.N. Devikar (ST).				1-9-78
17. A.R. Joshi				1-9-78
18, V.P.Lokender(SC).		•		1-9-78
19. A.K. Sood				21-2-79
20. S.P. Singh (SC) .				21-2-79
21, Ram Prashad (SC).			,	21-2-79
22, O.P. Bhardwaj .				7-1-80
23, S.C. Meshram (SC)				12-4-80
24. Y.S. Sardar .				29-4-80
25, T.R. Anand				29-4-80
26. G.C. Sharma			-	29-4-80
27. S.K. Basu .				29-4-80
28. I.K, Popli			<u>.</u>	29-4-80

1 2	3
29. T. Srinivasylu 30. R.N. Kanojia	17-8-81 17-8-81
TECHNICAL OFFICER	
<ol> <li>G. S. Bhogal</li> <li>R. K. Sazena</li> </ol>	1 4.80 2,9.80

M. M. DAS

#### DEPUTY DIRECTOR OF ADMINISTRATION

#### CENTRAL RAILWAY

#### Secunderabad, the 30th April 1985

No. P/GAZ/185/Accts.—The following officiating Class-II (Group 'B') Officers of Accounts Department of this Railway are confirmed in Class-II Service of that Department with effect from the dates mentioned against each:—

Sr.	Name		Contirmed	Remarks
No.			w.¢.f,	
, S/	/Sri			
1. \$.	. Viswanatham		1-4-1980	Retired.
2. S.	. Venkataiah		J-4-1980	JRAS confirme and retired.
3. D	, Nagaraja Rao .		17-5-1980	Retired.
4. T.	V. Mannarkrishnan		27-5-1980	Retired.
5. Y	. Satyanarayana		27-5-1980	IRAS confirmed
				and retired.
6, S.	Subramanian		27-5-1980	Retired.
7. K	.R. Subramanian 🔌		1-7-1980	Retired.
8, K	.B. Rajanarasimha	,	1-7-1980	_
9. N	I. Subramanajan		21-9-80	Retired.
10, T	V. Raghavachari		1-12-1980	
11. G	i. Laxmanan .		1-7-1981	Retired.
12. k	C. Va oiswaran		14 7-1981	Retired.
13. N	i. Thiagaraj .		2-9-1981	Retired.
14. G	Balaram .		24-7-1982	Retired,
15, C	.V. Kashikar		1-9-1982	4/ ~
16, M	I,S. Raman		1-12-1982	
17. R.	. Varadarajan		23-3-1983	
8. S.	Balasubramanain		1-4-1984	
M-Series.				

GULSHAN RAI, General Manager

MINISTRY OF INDUSTRY & COMPANY AFFAIRS (DEPARTMENT OF COMPANY AFFAIRS)

COMPANY LAW BOARD

OFFICE OF THE REGISTRAR COMPANIES

In the matter of the Companies Act. 1956, and of*
My international Imex Agents Pvi. Ltd.

New Dolhi, the 23rd April 1985

No. 1737/14779.—Notice is hereby given pursuant to subsection (3) of section 560 of the Companies Act. 1956, that at the expiration of three months from the date hereof the name of the Mis International Imex Agents Pvi Ltd unless cause is shown to the contrary, will be struck off the Register and the Company will be dissolved

SATYENDER SINGH Asstt. Registrar of Companies Delhi and Haryana

#### OFFICE OF THE COMMISSIONER OF INCOME TAX INCOME-TAX DEPARTMENT

Cochin, the 5th May 1985

INCOMF-TAX

#### ORDER

No. 1|85-86.—In exercise of the powers conferred by subsection (1) and (2) of section 124 of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), the Commissioner of Income tax, Cochin, hereby abolishes the following Circles at Ernakulam.

- Companies Circle.
   Ernakulam Circle.
- 3. Special Circle.
- 4. Survey Circle.
- 2. This Notification shall take effect from 10-5-1985.

exercise of the powers 2/85-86.--ln conferred by sub-section (1) of Section 124 of the Incometax Act, 1961 (43 of 1961) the Commissioner of Incometax, Cochin, hereby directs that the following new Incometax Offices at

Ernakulam shall be created with the wards shown in the Sche dule below : --

#### **SCHEDULE**

Name of the Wards	IAC's Range
w ards	
(3)	(4)
ITO, A-Ward, ] ITO, B-Ward, ] ITO, C-Ward, ] ITO. D-Ward.   ITO, A-Ward, J ITO, B-Ward. ] ITO. C-Ward. }	
•	ITO, A-Ward, ] ITO, B-Ward, ] ITO, C-Ward, ] ITO, D-Ward.   ITO, A-Ward, J

2. this Notification shall take effect from 10-5-1985. M.J. MATHAN, Commissioner of Incometax, Cochin.

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE 3-CHANDER PURI,
TAYLOR ROAD AMRITSAR

Amritsai, the 20th April 1985

Ref. No. ASR[85-86]3.--Whereas, I,

S. C. KAPIL, IRS,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/and bearing No.

One property situated at Hall Bazar, Amritsar (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at S. R. Amritsar on Sept., 1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fitteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :--

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) Section 2691) of the said Act, to the following persons, namely 31-86GH85

(1) Shri Gurbax Singh Slo Shri Bishan Singh, Hall Bazar, Amritsar.

(Transferor)

(2) Smt. Jagjit Kaur Dhingra, woo Ehri Kanwaljit Singh Dhingra, roo 80, Kennedy Avenue, Amritsar.

(Transferee)

(3) As at S. No. 2 overleaf & tenants as under.
1. M|s. Kaul's reliable Seeds Form. Rs. 45|- p.m.
2. M|s. Sardar Hatti. Rs. 110|- p.m. (Person in occupation of the property)

(4) Any Other.

(Person whom he undersigned knows to be interested in the property).

Objections if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this motice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the official gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as defined in Chapter XXA of the said shall have the same meaning as given that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Property situated at Hall Bazar, Amritsar, as mentioned in sale deed No. 4169 dated 19-9-1984 of registering a authority, at Amritsar.

> S. C. KAPIL, IRS Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax. Acquisitione Range, Amritsar

Dated: 20-4-1985

Seal .

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGF, 3-CHANDER PURI, TAYLOR ROAD AMRITSAR

Amritsar, the 20th April 1985

Ref. No. ASR|85-86|4.--Whereas, I, S. C. KAPIL, IRS,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'Said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/and bearing No.

One property situated at Lawrence Road, Amritsur (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at S.R. Amritsar on Sept., 1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer;
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax act, 1957 (27 of 1957);

(1) Shri Sham Sunder Kapur, slo Shri Rattan Chand, 1/o 224 Queens Road, Amritsar.

(Transferor)

(2) Shri Manwindar Singh, solo Shri Bhupinder Singh, No. 53, R. B. Parkash Chand Road, Amritsar,

(Transferce)

- (3) As at S. No. 2 overleaf & tenants if any. (Person in occupation of the property)
- (4) Any Other.

(Person whom he undersigned knows to beinterested in the property).

Objections, if any to the acquisition of the said property may be made in wring to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of of any of the alotevalue persons within a person of the date of publication of this noited in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

1|5th charge of Property in Khasra No. 112, situated at Lawrence Road, Amritsor, as mentioned in sale deed No. 4376 dated 28-9-84 of registering authority, Amritsai.

> S. C. KAPIL, IRS Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisitione Range, Amritsar

flow, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons 'amely :---

Dated: 20-4-1985

#### FORM I.T.N.S.-

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE, 3-CHANDER PURI, TAYLOR ROAD AMRITSAR

Amritsar, the 20th April 1985

Ref. No. ASR[85-86]5.--Whereas, I. S. C. KAPIL, IRS,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable

property having a fair market value exceeding Rs. 1.00,000|- and bearing No. One property situated at Nimak Mandi, Amritsar

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at S. R. Amritsar on October 1984,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the proporety as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :---

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transfer to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now therefore, in pursuance of Section 269C of the said set, I hereby initiate preceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely .-

(1) Shri Hira Lal. sio Shri Mukand Lal, Gali Kandhanan, Wali, Nimak Mandi, Amritsar.

(Transferor)

(2) Shri Madan Lal Vohia, s|o Shri Bihari Lal Vohra, Gali Kandharian, Wali, Nimank Mandi, Amrusar. (Transferce)

- (3) As S. No. 2 above. (Person in occupation of the property)
- (4) Any Other. (Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said propertymay be made in writing to the undersigned :--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette of a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gaeztte.

Explanation: - The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Property No 679 8 & 1056 8, situated in Gali Kandharian Wall, Nimak Mandi, Amritsar, as mentioned in sale deed No. 5099 dated 30-10-84, of registering authority, at Amritsar,

> S. C. KAPIL, 1RS Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisitione Range, Amritsar

Dated · 20-4-1985

Scal:

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE ENCOME

### GOVERNMENT OF INDIA

TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE, 3-CHANDER PURI, TAYLOR ROAD AMRITSAR

Amritsar, the 20th April 1985

Ref. No. ASR[85-86]6.—Whereas, I

S. C. KAPIL, IRS,

being the Competent Authority under Section 269B of the income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/and bearing No.

One property sittated at New Partap Nagar, Amritsar (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred

under the Registration Act, 1908, (16 of 1908) in the Office of the Registering Office at

S. R. Amrisar on October 1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the Hability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer: and/or;
- (b) facilitating the conscalment of any income or any stoneye or other essets which have not been or which sught to be disclosed by the transferse for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922), or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

. Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :---

Shri Inderjit Singh slo Shri laswant Singh, Gate Sheran Wala, Annitsar.

(Transferor)

(2) Shii Kanwaljit Singh Bajaj, so Shri Shanti Lal, Smt. Jasbir Kaur, wo Shri Kanwaljit Singh, rlo 40 Rani-ka-Bagh, Amritsar,

(Transferce)

- (3) As at S. No. 2 overleaf & tonants if any (Person in occupation of the property)
- (4) Any Other.

(Person whom he undersigned knows to beinterested in the property).

Objection, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aferenaid pursons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gapette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons. whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :-- The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given at that Chapter.

THE SCHEDULE

Property No. 59-60, situated at New Tartap Nagar, Amritsar, as mentioned in sale deed No. 5124 slated 31-10-84 of registering Authoritl, at Amritsar.

> S. C. KAPIL, IRS Competent Authority, Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisitione Range, Amptsar

Dated: 20-4-1985

Scal:

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TANK ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE, AMRITSAR

Amtitsar, the 20th April 1985

Ref. No. ASR[85-86[7,---Whereas, I, S. C. KAPIL, IRS,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/and bearing No.

Plot of land situated at East Mohan Nagar, Amitsar (and more fully described in the Schedule annexed hereto).

has been transferred

and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the office of the Competent Authority at Amritsar on 13-12-1984 for an apparent consideration which is less than the fair

market value of the aforesaid property and I nave reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferse for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, of the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

(1) Shri Anup Chand Kapur, Mall Road, ASR; Shri Sutinder Nath Kaput, Ridge Road, Bombay; S|Shri Davinder Kapur, Varinder Kapur, Vipan Kapur, Narinder Kapur and Vikram Kapur, residents of Cooper Road, Amritsar.

(Transferors)

- (2) Shri Hardian Singh, slo Shii Mohan Singh, Sultanwind Road, Amiitsar. (Transferce)
- (3) As at S. No. 2 overleaf & tenants if any (Person in occupation of the property)
- (4) Any Other.

(Person whom he undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acuisition of the said property may be made in writing to the undersigned .--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act. shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Plot of land measuring 2000 sq. yds., situated at Sau Footee Road, in East Mohan Nagar, Amritsar. The agreement has been registered by the Competent Authority vide order No. 37-EE/15 dated 13-12-1984.

S. C. KAPIL, IRS Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Amritsar

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

Dated 20-4-1985

#### FORM I.T.N.S .--

NOTICE UNDER SLCTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE, 3-CHANDLE PURI, TAYLOR ROAD AMRITSAR

Amritsai, the 20th April 1985

Ref. No. SR|85-86|8.---Whereas, I, S. C. KAPIL IRS,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/and bearing

One property situated at Tath Taran, Road, Amritsar (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at S. R. Amateur on December 1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fur market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by mere than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transferor(s) and the transferee(s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) faciltating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer, andlor
- (b) facilitating the concealment of any mecome or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957):

Now, therefore, in pursuance of Section 2690 of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of the notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely :--

(1) Shri Harjit Singh slo Shir Parduman Singh, 1473 7, Dhab Wasti Ram, Amritsar.

(Transferor) (2) Shri Daljit Singh slo Shri Puran Singh,

Tarn Taran Road, Amritsar.

(Transferee)

(3) A, at S. No. 2 above tenants as under :—1. M/s. Narinder Cycle Works, Rs. 40/- p.m. Aritsar.

2. Sh. Sohan Singh, Amritsur Rs. 100]- p.m.
(Person in occupation of the property)

(4) Any Other,

(Person whom the under igned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation: -- The terms and expressions used breein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Property situated at Tarn Taran Road, Amritsar, as mentioned in sale deed No. 6724 dated 26-12-1984 of registering authority, Amritsar.

> S. C. KAPIL, IRS Competent Authority Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Amritsar

Date: 24-4-1985

- (1) Shii John Anton D'Souza & Others. Sunder, Madiwadi, No. 7 nt Vadavali, Malodiwadi, (Transferor)
- (2) Shir Pitumbar kanayalal Khater, 711. Linkin, Road Johns, Bombay

(Transferee)

#### NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

#### OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, PUNE

Pune, the 12th April 1985

Ref. No IAC ACQ|CA-5|37FE|Def.|S.D.|1984-85.—Whereas, I, ANIL KUMAR, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/and bearing

Survey No. 47, Hissa No 3, Village Barampur, Vasai situated

and /et:

(and more fully described in the Schedule annexed hereto). has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of

1908) in the Office of the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at LA.C. Acqu. Range, Pure in April, 1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than of the property of the consideration therefore by more than the property of the property of the consideration therefore and the the fifteen per cent of such apparant consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the tunnelerer to may tax under the said Ast, in respect of any income arising from the transfer
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the tradefers for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1947 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subjection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely : --

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :---.

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Survey No. 47, Hissa No. 3, Village Barampur, Vasai, Distt. Thana. (Area 9621 sq. ft.)

(Property as described in the agreement to sale registered in the office of the IAC, Acquisition Renge, under document No Def. S D 1984-85 in the month of April 1984),

> ANIL KUMAR Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Poona

Date: 12-4-1985

### NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

## OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, PUNE

Pune, the 12th April 1985

Ref. No. IAC ACQ|CA-5|37EE|Def|84-85,---Whereas, I, ANIL KUMAR

being the Competent Authority under Section 260R of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hareinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding

property, having a fair market value exceeding Rs. 1.00,000- and bearing Survey No. 47, Hissa, No. 3, Barampur, Village Vasai, District Thana

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer

1908) in the Office of the Registering Officer
1.A.C., Acqu Range, Pune in Oct. 84
for an apparent consideration which is less than the fair
market value of the aforesaid property and I have reason to
believe that the fair market value of the property as aforesaid

exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269°C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-action (1) of Section 269°D of the said Act, to the following persons, namely;—

(1) Shi John Anton D'Souzh & Others, Saidar Madiwada, No. 8 at Vadavali, No., 9 at Mulgaon, Tal Vasai,

(Transferor)

(2) Shii Kanayalal Nanamal Khatre & Others. 711, Linking Road, Khar, Bombay.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Survey No. 47, Hissa No. 3, Barampur, Village Vasai, Thana (Area 9621 sq. ft.).

(Property as described in the agreement to sale registered in the office of the 1.A.C., Acquisition Range, Pune, under document No, Def|SD|84-85 in the month of April 1984.)

ANIL KUMAR
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Poona

Date: 12-4-1985

#### FORM ITNS----

#### NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

### OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

#### ACQUISITION RANGE, PUNE

Pune, the 12th April 1985

Ref. No. IAC ACQ|CA-5|37EE|10230|84-85.— Whereas, I, ANIL KUMAR, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000|-mid bearing No.

One flat at Building H Flat No. 155 of Adinath Co-operative

Society, Pune Satara Road, Pune-37 situated at Pune (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at I.A.C., Acqu. Range, Pune in February 1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforestud exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :--

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferer to pay tax under the said Act, in respect of any uncome arising from the transfer, and to:
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferes for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269P of the said Act, to the following persons, namely;—32—86GI[85]

(1) Smt. Mradulaban Uttanchand Pujani, Adinath Co-operative Society, Pune-37.

(Transfegg)

(2) Shri Kishnalal Ramlal Oswal, Adinath Co-operative Housing Society, Pune-37.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later:
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning is given in that Chapter

#### THE SCHEDULE

One flut at Building H flat No. 155 of Admath Co-operative Society, Pune Satara Road, Pune-37.

(Area 796 sq. ft.)

(Property as described in the agreement to sale registered in the office of the I.A.C., Acquisition Range, Pune, under document No. 10230 84-85 in the month of February 1985).

ANIL KUMAR
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Poona

Date: 12-4-1985

#### NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT. 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

#### OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, PUNE

Punc, the 12th April 1985

Ref. No. IAC ACQ|CA-5|9451|1984-85.— Whereas, I. ANIL KUMAR, being the Competent Authority under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred ta as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000]-

Flat No. 25, Matru-Shakti Subhash Road, Vishnu-Nagar, Dombivli (W) Tal. Kalyan, District Thana.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred

under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

I.A.C., Acqn. Range, Pune in October 1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and for
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferre for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under Subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely:—

M/s. Patel Construction Co.,
 Nagindas Master Road,
 Parakh Vora Chambers,
 Ist Floor, Fort, Bombay.

(Transferor)

Shri Karsan Harji Patet,
 Ambica Bhuvan, New Maneklal Est.,
 B. Shastry Marg, Chatkopar, Bombay-86.
 (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Flat No. 25, Matru-Shakti Subhash Road, Vishnu-Nagar, Dombivli (W) Tal. Kalyan, Distt. Thana. (Area 830 sq. ft.)

(Property as described in the agreement to sale registered in the office of the I.A.C., Acquisition Range, Pune, under document No. 9451/1984-85 in the month of October, 1984.

ANIL KUMAR Competent Authority Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, Pune

Dato: 12-4-1985

Scal:

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, PUNE

Pune, the 12th April 1985

Ref. No. IAC ACQ|CA-5|37EE|308|84-85.-Whe.eas, I, ANIL KUMAR, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000|and bearing No.

Property situated at Village Deolaligaon, Datta Mandir Road, within the limits of Nasik Municipal Corporation, S. No. 36|2 situated at Nasik

(and more fully described in the Schedule anaexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the office of the Competent Authority

IAC, Acqn., Range, Pune on August 1984

for an apparent consideration which is less than the fairmarket value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) tacilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tex Act, 1957 (27 of 1957)1

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :--

(1) Shri Sampat Laxman Gaikwad, Near B.B.R.C. Road, Gaikwad Mulla, Nasik Road.

(Transferor)

(2) Mis Jay Ganesh Land Development Co., Nityanand Deep, Near P.E. School, Nashik Road.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period f of Jays from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter

#### THE SCHEDULE

Property situated at S. No. 36/2 of Deolali Village, within the limits of Nasik Municipal Corporation, Nasik.

(Property as described in the agreement to sale registered in the office of the .A.C., Acquisition Range, Pune, under document No. 308|84-85 in the month of August 1984).

> ANIL KUMAR Competent Authority Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Poona

Date: 12-4-1985

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

#### OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT *COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

#### ACQUISITION RANGE, PUNF

Pune, the 11th April 1985

Ref No IAC ACQ[CA-5|10901|84-85|37EE,---Whereas, I, ANII KUMAR.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing

Flat No. F-1 on first floor at S. No. 41 Erandwana, situated

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer

at I.AC, Acqn. Range, Pune on March, 85. for an apparent consideration which is less than the fair market vaule of the aforesaid property, and I have reason no believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :--

- (a) tacilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer;
- (b) (achiating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Incometux Act, 1922 (1) of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 cf 1957),

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely ' ~

(1) Shri Anant Pursuhottam Joshi, Sharad Apartment, First floor, Near Model Colony Post Office Shiviinagai, Pune-16.

(Transferor)

(2) M's Aukar Enterprises, Plot No. 23, Anamaya Apartments, Ideal Colony, S. No. 120 Fothered S. No. 129, Kothiud, Punc.

(Jiansleice)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Greete.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULU

Flat No F I on First floor at S No 4/1 Erandwina, Pune (Property as described in the agreement to sale registered in the office of the LAC. Acquisition Range, Pune, under document No. 10901 84-85 in the month of March 1985)

> ANTE KUMAR Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-lay Acquisition Range, Poona

Date : 11-4-1985 Seat :

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

ACQUISITION RANGE-II, CALCUITA ACQUISITION RANGE, PUNI-Pune, the 11th April 1985

Ref. No. IAC ACQ|CA-5 3/EE 12118|1984-85—Whereas, I \NIL KUMAR,

being the Competent Authority under Section
260B of the Income-tax Act, (43 of 1961) (heremafter referred to us the 'said Act') have reason to believe that the immovable property having a fair market value

that the immovable property having a fair market value executing Rs. 1,00,000's and bearing Hat No. 21, Building No. F. Gunesh Nivas. Co-operative Housing Society, Jodhali Baug, Charai, Thana situated at I hana (and more fully described in the Schedule annexed limito), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer

at I.A.C. Acqn. Range, Pune in Jan, 85. for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have i.e.on to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than afteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of .....

- (a) facilitating the reduction of evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or;
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferse for the purpose of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth tax Act, 1957 (27 of 1957);

(1) Shi S. Ravi, 21, Miram Nagar, Kopri Colony, Thane,

(Transferor)

(2) Shu Dinesh Velu Shah, King Tailors, Near S T. John School, Thana.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later.
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the saine meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Flat No. 21, Building No. E. Canesh Nivas Co-operative Housing Society, Jodhali Baug, Churai, Thana

(Alea 450 sq 1t)

(Property as described in the agreement to sale registered in the office of the f. V.C., Acquisition Range, Pune, under document No. 1218/84-85 in the month of fanuary, 1985)

ANH KUMAR
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Poona

Now increase in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby matrix proceedings for the acquisition of the aforesaid property his the issue or this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following

Date 11 1985 Sed .

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

(2) Shri Shreeniwas Ramchandra Shenolikar, Smt. Suhasini Shreeniwas Shenolikar, 699|2 Shivajinagar, Deccan Gymkhana, Pune-4.

 Natekar Gandhi & Co., 1206 B|15 Shivajinagar, Deccan Gymkhana,

Pune-4.

(Transferce)

(Transferor)

#### OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIGNER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, PUNE

Pune, the 19th April 1985

Ref. No. IAC ACO|CA-5|7005|1984-85,--Whereas, I, ANIL KUMAR,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000 and bearing No.

Flat No. T-5 on third floor at 42A 18 Erandwana, situated at

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer

at I.A.C., Acqn. Range. Pune in Oct. 1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:-

4₹*

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said. Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Incometax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, so the following persons, namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:----

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Flat No. T-5 on third floor at 42 A[18 Erandwana, Pune, (Property as described in the agreement to sale registered in the office of the I.A.C., Acquisition Range, Pune, under document No. 7005]1984-85 in the month of Oct., 1984).

ANIL KUMAR
Competent Authority
Inspecting Assistant Commussioner of Income-tax
Acquisition Range, Poona

Date : 19-4-1985

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

# GOVERNMENT OF INDIA OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

#### ACQUISITION RANGE, PUNE

Pune, the 19th April 1985

Ref. No. IAC ACQ|CA-5|37EE|6932|1984-85.---Whereas, 4, ANIL KUMAR,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/-and bearing No.

Flat No. 13, 2nd floor, S. No. 129, Plot No. 35, Ideal Colony Kothrud, Pune-29 situated at Pune

(and more fully described in the Schedule annuexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at I.A.C., Acqn. Range, Pune in Oct., 1984.

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/er
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys of other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said set, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269°C of the said Act. I, hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act. to the following persons, namely —

(1) Chopde Suhas Yeshwant, Prop. Chopde, Engineers & Contractors, 1622 Sadashiv Peth, Pune-30.

(Transferor)

(2) Mr. S. J. Patankar and Mrs. A. S. Patankar, 13, Pasaydan Bangalow, Girijashankar Housing Society, Dhankawadi, Pune-43,

(Transferee)

Objections, if any to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter

#### THE SCHEDULL

Flat No. 13, 2nd floor, at S. No. 129, Plot No. 35, Ideal Colony, Kothrud, Pune-29,

(Area 630 sq. ft.)

(Property as described in the agreement to sale registered in the office of the I.A.C., Acquisition Range, Pune, under document No. 6932[84-85 in the month of Oct. 84).

ANH KUMAR
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Poona

Date ; 19-4-1985

#### FORM ITNS----

NUTICI, UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

#### OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

#### ACQUISITION RANGE, PUNE

Pune, the 19th April 1985

Ref. No. IAC ACO|CA-5|37EE|12197|1984-85,-Whereas, I

ANIL KUMAR, being the Competent Authority under Section 269B of the Income Tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinatter referred to as the said 'Act') have reason to believe that the im-

movable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000 and bearing No. Flat No. 6 Building No. A. 1 First floor, Raghuvir Park, Bhagirathi Jaganath Apartment, Uttar Saher situated at Thane

Bhagirathi Jaganath Apartment, Uttar Saher situated at Thane (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Office, at I.A.C., Acqu. Range, Pune in Jan., 1985. for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reasons to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefore by mote than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer;
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other ussets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1937 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following регворя, папіску --

(1) Shri S. A. Palekar. Clo Sawant Fisheries Majiwada, Thane.

(2) Shi Balraj R. Patil, Bhagirathi Jaganath Apartment, Raghuvir Park, Samant Wadi, Uttarsaher, Flat No. All 6. Thane.

(Transferec)

(Transferor

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the atoresaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immov-nble property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter

#### THE SCHEDULE

Flut No. 6 Building No. All First Floor, Raghuvir Park, Bhagirathi Jaganath Apartment, Uttur Saher, Thane. (Area 587 sq. ft.)
(Property as described in the agreement to sale registered in the office of the I.A.C.. Acquisition Range, Pune, under document No. 12197[84-85 in the month of January, 1985).

ANII, KUMAR Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Poona

Date: 19-4-1985

#### FORM I.T.N.S .---

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOMF-TAX ACT 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

(1) D. G. Samant & Associates, 8|2, Ravi Building, Sadashiv Peth, Pune-30.

(Transferor)

(2) Dr. R. Y. Mulay, Smt S. Y. Mulay, Mis. R. N. Mulay, 232, Sahakar Nagar, Pune-9.

(Transferce)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE, PUNE

Pune, the 19th April 1985

Ref. No. IAC ACQ|CA-5|37EE|6927|1984-85.-Whereas, 1, ANIL KUMAR

ANIL KUMAR
being the Competent Authority under Section 269B of
the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred
to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding
Rs. 1,00,000/- and bearing
No. Flat No. 6, 1st floor Rear Side building, area 770 sq ft.
consists of 4 rooms, I WC & I bath situated at Pune
(and more fully described in the Schedule annexed hereto)
has been transferred and the agreement is registered under has been transferred and the agreement is registered under Section 269A5 of the Income-tax Act, 1961, in the office of the Competent Authority

IAC, Acqn Range Pune on August 1984

for an apparent consideration which is less than for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be usede in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, ir respect of any income arising from the transfer: മൂൻ /റന
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferes for the purposes of the Indian Income-inx Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1937 (27 of 1937);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate was sociated for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the fe owing persons namely; -- 33-86G1|85

THE SCHFDULE

Flat No. 6, 1st floor Kear side building, area 770 sq. ft. consists of 4 rooms, 1 WC 1 bath. (Area 770 sq. ft.)

(Property as described in the agreement to sale registered in the office of the I.A.C., Acquisition Range, Pune, under document No 6927184-85 in the month of Oct 1984),

> ANIL KUMAR Competent Authority Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax Hitler_ Ringe Proons

Date: 19-4-1985.

## NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

#### OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

#### ACQUISITION RANGE, PUNE

Pune, the 20th April 1983

Ref. No. IAC ACQ'CA-5|37EE|6754|84-85,---Wherea: 1, ANIL KUMAR

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair models with the immovable property having a fair models. property having a fair market value exceeding Rs. 100,000[- and bearing

Shop at Ground floor at 143[4 Parvati, Pune-9 situated

and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred and the agreement is registered under Sec. 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the office of

of the Competent Authority,

of the Competent Authority, I.A.C., Acqn. Range, Pone on Oct. 84 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the afore-aid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between partis has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :---

- (a) facilitating the reduction or evasion of the limbility of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the wansfer, and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforescent property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :---

(1) Mis. Khinvasara Chavan, Vijay Apartments, 22 Mukund Naga: Punc-37

(Transferor)

Popatlal Justaj Dangi & Govind Popatlal Dangi, 484[31 Mitra Mandal Colony, Pune-9.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein are defined in Chapter XXA of the raid Act, shall have the same meaning as given m that Chapter.

#### THE SCHEDULF

Shop at Gound Floor at 143/4 Parvati, Pune-9. (Area 325 sq. ft.)

(Property as described in the agreement to sale registered in the office of the LA.C., Acquisition Range, Pune, under document No 6754 1984-85 in the month of Oct. 1984)

> ANIL KUMAR Competent Authority Inspecting Assistant Communication of Income-tax
> Acquisition Range Poons

Date: 20-4-1985.

### NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

### OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

#### ACQUISITION RANGE, PUNE

Pune, the 22nd April 1985

Ref. No. IAC ACQ[CA-5|37EE|7421|1984-85.—Whereas, I, ANIL KUMAR

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000, and bearing No.

S. No. 1180 final plot No. 558, Sub Plot No. 1, Shivaji Nagar, Pune situated at Pune

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at

I A.C., Acqu. Ronge, Pune on Nov. 1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any measure arising from the transfer, and for
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferes for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby injurate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:

(1) M|s. Navyug Promoters, 20|2, Navi Peth, Pune-30.

(Transferor)

(2) Miss Shaila Mahadeo Deshpande, 751 (New) Sadashev Peth, Bhattwada, Pune-30.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expures later,
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

S. No. [180] Final Plot No. 558, sub-plot No. 1, Shivaji-nagar, Pune

(Area 460 sq. ft.)

(Property as described in the agreement to sale registered in the office of the I.A.C., Acquisition Range, Pune, under document No. 7421 84-85 in the month of Nov. 1984).

ANIL KUMAR
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-max
Acquisition Range
Poona

Date : 22-4 1985 Scal :

#### NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (4) OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

### OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

#### ACQUISITION RANGE, PUNE

Pune, the 22nd April 1984

Ret. No IAC ACQ/CA-5,37EE,8955,1984-85 — Whoreas, I, ANII KUMAR,

being the Competent Authority under Section 269R of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding

property baying a fair market value exceeding Rs. 1,00.000|- and bearing No. S. No. 3A. Hissa No. 5, S. No. 19, Hissa No. 1, S. No. 64, Hissa No. 3 Part. Dombivli (E) Tilak Nagar, Tal Kalyan, Dist. Thane

situated at Thane

(and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at IA.C. Acqu Range, Pune on Oct 1984

I.A.C. Acqn. Range, Pune on Oct 1984 for an aparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Shii V. R. Kale, Bhagyodav Building, Ram Nagar, Dombivli (E.), Dist Thanc

(Transferor)

(2) M's Patel Construction Company,
 66 N. M. Road,
 9 Parekh Vora Chambers,
 1st floor, Fort,
 Bombay

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the aervice of notice on the respective persons; whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Gajbandthan Pathasla, S. No. 3A, Hissa No. 5, S. No. 19 Hissa No. 1 S. No. 64, Hissa No. 3 Part Dombivh (1) Tilak Nagar, Tal. Kalyan, Dist. Thane

(Area 3843 sq. yards)

(Property as described in the agreement to sale registered in the office of the LA.C., Acquisition Range, Pune, under document No. 8955-84-85 in the month of Oct. 1984)

ANIL KUMAR Competent Anthornal Inspecting Assit. Commissioner of Income-tax Acquisition Rings

1)#to , 22-4--1955 "#51

## NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

#### OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

#### ACQUISITION RANGE, PUNE

Pune, the 22nd April 1984

Ref. No. IAC ACQ|CA-5-37EE 6215|1964-65 - Wherea, I. ANIL KUMAR, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000 - and beauting No.

and bearing No.

Flat No. 3 on 2nd floor Building No. 2, Bhairavianth Nagar, Plot No. 1, 2 and 4 C.T.S. No. 737,738 & 740

situated at Pune

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer

at IA.C., Acqui Range, Pune on Sep 1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer;

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferees the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 2691) of the said Act to the following persons, namely

(1) Mahajan Bhilaic Associates, 180, Narayan Peth, Pupe-30.

(Transferor)

(2) Slui Ashok Shankar Punde, Pajvati Nrwas Nehrunagar, Picipri Punc-18.

(Transferee)

Objections, it any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette of a period of 30 days from the same of n h can the respective persons
- (b) oy any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publi-cation of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION.—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### TITT SCHEDULT

Hat No. 3 on 2nd Boot Building. No. 2. Bhairwinath Nagar, Plot No. 1. 2 and 4 C.T.S. No. 737[738] and 740. (Atea 520 sq ft.)

(Property as described in the agreement to sale registered in the office of the LAC. Acquisition Range, Pune undocument No 6215/8455 in the month of Sep. 1984) under

鹽屋 對在 成 二二

ANIL KUM VR Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax

Acquisition Range Punc

Date 22-4~1985 Scal :

FORM ITNS ----

### NOFICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

### OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTAN I COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

#### ACQUISITION RANGE, PUNE

Pune, the 22nd April 1984

Ref. No 1AC ACQ CA-5|37EE 6214|1984-85.— Whereas I, ANIL KUMAR, being the Competent Authority under Section 209B of the income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act.), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/-

Flat No. 6 on 2nd floor Budding No. 2 bhairavnach Nagat, Plot No. 1, 2 and 4 C.T.S. No. 737/738 and 740 situated at Cure

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at

I.A.C., Acqui Range, Pune on Sep., 1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the tair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and for
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been at which ought to be disclosed by the transferer for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, manely :---

(1) Mahajan Bhilsaic Associates, 180, Narayan Peth, Pune-30.

(Transferor)

(2) Shri Narayan Vahai Mahajan, Eknath Kudle Chawl, Behind Kudale Engg. Works, Pimprigaon. Punc-17.

(Transferec)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (v) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazetts.

EXPLANATION:--The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Flat No. 6 on 2nd floor, Building No 2 Bhairavnath Nagar, Plot No. 1, 2 and 4 C.T.S. No 737,738 and 740

(Property as described in the agreement to sale registered to the office of the LAC. Acquisition Range, Pune under document No. 6214 84-85 in the month of Sep., 1984)

> ANIL KLMAK Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range Punc

Date: 22-4-1985.

St.11 "

#### FORM NO I.T.N.S.

### NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

#### OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

#### ACQUISITION RANGE, PUNE

Pune, the 22nd April 1984

Ref. No IAC ACQICA-5|37EE|8919|1984-85.— Whereas, I, ANII KUMAR, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs, 1.00,000/- and bearing Flat No. 22, Second floor, Building Kuber, Plot No. 43, Sector 17 at CIDCO, Vashim, New Bombay situated at

(and more fu'ly de cribed in the Schedule annexed hereto)

has been transferred

has been transferred under the Registration Act 1908 (16 og 1908) in the office of the Registration Officer at I.A.C., Acqu Range, Pune on Sep., 1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as atoresaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration that the consideration for such apparent consideration have the the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said treatment of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (L, facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferse for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Weslth-tax Act, 1957 (27 of 1987);

(1) Billimoria Constructions Pvt Ltd. Wankhede Stadum. North Stand, D Road, Churchgate, Bumbay-20.

(Transferor)

(2) Mrs. Aruna S. Sahai Building No. 213 5755, 4th floor, "Asun" Ninety Fett Road , Chatkons East, Bombay.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned ----

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the espective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immos-able property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette

Exclanation: —The terms and expressions used herein as are defined in Chapter X'A of the said Act, shall have the same meaning as given m that Chapter.

THE SCHEDULE

Hat No. 22, Second Floor, Building KUBFR, Plot No. 43, Sector 17 at CIDCO, Vashi, New Bombay. (Area 643 sq. ft.)

(Property as described in the agreement to sale registered in the office of the I.A.C., Acquisition Range, Pune under document No. 8919[84-85 in the month of Sept., 1984).

ANIL KUMAR Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Runge

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :---

Date: 22-4-1985

NUTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISTION RANGE, PUNE

Pune, the 22nd April 1984

Ref. No. IAC. ACQ/CA-5'37EE/8920/84-85—Whereas, I, ANIL. KUMAR, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act. 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to 1961) (have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding 1961) (ho. 43, Sector 17, at CIDCO, Vashi, New Bombay situated at Vashi (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at I.A.C., Acqu Range, Pune on Sep. 1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the 1981 instrument of transfer with the object of :----

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957),

(1) Billimeria Constructions Pvt Ltd Wankhede Stadium, North Stand, D Road, Churchgate, Bombay-20.

(Transferor)

(2) Mrs.L. A. V. Nathan
5 Suralaya Co-operative Housing Society,
Ston(e),
Bombay-22.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter

#### THE SCHEDULE

Hat No. 14, first floor building KUBER, Plot No. 43, Sector 17 at CIDCO, Vashi, New Bomboy.

(Area 559 sq ft)

(Property as described in the agreement to sale registered in the office of the I.A.C., Acuisition Range, Pune, under document No. 8920184-85 in the month of Sept., 1984).

ANIL KUMAR
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range
Pune

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date: 22-4-1985

Scal:

#### FORM ITNS.

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

#### OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMOS-SIONER OF INCOME TAX

#### ACQUISITION RANGE. PUNE

Pune, the 22nd April 1984

Ref. No. IAC ACQ|CA-5|37EE|10362|84-85.— Whereas, I, ANIL KUMAR. being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a few models to be a section 269B. able property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing

Unit No. 19 on ground floor of Dewan & Shah Industrial Complex No. 1 at Waliv Vasai (W) on S. No. 74 situated Industrial

(and more fully described in the Scheduled annexed hereto), has been transferred under the Registration Act 1908, (16 of

has been transfered under the Registration Act 1908, (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at I.A.C., Acn., Range, Pune on Nov., 1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/ac
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferre for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act. or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subection (1) of Section 269D of the said Act, to the following ersons. camely:---

34 -- 86GI 85

(1) M/s. Futura Enterprises 29. Keshavji Naik Road, 2nd floor. Bombay-9

(Transferor)

(2) M/s National Engineering Industries Prop. of Navnitlal livanial Shah, 3, Jay Bharat Society, 5th floor Khar, Bombay-52,

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the understaned :--

- (2) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 39 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -- The terms and expressions used herein at are defined in Chapter XXA of the sauf Act, shall have the same meaning as gives in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Unit No. 19 on ground floor of Dewan & Shah Industrial Complex No. 1 at Waliv, Vasai (W) on S. No. 74 (Area 1280 sq. ft.)

(Property as described in the agreement to sale registered in the office of the I.A.C., Acquisition Range, Pune, under document No. 10362|84-85 in the month at Nov. 1984).

ANIL KUMAR Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range Pune

Date: 22-4--1985

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX.ACT, 1961 (43 OF 1961) (1) M/s Mutha Apartments, "Himgiri" 322/11 Shankershet Road, Pune-2.

(Transferor)

(2) Santoshkumar Nathmal Jain, 68 New Timber Market, Pune-2.

(Transferce)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

#### ACQUISITION RANGE

#### **PUNE**

Pune, the 22nd April 1985

Ref. No. IAC ACQ|CA-5|37EE|7502|1984-85.--Whereas, 1, ANIL KUMAR,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/-and bearing

No. Flat No S-2, F.P. No 473, Sub Plot No. 18|H Gultekudi, Pune-37

situated at Pune

(and more rully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred

under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

I.A.C., Acqn. Range, Pune on Nov. 1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferror to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and or
- (b) facilitating the concealment of any income or may enough or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferrer for the purposes of this limitan income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of a notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons. samely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this motice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Flat No. S-2, F.P. No. 473, Sub plot No. 18|B Guitekadi, Pune-37.

(Area -)

(Property as described in the agreement to sale registered in the office of the I.A.C., Acquisition Range, Pune under document No. 7502 1984-85 in the month of Nov. 1984)

ANIL KUMAR
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range
Prince

Date: 22-4-1985

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### Sathe Godse. 1244 Sadashiv Peth, Pune-30.

(Transferor)

(2) Mr. Sanjeev M Deshpande, 19/284 Loxmanya Nagar, Pune-30,

(Transferee)

#### GOVERNMENT OF INDIA

### OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

### ACQUISITION RANGE

#### PUNE

Pune, the 22nd April 1985

Ref. No. IAC|ACQ|CA-5|37EE|10267|2984-85.—Whereas, I. ANIL KUMAR.

being the Competent Authority under Section 2698 of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable

as the said Act ) have reason to believe that the infinitivative property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. Flat No. 5 in building under construction at Plot No. C 4+5 S. No. 88|1|5 Purvati, Pune-9. situated at Pune (and more fully described in the Schedule annexed hereto)

has been transferred

under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office

of the Registering Officer at

I.A.C., Acan. Range, Pune on Feb. 1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more tha fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:— Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other persons interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act. shall have the same meaning as given to that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

#### THE SCHEDULE

Flat No. 5 in building under construction at Plot No. C 445 S. No. 88[1]5] Parvati, Pune-9. (Area 600 sq. ft.)

(Property as described in the agreement to sale registered in the office of the 1.A.C., Acquisition Range, Pune under document No. 10267|1984-85 in the month of February 85)

ANIL KUMAR Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by this issue of the notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely ---

Date: 22-4-1985

# NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

#### OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE PUNL

Pune, the 22nd April 1985

Rel. No. IAC ACO|CA-5137EE|10705|1984-85.-Whereas, I, ANIL KUMAR,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable

Rs. 1.00,000/- and bearing
No. Unit No. 17 on ground floor of Dewan & Shah Industrial
Complex No. 1, at Walix, on S. No. 74.
stuated at Walix, Vasai
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),

has been transferred

under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

IA.C., Acqn Range, Pime on Nov 84

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fuir market value of the property as afore-said exceeds the apparent consideration therefor by more then bifteen per cent of such apparent consideration and that he consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :--

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act. in respect of any income arising from the transfer, and /or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

M|s Union Products, 102 Kakad Chamber, 132 Dr. Annie B Road, Warli, Bombay-18.

(Transferor)

(2) M|s National Engineering Industries, Prop. Navritlat Javaniat Shah, HUles, 3 Jay Bharat Soc. 5th floor, Khar, Bombay-52.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later:
- (b) by any other person interested in the said immova-ble property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the sud Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Unit No. 17 on ground floor of Dewan & Shah Industrial Complex No. 1 at Waliv, on S No 74,

(Area 1460 sq. ft.)

(Property as described in the agreement to sale registered in the office of the LA.C., Acquisition Range, Pune under document No. 10705/1984-85 in the month of Nov. 1984)

ANIL KUMAR Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range Poona

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the atoresaid property by the issue of this notice under aubsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following nersons, namely ---

Date 22-4 1985 Seal .

#### PORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

### GOVERNMENT OF INDIA

### OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

### ACQUIST CORANGE PUNE

Pune, the 22nd April 1985

Ref. No. IAC ACQ|CA-5|37EE|11392|1984-85,...Whereas, I, ANII. KUMAR,

being the Competent Authority under Section 2698 of the income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 100,000/-and beating

No. S. No. 681/4 B-1 at Bibawewadi, Pune-37

situated at Pune

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been fransferred

under the Registration Act 1908, (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

LA.C., Acqn., Range, Pane on April 1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said matrument of transfer with the object of the said matrument of transfer with the object of the said matrument.

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act to respect of App taxonae trising from the transfer; andlor
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957):

(1) Smt. Parvatibal D Bibawe & Others, 446 Kasba eth, Pune.

(Transferor)

(1) Mis Unity Builder, 408/6 Gultekadi Road. Shartri Chambers, Pune-37.

(Transferce)

Objections, it any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as siven in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

S. No. 681]4 B-1 at Bibawewadi, Punc-27, (Area 7200 sq. ft.)

(Property as described in the agreement to sale registered in the office of the I.A.C., Acquisition Range, Pune under document No. 11392[1984-85 in the month of April 1985]

ANII. KUMAR Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range Poons

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the iforesaid property by the issue of this notice under subjection (1) of Section 269D or the said Act to the following persons, namely:—.

Date: 22-4-1985

Scal .

FORM TINS-

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE. PUNE

Pune, the 22nd April 1985

Ref. No. IAC ACQ|CA-5|37EE|11393|1984-85.—Wherea., 1 ANIL KUMAR,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the intmovable property, having a fair market value seconding Rs. 1,00,000/- and bearing

681]1-B at Bibuwewadi, Punc-37.

situated at Pune

(and more fully described in the Schedule ansexed hereto)

has been transferred under the Registration Act 1908 I (6 of 1908) in the office of the Registering Officer at 1. A. C. Acqn. Range, Pune if April 1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration, therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :--

- (a) facilitating the reduction or evacion of the liability of the transferor to pay tax moder the said Act, in respect of any income arising from the transfer;
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other seats which have not been or which ought to be disclosed by the transferse for the purposes of the Indian Income-tax Act 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Weulti-tax Act, 1957 (27 of 1957);

The same of the same state of the same of (1) Smt. Parvatibai Dharmaji Bibawe & Others, 446 Kasba Peth, Pune.

(Transferor)

(2) M/s. Unity Builders, 408/6 Gultekadi Road. Shastri Chambers, Pune-37.

(Transferce)

Objections, if any, he the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period exputes later;
- (b) by any other person incrested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

S. No 681 1-B at Bibwewadi Pune-37, (Area 57,028 sq. ft.)

(Property as described in the agreement to sale registered in the office of the I.A.C., Acquisition Range, Pune, under document No. 11393 84-85 in the month of April 1985).

ANIL KUMAR Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Poone

Now, therefore in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons marnely .---

Date . 22-4-1985

Seal

#### FORM ITNS---

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

## OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, PUNE

Pune, the 22nd April 1985

Ref. No. IAC ACQ/CA 5/37FE/11394/84-85 —Whoreas, I. ANIL KUMAR,

being the Competent Authority under Section 269B of the tocome-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000, and bearing No.

678 11 at Bibawewadi, Pune-37 situated at Pune

(and more fully described in the Schedule annexed hereta) bas been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at I. A. C., Acqn. Range, Pune on April 1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of;—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferes for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, berefore, in pursuance of Section 269°C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this Notice under section (1) of Section 269 D) of the said Act, to the following persons, namely:

(1) Smt. Parvatibai Dharmaji Bibawe & Others, 446 Kasba Peth, Pune-11.

(Transferor)

(2) M|s. Unity Builders, 408|6 Gultekadı Road, Shastri Chambers, Pune-37.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned.....

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this action in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said 'mmovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given that Chapter.

### THE SCHEDULE

678|11 at Bibawewadi, Punc-37. (Area 25824 sq. ft.)

(Property as described in the agreement to sale registered in the office of the I.A.C., Acquisition Range, Pune, under document No. 11394 84-85 in the month of April 1985).

ANIL KUMAR
Competent Authority
Inspecting A'sistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Poona

Date: 22-4-1985

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

### OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, PUNE

Pune, the 22nd April 1985

Ref. No. IAC ACQ|CA-5|37EE|10725|1984-85.—Whereas, I, ANIL KUMAR,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/and bearing

Land building and Plant & Machinery situated at Plot No 12-B, in Kalyan-Bhiwandi Road, Industrial Area of MIDC, Village Saravab, Bhiwandi, Dist. Thane

Village Sarayab, Bhiwandi, Dist. Than situated at Thane

(and more fully described in the schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act 1908 1(6 of 1908) in the office of the Registering Officer at 1. A. C. Acqn. Range, Pune on Dec. 1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-rax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 Maharashtra State Finance Corporation, New Excelsior Building, Amrit Keshav Neyak Marg, Fort, Bombay-I.

(Transferor)

(2) M/s. Ajanta International Pvt. Ltd (Prop. Ajanta Synthetics) Gopal Bhavan, 4th Toor, 199 Shamaldas Gandhi Marg, Bombay-2.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned: -

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Land, Building and Plant and Machinery, situated at Plot No. 12-B, in Kalyan-Bhiwandi Road, Industrial Area of MIDC Village Saravali, Bhiwandi, Dist. Thane.

(Area 3350 sg. mtrs.)

(Property as described in the agreement to sale registered in the office of the I.A.C., Acquisition Range, Pune, under document No. 10725[84-85 in the month of Dec. 1984).

ANH. KUMAR
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Poons

Date: 22-4-1985

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

SIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE, **PUNE** 

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-

Pune, the 22nd April 1985

Ref. No. IAC ACQ|CA-5|37EE|11612|1984-85.--Whereas, ANIL KUMAR,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/and bearing

Flat No. 2 in A1 building at Chintaman Nagar, S. No. 128 1 Aundh, Pune-7,

situated at Pune (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at I.A.C., Acqn. Range, Pune on Feb 85

for an apparent consideration which is, less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as afore-said exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :--

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; andlor
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:— 35-86GI[85

(1) Nikhil Enterprises, 14 Bombay Poona Road, Near Bajaj Auto Showroom, Wakadewadi, Shivajinagar, Pune.

(Transferee)

(2) Mr. Umesh Khanna, Flat No. D 10, 3 Aundh Road, Pune-3.

(Transferor)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immov-able property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazetta.

Explanation:—The terms and expensions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Flat No. 2 in A1 Building at Chintaman Nagar, S. No. 128 1 Aundh, Pune-7.

(Area 960) sq. ft.) (Property as described in the agreement to sale registered in the office of the I.A.C., Acquisition Range, Pune, under document No. 11612 1984-85 in the month of Feb. 1985).

> Competent Authority
> Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Poona

Date: 22-4-1985

Scal:

### NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

### 14 Bombay Pune Road, Near Bajaj Auto Showroom, Wakadewadi, Shivajinagar, Pune.

(1) Nikhil Enterprises,

(Transferor)

(2) Mr. A, G. Patil, Nisarg, 13th Lane Rajarampuri Kolhapur.

(Transferee)

#### OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

#### ACQUISITION RANGE, PUNE

Pune, the 22nd April 1985

Ref. No. IAC ACQ|CA-5|37EE.11935|1984-85.-Whereas, ANII, KUMAR,

being the Competent Authority under Section 2698 of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act) have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding R

and hearing Flat No. 7 in "C' Building at Chintaman Nazia S No. 128/1 Aundh, Punc-7.

situated at Pune (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at I.A.C., Acqu.

Range, Pune on Feb 85 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therfor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer;
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been of which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act. or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

FARIANATION:-The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Flat No. 7 in "C" Building at Chintaman Nagar S. No. 128|1 Aundh Pune-7.

(Area 820 sq. ft.)

(Property as described in the agreement to sale registered in the office of the I.A.C., Acquisition Range, Pune, under document No 11935 84-85 in the month of February 1985.

ANIL KUMAR Competent Authority Inspecting Assistan Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Poona

Date: 22-4-1985

Scal:

Now, therefore in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the storesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to following persons, namely :---

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

#### OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, **PUNE** 

Pune, the 22nd April 1985

Rei. No. 1AC ACQ|CA-5|37EE|6689|1984-85.--Whereas. 1, ANIL KUMAR,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to a, the 'aid Act'), have reason to believe that the immovable Property having a fair market value exceeding Rs. 25,000]-

and bearing
Flat No. E-8 on the 4th floor in the Building E of Hermes Park Co-operative Housing Society Ltd. 30 Bund Garden Road, Pune-1,

situated at Pune

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at I.A.C., Acqu.

Range, Pune on Oct 84 market value of the aforesaid property and I have reason to market value of the atoresaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitatin gthe reduction or evasion o fthe liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer:
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) of the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the aid Act, to the following persons, namely '--

(1) M/s, Ramesh Construction Co. (India) Dhiraj Chambers, 9 Waud by Road, Bombay-1. through its partner Shri Mathuradas N Thakkar.

(Transferor)

(2) Mrs. Dolly R Engineer, 2 Mangaldas Road. Pune-1.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned --

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from *he date of the publication of this notice in the Official Gazette

EXPLANATION :-- The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULL

Flat No. E-8, on the 4th floor in the building E of the Hermes Park Co-operative Housing Society Ltd., situated at 30 Bund Garden, Pune-1. (Area 1550 sq. ft.)

(Property as described in the agreement to sale registered in the office of the I.A.C., Acquisition Range, Pune, under document No. 6689/84-85 in the month of Oct. 1984).

ANIL KUMAR Competent Authority Inspecting Asstt Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Poona

Date : 22-4-1985 Seal ·

#### FORM NO. ITNS-

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

#### OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, PUNE

Pune, the 23rd April 1985

Ref. No. IAC ACQ|CA-5|37EE|11908|84-85.—Whereas, I, ANIL KUMAR, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the improvable property begins a fair model to the control of the movable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000|- and bearing No.

Tika No. 2. C. S. No. 317, Thane.

situated at Thane

(and more fully described in the schedule annexed hereto). has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at I.A.C., Acqn. Range, Pune on Jan 85.

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purpose of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the sald Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforeasid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons namely :--

(1) Sahas Builders, Ratan House, Opp. Rly Station, Thane.

(Transferee)

(2) Ramesh Popatlal Raja, H.U.F. Karta R. P. Raja, 11/2 Girnaj Housing Society, Navpada, Thane.

(Transferor)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette of a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have that Chapter. have the same meaning as given in

#### THE SCHEDULE

Tika No. 2 C. S. No. 317, Thane.

(Area ----

(Property as described in the agreement to sale registered in the office of the I.A.C., Acquisition Range, Pune, under document No. 11908 84-85 in the month of Jan. 1985).

ANIL KUMAR Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Poona

Date: 23-4-1985

Scal:

#### FORM ITNE -

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMEN'T OF INDIA

(1) M/s. Natekar Gandhi & Co. 1206-B 15 Shivajinagar, Deccan Gymkhana, Pune-4.

(Transferor)

(2) Narayan Govind Gadgil. Flat No. 202, Nilgiri Apartments, 42A|1B, Karve Road, Pune-38

(Transferee)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANCE OF INCOME-TAX ASSISTANT COMMIS-

> ACQUISITION RANGE, PUNE

Pune, the 23rd April 1985

Ref. No. IAC ACQ|CA-5|37EE|10345|1984-85.—Whoreas, ANIL KUMAR,

being the Competent Authority under Section 269 B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the inmovable property having a fair market value exceeding Rs. 25.000, and bearing Flat No. 202, 2nd floor Nilgiri Apartments, 42A 1B Erand-

wana, Pune. situated at Pune

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at I.A.C., Acqn. Range, Pune on Feb 85

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more that fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferer to pay tax under the said. Act, in respect of any income arising from the transfer;

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act. or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269 of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Aci, to the following persons, namely :--

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this actice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same mennig as given in that Chapter

#### THE SCHEDULE

Flat No. 202, 2nd floor, Nilgiri Apartment, 42A|1B, Erandwana, Pune-38.

(Area 1000 sq. ft.)

(Property as described in the agreement to sale registered in the office of the I.A.C., Acquisition Range, Punc, under document No. 10345 84-85 in the month of Feb, 1985).

ANIL KUMAR Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Poona

Date: 23-4-1985

#### FORM IINS ---

NOTICE UND-P SLCTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX AC1, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

(1) M/s Jain Sharma Buildors, 549 Guruwar Peth Opp Bandiwan Maruti, Pune

(Transferor)

(2) Mis Rashida tahu Kapadia, Clo L. N Kanchwala, 604 Raviwar Peth, Pune-2

(Transferee)

#### OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOMETAX

#### ACQUISITION RANGE, PUNE

Pune, the 23rd April 1985

Ref No IA( ACQ|CA-5|37EE|6917|1984-85 --- Whereas

Ref No IA( ACQUARDITED TO Section 262B of the Incomed var 1961 (43 of 1961) brematter referred to as 12 (11 of 1961) har about the blieve that the immovable property, having a fair market value exceeding R. 100 000) and beging that I but No 9 on 6 th

floor,

(and more fully deared to alreadule annexed hereto), has been the ferred under the Position of 1908 (16 or 1906) in the office of the Routing Officer at I 's C, Acque Route Pune in October 1964 for an apparent constant.

for an appared considers an which is less than the fair market y in the side of roperty, and I have reason to believe that the data market y like of the property as aforested et e. In a first consideration therefor by more 'in the consideration and that the consideration and that the consideration is consideration. ween the part a has in bin tone de and the said instrument of transfer with the object, ot-

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to be undersigned -

- (2) by any of the aforesaid persons within a period o 4 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the ser ice of notice on the respective persons, whichever period extires later,
- (b) by any other person interested in the said immov-able property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette

EXPLANATION -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evas.en of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, m respect of any income arising from the 'ransfer; and /or

#### THE SCHEDULE

(b) to ditating the conceilment of any income or any moneys a other is it, which have not been for which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Ast, 1957 (27 of 1957); 2010 A, Gafar Beg Street, Camp, Pune-J Plat No 9 on

(Property as described in the suscement to sale registered in the office of the IAC, Acquisition Range, Pune, under document No 6917 84 so in the month of October 1984)

> ANIL KUMAR Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Poona

Now therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby intake proceedures for the acquisition of the aforesaid property by the issue of the notice under subsection (1) of Section 2691) of the sud Act, to the following persons, namely -

23-4 1985 Date Seal

#### FORM TINS----

(1) My John ha mer tuble. Maroti, Pune

(Transferor)

M or c 3 until note bachwalls, 373 Raviwar Poth Punc-2

(Transferee)

#### NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

and the control of th

#### GOVERNMENT OF INDIA

#### OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, PUNE

Pune, the 23th April 1985

Ret No IAC At Q'C \-5[37L1 [6920]1984-85.--Whereas, I ANIL KUMAR,

ANIL SUMAIK, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs 1,00,000/- and bearing No No 2010A Gafar Pey Street, Camp, Pone-1 Flat No 7 on 6th floor situated at Pune (and more fully described in the Schedule innexed hereto).

(and more fully described in the Schedule annexed hereto),

has been transferred

under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office

of the Registering Officer at IAC, Arqui Range, Pune in Oct. 1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the atoresaid property and I have reason to believe that the fair marker value of the property as aforesaid exceeds the upparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the wait instrument or tel with the object of :---

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a seriod of 30 days from the service of notice on the respective persons. whichever period expires later
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publicanon of this notice in the Official Gazette

EXPLANATION - The terms and expressions used herein are defined in Thapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that t 'de herker

- (a) facilitating the reduction of evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and for
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or othe assets which has not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income tax Act. 1922 (11 of 1922) or the said Act. or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957):

Now, therefore, in pursuance of Section 769C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:---

#### THE SCHEDULE

2010 A Gafai Ber Street, Camp, Pune-1 Flat No. 7, on

Property as described in the agreement to sale registered in the office of the 1 3 th origination Range, Pune, under document No 6920[65] or in the month of Oct 1984)

ANIL KUMAR Competent Authority Inspecting As stant Commissioner of Income-tax Acquisitica Range Poona

Date · 23-4 1985

Seal ·

#### FORM ITNS-

# NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

GOVERNMENT OF INDIA

ACQUISITION RANGE, PUNE

Pune, the 23th April 1985

Ref. No. IAC ACQ|CA-5|37EE|9940|1984-85.--wnercas, 1 ANIL KUMAR,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/--and hearing

and bearing
Flat No. 3 "Vishaal Darshan" Plot No. 33, S. No. (10) (11) & (12) Part, Sai Nagar Scheme, Vasai (W) Dist. Thana situated at Thana

'(and more fully described in the Schedule annexed hereto), & (12) Part, Sai Magar Scheme, Vasai (W) Dist. Thana has been transferred

under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

IAC., Acqu. Range, Pune in Nov. 1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer;

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

 M[s. Vishaal Construction Co. 37 Jawaharnagar, Goregaon (W) Bombay-62.

(Transferor)

(2) Shri K. A Mangalorewala, 35 I. M. Merchant Road, "Shuheen Mansion", Khadak, Bombay-9

(Transferce)

Objections, if any, so the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the sald immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION.—The trems and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act., shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Flat No. 3, "Vishaal Darshan" Plot No. 33, S. No. (10) (11) & (12) Part, Sal Nagar Scheme, Vasal (W) Dist. Thana. (Area 615 sq. ft.)

(Property as described in the agreement to sale registered in the office of the I.A.C., Acquisition Range, Pune, under document No. 9940|84-85 in the month of Nov. 1984).

ANIL KUMAR
Competent Authority
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax
Acadisition Range, Poona

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, 4 hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date: 23-4-1985

(1) Mis. Visitual Construction Co. 37 Jawannagar, Goregaon (W) Bombay-62.

Bombay,

(Transferor)

(Transferee)

#### NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

#### OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, PUNE

Pune, the 23th April 1985

Ref. No. IAC ACQICA-5|37EE|9941|84-85.--Whereas, I ANIL KUMAR,

being the Construent Authority under Section 269B of the income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act), have reason to believe that the ammovable property, having a fair market value exceeding

Rs. 1,00,000 and ocaring No. Hat No. 7, "Had Darshan Plot No. 33, S. No. (10) (11) & (12) Port, Soi macor Scheme, Vasai (W) Dist. Thona

situated at Thana (and more fully described in the schedule annexed hereto),

the Figuration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registration which is less than the fair narket value of the storesaid property and I have reason to that that the first property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefore by more than lifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the patties has not been truly stated in the said instrument it is under with the object of ;--

- i facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any mesome arising from the transfer-RECI / CH
- it in thinking the concediment of any income or any moneys or other wheth which have not been or which ought to be disclosed by the transferre for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (4) of 1922) or the said Act, or the Wealth (4) 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceeding for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :--

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :--

(2) Shir Langrali Gulam Husein Mangatorewala, 246 Nishan Pada Road, Kader Mansion, Khadak,

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons winchever period expues later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette,

EXPLANATION: The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Aus shall have the same meaning as given n that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Flat No. 7 "Vishaal Darshan" Plot No. 33, S. No. 10(11) & (12) Part Sai Nagar Scheme, Vasai (W) Dist. Thana. (.\rea 670 sq ft.)

(Properly to described in the agreement to sale registered in the office of the IA.C., Acquisition Range, Punc, under drumont tile, 9931/24-85 in the month of Nov. 1984)

ANIL KUMAR Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Poona

Date: 23-4-1985

36--86GI 85

#### FORM NO. I.T.N.S.-

(1) Atul Enterprises, 31 Sheelavihar Colony, "Ruturaj" Paudphata, Punc.

(2) Mr. Vithal Yellappa Chavadekar,

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE PUNE

Poona, the 23rd April 1985

Ref. No. IAC ACQ|CA-5|37EE|10439|1984-85.—Whereas, I. ANIL KUMAR.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing

Plot No. 38, S. No. 26, Dahanukar Colony, Kothrud, Pune-29, Flat No. 8, third floor situated at Pune,

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at LA.C. Acqn. Range, Pune in February 1985,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, o he following persons, namely:—

Clo C.S. Patil, Sadhna Apartments, Flat No. 3, Ideal Colony, Kothrud, Pune-29.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gezette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immorable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

### THE SCHEDULE

Plot No. 38, S. No. 26, Dahanukar Colony, Kothrud, Pune-29 Flat No. 8, Third floor (Area 768 sq. ft.)

(Property as described in the agreement to sale registered in the office of the I.A.C., Acquisition Range, Pune, under document No. 10439 84-85 in the month of February 1985).

ANIL KUMAR
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Poona

Date: 23-4-1985

# NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

# GOVERNMENT OF INDIA OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

#### ACQUISITION RANGE PUNE

Poona, the 23rd April 1985

Ref. No. IAC ACO|CA-5|37EE|12705|1984-85.—Whereas, I, ANIL KUMAR, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 100,000/-and bearing

Flat No. 10 in building under construction at Plot No. C 4 and 5 S. No. 88|1|5 Parvati, Pune-9 situated at Pune, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at I.A.C., Acqn. Range, Pune in February 1985,

for an apparent consideration which is less than the fluir market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than lifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

(1) Sathe-Godse, 1244 Sadashiv Peth, Pune-30.

(Transferor)

(2) Smt. Vidula M Deshpande, 19|284 Lokmanyanagar, Pune-30.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period eexpires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Flat No. 10 in building under construction at Plot No. C4 and 5 S. No. 88|1|5 Parvati, Pune-9.

(Area 600 sq. ft.)

(Property as described in the agreement to sale registered in the office of the I.A.C., Acquisition Range, Pune, under document No. 12705/84-35 in the month of February 1985).

ANIL KUMAR
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
A;quisition Range, Poona

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date: 23-4-1985

Soal:

#### FORM ITNS ---

ويها ويتكون المام المراجع والمراجع والم

### NOTICE UNDER SLCTION 269D(1) OF THE INCOME-1AX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

### OFFICE OF THE INSPECTING A THE OMITSSIONER OF INCOME-TAX

#### ACQUISITION RANGE PUNE

Foona, the 23rd April 1985

Let No IAC ACQ(CA 5]3/Lf [1,)264[84.85] Whereas, I, AIN I ILUMAR, In the Competent Authority under section 269B of the incorporative Act, 1961 (43 of 1961) (hereinatter interred to incorporative Act, 1961 (43 of 1961) (hereinatter interred to incorporate Authority under section 269B of the incorporative Act, 1961 (43 of 1961) (hereinatter interred to incorporate Research Indianal English Indianal Indianal

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer, and/or
- (b) Incitating the concealment of any income or any mone's or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transfered for the purposes of the Indian Income tax. Act. 1722 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in nursuance of Section 269% of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the afores under property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely—

(1) M₁₅ Rosary Grafikon 191 M G, Road, Camp Fune-1

(Transferor)

(2) Mi Murli G Mayani & Mis Ashi M Mayani, 8/7 Navjecvan Coony Mori Road Malam, Bombay

(Transferee)

Objections, it any to the acquisition of the said propert, may be made in writing to the undersigned —

- (a) by any of the aforesaid poisons within a period o 45 days from the date of publication of this notic in the Official Gazette or a period of 30 day from the service of notice on the respective person whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immos able property within 45 days from the date of th publication of this notice in the Official Gazette

EXPLANATION — The terms and expressions used herein a are defined in Chapter XXA of the same Act, shall have the same meaning as give in that Chapter

#### THE SCHEDULF

Residential flat No 302|A on third floor, at CTS No 16|C-2 and 15|C Wella by Road Pune 1 (Aren 1340 ag ft.)

(Property is described in the time icus to the repisterion the office of the I  $\chi$  C,  $\chi_{\rm equ}$  mod R n  $\times$  Pin e and document No. 10264[84-85 in the month of rebuting 197].

ANIL LUM M Competent Authorit Inspecting Assistant Commissioner of Income-th Acquisition Range Peon

Date 23 4-1985 Seal .

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

### GOVERNMENT OF INDIA

#### OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, PUNE

Pune, the 24th April 1985

Ref. No. IAC ACQ|CA-5|10347|84-85.--Whereas, I. ANIL KUMAR

tieing the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'and Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing

Flat No. 4, Plot No 35, S No. 129, Ideal Colony, Kothrud, Pune-29, situated at June

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transcribed

under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Regulering Officer at

IAC, Acqu. Range, Pune Seb. 1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than lifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration of such mansfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- the facilitating the conveniment of any income or any moneys of other assets which have not been of which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 . (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 2690 of the said Act, I hereby imitiate proveedings for the acquirition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the sald Act, to the following persons, namely :--

(1) Chopde Propuetor, Chopde Engineers & Contractors. 1622 Sadashiy Peth, Pune-30.

(Transferor)

(2) Mr. V. V. Patankar & Mrs. M. V. Patankar, 879 80 Budhwar Peth. Punc-2.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

### THE SCHEDULE

Flat No. 4, Plot No 35, S. No. 129, Ideal Colony, Kothrud, Pune-29.
(Area 600 sq. ft.)

(Property as discribed in the agreement to sale registered in the office of the I.A.C., Acquisition Range, Pune, under document No. 10347/84-85 in the month of February 1985).

ANIL KUMAR Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Poona

Date: 24-4-1985.

(1) M|s. · Shilpashree Builder's. C|o M|s. D. P. Amruto & Sons. Station Road, Thane.

(Transferor)

(2) M[s. Shree Ram Builders, 25 New Bhatt Wadi, Matruchhaya, Opera House, Bombay-4.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

## OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT. COMMISMONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, PUNE

Pune, the 24th April 1985

Ref. No. IAC|ACQ|CA-5|8876|1984-85.--Whereas, I, ANIL KUMAR

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe

that the immovable property, having a fair market value

exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing Plot of land A ditch typed and half filled in bearing survey No. 401 Hissa No. 5 and 3 situated lying and being at Village Kalwe within the limits of Thane situated at Thane (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred f

under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

I.A.C., Acqu., Range, Pune in Scpt. 1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said act, in respect of any income arising from the transfer; andler
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferrer for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the lease of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, so the following persons, namely:—

Objections, if any, so the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: —The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Plot of Land, A Ditch typed and half filled in bearing Survey No. 401, Hissa No. 5 and 3 situate lying and being at Village Kalwe within the limits of Thane Municipal Corporation

poration. (Area 5552 Sq. ft.)

(Property as described in the agreement to sale registered in the office of the LA.C., Acquisition Range, Pune, under document No. 8876[84-85 in the month of Sept. 1984).

ANIL KUMAR
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Poons

Date: 24-4-1985. Seal:

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

### COVERNMENT OF INDIA

#### OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

#### ACQUISITION RANGE PUNE

Pune, the 24th April 1985

Ref. No. IAO ACQ|CA-5|37EE|6935|1984-85.--Whereas, I, ANIL KUMAR,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market

value exceeding
Rs. 1,00,000/- and bearing No.
Flat No. 5A|A3 New Sujata Co-operative Housing Society Ltd.,

Bund Garden Road, Pune-1, situated at Pune.
(and more fully described in the schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at IAC, Acqn. Range Fune on October, 1984

Officer at I.A.C., Acqn. Range, Pune, on October, 1984. Officer at I.A.C., Acqn. Range, Pune, on October, 1984. for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said. Act in respect of any income arising from the transferor. and /or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 # 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act. 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesian (1) of Section 269D of the saaid Act, to the following persons, namely:-

(1) Mr. V. K. Singh, 5A|A3 New Sujata Co-operative Housing Society Ltd. Bund Garden Road. Punc-1.

(Transferor)

(2) Mr. Ismail Sahebdin Mulji, Mrs. Nargis Esmail Mulji, B-12 Vijay Apartment, Near Petrol Pump, Thana.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons. whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovble property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Garotta.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the mid Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Flat No. 5A/A3 New Sujata Co-operative Housing Society Ltd., Bund Garden Road, Punc-1. (Area-840 sq. ft.)

(Property as described in the agreement to sale registered in the office of the IAC, Acquisition Range, Pune, Document No. 6935 84-85 in the month of Oct. 1984).

> ANIL KUMAR Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Poons

Date: 23-4-1985

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE PUNE

Pune, the 24th April 1985

Ref. No. IAC ACQ[CA-5]37EE]6443]34-85.—Whereas, I ANII. KUMAR.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs.

1,00,000/- and bearing No. "freemolk Park" Flat No. 5 Building No. 65, Plot No. 65, A Type Chinchward Akurdi Road, Chinchwad, Pune-33, situated at Pune

(and more fully described in the Schedule annexed hereto). has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at I.A.C., Acqn. Range, Pune on September, 1984.

Officer at I.A.C., Acqn. Range, Pune on September, 1984. for an apparent consideration which is less than the fair marker value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than aftern per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the Hability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Incometax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the storesaid property by the issue of this notice under sub-Section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 M|s. Urban Land and Housing Pvt. Ltd., "Nirankar" 1st floor, 1133|5 F. C. Road, Shivajinagar, Pune-16.

(Transferor)

 Shri V. P. Sreedharan, Clo Thelmax (P) Ltd., Heat Recovery Division, Chinchwad, Pune-19.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazante.

Explanation:—The terms and expressions used berein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Premolk Park. Flat No. 5 Bldg. No. 65, Plot No. 65, A Type, Chinchwad Akurdi Road, Chinchwad, Pune, 33. (Area-781 sq. ft.)

(Property as described in the agreement to sale registered in the office of the I.A.C., Acquisition Range, Pune, under document No. 6443[84-85 in the month of September 1984)

ANIL KUMAR
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range,
Page

Date: 24-4-1985

#### FORM ITNS----

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

### OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX.

ACQUISITIÓN RANGE PUNE

Pune, the 24th April 1985

Ref. No. IAC ACQ|CA15|37EE|7520|84-85.--Whereas, I, ANIL KUMAR.

being the Competent Authority under Section 2698 of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/-and bearing No.

Flat No. 4, Hyde Park, S. No. 106/2 A 11 Sub-Plot No. 4 & 5 Chaturshringi, Bhamburda, Pune-16, situated at Pune (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at IAC, Acqu Rauge, Pune on November, 1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the ebject of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferer to pay tax under the said Act, as respect of any income arising from the transfery and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferre for the virgoses of the Indian Income-tax Act. 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore in pursuance of Section 269C of the said Act, I, hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

37---86GIJ85

Mr. Krishnarao S. Kulkarni,
 Yugandhar Housing Society, 233B[4]1.
 Parvati, Pune-9.

(Transferor)

(2) Mr. Suhas R Barve and Mis. Sushama R. Barve, Clo. Shri K. N. Desai, 759/118 A Deccan Gymkhana, Poona

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immorable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Flat No. 4, Hyde Park, S. No. 106/2A/11, Sub Plot No. 4 Chaturshringi, Bhamburda, Puna-16.

(Area-725 sq. ft.)

(Property as described in the agreement to sale registered in the office of the I.A.C., Acquisition Range, Pune, under document No. 7520|84-85 in the month of November,1984.)

ANIL KUMAR
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range,
Propa

Date: 24-4-1985.

#### FORM ITNS...

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

### OPFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

#### ACQUISITION RANGE PUNE

Pune, the 24th April 1985

Ref. No. IAC ACQ|CA-5|37EE|2017|83-84|Def Whereas, I, ANIL KUMAR.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding

movable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000- and hearing Flat No. D-5 in "Ashoka Co-operative Housing Society CTS No. 3/1 & 3 (Part), Naylor Road, Pune-1, situated at Pune. (and more fully described in the Schedule annexed hereta), has been transterred under the Registration Act 1908. (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at IAC, Acqn. Range, Pune in March 1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the chiect of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the limbing of the transferer to pay tax under the said Act, in respect of any issume arising from the transfer, and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferce for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1927);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Mrs. Sita Keswani, Mrs. Mira R. Keswani & Mts. Sheela J Keswani, 3 Mujawar Apartments, Plot No. 473, Near Pune Adventist Hospital, Gultekadi, Pune-1.

(Transfetor)

(2) Mr. Manohar Holaram Makhija, 174, Mahatma Gandhi Road, Pune-1.

(Transferee)

Objections, if, any to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned ;--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days, from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Expranation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Flat No.D-5 in "Ashoka Co-operative Housing Society CTS No. 3/1 & 3 (Part) Navior Road, Pune-1, (Area-1000 sq. ft.)

(Property as described in the agreement to sale registered in the office of the I.A.C., Acquisition Range, Pune, under document No. 2017 83-84 in the month of March 1984).

ANIL KUMAR
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range,
Paona

Date: 24-4-1985.

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

#### ACQUISITION RANGE, PUNE

Pune, the 25th April 1985

Ref. No. IAC ACQ|CA-5[37EE|10518|1984-85.---Whereas, J, ANIL KUMAR,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax, Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 100,000/ and bearing

Flat No. 9 third floor, at C.T.S. No. 257|258 Frandwana, Punc-4 situated at Pune

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at I.A.C., Acqn. Range, Pune in Feb. 1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that who consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of ;-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the seid Act, to the following persons, namely .---

(1) Shri M. R. Joshi, Partner Mis Om Builders, 43|4, Eandwana, Punc-4.

(Transferor)

(2) Smt. H. A. Dhivan, Sanjeevan Hospital, Karve Road, Punc-4.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said 'mmovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Flat No. 9 third floor at C.T.S. No. 257|258 Erandwana, Pune 4.

(Property as described in the agreement to sale registered in the office of the J.A.C., Acquisition Range Pune, under document No. 10518 84-85 in the month of February 1985).

> ANIL KUMAR Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Poora

Date · 25-4-1985

#### FORM I.T.N.S.

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (4) OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

### OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, PUNE

Pune, the 25th April 1985

Ref. No. IAC ACQ|CA-5|37EE|10461|1984-85.-- Whereas, I, ANIL KUMAR, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing

the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing
No. B-12 on the IIIrd floor in Hermes Complex situated at F. P. No. 203, S. No. 349 & part of 349 A1 Bunglow No. 6 Sir Bhandarkar Road, Pune City, situated at Pune City (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred

under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer

of the Registering Officer at I.A.C., Acqn. Range, Pune in Feb. 1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :---

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transfere for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the aid Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957); 3

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 M|s Hermes Agencies, of 93 Family House, J. I. Road, Bombay-14.

(Transferor)

(2) Shri Ramchand Atmaram, Suresh Atmaram, Dilipkumar Atmaram, Fedder Road, 22 Deepak Building, Bombay-26.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation —The terms and expressions used herein are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

B-12 on the IIIId floor in Hermes Complex situated at J. P. No. 203, S. No. 349 & part of 349 A1 Bungalow No. 6 Sir Bhandarkar Road, Pune City

((Area 1075 sq. ft.)

(Property as described in the agreement to sale registered in the office of the I.A.C., Acquisition Range Pune, under document No. 10461 84-85 in the month of February 1985).

ANIL KUMAR
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Poona

Date: 25-4-1985

Seal ;

#### FURM ITNS

#### NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

### OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, PUNE

Pune, the 25th April 1985

Ref. No. IAC ACQ|CA-5|37EE,|10157|1984-85 - -Whereas, I, ANII. KUMAR, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immov-

able property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and

Rs. 1,00,0007- and Land bearing S. No. 199, Hissa No. 1, 2, 3, 4, 5A, 5B, 5C, 6, 7 & 8 S. No. 204 Hissa No. 1, 2A, 4, 3A S. No. 205, S. No. 206 Hissa No. 1, S. No. 209, Hissa No. 1 of Village Longagn situated at 10horgaon.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

I A.C., Acqn. Range, Pune on Feb. 1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and /or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceeding for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:---

- (1) Gera Resorts Pvt. Ltd. a Pvt. Ltd. Company registered under the companies Act of 1956 having its registered office at 8|352 Boat Club Road, Pune-1 through its Managing Director, Kumar P. Gera. (Transferor)
- (2) Wg. Cdr Parakal Premkumar, Clo Mr. K. B. Nath, 36, Cl11 I.A.C., Colony, Kaiina, Bombay-29.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:----

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Land bearing S. No. 199, Hissa No. 1, 2, 3, 4, 5A, 5B, 5C, 6, 7 & 8 S No. 204 Hissa No. 1, 2A, 4, 3A Survey No. 205 S. No. 206 Hissa No. 1, S. No. 209, Hissa No. 1 of Village Lohoguon, Dwelling No. AA2 Gera Vihar. (Area 932 sg. ft.)

(Property as described in the agreement to sale registered in the office of the I.A.C., Acquisition Range Pune, under document No. 10157 84-85 in the month of February 1985).

> ANII. KUMAR Competent Authority Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Poons

Date: 25-4-1985

#### FORM ITNS----

### NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

#### OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, PUNE

Pune, the 25th April 1985

Ref. No. IAC ACQ|CA-5|37E|5|9735|1984-85.— Whereas, I AAAL KUMAR, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (heremafter referred to as the said Act) have reason to othere that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing S. No. 284|1 Plot No. 10. Chinchwad, Pune-33 (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registration Officer at I.A.C., Acqu. Range, Pune on Feb. 1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than lifteen per consideration consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of nonster with the object of ac-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any message or any moneys or other assets which have not been ex which ought to be disclosed by the transferree for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act. or the Weslik-ax Act, 1957 (27 sg. 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesald property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act. to the following persons, namely:—

(1) Shri Gajanan Damodar Garde, Sahasrabudhe Building, Lele Ah, Near Vinayak Printing Ptess, Tilak Chowk, Kalyan.

(Transferor)

(2) M. Kulkarnı & Kulkarnı, 2153 Sadashiv Peth, Vijaynagaı Colony, Pune-30.

(Transferee)

Objections, it any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expers later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

S. No. 284 1 Plot No. 10, Chinchwad, Pune-33,

(Property as described in the agreement to sale registered in the office of the I.A.C., Acquisition Range, Pune, under document No 9735/84-85 in the month of Jan. 85).

ANIL KUMAR
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Poona

Date: 25-4-1985

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

### OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

#### ACQUISITION RANGE, PUNE

Pune, the 25th April 1985

Ref. No. IAC ACQ/CA-5/37EE/11611/1984-85.—Whereas, I. ANIL KUMAR, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinefter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding

Rs. 100,000/- and bearing No.

Flat No. 1 in 111 Ruilding B Wing, at Chintaman Nagar, S. No. 12811 Aundh, Pune-7.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at LAC., Acqu. Range, Pune on Feb. 1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/er
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferse for the purposes of the Indian Income-tax. Act. 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth tax Act., 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid procerty by the issue of this potice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 Nikhil Enterprises, 14 Bombay Poona Road, Istar Bajay Auto Showroom, Walladewadi, Shiyajiangar, Pune.

(Transferor)

(2) Mr. R. G. Desai & Mrs. S. R. Desai, 217, Aunthgaon, Thia Camp, Punc-7.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, which ever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immenable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Flat No. 1 in B1 Building B Wing, at Chintaman Nagar, S. No. 128/1 Aundh, Pone 7. (Area 535 sq. ft.)

(Property as described in the agreement to sale registered in the office of the LAC, Acquisition Range, Pune, under document No 11611 [1984-85] in the month of February 1985).

ANIL KUMAR
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax
Acquisition Range, Poona

Date: 25-4-1985

#### FORM I.T.N.S .-

### NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE, PUNE

Pune, the 25th April 1985

Ref. No. IAC ACQ|CA-5|37EE|7168|1984-85.— Whereas, I, ANI'L KUMAR, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter reforred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/-and bearing

Flat No. 14 in A Wing B3 Building at Chintaman Nagar S. No. 128/1 Aundh, Pune-7.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at

1.A.C. Acqn Range, Pune on Feb. 1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as atoresaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evanion of the limbility of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or other ought to be disclosed by the transferee for the purpose of the length line mechanism. Act, 14:22 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269°C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 Nii.bil Enterprises, 14 Bombay Poona Road, Near Baja; Anto Showroom, Wakadewadi, Shiyajinagar, Punc.

(Transferor)

(2) Mr. Suhas B Patil, Clo B. S. Patil. Shree Shubh Mangal Co-operative Housing Society, Eldg. No. 1, Block No. 1, Senapati Bapat Road, Pune 16.

(Transferee)

Objections, if any to the acquisition of the said preparty may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this noice in the official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said imasevable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Flat No. 14 in A Wing B3 Building at Chintaman Nagar S No 12b]1 Aundh, Pune-7 (Area 315 sq. ft.)

(Property as described in the agreement to sale registered in the office of the LAC. Acquisition Range, Pune. under document No. 7168/84-85 in the month of Oct. 1984).

ANIL KUMAR
Competent Authority
Lampecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Poona

Date 25-4-1985 Seal :

#### FORM I.T.N.S.-

### NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

### OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, PUNE

Pune, the 25th April 1985

Ret. No. IAC ACQICA-5]37EF [6536]84-85 --- Whereas, I ANIL KUMAR

being the Competent Authority under Section 269B of the Income Tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1.00,000/- and bearing No. Flat No. 1 in B Wing, BI Building a Chintaman Nagar, S. No. 128 1 Aundh, Pune citiated at Burg.

38-86GI|85

situated at Pune (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act 1908, (16 of

1908) in the office of the Registering Officer at I.A.C., Acqn. Range, Pune on Sept 84 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as afore-said exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer.

to, racilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1967);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate Proceedings for the acquisition of the

section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely ---

(1) Nikhil Enterprises, 14 Bombay Poona Road, Near Bajay Auto Showroom, Wakadewadi, Shiyamaga Pune

(Transferor)

(2) Mrs. Madhuri S Areas, 453 Shaniwar Peth, Pune-30.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter

#### THE SCHEDULE

Flat No. 1 in B Wing, B1 Building, at Chintaman Nagar S. No. 128 Aundh, Pune. (Area 535 sq. ft.) (Property as described in the personnent to sale registered in the office of th I.A.C., Acquisition Rang, Pune under document No. 6536/84-85 in the month of Sept. 1984)

> ANII KUMAR Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Poona

Date: 25-4-1985

Scal

#### FORM I.T.N.S.—

### NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

#### OFFICE OF INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, PUNE Pune, the 25th April 1985

Ref. No. IAC ACQ]CA-5|37EF|10483|1984-85 --- Whereas, I ANIL KUMAR

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of '961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/-

and bearing No.
No. 273304 sq. Mtrs. out of S. No. 241A-3 & 1-B Vacant Land under section 21 of UIC Act 1976

situated at Nasik

(and more fully described in the schedule unnexed hereto) has been transferred under the Registration Act 1908, (16 of

1908) in the office of the Registering Officer at I.A.C., Acqn. Range, Pune on Nov. 1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfe! with the object of ....

(a) facilating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought it he disclosed by the transferce for the purpose of the luden Income-tax Act. 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely :-

- (1) Shri & Smit. K. J. Mhatre, Atmanand, Suraswat Colony, Santacruz (W) Bombay-54. (Transferor)
- (2) Shyamlal Gupta, Ajay Gupta, Krishna Kumar Parastampuria, Hemant Parastampuria, Promoters of Parastrampuria & Gupta Builders Pvt. Ltd (Proposed) 1363 Shanti Sadan, Gupta Marg, Trimbuk Road, Nasik.

(Transferee)

Objections, if any to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gasiette.

EXPLANATION: -- The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

(Property as described in the agreement to sale registered in the office of the I.A.C., Acquisition Range, Pune, under (Property as described in the agreemnt to sale registered in the office of the I.A.C., Acquisition Range, Pune, under document No. 10483 84-85 in the month of Nov. 1984).

> ANIL KUMAR Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Poona

Date: 25-4-1985

#### FORM TINS

#### NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

#### OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, PUNE

Pune, the 25th April 1985

Ref. No. IAC ACQ|CA-5|9755|1984-85.--Whereas, I ANIL KUMAR

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000|- and bearing No. Flat No. 202, "Hing Laaj Building" Bhayandar (W)

Dist. Thane

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and registered under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer I.A.C., Acqn. Range, Pune on Oct. 84

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration, therefor, by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and /or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act. 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act. 1957 (27 of 1957);

- (1) M/s. Joi Constructions, Bhayandar, Dist. Thane (Transferor)
- (2) Shri Krishnakumar N Aggarawl, Agarsen Road, Bhayandar, Dist, Thane. (Transferce)

Ojections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective nervous. whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter

#### THE SCHEDULE

Flat No. 202, 'Hing Laaj Building' Bhayandar (W) Dist. Thane (Property as described in the agreement to sale registered in the office of the I.A.C., Acquisition Range, Pune, under document No. 9755|84-85 in the month of Oct. 84).

ANIL KUMAR Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Poona

Now, therefore in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-action (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :--

Date: 25-4-1985

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

### OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, PUNE

Pune, the 25th April 1985

Ref. No. IAC ACQ|CA-5|37EE|8922|Thane|84-85.--Whereas, I.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a tar market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No.

Sector-17, Plot No. 43, CIDCO, Vashi, New Bombay, Flat No 66 on 6th floor of Bldg, "Kuber" situated at Vashi

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration

Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer

LA C., Acqn. Range, Pune on Sept. 84

for an appurent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the, apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the hability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferree for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the sai/ Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:— (1) Ms. Billimoria Construction Pvt. Ltd. Wankhede Stadium "D" Road, Churchgate, Bombay-20.

(Transferor)

(2) Mrs. Ritadevi Shamsundai Bhasin, 107[702, "Shiv-Om" 10th Road, Khar (W) Bombay.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice the service of notice on the respective persons, in the Official Gazette or a period of 30 days from whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Sector-17, Plot No. 43, CIDCO, Vashi, New Bombay, Flat No. 66 on 6th floor of Bldg "Kuber". (Area 1850 sq. mts)

(Property as described in the agreement to sale registered in the office of the I.A.C., Acquisition Range. Pune, under document No. 8922[84-85 in the month of Set. 84)

ANIL KUMAR
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Incame-tax
Acquisition Range, Poona

Date: 25-4-1985

NOTICL UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

#### OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, PUNE

Pune the 26th April 1985,

Ref No IAC 1CQ CA 5/37FE/16240/1984 85 -- Whiteas I ANH KUMAR

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 100,000/- and bearing

No Vicanti lind of 430 sq vaids out of > Nos 46|1 46|3, 46|4 61|3 and 62|2 of GB Patharli Tikka No 42 CS No 9906 to 9913 in limits of Kilyan Municipal Corporation situated at Kalyan

tand more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and registered under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at IAC Augh Range Pune on Mar 1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to pelieve that the fair market value of the property as aforesaid esceeds the apparent consideration therefor by more than hiteen per cent of such apparent consideration and that he consideration for such transfer as agreed to between to parties has not been truly stated in the said instrument transfer with the object of :--

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer. बर्ध्य /बर
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or - which ought to be disclosed by the transfered for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the afore and property by the usue of this notice under subection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely -

(1) Shii G V Pathak 2 Shii P P Lawate, 3 Shri P N Patil 4 Shri V V Jain, M/S Gaj-Iwxmi Constructions (Un RF) Vatve Building Manpada Road Dombiyli (E)

(Fransferor)

(2) Mis Mahagui & Co (Registered turn) 1 Dinesh S Purohit, 2 G R Nagpil 3 Bhuat D Purohit, Shop No 1 Shanti Saget Aprilments Opp Muni-cipal Garden Nehru Road Dombivli (E)

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may he made in writing to the undersigned :---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice m the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later:
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette

... used herein 🕶 The terms and expre--EXPLANATION are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Vicant land of 430 sq yards out of Nos 46/1, 46/3 46/4 61/3 and 62/2 of GB Patharli Tikka No 42, CS No 9906 to 9913 in limits of Kalyan Municipal Conporution and some construction on it

(Property as described in the agreement to sale registered in the office of the  $I \setminus C$  A quisition Range Pune under document No 16240 1984 85 in the month of March 1985)

ANIL KUMAR Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range Poona

Dite 26 1 1987 Scal

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

#### OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

#### ACQUISITION RANGE, PUNE

Pune, the 26th April 1985,

Ret. No. IAC| A&Q|CA-5|37EE|176|1984-85.--Whereas, I ANIL KUMAR

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. Kothari Family Trust, Chitalsar Manpada, Tal. & Dist.

Thane

situated at Thane

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act 1908, (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at I.A.C., Acqn. Range, Pune on June 1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :--

(a) facilitating the reduction or evasion of the imbility of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

: [998]

(b) facilitating the concealment of any tnoome or any moneys or other assets which have not been or which clight to be disclosed by the transferse for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in cursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiat: proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under we section (1) of Section 3.92. at aid Act, to the following persons, namely :-

(1) Shri P. N. Kothari & K. P. Kothari, Kothari Family Trust, 9 Ellora Shopping Centre, Daftary Road, Bombay-97.

(Transferor)

(2) LILA Properties, 199 Gujrat Society, Lila Nivas, Sion, Bombay-22.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Kothari Family Trust, Chitalsai Manpada, Taluka & Dist. Thane. (Area 19920 sq. ft.).

(Property as described in the agreement to sale registered in the office of the I.A.C., Acquisition Range, Pune, under document No. 176 1984-85 in the month of June 1984)

> ANIL KUMAR Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Poona

Date: 26-4-1985

#### FORM I.T.N.S.-

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME TAX ACT 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE, PUNE

Pune, the 27th April 1985

Ref. No. IAC ACQ[CA-5|37EE|10154|1984-85.---Whereas, I, ANIL KUMAR,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property having a fair market value

exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing
Flat No. 11 on the third floor in the Building
"A" Hermes Complex situated at Final plot No. 203 New
S. No. 349 & part of 349 A-1 Bhandarkar Road, Pune
situated at Pune

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at I.A.C., Acqn. Range, Pune on Feb. 1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :---

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act. 1957 (27 of 1957):

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :---

(1) M|s Hermes Agencies, 793 Family House, Jame Jamshed Road, Bombay-14,

(Transferor)

(2) Smt. Manisha R. Gopalani, Flat No. 201 Karpak Aspen, Bandia, Bombay.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gezette.

EXPLANATION :-- The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Flat No. 11 on the third floor in the building "A" Hermes Complex situated at Final Plot No. 203 New S. No. 349 & Part of 349 A-1 Bunglow No 6 Bhandarkar Road, Pune. (Area 1075 sq. ft.).

(Property as described in the agreement to sale registered in the office of the I.A.C.. Acquisition Range, Pune, under document No. 10154 84-85 in the month of February 1985).

ANTL KUMAR Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Poona

Date: 27-4-1985

**--** -

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) O FTHE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTAN TCOMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE, PUNE

Pune, the 27th April 1985

Ref. No. IAC ACQ|CA-5|37EE|9793|1984-85 -- Whereas. I, ANIL KUMAR,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe

that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. Gut Nos. 59|1 (Part), 59|21, 59|17, 59|28, 59|29, 59|22, 59|24 of Chitalsar Manpada, Dist Thane

situated at Thane (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at I.A.C., Acqu Range, Pune on Oct. 84

for an apparent consideration which is less than the fair

market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of ....

- (a) facilitating the reduction or evanion of the liability of the transferor to pay tax under the mid Act is respect of any imposes arising from the transfer: and/or
- (b) facilitating the concesiment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 26%C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :---

(1) P. N. Kothari, & K. P. Kothari, Director of D. Dahayabhai & Co. Pvt. Ltd 9 Ellora Shopping Centre, Daftary Road, Malad (E) Bombay

A COMPANY TO A SECURE OF THE S

(Transferor)

(2) M/s. Paiekh Properties, 112-B Maker Towers, Cuffe Parade, Bombay-5, (Transferec)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned;....

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of the notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION .-- The terms and expressions used herein a are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

D Dahayabhai & Co Pvr 1 td Gut Nos 59 1 (Pt), 59 21, 49 17, 59 28, 59 29, 59 22 50 24 of Chitabiar Manpada, Dist Faluka Thome.

(Area 22760 sq. ft).

(Property as described in the agreement to sale registered in the office of the I.A.C. Acquisition Range, Pune, under document No. 9793 84-85 in the month of Oct 1984).

ANIL, KUMAR Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Poona

Dated: 27-4-1985

5 x -==

#### FORM ITNS ---

### (1) Shri J. H. & P. C Parckh, 408 A Ghorpade Peth, Pune-2

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Aishvaraya Hotels (P) Ltd Panchgam, D.J. Satara

(Transferee)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, PUNE

Punc, the 27th April 1985

Ref No IAC ACQ|CA 5|37EF:11807:1984-85 -- Whireas I, ANII LUMAR.

neing the Complete Authority and rescaled to 269B of the Income far Act 1961 (13 t 1961) (hereinafter referred to as the cold to be resented believe that the mamove 

studed a Punch inc

studed at Pinch and ford and the sound and more fair and the sound and the sound and the sound and the sound at the sound manafer with the object of

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transfers, to pay rax upder the risk to be respect the and the meanth of the territory and/ag

(b) facilitating the concealment of any include or env moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income fax Act 1922 (21 of 1922) or the said Not or to Weather s Act, 1957 (27 of 1957)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period or 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -- The terms and expressions used herein and are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Charger

#### THE SCHEDULE

S No 76-A Plot No 4, TP Scheme No 2, Panchgani, Dirt Sata a (A -a---)

(Pice 1) de ribel in the corecment to sale registered in the corec of h 1 AC regulation Range Plane, under document No. 11807 84 85 in the month of February 1985.

ANIL KUMAR Comretent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Poona

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under suptection (1) of Section 269D of the said Act, to the follow ing persons namely -39—86G1[85

Dated , 27 4-1985 Scal:

#### NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

#### OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

#### ACQUISITION RANGE, PUNE

Pune, the 29th April 1985

Ref. No. IAC ACQ|CA-5|37EE|16166|1984-85.--Whereas, I, ANIL KUMAR,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding

Rs 1,00,000/- and

bearing No. At Kolbad Gavthan, Tikka No. 8, CTS No. 193 & 195, Thone situated at Thane

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at I.A.C. Acqn. Range, Pune on March 1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of ,-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer and /or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under Subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, samely :---

- (1) Ms Gurukrupa Builders "Shat Tarka" Baji Prabhu Despande Marg, Vishnu Nagar, Naupada, Thana. (Transferor)
- (2) M|s Raj Rajeshwarı Builders, C-14, Mahavir Jyot, Vallabh Baug Lane Extn. Ghatkopar (E) Bombay-77.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons. whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :- The used terms and expressions herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

At Kolbad Gavthan, Tikka No. 8, CTS No. 193 & 195, Thane.

(Area 28215 Sq. yards).

(Property as described in the agreement to sale registered in the office of the I.A.C., Acquisition Range, Pune, under document No. 16166 1984-85 in the month of March 1985)

ANIL KUMAR Competent Authority toap ding Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Poona

Dated: 29-4-1985

Scal;

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE PUNE

Pune, the 29th April 1985

Ref. No. IAC|ACQ|CA-5|37EE|16308|1984-85.— Whereas, I, ANIL KUMAR, being the Competent Authority under Section 269B of the income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding

Rs. 1,00,000/- and bearing
No. Blook No. H-10. Aaditya-Shilpa Co-operative Hsg.
Society Ltd. Murbad Road, Kalyan, Dist. Thane, situated

at Thane

(and more fully described in the schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act 1908, (16 of 1908) in the office of the Registering Officer

I. A. C., Acqn. Range, Pune in March 1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer and or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferes for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) ov the mid Act, or the Woolth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 296C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the Moresaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

- (1) Shri M. P. Thankkar, Partner of M|s Subhash Builders, Aadıtya-Shilpa Co-operative Hsg. Society Ltd, Murbad Road, Kalyan, Dist. Thane. (Transferor)
- (2) Shri Alexander Adam D'souza, Sangam Villa, Mahadev Patil Wadi, Ghatla Road, Chembur, Bombay-71.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immevable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazetta.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Block No. H-10, Aaditya-Shilpa Co-operative Housing Society Ltd. Murbad Road, Kalyan, Dist. Thane. (Area 607 sq. ft.)
(Property as described in the agreement to sale registered in the office of the I. A. C., Acquisition Range, Pune, under document No. 16308 84-85 in the month of March 1985)

ANIL KUMAR Competent Authority Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax
ACQUISITION RANGE

Date: 29-4-1985

1) 1 1 NDLR SECTIO 4 269D(1) OF 1HF INCOMF TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME TAX

ACQUISITE N RINGF

Pune, the 30 h Ar d 1985

Rf 'o JAC 'COCA 5 371 / 10003 984 85 - Whereas, I AMH RUMAE er i a mit the refer 5 ron 201 B of the Inc me tax Not 144 (43 of 13) th emafter referred to as the said A to to a sea a belief that the immovable proper i ving the matter vila excess to 1 . 100 000/and outs.
Not suppled for the d ____dfi 7 t 5 No 2/1, 1 _ 1 a line Andra I I it in a ledule intexed hereto; ù t n the strof  $\mathbf{i}\,\lambda$ ₩и 15 14 × 34  $1\Lambda \zeta$ tor in 13 as less than the fair market velocit if if it aid I of erry and I have reason to believe that I for it I have so the conjects as aforeaging exceed at particul consideration the energy motor than a sent of the constitution of the constitutio , irties has not been traly stated in the said instrument of invester with the object of --

- (a) facilitating the reduction of avasion of the liability of the transferor to pay tax under the east. Act, in respect of any income arming from the transfer; and/or
- (b) I c'itating the contestment contest new moneys or other assess which have not been es w'th ought to be disclosed by the transferce for the purposes of the Indian income-tax Act. 1922 (11 of 1922) or the and Act. or the Wealth-tax Act. 1957 (27 of 1957)

Now therefore in pursuance f section 269C of the said act I hereby mangle proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the is at if this notice under subsection (1) of Section 269D  $\alpha^{\rm f}$  the said Act, to the following persons, namely:—

(1) M s Khmvasara-Chavan, 22 Mukund Nagar, Poona-37

(Transferor)

(2) Shri Gopichand Khandup Kavade, Hira Smith, Jivannagar, Chinchwad I and 33 (Transferee)

Objections, if any, to the acquintion t the said property may be made in writing to the undersigned --

- (a) hy saw or the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication in this a time in his Oill in God is a period of 40 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires (ate)
- (b) by any other person interested in the said mimovable p i sty within 40 days can the date of the publication of this notice in the Official Gazette

EXPLANATION —The terms and expressions used herein as are defined in Chipter XNA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

in the order of the I is C. A question Range Published document No. 10503/1984-85 in the morth of February 1985)

ANIL KUMAR
Suspecting Assistant County fonce of Income-tax
ACQUISITION RANGE
Poona

Date 30-4-1985

### NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

#### OFFICE OF THE INSIDECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX.

ACQUIVITION RANGE- PUNL

Pune, the 30th April 1985

Ref No INC Ar QIC A.5/3711 [7530] 1984-85. -- Whereas, I ANII KI M R

being the Competent Authority under Section 269B of the locuste tax Act, 19/1 (47 of 1961) (heremafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the inmovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00 Cbu and brating No Plat 1 to I on 6 the or or Paramount Heusing Society,

1981 Convent Street Pointi-1

suunted or Pune

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), fund mose (by deep of the schedule number helder), to the ben trial (first and the sent fundament) for the sent fundament of the control of t m the emerof is a sometal IAC, Acquire in its end

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the and esaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration theretor by more than fifteen pe cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer: MAY /or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other senets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1921 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the is no c1 this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following recept namely:--

(I) Shi Pallimi, Sab A 8 Ashoka Apartments, 3 Nashi Read, Pune I.

Canada to September 19 and the Control of the Contr

(2) M. A. A. M. n.l. in Cart, Clo. Mr. B.S. Chahel, flat Ac. The richer Promount Co. C. Theorem. Housing 50 to y, 1981 Convent Street,

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in wining to the undersigned:

- (a) by any of the aforesaid persons within a period or 45 days from the date or publication of this notice in the Official Gazette of a period of 30 days from the service of notice on the respective persons. whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Cincial Gazette

EXPLANATION:—The terms and expt one used herein as are defined in Chapter XXA of the said half have the same meaning as given in that Chapter

### THE SCHEDULE

Flat F B 1 on 6th floor of Paramount Housing Society, 1981 Convent Street Pune-1. Area 633 sq. ft.)

(Property as described in the agreement to sale registered in the effice of the LAC, Acquisition Range, Pune under document No 7539 1984-85 in the mnoth of Nov. 1984)

ANIL KUMAR Competent Authority Inspecting Assit. Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Poona

Duc: 30-4-1985

(1) Mis Mutha Apartments. 322 11 Shankershet Road, Pune-2.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Shri Shantılal Nathmal Jain, 68 New Timber Market, Pune-2.

(Transferce)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE- PUNE

Pune, the 30th April 1985

Ref. No. IAC ACQ|CA-5|37EE|7512|1984-85,-Whereas, I, ANIL KUMAR

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding

Rs. 1,00,000]- and bearing No. Flat No. S-7, F.P. No. 473, Sub Plot No 18 B Gultekadi,

situated at Pune

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act 1908, (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at I.A.C., Acqn. Range, Pune on Nov. 1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforsaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfert and /or

(b) facilitating the concealment of any income or any which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the may be made in writing to the undersigned: said property

- (a) by any of the aforesald persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

money or other assets which have not been or

Flat No. S-7, F.P. No. 473, Sub Plot No. 18/B, Gultekadi, Pune-37. (Area).

(Property as described in the agreement to sale registered in the office of the I.A.C., Acquisition Range, Pune, und document No. 7512 1984-85 in the month of Nov. 1984.

> ANIL KUMAR Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Poona

Dae: 30-4-1985

Scal:

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely:-

#### FORM ITNS----

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME--TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

#### OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE- PUNE

Pune, the 30th April 1985

Ref. No. IAC ACQ|CA-5|37EE|9104|1984-85.--Whereas, I ANIL KUMAR,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/-

No. I-20 at Plot 62|16, 87|2 etc. at Kulgaon

situated at Kulgaon

(and more fully described in the Schedule annexed hereto)

has been transferred

under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office

of the Registering Officer at I.A.C., Acqn. Range. Pune on Oct. 1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per consideration therefore by more than fifteen per consideration and that than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the mid instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

- (1) Mis. Renuka Builders, Kulgaon Post, Tal. Ulhasnager, Dist. Thane. (Transferor)
- (2) Mr. Suresh Madhavrao Rupaji, 336 J.S. Road, Thakurdwar, Bombay-,

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undergigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

I-20 a Plot 62|16, 87|2 etc. at Kulgaon. (Area 665 sq ft.) (Property as described in the agreement to sale registered in the office of th IA.C., Acquisition Range, Pune, under document No. 9104 1984-85 in the month of Oct. 1984)

> ANIL KUMAR Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Poona

No v, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :- -

Duc: 30-4-1985

Seal

ACCOMPANY OF THE PERSON AND ADDRESS OF THE PERSON ADDRESS OF THE PERSON AND ADDRESS OF THE PERSON AND ADDRESS OF THE PERSON ADDR

#### FORM ITNS-

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## (2) Mr Devendra Madhavrac Rupp, 336 JS Road, Thakundyar, Bombay-2

(1) M: Renaka Builders,

(Transferee)

(Transferor)

#### GOVERNMENT OF INDIA

#### OFFICE OF THE INSPFCTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE- PUNE

Pune, the 30th April 1985

R4f. No. 14C ACQ[CA-5|37EE]9101|1991 25 -- Wheras, I ANIL KUMAR,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act 1961 (43 of 1961) (hersinalized referred to as the 'said A t') has a reason to believe that the imto as the 'said A t') had reason to believe that the immovable property, having a full market value exceeding Rs. 1,00,00% and bearing Ro. I/21 at Fair No. 82/7 at Kalvan situated at Kalyan (and more fully describ t in the Scheduled annexed hereto), has been transferred under the Remistration Act, 1908 (16 of 1908) in the Chies of the Profitation Chief at AC, Acon Prince, Pune on Oct to 1 for an apparent a indicate nowher is less, than the fair market value of the aforesaid more type of the property as

to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consileration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any nyons or other a classification or any mome or any myons or other a classification in the transferre for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922), or the sid Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the unlessigned:—

Kalyan Port, Tal. Ulhasnagar, Dist. Thane.

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette of a period of 30 days from the service of notice on the respective persons. whichever period expires later;
- (b) by any other person into the in the said immovable property, within the said in the said immovable problem of the nonzero the Ufficial Gazette

EXPLANATION: -- The terms and expressions used herein as are defined in Chapter A XA or the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

I|21 at Plot No. 82|7 at Kalyan (Area 665 sq. ft.) (Property is a collect in the agreement to rate registered in the cincolor the FAC Area Fange, Pure, under docu-ment No. 9101'1984-83 in the month of Oct. 8+)

Now, therefore, in pursuance of Swilin 2690 of the said Act. I hereby initiate proceedings for the equisition of the aforesaid property by the issue of this i tice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :-

ANIL KUMAR The state of the s Competent Authority Inspecting Assistant Commissions of Income-tax Acquisition Range, Poona

Date: 30-4-1985

NOTICE UNDER SECTION 269-D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### COVERNMENT OF INDIA

#### OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME TAX

ACQUISITION RANGE- PUNE

Pune, the 9th April 1985

Ref. No. IAC ACQ|CA-5|37EF.|6966|1984-85.-Wheras, I ANIL KUMAR

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tex Act. 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immevable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/and bearing

No. Flat No. 11 on the Had floor in the proposed housing Scheme at Plot No. 645 & 646 Sadashiv Peth, R.B., Kumthekar Road, Pune-30

situated at Pune (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at at I.A.C., Acqn. Range, Pune on Oct. 1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesald property and have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than afteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :--

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferer to pay tax under the stid Act, in respect of any income arising from the trimed and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferve for the purposes of the Indian Income-tax Act. 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957):

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under embsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely:---40-86GI[85

(1) Harivilay Pralhad Ioshi, Prop. M/s H.P. Joshi & (o. 674 Sudashiv Peth, Pune-30.

(Transferor)

(2) Mrs Javshiee Janardhan Surve, "Mattu Kripa" Block No. 20, 962 Sadashiv Peth, Near Nagnathpar, Pune-30.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons. whichever period expires later:
- b) by any other person interested in the said immevable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :- The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning is given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Flat No. 11 on the IInd floor in the proposed housing Scheme at Plot No. 645 & 646 Sadashiv Peth, R.B. Kuthekar Road, Pune (Area 526 sq. ft.).

Property as described in the agreement to sale registered in the office of th I.A.C. Acquisition Rang, Pune, under document No. 6966 84-85 in the month of Oct. 1984)

ANIL KUMAR Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Poona

Date: 9-4-1985

### NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

### OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT

#### ACQUISITION RANGE BANGALORE-560 001

COMMISSIONER OF INCOME-TAX

Bangalore-560 001, the 9th April 1985

Notice No. 902|84-85.—Whereas, I, R. BHARADWAJ,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 100 0001 and beginning. Rs. 100,000- and bearing CS No. 139

situated at Asif Gunj. Opposite Vegetable Market, Gulburga (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred

under the Registration Act, 1908, (16 of 1908) in the Office

under the Registration Act, 1908, (16 of 1908) in the Office of the Registering Office at Gulbarga under document No. 1600 dt. 22-9-1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of: ment of transfer with the object of :-

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been for which ought to be disclosed by the transferce for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

(1) 1. Shri Ajit Kumar Soo Shivalal Mehata, 2. Indiraji Sld Shivalal Mehata, 3. Sanjeevakumar S|o Shivalal Mehata, all resident of Gazipura, Gulbarga,

(Transferor) Shri Akbar Ali Khan So Md. Shair Ali Khan, rlo House No. 1-125, Station Bazar, Gulbarga.

(Transferee)

Objection if any to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

[Registered Document No. 1600 dated 22-9-1984]
The property situated at Asif Gunj Gulbarga bearing municipal No 3-139 admeasuring 18181 aq. ft.

R. BHARADWAJ Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Bangalore

Date: 9-4-1985

FORM I.T.N.S .-

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

### OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE BANGALORE-560 001

Bangalore-56 001, the 9th April 1985

Ref. Notice No. 903|84-85.—Whereas I, R. BHARADWAJ,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000|-and bearing

No. Door No. 18

situated at Vijayalarmi Road, Davanagere (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering officer at Davanagere under document No. 3275 dt, 12-9-1984

for an apparent consideration which is sees than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) Macilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Shri Sannappa Kuruvattappa Gadagimathad,
 G. Vishvanath Slo Sannappa Gadagimathad,
 G. Shanmukappa Slo Sannappa Gadagimathad,
 G. Murugesh Slo Sannappa Gadagimathad,
 all rlo 5th ward Mdidle class colony,
 Davanagere.

(Transferor)

(2) Shri A. Kotreppa Sia Andanoor Channappa, 4th ward, 6th division, Davanagere City. Davanagere.

(Transferee)

Objections, if any, to the aquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Garatta

EXPLANATION:—The terms and expressions used berein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

[Registered Document No. 3275 Dated 12-9-1984.]
Building situated at Vijayalakshmi Road, Davangere city door No. 18 admeasuring 112' X 14'.

R. BHARADWAJ
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Bangalore

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforessid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely:—

Date: 9-4-1985

### NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

#### OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE BANGALORE-560 001

Bangalore-560 001, the 9th April 1985

Ref .Notice No 904 84-85.—Whereas I, R. BHARADWAJ,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (heremafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/and bearing No. R. S. No. 200 1 situated at Hindawadi, Belgaum

(and more fully described in the Schedule annexed hereto). has been transferred and the agreement is registered under Sec. 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the office of the Competent Authority

Belgaum under document No. 2375 dt. 26-9-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparnt consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the partis has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferos for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate preceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :---

 Sow. Shakumala Maruti Jadhav, rlo 1228, Konawal Galli, Belgaum.

(Transferor)

(2) Shri Shantharam Damodar Vernekar, Kore Gollli Shahapur Belgaum.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immevable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

[Registered Document No. 2375 Dated 26-9-1984.]

Open plot situated at Hindawadi Belgaum under R. S. No. 200 $[1,\ Plot\ No.\ 74\ admeasuring\ 5124\ Sq.\ Feet.$ 

R. BHARADWAJ Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Bangalore

Date: 9-4-1985

#### FORM I.I.N.S .--

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE BANGALORE-560 001

Bangalore-560 001, the 9th April 1985

Ref. Notice No. 905|84-85.—Whereas I, R. BHARADWAJ,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tux Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'snid Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000'and bearing No. Site No. 3

situated at M. C. C. 'A' Block, Davanagere (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Sec. 269AB of the Income-tax, Act, 1961, in the office of the

Competent Authority, Davanagere under document No. 3236 dt. 13-9-1984 market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the par-ties has not been truly stated in the said instrument of transfor with the object of :-

of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and /or (a) justilitating the reduction of evasion of the liability

(iv) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act. 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :--

(1) Smt. Sulocliana Sangappa Kuppasad and her 6 children

Rajkumar Kuppasad,

3. Nataraj Kuppasad.

Nataraj Kuppasad,
 Mallikarjur Kuppasad M|g by Smt. Sulochana Sangappa Kuppasad,
 Basavanaj Quppasad M|g by Smt. Sulochana Sangappa Kuppasad,
 Mahantesh Kuppasad M|g by Smt. Sulochana Sangappa Kuppasad,
 Smt. Rupshware with Shankaranaa

7. Smt. Rajeshwari w/o Shankarappa, r/o Shimoga GPA holder Smt. Sulochana Sangappa Kuppasad, 14th Cross, Margosa Road, Door No. 42-1A, Malleshwaram extension,

 A. S. Veeranna sjo Athani Shantha Veerappa, M. C. C. B. Bolck, door No. 2877, Davanagere,

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires have:
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, skall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

[Registered Document No. 3236 Dated 13-9-1984.] Open site situated at M. C. C. Block No. A Davanagere measuring  $85' \times 142'$ .

> R. BHARADWAJ Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Bangalore

Date . 9-4-1985

#### FORM ITNS----

### NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

### OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE BANGALORE-560 001

Bangalore-560 001, the 9th April 1985

Ref. Notice No. 906 84-85,---Whereas I, R. BHARADWAJ,

of transfer with the object of --

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing

No Door No. 612 situated at 1st ward, 1st Division, Davanagere City (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Davanagere under document No. 3368|dt. 17-9-1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument

(a) facilitating the reduction of evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said act. in respect of any income arising from the transfer; and for

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax, Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby intifate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the fellowing persons, namely:—

(1) Sri Bikkikatti H. Choudappa s|o B. Hanumantappa r|o 5th Ward, Vinobhanagar Extension Housing Board quarters, Davanagere.

(Transferor)

(2) Shui
s|o L
2. Ishwarappa s|o Late Shivappa Uppin
3. Chandappa s|o Late Shivappa Uppin
all resident of 1st ward, Kayipeth,
Davanagere.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later:
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

tregistered Document No. 3368 Dated 17-9-1984.]

One building situated at first division Kayipeth Davanagere under municipal No. 612 and measuring  $(135' \times 154')$  2125 sq. ft.

R. BHARADWAJ
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Bangalore

Date : 9-4-1985

FORM NO. I.T.N.S.----

NOTICE UNDER SECTION 269D(I) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(1) K. T. Lokanathan slo Late Sri Tangavelu, tlo Door No. 62|D, Hudko Colony, Bhadrayathi.

(Transferor)

(2) De. P. Kanesh slo G. Pundalik cloSharada Clinik & Laboratories, K. J. J. Nagar Extension, Dayanagere

(Transferee)

#### GOVERNMENT OF INDIA

### OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE BANGALORE-560 001

Bangalore-560 001, the 9th April 1985

Ref. Notice No. 907/1984-85.—Whereas I, R. BHARADWAI,

being the Competent Authority under Section 269-B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immerable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/-and bearing No. Khate No. 3333|S. No. 3748. siutated at B. H. Road, Bhadravathi town (and more fully described in the Schedule appeared hereto)

Khate No. 3333|S. No. 3748.
siutated at B. H. Road, Bhadravathi town
(and more fully described in the Schedule annexed hereto)
has been transferred under the Registration Act, 1908, (16
of 1908) in the Office of the Registering Office at
Bhadravathi under document No. 494|dt. 5th December 1984
for an apparent consideration which is less than the fair
market value of the aforesaid property and I have reason
to believe that the fair market value of the property as
aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by
more than fifteen percent of such apparent consideration
and that the consideration for such transfer as agreed to
between the parties has not been truly stated in the said
instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the fiability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and for
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferes for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-ta' Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said preserty may be made in writing to the undersigned:

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said. Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULB

[Registered Document No. 494 Dated 5-12-1984.]

Buliding situated at B. H. Road, Bhadravathi Town under khata No. 3333 admeasuring 12½′ × 95½′.

R. BHARADWAI Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Bangalore

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following-persons, namely:—

Date: 9-4-1985

#### FORM ITNS-----

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-IAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, BANGALORE-560 001

Bangalore-560001, the 15th April 1985

Ref. No. C.R. No. 62|R-1614|37EE|84-85|ACQ|B,—Whereas, I. R. BHARDWAI, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have remon to believe that the immovable property having a fair market value exceeding R₅. 1,00,000 - and bearing No No. 50 cents in R.S. No. 60.7 situated at Hosabett Panchayat, Hosabettu Village, Bangalore Taluk (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, (16 of 1908) in the Office of the Registering Office at Bangalore under Registration No. 1384 Dt. 15-4-85 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; andler
- (b) facilitating the conceanment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferre for the purposes of the Indian Incometax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-Section (1) of Section 269D of the said Act, to the following, persons, namely:—

(1) M/s Southern Travelling Co. Ltd., 19/2 Cunningham Crescew Road, Bangalore-560001.

(Transferor)

(2) M¹2 Asta Offset Printers (P) Ltd., 214|33, 7th Main Vasanthanagar, Bangalore-560052.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said preperty may be made in writing to the undersigned:---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice is the Official Guzette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period empires lates;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gaustie.

EXPLANATION .—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

(Registered Document No. 1384|85-86 Dated 15-4-85).
50 Cents in R. S. No. 60.7 Hosabettu Panchayat, Hosabettu Village, Mangalore Taluk, South Kanara.

R. BHARDWAJ
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range,
Bangalore

Date . 15-4-1985

### NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

### OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, BANGALORE-560 001

Bangalore-560001, the 11th April 1985

Ref. No. C.R. No. 62|Notice No. 804|84-85|ACQ|B—Whereas, I, R. BHARDWAJ, being the Competent Authority under Section 269R of the income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinaster referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000|- and bearing No. Survey No. 20|1 situated at Corlin Village, Goa (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Ilhas Goa under Document No. 764|201 Dt. 15-9-1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of

- (a) facilitating the reduction or evasion of the Machine of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferse for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act,

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I bereby initiate proceedings for the acquisition of the iforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely '—

H -- 86GI | 85

(1) Domingos Jose Crissanto Charles Fernades and his wife Ana Severina Fernades, Bamon Vaddo, Candolim, Bardiz, Goa,

(Transferor)

(2) Malaquqias Gabrich de Meruzes, H. No. 304, Gaon Karvaddo, Belim., Ilhas., Goa.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of nonce on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in the Chapter.

THE SCHEDULE.

(Registered Document No 764|201 dated 15-9-1984).

All that plot No 1 of the property known as "Chao Oiteral" (under Survey No. 20|1) admeasuring about 729.25 sq. ms situated at Fla, Parish of St. Luzia, Grampanchayat of Corlim Village. Tiowadi Taluk, Sub Dist of Ilhas, Goa.

R. BHARDWAl Competent Authority Inspecting Asstt Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Bangalore

Date : 11-4-1985 Seal

NEITH E UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

### GOVERNMENT OF INDIA

### OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, BANGALORE-560 001

Bangalore-560 001, the 11th April 1985

Ref. No. C.R. No. 62|R-1358|37EE|84-85|ACQ|B.—Whereas, I. R. BHARDWAI, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hersinater referred to as the 'Said Act) have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1.00,000/- and bearing Plot No. 15, Survey No. 3-A situated at Mapura Barz, Goa (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act. (16 of 1908) in the Office of the Registration Office at Bangalore under Registration No. 1250|84-85 dt. 24-9-85 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than iffeen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (A) facilitating the reduction or evasion of the liability
  of the transferor to pay tax under the said Act in
  respect of any income arising from the transfer;
  andler
- (a) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

(1) Mr. Joseph Michael Pereira, Siolum, Bardiz, Goa.

(Transferor)

(2) Rajanikant Rama Borkai, Salvador de Mundo, Bardiz, Goa

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazotte.

EXPLANATION: —The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

(Registered Document No. 1250/84-85 dated 24-9-84). Plot No. 15 admeasuring about 390,07 sq. ms. Property known as "Como Soddo" situated in the town of Mapusa, Sub Dist of Bardiz Taluk, District of Goa bearing Survey No. 3-A.

R. BHARDWAJ Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range Bangalore

Now, therefore, in pursuance of Section 269-C of the said Act. 1 hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date: 11-4-1985

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, BANGALORE-560 001

Bangalore-560 001, the 16th April 1985

Ref. No. C.R. No. 62|R-1591|37EE|84-85|ACQ|B.—Whereas, f. R. BHARDWAJ, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing Flat No. C 9th floor situated at 28, Sankey Road, Bangalore (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1'08) in the Office of the Registration Office at Bangalore under Registration No. 1377|84-85 Dt. 23-2-85 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the preparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or eny moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 M|s. Rajesh Enterprises, Managing Director, Sri L. Srichand, 834, Mount Road, Madras-600002.

(Transferor)

(2) Mr. Abdul Nasır and Mr. Abdul Khaliq 11. Andree Road, Shanthinagar, Bangalore-560027.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days, from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expures later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION —The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

(Registered Document No. 1377[84-85 dated 23-2-85).

Flat No. C on 9th floor, Golflink Apartments 28, Sankey Road, Bangalore.

R. BHARDWAJ
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range.
Bangalore

Date 16-4-1985 Seal .

#### FORM I'INS----

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

#### OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

### ACQUISITION RANGE-II, MADRAS-600 006

Madras-600 006, the 29th April 1985

Ref. No. 6|Sept. 84|R.H.—Whereas, I. MRS. M. SAMUEL, being the Competent Authority under

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing

R. S. No. 4246/2 situated at Mylapore (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transerred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Madras Central Doc. No. 889 84 on Sept. 1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than afteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :--

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act. in respect of any income arising from the transfer; and for
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act. 1957 (27 of 1957):

(1) Sri S. P. S. S. Pichappa, slo Shanmuganathan, 6, II St., Sait Colony, Egmore, Madras-8.

(Transferor)

(2) Sri V. J. Rooban, so Vadivelu, 5, Kamarasar Salai. Ramakrishnanagar. Madras-28.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the nublication of this notice in the Official Gazetta.

EXPLANATION: -- The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act. shall have the same meaning as given in that Chapter

THE SCHEDULE

Land at R. S. No. 4246 2, Mylapore. Madars Central Doc, No. 889 84,

> MRS. M. SAMUEL Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II Madras-600 006

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this, notice under sub-ection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :---

Date : 29-4-1985

Sri Akila Balan, 26, 6th Main Road, Madras-28.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Dr. V. K. Ashok, No. 9, Sanskrit College Road, Madras-4.

(Transferce)

#### GOVERNMENT OF INDIA

#### OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II, MADRAS-600 006

Madras-600 006, the 29th April 1985

Ret. No. 8|Sept. 84|R.II.—Whereas, I, MRS. M. SAMUEL, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000|- and bearing No.

Vacant land in Plot No. 18, S. No. 6144 Palavakkam Village Saidupet Taluk

Saidupet Tatuk (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, (16 of 1908) in the Office of the Registering Office at Madars Central Doc. No. 907/84 on September 1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the aforesaid exceeds the property as aforesaid exceeds the property consideration therefor by more than said exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act. m respect of any income arising from the transfer; and or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or wich ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:--

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons. whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter

#### THE SCHEDULE

Vacant land in Plot No. 18, S. No. 614A, Palavakkam Village, Saidapet Taluk. Madras Central Doc. No. 907[84.

> MRS. M. SAMULI Competent Authorit Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range II. Madras-600 006

Date + 29-4-1985

### NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

(1) Shri P, Prabhakar and others, No. 7 North Gopalapuram. First St., Gopalapuram, Madras-86.

(Transferor)

(2) Shri A. Rajamani, No. 2, 4th St., Gopalapuram, Madras-86.

(Transferce)

#### OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME TAX,

ACQISITION RANGE-II MADRAS-600 006

Madras-600 006, the 29th April 1985

Ref. No. 10|Sept. 84|R,-II,---Whereas, I, MRS. M. SAMUEL,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1.00,000/-

No. 7, North Gopalapuram, I St., situated at Madras-86 (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer Madras Central Doc. No. 978 84 in September 1984

Date: 29-4-1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :--

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as sives in that Chapter.

- (a) facilitating the reduction or evasion of liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and /or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

#### THE SCHEDULE

Land and building 7, North Gopalapuram, I St., Madras-86. Madras Central Doc. No. 978 84.

> MRS, M. SAMUEL Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II Madras-600006

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following

persons, manely '--

Date: 29-4-1985

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

#### OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

#### ACOISITION RANGE-II MADRAS-600 006

Madras-600 006, the 29th April 1985

Ref. No. 58 September 84 R-II.—Whereas, I, MRS. M. SAMUEL,

being the Competent Authority under Section 269B of the income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000]- and bearing No.

5, First Loop St. Mandavelipakkam, situated at Madras-28 R. S. No. 4131

(and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act. (16 of 1908) nr the Office of the Registering Office at Mylapore Doc. No. 1225 84 in September 1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration to such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :---

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the paid Act, in respect of any income arising from the transfer; and /or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or toe Wealth-tax Act 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Aut, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act to the following persons namely :-

(1) Shri R. Jayaraman, 45. Subramama Iyer St., Abhiramapuram, Madras-18

(Transferor)

(2) Smt. N. Parvathi Ammal, Mandapum St., Madurantal m, Chingleput District

(fransferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Land and building :- Door No 5, First Loop St. Mandavelipakkam, Madras-28. Mylapore Doc No 1225/84

> MRS. M. SAMUFI. Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II Madras-600 006

Date: 29-4-1985

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

# (1) Shri A. R. Krishnan, Bhri A. R. Srinivasan, Sri A. R. Gopal, Sti A. R. Varadarajan, No. 21, Narasimhaputam. Madras 4

(Fransferor)

(2) Su S. N. Iyer, 12, Mandavelli St. Madras-28.

(Fransferce)

## OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX.

ACQISITION RANGE-II MADRAS-600 006

Madras-600 006, the 29th April 1985

Ref. No. 59|Sept. 84|R,-II.—Whereas, I, MRS. M. SAMUEL,

being the Competent Authority authorised by the Central Government in this behalf under Section 269AB of the lacome-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act'), have reason to believe that the immovable property having a tan market value exceeding Rs 1,00,000/and bearing

and bearing
No. 21, Narasimhapuram Saiba Colony, situated at
Madras-4

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Mylapore Doc, No. 1257 84 in Sept. 1984

Mylapore (1900, 190, 1207)84 mi sept. 1904 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said metrument of transfer with the object of :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later,
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the subdication of this notice in the Official Guintte.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

- (a) facilitating the reduction or evasion of the Hability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer and/or.
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Land and building 21, Narasimhapuram Saiba Colony, Madras-4

R. S. No. 3584|1,

Mylapore-Doc No. 1257|84.

MRS. M. SAMUEL Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range II Mudras-600 006

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date - 29-4-1985 Seal

)¢«

#### FORM ITNS-

#### NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

### OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

#### ACQISITION RANGE-II MADRAS-600 006

Madras-600 006, the 29th April 1985

Ref. No. 62|Sept. 84|R.-H.--Wherens, I, MRS, M. SAMUEL,

transfer with the object of :--

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 100,000/- and bearing

R S, No. 2561 situated at Mylapore Village (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act. 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer Mylapore Doc. No. 1232 84 in September 1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said, Act, is respect of any income arising from the transfer; and/er
- (b) facilitating the concealment of any income or any memory or other seems which have not been or which ought to be disclosed by the transferre for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1937 (27 of 1937);

Now, therefore, in pursuance of Section 2090 of the mid Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, samely:—
42-86G185

 Sri R. Rangarajan arki Ramarajan, No. 8, Appu Mudah St., Extn H Lane, Dadrass4.

(Lansferor)

(2) Sri M. Jagadeesan, Klathambade Post, Thiruthuraipoondi Taluk, Thanjayur Dist,

(Tran feree)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of the notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

I and and building; Mylapore Village comprised in RS No. 2561 of an extent of I ground 600 sq. ft, Mylapore Doc. No. 1282184.

MRS, M. SAMUEL.
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income Tax
Acquisition Range II
Madras-600 006

Date: 29-4-1985

Sonl :

TO SEE THE SECTION OF THE PART THAT STATES AND STATES AND SECTION OF THE PART OF THE PART

#### FORM ITNS-

NOTICE UNDER SECTION 269(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

#### OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

#### ACQISITION RANGE-II MADRAS-600 006

Madras-600 006, the 29th April 1985

Ref. No 64|Sept. 84|R.-II.-Whereas, I, MRS, M. SAMUEL,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that

the immovable property, having a fair market value exceeding

Rs, 1,00,000-and bearing No. 484, Mandaveli, Mylapore situated at Mylapore (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Mylapoore-Doc No. 1318 84 in Sep ember 1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than tifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :--

(a) recitizating the reduction of availent of the limitility of the transferor to pay tax under the said Act. in respect of any meome arming from the transfer:

(b) facilitating the concesiment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:---

(1) Sri S. Ramachandran, 20, 4th Frust Cross Street, Mandavelipakkam, Madray-4.

(Prausferor)

(2) Mrs. Revathy Ramakrishnan No. 15, Norton St., Madras-28,

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of the notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used nerein as are defined in Chapter XXA of the said Act. shall have the same meaning as given in that Chapter

#### THE SCHEDULE

Land and building: No. 484, Mandaveli, Mylapore-Extent: 2400 sq. ft. Mylapore|Doc. No. 1318|84.

MRS, M SAMUEL Competent Authority Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax, Acquisition Range-Il Madras-600 006

Date: 29-4-1985

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

### OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAY,

#### ACQISHION RANGE-II MADRAS-600 006

Madras-600 006, the 29th April 1985

Ref. No. 72|Sept. 84|R.-II.—Whereas, I, MRS, M. SAMUEL, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00 000/- and hearing No.

1), Bhaktavatsalam Nagar, III St. situated at Adyar, Madras-20 T. S. No. 46 (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act. 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Adyar|Doc. No. 2413|84 in September 1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of —

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transfer to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following cersons, namely:—

(1) Smt. Mallika Raman, 11, Bhaktavatsalam, Madras-20,

(Transferor)

Sri P. B. Aravamudha Iyengar, and
 A. Jagannathan, residing at
 Nainiappan St., R. A. Puram,
 Madras-28.

(Transferce)

Objections, if day, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

FYPTANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Land and Building; No. 11, Bhaktavatsalam Nagar, III St., Adyar, Madras-20, T. S. No. 46. Adayar[Doc. No. 2413]84,

MRS. M. SAMUEJ.
Competent Authority
Inspecting Assit. Commissioner of Income-tax
Acquisition Range II
Madras-600 006

Date , 29-4-1985 Seal:

#### FORM I.T.N.S.

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II, MADRAS-600 006

Madras 600 006, the 29th April 1985

Ret. No. 77[Sept.84]R.11.—Whereas, I, MRS. M. SAMUEL, being the Competent Authority under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs, 1.00,000/- and bearing Door No. 102 (Old Door No. 34) Lattice Bridge Road, or Dr. Muthulakshmi Salai, Adyar, Madras-20 (and more fully described in the Scheduled annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Adayar Doc. No. 2467[84 on Sept. 1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) racilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any more or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely: - "

 Smt. Deivanayaki alias Valliammal, W/o K. Natesa Chettiar, No. 102, Lattice Bridge Road, Adyat. Madras-20.

(Transferor)

- Sri P. P. Kunhayaran, 380, Anna Salar, Madras-15.
  - Sri P. P. Ibrahim,
     Slo. Mr. Pokker,
     No. 110, Chamiers Road, Tohnampet,
     Madras-18.
  - Sri P. Hassan, Slo, Mr. Kunhikoya, No. 13/3, Flower St., Saidapet, Madras-15.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the atoresaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette of a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Lypianation:—The ferms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Land and building: Door No. 102, Old Door No. 34, Lattice Bridge Road, also known as Dr. Muthulakshmi Salar Adyar, Madras-20.

Adyar/Doc No 2467 84

MRS. M. SAMUF1 Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-11 Madros-60000-

Date: 29-4-85 Seal:

(1) Smt S Laxmi-Ammal 41, T.P. Koil Street. Madis-6.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Sri B. Sasthuri, 63, C. N. Krishnaswamy Road, Madras-600005.

(Transferee)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF THE OME-TAN,

ACQUISITION RANGE-II. MADRAS-600 006

Madras609006, htc 29th April 1985.

Ref. No. 88,Sept.84[R.H. -Whereas, 1,

MRS. M. SAMUFI.
being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (heremafter referred to as the said Act'), have reason to believe that the immovable property histing a fair market value exceeding Rs 1,00,000/and bearing No.

41, T.P. Koil Street, Madras-600005 Wird 2 situated at Kerrikodi Joint H Sub-Dist. y and 2 stitlated in K. H. infall John II Sun-Dist.

and more fully described in the Schedule annexed hereto),
has been transferred under the Registration act, 1908 (16 of
1908) in the Office of the Registering Officer at
form oth Peristan II Faradudi—Doc. No. 1634-84

Triplicatie, Doc 30.598/84 on Sept. 1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as afore-said exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of tran for with the object of :--

- (a) facilitating the reduction or evasion of the habital of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer, and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :--

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-  $\sim$ 

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDLLE

Land and building: 41, T.P. Koil Street, Madras-600005. Triplicane/Doc. No. 598/84

> MRS, M. SAMUEL Competent Authorit Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II Madras-600005

29-4-85 Date Scal :

#### FORM ITNS----

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

#### OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-

SIONER OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE-II. MADRAS-600 006

Madras 600 006, the 29th April 1985

Ref. No. 128|Sept.84|R.H.—Whereas, I, MRS, M. SAMUEL,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/-

frozerty, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/jand bearing
S. No. 138/2A in Vellachery Village
situated at Mambalam Guindy Taluk
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),
has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of
1908) in the Office of the Registration Officer at
Vellachery Village, Mambalam—Gunindy Taluk.
Sandapet/Doc. No. 930-84 on Sept. 1984
for an apparent consideration which is less than the fair

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I, hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 2000 of the said Act, to the following persons, namely :--

- (1) Dr. Hameed Hussain 117, Mount Road, Saidapet, Madras-15.
  - (2) Messrs. Vijay India Constructions, Rep. by— Mr. V. Gunasekaran, 10, Second Avenue, Indita Nagar, Madras-20.

Objections, if any, to the acquisition of said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Land and building: 10,226 sq ft in S. No. 1382/A in Vellachery Village, Mamblant-Gunindy Talirk.

Saidapet---JSR-II, Doc. No. 930/84

MRS. M. SAMUFI Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II. Madras-60000h

Date : 29-4-85

#### FORM ITNS ...

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

### OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

#### ACQUISITION RANGE-II. MADRAS-600 006

Madras 600 006, the 29th April 1985

Ref. No. 188/Sept.84/R.H.—Whereas, I, MRS. M. SAMUEL, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinatfer referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/and bearing No.

R.S. Puram, situated at Coimbatore-2 extension (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Coimbatore/Doc. No. 4204/84 & 4207/84 on Sept. 1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferce for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely:—

 Sri Shyamu Jamnadas Dutia, Slo Lafe Jamnadas Dwarakdas, 13/75, West Ponnurangam Road, R. S. Puram, Combatore-641002.

( Fransferor)

(2) Smt. Chandra Ashok Daga W/o Ashok Damji Daga, 51, Arokiyaswamy Road, R.S. Puram, Combatore-641002.
2. Sri Asok Damji Daga Son of Sri Damji Velji, 51, Arokiyaswamy Road, R.S. Puram, Coimbatore-641002.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

1 and and building. Old ward No. 8, New Ward No. 19, 1 S. No. 349, R.S. Puram, Coimbatore-2.
Coimbatore/Doc. No. 4204/4207/84

MRS. M. SAMUEL Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II, Madras-600006

Date · 29-4-85

Seat :

#### FORM ITNS ---

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

### OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

### ACQUISITION RANGE-II, MADRAS-600 006

Madras 600 006, the 29th April 1985

Ref. No. 213|Sept.84|R.H.—Whereas, I, MRS. M. SAMUEL, being the Competent Authority under

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'sa'd Act') have reason to believe that the immovable troperty having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing S.F. No. 1043 & 144, Site No. 84, Coimbatore Taluk, Anupparpalayam village

(and more fully described in the Schedule annexed hereto),

has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Offic; of the Registering Officer at Coimbatore/Doc No. 3946/84 on Sept. 1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object. ment o' transfer with the object of ;--

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income of any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :---

(1) Str K. Noor Mohamed S/o I. S. Kader Moideen, 7. Khoudul Moideen Colony, Byepass Road. Coimbatore.

(Tran Lawr)

(2) Sn M. A. Kuddese 5/o M. Mohamed, 22, Ramaswamy Naicken St. Fort, Coimbatore.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later.
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meining as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Land S.F. No. 143 and 144, She No. 84, Anupperpalayam Village, Coimbatore Taluk.

Coimbatore Do No 3946/84

MRS. M. SAMULI Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-11. Madras-600006

Date: 29-4-85

Scot -

#### PORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

#### OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT, COMMISSIONER OF INCOME-TAX

#### ACQUISITION RANGE-II, MADRAS-600 006

Madras 600 006, the 29th April 1985

Ref. No. 237 Sept. 84 R.H.—Whereas, I. MRS. M. SAMUÉL,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act. 1961 143 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovshie property, having a fair market value exceeding 1 00 000/- and bearing No.

19th Ward, Kamraj Road situated at Thiruppur

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Firuppur/Doc. No. 1643/84

on Sept. 1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have the on to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :---

- (a) lacilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfers mad/en
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferce for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tea Act, 1957 (27 of 1957)1

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-43---86GI 85

(1) Sri S. K. Kader Slo Syed Sagan Sayubu Angeripalayam Road, Azad Manzil, Thiruppur Town, '

(Transferor)

(2) Sri K. Syed Haroon Rasheed, Sri K. Syed Salik, Sri K. Syed Yakathusman, Sri K. Syed Hosir Hamsa, S/o S. A. Kader, Azad Manzil, Angeripalayam Road, Thiruppur Town.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days, from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons. whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immerable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION; The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Acshall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

I.and and building: 19th Ward, Kamraj Road, Palladam Taluk, Thiruppur Village, Thiruppur. Tiruppur/Doc. No. 1643/84

MRS. M. JAMUEL Competent Authority Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II, Madras-600006

Date: 29-4-85

#### FORM NO. ITNS

(1) Sri M. Veerappa Mudaliar, 94A, M. T. P. Road, Coimbatore.

(Transferor)

(2) Smt. R. Subbulakshmi, Wlo A. S. Ramasamy, 101 R. C. M. Lay out, Kattoor.

(Transferee)

### NOTICE UNDER SECTION 269 D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

### OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME TAX

ACQUISITION RANGE-II MADRAS-600 006.

Madras, the 27th April 1985

Ref. No. 156|Sept. 84|R.II.—Whereas, I, MRS. M. SAMEUL,

being the Competent Authority under Section 269% of the Income-tax Act. 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/-and bearing

and bearing
S. No. 242|1, S. F. 41|1A,
situated at Sanganoor Village, Coimbatore Taluk.
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),
has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of
1908) in the office of the Registering Officer at
Gandhipuram Doc. No. 3347|84 on September 1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by move than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of cransfer with the edicat of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the linbility of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer, and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferre for the purposes of the indian Income-tax Act, 1922 (II of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisit in of the said property may be made in writing to the undersigned:--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interests d in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in he Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used berein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Land and Building S. No. 242|1, S. F. 41|1A, Sanganoor Village, Coimbatore Taluk. Gandhipuram||Doc. No. 3347|84.

MRS. M. SAMUEL
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II
Madras-600 006

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date :27-4-1985

Scel :

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

The state of the second st

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE-II MADRAS-600 006.

Madras, the 27th April 1985

Ref. No. 157 Sept. 84 R.H.—Whereas, I, MRS. M. SAMEUL, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000-and bearing No. situated at Naickanoor Village: Coimbatore,

fand more fully described in the Scheduled annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer Gandhipuram Doc. No. 3382 84 on Sep. 1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the nurposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

(1) Secretary, The Chintamani Emyloyees' Cooperative Building Society, SLMHSG 23, Sr. Purushothaman, Sto Thirumalaisamy Kumarar, R. S. Puram, Coimbatore Taluk,

(Transferor)

(2) Sri K. Narayanan, Slo Sii Karuppanchettiar, The Coimbatore District Consumers Cooperative Wholesale Stores Ltd. No. K, 881, Special Officer, Sri K. Narayanan, R. S. Pujam, (P.O.) Coimbatore Town.

(Transferee)

(3) Transferor.

(Person(s) in occupation of the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of the notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (h) by any other person interested in the said immovement able property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Land: S. No. 407 and 399, Naicknoor Village, Coimbatore Taluk, Gandhipuram Doc. No. 3382 84.

MRS. M. SAMUEL
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tea
Acquisition Range-II
Madras-600 006

Now, therefore, in pursuance of Section 269°C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date :27-4-1985

#### FORM ITNS----

### NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

### OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II MADRAS-600 006.

Madras, the 27th April 1985

Ref. No. 172|Sep. 84|R.H.—Whereas, I, MRS. M. SAMEUL, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/~ and bearing No.
Land Ponnery Village.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 or 1908) in the office of the Registering Officer at Udumalpettai|Doc. No. 2023, 2024, 2025|84. on Sep. 1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of ;—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer, and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

 Sri V. Srinivasan, Slo Vadivel Mudaliar, 104, Thirippur Road, Arippalayam, Udumalpettai.

(Transferor)

(2) Sri V. Vidyasagar, Slo Vengadasamy Naidu, Acting Chairman, The SIMA Cotton Development and Research Association, Shanmuga Mandram, Race Course Road, Coimbatore Town.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period experies later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said.

Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Land: Ponneri Village: No. 221|8, 221|7A, 221|11. Udumalpettai|Doc. No. 2023, 2024, 2025|84.

MRS. M. SAMUEL Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II Madras-600 006

Date :27-4-1985

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

#### OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-II MADRAS-600 006.

Madras, the 27th April 1985

Ref. No. 195|Sep. 84|R.H.-Whereas, I. MRS. M. SAMEUL,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovto as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No.
Telugupalayam Taluk S. F. No. 498/181.
situated at Coimbatore Taluk.
(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registrating Officer at

1908) in the office of the Registering Officer at at Coimbatore Doc. No. 3399 84, on Sep. 1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:-

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer;

(b) facilitating the concealment of any income or any noneys or other ascets which have not been or which ought to be disclosed by the transferce for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1952 (27 of 1952)

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

(1) M/s, Process Systems and Controls (P) Ltd. Dr. Ambedkhar Road, Velandi, alayam, Coimbatore-25.

(Transferor)

(2) M/s. I akshmi Associates, No. 91, S. R. P. Nagar, Coimbatore.

(Transferce)

Objectoins, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said Immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as gvien in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Land: S. F. No. 498[181, Extent 1.28 acres, Telungupalayam Village, Coimbatore, Coimbatore Doc, No. 3399 84.

> MRS. M. SAMUEL Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II Madras-600 006

Date :27-4-1985

#### FORM ITNS ....

### NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE-II
MADRAS-600 006.

Madras, the 27th April 1985

Ref. No. 196|Sep. 84|R.H.—Whereas, I, MRS. M. SAMEUL, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000|-ard bearing T. S. No. 8|1423, situated at Krishnasamy Mudaliar Road, Coimbatore Town, (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registration Officer at Coimbatore|Doc. No. 3566. 2568|84 on Sep. 1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; und/or
- (b) facilitating the concentment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferrer for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1937 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) or Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 M|s. Devi Builders, Rep. By. Managing Partners, P. C. Thirumoorthy, No. 31, Krishnasamy Mudaliar Road, Coimbatore.

(Transferor)

(2) M/s. Petrofils Coop. Ltd., Athorised signatories Subhasis Das., No. 27, Borakhamba Road, New Delhi-110 001.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Land at Krishnasamy Mudaliat Road, T. S. Nos. 8|14|423, Plot No. 7, Coimbatore Town. Coimbatore Doc. No. 2566|84 & 3568|84.

MRS. M. SAMUEL
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II
Madras-600 006

Date :27-4-1985 Seal :

#### FORM ITNS----

### NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

#### OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT, COMMISSIONER OF INCOME-TAX

#### ACQUISITION RANGE-II MADRAS-600 006.

Madras, the 27th April 1985

Ref. No. 199|Sep. 84|R.II.—Whereas, I, MRS. M. SAMEUL, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act',) have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/-and bearing No.
T. S. No. 7|139|1, Survey No. 3100, 3101, situated at Kumarapalayam. (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Coimbatore Doc. No. 3708 84. on 52-t 1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to betwen the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferer to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer;

(b) facilitating the concealment of any Income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);  Sii S. Vaidyanathakrishnan,
 So Seetharama Iyet, (2) Sri V. Seetharaman,
 Minor V. Kumarakrishnan, No. 68, Samy Iyer, Puduveedhi, Coimbatore.

(Transferor)

(2) Sri R. Vaidyanathen, C'o P. N. Rama Iyer, 50, Ponniarajapuram, Coimbatore Town.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :----

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later:
- (b) by any other person interested in the said immov-able property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Land: T. S. No. 7 169 1, Survey No. 3100, 3101, Kumarapalayam, Coimbatore Town. Coimbatore Doc. No. 3708 84.

> MRS. M. SAMUEL Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II Madras-600 006

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :--

Date :27-4-1985 Seal :

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II. MADRAS-600 006.

Madras-600 006, the 27th April 1985

Ref. No. 200|Sept.84|R.II.—Whereas, I,
MRS. M. SAMUEL,
being the Competent Authority under section 269B of the
Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to
18 the 'said Act') have reason to believe that the immovable
property having a fair market value
exceeding Rs. I.00,000/- and bearing
Survey No. 3100, 3101 New Survey No. 139|1-3.86 cents
situated at Kumarapalayam Village, Coimbatore
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),
has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of
1908) in the office of the Registering Officer at
Coimbatore Doc. No. 3709|84 in September 1984
for an apparent consideration which is less than the fair
market value of the aforesaid property and I have reason tw
belleve that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more
than fifteen per cent of such apparent consideration and that
the consideration for such transfer as agreed to between the the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

(1) Shri S, Vaidyanathakrishnan,

Slo. Shri Seetharamaiyer,
2. Seetharaman, Slo. Vaidyanathakrishnan,
3. Smt. V. Thaiammal, Wlo Vaidyanathakrishnan,
68, Samy Iyer Pudu Veedhi, Coimbatore.

(Transferor)

(2) Sri S. Ramachandran, Slo. R. Sethurama Iyer, 57, Samy Iyer New St., Coimbatore.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter

#### THE SCHEDULE

Land: Survey No. 3100, 3101, New Survey No. 139 1-3.86 cents, Kumarapalayam Village, Coimbatore. Coimbatore Doc. 3709 84

> MRS. M. SAMUEL Competent Authority
> Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax.
> Acquirition Range-II Madras-600 006

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice hereby under sub-section (1) of Section 269D of said Act to the following persons namely:—

Date: 27-4-1985.

OTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

#### OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-11, MADRAS 600 006,

Madras-600 006 the 27th April 1985

Ref. No. 201|Sept.84|R.H.-Wherews, I.

MRS. M. SAMUEL, heing the Competent Authority under Section 269B of the tocome-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immemble property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/and beating 1.S. No. 175, 176'1, Plot No. 70 situated at Krishnataya

tand more fully described in the Schedule annexed hereto)

has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registration of the Registration at Coimbatore/Doc No 3/25/84 in September, 1984 for an apparent consideration which is less than the fair market after the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid the apparent consideration therefore has more said exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- the facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay any under the said Act, is respect of any income arising from the transfer and for
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the microses of the Indian Income tax. Act, 1922 the purposes of the Indian Income tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-atx Act, 1957 (27 of 1957);
- Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons namely the 44-8601/85

(1) Sri G. Ramachandian, Slo Gopalsamy Naidu. V. H. Road, D. No. 70, G. K. D. Nagar, Papponaicken Palayam.

(Prinsferor)

(2) 1 Smit Is Sainda. Wio. Late Sri Kuttianna Mudaliar,

2 K. Anandkumar, So. Kuttianna Mudahar, Past, Periasamy Road, R. S. Puram, Coimbatore.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, which-ever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said minor-able property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: - The terms and expressions used herein are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Land: T. S. No. 175/1A, 176/1, Plot No. 70, Kishnarayapuram. Coimbatore Doc. No. 3725 84

> MRS M SAMUEL Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II Madras 600 006

Date: 27-4-1985

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

#### OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

#### ACQUISITION RANGE-II, MADRAS-600 006

Madras-600 006, the 27th April 1985

Ref. No. 202|Sept.84|R.II.—Whereas, J. MRS. M. SAMUEL,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-Tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'Said Act') have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing

T. S. Ward No. 8, Krishnaswemy Mudal ar Road, situated at

Coimbatore,

(and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16, 1908) in the Office of the Registering Officer at Coimbutore/Doc No. 3731/84 in September, 1984

for an apparent consideration and which is less than the fau market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration tor such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of unnater with the object of :-.

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer and /or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said act, or the Wealth-tax Act. 1957 (27 of 1957);

Now, therefore in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to be the following persons, namely --

(1) M|s. Devi Builders, rep, by its attorney, and Managing Partner, Mr. P. C. Thirumoorthy, having its Registered office at 31, Krishnaswamy Mudaliar Road, Coimbatore-1.

( Fransteror

(2) Mrs. Komala Rathnam, W/o Mr. J. S. Rathnam, "The Gems" 114, Santoshi-Nagar, rep. by her power agent, Sri J. S. Rathnam, S/o Late Sri K. D. Sathiara, ot 114, Santoshinagar, Nirgampura Boarda.

(Transfere, )

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said ummovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :-- The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Vacant Land: T. S. Ward No. 8 Krishnaswamy Mudaliar Road, Coimbatore.

Coimbatore Doc No. 3731/84

MRS M. SAMUET Competent Authority, Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II Madras-600 006

Date: 27-4-1985, Seal:

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

#### OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE-II. MADRAS-600 006

Madras-600 006, the 27th April 1985

Ref. No. 205 Sept.84 R.H.-Whereas, I. MRS. M. SAMUEL, being the Competent Authority under Section \$269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act)', have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing New T.S. No. 8/173, Site No. 2, D. No. 28/40 R.S. Puram, Perjasamy Road situated at Coimbatore Taluk (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Coimbatone/Doc. No. 3770/84 in September 1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :--

- (a) facilitating the reduction or evasion of the habitiof the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income anxing from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferre for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) Section 269D of the said Act, to the following persona, maniely '--

(1) Smt. Annapoorm, Wlo. Late Dr. S. Balakrishnan, 28|40, West Penasamy Road, R. S. Puram, Coimbatore2.

(Transferor)

(2) Mps. G. K. Periasamy, Proprietor, Sci. G. K. Periasamy, Spo. G. Krishnamudaliar, 22[119, Sukravarpet St. Coimbatore Town.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :----

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immov-able property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chanter.

### THE SCHEDULE

Land and building: -New T.S. No. 8/173, Site No. 2, D. No. 28/40, Periasamy Road, R. S. Puram, Coimbatore.

Countatore/Dos. No. 3770/84.

MRS. M. SAMUEL Competent Authority Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II Madras-600 04%

Date: 27 4-1985.

Semal :

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-H, MADRAS-600 006

Madras-600 006 the 27th April 1985

Ret. No. 207 Sept. 84 R.H .-- Whereis I. MRS. M. SAMUEL,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing Ganapathi Village, T.S. No. 165/1, 166/3 situated at Coimbatore

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of

1908) in the office of the registering officer Coimbatore, Doc. No. 3814/84 in September, 1984 tor an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly. state in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer, and or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the surposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

(1) Sri S. Jagadeesan. J. Chandran, Sri V. Sriramamurthy. G. Prema, D. K. Ramamurthy, Ganapathy, Coimbatore.

(Transferor)

(2) Si₁ L. G. Nityananth, Slo. L. R. G. Naidu, Ganapathy, Colmbatore.

(Transieree)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Land and building: T. S. No. 155/1, 166/3, Ganapathr Village, Coimbatore. Coimbatore Doc. No. 3814184.

> MRS. M. SAMUFI Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II Madras-600 006

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the atoresaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, anthely :--

Date: 27-4-1985, "mall

#### FORM ITNS----

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-FAX ACT, 1961 (43 QL 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

(1) Su V S Nachmuthu Chettrar. Sio S Suldappa Chett at. 15/185, Oppanakara St. Combatore

(Transferor)

(2) Srijk Ramaswamy, Sjo Karian Chettisi, 23/28 Subbia Mudahar St Combatore

(Transferee)

### OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

VCQUISITION RANGE II MADR 15-600 006

Madras 606 506 thr 27th April 1985

Ret. No. 209 Sept 84 R.H.+ Whereas I

MRS M SAMUEL, being the Competent Authority under Section 269B of the Incompetax Act 1961 (43 of 1961) theseins the referred it as if said Act; have tesson to believe that the immovable property, hiving a fair market value exceeding Rs 1 00 000], and beam No RS Furam West Peria and Road Northern Row, situ ted at

Combatore town.

Combatore town, tand more to 1/2 described in the Scheduled annexed hereto), her been it an sterice under the Recistration Act, 1908 (to of 1908) in the office of the Registering Office it Combaters Doc No. 3875/84 in September 1984 for an apparent consideration which is less than the far market value of the offices and property, and I have reason to be here that it in market value of the property as I have reason to be here that it in market value of the property as I market become that it is apparent consideration (hereto by more than later it is market than a such transfer as acress to nd that to emiderate the such transfer as preed to between the parties has not been find a fell in the said instrument of transfer with the object of

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act. in respect of any moome triving from the transfer! and/or

(b) fightering the consendment of any mome of any moneys or other assets which have not been or which outher to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income tax. Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Weilth-tax. Act. 1957 (27 of 1957),

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later,
- b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette

the terms and expressions used herein was allo defined in Chapter XXA of the said Act, LABATION hall have the same meaning as gives in that Chapter

#### HII SCHEDULE

R S Puram West Perrisamy Road, Land and building A othern Pears Count nere Town

Combrate Dac No 1875 84

MRS 11 SAMULL Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income tax Acquisition Ronge-H Mndras-660 006

Now thatchere in pulsitimes of Section 269C of the said Act. I hereby minate proceedings for the acquisition of the aforestid property by the issue or this notice under subsection (1) of section 2000 of the said. Act to the following per ons, namely . -

Date 27 4-1985

1071Ct UNDER SECTION 269(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

### UFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

MADPASTOROGER

Madras 600 006 the 27th 'April 1985

ket No 214 sept stall -Where is I MRS M SAMULE being the Competent Authority under Section 209B of the Income tax Act 1971 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 100 000 and beining No CS31 15 No 77) Auror up a market of CS31 15 No 77) Auror up a market of CS31 15 No 77) Auror up a market of the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Combactic Follows. No 77 7 181 in September 1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair analyse value of the property as afore said exceeds the apparent consideration therefor by more than infleen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income_arising from the transfer and/or

th) Incilitating the concealment of any mome of any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferre for the purposes of the Indian Income tax. Act. 1922 (11 of 1922) or the said. Act. or the Wealth Tax. Act. 1957 (27 of 1957)

Now therefore in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aferend property by the issue of the notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons namely ---

(1) Mrs Soonoo soribit W i Sombii Doribii and Mr Siribii Doribii so Dorabi Ahuri Hons I in Tovin Cochin-2

Chrinderon

(*) Sa Athadan Cheffin — Maluappa Chi Mis Lomannial wo Agakkalam Cheffin 16 Palan Gounda St. Combitore ?

(Iransfunc)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned '---'

- (a) be any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette

Explanation - The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter

#### THE SCHEDULE

Lind and building CS 3.2 [5] No. 390 Anappa patriam Vallage Coumbator Lital Corrottemb Dec No. 3957-84

MRS M SAMUL'
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
A quis tion R in a 11 Mid to 00 006

### NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

# SIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE-II MADRAS 600 006

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-

Madras-600 005, the 27th April 1985

Ref. No. 226 Sept. 84 R.H. - Wherers, f. MRS. M. SAMUEL, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have, reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. Gaspa Pollachi Town S. No. 5, Pollachi Town, situated at Tiruppui Fown, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at

has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at PollachilDoc. No. 1927/84 in Sentember 1984, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of

- (a) facilitating the concealment of any income or any of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

Sri Thandavamurthy Gounder
 Slo Kahappa Gounder,
 Sri S f. Dunasaray Gounder,
 So Thandavamouthy Gounder,
 Minor Sridhar, S/e Duraisamy Gounder,
 Guardian, Lather, Dinasarny Gounder,
 Santhe goundanpalayam, Pollachi Faluk.

(Transferor)

(2) Sri K. Muruganandam, Slo Krishnasamy Gounder, 18, Ramasamy Chetti ir Sr. Pollachi

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (11) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publications of this notice in the Official Gazette.

FXPI VNATION The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Land and building ... Gaspa Pollachi, Survey Ward No. 5, Pollachi, Tiruppur,

Pollachi Doc. No. 1927/84.

MRS M SAMUEI Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II Madras-600 006

Date: 27-4-1985

Seal .

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

#### OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II M YDRAS-600 006

Madras-600 006, the 27th April 1985

Ret. No 238;Sept 34,R II "Whereas I

Ret. No 238|Sept 34,R 11 - Whereas I MRS. M SAMUEL, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-Lax Act 1961 (43 of 1961) (herein-fter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. Rs. 1,00,000/- and bearing No. Pazhangurai Village, Avanasi situated at Combatore. (and more fully described in the Scheduled annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1903) in the Office of the Registering Officer at Avanashi[Doc. No. 1239 34, and 1238/34 in September 1984, for an apparent consideration which is less than the Tair

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforeship exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said netrument of transfer with the object of :--

(a) facilitating the reduction or evasion of the hability of the transfer to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act 1957 (27 of 1957); (1) Sir Nachimuthii Go inder, So Sa Perusims Counder, lea national to the appear form

(Transacor)

Sn. Fremount of Worldyung Styling Socialistic, John So Palent Amori, Asien, and Samuel & Colon, Chine immal Wo Kendasony Markados Danary, sons or Sir Kondisanty George Williams Sio Eiseph Rupen, Sjo Joseph, Jayamani Animit Wo Atomuyam James, Anthonisanty, Ebmeshaff, Udayakumu, Vijay deela, Vijay deeta, Selvaraj, Philomina, sons of Atumugani, saac, Samidoss and Selvaraj, sons of Rockbeh Mosial, Wio Lacer, Pattivil, Wlo David, Thangamani, Wo Mork, Jiwascela Wio Albert Solvam, Wo Thomeamuthu Probhu and fevi. Slo Thangamuthu, Rajumanickam, slo Joseph, Paljukaraj illi se Aljuda Devampalavojn Avanasi (Trunst ce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazetta.

Explanation.—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act. shall have the same meaning as gives in that Chapter

#### THE SCHEDULF

Land Pazhangarai, Avair a Taluk, Combatore Town Narrashi Doc. No. 1239 and 1238/34

MIRS. M. SAMULI Competent Authority In p. ting Assivant Commissioner of Income-to-Acque thou it mile II. Madras-600 Cos

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely -

Date 27-4-1985

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

 Shri R. Garudevan, No. 31, State Bank of Colony, Madras.

(Transferor)

(2) Smt, S.R. Roopavathy, Wlo Thiru Deiva Subramanyam Rajdevan, No. 2, J. S. Kannappar Salai, Ashok Nagar, Madras-600 083.

(Transferce)

### OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-I MADRAS-500 006

Madras-600 006, the 22nd April 1985

Ref. No. 7[Sep]84.—Whereas, I, PREMA MALINI VASAN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act. 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the "and Act"), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No.

Door No. 3, First Main Road, Anna Nagar, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at J.S.R.-I., Vellor (Doc. No. 3135/84) in September 1984, for an apparent consideration which is less than the feir market value of the aforewald property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent, consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of ;—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immevable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

 (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been of which ought to be disclosed by the transferree for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957); Land and building at No. 3, First Main Road, Annanagar, Vellore.
(Doc. No. 3135|84)

THE SCHEDULE

PREMA MALINI VASAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I, Madras-600 006

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-Section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons mamely were

Date: 22-4-1985

Seal:

45-86GI|85

### NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

#### OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-U MADRAS-600 006

Madras-600 006, the 22nd April 1985

Ref. No. 25|Sep|84.—Whereas, I. PREMA MALINI VASAN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. T.S. No. 69 Door No. 30 situated at Salem village, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registration Officer at 1908) in the office of the Registering Officer at J.S.R.-III, Salem (Doc. No. 1001 84) in September 1984, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:

- -n) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer, and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

riow, therefore, in pursuance of Section 269 C of the said Act, I hereby initiate proceeding for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :---

(1) Smt. Sinna Ponnammal, Wo Nagaratnam Nair, and sons, Chairman Jeganathan Street, Sevvainet, Sasem-2.

(Transferor)

(2) Smt. Amuthavalli, Wo V. Ragavan, Papirapadi patti. Karoor Taluk.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days, from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette

EXPLANATION: -- The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

### THE SCHEDULE

Land and building at Door No 33, Salem village. (Doc. No. 1001|84),

> PREMA MALINI VASAN Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-I, Madras-600 006

Date: 22-4-1985

#### NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

 Shri A. C. Mari Chettiar, Slo Sikkanna Chettiar, 47, Andichetty Street, Kugai, Salem-6.

(Fransferor)

(2) Shri K, Annamalai, Slo Kuppusaniy Mudaliar, 100 El2, Pichappatti Main Road, Salem-1.

(Transferee)

### OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

#### ACQUISITION RANGE-I MADRAS 600 006

Madras-600 006, the 22nd April 1985

Ref. No. 29|Sep|84.--Whereas, I, PREMA MALINI VASAN being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/and bearing No. T.S. No. 6|3 signated at Andipatri Village, Salem Taluk. (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the registering officer at S.R. No. Tadagapath (Doc No. 2687/84) in September 1984, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferre for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922. (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Land and building at Andipatti village, Salem Fown, T.S. No. 6|3.
(Doc. No. 2687|84).

PREMA MALINI VASAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-L Madras-600 006

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date: 22-4-1985

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

### COMMISSIONER OF INCOMETAX OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT

### ACQUISITION RANGE-I. MADRAS-600 006

Madras-600 006, the 22nd April 1985

Ref. No. 30|Sep|84.--Whereas, I, PREMA MALINI VASAN,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing

T.S. No. 6|3, 6|1 and 7 situated at Andigatti village, Anna-

thanapatti

fand more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act 1908, (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at S.R. Tadagapatti (Doc. No. 2688|84)

on September, 1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instru-ment of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the hability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C or the same Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely :-

(1) Shri M. Arthanari, So Mari Chettiar and A. Malleswaran, Door No. 35, Mungappadi Street. Kugai, Salem Town.

(Transferor)

(2) Shri A. Murugesan, So Angappa Mudaliar, 2. N. V. Tharmalingam, So Varathaiya Chettiar, Salem Town. Ammapettai-50.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:-

- (s) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULF

Land at Andipatti Village, Annathanappatti, T. S. No. 6|3, 6|1, and 7. (Doc. No. 2688 84).

> PREMA MALINI VASAN Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-I Madras-600 006

Date :22-4-1985

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

### OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISTITON RANGE-J. MADRAS-600 006

Madras-600 006, the 22nd April 1985

Ref. No. 46|Sep 84.—Whereas, I, PREMA MALINI VASAN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1;00,000/- and bearing No. S. No. 4 1B situated at Servarayan malai, Kuntur village (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act 1908, (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at S. R. Yercaud (Doc. No. 239/84) on September 1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceed the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :--

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been of which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act. or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in purusuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under antection (1) of Section 269D of the Act, to the following persons, namely:—

 Smt. V. Alagammai, Wio Shri L. Vellayan, Hopdoss Estate, Lade Sheet Road, Yercaud,

(Transferor)

(2) Shri V. L. Ramanathan, Slo Palaniyappa Chettiar, Vasantham Building, Junction, Suramangalam Village, Sclam.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immov able property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: —The terms and expressions used heroin at are defined in Chapter XXA of the said Ast, shall have the same meaning as gives in that Chapter.

### THE SCHEDULE

Land and building at Servarayanmalai, Kuntur vilage, Yer-Caud Taluk, Patta No. 6, S, No. 4|2, 3. (Doc. No. 239|84).

PREMA MALINI VASAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Incame-tax
Acquisition Range-II
Madras-600 006

Date: 22-4-1985

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

### OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-1. MADRAS-600 006

Madras-600 006, the 22nd April 1985

Ref. No. 53|Sep|84.—Whereas, I, PREMA MALINI VASAN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 100,000/- and hearing situated at Konganapuram village (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act 1908, (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at S. R. Idappadi (Salem) (Doc. No. 1088|84) on Sep. 1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more then fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-hax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely —

 Shri M. Jeganathan, Slo Muthusamy Chettiar Shri M. Chandrasekaran and others Kombakkadu, Koranampatti village, Saukahiri Taluk.

(Transferor)

(2) Shri Palaniappan, Slo Velappa Gounder, 2. B. Devaraj and others, Thankayoor Village, Konankuttaiyoor, Sankagiri Taluk, Salem District.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of forty five days from the date of publication of this notice in the official gazette of a period of 30 days from the service of notices on the persons, which ever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within forty five days from the date of publication of this notice in the official gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that chapter.

#### THE SCHEDULE

Land and building at Konganapuram village. (Doc. No. 1088[84).

PREMA MALINI VASAN
Competent Authority
(Persons whom the undersigned knows to be
Acquisition Range-II
Madras-600 006

Date : 22-4-1985

#### FORM ITNS----

### NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

(1) Dr. V. K. Viswanathan, Slo V. K. Samxy, 15, 3rd Main Road, Raja Annamalaipuram, Madras-28.

(Transfero)

(2) Dr. V. Balasubramanian, Slo B. Velsamy, Thevar, 15, 3rd Main Road, Raja Annamalaipuram, Madras-28.

(Transferee)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE-I. MADRAS-600 006

Madras-600 006, the 22nd April 1985

Madras-600 006, the 22nd April 1985

Ref. No. 139 Sep 84.—Whereas, I,
PREMA MALINI VASAN,
being the Competent Authority under Section 269B of the
Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to
as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding
Rs. 1,00,000]— and bearing No.
S. No. 110 and 111, T. S. No. 35
situated at Plot No. 2852 Naduvakkarai village
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),
has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of
(1908) in the office of the Registration Officer at
S. R. Anna Nagar (Doc. No. 3303/84) on September 1984
for an apparent consideration which is less than the fair
market value of the aforesaid property and I have reason to
believe that the fair market value of the property as aforesaid
exceeds the apparent consideration therefor by more than
fifteen per cent of such apparent consideration and that the
consideration for such transfer as agreed to between the
parties has not been truly stated in the said instrument of
transfer with the object of:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of th's notice in the Official Gazette.

(a) facilitating the concealment of any income or any of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

EXPLANATION:-The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Art, shall have the same meaning as given in that Chapter.

### THE SCHEDULE

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957); Land and building at Naduvakkarai Village S. No. 110 & (Doc. No 3303|84).

> PREMA MALINI VASAN Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II Madras-600 006

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby in tiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :---

Date: 22-4-1985

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE-I. MADRAS-600 006

Madras-600 006, the 2nd April 1985

Ref. No. 142/Sep/84.—Whereas, I, PREMA MALINI VASAN,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No.

Survey No. 7/part. Plot No. 4868 situated at Aringar Anna Nagar, Madras-40

(and more fully described in the Schedule annexed hereto). has been transferred under the Registration Act 1908, (16 of

1908) in the office of the Registering Officer at Anna Nagar (Doc. No. 3339/84) for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and /or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Incometax Act 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

 Smt. S. Dhanalakshmi, 16, 3rd Cross street, West C.I.T. Nagar. Madras-35.

(Transferor)

(2) Smt. V. Ganga, 7, Vadivelu Second Cross street, Perambur, Madras-11.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette of a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Land and building at Plot No. 4868, Aungar Anna Nagar. Madras-40, Survey No. 7/Part.

(Doc. No. 3339/84)

PREMA MALINI VASAN Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acaisition Range): Madras-600 006

Now, therefore, in parsuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely '--

Date: 2-4-1985

#### FORM ITNS ----

_ ______

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMPTAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE I
M \DR \S 600 005

Madras 600 006 the 2nd April 1985

Ref. No. 2 Sep/84—Wherea I, PREMA MALINI VASAN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act) have reason to believe that the immovable propert having a fair market value exceeding Re. 1,007 0/2 and bearing No. Survey No. 184 1 and 181/1 situated at Vadugan has village & Mcl. Villachin village Guidiyatham Tk (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act 1908, (16 of 1908) in the office of the Registration Officer at S.R. Katpadi (Doc. No. 3082-84) for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than lifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of the parties has not been truly stated in the said instrument.

(a) facilitating the reduction of evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 '11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act 1957 (27 of 1957);

Now, therefore in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid propert by the issue of this notice under susceition (1) it Section 269D of the said Act, to the following persons a milely — 46—86G185

 Shri R Sundarlingam Chettiar ilias Sundaralingam,
 Sri S Ramalingam
 No 18 Arunachala Naicken Street,
 Chintadripet,
 Madias-600 002

(Transferor)

(2) Shri C K Abdul Hamid No 23, E K Guru Street Periamet Madras-600 003

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- able property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter

#### THE SCHEDULE

Land and building at Vaduganthangal village and Mel Vilachur Village, Gudiyatham Taluk, North Arcot Dist (Doc No 3082/84)

PREMA MALINI VASAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Accusation Range | 1
Madras-600 006

Date 2 4-1985 Seal

#### FORM I.T.N.S.-

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 of 1961)

# GOVERNMENT OF INDIA OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I, MADRAS-600 006.

Medias, the 2nd April 1985

Ref. No. 4|Sep|84 —Whereas, I, PREMA MALINI VASAN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 100,000/- and bearing Survey No. 42|4 situated at Virupatchipuram Village, North Arcot Division (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act 1908 (15 of 1908) in the office of the Registration Officer at J. S. R. -1, Vellore (Doc. No. 2985|84) on September 1984

1908) in the office of the Registering Officer at J. S. R. -1. Vellore (Doc. No. 2985/84) on September 1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such aparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and for
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferes for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act; 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely —

(1) Voluntary Wealth Centre, President A. S. A. Paramasiyam, 105/1, Coodalur, Sengalyaraya Mudali Street, Vellore.

(Transferor)

(2) M|s S. Prasath, S|o D Shunmugam, 2 R Ganesha Pillai, S|o Gopalpillai, 10-5-45 Gogula Street, Sithur Town, Anthrapradesh

(Transferee)

Objections, if any to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Land and building at Virupotchipuram Village, (Doc. No 2985|84).

PREMA MAI INI VASAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Incometax
Competent Authority
Acquisition Range-1
Madras-600 006

Date: 2-4-1985

Seal;

#### FORM ITNS-

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

JFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I, MADRAS-600 006,

Modras, the 2nd April 1985

Ref. No. 5|Sep|84.—Whereas, I, PREMA MALINI VASAN, being the Competent Authority under section 269AB of the income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hardnafter referred to as the 'anid Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/and bearing No. Door No. 26 & 27

(and more fully described in the Schedule annexed herete), situated at Palani Veerapathra Chetty St., Velloic (North) has been transferred under the Registration Act 1908, (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at J. S. R. Vellore (Doc. No. 3000[84) on September 1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (5) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the Act, to the following persons, namely:—

 Shu V. Bijraj, Slo S. Vchersunth patvade, 422, Main Bazar street, Vellore.

(Transferor)

 Shri P. Kishanlal, No. 2, Shinff Sazaai, Ambur.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later:
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The trems and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

# THE SCHEDULE

Land and building at Door No. 26 & 27 Palani Veerapathra Chetty Street, Vellote (North). (Doc. No. 3000|84).

PRFMA MALINI VASAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I
Madras-600 006

Date : 2-4-1985

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-J, MADRAS-600 006.

Madras, the 16th April 1985

Ref. No. 6 Sep|84.—Whereas, I, PREMA MALINI VASAN, being the Competent Authority under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing

Survey No. 2983
situated at Vellore village, North Arcot District.
(and more fully described in the Schedule annexed hereto), here here transferred under the Pare tradice Arc 1008 (16)

has been transferred under the Registration Act 1908, (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at J. S. R.-I, Vellore (Doc. No. 3048 & 3049 84), on September 1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to belive that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforasaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

(1) C. P. Manjula,
W|o C. S. Parthasurathy,
No. 1, Srr Kannika Parameswari Koil St.,
Vellore.
C. P. Jahan Moban,
S|o C. S. Parthasurathy.
No. 42, Sri Kannika Parameswari Koil St.,
Veilore.
(Transferor)

(2) Shi₁ B. N. Kiishnun and four others, Slo B. N. B. Maniyam, No. 24, 4th East High Ways, Gandhi Nagar, Vellore-6.

(Transferec)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Land of Vellore village North Accor District. (Doc. No. 3048 & 3049/84).

PREMA MALINI VASAN
Competent Authority
Inspecting Assit. Comm ssioner of Income-tax
Acquisition Range-I
Madras-600 006

Date: 16-4-1985

Scal:

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMP TAX ACT, 1961 (43 of 1961) (1) Smt Villi Achal,
Wo M V Achal MBBS
Door No 9 Kandasamy Mathai street,
Vellore Towa
Kosapet,

(Transferor)

GOVERNMENT OF INDIA
OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE-II
MADRAS-600 006

(2) Smt K. Punitham,
Wo Kapirthass Mudahar.
Door No 1, Kalamankollu Street,
Thindivanam Town
South Arcot Dist.

(Transferce)

Madras, the 18th March 1985

Ref. No. 8|Sep 84 —Whereas, 1, PRLMA MAINI VASAN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income tag Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/-and bearing No.

T 5 No 100, 101 and 102 situated at Krishna Nagar, Vellot, Town (and more fully described in the schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at 5 S R I, Vellore (Doc No 3131|84) on September 1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than lifteen per cent of such apparent

consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated

(a) facilitating the reduction or avasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in

and/or;

respect of any income arising from the transfer;

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferes for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957); Objections, if any, to the acquisition of the said ecoparty may be made in writing to the undersigned:---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later.
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION — The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter

# THE SCHEDULE

Land and building at Krishna Nagar South Vellore Town. T S No 100 1 01 and 102 (Doc No 3131/84)

PREMA MALINI VASAN
Competent Authority
Inspecting Assit Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I
Madias-600 006

Now, therefore, in pursuance of Section 269°C of the said Act, I hereby mutiate proceedings for the acquaition of the aforesaid property by the assue of this notice under subsection (1) of Section 269°D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date 18-3-1985

Seal

_____

#### FORM ITNS-

(1) Shri M. Prabhakaran, Sjo Muthiahlu Chettiar, 10, Uthiramahakoil street Vellore Town

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

 Si F Piakash Jam Slo Late G Tejraj Jam 104, Bazar Street Polur, North Arcot District

(Transferce)

#### GOVERNMENT OF INDIA

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

# ACQUISITION RANGE-I, MADRAS-600 006

Madras the 2nd April 1985

Ref. No. 9|Sep|84 - Whereas, 1, PRFMA MALINI VASAN, being the Competent Authority under section 269AB of the Income tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'Said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs 100 000/ and bearing situated at Veliu Town Dooi No. 67, Diverson Street (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act 1908, (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Poliu (Doc No. 1632-84) on September 1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as atoresaid exceeds the apparent consideration and that the consideration for such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of —

Objections, if any, to the aquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette of a period of 30 daws from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later,
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette

EXPLANATION —The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be discussed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act. 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957),

# THE SCHEDULE

Land and building at Door No 67, Diverson Street, Vellore

(Doc No 1632|84)

PREMA MALINI VASAN
Competent Authority
Inspecting Assit Commissioner of Income tax.
Acquisition Range-1
Madras 600 006

Now, therefore in pursuance of Section 269C of the said Act I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely —

Date 2-4-1985 Seal :

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

> ACQUISITION RANGE-1, MADRAS-600 006.

Madras, the 18th March 1985

Ref. No. 10|Sep|84,—Whereas, I, PRFMA MALINI VASAN,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having fair market value exceeding Rs. 1,00,000/and bearing

S. No. 126 A4 Door No. 10

situated at D. No. 10, Sanakuppam Village, Ambur, Vaniyam-

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act 1908, (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

Ambur (Doc. No. 2090[84]) on September 1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than ifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of ransfer with the object of :--

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferees the purposes of the Indian Income-tax Act. 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said of, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the foresaid property by the issue of this notice under subjection (1) of Section 269D of the said Act to the following ersons, namely :---

(1) Shri V. Kesava Mudaliar, Ammaiyappa Mudali Street, Santroi Kuppani.

(Transferor)

(2) J. Poongothai Ammal, Vadachery Village,

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expites later,
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION;—The terms and expressions used herein are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter

# THE SCHEDULE

Land and building at Door No. 10, Sanankuppam village, Ambur, Vaniyambadi Taluk

(Doc. No. 2090184).

PREMA MALINI VASAN Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-I Madras-600 006

Date + 18 3 1985

#### FORM ITNS----

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGF-I, MADRAS-600 006.

Madras, the 13th April 1985

Ref. No. 15|Sep|85.—Whereas, I, PREMA MALINI VASAN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinefter referred to as the 'said Act), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs, 1,00,000]—and bearing No. situated at Ward No. 8, Gandhi Road, Tenganikottah Town (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Tenganikotta (Doc No. 1737[84), on September 1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration by such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of to

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferre for the purpose of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

(1) Shri B. R. Kuppanna Chetty, Slo B. R. Ramachandra Chetty, Guidhi Road, Tengaukotta

(Transferor)

(2) V. D. Srinivasamurthy, V. D. Krishnamurthy and V. D. Rajendran, V. M. Tharasaratharama Chetty, Merchant, Tenganikotta.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, who never period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

J-XPI VALUEN — The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter

# THE SCHEDULE

Land and building at Gandhi Road Tenganikottah. (Doc. No. 1737/84).

PREMA MALINI VASAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I
Madras-600 006

Now therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the atoresaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons.

Date : 13-4-1985

FORM ITNS ---

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT 1961 (43 Ol 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

## OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACOUISCION RANGET MADRASCORON

Milias the 2nd April 1985

RINDISSEP(STATE IN PRIMA MAINE VISA being the impetent Authority under Section 269B of he Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (heremafter referred to as the 'said Act ) have reason to believe that the referred to as the said Act) have reason to believe that the immovable property, having a four market value exceeding Rs 100 000 - and bearing.

Survey No. 2003

situated a Libert Amma Pala im villact (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has beautiful of the described in the Schedule annexed hereto) has beautiful of the described in the Schedule annexed hereto) has beautiful of the described in the Schedule annexed hereto) has beautiful of the described in the Schedule annexed hereto) as the described in th for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have meson to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such tansfer as agreed to between the parties has no been truly stated in the said instrument of transfer with the object of --

- (a) facilitating the reduction or evasion of the Hability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; unid / ce
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Weslth-tar Act 1957 (27 of 1957)

Now therefore in pursuance of Section 269C of the Laid Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the afore aid property by the is-ne of this notice under sub section (I) of Section 269D of the said Act to the follow ing persons namely --

į 1 101 ŧ ą (Tran leron)

an elicit t 14 4 11

(frankice)

Objections if any to the acquisition of the said property may be made in estative to the undersigned.

- (a) by some of the stores at persons within a period of dut not entire of publication at this notice in the Office that it is a riod of 30 days from the service of in the respective persone whichever emulexprobater
- (b) it is a substitute of the substitution of the publication of this set of the first of the factors.

14 (3 INTINATION ! fh 1 the terms of the many as are defined in Chapter AXA of the said Ast shall have the same meaning by given in hal Chanter

# THE SCHEDULE

ompetent Authorty to pert in 25 it common, once if theome tax 11 11

1.3

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

#### OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGI--I, MADRAS-600006

Madras-600006, the 13th March 1985

Ref. No. 20|Sep|84.—Whereas, I,A PREMA MALINI VASAN

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immevable property having a fair market value exceeding Rs. 100,000 and bearing No.

and bearing No. Survey No. 791A & 1B situated at Reddiyoor village Salem Taluk

(and more fully described in the Scheduled annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at J.S.R. J. Salem (Doc. No. 2103/84)

on September, 1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believed that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax xunder the said Act, in respect of any income arising from the transfer; had/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which cusht to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, of the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Shri S. P. Arumuga Mudalian S o Patchiappa Modaliar, Rep. Fhirmatingan Company, 112, Arimachala Achari Stient Salem-I.

(Transferor)

(2) 4 Vanaja Nagarajan, W o Nagarajan, 8 Puthur Extension, Salem-7. 2 Smit Santha Jothi W o Sithambaranathan, 16 Marinancker Street, Chevyni Pettai, Salem 2

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used berein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Land at Reddo oor Village, Survey No. 79¦1A and 1B, (Doc. No. 2103/84)

PREMA MALINI VASAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-1
Madias-600006

Date: 13-3-1985

#### FORM JTNS----

# NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME TAX ACT 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

## OFFICE OF THE INSPECTING ASSIST SIONER OF INCOME-TAX ASSISTANT COMMIS-

MOUISTION RANGE-L MADRAS-600006

Madras-600006, the 2nd April 1985

Ref. No. 24|Sep|84 —Whereas, 1, PREMA MALINI VASAN

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a tair market value exceeding Rs 1,00,000 '-

and Learing No. Survey No. 179, 3 situated at

Athanan village, Rasipuram Taluk (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Renstration Act, 1708 (16 of 1908) in the Office of the Renstration Officer at USR, I, Salem (Doc. No. 1987, 84) on September, 1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than nfteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

(a) facilitating the reduction or evasion of the fiability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the Issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :---

(1) Shir Ramasamy Gounder and others, Athanan Village Rasipuram Taluk.

(Transferor)

(2) Mydy Oils Private Itd, Company, No. 29, Kottai Market Street, Salem Town

(Fransteree)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immov-able property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Land and building at Athanan village, Rasipuram Taluk. (Duc. No. 1987/84)

> PREMA MALINI VASAN Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range-I Madras-600006

2-4-1985 Date Seal .

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-IAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

#### OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE-I, MADRAS

Madras-600006, the 2nd April 1985

Ref. No 26|Sep|84.—Whereas, I, PREMA MALINI VASAN being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing Survey No. 303|2 situated a Ammapet village, Salem Taluk (and more fully described in the Schadule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Salem I ast (Doc No. 2241/84) on September, 1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cere of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- is recultating the reduction of evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Shri C. Mariyappan
 S/o Chennaya Mudaliar,
 Smt. Balamani Ammal,
 153, 2nd Agraharam,
 Salem-1.

(Transferor)

(2) Shri Selvanambi S/o Perumal, Ramnathapuram, Ammapet, Salem Taluk.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION .- The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter

# THE SCHEDULE

Land at Ammapet, Salem Taluk. Survey No. 303/2. (Doc. No. 2241/84)

PREMA MALINI VASAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I
Madras-600006

Date: 2-4-1985

#### FORM HINS -- --

NOTICE UNDER JECTION 260D(1) OF THE INC 71L . AX ACT, 1501 (43 OF 1961)

#### GUITANAENT OF INDIA

WHEN L OF THE NSPECTING ASSIST-MI COMA. SHOPE A OF INCOMETAX

> LIDIO PILIT I <u>t</u> (111)

Ha th the fur 1 co x1 1

hadone in Adi 1961 (4) in 1961) theremafter referred to so the 'rid tot ) have cross to believe that the immovable property he means and ten many property ha near unit of a value exceeding Rs 1,00,000/

on the first to do start in the fair maket rate in a cree of property and I have reason to believe the apparent on a testion to relate by rone than internal in a cree of size apparent on a testion to relate by rone than internal in a consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the particular to be in the actual of the said in the said in trument of the few with the object of the said in the said in trument of the few with the object of the said in the sai

far is duality the reducium of a rien of the liability of one transcence may far ander the said Act, in sespect o any necesse arming from the transfers Ci

th) there is considered in a more or any include or any in is a sill rest which have not been or it to be the considered by the transfered for the purpose of the Indian Informeter Act 1922 it of the control to said Act of the Wealth tax Ac 1966 (20 of 6.7)

Now therefore in paisture of section 260C of the sud Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the ators and property by the issue of this office notice under the tast of the of the 1910 of the said. Act, to the il) Shire sive miner of the Anem Toku

(Fran Letot)

(2) Shirt K. P. nec servit. I chief 34 19 thi da Arma ribim. It it, Andip dii, Silcin

(1) th force)

Objections if me to the energion of the said property may be too to the writing to the unit a pr

- (a) by any of the zero all persons with a period of 4 even nome to discommination of this name in the third is eine or a period of 30 days from it serve of notice on the respective periods with every of notice on the respective periods.
- (b) by any other set i note that it is said immovable property with result in the content of the publication of the next in the relationship in the relationship.

EXPLANATION -The terr & free are a sised herein as are deale and N of the said Act, shall have a rain ag as given in that Linkster

1111 5 1P DEF

PRIM MILINI VASIN find clin 2 for each Authority L I II i II Range f Aladras-600006

Date 13.3 1000 Seal .

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-1, MADRAS 600006

Madra, 600006, the 2nd April 1985

Ref. No. 35 Sep 84 - Whereas I. PREMA MAINI VASAN

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to us the 'and Act') have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding R₅ 1,00,000]-and bearing

and bearing T.S. No. 6/3 situat d. it. Andir atti. Village, Annathanapatti. (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1903 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at

Tadagapatti (Doc No 2691/84)

on September, 1984

for an apparent consideration which is less than the rair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and|or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922), or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely.—

(1) Shii M. Shanmugasundatam S/o Mari Chettiar, Minors Mallikarjunan and Vijayavel, 47, Andirchetty Street, Kugai, Salem-6

(Transferor)

(2) Shii N. Perumal See Natasa Midaliar Shii A. Chinnasamy S/oAlagappa Gounder, 59 Kalithasar Street, Salem-1.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION.—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land and building at Andipatti village, Annathanapatti. (Doc. No. 2691/84)

PREMA MALINI VASAN
Competent A thorsty
Inspecting Assistant Commissions of Income-tax
Acquisition Range-I
Madias-600006

Date: 2-4-1985

#### FORM NO ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGI I, MADRAS 600006

Madras 600006 the 2nd April 1985

Ret No 34|Sep|84—Wherens I, PRIMA MALINI VASAN

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act'), have reason to believe that the immovable property having at fair market value exceeding.

repetty having a fair market value exceeding.

Rs 1 00,000/- and bearing.

TS No 6/3 situated at Andipatti village. Annath mapatti (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registration Officer it.

Tadagapitti (Doc. No. 2692/84)

on September 1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and for

(b) facultating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act. to the following persons, namely:—

(1) Shri M. Rayisankar S/O M. Mallikarjugan, 34 Mungapah Short Kukar Salem 6

(liansferor)

(2) shir M. Durat S/O. P. Muthu Udayar, 'C. Venkatach fam. S/O. Sannah imbi S. John Falkies, Road, Annuapettar Salvan 3

(Transferee)

Objections, it any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—-

- (a) by any of the atoresaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Guette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, which were period expires later,
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Cazette

EXPLANATION —The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter

THE SCHEDULE

L and and buildin at Andip itti village. Annath map itti (Doc. No. 2692/84).

PREMA MALINI VASAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income tay
Acquisition Range I
Madias 600006

Date 2 4 1985

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961) .

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

# ACQUISITION RANGE-I, MADRAS-600006

Madras-600006, the 2nd April 1985

Ref. No. 35|Sep|34.—Whereas, I, PREMA MALINI VASAN

PREMA MALINI VASAN being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing T.S. No. 6/3 situated at Andipatti Village, Salem Taluk (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Tadagapatti (Doc. No. 2693/84)

Tadagapatti (Doc. No. 2693/84)

on September, 1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with object of :-

(1) Shri M. Shumuga Sundaram S/o Mari Chettiar
2. Minor Vijayavel,
47, Andi Chetty Street, Kugai, Salem-6.

(Transferor)

(2) Smt. V. Meenakshi W/o K. Vaithiyalingam 2. Shri Ramalingam S/o Perumal Mudaliar, 5, Ramasunthara Mudaliar Street, Salem-1.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said act, in respect of any income arising from the transfer: and/or and jot
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922), or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

# THE SCHEDULE

Land and building at Andipatti village, Salem Taluk. (Doc. No. 2693/84)

PREMA MALINI VASAN Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-I Madras-600006

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act. to the following persons, namely :-

Date: 2-4-1985

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE-I, MADRAS-600006

Madras-600006, the 13th March 1985

Ref. No. 37|Sep|84.---Whereas, I. PREMA MALINI VASAN being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No.
Survey No. 63/1C situated at D. No. 20B, 20/2 to 20/6, Thiruchengode village (and more fully described in the Schedule annexed herete) has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908).

1908) in the office of the Registering Officer at Thiruchengode (Doc No. 2346/84)

on September, 1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as afore-said exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:-

(a) facilitating the reduction or evasion of the lability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following mersons namely .--48-86GI/85

(1) Smt. Thangammal and others, Machine Kadu, Thiruchengode Town, Salem District.

(Transferor)

(2) Shri K, Palaniyappan S/o Karuppanna Gounder, for Balamurugan Finance, Vecrakuttai, Kuppirikkapalayam village, Namakkal Taluk.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said preperty may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other persons interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter,

# THE SCHEDULE

Land and building at Ward No. 17, Katcheri Street, Door No. 20B, 20|3 to 20|6, Thiruchengodu.

PREMA MALINI VASAN Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-I Madras-600006

Date: 2-4-1985

# FORM ITNS----- (1

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMF-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### * GOVERNMENT OF INDIA

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I, MADRAS-600 006.

Madras-600 006, the 2nd April 1985

Ref. No. 40|Sep|84.-Whereas, I, PREMA MALINI VASAN

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding R₂, 100,000/- and bearing

able property, having a fair market value exceeding Rs. 100,000/- and bearing No. Survey No. 115/4 situated at Thiruchengode village (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office the registering Officer at Tiruchengodu (Doc. No. 2411/84) on September 1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evision of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

(1) Shii T. K. Pitchaimuthu, S/o. Kandasamy Pillai, 2. Vetrivel and, 3. Shunmugam, No. 28, Vadukar Street, Turuchengodo Town,

(Transferor)

(2) Shri Appavoo, Slo Muthu Gounder, Chetty Thottam, Tiruchengodu.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- able property, within 45 days from the date of the bublication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION — The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the name meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Land and building at Tiruchengodu village. Survey No. 115]4.
(Doc. No. 2411|84).

PREMA MALINI VASAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-I
Madras-600 006

Date: 2-4-1985.

#### FORM ITNS----

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTAN1 COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-I, MADRAS-600 006.

Madras-600 006, the 2nd April 1985

Ref. No. 44|Scp|84.—Whereas, I, PREMA MALINI VASAN

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinalter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing

No. situated at Namagiripettai village (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer S.R. Namagiripettai (Doc. No. 735|84) on September 1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property is aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than lifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transferment/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922), or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

 Smt. Kaniammal, Wlo. Sinnathambi Gounder,
 M.C. Kaliappan, Vellakkalpatti vilfage,

(Transferor)

Smt. Brahadeeswari,
 Wo. Sri S. V. Rengaraju Chettiar,
 Namagiripet,
 Rasipuram Taluk,
 Salem District.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expues later.
- (b) by any other person interested in the said immorable property within 45 days from the date of the publication of this native to the Official Gazetta

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

# THE SCHEDULE

Land and building at Namagiripet village, Natham. Survey No. 50|1, (Doc. No. 736|84).

PREMA MAIJNI VASAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I
Madras-600 006

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date: 2-4-1985.

Scal .

# NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

## OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-1, MADRAS

Madras-600 006, the 2nd April 1985

Ref. No. 47|Sep|84.—Whereas, I, PREMA MALINI VASAN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/-

and bearing No.
S. No. 22 1A2 & 22 1C situated at Athiyoor village, Yercad Taluk, a Salem District

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of

1908) in the office of the Registering Officer at at S. R. Yercaud (Doc. No. 240|84 in September, 1984, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferce for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :-

(1) Smt. K. Vijayalakshmi, Wlo Karunamurthy, 20, Sahadevapuram Extension, Salem-7.

(Transferor)

(2) M|s. Jem Grinters, S. R. Asaithambi (Partner), Slo Rengasamy, Gopalapuram, III st., Madras-86.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein an are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Land at Athiyoor village, Yercaud Taluk, Salem District. Survey No. 22|1A1 and 22|1C. (Doc. No. 240|84).

PREMA MALINI VASAN Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-1 Madras-600 006

Date: 2-4-1985

# NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-I, MADRAS

Madras-600 006, the 2nd April 1985

Ref No. 50|Sep|84.—Whereas, I, PREMA MALINI VASAN,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1.00.0001, and hearing

exceeding Rs. 1,00,000|- and bearing Survey No. 88 '1 stuated at Rasampalayam village,

Kirampur P. O. (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer

at S. R. Paramathi (Salem) Doc. No. 732|84).

on September 1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with object of —

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under that said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Shri M. Ponnusamy, Slo Marappa Gounder, Kunjampalayam, Rasampalayam village, kiramboor P.O., Namakkal Taluk.

(Transferor)

(2) Shri V. Gnanavel, Secretary, Namakkal Public School Trust, Now at 42, Co-op. Colony, Namakkal P O. Namakkal Taluk.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said.

Act, shall have the same meaning as given in that Chapter

#### THE SCHEDULE

Land at Rasampalayam village. Survey No. 88[1. (Doc. No. 732[84).

PREMA MALINI VASAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I
Madras-600 006

Date: 2-4-1985

(Transferor)

(Transferee)

## FORM ITNS-

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

· ACQUISITION RANGE-1, MADRAS

Madras-600 006, the 28th March 1985

may be made in writing to the undersigned.

(1) Minor Saravanan,

Sanlagirı village,

Welfare Association, Nattampalayam.

Nattampalayam.

(2) Shri S. Natarajan,

S|o Malathi, W|o Kandasamy Nathan,

Ref. No. 51|Sep|84.—Whereas, I, PREMA MALINI VASAN, being the Competent Authority under Section 269B of the income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act)' have reason to believe that the mountain a fair market value exceeding movable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing situated at Sankahiri village

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred

under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the offic

of the Registering Officer at Sankagiri thurkam (Duc. 666 84) in September, 1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or avasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer;
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been of which ought to be disclosed by the transferce for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property

Slo V. V. Subramanian, Chairman, The India Coments Company,

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later:
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

# THE SCHEDULE

Land and building at Sankagiri village, Nattampalayam. (Doc. No. 666[84).

> PREMA MALINI VASAN Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-I Madras-600 006

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :----

Date: 28-3-1985

Scal:

# NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-1, MADRAS

Madras-600 006, the 2nd April 1985

Ref. No. 52|Sep|84.—Whereas, I. PRI'MA MALINI VASAN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/and bearing situated at Uthirakadikaval village (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of

has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Sendamnagalam (Loc. No. 1358/84) in September, 1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of master with the object of the consideration and that the consideration are truly stated in the said instrument of

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issued of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 Shri S. Muthusamy Udayar, Slo Subbiah Udayar, Kalappa Naickenpatu Pudur, Namakkal Ialuk, Salem-21.

(Transferor)

(2) Smt. Sivapackyam, Wlo Poomalai Udayar, Theppakulam P. O. Kattukottai, Namakkal Taluk, Salem District.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette-

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

# THE SCHEDULE

Land and building at Uthirakudikaval village. (Doc. No. 1358|84).

PREMA MALINI VASAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I
Madras-600 006

Date: 2-4-1985

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

## ACQUISITION RANGE-1, MADRAS

Madras-600 006, the 19th April 1985

Ref. No. 94/Sep]84. -Whoreas, I, PREMA MALINI VASAN,

being the Competent Authority authorised by the Central Government in this behalf under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable

as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/-and bearing R. S. No. 3562 situated at No. 248, Angappa Naicken Street,

Muthiayalpet, G. T. Madias. (and more fully described in the Schedule annexed hereto),

has been transferred

under the Registration Act 1908, (16 of 1908) in the office

of the Registering Officer

at Madras North (Doc. No. 2541'84) in September, 1984. for an apparent consideration which is, less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability
   of the transferor to pay tax under the said Act, in
   respect of any income arising from the transfer;
   and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—
Seal:

(1) Shi C. R. Padmanabhan and others No. 10, Moottatkaran street, Muthialpet, Madras-1.

(Transferor)

(2) Shri S. Maria Doss and Shri S. Peter, Slo A. Selvam, No. 37, Pernathambi street, Royapuram, Madras-13.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Land and building at No. 248, 'Angappa Naicken St., Muthiayalpet, G. T. Madras. (Doc. No. 2541/84).

PREMA MALINI VASAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax
Acquisition Range-I
Madras-600 006

Date: 19-4-1985

Scal:

#### FORM LT.N.S.---

# NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX AC1 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

VCQUISITION RANGE-1, MADRAS

Madras-600 006, the 9th April 1985

95|Sep|84. -- Wheren, 1, PREMA MALINI VASAN,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 100,000/-

and beating No.
R. S No. 46(1B3 etc. situated at Subramaniya Estate, Chengand Village Yercaud Dist.
tand more fully described in the schedule annexed hereto). has been transferred under the Registration Act 1908, (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at J.S.R.-J. Madras North (Doc. No. 2539;84) in September.

1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than this n per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :---

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the atoresaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following oersons, namely :--49---8hQI]85

(1) Smt. R. M. Chmthamam Achi, o, Branison Griden Road, Kilpauk, Madras-10,

(Transferor)

(2) M. Polaniappa, Mnoor Lon of P. L. Muthakaruppan Chettiar, S. Rudand, Gate I street, Madras-6

(fransferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later.
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation.—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter,

#### THE SCHEDULE

Land at Subramaniya Estate village, Yercand Dist. (Doc. No. 2539[84].

> PREMA MALINI VASAN Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-L Madras-600 Ot

Date : 9-4-1985 Seal :

(1) Shri N. G. Viswanathan, So Govindappa Chettiar, Arisipalayam Main Road, Salem Town.

(Transferor)

(2) Shri L. Dhanabal, Slo. Lakshmana Naicker, Magumannar Colony, Salem Town.

(Transferee)

# NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

#### OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I, MADRAS-600 006.

Madras-600 006, the 2nd April 1985

Ref. No. 100 S-p|84 -- Whereas, I, PREMA MALINI VASAN

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'suid Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs.

movable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/3 and bouring No.

No. T.S. No. 17, Ward E, Block 8 situated at Pullapatti village, Salem Town (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at J.S.R.I. Madras North (Doc. No. 2435/84) 2438/84) on

September 1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :--

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immov-able property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

THE SCHEDULE

Land at Pallapatti village, Selem Town. 1.S. No. 17. (Doc. No. 2435/84) & 2438/84

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purpose of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

PREMA MALINE VASAN Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-1 Madras-600 006

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely :---

Date · 2-4-1985.

Scal:

#### FORM I.T.N.S.-

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOMP-LAX ACT 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I MADRAS 600 006

Made is-600 005, the 19th April 1985

Ref. No. 101|Sep.84.—Wirels, 1
PREMA MALINI VASAN,
being the Competent Authority under Section 269B of the
Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to
as the 'said Act'), have reason to believe that the
immovable property having a fair market value
exceeding Rs. 1.00,000/- and bearing
No. R.S. No. 56|1 part part situated at Door Nos. 26 & 27,
Promamallee High Road, Madian-4,
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),
has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of
1908) in the Office of the Registering Officer at
Periamet (Doc No. 923|84) in September 1984,
for an apparent consideration which is less than the fair
market value of the aforesaid property and I have reason to
believe that the fair market value of the property as
aforesaid exceeds the apparent consideration therefore by more
than fifteen per cent of such apparent consideration and that
the consideration for such transfer as agreed to between
the parties has not been truly stated in the said instrument
of transfer with the object of:—

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purpose of the Indian Income-tax Act, 1922 xui-qiiua aqi to nov pius oqi to (7761 jo ji) Act, 1957 (27 of 1957):

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability
of the transferor to pay tax under the said Act, in
respect of any income arising from the transfer;

andlor

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Mr. Gyanchand Bohara, Slo Motilal Bohara, D-8, Arthant apartment, No 22, Raja Annamalar Cheftiar Road, Purasawaikam, Madray-84

(Transferor)

(2) M₁s Noor Mohamed Yoosuf and Noor Mohamed Khizer, S o Late Noor Abdul Wahah 19/14 Veerasamy pillai street, Perrimet, Madras-3,

(Fransferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later,
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION.—The terms and expressions used herem as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Land ant building at D. No. 26 \ 27 Poonamallet High Road, Madras-3. R.S. No. 56[1, (Doc. No. 928[84).

PREMA MALINI VASAN Competent Authority
Inspection Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I, Madras-600 006

Date . 19-4-1985

Scal:

#### FORM I.T.N.S -

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOMETAX ACT. 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX.

> ACCUISITION RANGE L MADRAS-600 006

Madras-600 005, the 2nd April 1985

Ref. No. 110|Scp|84 - Whereas, I. PREMA MALINI VASAN

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and begins No.

No. R.S No 1358|30 attraced at 7

Subbaraya Mudali Street, Pudujet, Madi & 2,

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act 1908, (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at S.R. Periamet (Doc. No. 55154) in September 1984

for an apparent consideration which is less than the rair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the trasfer: and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferce for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (1) of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore in pursuance of Section 269°C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquaitton of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

(1) Mymoon Bi, Ameeriinnisa Begam, 17, Volayuda Achari Street, Pudupet Madras 2

(Transferoi)

(2) Sashila Bai, P. Singshkumat, 9, Subbaraya Mudali Street, Pudapet, Madaas-2.

(Tian_ferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by my other person interested in the suid immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Officila Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Land and building at 7, Subbaraya Mudali Street, Fudupet. Madras-2. (Doc. No. 859|34)

PREMA MALINI VASAN
Competer Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I, Madras 600 005

Date: 2-4-1985

(1) shirts f J Prikasih, Slo & T. Janaku ugin, No 7, Stasent Roid

(Transferor)

(2) Shir V Const verty i Slo C. Virathin, No. 19, Nammoth Masthri Street, New Vannacapettai, Мъдгаз 31.

(Transferce)

# NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

#### OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

#### ACQUISITION RANGET M 7D8 72 (44) 409

Made is 500 605 the 1715 \pril 1785

Ref. No. 114[S.p]s4—Wh.rch, I, PREMA MALINI VA.A.; being the Competent Authority under Section 269B of the In.ome-tax Act. 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs 1,00 000/-

and blaifing No.
No Plot No. 25 TS No 52H situated at Madrias Corporation, Purasitivall of Mid is North Mid is Symbiam

Per villore, (and more fully described in the Schedule annexed hereto).

has been transferred under the Reaction Act 1908 (16 of 1908) in the effice

of the Regitation Office, at Sembran (Doc No. 3305 '4) in September 1984, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of unaster with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; 20 kJ /0°

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this some in the Official Gazette.

Exeranation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

# THE SCHEDULF

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferre for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1921 (11 of 1932) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1937);

Land and building if Block No 3, TS No 5211, Plot No. 26 Madras Corporation, Mideis (Doc No. 3305[84)

> PREMA MALINI VASAN Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Augm From Range I, Madras-600 006

Now therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby mittel proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the is us of this nonce under subtection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely -

Date : 19 4-1985 Stall

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF ENCOME-TAX.

ACOUISTRION RANGET MADRAS-600 006

Madras 600 005 the 20th March 1985

Ref. No. 117(Sep. 1 — White 1. ) PRLMA MALINI VASAN

being the Competent Authority under Section 2698 of the Income tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding.

No. 45. Thandavarry in Mudali St. Thandavarpet Madias 4.

(and more fully described in the schedule annexed hereto), his been transferred under the Registeration Act 1908 (16 (16 of 1908) in the Office of the registering Office at R. Royaphram (Doc No 152184) in September 1984 to an apparent consideration which is less than the far market value of the doctord preperty and I have reason to believe that the fair market value of the property as dolesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for all hauster as agreed to between the partie, has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of —

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor so pay tax under the said Act, in respect to any income arising from the transfer; and|or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely:—

 Swith Prasad,
 Bunder Guden Street Perambur Mideas-11

(Transferor)

(2) A. D. Sampath No. 32, Budar Garden S Perambur Madras 11

( Fransferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette

EXPLANATION.—The trems and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter

#### THE SCHEDULE

Land and building at 45. Thundavarayan Mudalı street, Thandayarpet, Madras-13. (Doc No 1521/84).

PRI MA M VI INI VASAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I, Madias 600 006

Date 20-3-1985 Seal:

NOTICE UNDER SECTION 269 D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISHION RANGEA MADRAS-600 006

Madras-600 005, the 2nd April 1985

Ruf No 118 sup 84 -Whiteas, I. PREMA MALINI VASAN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Aut. 1961 (43 of 1961) hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs 100,000 - and bearing No No RS. No 498 I stitud at No 4 West Mada Church Street, Royapurani, Mada is 13, (and more fully described in the Schedule appeared hereto).

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at R_x yapitiam (Doc No 151851) in September 1954 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of

transfer with the object of '-

(a) facilitating the reduction or evasion of the hability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, samely:—

(1) M's G. Chunilal Mis C. Radhi Rii, and Sant Kumar No. 4, West Mada Church Street, Royaguiam, Madras-13

(Transferor)

(2) Diabetes Research Centre Foundation Rep. by President Di. M. Viswanathan No. 5, West Mada Church Street

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any o her persons interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

1 VELVATION — The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXX of the said. Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Land and building at No. 4, West Mada Church. Street, Royapuram, Madi 65-13

(Duc No 1515;84)

PRFMA MALINI VASAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-I
Madias 600 006

Date 2-4-1985 Seal :

## FORM ITNS ----

# NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GUVERNMENT OF INDIA

(1) 5 K. Shamnugham, No. 58, Guruyappa Chetty Street, Chintadripot, Madris 2

f I consteror (

(2) I. Vimala Pani, No. 28. Swamipandarain Street Chinadin et Madar 2

(Itanslatue)

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOMETAX ACQUISITION RINGLE, MIDELS 600006

Mode is 600006, the 12th April 135

bein No. 119 Sept. 84 — Whereas 1, PREMA MALINI VASAN being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) decimaries referred to as the said Act), have reason to believe that the immostable property have, a fair market value exceeding Rs 100 000/2 and tent 2. Count apprenant, Subset Chintin dispet. Under 2. Count apprenant, Subset Chintin dispet. Under 2. Count apprenant, Subset Chintin dispet. Under 3. Count apprenant Act, 1908 (18 of 190) in the one of the regioning Officer a Periamet (Doc No. 907) 1) on Spit. 1944 too an apparent count rule on which is a than the formarket value of the act, and property and I have reason to believe that the fair market value of the property as an initial except of the application and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

Objections if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned .---

- (a) by any of the aforesaid performithin a period of 45 days from the date of publication of this notice on the Official Gazette of a period of 40 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovible property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) farilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any in time arising from the transferance/or

# THE SCHEDULE

b) tailitizing the concediment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1937 (27 of 1937),

I ind and binding it Door No. 11. Guruyappa Chesty St., Chintadripet Madras 2. (Doc. No. 967-84)

PREMA MALINI VASAN
Competent Ambority
Inspecting Assistant Commissioner of Income tax
Acquirition Range 1
Madia, 600000

Now, therefore in pursuance of Section 2000 of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the moresaid property by the issue of this notice under subsection (I of Section 2001) of the half Act, to the following per cus in mery "---

(1) Smt. Sivagami and 24 others, 10, Golfamman Koil Street, Madras-21,

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) M. Suparas 7 Managapathi Naicken Street, Madras-21.

(Transferce)

# GOVERNMENT OF INDIA OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I, MADRAS-600006

Madras-6000006, the 18th April 1985

Ref. No. 120|Sep.|84.—Whereas, 1, PREMA MALINI VASAN

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), here reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 100,000/- and bearing No.

R.S. No. 305 situated at No. 83, Arunachala Naicken Street, Chintadripet. Madras-2

Chintadripet, Madras-2 (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Periamet (Doc. No. 972/84) on Sept. 1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by

more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument  $\alpha^c$  transfer with the object of .—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under said Act. in respect of any income arising from the transfer, and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective person, whichever period expires lates;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Land and building at 83, Arunachala Naicken Street, Chintadripet, Madras-2.

(Doc. No. 972/84)

PREMA MALINI VASAN
Competent Authority
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-1
Madras-600006

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of the notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—50—86GI|85

Date: 18-4-1985

# NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I, MADRAS-600006

Madras-600006, the 12th April 1985

Ref. No. 123|Sep.|84.—Whereas, 1, PREMA MALINI VASAN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. — situated at No. 27, Appu Maistry Street, Mafoos Khan Gaiden Madras-} (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Sowcarpet (Doc. No. 450/84) on Sept. 1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of .—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Rabia Bee, W o K. N. Usman Sahib, 1/13 (New No. 19), Mailar Periathambi Street, Mafoos Khan Garden, Madrus-1.

(Transferor)

1. Abdul Wahab, M.
 2. Mahumooda W/o Abdul Wahab,
 55. Mafoos Khan Gaiden Street,
 Madras-1.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 45 days from the service of notice on the respective persons whichever period expides later;
- (b) by any other person interested in the said immovaable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the some meaning as given in that Chapter.

# THE SCHEDULE

Land and building at No. 27, Appu Maistry Street, Mafoos Khan Garden, Madras-1.
(Doc. No. 450/84)

PREMA MALINI VASAN Competent Authority (Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-I Madras-600006

Date: 12-4-1985

#### FORM ITNS ....

## NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

#### (1) Ammani Ammal and eight others, No. 5, Tirupalli Street, Madras-600079.

(Transferor)

(2) Mrs. Lakshmi K. Jain W/o Kantilal, 72, Naravana Mudalı Street, Ma**tt**as-600079.

(Transferce)

## CFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME TAX

# ACQUISITION RANGE-J, MADRAS-600006

Madras-600006, the 9th April 1985

Ref. No 126|Scp.|84 —Whereas, I, PREMA MALINI VASAN,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the improvable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing

Survey No. 7207 situated at No. 5, Thirupally Street, George Town, Madras-79

(and more fully described in the schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Sowcarpet (Doc. No. 464/84) on Sept. 1984

tor an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the tair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefore by more than lifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :--

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income origing from the transfer; and or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Waelth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the requisition of the aforesaid property by the incree of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned .--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette,

EXPLANATION: -- The terms and expressions used herein as are Jenned in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter

#### THE SCHEDULE

Land and building at No. 5, Thirupalli Street, George own, Madras-79, Survey No. 7207, Town, Madras-79, (Doc. No. 464/84)

> PREMA MALINI VASAN Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-1 Madras-600006

Date · 9-4-1985

# NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

#### (1) Rukmıni Japardan, AH 196 Plot No. 3195, Annanagar Madras-40.

(2) M. Nagarajan, 25, Damodar Street, T. Nagar, Madras-40.

(Transferor)

(Transferee)

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX.

# ACQUISITION RANGE-I, MADRAS-600006

Madras-600006, the 27th March 1985

Rcf. No. 129|Sep.|84.—Whereas, 1, PREMA MALINI VASAN,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000 and bearing Block No. 1D situated at Naduvankarai Village, Aringar Anna Nagur

Anna Nagai

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Anna Nagar (Doc. No. 3108/84) on Sept. 1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than influen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of . ~

(a) facilitating the reduction or evasion of the Mability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immevable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

# THE SCHEDULE

Land and building at Naduvankarai Village, Arinagar Anna Nagar.

(Doc. No. 3108/84)

PREMA MALINI VASAN Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-I Madras-600006

Date: 27-3-1985

Scal:

## FORM TING

(1) Shii N Palaniyappan Slo Nanjappa Gounder, No 3, United India Nagar, Appanavaram, Madras 23

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

### GOVERNMENT OF INDIA

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGL-I MADRAS-600006

Madras-600006, the 6th March 1985

Ref No 130|Sep |84—Whereas, I, PREMA MAI NI VASAN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 43 of 1961) (Derchafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs 1,00 000|- and bearing No — situated at Dooi No 3 United India Nagai 181 St, Ayyanavaram (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Anna Nagair (Doc No 3125 84) on Sep 1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of —

(a) facilitating the reducion or evasion of the hability of the transferer to pay tax under the said act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment o fany income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by trasferee to the purposes of the Inlian Income tax Act 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-lax Act 1957 (27 of 1957),

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 260D of the said Act, to the following persons namely:—

(2) Shii Gopil Shunmugham S/Q N Gopal Mudaliar, No 19, Somasundara Devar 6th Street Appanavarum, Madras-23

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned —

- (b) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later,
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette

EXPLANATION —The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning at given in that Chapter

## THE SCHEDULL

I and and building at Door No 3 United India Nagar, 1st Street, J S No 94, Block No 17

(Doc No 3125 84)

PREMA MAI INI VASAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range I
Madras-600006

Date 6 3 1985

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

 Shii C. Thijuvengadam, 90, Kutti Gramani Street, Raja Annamalaipuram, Madias-28.

(Transferor)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE-I, MADRAS-600 006

(2) Shri S. Bhaskaran and Smt. B. Bhuvaneswari, No. 298/2, H. I. G. Flat, Belly Area, Anno Nagar, Madras-40.

(Transferce)

Madras, the 9th April 1985

Ref. No. 131|Sep|84.—Whereas, I PREMA MALINI VASAN,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act. 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fain market value exceeding Rs. 1,00,000]- and bearing S. No. 162 part. T.S. No. 85 attuated at Naduvakkarai village (and more fully described in the Sch'dule annexed hereto),

S. No. 162/part. T.S. No. 85 affuated at Naduvakkarai village (and more fully described in the Schrödule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the Office of the R gistering Officer at Anna Nagar (Doc. No. 3135/84) on September 1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :--

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazatte or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette,

EXPLANATION: -- The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXX of the said Act, shall have the said to make a great in the Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said act, in respect of any income arising from the transfer; and/er

THE SCHEDULE

Land at Naduvakkarat village. T.S. No. 85. Plot No. 2290. (Doc. No. 3135|84)

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

PREMA MALINI VASAN Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-I, Madras-600 006

Now, therefore, in pursance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date: 9-4-1985

NOTICL UNDER SECTION 269D(1) OF THE ENCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

 Mis, Jayanima Bhat and others, Plot No. 7, 20, Jeovaratnam street, Adayar.

(Transferor)

(2) Shir B. Viaru Rao, D-49, Anna Nagar, Madras102.

(Transferee)

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-J, MADRAS-600 006

Madras, the 1st April 1985

Ref No 132|Sep|84.—Whereas, I PREMA MALINI VASAN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the baid Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000|- and bearing No. S. No 207 Part 2 situated at Thirumangalam

(and more fully described in the schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

1908) in the office of the Registering Officer at Anna Nagar (Doc. No. 3137/84 on September 1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferre for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1400 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth tax 4, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said preparty may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Land and building at Thirumangalam, S. No. 207, (Doc. No. 3137/84)

PREMA MALINI VASAN
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I, Madray-600 006

Date: 1-4-1985

#### FORM ITNS----

(1) Shiri M Thomas Slo K C. Thomas, No Agashiya Nagar, Kilpauk Madras-10.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

(2) Sm Saraswathi Souritajan, Who Souritajan, No 97-B, Shanthi Colony, Anna Nagar, Madras-40.

(Transferee)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE-I, MADRAS-600 006

Madras, the 19th April 1985

Ref No 133|Sep|84—Whereas, I PREMA MALINI VASAN, being the Competent Authority under Section 269D of Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'Said Act), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000|- and bearing RS. No. 40 attracted at Para ludgi Village.

Rs. 1,00,000]- and bearing
RS. No 40 situated at Periakudal Village
and more fully described in the schedule annexed hereto
has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of
1908), in the office of the Registering Officer at
Anna Nagar (Doc No 3144/84) on September 1984
for an apparent consideration which is less than the fair
market value of the aforesaid property, and I have reason
to believe that the fair market value of the property as
aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by
more than fifteen per cent of such apparent consideation
and that the consideration for such transfer as agreed to
between the parties has not been truly stated in the said
instrument of transfer with the object of

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in Writing to the undersigned:---

- (a) by any of the atoresaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferce for the purposes of the Indian Income-tax Act. 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-lax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Land and building at RS No 40 Periakudal Village. (Doc. No 3144|84)

PREMA MALINI VASAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Rang'-I, Madras-600 006

Now ther fore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby in thate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

Date · 19-4-1985

Scal ·

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE-I, MADRAS-600 006

Madras, the 9th April 1985

Ret No. 136|Scp|84 —Whereus, I PREMA MALINI VASAN,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act. 1961 (43 of 1961) (hereinatter referred to as the 'said Act'), have leason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000l- and bearing No.
Plot No. 2235, Block No. 9A, T.S. No. 50 situated at Anna Nagar, Madra, 40. R.S. No. 161, T.S. No. 50. (and more fully described in the Schedule annexed hereto).

has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Anna Nagai, (Doc. No. 3374/84) on September 1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property, as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :--

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and for
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely : -

51---86GI|85

 Shri T. Sıvashankar,
 C. S. Thiruvengadam,
 Dr. C. P. Ramasamy Iyer Road, Madras-18

(Transferor)

(2) Shri K. Padmanaban and Mrs. Rauni Padmanabhan. 1-51, Anna Nagar, Madras-102

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter :-

## THE SCHEDULE

I and and building ut Plot No. 2235, Anna Nagar, Madras-

(Doc No. 3374|84)

PREMA MALINI VASAN Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-I, Madras-600 006

Date: 9-4-1985

## FORM ITNE

 Shri L. R. Visweswara Rao, Slo L V. Ramaitah, 29, Habibullah Road, Madras-17.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE-I, MADRAS-600 006

Madras, the 19th April 1985

Rcf. No. 137|Sep|84.—Whereas, I PREMA MALINI VASAN,

being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 100,000/-and bearing

No. — situated at Ayanavaram village, Kujji Naicken Street (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registeration Act, 1908 (16 (16 of 1908) in the Office of the registering Officer at Anna Nagar (Doc. No. 3353|84 & 3354|84) on September 1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefore by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the hability
of the transferor to pay tax under the said Act, in
respect of any income arising from the transfer;
and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferse for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269°C of the mid. Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of data notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following nemetrs, namely:—

M|s. P. V. Kodha Raamgopal & C. Rama Priya Devi, 908, P. H. Road, 21, Station Road, Madras.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immeous able property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION; —The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Land and building at Ayanavaram Village, Kujji Naicken street.

(Doc. No. 3353|84 & 3354|84)

PREMA MALINI VASAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I, Madras-600 006

Date: 19-4-1985

Scal ·

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

## OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE-I, MADRAS-600 006

Madras, the 12th April 1985

Rcf. No. 140|Sep|84.—Whereas, I PREMA MALINI VASAN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000|- and bearing T.S. No. 29 part Plot No. 549 situated at Aringar Anna Nagar, Madras (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transfered under the Registration Act 1908, (16 ot 1908) in the office of the Registering Officer at Anna Nagar, (Doc. No. 3346 84) on September 1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction of evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income erising from the transfer and/or
- (b) facilitating the concealment of any income of any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by te issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 Shri A. Tarachand Jain, Sjo Shri Askaranji, No. 39, Arasappa Mudali Street, Purasawalkkam, Madras-7.

(Transferor)

(2) Smt. Gecta Jawar, Wlo Shri Bhagwandas Jhawar, No. 87, Godown Street, Madras-1.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Land at Aringar Anna Nagar, Madras-40. Plot No. 549. (Doc. No. 3346|84)

PREMA MALINI VASAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I, Madras-600 006

Date: 12-4-1985

Scal.

# NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

## ACQUISITION RANGE-I, MADRAS

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

Madras, the 2nd April 1985

Ref. No. 143|Sep|84.—Whereas, I, PREMA MALINI VASAN, being the Competen Authority under Section

being the Competer Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/-and bearing

bearing No. T.S. No. 43, Block No 9 situated at Door No. 18, 5th Cross Street, Shenoy Nagar West, Madras-30

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act 1908, (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Anna Nagar (Doc. No. 3335|84) on Sep. 1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the oject of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in ruspect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957):

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Sh. T. Thirugnanam, 18, 5th Cross Street, Sheny Nagar, Madras-600 030.

(Transferor)

(2) Sh. Shyam Sundar Damani and four others, No. 28, Purushotham Mudahar Road, Lake area, Nungambakkam, Madras-34.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid person, within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later:
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter

## THE SCHEDULE

Land and building at No. 18, 5th Cross Street, Shenoy Nagar West, Madras-30. (Doc. No. 3335[84).

PREMA MALINI VASAN
Competent Authority
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax
Competent Authority
Acquisition Range-I, Madias-600 006

Dated: 2-4-1985

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE-I, MADRAS

Madras, the 19th April 1985

Ref. No. 144|Sep|84.—Whereas, I, PREMA MAI.INI VASAN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/-

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therfor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of . -

bearing No. Door No. 12 situated at Lakshmipuram First Street, New Avadi Road, Villivakkam, Madias-49. (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act 1908, (16 of 1908) in the otice of the Registering Officer at Anna Nagar (Doc. No. 3332|84) on Sep. 1984

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and /or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the storesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :-

(1) Smt Granthala Radha Bai. 12, Lakshmipmam Fust Street, New Avadi Road. Villivakkam, MADRAS-49.

(Transferor)

(2) Mrs. T. Vijayalakshmi, No. 87, Vellala Street, MADRAS-84.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette

Explanation:-The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Land and building of No. 12, Lakshmipuram First Street, New Avadi Road, Villivakkam, Madras-40. (Doc. No. 3332[84).

PREMA MALINI VASAN Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Competent Authority Acquisition Range-I, Madras-600 006

Dated: 2-4-1985

PORM ITNS-

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE-I, MADRAS

Madras, the 27th March 1985

Ref. No. 147|Sep|84.—Whereas, I, PREMA MALINI VASAN,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000| and bearing

bearing No. Survey No. 221 situated at Plot No. 945, 17th Street, Anna Nagar West, Thirumangalam Madras-40

has been transferred under the Registration Act 1908, (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Anna Nagar (Doc. No. 3184|84) on Sep. 1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer, and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Sh. K. Piramanayakam Pillai, 6, Vyssa Rao Street, T. Nagar, MADRAS-17,

(Transferor)

(2) Sh. K. K. Abdul Jabbar, 57A, Mathum Marikkayar St., Vandhavasi, North Arcot Dist.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later.
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Land and building at Plot No. 945, 17th Street, Anna Nagar West, Thirumangalam, Madras-40. (Doc. No. 3184]84).

PREMA MALINI VASAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I, Madras-600 006

Dated: 19-4-1985

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACOUISITION RANGE-I, MADRAS

Madras, the 2nd April 1985

Ref. No. 149|Sep|84.—Whereas, I, PREMA MALINI VASAN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1.00,000/- and bearing bearing No. Plot No. 4467 T.S. No. 653 situated at Mullam village has been transferred under the Registration Act 1908, (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Anna Nagar (Doc. No. 3230|84) on Sep 1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesald property and I have reason to

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer: and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957):

 Sh. V. Ramakrishnan, So M. Veerasamy, No. 82, Chakli High Road, MADRAS-12.

(Transferor)

(2) Sh. Mohamed Razvi, S|o M. K. Meeran Muslim, No. 59, A.J. Block, Anna Nagar, MADRAS-40.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazetts.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Land and building at Mullam village, Anna Nagar. T.S. No. 653. (Doc. No. 3230|84),

PREMA MALINI VASAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I, Madras-600 006

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date: 2-4-1985

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-I, MADRAS-600 006 Madras-600 006, the 29th March 1985

Ref. No. 150|Sep|84.—Whereas, I, PREMA MALINI

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value Rs. 1,00,000/- and bearing exceeding

No. Survey No. 9/2 situated at Podinaickenpatti village, Salem

(and more fully described in the schedule annexed hereto),

that been fransferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at L.R. Suramangalam (Doc. No. 1910)84) in September 1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration to such apparent consideration. and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of ;--

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and for
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

(1) Shri R. Marimuthu, So. Ratnam Mudaliar, 11, 11A, Aowayar Street, Podinaickenpatti, Sclam Taluk.

( Transferor)

(2) Shri L. Godandapani, Dlo. Loganatha Udayar, No. 79, Post Office Street, Sooramangalam, Podinaicken Patti, Salem Taluk.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, which were respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: - The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter

## THE SCHEDULE

Land and building at Podinaickenpatti village. Survey No. 9|2. (Doc. No. 1910|84).

PREMA MALINI VASAN Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-I Madras-600 006

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :--

Date: 29-3-1985.

## FORM 1T.N.S.-

____

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I, MADRAS-600 006

Madras-600 006, the 13th March 1985

Ref. No. 151|Sep|84.—Whereas, I, PREMA MALINI VASAN

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000 and bearing

No. Survey No. 106|5A situated at Alagapuram village, Salem Taluk

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Recistering Officer

at Suramangalam (Doc. No 2013/84) on September 1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilating the reduction or evasion of the bability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purpose of the Indon Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1937 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsect on (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely ... 52---86 GI|85

(1) Shri R. Paramahamsam, Slo. G. Ramachandra Chetty, 2. Banumathy, Wlo. R. Paramahamsam, 55, Sinna Muthukara Street, Sevvaipet, SALEM-2

(Transferor)

(2) Minor N. Hema, Dlo. K.M.P. Nagappan, 82, Nija Farelands, Alagapuram, SALEM-4.

(Transferee)

Objections, if any to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this noitce in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Land and building at Alagapuram village, Salem Taluk Survey No. 106/5A. (Doc. No. 2013/84).

PREMA MALINI VASAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I
Madras-600 006

Date: 13-3-1985

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

### GOVERNMENT OF INDIA

#### OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I, MADRAS-600 006

Madras-600 006, the 19th April 1985

Ref. No. 153|Sep|84.—Whereas, I, PREMA MALINI VASAN

VASAN
being the Competent Authority under Section 269B of the
Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to
as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding
Rs. 1,00,000|- and bearing
No. 53, Erulappan Street, Madras-21
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),
has been transferred under the registration Act,
1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

has been transferred under the registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Madras Central (Doc. No. 932|84) on September 1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(1) Shri Asok Kumar Kankorla, Shri Mahabirchand Kankoria, Shri Ajit Kumar Kankaria, 72. Audiappa Naicken Street, MADRAS-79.

(Transferor)

(2) M|s. Bhawarlal, Devichand, Kukadidevi, Chandrivathi Devi, 3, Badrian Garden Street, MADRAS-3.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: —The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act. 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

### THE SCHEDULE

Building at No. 53, Erulappan Street, Madras-21. (Doc. No. 932|84),

> PREMA MALINI VASAN Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-I Madras-600 006

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby in tiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :--

Date: 19-4-1985,

Scal ;

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

> ACQUISITION RANGE-I, MADURAI

Madurai, the 19th April 1985

Ref. No. 55|September|84.—Whereas, I, V. M. MUTHURAMALINGAM, being the Competent Authority under Section 269B of the income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 100,000/- and bearing T. S. No. 4 Punja Lands situated at Dindigul Town (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act 1908, (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Dindigul Doc. No 1490 on September 1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has been truly stated in the said intrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferer to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferre for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of section 269C at the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 Sri V. Arumugham, Slo Vecrappan & others, M. Mariyanadhapuram, Dindigul,

(Transferor)

(2) M. P. Karuppiah Pillat, Slo M. Palaniappa Pillat & Others, 12.23, Mounspuram, 3rd Lane, Dindigut.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the envice of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazatte.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

### THE SCHEDULB

Punja Lands at T. S. No. 4|Dindigul Doc. No. 1490[84.

V. M. MUTHURAMALINGAM
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range,
Madurai.

Date: 19-4-1985.

Scal:

#### FORM LT.N.S.--

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

## OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I, MADURAI-600 006

Madurai, the 19th April 1985

Ref. No. 56|September|84.-Whereas, I, V. M. MUTHURAMALINGAM,

being the Competent Authority under Section 269B of the income-tax Act, 1961, (43 of 1961) (hereinneter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the iramovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/and bearing

Land and Building at T. S. No. 65 situated at Dindigul Town

(and more fully described in the Schedule annexed hereto).

has been transferred under the Registration Act 1908, (16 of 1908) in the office of the Registration Officer at Dindigul (Doc. No 1459/84) on September 1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as afore-said exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liabling of the transferor to pay tax under the said Ast, is respect of any income arising from the transfer and or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets while have not been of which ought to be disclosed by the transferoe for the purposes of the Indian Locome-tax Ast, 1922 (11 of 1922), or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

A. Sakkarai Asari, So Alagaprun Asarı, 47, Erumaikara St, Dindigul.

(Transferor)

(2) Smt. Padmayathi Ammal and Others, 78, South Agraharam, Periakulam Town.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undervigued :--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later,
- (b) by any other person interested in the said immov-able property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

### THE SCHEDULE

Land and Building at T. S. No. 65, Ward No. Dindigul Town (Doc. No. 1459 84).

> V. M. MUTHURAMALINGAM Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Madurai.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said set, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :--

Date: 19-4-1985.

Scal:

## NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

## OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I. MADRAS-600 006.

Madras, the 19th April 1985

Ref. No. 57|Sept|84.—Whereas, I, V. M. MUTHURAMALINGAM,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 100,000/-

and bearing
T. S. No. 782 Land and Building
situated at Dindigul Town-4th Ward

(and more ully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act 1908, (16 of 1908) in hoofice of the Registration Officer at Dindigul (Doc. No. 1660/84)

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than hiteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :--

- (a) fact stating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought o be disclosed by the transferce for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the atoresaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :---

(1) D. Chandrasekaran, Slo Dhandapani Chettiar, 101, Main Road, Dindigul.

(Transferor)

(2) Simakalat and Others, Kudasparaspetti, Dindigul,

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be maed in writing to the unersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

( NPI ANATIC N : - The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

### THE SCHEDULE

Land and Building at T. S. No. 782, Ward No. 4, Dindigul (Doc. No. 1660|84)

> V. M. MUTHURAMALINGAM Competent Authority
> Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Madurai.

Date: 19-4-1985.

#### FORM ITNS----

## NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE-I, MADRAS-600 006.

Madras, the 19th April 1985

Ref. No. 58|Sep|84.—Whereas, 1, V. M. MUTHURAMALINGAM, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000|- and bearing No. land T. S. No. 2064|1, 2064|2, 2066|1A & 2067 situated at Dindigul (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act 1908, (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Dingigul (Document No. 1652|84) on Sentemer 1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between one parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferrer for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) P. Alagarswamy, East Pillaiyar Koil St., Door No. 140|74, Annanagar, Trichy.

(Transferor)

(2) S. M. B. Manickam Nadur, 110, East Ratha Veedhi, Dindigul Town.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of
  45 days from the date of publication of this notice
  in the Official Gazette or a period of 30 days from
  the service of notice on the respective persons,
  whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter

## THE SCHEDULE

Land in T. S. T. S. No. 2064]1, 2064]2, 2066]1A and 2067 at Dindigul (Doc. No. 1652]84).

V. M. MUTHURAMALINGAM
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Madural

Date: 19-4-1985

Scal:

(1) R. Kamala Bai Ammal, Wlo Rajagopal, Mounsipuram 2nd Lane, Dindigul.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) J. Hamja Ibrahim & Others, Mohamadivapuram, Madurai Road, Begumpur, Dindentl.

(Transferee)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

> ACQUISITION RANGE-I, MADRAS-600 006.

Madras, the 19th April 1985

Ref. No. 59|Sep|84,-Whereas, I, V. M. MUTHURAMALINGAM, V. M. MUTHURAMALINGAM, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinatter referred to as the 'Said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 100,000/- and bearing No.

T. S. No. 54|4, Ward No. 1

situated at Dindigul Town
(and more fully described in the Schedule appeared hereto) (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act 1908, (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Dindigul (Document No. 1627|84) on 20-9-1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter,

- a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any

moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act. 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Weslth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Land and Building at T. S. No. 54[1, Ward No. 1, Dindigul (Document No. 1627/84).

THE SCHEDULE

V, M. MUTHURAMALINGAM Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range Madurat

Date: 19-4-1987

Scal:

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby in tiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :-

#### FORM ITNS-----

## NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

## OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

## ACQUISITION RANGE-I, MADRAS-600 006

Madras-600 006, the 19th April 1985

Ref. No. 60|Sept|84.—Whereas, I, V. M. MUTHURAMALINGAM,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immov-

able property having a fair market value exceeding Rs 100,000/- and bearing No. the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at T.S. No. 76, 77A|1 and 77A(3) situated at Ottanchathirum Palani

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act 1961 in the Office of the Competent Authority

Ottanchathiram (Doc. No. 848|84) on 6-9-1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of most of transfer with the object of-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income suising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 2690 of the said Act I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :---

- (1) Smt. K. Errammal alias Krishnaveni, Wo Krishna Bharathi Reddiar Thummichampatti, Oddanchathiram, Palani, K. Balachandran. Thummichampatti, Oddanchathiram, Palanı.
- (2) Dr Kuruvilla Warki, The Secretary, Chri tinn Fellowship Society, Oddanchathiram, Palani,

(Transferce)

(Transferor)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation —The terms and expressions used berein as are defined in Chapter XXA of the said shall have the same meaning as given in that Chapter.

### THE SCHEDULE

Land at T.S. No 76, 77A]1 and 77A[3 (Doc. No 848 and 849 84)

> V. M. MUTTURAMALINGAM competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Madurar

Date: 19-4-1985

Scal :

(1) N. P. Arunachalam, Slo N. Palaniappa Gounder, Manjanayackanpatty, PaPlani Taluk.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

M. M. Manoharan,
 Sio M. M. Balasubramaniam,
 Perumal Koil St, Tiruppur-4.

(Transferee)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE-I, MADRAS-600 006

Madras-600 006, the 19th April 1985

Ref No. 61|Sep|84.—Whereas, I. V. M. MUTHURAMALINGAM,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1.00,000/-

S. No. 171/1 (Agri. land) situated at Eramanayakenpatti

vilage, Palani Taluk
(and more tuly described in the 3 hedu's annexed hereto),
has been transferred and the agreement is registered under
the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

Chattirapatti, Palani Taluk (Doc No. 526'84) on 30-9-1984 for an apparent consideration which is less that the facmarket value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the habitity of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have the bress or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be mide in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of over any or the aloresate persons within a period of 45 days from the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expired later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette

Explanation:—The terms and expressions used herein are defined in Chapter XXA of the said Act. shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

ı T. S. No. 17111 (Docadopus29:14) Yıllağı, Palani,Taluk(2201 do 11)

V. M. MUTHURAMALINGAM Competent Authorise Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Madurai

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the continuous namely:— 52-86 GH85

Date: 19-4-1985

(1) Lakshmanan Chettiar & Others, Kanavaipatty, Kumarapalayam, Darapuram Taluk,

(Transferor)

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

## OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I, MADRAS-600 006

Madras-600 006, the 19th April 1985

Ref. No. 62|Sept|84.-Whereas, I. V. M. MUTHURAMALINGAM.

being the Computent Authority under Section 269B of the Income (ax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the add Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceedi z Rs. 1,00,000/- and bearing

Lands a specified in the Documents situated at Idayakottai, Palani Faluk (Doc. Nos. 226/84, 227/84, 228/84 and 229/84 (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registration Officer at Idayakottai, Palani Taluk on 15-9-1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to hat the fair market value of the property as aforesaid.

believe hat the fair market value of the property as aforesaid exc eds the apparent consideration therefor by more than fift on per cent of such apparent consideration and that the con ideration for such apparent consideration and that the con ideration for such transfer as agreed to between the part es has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act. 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

(2) Easwaran and others. Kanavaipatty, M. Attappanpatty,

Palani Taluk.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :--

- (a) by any of the aforesaid persons within a perior of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons; whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the public cation of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as giver in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Lands at Attappanpatty, Idayakottai (Doc. Nos. 226]84. 227,84, 228,84 and 229,84).

> V. M MUTHURAMALINGAM Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Madural

row, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :---

Date: 19-4-1985

Scal:

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### (1) J Ram and Others, Nadu Street, Chinnalapatty, Dindigul Taluk

## (Transferor)

(2) K, S S S Chinniah & Others, Kumarajar Salai, Chinnalapatty, Dindigul Taluk

(Tr unsferee)

### GOVERNMENT OF INDIA

## OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

## ACQUISITION RANGE-I, MADRAS 600 006

Madras 600 006, the 19th April 1985

Ref. No 63|Sept|84 —Whereas, I, V. M. MUTHURAMALINGAM,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs 1,00,000/- and bearing

Land and building as specified in the Document situated at Ambathurai, Dindigul Taluk (and more fully described in the Schedule annexed hereto)

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer Chairapatti (Doc. No. 941/84 on 15.9.1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

Objection, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a p riod of 45 days from the date of publication of the notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of potice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the dai of the publication of this notice in the Official Gaz ite.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or Explanation:—The terms and existessions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning us given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Land and Building in TS No 31|1, 36|2, 36|3, 37|1, 37|2 and 37|3 at Ambathurai, Chinnalapatty

(Doc No 941|84)

V. M. MUTHURAMAI INGAM
Competent / uthority
Inspecting Assistant Commissioner of In ome-tax
Acquisition Range, Indurat

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I bereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection '1) of Section 269D of the said Act, to the following person namely:—

Date: 19-4-1985

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE I, MADRAS 600 006

Madras 600 006, the 19th April 1985

Ref. No F No 64/Sept 84 —Whereas I, V M NUTHULAN LINGUM

Tong the Competent Authority under Section 2698 of the Income tax. Act. 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1.00 000/- and bearing No.

Rs. 1,00 000/- and bearing No.

51 No. 47 & 15 chained at Kodhik hill
(and more firth despite) is the higher man doing of
his been translated it do the Report on Other
Sab Registrars Other Kodhikanal Doe No. 524[81 on 19.55
for an apparent condition which is less thin the fire
market ville of the fireflect of the property as doresaid
exceeds the apparent of the fireflect that for by room that
infeen per cent of such apparent consideration and that the
consideration for such time for a agreed to become to
parties has not been truly intend in the administration of
transfer with the object of:—

- (a) tacilitating the reduction of racts, of the lability of the transferm to pay tax under the raid Act. -4 respect of any its sew summer is so the first or; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or set moneys or oth conset, which have not been on which ought to be a closed. The had offere for the purposes of the fullian income the Act, 1972 (11 c. 1972) or the soil Act or the Westh-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 2690 of this still Act. I hereby must be proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of the notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely: ~

(1) I Good Alexander a Ciners, L. Fad represent by I'v Kutan at Pulc of Lone of Alapachakara, marchal d Village, Esta, im Taluk, Kara State.

( Irm Low)

 $\begin{array}{cccc} \text{(2) Si} & \text{this Orlida 4 other,} \\ \text{32} & \text{collawly rights bond,} \\ \text{7} & \text{Na_{2}d, Matria 17} \end{array}$ 

(Transaction

. Objections, if any, to the acquisition of the said propriet and broade in withing to the undersigned ---

- (a) he has or the aforesaid prisons within a wood of 45 days from the date of publication of this notice in the 19th all Councils is a period of 30 days times the service of no se on the respective periods, whichever period expires later;
- able poort, with 45 days from the date of the pooleation or in, notice in the Official Gazette

Extending 1 - 1h times and expressions used herein as are defined in Chapter AAA of the said A.) said have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land of Kadarkanal

\ M MUTHURAMAI INGAM Competent Authority Inspecting Assistant commissioner of Informetal Acquisition Range Maduran

194 198° Seal.

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOML-TAX ACI, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

## OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I, MADRAS-600 006

Madeas-600 006, the 19th April 1985

Ref. No. 65|Sep 84.—Wheeras, f, V, M MUTHURAMALINGAM, being the Component Authority under Section 269B of the factorie-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the faid Act), have russed to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 100,000/and bearing No.

and bearing No. 9 No. 47/2A thand, shu, i'd at Kodarkanal (and more odd de crited in the 5-hedule annexed hereto), has been in a rote of ander the Registering Officer at Roderkonal (Dec. No. 527/84) on 15-9-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the atomsaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the patties has not been truly stated in the said instrument of tansfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and for
- (b) facilitating the concealment of any mome or any moneys of other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the atoresaid property by the issue of this notice under sub-ection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

(1) Robert George Alexander & Others, Represented by P. M. Kurian at Putivelii House in Alapuzha-kara, Panachikad Village, Kottayam Taluk, Kerala State.

(2) Kanyakumati Traders (P) Ltd. 36, Arch Bishop Mathews Avenue, Madras-28.

(Transferee)

(Transferor)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the pablication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Land in T. S. No. 47/2A (Doc. No. 527/84).

V. M. MUTHURAMALINGAM
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Madurai

Date: 19-4-1985

Scal:

 Mrs. Neela Subramaniam, 50-30 Cross, Jayanagar, Bangalore.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(A) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

 Shii P. Parameswaran, Slo Shii Padinanaba Iyer, Garuda Vihar, Kodaikanal,

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

## **OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,**

#### ACQUISITION RANGE-I, MADRAS

Madras-600 006, the 19th April 1985

Ref. No. 66|Sep|84.—Whereas, I, V. M. MUTHURAMALINGAM,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1.00,000/and bearing

and bearing Land and Building in S. No. 82[1]83[2, 84 and 85 situated at Kodaikanal Town.

(and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred

under the Registation Act 1908, (16 of 1908) ni the office of the Posiciaring Officer

of the Registering Officer at Kodaikaual (Doc No. 544|84) on 15-9-1984

for an apparent consideration which is less than the tar market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expures later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.
- EXPLANATION:—The terms and expression used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

## THE SCHEDULE

Land and Building at S. No. 82|1, 83|2, 84 and 85 in Kodarkanal Town (Doc. No. 544|84).

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be dislosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957):

V. M. MUTHURAMALINGAM
Competent Authority
Inspecting A sistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Madurai

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date: 19-4-85

THE COMMENSATION OF THE PROPERTY OF THE PROPER

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

## OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-I, MADRAS

Madras-600 006, the 19th April 1985

Ref. No. 67|Sep|84.-Whereas, I. V. M. MUTHURAMALINGAM,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. Land and Building at T. S. No. 204, 205 and 209 situated at

Madurai Town.

and more fully described in the Schedule annex d hereto). has been transferred

under the Registration Act 1908, (16 of 1908) in the office

of the Registering Officer at Madurai (Doc. No. 111|4909|84) on 30-9-1984.

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the and I property as aforceasid exceeds the apparent consideration therefor by mor than fifteen per cent of such apparent therefor by mor than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferero to pay tax under the said Act, in respect or any income arising from the transfer; and|or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :---

(1) Shri O. M. S. Rajamanicka Nadar, 185, East Masi St., Madurai.

(Transferor)

(2) OM. SS. S. Palanichamy Nadar, Slo OM. SS. Subbinh Nadar, 13-C. Pathuthoon Lane, Madurai.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHOOLE

Land and Building at T. S. No. 204, 205 and 209 at Madurai Town (Doc. No. 111|4909|84).

> V. M. MUTHURAMALINGAM Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Madurai

Date: 19-4-85

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE COMPETENT AUTHORITY TING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

#### ACOUISITION RANGE-I, MADRAS

Madras-600 006, the 19th April 1985

Ref. No. 68|Sep|84.-Whereas, I, V. M. MUTHURAMALINGAM,

being the Competent Authority under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 100,000/- and bearing
T. S. No. 2587[Ab Land & Building situated at Madural Town tord property like developed by the second property like second by the second property of the second property for the second property of the second property of the second property for the second property of the second p

(and more fully described in the schedule annexed hereto). has been transferred

under the Registration Act 1908, (16 of 1908) in the office of the Registering Office at Madurai (Doc. No. 5055|84) on 30-9-1984.

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :---

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer: and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957):

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act. to the following persons, namely :--

(1) M. R. Mahadevan, 3. Chairman Muthanama Iver Verdhi, Madurai-9.

(Transferor)

(2) M. M. Jayaprakash, S'o NM. R. V. Mahadevan, 23 Chanman Muthurania Iyor Veedhi, Madurai-9.

(Transière)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested to the said immov able property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -- The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter

## THE SCHEDULE

Land and Building at T. S. No. 2587 A6 at Madaria Town (Doc. No. 5055|84).

> V. M. MUTHURAMAI INGAM Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Madurai

Date: 19-4-85

Seal .

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE-I, MADRAS

Madras-600 006, the 19th April 1985

Ref. No. 69|Sep|84.—Whereas, I, V. M. MUTHURAMALINGAM, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding

Rs. 1,00 000/- and bearing No.

Land and Building at T. S. No 188/2 and 188/3 situated at Madurai Town

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred

under the Registration Act, 1908, (16 of 1908) in the office of the Registering Officer

or Modurai (Doc. No. 4555)8! on 15-9-1984.

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated at the said instrument of transfer with the object of :--

- in) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and|or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferce for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :---54---86 GI|85

(1) Paramasivam and Others, 2-M, New Vadugakavalkooda Street, Madurai.

(Transferor)

(2) Smt. R. Sundari, Wo T. Ramaswamy Iyengar, 135, North Perumal Maistry St., Andavan Store. Madurai.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property way be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall hiv sh in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Land and Building at T. S. N. 188|2 and 188|3 at Madurai (Doc. No. 4555[84).

> V. M. MUTHURAMALINGAM Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income tax Acquisition Range, Madurai

Date: 19-4-85

NOTICE UNDER SICTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

(1) P Rathmam Chettier, 63 Khanpalayam 3rd St, Madurai

(Transferor)

(2) Minor Murthi and Mani, By mother and guardian T Seshammal, 36 Sammandamoorthy St. M idurai

(Transferce)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE I, MADRAS

Madras-600 006 the 19th April 1985

Ref No 70|Scp|84 -- Whereas, I, V M MUTHURAMALINGAM

being the Competent Authority under Section 269B of the Income tix Act 1961 (43 of 1961) hereinafter referred to as the sud Act') have reason to believe that the immov-

able property he my a fair market value exceeding Rs 1,00 000/ and bearing No Lind and Building T S No 1933 situated at Madurai (and more full decribe i in the Scheduled annexed hereto)

has been transferred

under the Registration Act 1908, (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Madurai (Doc No 4771/84) on 15 9-1984 for an apparent consideration, which is less than the fair market value of the forestid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property is aforesaid exceeds the upparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of -

Objections it any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned .-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later,
- (b) by any other person interested in the said immovable propert within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette

EXPLANATION —The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter

(a) facilitating the reduction or evasion of the imbility of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer, and/or

## THE SCHEDULE

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been for which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the sad Act, or the Wealth-tax Act 1957 (27 of 1957),

Land and Building at T S N 1933 at Madurai (Document No 4771 84)

> V M MUTHURAMALINGAM Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Madurai

Now therefore in pursuance of Section 269C of the said Act 1 hereby but ite proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 26910 of the said Act to the following persous, namely -

Date 19-4-85

Scal

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

### GOVERNMENT OF INDIA

## (2) K. R. Kuppumoorthy,

S[o Rajagonal, 60A, Khanpalayam1st St., Madurai-9.

Balarengapuram, Madurai-9.

(1) Smt. T.S. Balammal and Others, 4, B. B. Road,

(Transferee)

(Transferor)

### OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACOUISITION RANGE-I, MADRAS

Madras-600 006, the 19th April 1985

Ref. No. 71|Scp|84.--Whereas, I, V. M. MUTHURAMALINGAM,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the im-movable property, having a fair market value exceeding movable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing Land and Building T. S. No. 2587 A-2B situated at Madurai

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred

under the Registration Act, 1908, (16 of 1908) in the office

of the Registering Officer at Madurai (Doc. No. 4577 84) on 15-9-1985. at Madurai (Doc. No. 457784) on 15-9-1985. for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :--

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immerable property within 45 days from the datc of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: - The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respectof of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

## THE SCHEDULE

Land and Building at T. S. No. 2587 at Madurai (Doc. No. 4577[84].

> V. M. MUTHURAMAILINGAM Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Madurai

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the assue if his notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely

Date: 19-4-85

#### FORM ITNE-

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

(1) T. S. Chandrasekaran & Others, Sourashtra High School Colony, Anuppanadi, Teppakulam Road, Madurai-9

(Transferor)

(2) M. Sarguna Devi, Wo. Murugan, 30-A, New Pankajam Colony, Kamarajar Salai,

(Transferee)

#### OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX,

#### ACQUISITION RANGE-I MADRAS-600 006

Madras-600 006, the 19th April 1985

Ref. No. 72|Sep.|84.—Whereas, I, V. M. MUTHURAMALINGAM,

V. M. MUTHURAMALINGAM, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (heremafter received to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00.000/- and bearing Land and Building T. S. No. 2372|1 situated at Madurai (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Madurai (Doc. No. 4617|84) on 15-9-1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to

market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publica-tion of this notice in the Official Gazotte.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein az are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given i.. that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and for

# (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have 1 it been or which ought to be disclosed by the transferce for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

## THE SCHEDULE

Land and Building in T. S. No. 2372 1 at Madurai. (Doc. No. 4617 84)

> V. M. MUTHURAMALINGAM Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range Madras-600 006.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :---

Date: 19-4-1985

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-IAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-I MADRAS-600 006

Madras-600 006, the 19th April 1985

Ref. No. 73|Sep.|84.—Whereas, I, V. M. MUTHURAMALINGAM,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to 75 the Said Act?), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/and bearing

T. S. No. 17|13 Land and Building situated at Madurai (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the registering Officer at

has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the registering Officer at Madurat (Document No 4695|84) on 15-9-1984 tot an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of .—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys of other assets which have not been of which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the send Act, or the Werdth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the Acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269 D of said Act, to the following persons, namely:—

(1) Rupa P. Kamalam and Others, 28A|1, Chairman Nallamuthu Pillai Lane, Madurai.

(Transferor)

S. Pushpam,
 Chairman Nallamuthu Pillai Lane,
 Madurai.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days, from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein are defined in Chapter XXA of the said Acashall have the same meaning as given in that Chapter

### THE SCHEDULE

Land and Building in T. S. No. 17|13, Madurai, (Doc. No. 4695|85)

V. M. MUTHURAMALINGAM
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range
Madras-600 006.

Date: 19-4-1985

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

## Madurai.

# (2) J. N. Jothikrishnan, 59, Tiruvalluvar Colony,

8. Sithu Balakrishna Iyer Lane,

(1) M. K. Subramaniam,

Madurai-9.

(Transfereo)

(Transferor)

## OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX.

#### ACQUISITION RANGE-I MADRAS-600 006

Madras-600 006, the 19th April 1985

Ref. No. 74|Scp.|84.--Whereas, I, V. M. MUTHURAMALINGAM.

V. M. MUTHURAMALINGAM, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing
T. S. No. 606 Land and Building situated at Madurai (and more fully, described in the Scheduled annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the registering Officer at Madurai (Document No. 4712|84) on 15-9-1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as afore aid believe that the fair market value of the property as afore aid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazetts or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later:
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer: and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been of which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Land and Building in T. S. No. 606, Madurai. (Doc. No. 4712|84)

> V. M. MUTHURAMALINGAM Compe'ent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
> Acquisition Range
> Madras-600 006.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

Date: 19-4-1985

#### FORM ITNS ---

#### (1) Somasundaram Chettiar & Others, 30-B. Melachetty St. Madurai.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) C. Sethuraman, 2-B, Lakshmipuram 8th St., Madurai,

(Transferce)

GOVERNMENT OF INDIA

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACOUISITION RANGE-I MADRAS-600 006

(a) by any of the aforesaid persons within a period of

45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

Madras-600 006, the 19th April 1985

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

V. M. MUTHURAMALINGAM, being the Competent Authority under Section 269D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing Land and Building in T. S. No. 746 & 748 situated at exceeding Madurai

(and more fully described in the Schedule annexed hereto).

Ref. No. 75|Sep.|84.-Whereas, I,

has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Madurai (Doc No. 4737/84) on 15-9-1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor more than fifteen per cent of such apparent considera consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :--

EXPLANATION: - The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act. in respect of any income arising from the transfer; and/or

THE SCHEDULE

Land and Building in T. S. No. 746 and 748 at Madurai. (Doc. No. 4737 84)

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the sald Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

V. M. MUTHURAMALINGAM Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range Madras-600 006.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Art. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :-

Date: 19-4-1985

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

Sarada Ammal
 Wlo. Pichai Chettiar,
 Khanpalayam Cross Street,
 Madurai,

(Transferor)

(2) P. Saravan Kumar, Slo. Pandian Chettiar, 6[12, Ambalakara Chettiar St. Paramakudi.

ever period expires later;

(Transferee)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-I MADRAS-600 006

Madras-600 006, the 19th April 1985

Ref. No. 76|Sep.|84,—Whereas, I, V. M. MUTHURAMALINGAM,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No.

Land & Building in T.S. No. 868|7-2 and 868|6 situated at Madurai

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the registering Officer at

Madurai (Document No. 4753|84) on 15-9-1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as afore, aid exceeds the apparent consideration therefor by more the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument than fitteen per cent of such apparent consideration and that of transfer with the object of .—

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of the notice in the Official Gazette.

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

(a) By any of the aforesaid person within a period of 45 days from the date of publication of this in the

official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, which-

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

### THE SCHEDULE

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act 1957 (27 of 1957);

Land and building in T. S. No. 868|7-2 and 868|6 at Madurai, (Doc. No. 4753|84).

V. M. MUTHURAMALINGAM
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range
Madras-600 006.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons namely:

Date: 19-4-1985

Scal:

(1) SP. RM. Ramanathan Chettiar & Others Nattarasaukottar, Ramnad Dt

Slo. P. Abdul Khader,

T Mariyui, Kadaladi Union, Mudukaiathur Taluk,

(2) A. Yusufi,

Ramnad Dt.

(Transferor)

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

### GOVERNMENT OF INDIA

## OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

## ACQUISITION RANGE-1 MADRAS-600 006

Madras-600 006, the 19th April 1985

Ref. No. 77 | Sep. | 84.—Whereas, I, V. M. MUTHURAMALINGAM, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Re 100000/- and bearing Land and Building at T. S. No. 86 situa'ed at Madurai Town (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Remst ring Officer at Madurai (Document No. 4227 | 84 on 15-9-84

fo an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and hat the consideration for such transfer as agreed to between the narties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income of any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said preperty may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said. Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

### THE SCHEDULE

Land and Building in T S No 86 at Madurai (Doc. No. 4227/84)

V. M. MUTHURAMALINGAM
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range
Madras-600 006.

Now therefore, in prisuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely:—
55-86 GI|85

Date: 19-4-1985

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-IAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-I, MADRAS-600 006

Madras-600 006, the 19th April 1985

Ref No 78|Sen|84.—Whereas, I, V. M. MUTHURAMALINGAM,

being the Competent Authority under Section 2698 of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (heroinafter referred to as the 'Said Act'), have leason to believe that the immovable properly, having a fair marke, value exceeding

as the 'Said Act'), have leason to believe unit the immovable propoly, having a fair marke, value exceeding Rs. I 00 0001- and bearing Door No. 3010 situated at West Masi Street, Modurai (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has be a transferred under the Registration Act. 1908 (14 of 1908) in the office of the Pogistering Officer at Sub-Registrat Pullumindapam, Madurai, (Doc. No. 2270[84]) on Sentember, 1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than lifteen ner cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said act in respect of any income arising from the transfer, and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act. 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) (a) Smt. Rath'n immal, Who That gaveiu Mulahar, 30, west Mast at, Madu di. (b) Babi al as R jam n ekminal,

Wo Kanagarij Mulanar, 14, Sada i am Pilai St., Udamalpet.

(c) Suala ohas Me n kshi Wlo Radhaki shnan , Kottoor Ma ayandipattinam, Pollachi Taluk.

(Tansferor)

(2) Smt Kalvanasundrammal, Who A. M. C. Avunuculam, 197-A. Fast Perumal Maistry Street, Madurai.

(Transferee)

Objections, if any to the acquisition of the said property may be made to writing to the undersigned :---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette of a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of the notice in the Otheral Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expression used herein as are defined in Chapter XXA of the said. Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

House Property at Door No. 3010 West Masi St., Madurai, Document No. 2270[84, SRO, Pudumandapam, Madurai.

V. M. MUTHURAMAI INGAM
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Pange
Madural.

Date: 19-4-1985.

## FORM NO. I.T.N S.

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 QF 1961)

### GOVERNMENT OF INDIA

## OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMM SSIONER OF INCOME-TAX

## ACQUISITION RANGE-I, MADRAS-600 006

Madras-600 006, the 19th April 1985

Ref. No. 79|Sep|84.—Whereas, I. V. M. MJTHURAMALINUAM,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) hereinalter referred to as 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a rail market value exceeding Rs. 1,00 000/- and bearing No.

S. No. 75,1 and 75,2 (Land) situated at Pudaman lapam,

(and more fully described in the Schedule annexed h reto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Pudumandapam, Madurai (Doc. 23-14|84) on 30-9-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reas in to believe that the rain market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the pirities has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been for which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act. 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby init ate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

(1) M. Subbiah Thevar, Slo Mutauawamy Thevar 5% M ulana St., Anna Nagar, Madurai.

(Transferor)

Smt. Hemalatha,
 Wo P. K. Krishnasamy,
 South Vasal,
 Madurar.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said mmoxable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning 26 given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Land at T. S. No 75|1 and 75|2 at Madurai (Doc. No. 2314|84).

V. M. MUTHURAMALINGAM
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissions of Incompact,
Acquisition Range
Madural.

Date: 19-4-1985

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-IAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

#### A. Saroja Wlo, KA AA, Arunachalam Nadar & Others Rai way Feeder Road, Siyakasi.

(Transferor)

(2) S. Ashok, Slo KA.AA Arunachalam Nadar 164, Palaniandipuram Colony, Siyakasi.

(Transferce)

## OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-IAX,

ACQUISITION RANGE-I, MADRAS-600 006

Madras-600 006, the 19th April 1985

Ref. No 80|Sep|84.—Whereas, I, N. M. MUTHURAMALINGAM,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act.) have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Ro. 1,00,000-and

bee ing No. Land and Building in T. S. No. 94 and 95]2 situated at Triuthangal V llage.

(and more faily described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Regi tration A t, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Truthampal (Doc. No. 1368/84) on 15-9-1984.

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fitteen per cent of such apparent consideration and that the consideration to: such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette of a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shan have the same meaning as given to that Chapter

## THE SCHEDULE

Land and Building at T.S. No. 94 and 92/2 at Tiruthangal (Doc. No. 1368/84).

V. M. MUTHURAMALINGAM Inspecting Assit. Commissiomner of Income-tax Acquisition Range Madurai.

Now, therefore, in pursuance of Section 26%? If the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice und a precion (1) of Section 269D of the said Act, to the following sersons.

Date: 19-4-1985.

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

(1) Somasundara Nadar, 2/ mdar Chiaambara Nadar St., Biyakasi.

(Transfero, )

(2) Manjula,
Wlo K. Selvam,
86, bub amantapuram Colony
biyakasi.

(Transferec)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-IAX

ACQUISITION RANGE-I, MADRAS-600 006

Madras-600 006, the 19th April 1985

Ref No. 81|Sep|84 — Whereas, J, V. M. MUTHURAMALINGAM,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) there natter referred to as the Said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1.00,000/- and bearing Land and Building in T. S. No. 1488¹2 situated at Tiru hangal.

Land and Bunding in T. S. No. 1488'2 situated at Tiru hangal, and more fully described in the Scheduled annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering

Officer at Tiruthangal (Doc. No. 1475;84) on 30-9-1984.

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aloresaid property, and I have reason to believe that the Iau market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the obect of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act. in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-ax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of public tion of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the sa d immovable projects, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in I napter XXA of the said Act, shill have the same meaning as given in that Chapter

THE SCHEDULE

Land and building at T. S. No. 1488[2. (Doc. No. 1475[84).

V. M. MUTHURAMALINGAM
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Pange
Madarai.

Now, therefore, in pursuance of Section 269°C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

Date: 19-4-1985

## FUAM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-1AX ACT, 1961 (43 OF 1961)

### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONLR OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-I, MADRAS-600 006

Madras-600 006, the 15th April 1985

Ref. No F. No 82|Sept|84. —Whereas, I, V. M MUTHURAMA INGAM,

being the competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (he enalter referred to as the 'said Act), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/and bearing

Survey No. 757|1 D 3A5 situated at Sivakasi, (and more rully described in the chedule annexed her to), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Rigistry Officer at Sind-Registrar Sivakasi (Dorument No. 2596[84]) on September, 1984.

to an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than lifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and or
- (b) facilitaing the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been of which ought to be disclosed by the transferce for the purposes of the Indian Income tax set 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 or 1957);

(1) Sir K. Gopal and Sir K. Kannan, for Mis. Gopi. Kanna. Trade s, K. m. k. h. Nagar, Thirithangal, Sivakasi.

(Transferor)

(2) Smt. A. R. Porpavai,
Wlo. P. I. Arunachalam Chettiar,
Valayapotti,
Thiruma am. Taluk,
Pudukottai & Dist. Siyakasi

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the fale of publication of this nonce in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later:
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Laplanation:—The ferms and expressions used herein as are defined in Chapter NNA of the and Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Vacant site in S. No. 757|1 D3 A5 in Sivakasi Sub Registrar, Sivakasi. Document No. 2486|84).

V. M MUTHURAMAYINGAM Inspecting Assit. Comissioning of infome-tax Acquisition I a ge Madurai.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date: 15-4-1985

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

## OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT CUMMISSIONER OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE-L MAJRAS-600 006

Madra-600 006, the 15th April 1985

Ref. No F No 83 Sept | 84 - Whereas, I, V. M. MUTHURAMALINGAM,

being the Competent Authority under Section 269B of the Incorne-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinofter referred to as the and Act) have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs 1,00 000[4 and bearing Ward No. 15, situated at Varanakara St., Ramanathapuram

Town.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Regist at on Act, 1908 (16 of Office of foint Sub-Presistrate I Ramua, hapuram (Document No. 933[84]. in September, 1984.

for an apparen consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as afore-said exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:-

(1) Smt. Jayalakshmi Ammil. Wo. Sii R V. Vadivel Pillar, No 20 Chedathamman Rod et, Madu. si

(Transferor)

(2) Smt. Svc i Fathumal, Wlo Sri khaja Naj mudeen, Thermuveli. Muthuku athur, P i nothapuram Dist. Madurai,

(Transferec)

Objections if any to the acquisition of the said property may be made in writing to the indersigned:-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the filleral Gazette of a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -- The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

House Property at Ward No. 15, Vanakkara St., Ramanathapuram Town wo ament No. 933]84 Joint Sub-Registrar-II, Ramanatha-

> V. M. MUTHURAMALINGAM Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range Madurai,

Date: 15-4-1985

Scal :

### NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-1AX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

## OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

## ACQUISITION RANGE MADURAI-625002

Madurai-625002, the 15 h April 1985

Ref. No. F. No. 84|Sept |84.-Whereas, I. V. M. MUTHURAMALINGAM,

being the competent authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as one said Act) have rea on to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/and bearing

and bearing

No. Survey No. 18|2 situated at Sankaraperi village,
Bolindicken Pettai, Tuticorin

(and more fully described in the Schedule annexed hereto)
has been transferred u der the Registration Act 1908

(16 of 1908) in the office of the Registering Office of the Registeri at Joint Sub-Registrar-II, Tu icorin, Document No 905 84 in September 1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act. 1922 the purposes of the Indian Income-tax Act. 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957); (1) Sri Pugalenthi, So. Sri S. S. Marickavasage Nadar, No. 29, Selvijer St., Tuticorin.

(Transferor)

(2) 1. P. Durairaj, So Peria Nadar,

2. Nchrupiakash, So. K. Kathiresan, 182-K, Vicorial Extension Road, Tuticorin.

A. P. Chellappa Nadar, Slo, Perianayaka Nadar, 123, Kamaruj Nagar, Rajupalayam.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter,

## THE SCHEDULE

Land and Building in S. No. 18/2 Door No. 109, Bolnaickenpettai, Tuticorin

> V. M. MUTHURAMALINGAM Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range Madurai.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initial e proceedings for the acquisition of the atoresaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely :-

Date: 15-4-1985

S. N. T. Rajaram, So. C.Rm. N. Thirupathi Nadar, 46, Chakkadi St., Kovilpatti.

may be made in writing to the undersigned :--

whichever period expires later;

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) N. R. K. R. Ravindran, Slo. N. R. K. Rajarathina Nadar, No. 3, A. R. Arunachale Nadar Road, Sıvakasi,

Objections, if any, to the acquisition of the said property

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said

in that Chapter.

Act, shall have the same meaning as given

in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons.

(Transferee)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX,

> ACQUISITION RANGE MADURAL-625002

Madurai-625002, the 15th April 1985

Ref. No. F. No. 85 Sep 84,-Whereas, I. V. M. MUTHURAMALINGAM,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'siid Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs 1.00,000/- and bearing

No Survey No. 77 4 Door No. 2 73 & 2 73A situated at Fppothomyendran, Et ayapuam Taluk

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been trun ferred under the Registration Act, 1908 1908) in teh Office of the Registering Officer

at Sub. Registrar, Ettayapuram, Document No 1-16/84

in September 1984

for an apparent consideration which is less than the fau muket value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of ;---

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer, andlor
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

## THE SCHEDULE

Land and Buildings in Door No. 2|73 and 2|73-A and in Survey No. 377-4 in Eppothumvendran village, Ettayapuram Taluk

SRO, Etlayapuram. Doc. No. 1-16/84.

V. M. MUTHURAMALINGAM Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range Madurai

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following no cons. namely --56-86 GI|85

Date: 15-4-1985

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

## OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

#### ACQUISITION RANGE MADURAL-625002

Madurai-625002, the 15th April 1985

Ref. No. F. No. 84.—Whereas, I, V. M. MUTHURAMALINGAM,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the said Act) have reason to believe that

the immovable property, having a fair market value exceeding Rs 1 00 000/ and bearing

Rs. 1,00,000/ and tearing
No. S. No. 309 situated at Nagalkoda village. Tankasi Taluk
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),
has been transferred as per deed registered under the Indian
Registration Act. 1908 (16 of 1908) in the office of the
Registering Officer

at Joint Sub-Registrar-II, Tenkasi Document No. 710|84 in

Sep. 1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, it respect of any income arising from the transfer and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely —

(1) S. Natarajan, 11, C. N. K. Road, Triplicane, Madras-5.

(Transferor)

D. Violet, Wo. R. Dhanapalan,
 A. Flonda, Wo. Anthonidose,
 No. 29, 1st Main Road,
 Kodambakkam, Madras-26.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION.—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Agricultural lands in Survey No. 309 in Nagalkoda village, Tenkasi Taluk, Tirunelveli District. Joint Sub-Registrar-II, Tenkasi. Document No. 710 84.

V. M. MUTHURAMALINGAM
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range
Madurai,

Date: 15-4-1985

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

### GOVERNMENT OF INDIA

## OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

#### ACQUISITION RANGE MADURA1-625002

Madurai-625002, the 15th April 1985

Ref. No. F. No. 87|Sept. |84.---Whereas, I, V. M. MUTHURAMALINGAM,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. Municipal Survey No. 5603 situated at South Fourth

Street, Pudukottai

(and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office the registering Officer at Joint Sub Registrar-I, Pudukottai Doc. No. 2525/84 in

September 1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

(1) S. KR. Valliammai Achi, Wlo. M. P. N. S. Karoppiah Chetnar, Kuruvikondanpatti, Rangiam, Thirumay Faluk, Pudukottai Dist,

(Transferor)

(2) K. Vasudevan, Slo, Krishna Pillai, No 13, Lakshmipuram 1st St., Pudukotthi.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

House Property at South protion of South 4th Street, Pudukottai Town in Municipal Survey No. 5603, Door No.

> V. M. MUTHURAMALINGAM Competent Authority
> Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
> Acquisition Range Madurai,

Date: 15-4-1985

NOTICL UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE, MADURAI-625002

Madurai-625002, the 15th April 1985

Ref. No. F. No. 88|Sept|84.--Whereas, I, V. M. MUTHURAMALINGAM.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1.00,000/- and bearing

T. S. No. 4239 situated at South Third St., Pudukottai Town, Officer at Joint Sub-Registrar, I. Pudukottai Doc. No. 2424 84 (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Joint Sub-Registrar, I. Pundukottai Doc. No. 2424 84 in September, 1984.

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fitteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act 1957 (22 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 Shri Annamalai Chettiar, Slo. A. N. Ramanathan Chettiar, Ramachandiapuram, Fanangudi, Thirumayama Taluk, Pudukottai Dist. Sri A. M. Ramananthan alias Kaman addresses as above

(Transferor)

(2) Smt. K. M. Visalakshi, Wlo. A. P. R. Kumurappa Chettiar, N. A. House, Kuzhupprai, Thirumayam Taluk, Pudukottai Dist,

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of the notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period experts later;
- (b) by any other person interested in the said ummovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions—used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

### THE SCHEDULE

House Property at South Thud St., Pudukottai Town, in T. S. No. 4329—Ward No. 14. Doc. No. 2424|84.

V. M. MUIHURAMALINGAM
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range,
Madurai.

Date: 15-4-1985.

 Smt. A. Mubarok N.sha, Wlo. A. R. Shajehan, A.M.A. Nagar, Pudukottai.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

(2) M. Jehabar & his sons, So. Haji K. A. Mohamed Abdul Majced Rowther, EMBAL, Thirumayam Taluk, Pudukottai. Dist. (Transferee)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE,
MADURAI-625002

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :--

Madurai-625002, the 15th April 1985

Ref. No. 89 Scpt 84.—Whereas, I, V. M. MUTHURAMALINGAM, tems the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 100.000/- and bearing No

R. S. 212|4A situated at Pudukottai Town (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering

Officer at Joint Sub-Registrar-I, Pudukottai Doc. No. 2422 84.

in September, 1984.

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days, from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovble property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Punjai Lands in Rs.-212|4 a in Pudukottai Tokn.

THE SCHEDULB

V. M. MUTHURAMALINGAM
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range,
Madurai.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely:—

Date: 15-4-1985.

Seal ·

ىرىت∹ بۇلىدە ئەسسا

FORM ITNS----

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-I, MADURAI-625002

Madurai-625002, the 15th April 1985

Ref. No. 90]Sept.[84 -- Whereas, I, V. M. MUTHURAMALINGAM,

V. M. MUTHURAMATINGAM, being the Competent Authority under Socion 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and Learing T.S. No. 5379/2A Ward No. 18 situated at Marthandapurous 2nd St., Pudukottai (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registration Officer of Joint Sub-Registrar-I, Pudukottai, Doc. No. 2540/84 on Sepember, 1984

on Sepember, 1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :--

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer;

moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act. 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

(1) S. P. Murugappan and his son M. R. Subramanian, S o S. M. Rm. M. R. Murugappa Chettiar Kempet, Thuumayam Taluk, Pudukottai Dt.

((Transferor)

(2) K. M. Nagappa Chettiar S'o Kumarappa Chettiar, Madias Ripon Trust, Muthandapuram 2nd Street, Pudukottai Dt.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the activities of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

FAPLANATION: - The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

House Property at T.S. No. 5379/2A, Ward No. 18, Marthandapuram Second St., Pudukottai, Doc. No. 2549/84.

V. M. MUTHURAMALINGAM Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-1 Madurai-625002

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby in tiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :---

Date: 15-4-1985

Scal :

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE-I, MADURA1-625002

(1) V Annamalar Chettiar S o Valliappa Chettiai, Rangiyam, Thirumayam Taluk.

(Transferor)

(2) Smt. N. Alagammai Achi W/o Natarajan Chettiar, P Magapuri, Pillamangalam, Thirumayam Taluk.

(Transferce)

Madurai-625002, the 15th April 1985

Ref. No. F. No. 91|Sept |84.-Whereas I, V. M. MUTHURAMALINGAM,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000 /- and bearing No.

T.S. 4136 situate at Pudukottal Town

(and more fully described in the Scheduled annexed hereto). has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Joint Sub-Register-I, Pudukottai Doc. No. 2583 84 on Sepember, 1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of-

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Givette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Offic al Gazette.

FYPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability respect of any income arising from the transfer; and/or

of the transferor to pay tax under the said Act, in

## THE SCHEDULE

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Hous property in T.S. No. 4136 in Pudukottai Town, Document No. 2588/84.

> V. M. MUTHURAMALINGAM Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range-I Madurai-625002

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :-

Date: 15-4-1985

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX, ACT, 1961 (43 OF 1961)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX

### ACQUISITION RANGE-I, MADURAI-625002

Madurai-625002, the 15th April 1985

Ref. No. F, No. 92|Sept.|84.—Whereas, I, V. M. MUTHURAMALINGAM,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs 1.00.000l- and hearing

Rs. 1,00,000|- and bearing
T.S. No. 12 situated at Thillai Nagar, Trichy
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),
has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of
1908) in the Office of the Registering Officer at
Sub-Registrar, Woriyur. Document No. 2989/84
on Sepember, 1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the exceeds the apparent consideration therefore by more than parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the Hability of the transferor to pay tax under the said Act. in respect of any income arising from the transfer: and or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1937 (27 of 1937);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

(1) A. Kanchan, W/o Ananthan, 16, Sunnampukara St., Trichy,

(Transferor)

(2) Smt. G. Padmavathi W/o S. Gopal, D-66, A-11 Cross, Thillainagar, Trichy-18.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later.
- (b) by any person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette

EXPLANATION.—The terms and expressions used herein are as defined in Chapter XXA of the said Act, and shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

House property in T.S. No. 12 in Thillainagar, Trichy-18. Document No. 2989/84 S.R.O. Woriyur

V. M. MUTHURAMALINGAM
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-1
Madurai-625002

Dato : 154 1505

Scal:

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASST. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

> ACQUISITION RANGE-I, MADURAI-625002

Madurai-625002, the 15th April 1985

Ref. No. F. No. 92|Sept.|84,-Whereas, 1, V. M. MUTHURAMALINGAM,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that he immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/-

and bearing No.

T.S No. 3 suated at Thillai Nagar, Trichy (and for fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at No. 2988/84 Sub-Registrar, Woriyur, Document No. 2988/84 on Sepember, 1984

for an apparent consideration which is less than the turn market value of the a oresaid property and I have reason to believe that the fair market value of the p operty as aforesaid exceeds the apparent consideration herefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been 'ruly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitation the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act respect of any income arising from the transfers and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act. 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore in pursuance of Section 269C of the said Act I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of section 269D of the said Act, to the following persons namely :--57---86 G1 85

(1) Smt. S. Kalaichelvi. W/o Karuppian No. A-10, 1st Main Road, Ramalinga Nagar, Trichy.

(Transferor)

(2) Shri Hashmuklal M. Vora, Sri Mahendrakumai M. Vora, Sri Jayanthilal M. Vora, Sons of Mandal Gaganlal Vora, C-46, 9A Cross, Thillar Nagar, Trichy.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned .--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette,

EXPLANATION; The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

House property at TS. No 3. Thillai Nagar, Trichy. Document No. 2988/84, SRO, Woriyur.

> V. M. MUTHURAMAI INGAM Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-I Madurai-625002

Date: 15-4-1985

## FORM IINS

# NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## (1) Sri J. V. Krishnamoorthy S. o. T. S. V. nkaanannan, Thillar Nagar, Trachy.

(Transferor)

## GOVERNMENT OF INDIA

#### (2) Sri Arunachalam Shi Chelhah Fillat, Kadi Chety St., Wonyur, Kadi Chetty St., Wonyur, Tirchy.

## OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

## (Transferce)

ACOUISITION RANGE, MADURAI-625002

Madurai-625002, the 15th April 1985

Ref. No. F No 94 Scot. 84 - Whereas, 1,

V. M. MUTHURAMALINGAM, being the Competent Authority under Section 269B of the Income tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value

excreding Rs. 100 000/-and bearing No. New T.S. No. 73, New Block 28

situated at Thillse Nagar, Trichy

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the Office of the Posistering Officer at Sub-Registrar, Woriyur Document No. 2953/84 on Sepember, 1984

for an apparent onsideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the orioperty is atom suid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act. in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment to any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the prenown of the Indian Income-tax Act 1922 (11 of 1972) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the pulication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

House property in New f.S. No. 73, New Block 28 in Thillain 24r, fri hv.
Document No 2953/84 SRO, Woriyur,

V. M. MUTHURAMATINGAM
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissi ner of Income-tax
A time Pange
Madurai-625002

Now therefore in pursuance of Section 2690 of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of aforesail proceeds by he issue of the notice under the Section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely:—

Date: 15-4-1985

Scal:

FORM ITNS----

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-IAX ACI, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME IAX

ACQUISITION RANGI-I, MADURAI 625002

Madurat 625002, the 15th April 1985

Ref No F No 95|S pt |84 -- Wh. Ieas I, V M MJTHURAMALINGAM,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income tax Act, 1961 (43 of 1961) (herrinality reterred to us the said Act), have reason to behave that the immovable property having a fair market value exceeding Rs 1,00,000 and bearing No

TS No 11 situated at Vadavoor Village Trichy (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act 1999 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Sub-Registrar, Worryur, Document No 2946/34 on Sep mber, 1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the atoresaid property and I have reason to believe that the fair market value of the projectly as atoresaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration or such transfer as agreed to be two in the porties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of second consideration of transfer with the object of second consideration.

- (a) facilitating the reduction or evasion of the fiat-fity of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer, tashed
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been of which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the trainin income (2 Act 1924 (11 of 1922) or the east Act or the Wealth-man Act, 1957 (27 of 1957):

Now, therefore in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Dr S Rangarajun Slo Satigepa lyengar, No 13, k gaumamapuram (Ramnagar), Th'llat Nagar, Trichy

(Transferor)

(2) V Ramaswamy S/o S Vaith lingam Pillar, 94 Kiriam in ckim Village, Lalgudi, Trichy Dt

(Transierce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned .--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 50 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazetto.

EXPLANATION: —The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said.

Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

88 cents of lands in Vadavoor Village in 1.8 No 11 of Trichy Joint No 3 Registation Dt Document No 2946/84, SRO, Worryur,

V M MUTHURAMALINGAM
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Ronge-I
Madurai-ft/5002

Date 15 4-1985 Seal :

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-IAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-IAX, ACQUISITION RANGE MADURAI-625002

Madurai-025002, the 15th April 1985

Ref. No. F. No. 96|Sept|84 - Whereas, I. V. M. MUTHUKAMALOAM,

being it c Competent Authority under Section 269B of the Income tax Act, 1961 (43 of 1961) (herematter referred to as the aid Act), have reason to believe that the immi vable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/and bearing Door No. 20-21 (Plot No. 21) situated at 3rd Street, S. S.

Colony, Madura.

(and mole fully described in the Schedule annexed hereto) has been tran terred under the Registration Act 1308 (16 of 1908) in the office of the R usion ng

Officer at Joint Sub-Registrar-IV, Madurai. Document No. 5668/84 on 26-9-1984

for an apparent to a deration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have r uson to believe that the fair marke value of the property as aforesaid exceeds the applie t consideration therefor by mo e than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such anister as agreed to etween the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferees for the purpos s of the Indian In ome-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957); (1) Rm. Lakshmanau. Clo. Rm. Ramanathan, Plot No. 120, K. K. Nagar, Madurai-20.

(Transferor)

(2) P Krishnan, Sio Padmanabha Iyer, No 3, S. P. G Church Lane, Madurai, Now at No. 17, Moorthy St, Cauvery Nagar Kumbakonam,

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later,
- (b) by any other person interested in the said immovable

  projectly within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

House Property Plot No. 21, Door No. 20-21, 31d St., Somisundara u am Colony, Madurat Document No. 5668 84, Joint SRO, IV, Madurai

> V. M MUTHURAMALINGAM Competent Authority Inspecting Astt. Comissioner of Income-tax Acquisition Pange Madurai

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said aforesaid property by the issue of this notice under sub-Act I hereby initiate proceedings for the acquisition of the section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :---

Date: 15-4-1985.

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

## OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

#### ACQUISITION RANGE MADURAI-625002

MADURAI-625002, the 15th April 1985

Ref. No. F. No. 97|Sept|84.-Whereas, I,

V. M. MUTHURAMALICIAM, being the Competent Anthonity under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act), have reason to believe that the immovable property having a fair ma ket value exceeding Rs. 1,00,000/and bearing

A. S. Nos. 1674|2, 1698, 1676, 1680, 1682 A. S. No. 1670, 1675, 1679, 1669, 1681, simated at Puliyoor village. (and more tuny described in the Schedule annexed hereto)

has been transferr d and registered under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at oint No. 1 Sub-Registers, Kolui, D cubent Nos. 1052 to 1055, 1071 to 1074 and 1082 to 1085/84 in September,

1984.

for an apparent consideration which is less than the fair maket value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fiften per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay the under the saud Act in respect of any income arising from the transfer; and for
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

(1) Smt Rakkavee Ammal and Others, Puliyoor, Karur Taluk.

(Transferor)

(2) Shr' T. Thenappan, Trustce, Ran Meyyammai Achi of Chettinad Charitable Trust, Puliyoor, Karur Taluk. (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION --- The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

### THE SCHEDULE

Punjai Lands in Puliyoor Villige, Karur Taluk, measuring 25-62 acres in A. s. No. 1674/2 1698 1676, 1680 1670, 1682 A.S. No. 1675, 1679, 1669, 1681/ Docum at Nos. 1052 to 1055 of 84 1071 to 1074 of 84 1082 to 1085 of 84. Joint I Sub-Registrar, Karur.

> V. M. MUTHURAMALINGAM Competent Au ho ity Inspecting Astt. Comissioner of Income-tax Acquisition Pange Madurwi

Date: 15-4-1985.

## FORM IINS-

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

(1) Smt Subaitha Bivi, Wo Sve i Manamed, M ini Vilan, Aranihangi,

(Transferor)

(2) K Sanisudcen, Wo, kadei Mohideen, 10 B M nivilan 7th St, Aranthangi.

(Transferce)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF EVENTS ACQUISITION RAILIF MADURAI-625002

MADURAI-625002, the 15th April 1985

Ref No F No 93 3.p of -- Whereas I, V. M MUTHURAMAL GAST

being the Competent Authority under Section 269B of the Incom -tax Act 1901 (4 of 1901) (hereinafter referred to as the 'said Act.), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs 100 000/ and bearing

Sivry No. 17/36 actived at Ministern ville, Aranthings Taluk.

(and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred and represent under the registration  $\Delta t$ , 1908 (16 of 1908) at the other of a Registration

Officer at Sub Registral, Aranchangi Doc. No. 1872/84 in September, 1984

for an apriment consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as iforesaid execus the applient consideration therefor by more than filteen purificant of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties his not been truly stated in the faid instrument of transfer with the object of:

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned.

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette of a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires tater;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation: ... The terms and expressions used herein as are defined in Chapter (1) of the same sock, shall have the same meaning as given in that Chapter

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability or the transferor to pay the under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other a sets which have no been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the ludian income tax. Act. 1922 (11 of 1922) or the said. Act, or the Wearh-tax. Act. 1957 (27 of 1957);

## THE SCHEDULE

Land and Building in Survey No. 17|36, in 149 Pallathivayal Manivilar village Aranthonou Doc. No. 1872|84, SRO, Aranthong.

V. M. MUTHURAMALINGAM
Competen Authority
Inspecting Astt. Commission r. of Inconse-tax
Acquisit or r. 2 cc
Maduri

Now therefore in pursuance of Section 269° of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act of the following persons namely:-

Date: 15-4-1985.

Scal:

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

## OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE MADURAI-625002

MADURAI-625002, the 15th April 1985

Ref. No. Γ. No. 99|Oct|84.--Wher as, I, V. M. MUTHURAMALIGAM,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-(ax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinalter referred to as the said Net') have reason to believe that the immovable property, hasing a tan market value exceeding Rs. 1,00.000/ and bearing

Avan Punjat S. No. 135/3A situated at Third examb r. Trichy (and more fully described in the chedute annexed hereto), has been trun tried under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the officer the Popularian Officer at Sub Rogistral Thiruverambur, Doe No. 2839, 1840]

84, in September, 1984

tor an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration herefor by more than lifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :---

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; andlor
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferree for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act. 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act I hereby initiate proceedings for the acquisition of the storesald property by the same of this notice under sub-Section (1) of Section 269D of the said Act, to the followmg persons, namely :-

(1) P K Mohmed Kashn So Is the Rader Shoh Rowther, Nava attu Road, West, Thun erambur, Trichy

(Transferor)

(2) S. M. Khija Moh'deen, S'o Dan S. M. Mohamed Sultan M lathaniyam thun nayam Jaluk, Pulukottai Di

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :---

- (a) by any of the atoresaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Birette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, which ver period expires later:
- (b) by any other person interested in the said inimo able property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Cazere

EXPLANATION .- The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

### THE SCHEDULE

Land and Builtings in Ayan Punjai Survey No. 135/3A in Thiruveiambur, Trichy,

Cocuments No. 2839 and 2840[84 Sub-Registrar, Thiruverambur

> V M MUTHUR MALINGAN Competent Authority Inspecing Asitt. Commissioner of I come-tax Acquisit on Pange Madurai

Date: 15-4-1985,

Scal:

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX AGT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-LAX, ACQUISITION RANGE MADURAI-625002

MADURAI-625002, the 15th April 1985

Ref. No. F. No. 100|Scpt|84.—Whereas, I, V. M. M. J. H. RAM V.I. CAM,

being the Competent Authority under Section 269 B of the Income-tax Act 1961 43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,60,000|and h hring

Avan Survey No. 135]3A situated at Thicuverambur Village, Trichy.

(and more fully described in the schedule annexed hereto). has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Sub 9 girtha Fb uv Jur, Doc Nos, 2837 and

2838 84 in September, 1984.

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; 8**314** / OF
- (h) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been of which ought to be disclosed by the transferes for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 20-6 of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquiation of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:--

(1) M Rahima Bibi, Wlo. P. K. Mohamed Kasim, Navalpattu Road, West. Thiruverambur, Trichy-13,

(Transferor)

(2) Smt Saliha Bibi, Wlo. S. M Mohamed Sultan, Guardian of minor S. M. Bashirali, Melathan.yam, Tirumayam, faiuk,

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons. whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Land and Building in S. F. No. 135 3A in Thimeuverambur Village, Trichy.

Document No. 2838 and 2837 84, SRO, Thiruverambur.

V. M. MUTHURAMALINGAM Competent Au hority Inspecting Astt. Comissioner of In ome-tax Acquisition Range Madurai

Date: 8-3-1985

Seai :

(1) R. Angamuthu Chettlar, Slo. A. Raju Chettlar, South St., Karur,

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

 Smt. V. Indira. W|o. M. G. Venkatraman, Jawar Bazar,

(Transferce)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX.

> ACQUISITION RANGE MADURAI-625002

MADURAI-625002, the 15th April 1985

Ref. No. 101|Sept|1984.—Whereas, I, V. M. MUTHURAMALINGAM,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (heremafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 100,000/and hearing No.

and bearing No. T. S. No. 1363 situated at 2nd War, 6th Division, Mulla Sahib

St., Karur Town.

(and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Joint I Sub-Registrar, Karur, Document No. 936/84, in September, 1984.

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/est;
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferse for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazetta or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

### THE SCHEDULE

Land and building in T. S. No. 1363 2nd Ward, 6th Division, Mulla Sahib St., Karur Town.
Document No. 836 84, JSRO-I, Karur.

V. M. MUTHURAMALINGAM,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income Tax
Acquisition Range
Madurai
Madurai

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons. namely:——58—86 GI|85

Date: 15-4-1985,

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

## OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, MADURAI-625002

Madurai-625002, the 15th April 1985

Ref. No F. No. 102|Sept.|84.—Whereas, I, V. M. MUTHURAMALINGAM, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a tair mirket value exceeding Rs 1,00,000/- and bearing Survey No. 137 situated at K. Abishekapuram, Trichy (and prore Juliv described in the Schedule annexed hereto), has been transicted under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registration Officer at Joint Sub-Registrat-1, frichy, Document No. 5783/84 on September, 1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair narket value of the property is aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

 Smt. Rahmathunniza Begum W/o Hussain Khan Saiha, Beema Nagar, Trichy.

(Transferor)

(2) Rani Paul Vijayarajan W/o Paul Vijayarajan, AB 63, Anna Nagar, Madras-40.

(Transferee)

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this totice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Land and building in Survey No. 137 in K. Abishekapuram Trichy Taluk. Document No. 5783/84 Joint Sub-Registrar-I, Trichy.

V. M. MUTHURAMALINGAM
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range
Madurai-625002

Now therefore, in pursuance of Section 269°C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (I) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely —

Date: 15-4-1985

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

### OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, MADURAI-625002

Madurai-625002, the 15th April 1985

Ref. No. F. No. 103|Sept.|84.—Whereas, I, V. M. MUTHURAMALINGAM,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinairer reterred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1 00.000/- and bearing Block No. 24, T.S. No. 1570 situated at Puthoor village, Woriyur, Trichy (and more ully described in the Schedule annexed hereto),

has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Sub-Registrar, Worivur. Document No. 2935/84 on September, 1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transferor(s) and the transferee(s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :--

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or ony moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:---

(1) Smt. P. Kamatchi Ammal, W/o Palaniandi Pillai, Kalpalayam. Manachanallur village, Lalgudi Taluk, Trichy Dt,

(Transferor)

(2) Smt. K. Chellammal W'o R. Krishnan Kalpalayam. Manachanallur village, Lalgudi Taluk, Trichy Dt.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -- The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Land and Building in T.S. No. 1570 in Puthur village, Woriyur, Trichy Taluk. Document No. 2935/84. SRO, Woriyur.

> V. M. MUTHURAMALINGAM Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range Madurai-625002

Date: 15-4-1985

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

> ACQUISITION RANGE. MADUR 41-625002

Madurai-625002, the 15th April 1985

Ref No F No 104|Scpt |84 —Whereas, I, V M MUTHURAMALINGAM

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable proporty having a fair market value exceeding Rs 1 00 000/-

and bearing
AS No. 19 4A situate at Kottapattu Village (Subramaniapuram) Ponmalar, Trichy

funt note tuble described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Remstration Act. 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Joint Sub R gistrer I Trichy Document No 6011/84

on September 1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of he afo said plocets and I have reason to believe that the fair market value of the property as iforestid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not be a truly stated in the said instrument of transfer with the object of .—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and /or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transfere for the purposes of the Indian Income-tax Act. 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957); (1) Abraham, Prement Devasabat, Gan ipathi ipillat St., Ranutha mam, Trichy-20.

(Transferor)

(2) Smt Chinnapoochi Ammal W o Andı Konar Kenkur loor Village, Sattu Taluk, Ramanad Dt

(Transferee)

Objections it any to the acquirition of the said property may be made in writing to the undersigned .-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this natice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Acc shill have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Land and buildings in Avan Punjai Survey No. 19 '4A in Kottanattu village (Subramaniapuram) Ponmalai, Trichy, Trichy

Document No 6011/84 Joint SRO I, Trichy

V. M MUTHURAMAI INGAM Comp tent Authority Inspecting Assistant Commission r of Income tax Acquisition Pance Madurat 625002

Now therefore in pursuance of Section 2690 of the said Act I hereby initiate proceedings for the acquisition of he aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :---

Date: 15 4-1985

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-IAX AC1, 1961 (43 OF 1961)

### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOMETAX. ACQUISITION RANGE,

MADURAI-625002 Madurai-625002, the 15th April 1985

Ref No. F. No. 105|Sept |84 -Whereas, I. V M. MUTHURAMALINGAM,

being the Competent Authority under Section 269B of the income-tax Act, 1961 (43 of 1961) thereinafter referred to as the said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs 1,00 000l-and bearing No.

Punjai Survey No. 86 inuated at Vadukapath valage,

Vinalimalai, Kulathoor Taluk
(and more fully described in the schedule amexed hereto). has been transferred und r the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Sub-R gistrar, Vialimalai, Doc. No. 808 to 812/84

on September, 1984 for an apparent con-ideration which is less than the fair market value of the aloresaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration theretor by more than lifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the natties has not seen only stated in

the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating he concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or Which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922), or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquistion of the aforesaid property by the issue of this office notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :---

(1) Flangoyan S/o Kamasamy Gownder, Konamaraienenpatti, Valukapatti Viilag., Viralimalai P.O., Trichy.

(Transferor)

(2) Josheph Mahendran, Falix Ravi, Pol Balendran, Son of Francis Xavier, Dindigul Road, No 32 Gandhinagar, Trichy-1.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice m the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires sater:
- (b) by any other person interested in 'e said immovable property within 45 days from the date of the publication of this not, t in the Official Cazette.

EXPLANATION: -- The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given to that Chapter.

### THE SCHEDULE

Lands and Pumpset in Punjai S. No. 86 in Vadukapatti village, Viralimalai.

Documents No. 808 to 812/84, SRO, Viralimalai.

V. M. MUTHURAMALINGAM Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner or Incom-tax Acquisition Range Madurai-625002

Date: 15-4-1985 Scal

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-1AX ACT, 1961 (43 OF 1961)

### GOVERNMENT OF INDIA

## OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

#### ACQUISITION RANGE, MADURAI-625002

Madurai-625002, the 15th April 1985

Ref. No. F. No. 106|Sept |84 —Whereas, I, V. M. MJTHURAMALINGAM,

being the Competent Authorny under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs 1,00 000/ and bearing T.S. No. 2814 situated at North Raja St., Pudukottai

T.S. No. 2814 situated at North Raja St., Pudukottai (and more fully described in the Senedule annex i nercto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Joint Sub Registrar-I, Pudukottai. Document No. 2343/84 on Sentember, 1984

on September, 1984
for an apparent consideration which is less than the fair market value of the arroresaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been of which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1322 (11 of 1972) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the atoresaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) M P Subramanian Chettiar S/o Muthiah Chettiar, Nachanthupatti, Kottoor, Thirumayam Taluk.

(Transferor)

(2) L. Sarvanan S/o Lakshmanan Pillai, T S 1650, North 3rd St, Pudukottai.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: —The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shal bave the same meaning as given in that Chapter

## THE SCHEDULE

Land and building in T.S. No. 2814 North Raja St., Pudu-kottai.
Document No. 2248/84. Joint SRO-I, Pudukottai.

V. M. MUTHURAMALINGAM ompetent Authority
Inspecting Asstt. Commission r of Income-tax
Acquisition Range
Madurai-625002

Date: 15-4-1985

Scal:

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-1AX ACT, 1961 (43 OF 1961)

### GOVERNMENT OF INDIA

## OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

#### ACQUISITION RANGE, MADURAL-625002

Madurai-625002, the 15th April 1985

Ref. No. F. No. 107|Sept.|84.—Whereas, I, V. M. MUTHURAMALINGAM, being the Competen. Authorny under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the hand Act') have reason to belive that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. exceeding Rs. 1,00,000|- and bearing T.S. No. 5530 situated at South 4th St., Pudukottai (and more ully described in the Scheduled annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Joint Sub-Registrar, Pudukottai. Document No. 2301/84 on September, 1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by

more than fifteen per cent of such apparent consideration

and that the consideration for such tran fer as agreed o between the parties has not been truly stated in the said instru-

ment of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/of
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or o her assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Ind an Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Muthu alias Muthukaruppan Chettiar, Ramachandrapuram, Mangudi, Thurumayam Taluk.

(Transferor)

(2) M. Ayyakkannur S/o Muthiah Pandaram, Kootuthalaipatti, Nerinjikudi, Thirumayam Taluk.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires lated;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

House property at T.S. No. 5530 in South 4th St., Pudukottai.

Joint Sub-Registrar, Pudu kottai. Document No. 2301/84.

V. M. MUTHURAMALINGAM
Competent Authority
Inspecting Assistant Commission of Income-tax
Acousition Renge
Madurai-625002

Date: 15-4-1985

#### FORM ITNS ----

## NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME IAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, MADURAI-625002

Madurai-625002, the 15th April 1985

Ref. No. 108|Sept |84 —Whereas, I, V. M. MULLIUKAMALIN IAM,

being the Component valuation, under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (45 of 1961) (heremater referred to as the said Act) have reason to believe that the introvable property having a fair market value exceeding K. I 00,000/and bearing

Punjai Survey No. 399.8 satuated at Pinviduthi village, Arangudi

(a) ore fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred und r the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Sub-Registeri, Analysis, Document No. 14-1/84 on September, 1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid projectly and I have reason to betieve that the fair market value of the property as affiresaid exceeds the apparent consideration that from by more than lifteen per cent of such apparent consideration and hat the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been in your read in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any moome or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transfered for the purposes of the Indian Income-tax Act 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1937 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act 1 hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-Section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely:—

(1) Kulanthai Fernando, S o Aroki m Udayai, Keslapatti, Aremanga'am P.O., Alangudi Taluk,

(Transferor)

(2) Simiyasan S o Raju Konai, Soorakkadu P O. Alangudi Taluk,

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of said property may be made in writing to the undersigned .—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interest of n the said memovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Lands in Punjai Survey No. 399/8 in Pomanviduthi village, Alangudi Document No. 1421/84. SRO, Alangudi.

V. M MUTHURAMAI NGAM
Competent Authority
Inspecting Assit Commissio et of I com-tax
Accusition Range
Madurat-625002

Date: 15-4-1985

A TA COURT TOWNSHIPS AND AND

FORM ITNS .-

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

#### OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME TAX

ACOMISMON RANGE, MADURAI-625002

Madurai 625002, the 15th April 1985

Ref. No. F. No. 109 Sept |84 —Whereas, I, V. M. M. ITHI RAMALI NGAM, being the Competent Authority under Section 269B of the Income (ax. V. 1.161-(43) of 1961) (hereinafter referred to as the said Act.), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 100,000 and be 1.02. New Ward K. Block J. T.S. No. 24, situated at Warners Road Trichy fan more fully fest upod n. h. Schedule annexed hereto) has been transferred und riths Registration Act. 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Joint Sub P. 2 ft. (1) Trichy Document No. 6083/84 on September 1984.

market value of the aboves ad property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than lifteen per cent of uch apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the fiability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and, or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-mx Act, 1957 (27 of 1957);

Now therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I he else initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely ----

 S. Janaki, W/o R. Srinivasan, No. 21, Watners Road, Trichy.

(Transferor)

(2) Sint Valangai Nachivar Wo M R S Romakrisunan, No 21 Warners Road, Trichy

(Transferee)

Obsertions if any to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :----

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Otheral Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immevable priperty—within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gaze.......

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said. Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

### THE SCHEDULE

House property at No. 21, Warners Road, Trichy, New Ward K. Block No. 4, 1.S. No. 24. Joint Sub-Registrar, Trichy. Document. No. 6083/84.

V. M MUTHURAMATINGAM
Competent Authority
Inspecting Assit. Commissioner of Income-tax
Acquisition Range
Madural-625002

Date · 15-4-1985 Seal :